

सुखदिवसमात्र

सुख

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

००८

७८

पुस्तक - फर्मा



LIBRARY



रामा थरा

मं. २६

१८२५











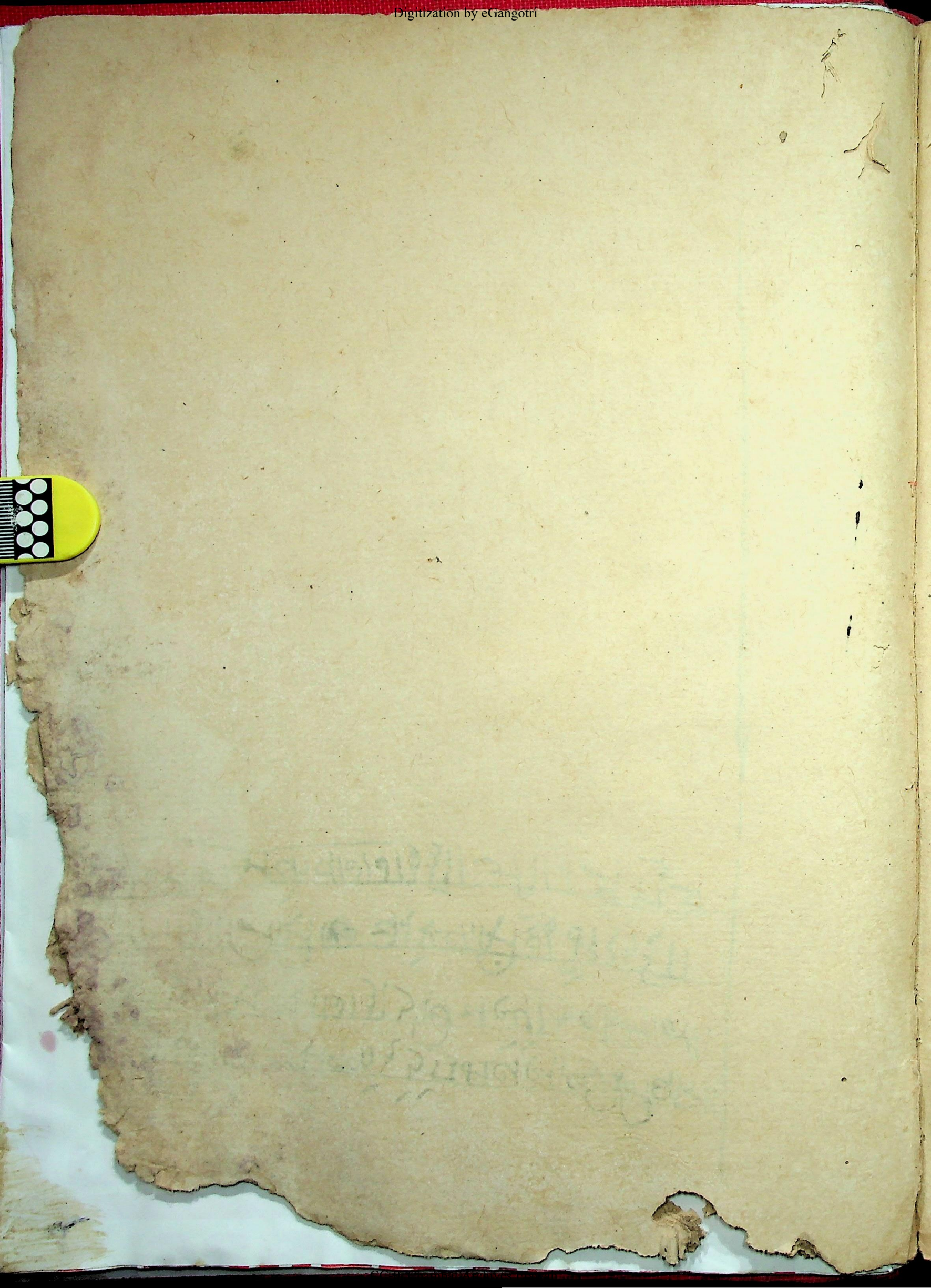


313
= 45
3112
444444





Handwritten text in Devanagari script, likely a musical notation or a short passage, written on a single line within a rectangular frame. The text is arranged in four lines, with some characters appearing to be musical notes or symbols. The script is somewhat stylized and difficult to decipher precisely, but it appears to be a form of musical notation or a short passage in a specific dialect or script.







Handwritten text in a cursive script, likely Indic, spanning the top of the page.

Handwritten text in a cursive script, likely Indic, spanning the middle of the page. The text is written on several lines, with some characters appearing to be in a different script or dialect than the main text.

Handwritten text in a cursive script, likely Indic, located at the bottom of the page.

3

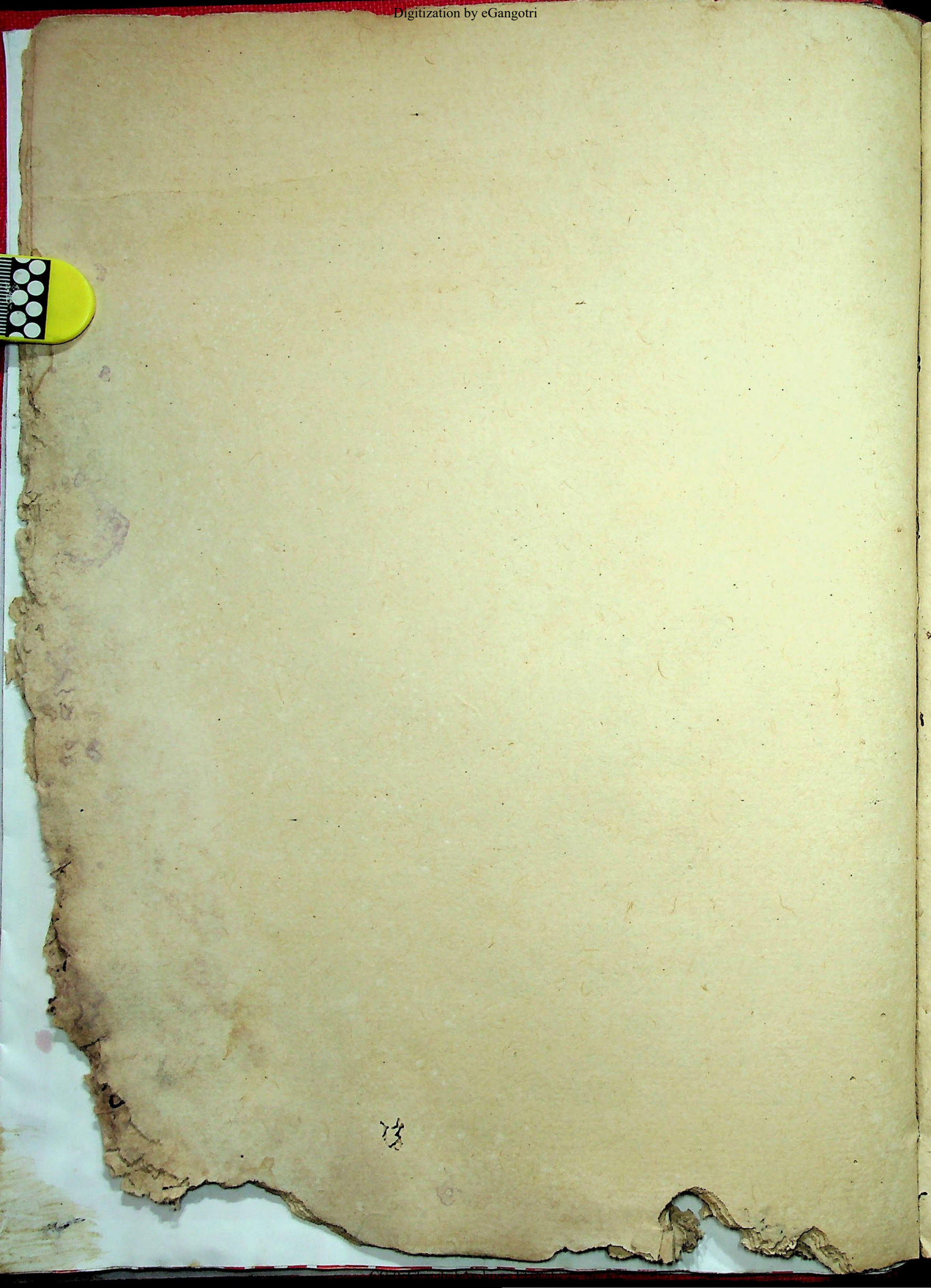
Handwritten text in a script, likely Indic, arranged in vertical columns. The text is written on aged, yellowed paper. Some characters are underlined. The script appears to be a form of Devanagari or a related Indic script.

Handwritten text in a script, likely Indic, arranged in vertical columns. The text is written on aged, yellowed paper. Some characters are underlined. The script appears to be a form of Devanagari or a related Indic script.

Handwritten word or phrase in the script, likely Indic, positioned between the two main columns of text.

Handwritten text in a script, likely Indic, arranged in vertical columns. The text is written on aged, yellowed paper. Some characters are underlined. The script appears to be a form of Devanagari or a related Indic script.

Handwritten text at the bottom of the page, likely a signature or a concluding phrase in the script.





वाल०

॥१॥ श्रीगणेशायनमः

॥ श्रीमतेनामानुजायनमः ॥ श्रीजानुकीवल्लभोविजयते ॥ वन ॥
 ॥ ताम्रशंसधानानसानाध्वंसामपि ॥ मंगलानांचकत्तोनोद ॥
 ॥ देवानीविनायको ॥ १ ॥ नवानीसंकनोवदस्वधाविस्वास ॥
 ॥ पिनो ॥ ज्ञान्याविनानपस्यति सिधाः स्वातस्थमीस्वन ॥ २ ॥ वंदे ॥
 ॥ बोधमयनित्यगुनुसंकनरूपिन ॥ जमात्रितोहिवक्रोपियद्व ॥
 ॥ सर्वत्रवद्यते ॥ ३ ॥ सीताग्रामगुनग्रामोपुन्यान्नन्यविहानिनो ॥
 ॥ वंदेविमुद्धविग्यानोकवीस्वनकपीस्वनो ॥ ४ ॥ उद्भवस्थितिसह ॥
 ॥ नकानिनींकेसहानिनीं ॥ सर्वत्रियाकनींसीतांनतोहनामवक्ष्म ॥
 ॥ ५ ॥ जन्मायावसवर्तिविस्वमधिलव्रह्मादिदेवासुनाजत्सत्त्वात् ॥
 ॥ मयैवमातिसकलंनज्जोजथाहेचमः ॥ जतपोदोहवमेकमेवहि ॥
 ॥ नवांभोधेस्तितीर्थावतावंदेहंतमसेधकाननपन्ननामायमीस ॥
 ॥ हनिं ॥ ६ ॥ नानापुनानतिगमाभमसंमतंजद्रामायनेनिगदितंक् ॥
 ॥ चिदंन्यतोपि ॥ स्वातःसुषायतुलसीनधुनाथगाथाभाषानिवं ॥
 ॥ धमतिमंजुलमातनोति ॥ ७ ॥ सोनडा ॥ जोसुमिनतसिधिहोइग ॥
 ॥ ननायककनिवनवदन ॥ कनोअनुग्रहसोइ ॥ बुद्धिनासिसुन्नगु ॥
 ॥ नसदन ॥ १ ॥ मूकहोइवाचाल ॥ पंगुचछहिगिरिवरगहन ॥ जा ॥
 ॥ सुक्रपासोदयाल ॥ इवहिसकलकालिमलदहन ॥ २ ॥ नील ॥
 ॥ सनोउहस्याम ॥ तनुअनुनवानिजनयन ॥ कनहुसोमम ॥
 ॥ उनघाम ॥ सदाधेनसागनसयन ॥ ३ ॥ कुंदइंदुसमदेह ॥ डि ॥
 ॥ मानवनकनुनाअयन ॥ जाहिदीनपननेह ॥ कनहुक्रपाम ॥
 ॥ नदनमयन ॥ ४ ॥ वंदोगुनपदकंज ॥ कृपासिंधुननरूपहनि ॥
 ॥ महामोहतमपुंज ॥ जासुवचननविकननिकन ॥ ॥ ॥
 ॥ चोवंदोगुनुपदपदुमप्रागा ॥ रुचिनसुवाससनिमअनुनागा ॥
 ॥ अमिअमूनिमप्रचूननचातू ॥ समनसकलभवजपनिवातू ॥
 ॥ सुकृतसंनुतनविमलविभूति ॥ मंजुलमंगलमोदप्रसृती ॥ ॥ ॥
 ॥ जनमनमंजुमुकरमलहननी ॥ किऐतिलकगुनगनवसकनी ॥
 ॥ श्रीगुनपदनधमनिगनजोती ॥ सुमिनतदिव्यदिसिहियहोती ॥
 ॥ इलनमोहतमसोसुप्रकास ॥ वंदेनागडिनआवतजास ॥ ॥ ॥
 ॥ उधनहिविमलविलोचनहिके ॥ मिटहिदोषदुषभवनजनीके ॥

॥ सह हिरामचरितगुनमानिक ॥ गुपतप्रगटजरुजोगुनधानिक ॥
 ॥ दोहा ॥ जथा सुअंजन आजिद्वगसाधक सिध सुजान ॥
 ॥ कौतुक दृष्टहि सेलवनभूतलभूनिनिधान ॥ १ ॥
 ॥ गुनपटनजम्रदुमंजुलअंजन ॥ नैनअमिअद्विगदोषविमंजन ॥
 ॥ तेहिकनिविमलविवेकविलोचन ॥ वननोनामचरितमवमोचन ॥
 ॥ बंदौप्रथममहीसुनचनना ॥ मोहजनितसंसयसबहनना ॥
 ॥ सुजनसमाजुसकलगुनधानी ॥ कनौप्रनामसंप्रेमसुधानी ॥
 ॥ साधुसमिससुनचरितकपास ॥ निनसविसद्वगुनमयफलजास ॥
 ॥ जोसहिदुषपनधिद्वदुनावा ॥ बंदनीअजेहिजगजसुपावा ॥ ॥
 ॥ मुदमंगलमयसंतसमाज ॥ जोजगजंगमतीनथनाज ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ नाममगातिजहसुनसनिधान ॥ सनसद्वलविधानप्रचारा ॥
 ॥ विधिनिषेधमयकलिमलहननी ॥ कनमकथानविनंदिनिवननी ॥
 ॥ हनिहनकथाविनाजतवेनी ॥ सुनतसमस्तसकलमुदमंगलदेनी ॥
 ॥ बहुविस्वासअवलनिजघनमा ॥ तीनथनाजसमाजुसुकनमा ॥
 ॥ सबहिसुलभसबदिनसबदेसा ॥ सेवतसाइनसुमनकलेसा ॥
 ॥ अकथअलौकिकतीनथना ॥ देइसद्वफलप्रगटसुनाडि ॥
 ॥ दोहा ॥ सुनिसमुहहिजनमुदितमनमंजहिअतिअनुनाग ॥
 ॥ लहहिचानिफलअधततनसाधुसमाजप्रयाग ॥ २ ॥
 ॥ मंजनफलपेधिस्रततकाला ॥ काकहोहिपिकवकडिमनाला ॥
 ॥ सुनिआचनजकनइजनिकोई ॥ सतसंगतिमहिमानहिगोई ॥
 ॥ वालमीकनानदघटजोनी ॥ निजनिजमुखनिकहिनिजहोनी ॥
 ॥ जलचनथलचननभचननाना ॥ जेजडचेतनजीवजहाना ॥
 ॥ मतिकीनतिगातिभूतिभलाई ॥ जबजेहिजतनजहाजेहिपाई ॥
 ॥ सोजानवसतसंगसुनाडि ॥ लोकहुवेहनआनडिपाई ॥
 ॥ विनसतसंगविवेकनहोई ॥ नामकपाविनुसुलभनमोई ॥

॥ सतसंगतिमुदमंगलमूला ॥ ॥ सोइफलसिधिसवसाधनफूला ॥
 ॥ सठसु ॥ धनहिसतसंगतिपाई ॥ पानसपनसिकुघातुसोहाई ॥
 ॥ विचिवससुजनकुसंगतिपनही ॥ फनिमनिसमनिजगुनअनुसमहि ॥
 ॥ विधिहनिहनकविकोविद्वानी ॥ कहतसाधुमहिमासकुचानी ॥
 ॥ सोमोसनकहिजातनकेसे ॥ साकवनिकमनिगनगुनजैसे ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ वंदोसंतसमानचितहितअनहित ॥ नहिहिकोउ ॥
 ॥ ॥ अजुलिगतसुमसुमनजिमिसमसुगंधकनदोउ ॥ ॥
 ॥ ॥ संतसनलचितजगतहितजानिसुनावसनेहु ॥ ॥
 ॥ ॥ बालविनयसुनिकनिकपानामचननतिहोहु ॥ ३ ॥
 ॥ ॥ चौबहुनिवंदोषलगनसतिभाए ॥ जेविनुकाजदाहिनेवाए ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ पनहितहानिलाभुजेहिकेने ॥ उजेनेहनषविषादधसेने ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ हनिहनजसनाकेसनाहुके ॥ पनअकाजभटसहसबाहुसे ॥
 ॥ ॥ जेपनदोषलषहिसहसाधी ॥ पनहितधृतजिहूकेमनमाधी ॥
 ॥ ॥ तेजकसानुनोषमहिषसा ॥ अघअवगुनधनधनीधनेसा ॥
 ॥ ॥ उदयकेतुसमहितसवहीके ॥ कुंनकननसमसोअतनीके ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ पनअकाजलगितनुपनिहनहि ॥ जिमिहिमिउपलकषीदलीगनहि ॥
 ॥ ॥ वंदोषलजससेससनाधा ॥ सहसवदनवननइपनदोषा ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ पुनिप्रनमोप्रथुनाजसमाना ॥ पनअधसुनइ ॥ सहसइसकाना ॥
 ॥ ॥ बहुनिसक्रसमविनबोतेहि ॥ संततसुनानीकहितजेही ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ वचनवजुजेहिसदापिअना ॥ सहसनयनपनदोषनिहाना ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ उदासीनअनिमीतहितसुनतजनहिषलनीति ॥ ॥
 ॥ ॥ जानिपानिजुगजोपिजनु ॥ विनतीकनइसप्रीति ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ चौभैआपनिदिसिकीन्हनिहोना ॥ तिनहनजओनतलाउवचोना ॥
 ॥ ॥ बायसपलिअहिअतिअनुनागा ॥ होहिनिनामिषकवहुकिकागा ॥
 ॥ ॥ वंदोसंतअसज्जनचनना ॥ दुषप्रदुजयवीचुकछुवनना ॥
 ॥ ॥ विधुनतएकप्रातहनिलेई ॥ मिलतएकदाउनदुषदेई ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ इएजहिऐकसंगजलमाही ॥ जलजजोकजिमिगुनविलगाही ॥

॥ सुधा सुधा समसाधु असाधू ॥ जनक एक जगजलधि अगाधू ॥
 ॥ नल अनल निज निज कन तूती ॥ लहत सुजस अपलोक विभूती ॥
 ॥ सुधा सुधा कन सुन सनिसाधू ॥ गनल अनल कलिमल सनिषाधू ॥
 ॥ गुन अवगुन जानत सब कोई ॥ जो जे हिना वनी कते हि सोई ॥ १ ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ नलो नलाई पै लहइ लहइ निचाई नीचु ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ सुधा सनाहि अमनता गनल सनाहि अमीचु ॥ ५ ॥
 ॥ ॥ चौषल अघ अगुन साधु गुन गाहा ॥ उन्नय अपान उदधि अवगाहा ॥
 ॥ तेहिते कछु गुन दोष वधाने ॥ संग्रह त्यागन विनु पहिचाने ॥
 ॥ नलेहु पेच सब विधि उपजाए ॥ गनि गुन दोष वेद विलगाए ॥
 ॥ कहहि वेद इति हास पुराना ॥ विधि प्रपंच गुन अवगुन साना ॥
 ॥ दुष सुष पाप पुन्य दिन नाती ॥ साधु असाधु सुजाति कुजाती ॥
 ॥ दान वदेव उंच अनु नीचू ॥ ॥ अमि असजीव निमाहु नमीचू ॥
 ॥ माया ब्रह्म जीव जगदीसा ॥ ॥ तधि अलधि नंक अवनी सा ॥
 ॥ कासी मग सुन सनिक्रमनासा ॥ मनुमान वमहि देव गवासा ॥
 ॥ सन गनन कअनु नाग विनागा ॥ निगमागम गुन दोष विनागा ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ जड चेतन गुन दोष मय विस्वकीन्ह कनतान ॥ ॥
 ॥ संत हस गुन गहहि पय पनिहनि वा निविकान ॥ ६ ॥
 ॥ ॥ चौ अस विवेक जवदे इ विधाता ॥ तवत जि दोष गुन हि मनु नाता ॥
 ॥ काल सुजाव कन मवनि आई ॥ नले उपकृति वस चुकइ नलाई ॥
 ॥ सो सुधानिहनि ॥ जन जि मिलेही ॥ इलि दुष दोष विमल जसु देही ॥
 ॥ षल उकनहि नल पाइ सुसंगू ॥ ॥ मिटैन मलिन सुजाव अन्नंग ॥
 ॥ लविसु वेष जग वंचक जे उ ॥ ॥ वेष प्रताप पूजि अहि ते उ ॥
 ॥ उघनहि अतन होइ निवाहू ॥ काल नेमि जिमि नावन नाहू ॥
 ॥ किऐ हुकु वेष साधु सब मानू ॥ जिमि जग जामवंत हनु मानू ॥
 ॥ लोक हुबेद विदित सब काहू ॥ ॥ हानि कुसंग सुसंगति लाहू ॥
 ॥ गगन चढइ जपवन प्रसंगा ॥ कीचहि मिलइ नीच जलसंगा ॥
 ॥ साधु असाधु सदन सुकसानी ॥ सुमि नहि नाम देहि गनिगानी ॥
 ॥ धूमकु संगति कानि कहोई ॥ लिखि अपुरान मंजु मसि सो ॥

सोई अनल ज अनिल संघाता ॥ होइ जल दृज ग जीव न द्याता ॥
 ॥ दोहा ॥ ग्रह नेष ज जल पवन पट पाइ कु जोग सुजोग ॥
 ॥ होहि कुवस्तु सुवस्तु जगल धरि सुल छ न लोग ॥
 ॥ सम प्रकास तम पाषडु हुना मने द विधि कीन्ह ॥
 ॥ ससि शोषक पोषक स मुदि जगज स अपज स दीन्ह ॥
 ॥ ज उचेत न जग जीव ज त सकल नाम मय जानि ॥
 ॥ वंदो सब के पद क मल स दा जो निजुग पानि ॥
 ॥ देव दनु जन न ना ॥ षग प्रेत पित न गांघर्व ॥
 ॥ वंदो किं न न ज निच न कृपा क न ह्रस्व सर्व ॥
 ॥ आक न चा निलाष चो नासि ॥ जाति जीव जल थल न न वासी ॥
 ॥ सीय नाम मय सब जग जानी ॥ क न उ प्रना म जो निजुग पानी ॥
 ॥ जानि कृपा क न किं क न मोह ॥ सब मिलि क न दुष्टा डिष्ट लुष्टोह ॥
 ॥ निज बुधि बल नो समोहि नाही ॥ ताते विनय क न दुसव पाही ॥
 ॥ क न न च हो न धु पति गुन गाह ॥ लघु मति मो नि चरित अवगाह ॥
 ॥ सह न ऐक उ अंग उ पाउ ॥ म म मति न क म नो न थ नाउ ॥
 ॥ मति अति नीच उ चि नु चि आर्य ॥ चहि अ अ मि अ जग जु ने न धर्य ॥
 ॥ अ मि ह हि स ज्जन मो नि ठि ठाई ॥ सुनि ह हि वाल वचन मन लाई ॥
 ॥ ज्यो वाल क कह तो त निवाता ॥ सुन हि मुदित मन पिनु अनुमाता ॥
 ॥ हसि ह हि कू न कुटिल कु विचारी ॥ जे प न दूष न भूष न घा नी ॥
 ॥ निज क वित्त के हिला गन नीका ॥ स न स हो ह्रस्व वा अति फीका ॥
 ॥ जे प न न नित सुनत ह न धाही ॥ ते व न पु नुष व हुत जग नाही ग ॥
 ॥ जग बहु न न स न स नि सम नाई ॥ जे निज वाळि बळ हि जल पाई ॥
 ॥ स ज्जन स कृत सिंधु सम कोई ॥ देखि पू न विधु बाळ इ जोई ॥
 ॥ दोहा ॥ जाग घे ट अनिलाष व ड क न उ ऐ कु बिस्वास ॥
 ॥ पे ह हि सुष सुनि स ज्जन धल क नि ह हि अप हास ॥
 ॥ चो ॥ धल प नि हास हो इ हित मोना ॥ का क कह हि कल कंठ क ठोना ॥
 ॥ हंस हि व क दा हु न चात कहि ॥ हंस हि मलिन धल विमल वत कहि ॥
 ॥ वित्त न सिक न नाम पद नेह ॥ तिन्ह क हु सुष द हास न स रेह ॥
 ॥ ज नित मो नि मति जो नी ॥ हसि वे जोग ह से न हि खो नी ॥

॥ प्रनुपद प्रीतिनसामुहिनीकी ॥ निरुहिकथासुनिलागतफ्रीकी ॥
 ॥ हनिहनपदनतिमननकुतनकी ॥ निरुहकहमधुनकथानधुवनकी ॥
 ॥ नामनगतिनूषितजिअजानी ॥ सुनिहहिसजनसनाहिसुवानी ॥
 ॥ कविनहैंउनाहिवचनप्रवीना ॥ सकलकलासवविद्याहिना ॥
 ॥ अछनअनथअलंकृतनाना ॥ अछप्रबंधअनेकविद्याना ॥
 ॥ जावनेदनसनेदअपाना ॥ कवितदोषगुनविविधप्रकाना ॥
 ॥ कवितविवेकऐकनाहिमोने ॥ सत्यकहहुलिषिकागदकोने ॥
 ॥ दोहाभनितिमोनि सवगुननहितवित्त्विविदितगुनऐक ॥
 ॥ सोविद्यानि सुनिहहिसुमतिजिनुकेविमलविवेक ॥
 ॥ चौ ॥ ऐहिमहनधुपतिनामउदाना ॥ अतिपावनपुनानसुतिसाना ॥
 ॥ मंगलजनवनअमंगलहानी ॥ उमासहितजेहिजपतपुनानी ॥
 ॥ अनितविविन्नसुकविकृतजोउ ॥ नामनामविनुसोहनसोउ ॥
 ॥ विधुवदनीसवभातिसेवानी ॥ सोहतबसनविनावननानी ॥
 ॥ सवगुननहितकु कविकृतवानी ॥ नामनामजसअंकितजानी ॥
 ॥ सादनकहहिसुनहिवुद्यताही ॥ मधुकनसनिससंतगुनग्राही ॥
 ॥ जदपिकवितनसऐकउनाही ॥ नामप्रतापप्रगटऐहिमाही ॥
 ॥ सोइन्नोसमोनेउमनआवा ॥ केहिनसुसंगवडपनुपावा ॥
 ॥ धूमोतजहिसहजकनुआई ॥ अगनुप्रसंगसुगंधवसाई ॥
 ॥ अनितभदेसवस्तुभलिवननी ॥ नामकथाजगमंगलकननी ॥
 ॥ ॥ अछ ॥ मंगलकननीकलिमलहननीतुलसीकथानधुनाथकी ॥
 ॥ गतिकूनकवितासरितकीज्यौं सनितपावनपाथकी ॥
 ॥ प्रनुसुजससंगतिभनितभलिहोइहहिसुजनमनआवनी ॥
 ॥ नवअंगअतिमसानकी सुमिनतसुहावनिपावनी ॥
 ॥ दोहाप्रियलागहिअतिसवहिममन्नितनामजससंग ॥
 ॥ हानुविद्यानुकिकनइकोउवंदिअमलयप्रसंग ॥
 ॥ स्यामसुनत्रिपयविसदअतिगुनइकनहिसवपान ॥
 ॥ गिनागाम्यसियनामजसगावहिसुनहिसुजान ॥
 ॥ चौ ॥ मनिमानिकमुकुताछविजैसी ॥ अहिगिरिगजसिनसोहनतेसी ॥

वाल०

॥४॥

॥ नूपकिनीटतनुनीतनुपाई ॥ लहहिसकलसोभाअधिकार्ई ॥
 ॥ तैसहिसुकविकवितबुधकहई ॥ उपजहिअनतअनंतधवलहई ॥
 ॥ नगतिहेतुविधिअवनविहई ॥ सुमिनतसारदआवतिघाई ॥
 ॥ नामचनितसनविनुअरुवाए ॥ सोस्वमजाइनकोटिउपाए ॥
 ॥ कविकोविदअसहृदयविधानी ॥ गावहिहनिगुनसुआसंभानी ॥
 ॥ कीन्हप्राकृतजनगुनगाना ॥ सिन्धुनिगिनालगतपछिताना ॥
 ॥ हृदयसिन्धुमत्तिसीपसमाना ॥ स्वातीसानदकहहिसुजाना ॥
 ॥ जौवनधहिवनवानिविचानू ॥ होहिकवितमुकुतामनिचानू ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ जुगुतिवेधिपुनिपोहिअहिनामचनितवनताग ॥ ॥
 ॥ ॥ पहिनहिसज्जनविमलउनसोभाअतिअनुनाग ॥ ॥
 ॥ ॥ जेजनमेकलिकालकनाला ॥ कनतववायसवेधमनाला ॥
 ॥ चलतकुपंथवेदमगछंडे ॥ कपटकलेवनकलिमलछंडे ॥
 ॥ वंचकनगतकहाइनामके ॥ किंकनकंचनकोहकामके ॥
 ॥ तिन्हमहप्रथमनेषजगमेनी ॥ धिकचनमच्चजघंचुकचोनी ॥
 ॥ जोअपनेअवगुनसवकहु ॥ बाछहिकथापाननहिलहु ॥
 ॥ तातेमहिअतिअल्पवषाने ॥ थोनेमहिजानिहहिसयाने ॥
 ॥ समुदिविविधिविधिविनतीमोनी ॥ कोउनकथासुनिदेइहियोनी ॥
 ॥ ऐतेहुपनकनिहहितेसंका ॥ मौहुतेअधिकजेजडमतिनंका ॥
 ॥ कविनहोहु ॥ नहिचतुनकहवौ ॥ मतिअनुरूपनामगुनगावौ ॥
 ॥ कहनधुपतिकेचनितअपाना ॥ कहमतिमोनिनिनतसंसांन ॥
 ॥ जेहिमानुतगिनिमेनुउडाहु ॥ कहहुतूलकेहिलेखेमाहु ॥
 ॥ वेदकहुहिअसहइनधुनाई ॥ चहहिभगतिनतिनहिचतुनाई ॥
 ॥ समुद्विअमितनामप्रनुताई ॥ कनतकथामनअतिकेदनाई ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ सानदसेसमहेसविधिआगमनिगमपुनान ॥ ॥
 ॥ ॥ नेतिनेतिकहिजासुगुनकनहिनिनंतवगान ॥ ॥
 ॥ ॥ सबजानतप्रभुप्रनुतासोई ॥ तदपिकहेविनुनहानकोई ॥
 ॥ तहांवेदअसकानननाथा ॥ नजनप्रभाउभातिवहुनाथा ॥
 ॥ एकअनीहअरूपअनामा ॥ अससच्चिदानंदपनचामा ॥
 ॥ ॥ कविस्वरूपनगवाना ॥ तेहिघनिदेहचनितकृतनाना ॥

॥ सो केवल न गत निहित लागी ॥ पन म कृपाल प्रनत अनुरागी ॥
 ॥ जेहि जन पन म मता अति छोहू ॥ तेहि कनुना कनि कीन्ह न कोहू ॥
 ॥ गई बहो निगनी बने बाजू ॥ सनल सबल साहिव न धुनाजू ॥
 ॥ बुध वर नहि हनि जस अस जानी ॥ कनही पुनीत सफल निज बानी ॥
 ॥ तेहि बल मे न धुपति गुन गाथा ॥ कनि होना इनाम पद माथा ॥
 ॥ मुनिन्ह प्रथम हनि की नति गई ॥ तेहि मरा चलत सुगम मेहि नाई ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ अति अपान जे सनित वन जो नृप से तु क नाहि ॥
 ॥ ॥ बछि पील क उपन म लघु विनु सम पान हिजाहि ॥ ॥ ॥
 ॥ चौ ॥ ऐहि प्रकान बल मनहि देखाई ॥ कनि हो न धुपति कथा सुहाई ॥
 ॥ व्यास आदिक विपुंगव नाना ॥ जिन्ह सादन हनि सुजस वधाना ॥
 ॥ चनन कमल बंदोति रुकेने ॥ पुन बहु सकल मनो नथ मेने ॥
 ॥ कलिके कविक कनो पन नामा ॥ जिन्ह वन ते न धुपति गुन ग्रामा ॥
 ॥ जे प्राकृत कवि पन म सयाने ॥ भाषा जिन्ह हनि चनित बधाने ॥
 ॥ नृपे जे अहं हि होइ हहि जे अमो ॥ पुन बौ सबहिक पट सब त्यागे ॥
 ॥ होहु प्रसन्न देहु वन दानू ॥ साधु समाज नित सनमानू ॥
 ॥ जो प्रबंध बुध नहि आइन ही ॥ सो सम वाटिवाल कविक नही ॥
 ॥ की नति नित नूति नलि सोई ॥ सुन सनिसम सब कहूँ हित होई ॥
 ॥ नाम सुकी नति नित न देसा ॥ अस मंजस अति मोहि अ देसा ॥
 ॥ तुम्हनी कृपा सुलज सोइ मोने ॥ सिअनिसुहावनि टाट पटोने ॥
 ॥ कनहु अनुग्रह अस जिअ जानी ॥ विमल जसहि अनुहने सुबानी ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ सनल कवित की नति विमल सोइ आइन हि सुजान ॥
 ॥ ॥ सहज वयन विसनाइ निपु जो सुनिक नहि वधान ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ सो न होइ विनु विमल मति मोहि मति बल अति थोर ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ कनहु कृपा हनि जस कहूँ पुनि पुनिक न उनि होन ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ कविको विदु न धुवन चरित मान समंजु मनाल ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ बाल विनय सुनि सुनु चिलधि मो पन होहु कृपाल ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ सो न होइ मुनि पद कंज ॥ नामायन जेहि निम मेउ ॥
 ॥ ॥ सखन सकोमल मंजु ॥ दोष न हित दूषन सहित ॥
 ॥ ॥ वंदो चानि उवेद ॥ न ववानि चिबो हित सनिस ॥

वाल्मीकि

॥५॥

॥ जिन्हहि न सपनेहु घेह ॥ वननतन धुवन विसद जस ॥
 ॥ वंदौ विधि पदनेनु ॥ नव सागन जेहि कीन्ह जह ॥
 ॥ संत सुधास सिधेनु ॥ प्रगटे धल विषवा नुनी ॥
 ॥ दोहा ॥ विबुध विप्रबुध गुनुचन नवंदिक होकन जोनि ॥
 ॥ होइ प्रसन्न पुन बहु सकल मंजु मनो नथ मोनि ॥ १४ ॥
 ॥ चौ ॥ पुनि वंदौ सानद सुन सनिता ॥ जुगुल पुनीत मनो नथ चनिता ॥
 ॥ मज्जन पान पाप हन ऐका ॥ कहत सुनत ऐक हन अविवेका ॥
 ॥ गुनु पितु मातु महे सज्जानी ॥ प्रनवो दीन वंघु दिन दानी ॥
 ॥ सेवक त्वामि सयासिय पीके ॥ हित निनु पाधिसव विधितु लोके ॥
 ॥ कलि विलोकि जग हित हन गिनिजा ॥ सावन मंत्र जाल जिन्ह सिनजा ॥
 ॥ अनमिल अछन अनथ नजा पू ॥ प्रगट प्रजा वमहे सप्रतापू ॥
 ॥ सोउ महेस मोहि पन अनुकूल ॥ कनहु कथा मुद मंगल मूल ॥
 ॥ सुमिनि सिवा सिव पाइ पसाउ ॥ वननो नाम चनिता चित चाउ ॥
 ॥ नित मोनि सिव कृपा विमोती ॥ ससि समाज मिलि मनहु सुनती ॥
 ॥ जे ऐहिक थहि सनेह समेता ॥ कहि हहि सुनि हहि समुदिस चेता ॥
 ॥ होइ हहि नाम चनन अनुनागी ॥ कलि मलनी हित सुमंगल भागी ॥
 ॥ दोहा ॥ सपने सांचेहु मोहि पन जो हन गोनि पसाउ ॥
 ॥ तो फुन होहु जो कहै उस वना या नित प्रभाउ ॥ १५ ॥
 ॥ चौ ॥ वंदौ अवधि पुनी अति पावनि ॥ सनजू सनिकलिक लुषन सावनि ॥
 ॥ प्रनवहु पुन नन नापि वहीनी ॥ ममता जिन्ह पन प्रभु हिन थोनी ॥
 ॥ सियनिंदक अघ आघन सांऐ ॥ लोक विसोक बनाइ वसांऐ ॥
 ॥ वंदौ को सल्यादिसि प्राची ॥ कीनति जासु सकल जगमाची ॥
 ॥ प्रगटे उजह न धुपति ससि चानू ॥ विस्व सुषट् धलक मल लुषातू ॥
 ॥ दसन थना उस हित सवरानी ॥ सुकृत सुमंगल भूति मानी ॥
 ॥ कनो प्रनाम कन ममनवानी ॥ कनहु कृपा सुत सेवक जानी ॥
 ॥ जिन्हहि विनचि वडन ऐउ विद्याता ॥ महिमा अमित नाम पितु माता ॥
 ॥ दोहा ॥ वंदौ अवधनु आल ॥ सत्य प्रेम जोहि नाम पद ॥
 ॥ विष्णु नत दीन दयाल ॥ प्रियतनु जनइ वपनिहनेउ ॥ १६ ॥
 ॥ प्रनवो पनिजन सहित विदेह ॥ जाहि नाम पद गूढ सनेह ॥ ॥ ॥ ॥

॥ जोगनोगमहिनाये उगोई ॥ नामविलोकतप्रगोटेउ सोई ॥
 ॥ प्रनवो प्रथमभनतकेचनना ॥ जासुनेमवतजाइनवनना ॥
 ॥ नामचननपंकजमनजासू ॥ लुब्धमचुपइवतजेनपासू ॥
 ॥ वंदो लक्ष्मिनपदजलजाता ॥ सीतलसुभगभगतसुखदाता ॥
 ॥ नद्युपतिकीरतिविमलपताका ॥ इंडसमानभयेउजसुजाका ॥
 ॥ सेवसहस्रसीसजगकानन ॥ जोअवतनेउभूमिभयदानन ॥
 ॥ सदासोसानकूलनहै मोपन ॥ कृपासिंचुसौमित्रिगुनाकन ॥
 ॥ निपुस्रदनपदकमलनमामि ॥ स्तनसुसिलननतअनुगामी ॥
 ॥ महावीनविनवो हनुमाना ॥ नामजासुजसुआपुवधाना ॥
 ॥ ॥ सोनठा ॥ प्रनवो पवनकुमान ॥ बलवनपावकग्यानधन ॥
 ॥ ॥ जासुहुदयआगान ॥ वसहिनामसनचापधन ॥ १७ ॥
 ॥ चौ ॥ कपिपतिनीधनिसाचननाजा ॥ अंगदादिजेकीससमाजा ॥
 ॥ वंदो सबकेचननसुहाये ॥ अथमसनीननामजिन्हपाये ॥
 ॥ नद्युपतिचननउपासकजेते ॥ वगभ्रगसुनननअसुनसमेते ॥
 ॥ वंदोपदसनोजसबकेने ॥ जेविनुकामनामकेचेने ॥
 ॥ सुकसनकादिभगतमुनिनानद ॥ जेसुनिवनविग्यानविसानद ॥
 ॥ प्रनवोसबहिधननिचनिसीसा ॥ कनहुकृपाजनजानिमुनीसा ॥
 ॥ जनकसुताजगजननिजानकी ॥ अतिसयप्रियकनुनानिधानकी ॥
 ॥ ताकेजुगपदकमलमनावहु ॥ जासुकृपानिनमलमतिपावहु ॥
 ॥ पुनिमनवचनकनमनघुनाएक ॥ चननकमलवंदोसबलाएक ॥
 ॥ नाजीवनेनधनेचनुसाएक ॥ भगतविपतिभंजनसुखदाएक ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ गिनाअनयजलबीचिसमकहिअतमिन्ननमिन्न ॥
 ॥ ॥ वंदोसीतानामपदजिन्हहिपनमप्रियधिन ॥ १८ ॥
 ॥ चौ ॥ वंदोनामनामनद्युवनको ॥ हेतुकसानुभानुहिमकनको ॥
 ॥ विधिहनिहनमयवेदप्रानसौ ॥ अगुनअनूपमगुननिधानसौ ॥
 ॥ महामंत्रजोइजपतमहेसू ॥ कासीमुकुतिहेतुउपदेसू ॥
 ॥ महिमाजासुजानिगननाउ ॥ प्रथमपूजिअतनामप्रनाउ ॥
 ॥ जानआदिकविनामप्रतापू ॥ भयेउसुधकनिउलटाजपू ॥

वाल०

॥६॥

॥ सहस्रनामसमसुनिसिखवानी ॥ जपतिसदापियसंगनवानी ॥
 ॥ हनवे हेतु हेनि हन ही को ॥ **किरेनूष** ॥ नतिप्रभूषनतीके ॥
 ॥ नामप्रनावजानिसिखनीको ॥ कालकूटफलदीन्ह्रमीको ॥
 ॥ **॥ दोहा ॥** वनधानितुनघुपतिनगतितुलसीसालिसुदास ॥
 ॥ ॥ रामनामवनवननजुगसावनचाहवमास ॥ १८ ॥ ॥
 ॥ **चौ** अछनमचुनमनोहनहोउ ॥ वननविलोचनजनजिअजोउ ॥
 ॥ सुमिनतसुलनसुषट्सवकाहू ॥ लोकलाहुपनलोकनिवाहू ॥
 ॥ कहतसुनतसुमिनतसुठिनीके ॥ नामलछनसमप्रियतुलसीके ॥
 ॥ वननतवननप्रीतिविलगाती ॥ ब्रम्हजीवसमसहजसंघाती ॥
 ॥ नननानायनसनिससुनआता ॥ जगपालकविसेषिजनत्राता ॥
 ॥ अगतिसुनिअकलकननविभूषन ॥ जगहितहेतुविमलविधुपूषन ॥
 ॥ स्वादतोषसमसुगतिमुधाके ॥ कमठसेषसमघनवसुधाके ॥
 ॥ जनमनमंजुकंजमधुकनसे ॥ जीहजसोमतिहनिहलघनसे ॥
 ॥ **॥ दोहा ॥** ऐकधत्रऐकमुकुटमनिसववनननिपनजोउ ॥
 ॥ ॥ तुलसीनघुवननामकेवननविनाजतहोउ ॥ २० ॥ ॥
 ॥ **चौ** समुदतसनिसनामअनुनामी ॥ प्रीतिपनसपनप्रभुअनुगामी ॥
 ॥ नामनूपहुईसउपाधी ॥ ॥ अकथअनादिसुसामुहिसाधी ॥
 ॥ कोवडछेटकहतअपनाधू ॥ सुनिगुननेहसमुहिरहिसाधू ॥
 ॥ देखिअहिरूपनामआधीना ॥ नूपग्याननहिनामविहीना ॥
 ॥ नूपविसेषनामविनुजाने ॥ कनतलगतनपनहिपहिचाने ॥
 ॥ सुमिनिअनामनूपविनुदेवे ॥ आवतहुदयसनेहविसेवे ॥
 ॥ नामनूपगतिअकथकहानी ॥ समुदतसुषट्नपनतिवधानी ॥
 ॥ अगुनसगुनविचननामसुसाधी ॥ उन्नयप्रबोधकचतुनहुनाधी ॥
 ॥ **॥ दोहा ॥** नामनाममनिदीपघनुजीहदेहनीद्वान ॥
 ॥ ॥ तुलसीजीतनवाहनहुजोचाहसिउजिआन ॥ २१ ॥ ॥
 ॥ **चौ** नामजीहजपिजागहिजोगी ॥ विनतिविनंचिप्रपंचवियोगी ॥
 ॥ ब्रम्हसुषहिअनुनब्रहिअनूपा ॥ अकथअनामयनामनिनूपा ॥
 ॥ जानाचहहिगूळगतिजेउ ॥ ॥ नामजीहजपिजानहितेउ ॥
 ॥ साधकनामजपहिलयलाए ॥ होहिसिद्धअनिमादिकपाए ॥

॥ जपहिनामजनआनतजानी ॥ मिटहि कुसंकटहोहि सुधानी ॥
 ॥ नामनगतजगचानिप्रकाना ॥ सुकृतीचानिउन्नतघउदाना ॥
 ॥ चहुंचतुनकहुंनामअचाना ॥ ग्यानीप्रनुहिविसेषिपिआना ॥
 ॥ चहुजुगचहुसुतिनाम ॥ प्रभाउ कलिविसेषनहिआनउपाउ ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ सकलकामनाहीनजेनामनगतिसलीन ॥
 ॥ ॥ नामप्रेमपियूषहुदतिन्हहुकिऐमनमीन ॥ २२ ॥
 ॥ चौ ॥ अगुनसगुनहुइब्रह्मसूपा ॥ अकथअगाधअनादिअनूपा ॥
 ॥ मोनेमनवडनामहुहंते ॥ किऐजेहिजुगनिजवसनिजवूते ॥
 ॥ प्रौखसुजनजनिजानहिजनकी ॥ कहउप्रतीतिप्रीतिनुचिमनकी ॥
 ॥ ऐकदानुगतदेधिअतऐकू ॥ पावकसमजुगब्रह्मविवेकू ॥
 ॥ उन्नयअगमजुगसुगमनामते ॥ कहउनामवडब्रह्मनामते ॥
 ॥ व्यापकऐकब्रह्मअविनासी ॥ सतचेतनधनआनंदनासी ॥
 ॥ असप्रनुहुदयअधतअविकानी ॥ सकलजीवजगदीनदुषानी ॥
 ॥ नामनिरूपननामजतनते ॥ सोउप्रगटतजिमिमोलनतनते ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ निनगुनतेऐहिभातिवडनामप्रभावअपान ॥
 ॥ कहउनामवडनामतेनिजुविचानअनुसान ॥ २३ ॥
 ॥ चौ ॥ नामनगतहितननतनुधानी ॥ सहिसंकटकिऐसाधुसुधानी ॥
 ॥ नामसप्रेमजपतअनयासा ॥ नगतहोहिमुदमंगलवासा ॥
 ॥ नामऐकतापसतिअतानी ॥ नामकोटिषलकुमतिसुधानी ॥
 ॥ निषिहितनामसुकेनुसुताकी ॥ सहितसेनसुतकीन्हविवाकी ॥
 ॥ सहितदोषदुषदासदुनासा ॥ दलईनामजिमिनविनिसिनासा ॥
 ॥ नंजेउनामआपुनवचापू ॥ नवअयनंजननामप्रतापू ॥
 ॥ इंडकवनप्रनुकीन्हसुहावन ॥ जनमनअमितनामकिऐपावन ॥
 ॥ निषिचननिकनदलेनधुनंदन ॥ नामसकलकलिकलुषनिकंदन ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ सबरीगीचसुसेवकन्हिसुगतिदीन्हिनधुनाथ ॥
 ॥ ॥ नामउद्यानेअमितषलवेदविदितगुनगाथ ॥ २४ ॥
 ॥ चौ ॥ नामसुकंठविनीषनदोउ ॥ नायेसननजानसबकोउ ॥
 ॥ नामगनीवअनेकनेवाजे ॥ लोकवेदवनविनदविनाजे ॥
 ॥ नामजालुकपिकटकवटोना ॥ सेतुहेतुस्रमकीन्हनथोना ॥

॥ नामलेतत्रवसिंधुसुधाही ॥ कनहुविचानसुजनमनमाहि ॥
 ॥ नामकुसलनननावनमाना ॥ सीयसहितनिजुपुनपगुधाना ॥
 ॥ राजानामअवधिजघानी ॥ गावतगुनसुनमुनिवनवानी ॥
 ॥ सेवकसुभिनतनामसप्रीती ॥ विनुसमप्रवलमोहदलजीती ॥
 ॥ फिनतसनेहमगनसुषअपने ॥ नामप्रसादसोखनहिसपने ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ ब्रह्मनामतेनामवडवनदायकवनदानि ॥ ॥ ॥
 ॥ नामचनितसतकोटिमहिलियमहेसजिअजानि ॥ २५ ॥
 ॥ चो ॥ नामप्रतापसंनुअविनासी ॥ साजअमंगलमंगलनासी ॥
 ॥ सुकसनकादिसिद्धमुविजोगी ॥ नामप्रसादब्रह्मसुषजोगी ॥
 ॥ नानदजानेउनामप्रताप ॥ जगप्रियहनिहननिप्रियआपू ॥
 ॥ नामजपतप्रभुकीनप्रसाद ॥ भगतसिनोमनिनेप्रह्लाद ॥
 ॥ चुवसगलानिजपेउहनिनाडु ॥ पाऐउअचलअनूपमठाडु ॥
 ॥ सुभिनपवनसुतपावननाम ॥ अपनेवसकनिनायेउनाम ॥
 ॥ अपनअजामिलगजगनिकाडु ॥ नरेमुकुतहनिनामप्रजाडु ॥
 ॥ कहहुकहालगिनामवडाई ॥ नामनसकहिनामगुनगाई ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ नामनामकोकलपतनुकलिकल्याननिवास ॥ ॥
 ॥ जोसुभिनतनयोनागतेतुलसीतुलसीदास ॥ २६ ॥
 ॥ चो ॥ बहुजुगतीनिकालतिहुलोका ॥ नरेनामजपिजीवविसोका ॥
 ॥ वेदपुनानसंतमतऐह ॥ सकलसुकृतफलनामसनेह ॥
 ॥ च्यानप्रथमजुगमधविधिहूजे ॥ द्वापनपनिताषतप्रभुपूजे ॥
 ॥ कलिकेवलमलमूलमलीना ॥ पापपयोनिधिजनमनमीना ॥
 ॥ नामकामतनुकालकराला ॥ सुभिनतसमनसकलजगजाला ॥
 ॥ नामनामकलिअभिमतदाता ॥ हितपनलोकलोकपितुमाता ॥
 ॥ नहिकलिकनमनभगतिविवेक ॥ नामनामअवलंबनऐक ॥
 ॥ कालनेमिकलिकपटनिघानू ॥ नामसुमनिसमनयहनुमाना ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ नामनामननकेसरीकनककसिपुकलिकाल ॥ ॥
 ॥ जापकजनप्रह्लादजिमिपालिहिदलिसुनसाल ॥ २७ ॥
 ॥ चो ॥ नाप्रकुचायअनधआलसहू ॥ नामजपतमंगलदिसदसहू ॥
 ॥ सुभिनिसोनामनामगुनगाथा ॥ कनउनाइनधुनायहिमाथा ॥
 ॥ मोनिसुधानिहिसोसवनांती ॥ जासुकृपानहिकृपाअघाती ॥
 ॥ नामसेस्वामिकुसेवकमोसे ॥ निजदिसिदेविदयानिधिपोसे ॥

॥ लोकहुंवेदससाहेवनीती ॥ ॥ वितयसुनतपहिवानतप्रीती ॥
 ॥ गनीगनीवशामनननागन ॥ पंडितमूळमलीनउजागन ॥
 ॥ सुकविकुकविनिजमतिअनुहानी ॥ नृपहिसनाहतसवनननानी ॥
 ॥ साधुसुजानसुसीलनृपाला ॥ ईसअंसनवपनमक्रपाला ॥
 ॥ सुनिसनमानहिसवहिसुवानी ॥ अनितिभगतिनतिगतिपहिवानी ॥
 ॥ यहैप्रकृतिमहिपालसुभाउ ॥ जानिसिनोमनिकोसलनाउ ॥
 ॥ नीहृतनामसनेहनिमोते ॥ कोजगमंदमलिनमतिमोते ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ सठसेवककीप्रीतिनुचिनधिहहिनामक्रपालु ॥
 ॥ ॥ उपलकिऐजलजानजेहिसचिवसुमतिकपिभालु ॥
 ॥ ॥ हौहुंकहावतसवकहतनामसहतउपहास ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ साहिवसीतानाथसेसेवकतुलसीदास ॥ २८ ॥ ॥ ॥
 ॥ चौ ॥ अतिवडिमोनिछिठाईयोनी ॥ सुनिअघननकहुनाकसकोनी ॥
 ॥ समुहिसहममोहिअपडनअपने ॥ सोसुधिनामकीन्हिनहिसपने ॥
 ॥ सुनिअबलोकि सुचितचषचाहि ॥ भगतिनोनिमतिस्वामिसनाहि ॥
 ॥ कहतनसाइहोइअतिनीकी ॥ ॥ ॥ नीहृतनामजानिजनजीकी ॥
 ॥ नरुतिनप्रनुचितचूककिऐकी ॥ कनतसुनतिसयवानहिएकी ॥
 ॥ जेहिअघवघेउव्याघजिमिवाली ॥ फिनिसुकंठसोइकीन्हकुवाली ॥
 ॥ सोइकननूतिविभीषनकेनी ॥ सपनेहुसोननामहियहेनी ॥
 ॥ तेननतहिभेटतसनमाने ॥ राजसभानघुवीनवधाने ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ प्रभुतनुतनकपिडानपनतेकिऐआपुसमान ॥
 ॥ ॥ तुलसीकहूँननामसेसाहिवसीलनिधान ॥
 ॥ ॥ रामनिकाईनावनीहइसवहीकोनीकि ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ जौयहसांचीहेसदातोनीकोतुलसीकि ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ ऐहिविधिनिजगुनदोषकहिवहुनिसवहिसिनुनाइ ॥
 ॥ ॥ वननउनघुपतिविसदृजससुनिकलिकलुषनसाइ ॥ २९ ॥
 ॥ चौ ॥ जागवलिकजोकथासुहाई ॥ ननहजमुनिवनहिसुनाई ॥
 ॥ कहिहौंसोइसंवादवधानी ॥ सुनहुसकलसज्जनसुषमानी ॥
 ॥ संभुकीन्हयहचनितसुहावा ॥ वहुनिक्रपाकनिउमहिसुनावा ॥
 ॥ सोइसिवकागनुसुडिहिदीन्ह ॥ नामभगतअधिकानीचीन्ह ॥

वाल०

॥८॥

॥ तेहि सन जागव लिक पुनि पावा ॥ तिन्ह पुनि नन द्वाज प्रतिगावा ॥
 ॥ ते सोताव कता सम सीला ॥ सम दन सी जान हि सव सीला ॥
 ॥ जान हि तीनिका लनि जगाना ॥ कन तल गत आम लक समाना ॥
 ॥ ओन उजे हनि नगत सुजाना ॥ कहि सुन हि समुह विधि नाना ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ मै पुनि निज गुन सन सुनी कथा सोल्ल कन येत ॥ ॥
 ॥ ॥ समुहिन हित सिवाल पनत व अति न हे उ अचेत ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ सोताव कता ग्यान निधि कथानाम कइ गूढ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ किमि समुहै यह जीव जड कलि मलग्र से विमूढ ॥ ३० ॥ ॥
 ॥ चौ ॥ तइ पिक ही गुनवान हि वाना ॥ समुह पनी कछु मति अनुसाना ॥
 ॥ ॥ नाथा वंच कन वम इ सोई ॥ ॥ मोने मन प्रबोध जेहि होई ॥ ॥
 ॥ ॥ जस कछु बुधि विवेक बल मोने ॥ तस कहि होहि अहनि के प्रेने ॥
 ॥ ॥ निज संदेह मोह भ्रम हन नी ॥ कनौ कथा भव सनि तात न नी ॥
 ॥ ॥ बुध विस्त्राम सकल जन नंजिनि ॥ नाम कथा कलि कलुष विभंजनि ॥
 ॥ ॥ नाम कथा कलि पनग भन नी ॥ पुनि विवेक पावक कहु अर नी ॥
 ॥ ॥ नाम कथा कलिकाम दगाई ॥ सुजन सजीव निभूनि सुहाई ॥
 ॥ ॥ सोइ वसुधा तल सुधा तनं गिनि ॥ भय भंजनि भ्रम ने कनु अंगिनि ॥
 ॥ ॥ असुन सन समन न कनिकंदिनि ॥ साधु विबुध कुल हित गिनि नंदिनि ॥
 ॥ ॥ संत समाज पयोधि न मासी ॥ विस्व भान भन अचल छमासी ॥
 ॥ ॥ जमगन मुहम सिज गज मुनासी ॥ जीवन मुकुति हेनु जनु कासी ॥
 ॥ ॥ नाम हि प्रिय पावन तुलसी सी ॥ तुलसी दास हित हिय हुलसी सी ॥
 ॥ ॥ सिव प्रिय मेकल सैल सुता सी ॥ सकल सिद्धि सुख संपति नासी ॥
 ॥ ॥ स दगुन सुनगन अं व अदिति सी ॥ नधुवन भगति प्रेम पन मिति सी ॥
 ॥ ॥ ॥ दोहा ॥ नाम कथामंदा किनी चित्र कूट चित्त चानु ॥ ॥
 ॥ ॥ तुलसी सुनग सने हवन श्री नधुवीन विहानु ॥ ३१ ॥ ॥
 ॥ चौ ॥ नाम चरित चिंता मनि चानू ॥ संत सुमति ति असुन गसिंगातू ॥
 ॥ ॥ जगमंगल गुन ग्राम नाम के ॥ दानि मुकुति धन धन मधाम के ॥
 ॥ ॥ स दगुन ग्यान विनाग जोग के ॥ विबुध वैद भव भन मनोग के ॥
 ॥ ॥ जन निजन कसिय नाम प्रेम के ॥ बीज सकल व्रत धन मने म के ॥
 ॥ ॥ समन पाप संताप सोक के ॥ प्रिय पालक पन लोक लोक के ॥
 ॥ ॥ सचि वसु भट रूपति विचार के ॥ कुंभ जलो भ उ दधि अरु पाके ॥

॥ कामकोहकलिमलकनिगनके ॥ केहनिसावकजनमनवनके ॥
 ॥ अतिथिपूज्यप्रीतमपुनानिके ॥ ॥ कामदधनद्वानिद्वानिके ॥
 ॥ मंत्रमहामनिविषयपालके ॥ ॥ मेरुतकठिनकुञ्जकभालके ॥
 ॥ हनतमोहत्तमदिनकनकनसे ॥ ॥ सेवकसालिपालजलधनसे ॥
 ॥ अभिमतद्वानिदेवतनुवनसे ॥ ॥ सेवकसुलभसुषदहनिहनेसे ॥
 ॥ सुकविसनदनभमंजुउडगतसे ॥ ॥ नामभगतजनजीवनधनसे ॥
 ॥ सकलसुकृतफलभूनिभोगसे ॥ ॥ जगहितनिनुपाधिसाधुलोगसे ॥
 ॥ सेवकमनमानसमनालसे ॥ ॥ पावनगंगातरंगमालसे ॥ ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ कुपथकुतर्ककुचालिकलिकपटदंनपायंड ॥ ॥
 ॥ ॥ दहननामगुनग्रामजिमिद्वनअनलप्रचंड ॥ ॥
 ॥ ॥ नामचनितनाकेसकनसनिससुषदसवकाहु ॥ ॥
 ॥ ॥ सज्जनकुमुदचकोनचितहितविसेधिवडलाहु ॥ ३२ ॥
 ॥ ॥ चौकीकप्रस्नजेहिभौतिभवानी ॥ ॥ जेहिविधिसंकनकहेउवधानी ॥
 ॥ ॥ सोसबहेतुकहवमैगाई ॥ ॥ कथाप्रबंधविचित्रवनाई ॥ ॥
 ॥ ॥ जेहियहकथासुनीनहिहोई ॥ ॥ जनिआचनजकनइसुनिसोई ॥
 ॥ ॥ कथाअलोकिकसुनहिजेग्यानी ॥ ॥ नहिआचनजकनहिअसजानी ॥
 ॥ ॥ नामकथाकेमितिजगनाहि ॥ ॥ असिप्रीतीतितिरुकेमनमाहि ॥
 ॥ ॥ नानाभौतिनामअवताना ॥ ॥ नामायनसतकोटिअपाना ॥
 ॥ ॥ कल्पभेदहनिचनितसुहाए ॥ ॥ भौतिअनेकमुनीसन्हाए ॥ ॥
 ॥ ॥ कनिअनसंसयअसउनआनी ॥ ॥ सुनिअकथासाइनरतिमानी ॥
 ॥ ॥ ॥ दोहा ॥ नामअनंतअनंतगुनअमितकथाविस्तार ॥ ॥
 ॥ ॥ सुनिआचनजनमानिहहिजिन्हकेविमलविचार ॥ ३३ ॥
 ॥ ॥ चौकी ॥ ऐहिविधिसवसंसयकनिदूनी ॥ ॥ सिनघनिगुनपदपंकजधूनी ॥
 ॥ ॥ पुनिसवकहविनबहुकरजोरी ॥ ॥ कनतकथाजेहिलगइनयोरी ॥
 ॥ ॥ साइन ॥ सिवाहिनाइअवमाथा ॥ ॥ वननौविसदनामगुनगाथा ॥
 ॥ ॥ संवतसोनहसैएकतीसा ॥ १६३१ ॥ कनहुकथाहनिपदघनिसीसा ॥
 ॥ ॥ नवमीभौमवानमधुमासा ॥ ॥ अबघपुनीयहचनितप्रकासा ॥
 ॥ ॥ जेहिदिननामजन्मसुतिगावहि ॥ ॥ तीनथसकलतहाचलिआवहि ॥
 ॥ ॥ असुननागननघगमुनिदेवा ॥ ॥ आइकनहिनघुनाएकसेवा ॥ ॥

बाल०

॥६॥

॥ जन्ममहोत्सव च हि सुजाना ॥ कनहिनामकलकीनतिगाना ॥

॥ ॥ दोहा ॥ मज्जहि सज्जनविं दवहु पावन सनजूतीन ॥

॥ जपहिनामधनिधान उन सुंदर स्थाम सनीन ॥ ३३ ॥

॥ चौ ॥ हन सपन स मज्जन अनुपाना ॥ हन इ पाप कहइ वेद पुनाना ॥

॥ नदी पुनीत अमित महिमा अति ॥ कहिन सकहि सान दा विमल मति ॥

॥ नाम घाम दा पुनी सुहावनि ॥ लोक समस्ती विंदित अति पावनि ॥

॥ चानिषानि जगजीव अपाना ॥ अवधत जेतनु नहि संसाना ॥ ॥ ॥

॥ सब विधि पुनी मनोहन जानी ॥ सकल सिद्धि प्रद मंगल खानी ॥

॥ विमल कथा कनकी रु अनंभा ॥ सुनत न साहिकाम मइ दंभा ॥

॥ नाम च नित मान स एहिनामा ॥ सुनत सबन पाइ अवित्रामा ॥

॥ मन कन विषय अनलवन जनई ॥ होइ सुखी जो एहि सनपनई ॥ ॥ ॥

॥ नाम च नित मान समुनि ज्ञावन ॥ विनचे उ संनु सुहावन पावन ॥

॥ त्रिविध दोष दुष दानि ददावन ॥ कलिकुचालिकलिक लुखन सावन ॥

॥ रचिम हे सनिज मान सनाथा ॥ पाइ सु समय सिवासन नाथा ॥ ॥ ॥

॥ ताते नाम च नित मान सबन ॥ धनेहु नाम हिय हे निहन धिहन ॥ ॥ ॥

॥ कह उ कथा सोइ सुषट् सुहाई ॥ साइ न सुनहु सुजन मन लाई ॥ ॥ ॥

॥ ॥ दोहा ॥ जस मान सजे हि विधि न एउ जग प्रचान जेहि हेतु ॥

॥ ॥ अव सोइ कहहु प्रसंग सब सुमिनि उमा व्रष केतु ॥ ३४ ॥ ॥

॥ चौ ॥ संनु प्रताप सुमति हिय हुलसी ॥ नाम च नित मान सकवितुलसी ॥

॥ कनइ मनोहन मति अनुहानी ॥ सुजन सुचित सुनितेहु सुधानी ॥

॥ सुमति भूमि थल हृदय अगाध ॥ वेद पुनान उदधि धन साधू ॥

॥ वन यहिनाम सुजसवन वानी ॥ मधुन मनोहन मंगल कारी ॥

॥ लीला सगुन जो कहि बखानी ॥ सोई सुधता कनइ मल हानी ॥

॥ प्रेम न गति जो वन निन जाई ॥ सोई मधुन ता सु सीतल जाई ॥

॥ सो जल सुकृत सा लिहित होई ॥ नाम न गत जन जीवन सोई ॥

॥ मेघा महिगत सो जल पावन ॥ समिटि सबन मग चले उ सुहवन ॥

॥ नये उ सुमान स सुथल थिनाना ॥ सुषट् सीत उचिचा उचिनाना ॥

॥ दोहा ॥ सुठि सुंदर संवाहवन विनचे उ बुद्धि विचानि ॥

॥ ते ऐहि पावन सुभग सनघाट मनोहन चानि ॥ ३६ ॥
 ॥ सप्त प्रबंध सुभग सोपाना ॥ ॥ ग्यान नयन निनयत मनमाना ॥
 ॥ नद्युपति महिमा अगुन अवाधा ॥ वन नव सोइ वन वा नि अगाधा ॥
 ॥ राम सीय जस सलिल सुधा सम ॥ उपमा वीचि विलास मनो नम ॥
 ॥ पुन इनि सघन चानु चोपाई ॥ ॥ जुगुति मंजु मनि सीप सुहाई ॥
 ॥ छंद सोन ठा सुंदर दोहा ॥ ॥ सोई वहुनंग कमल कुल सोहा ॥
 ॥ अनथ अनूप सुभा व सुभासा ॥ सोइ पनाग मकनंद सुवासा ॥
 ॥ सुकृत पुंज मंजुल अलिमाला ॥ ग्यान विनाग विचान मनाला ॥
 ॥ चुनि अवने व कवित गुन जाती ॥ मीन मनोहन ते वहु जाती ॥ ॥ ॥
 ॥ अनथ चनम कामादिक चानी ॥ कहव ग्यान विग्यान विचानी ॥ ॥
 ॥ नवन सज पत पजोग विनागा ॥ ते सव जल चन चानु तडागा ॥ ॥
 ॥ सुकृती साधु नाम गुन गाना ॥ ते विचित्र जल विहग समाना ॥ ॥
 ॥ संत सनाच हुदिसि अवनाई ॥ सुखानि नुव संत समगाई ॥ ॥ ॥
 ॥ भगति निरूपन विविध विधाना ॥ धमा दया दुमल ताविताना ॥ ॥
 ॥ संजम नियम फूल फल नाना ॥ हनि पदन सवन वेद वधाना ॥ ॥
 ॥ अवन उकथा अनेक प्रसंगा ॥ तेइ सुकपिक वहु वन विहंगा ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ पुलक वाटिका वागवन सुष सुविहंग विहानु ॥
 ॥ ॥ माली सुमन सनेह जल सीचत लोचन चानु ॥ ३७ ॥
 ॥ ॥ जेगा वही यहु चनित समहने ॥ ते ऐहि ताल चतुन नय वाने ॥
 ॥ सदा सुनहि सादन नन नानी ॥ तेइ सुनवन मान सअधिकारी ॥
 ॥ अतिषल जे विषई वक कागा ॥ ऐहि सन निकटन जाहि अभागा ॥
 ॥ जंबुक भेक सिवान समाना ॥ इहान विषय कथान सनाना ॥
 ॥ तेहिकानन आवत हिय हने ॥ कामी काक वलाक विचाने ॥ ॥
 ॥ आवत ऐहि सन अतिकठिनाई ॥ नाम कृपा विनु आइन जाई ॥ ॥
 ॥ कठिन कुसंग कुपंथ कनाला ॥ तिरु के वचन वाघ हनि व्याला ॥
 ॥ गृहकान जनाना जंजाला ॥ तेइ अति दुर्गम सेल विसाला ॥
 ॥ वन वहु विषय मोह मद माना ॥ नदी कुतर्क भयंकर नाना ॥ ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ जे सुखा सबल न हित न हि संत नृकन साथ ॥

वाल०

॥१०॥

॥ तिन्हूकैहुमानसअगमअतिजिन्हूहिनप्रियनधुनाथ॥
 ॥ चौ॥ जोकनिकष्टजाइपुनिकोई॥ ॥ जातहिनीदृजुडाईहोइ॥
 ॥ जउताजाइविषम^उलागा॥ ॥ गऐहुनमज्जनपावअनाग॥
 ॥ कनिनजाईसनमज्जनपाना॥ ॥ फिनिआवहिसमेतअभिमाना॥
 ॥ जौबहुनोकोउपूछनआवा॥ ॥ सननिंदाकनिताहिवुहावा॥
 ॥ सकलविघनव्यापहिनहितेही॥ ॥ नामसुकपाविलोकहिजेही॥
 ॥ सोइसाइनसनमज्जनकनई॥ ॥ महाघोरत्रयतापनजनई॥
 ॥ तेननयहसनतजहिनकाउ॥ ॥ जिन्हूकेनामचननमलनाउ॥
 ॥ जोअन्हाइचहऐहिसननाई॥ ॥ सोसतसंगकनहुमनलाई॥
 ॥ असमानसमानसचषचाही॥ ॥ भइकविवुद्धिविमलअवगाही॥
 ॥ नऐउहुदयआनंदउछाहू॥ ॥ उमगेउप्रेमप्रमोदप्रवाहू॥
 ॥ चलीसुन्नगासनिताकवितासो॥ ॥ नामविमलजसजलननिभासो॥
 ॥ सनजूनामसुमंगलमूला॥ ॥ लोकवेदमतमंजुलकूला॥
 ॥ नदीपुनीतसुमानसनंदिनि॥ ॥ कलिमलत्रिनतनुमूलनिकंठिनि॥
 ॥ दोहा॥ सोतात्रिविधसमाजपुनग्रामनगनहुहुकूल॥
 ॥ संतसनाअनुपमअवद्यसकलसुमंगलमूल॥
 ॥ चौ॥ नामन्नगतिमुनसनितहंजई॥ मिलीसुकीनतिसनजूसुहाई॥
 ॥ सानुजनानामसमनजसुपावन॥ मिलेउमहानदसोनसुहावन॥
 ॥ जगविचन्नगतिदेबधुनिद्याना॥ सोहतिसहितसुविनतिविद्याना॥
 ॥ त्रिविधितापत्रासकतिमुहानी॥ नामस्वरूपसुसिंधुसमानी॥
 ॥ मानसमूलमिलीसुनसनहि॥ सुनतसुजनमनपावनकनिहि॥
 ॥ विचविचकथाविचित्रविभागा॥ जनुसनितीनतीनवनवागा॥
 ॥ उमामहेसविवाहवनती॥ तेजलचनअगिनितवहुनोती॥
 ॥ नधुवनजनमअनंदवधाई॥ भवनतनंगमनोहनताई॥
 ॥ दोहा॥ बालचनितचहुबंधुकेवनजविपुलवहुनंग॥
 ॥ नृपनानीपनिजनसुकृतमधुकनवानिविहंग॥
 ॥ चौ॥ सीयस्वयंवनकथासुहाई॥ सनितसुहावनिसोछविछाई॥
 ॥ नदीनाववदुप्रसूअनेका॥ केवटकसलउतनसविवेका॥
 ॥ निअनुकथनपनसपनहोई॥ पथिकसमाजसोहसनिसोई॥

॥ धो न धान न गुनाथ निसानी ॥ ॥ घाट सुबंध नाम वनवानी ॥ ॥
 ॥ सानुज नाम विवाह उधर ॥ ॥ सो सुन उमग सुषध स वकाह ॥ ॥
 ॥ कहत सुनत हनय हिपुलकाह ॥ ॥ ते सुकृती मन मुदित अरुह ॥ ॥
 ॥ नाम तिल कहित मंगल साजा ॥ ॥ पनव जोग जनु जुने उसमाजा ॥ ॥
 ॥ काई कुमति कैकेई केनी ॥ ॥ परीजा सुफल विपति घनेनी ॥ ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ समन अमित उत्तपात सब मन तच नित जप जाग ॥ ॥
 ॥ ॥ कलि अघ घल अरु गुन कथन ते जल मल वक काग ॥ ॥
 ॥ ॥ चौ ॥ कीनतिस नित छह नितु नूनी ॥ ॥ समय सुहावनि पावनि नूनी ॥ ॥
 ॥ ॥ हिम हिम सेल सुता सिव काहू ॥ ॥ सिसि न सुषट प्रभु जन्म उधर ॥ ॥
 ॥ ॥ वन न वनाम विवाह समाजू ॥ ॥ सो मुद मंगल मय नितु नाजू ॥ ॥
 ॥ ॥ ग्रीष्म मधु सहनाम वन गवनू ॥ ॥ पंथ कथा वन आत पपवनू ॥ ॥
 ॥ ॥ वन वाधो न निसाचन नानी ॥ ॥ सुन कुल सलिसु मंगल कानी ॥ ॥
 ॥ ॥ नाम राज सुष विनय वडाई ॥ ॥ विसद सुषट सोइ सनद सुहाई ॥ ॥
 ॥ ॥ सती सिनोम निसि वगुन गाथा ॥ ॥ सोइ गुन अमल अनूप मपाथा ॥ ॥
 ॥ ॥ ननत सुनाव सुसीतल ताई ॥ ॥ सदा ऐकन सब ननिन जाई ॥ ॥
 ॥ ॥ ॥ दोहा ॥ अब लोक निबोल निमिल निश्रि तिपन सपन हास ॥ ॥
 ॥ ॥ ॥ आय पन लिच हुबंधु की जल माचु नी सुवास ॥ ॥
 ॥ ॥ चौ ॥ आनति विनय दीनता मोरी ॥ ॥ लघु ताल लित सुवानि नथोनी ॥ ॥
 ॥ ॥ अदनुत सलिल सुनत गुन कानी ॥ ॥ आस पि आस मनो मल हानी ॥ ॥
 ॥ ॥ नाम सुप्रेम हिपोषत पानी ॥ ॥ हनत सकल कलिक लुष गलानी ॥ ॥
 ॥ ॥ नव स्रम सोषक तोषक तोषा ॥ ॥ समन दुनित दुषट निदोषा ॥ ॥
 ॥ ॥ काम कोह मट मोहन सावन ॥ ॥ विमल विवेक विनाग वळावन ॥ ॥
 ॥ ॥ सादन मज्जन पान किऐ ते ॥ ॥ मिटहि पाप पनिता पहिऐ ते ॥ ॥
 ॥ ॥ जिन्ह ऐहिवानि नमान सचो ऐ ॥ ॥ ते काय न कलिकाल विगो ऐ ॥ ॥
 ॥ ॥ त्रयित निनधिन विकन भववारी ॥ ॥ फिनिह हिम्र गजि मिजीव दुषानी ॥ ॥
 ॥ ॥ ॥ दोहा ॥ मति अनुहानि सुवानि गुन गन गनिम ॥ ॥ न अरु वाइ ॥ ॥
 ॥ ॥ ॥ सुमिनि नवानी संकन हि कहक विकथा सुहाइ ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ ॥ अवन घुपति पटपंकु उह हि अच निपाइ प्रसाद ॥ ॥ ॥

वाल०

॥११॥

॥ कहहु जुगलमुनिवनरुकरमिलनसुभगसंवाह ॥
 ॥ भनद्वाजजिमिप्रसूकिअजागवलिकमुनिपाई ॥
 ॥ प्रथममुष्पसंवाहसोइकहिहहुहेतुबुहाई ॥४३॥
 ॥ चोभनद्वाजमुनिवसहिप्रयागा ॥ तिन्हहिनामपदअतिअनुनागा ॥
 ॥ तापससमदमदयानिधाना ॥ पनमानथपथपनमसुजाना ॥
 ॥ माघमकरगतनविजवहोई ॥ तीनथपतिहिआवसवकोई ॥
 ॥ देवदनुजकिंनरननश्रेनी ॥ सादनमज्जहि सकलत्रिवेनी ॥
 ॥ पूजाहिमाघवपदजलजाता ॥ पनसिअछयवटहनधहिगाता ॥
 ॥ भनद्वाजअश्रमअतिपावन ॥ पनमनम्यमुनिवनमनभावन ॥
 ॥ तहाहोहिमुनिविषयसमाजा ॥ जहिजेमज्जनतीनथनाजा ॥
 ॥ मज्जहिपातसमेतउछाहा ॥ कहहिपनसपनहनिगुनगाहा ॥
 ॥ दोहा ॥ ब्रह्मनिरूपनधनमविधिवननहितत्वविभाग ॥
 ॥ कहहिभक्तिभगवंतकैसंजुतनामविनाग ॥४४॥
 ॥ चो ऐहिप्रकानभनिमाघअन्हहि ॥ पुनिसवनिजनिजआश्रमजहि ॥
 ॥ प्रतिसंवतअतिहोइअनंदा ॥ मकरमज्जिगवनहिमुनिब्रंदा ॥
 ॥ ऐकवानभनिमकरनहहाऐ ॥ सवमुनीसआश्रमन्हसिघाऐ ॥
 ॥ जागवलिकमुनिपनमविवेकी ॥ भनद्वाजनाथेउपट्टेकी ॥
 ॥ सादनचननसजोपधाने ॥ अतिपुनीतआसनवइठाने ॥
 ॥ करीपूजामुनिसुजसुवधानी ॥ बोलेअतिपुनीतमदुवानी ॥
 ॥ नाथऐकसंसयवडमोने ॥ कनगतवेदतत्वसवतोने ॥
 ॥ कहतसोमोहिलगतनयलाजा ॥ जोनकहोउवडहोइअकाजा ॥
 ॥ दोहा ॥ संतकहहिअसिनीतिप्रभुश्रुतिपुनानमुनिगाव ॥
 ॥ होहिनविमलविवेकउनगुनसन्हकिऐहुनाव ॥४५॥
 ॥ चो असविचानिप्रगटोनिजमोह ॥ हनहुनाथकनिजनपनछोह ॥
 ॥ नामनामकरअमितप्रभावा ॥ संतपुनानउपनिषदगावा ॥
 ॥ संततजपतसंचुअविनासी ॥ सिवभगवानग्यानगुननासी ॥
 ॥ आकरचानिजीवजगअहहि ॥ कासीमनतपनमपदलहहि ॥
 ॥ सोपिराममहिमामुनिनाया ॥ सिवउपट्टेसकरतकनिदाया ॥
 ॥ गमकवनप्रभुपूछहुतोहि ॥ कहिअबुहाइक्रपानिधिमोहि ॥

॥ एकनामश्रवणे सकुमार ॥ ॥ ॥ ॥ तिन्हकनचनितविदितसंसार ॥
 ॥ नानिविनहदुषलहेउअपाना ॥ ॥ भएउनोषरावनननमाना ॥ ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ प्रभुसोइनामकिअपनकोउजाहिजपतत्रिपुनानि ॥ ॥
 ॥ ॥ सत्यधामसनवग्यतुम्हकहहुविवेकविचानि ॥ ॥ ॥ ४६ ॥
 ॥ ॥ चौ ॥ जैसैमिटइमोनचमजानी ॥ ॥ कहहुसोकथानायविस्तानी ॥
 ॥ जागिवलिकबोलेमुसुकाई ॥ ॥ तुम्हहिविदितनघुपतिप्रभुताई ॥
 ॥ नामभगततुलमनक्रमवानी ॥ ॥ चतुनाईगुल्लानिमैजानी ॥ ॥ ॥
 ॥ चाहहुसुनैनामगुनगूला ॥ ॥ कीन्हहुप्रभूमनहुअतिमूला ॥
 ॥ तातसुनहुसाइनमनुलाई ॥ ॥ कहहुनामकइकथासुलाई ॥
 ॥ महामोहमहिषेसविसाला ॥ ॥ नामकथाकलिकालकराला ॥
 ॥ नामकथाससिकिनिसमाना ॥ ॥ संतचकोनकनहिमुनिपाना ॥
 ॥ ऐसेहिसंसयकीन्हचवानी ॥ ॥ महादेवतवकहावधानी ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ कहौसोमतिअनुहनिअवउमासंनुसंवाइ ॥ ॥
 ॥ ॥ भएउसमयजेहिहेतुजेहिसुनुमुनिमिटैविषाइ ॥ ॥ ४७ ॥
 ॥ ॥ चौ ॥ एकवानत्रेताजुगमाही ॥ ॥ संनुगएकुंनजनिधिपाही ॥
 ॥ संगसतीजगजननिभवानी ॥ ॥ पूजेउनिधिअधिलेखनजानी ॥
 ॥ नामकथामुनिवर्ज्यवधानी ॥ ॥ सुनीमहेसपनमसुषुमानी ॥ ॥
 ॥ निधिपूछिहनिनगतिमुलाई ॥ ॥ कहीसंनुअधिकानीपाई ॥ ॥
 ॥ कहतसुनतनघुपतिगुनगाथा ॥ ॥ कछुदिनतहानहेगिनिनाथा ॥
 ॥ मुनिसनविद्यामागित्रिपुनानी ॥ ॥ चलेउन्नवनसगहकुमारी ॥
 ॥ तेहिअवसननंजनमहिनामा ॥ ॥ हनिनघुवंसलीन्हअवताना ॥
 ॥ पितावचनतजिनामउदासी ॥ ॥ इंडकवनविचनहिअविनासी ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ हृदयविचानतजातहनकेहिविधिइनसनहोइ ॥ ॥
 ॥ ॥ गुप्तरूपअवतनेउप्रभुगएजानिसवकोइ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ सोनठासंकनउनअतिछोन ॥ ॥ सतीनजानहिमनमसोइ ॥
 ॥ ॥ तुलसीइनसनलोन्न ॥ ॥ मनइनलोचनलालची ॥ ॥ ४८ ॥
 ॥ ॥ चौ ॥ रावनमननमनुजकनजांचा ॥ ॥ प्रभुविधिवचनकीन्हचहसांचा ॥
 ॥ ॥ जौनहिजाउनहेपछितावा ॥ ॥ कनतविचाननवनतवनावा ॥ ॥

॥१२॥

वाल्मीकि

॥ ऐहिविधि न ऐसो च वसई सा ॥ ते ही समय जाय दस सीसा ॥
 ॥ लीन्हनी च मानी च हि संगा ॥ भये उतु न त सोइ क पट कुनंगा ॥
 ॥ कनि छल मूख हनी वै देही ॥ प्रभु प्रताप उनी विदित न ते ही ॥
 ॥ मृगवधिवंधु सहित हनि आये ॥ आश्रम देधिन यन जल छापे ॥
 ॥ विन ह बि कल न न इवन घुनाई ॥ षो जत विपिन फिर हि दो उभाई ॥
 ॥ कवहू जोग वियोग न जाके ॥ देखा प्रगट विन ह दुषता के ॥

॥ दोहा ॥ अति विचित्र न घुपति च नित जान हि पन म सुजान ॥

॥ जेमति मंद विमोह वस हू दय धन हि क छु आन ॥ ४८ ॥ ॥ ॥

॥ चौ संनु समय तेहि नाम हि देखा ॥ उपजा हि अति हन स विसेखा ॥
 ॥ न नितोचन छवि सिंधु निहारी ॥ कु समय जानि न कीन्हि चिन्हारी ॥
 ॥ जय सच्चिदानंद जग पावन ॥ अस कहि चले उमनो जन सावन ॥
 ॥ चले जात सिव सती समेता ॥ पुनि पुनि पुलकत कृपानिकेता ॥
 ॥ सती सोइ सा संनु कइ देखी ॥ उपजा उन संदेह विसेषी ॥ ॥ ॥
 ॥ संकन जगत वंधु जग दीसा ॥ सुनन न मुनि सब नावहि सीसा ॥
 ॥ तिन ह न पसुत हि की रूप न नामा ॥ कहि सच्चिदानंद पन धामा ॥ ॥ ॥
 ॥ न ऐ मगन छवि ता सु विलोकी ॥ अजहुं प्रीति उन रहति न नोकी ॥

॥ दोहा ॥ ब्रह्म जो व्यापक विन ज अज अकल अनीह अनेह ॥

॥ सो कि हे रुध नि होइन न जाहि न जानत वेह ॥ ५० ॥ ॥ ॥

॥ चौ विष्णु जो सुन हित न न तनु धारी ॥ सोइ सन वग्य जथा त्रिपु नारी ॥
 ॥ षो जइ सो कि अग्य इवनारी ॥ ग्यान धाम श्रीपति असु नारी ॥
 ॥ संनु गिना पुनि म्रषान होई ॥ सिव सन वग्य जान सब कोई ॥
 ॥ अस संसय मन न ऐ उ अपाना ॥ होइन हू दय प्रबोध प्रचाना ॥ ॥ ॥
 ॥ जइ पि प्रगट नहि कहें उ न वानी ॥ हन अंत न जामी सब जानी ॥ ॥ ॥
 ॥ सन ह सती तवनानि सुजातु ॥ संसय अस न धनि अजि अकातु ॥
 ॥ जा सु कथा कुंन जनि धिगाई ॥ भगति ता सुम इ मुनि हि सुनाई ॥
 ॥ सोइ मम इस्ट देवन घुवीना ॥ सेवत जाहि सदा मुनि धीना ॥ ॥ ॥

॥ छंद सुनिधीन जोगी सिद्ध संतत विमल मन जे हि ध्यावही ॥

॥ कहि नेति निगम पुनान आगम जा सुकीन तिगावही ॥ ॥ ॥

॥ सोइ नाम व्यापक ब्रह्मचरनिकायपतिमायाघनी ॥
 ॥ अवतने उग्रपने भगतहितनिजतंत्रनितनधुकुलमनी ॥
 ॥ सोनहा लागत उन उपदेस ॥ जट्टपिकहे उसिववानवहु ॥
 ॥ बोले विहसिमहेस ॥ हनिमायावलजानिजिअ ॥ ५१ ॥
 ॥ चौ जो तुलने मन अतिसंदेह ॥ तौकिन जाइ पनिछालेह ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ तवल गिबैठ अहौं बट छंही ॥ जवल गितुमह अहहु मोहिपांही ॥
 ॥ जैसै जाइ मोह नममानी ॥ ॥ कनेहु सो जतन विवेक विचानी ॥
 ॥ चली सती सिव आय सुपाई ॥ कनइ विचान कनौ कानाई ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ इहा संजुअ समन अनुमाना ॥ दृष्ट सुता कहुं नहिकल्पाना ॥
 ॥ मोनेहु कहें संसय जांही ॥ विधिविपनीति नलाईनाही ॥
 ॥ होइ हि सोइ जो नाम नचिनाषा ॥ को कहितन कवळावहिसाषा ॥
 ॥ अस कहिलगे जपन हनिनामा ॥ गई सती जहं प्रनु सुषधामा ॥
 ॥ दोहा ॥ पुनि पुनि हृदय विचान कनिधनि सीता कन रूप ॥
 ॥ आगे होइ चलि पंथ तेहि जेहि आवतन न रूप ॥ ५२ ॥
 ॥ चौ लछिमन दीष उमाकृत वेया ॥ चकित भए अमहृदय विसेया ॥
 ॥ कहिन सकत कछु अतिगंभीना ॥ प्रनु प्रभाव जानत मतिधीना ॥
 ॥ सती कष्ट जाने उ सुन स्वामी ॥ समहन सीस वअंतन जामी ॥
 ॥ सुमिन त जाहि मिटेहि अगणाना ॥ सोइ सन वगयना मन्नगवाना ॥
 ॥ सती कीन्ह चहते हहु दुनाकु ॥ देखहु नानि सुजाव प्रजाकु ॥ ॥ ॥
 ॥ निजमायावल हृदय बयानी ॥ बोले विहसिनाम भ्रदुवानी ॥
 ॥ जो निपानि प्रनु कीन्ह प्रनाम ॥ पितासमेत लीन्ह निजुनाम ॥
 ॥ कहे उवहोनि कहं ब्रषकेतू ॥ विपिनि अकेलि फिरहु केहि हेतू ॥
 ॥ दोहा ॥ नामवचन म्रदुगूख सुनि उपजा अतिसंकोच ॥
 ॥ सती सनीतमहेस पैहि चली हृदय बड सोच ॥ ५३ ॥
 ॥ चौ मै संकन कन कहान माना ॥ निज अग्यान नाम पन आना ॥
 ॥ जाइ उत्तनु अवदेह उकाहा ॥ उन उपजा अति दानुन दाहा ॥
 ॥ जानानाम सती दुषु पावा ॥ निज प्रभाव कछु प्रगटि जनावा ॥
 ॥ सती दीष को तुकम गजाता ॥ आगे नाम सहित श्री आता ॥ ॥ ॥ ॥

वाल०

॥१३॥

॥ फिनिचितवापाधिप्रभुदेखा ॥ सहितबंधुसियसुंदनवेखा ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ जहंचितवततहप्रभुआसीना ॥ सेवहिसिद्धमुनीसप्रवीना ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ देवेसिवविधिविष्णुअनेका ॥ अमितप्रभावेकतेऐका ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ बंदतचननकनतप्रभुसेवा ॥ विविधिवेषदेवेसवदेवा ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ दोहा ॥ सतीविधारीइंदिरादेवीअमितअनूप ॥ ॥

॥ जेहिजेहिवेषअजादिसुनतेहितेहितनअनरूप ॥ ५४ ॥

॥ चौदेवेनघुपतिजहत्तहजेते ॥ सक्तिरुसहितसकलसुनतेते ॥ ॥
 ॥ जीवचनाचनजेसंसार ॥ देवेसकलअनेकप्रकार ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ पूजहिप्रभुहिदेवबहुवेखा ॥ रामरूपदूसननहिदेखा ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ अवलोकेनघुपतिबहुतेने ॥ सीतासहितनवेषघनेने ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ सोइनघुवनसोइलधिमनसीता ॥ देविसतीअतिनईसजीता ॥ ॥
 ॥ हृदयकेपतनसुधिकछुनाही ॥ नयनमूढिवेढीमगमाही ॥ ॥ ॥
 ॥ बहुनिविलोकेउनेनउघानी ॥ कछुनदीयतहृदयकुमानी ॥ ॥
 ॥ पुनिपुनिनाइनामपदसीसा ॥ चलीतहांजहंनहेगिनीसा ॥ ॥ ॥

॥ दोहा ॥ गईसमीपमहेसतवहसिपूछिकुसलात ॥

॥ लीरूपनिष्ठाकवनविधिकहहसत्यसववात ॥ ५५ ॥

॥ चौ सतीसमुहिनघुवीनप्रभाउ ॥ भयवससिवसनकीन्हुनाउ ॥ ॥
 ॥ कछुनपनिष्ठाहीहिगोसाई ॥ कीरूपनामुनुल्लानिहिनाई ॥ ॥ ॥
 ॥ जोनुल्लकहासोमखानहोई ॥ मोनेमनप्रतीसिअसिहोई ॥ ॥ ॥
 ॥ तवसंकनदेवेउकनिध्याना ॥ सतीजोकीरुचनितसवजाना ॥ ॥
 ॥ बहुनिनाममायहिसिनुनावा ॥ प्रेनिसतिहिजेहिरूकहावा ॥ ॥ ॥
 ॥ हनिइछाजावीवलवाना ॥ हृदयविचानतसंनुसुजाना ॥ ॥
 ॥ सतीकीरुसीताकनवेखा ॥ सिवउननऐउविषादविसेवा ॥ ॥
 ॥ जोअबकनौसतीसनप्रीती ॥ मिटहिभक्तिपथहोइअनीती ॥ ॥

॥ दोहा ॥ पनमपुनीतनजाइतजिकिऐप्रेमवडपाप ॥

॥ प्रगटनकहतमहेसकछुहृदयअधिकसंताप ॥ ५६ ॥

॥ चौ तवसंकनप्रभुपदसिनुनावा ॥ सुमिनतरामहृदयअसआवा ॥ ॥
 ॥ यहितनसतिहिजेमोहिनाही ॥ सिवसंकल्पकीरुमनमाही ॥ ॥

॥ असविद्यानि संकन मतिधीना ॥ चलेन वन सुमिन तन धुवीना ॥
 ॥ चलत गगन भइ गिरा सुहाई ॥ जयमहे सभति नक्ति हठाई ॥
 ॥ असपन तुम विनु कनै को आना ॥ नाम नक्त समन थन गवाना ॥
 ॥ सुनि नन गिरा सती मन सोचा ॥ पूंछा सिव हि समेत सकोचा ॥
 ॥ कीन्ह कवन पुन कहहु कृपा ला ॥ सत्य धाम प्रनु दीन दया ला ॥
 ॥ जइ पि सती पूंछा वहु जौती ॥ तइ पि न कहै उत्रि पुन आनाती ॥

॥ दोहा ॥ सती हृदय अनुमान किय सव जानि उसवै गय ॥

॥ कीन्ह कपट मै संनु सन नानि सहज जउ अगय ॥ ॥ ॥

॥ सोनरा ॥ जल पय सनि सविकाइ ॥ दैष हु प्रीति किनीति भलि ॥

॥ बिगत होत न सजाइ ॥ कपट बटाई पन तही ॥ ५७ ॥ - ॥ ॥

॥ चौ ॥ हृदय सोच समुह तनिज कननी ॥ चिंता अमित जाइ नहि वननी ॥

॥ कृपा सिंधु सिव पन म अगाधा ॥ प्रगटन कहै उमोन अपनाथा ॥

॥ संकन नुष अवलोकित वानी ॥ प्रनु मोहित जे उहृदय अकुलानी ॥

॥ निज अघ समुहिन कछु कहि जाई ॥ तौ पै अवाइव उन अघिकाई ॥

॥ सति हि ससोच जानि ब्रष केतू ॥ कहि कथा सुंदन सुष हेतू ॥ ॥ ॥ ॥

॥ वन नत पंथ विविध इतिहासा ॥ विश्वनाथ पहुचै कैलासा ॥ ॥ ॥ ॥

॥ तहं पुनि संनु समुहि प्रन आपन ॥ वैठे बटतन कनिक मलासन ॥ ॥ ॥ ॥

॥ संकन सहज स्वरूप संनाना ॥ लागि समाधि अखंड अपाना ॥ ॥ ॥ ॥

॥ दोहा ॥ सती वसहि कैलास तव अधिक सोच मन माहि ॥

॥ मन मन को ऊझान कछु जुग समदिवस सिनाहि ॥ ५८ ॥

॥ चौ ॥ नित नव सोच सती उन जाना ॥ कव जै हों दुष सागन पाना ॥ ॥ ॥ ॥

॥ मै जो कीन्ह न धुपति अपमाना ॥ पुनि पति वचन अषा कनि जाना ॥

॥ सोफलु मोहि विधाता दीन्ह ॥ जो कछु उचित नहा सोइ कीन्ह ॥

॥ अव विधि अस वूहियन हितोही ॥ संकन विमुख जिआव सिमोही ॥

॥ कहिन जाइ कछु हृदय गलानी ॥ मनमहि नामहि सुमिनि सयानी ॥

॥ जो प्रनु दीन दया लकहावा ॥ आनत हनन वेद ज सुगावा ॥ ॥ ॥ ॥

॥ तौ मै विनय करहु कन जोनी ॥ छटो वेगि देह यह मोनी ॥ ॥ ॥ ॥

॥ जो मोने सिव चनन सनेह ॥ मन क्रम वचन सत्य ब्रत ऐह ॥ ॥ ॥ ॥

॥ दोहा ॥ तौ सवदन सी सुनि अप्रनु कनहु सो वेगि उपाइ ॥

॥ होइ मन न जेहि विनहि अम दुः सह विपति विहाइ ॥ ५९ ॥

बाल०

॥१४॥

॥ ऐहिविधिदुधितप्रजेसकुमानी ॥ ॥ अकथनीयदानुनदुषजानी ॥
 ॥ बीतेसंवतसहस्रसतासी ॥ ॥ तजीसमाधिसंनुअविनासी ॥
 ॥ नामनामसिवसुमिननलागे ॥ ॥ जानेउसतीजगतपतिजगे ॥
 ॥ जाइसंनुपद्वंद्वनकीन्ह ॥ ॥ सनमुखसंकनआसनहीन्ह ॥
 ॥ लगेकहनहनिकथानसाता ॥ ॥ दृष्टप्रजेसन्नऐतेहिकाला ॥
 ॥ देखाविधिविचानिसवलाएक ॥ ॥ दृष्टहीकीन्हप्रजापतिनाएक ॥
 ॥ वउअधिकानदृष्टजवपावा ॥ ॥ अतिअभिमानहुदृष्टतवआवा ॥
 ॥ नहिकोउअसजनमाजगमाही ॥ ॥ प्रनुतापाइजाहिमदनाही ॥ ॥

॥ दोहा ॥ दृष्टलिऐमुनिबोलिसवकननलगेवउजाग ॥

॥ निवतेसाइनसकलसुनजेपावतमधनाग ॥ ॥ ६० ॥

॥ चै किंनननागसिद्धगंधर्वा ॥ ॥ वधुन्हसमेतचलेसुनसर्वा ॥ ॥
 ॥ विष्णु विनंचिमहेसविहार्इ ॥ ॥ चलेसकलसुनजानवनाई ॥ ॥
 ॥ सतीविलोकेगगनविमाना ॥ ॥ जातचलेसुंदरविधिनाना ॥ ॥
 ॥ सुनसुंदरीकनहिकलगाना ॥ ॥ सुनतअवनधूटहिमुनिध्यान ॥ ॥
 ॥ पूछेउतवसिवकहेउवषानी ॥ ॥ पिताजगयसुनिकछुहनषानी ॥ ॥
 ॥ जौमहेसमोहिआयसुदेही ॥ ॥ कछुदिनजाइनहौमिसऐही ॥ ॥
 ॥ पतिपरत्यागहुदृष्टदुषजानी ॥ ॥ कहैननिजअपनाधविचानी ॥ ॥
 ॥ बोलीसतीमनोहनवानी ॥ ॥ सनयसकोचप्रेमनससानी ॥ ॥

॥ दोहा ॥ पिताअवनउतसवपरमजौप्रनुआयसुहोइ ॥

॥ तौमैजाउक्रपायतनसाइनदेखनसोइ ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ चै कहेहुनीकमोनेमनआवा ॥ ॥ यहअनुचितनहिनितपठावा ॥ ॥
 ॥ दृष्टसकलनिजसुताबुलाई ॥ ॥ हमनेवेनतुमहोविसनाई गगा ॥ ॥
 ॥ ब्रह्मसन्नाहमसनदुषमाना ॥ ॥ तेहितेअजहुकनहिअपमाना ॥ ॥
 ॥ जौविनुबोलेजाहुनवानी ॥ ॥ रहेनसीलुसनेहुनकानी ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ जइपिमित्रप्रनुपिनगुनुग्रेहा ॥ ॥ जाइअविनुबोलेनसंदेहा ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ तइपिविनोधमानजहकोई ॥ ॥ तहागएकल्पाननहोई ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ भौतिअनेकसंनुसमुहावा ॥ ॥ भावीवसनग्यानउनआवा ॥ ॥ ॥
 ॥ कहप्रनुजाहुजौविनहिवुलाए ॥ ॥ नहिनलिवातहमानेनाए ॥ ॥

॥ दोहा ॥ कहिदेखाहनजतनवहुनहेनदृष्टकुमानि ॥

॥ दिऐ मुख्यगन संगत वविटा कीन्हि त्रिपुनानि ॥ ६२ ॥
 ॥ चौ ॥ पिता नवन जव गइ नवानी ॥ दृष्टत्रास काहुन सन मानी ॥
 ॥ साइन नलेहि मिली ऐक माता ॥ नगिनी मिली बहुत मुसुकाता ॥
 ॥ दृष्टन कछु पूछी कुसलाता ॥ सतिहिलोकि जने उसवगाता ॥
 ॥ सती जाइ देखे उत्तव जागा ॥ कतहुन दीख संनु कन जागा ॥
 ॥ तवचित्त चढे उसो संकन कहें ॥ प्रनु अपमान समुहि उन दहे ॥
 ॥ पाछिल दुषन हृदय असबापा ॥ जस यहन ऐउ महापनितापा ॥
 ॥ जद्यपि जगदानुन दुषनाना ॥ सवते कठिन जाति अपमाना ॥
 ॥ समुहि सो सतिहि न ऐउ अतिक्रोधा ॥ बहुविधि जननी कीन्ह प्रबोधा ॥

॥ दोहा ॥ सिव अपमान न जाइ सहि हृदय न होइ प्रबोध ॥

॥ सकल सन्नहि हठि हट कितव बोली वचन स क्रोध ॥ ६३ ॥

॥ चौ ॥ सुनहु सनास ह सकल मुनिंदा ॥ कहि सुनी जिन्ह संकन निंदा ॥
 ॥ सो फलु तुन तलहव सब काहू ॥ भली नोति पछिता व पिताहू ॥
 ॥ संत संनु श्रीपति अपवादा ॥ सुनि अजहंत ह असिमन जादा ॥
 ॥ काटि अता सुजी न जो वसाई ॥ अवन मंदिन तचलि अपनाई ॥
 ॥ जगदात मा महे स पुनानी ॥ जगत जनक सब के हितकारी ॥
 ॥ पिता मंद मति निंदत तेही ॥ दृष्ट सुक संन वय ह देही ॥
 ॥ तजि होतु न तदे हते हि हेतू ॥ उन धनि चंदु मौलि ब्रष केतू ॥
 ॥ अस कहि जोग अगिनि तन जाना ॥ भऐ उसकल मष हाहा काना ॥

॥ दोहा ॥ सती मनन सुनि संनु गन लगे कनन मष धीस ॥

॥ जगय विधं सिविलोकि न गुन धा कीन्हि मुनीस ॥ ६४ ॥

॥ चौ ॥ समाचान सब संकन पाऐ ॥ वीन न दूकनि को पप ठाऐ ॥
 ॥ जगय विधं स जाइति कीन्ह ॥ सकल सुन ह विधि वत फल दीन्ह ॥
 ॥ नै जग विदित दृष्ट गति सोई ॥ जसि कुछु संनु विमुष के होई ॥
 ॥ यह इतिहास सकल जग जानी ॥ तते मै संछे पवषानी ॥
 ॥ सती मनन हनि सनवन मागा ॥ जन्म जन्म सिव पद अनुनागा ॥
 ॥ तेहि कानन हि मगिनि ग्रह जाई ॥ जतमी पानवती तनु पाई ॥
 ॥ जव ते उमा सैलग्रह जाई ॥ सकल सिद्धि संपति तहं छाई ॥
 ॥ जहंत हं मुनिन्ह सुआ अम कीन्ह ॥ उचित वास हि मन्मथ न दीन्ह ॥

वाल्मीकि

॥ १५ ॥

॥ दोहा ॥ सदा सुमनफलसहित दुमसवन वनाना जानि ॥
 ॥ प्रगटि सुंदर सेलपनमनि आंकन वसुमौति ॥ ६५ ॥ ॥
 ॥ चौ ॥ सनिता सव पुनीत जल बहहि ॥ षगमगे मधुप सुधी सवन बहहि ॥
 ॥ सहज वेर सव जीवरू त्यागा ॥ ॥ गीनि पन सकल कनहि अनुनागा ॥
 ॥ सोह सेल गिनि जाग्रह आये ॥ ॥ जिमि जन नाम नक्ति कह पाये ॥
 ॥ नित नूतन मंगल ग्रह तास ॥ ॥ ब्रह्मादिक गावहि जसुजास ॥
 ॥ नानद समाचार सव पाये ॥ ॥ कौतुक ही गिनि गेह सिधाये ॥
 ॥ सेल राज वड आइन कीन्हा ॥ ॥ पटपषा निवन आसन दीन्हा ॥
 ॥ नानि सहित पुनि पट सिनु नावा ॥ ॥ चरन सहित सव नवन सिचावा ॥
 ॥ निज सोनाग्र वहुत विधि वरना ॥ ॥ सुता बोलि मेली मुनि चरना ॥ ॥
 ॥ दोहा ॥ त्रिकाल गय सर्व गपतु मृगति सर्व त्रुहानि ॥
 ॥ कहहु सुता के दोष गुन मुनि वन हृदय विचानि ॥ ६६ ॥
 ॥ चौ ॥ कह मुनि विहसि गूढ म्रदुवानी ॥ सुतानुहानि सकल गुन धानी ॥
 ॥ सुंदर सहज सुसील सयानी ॥ ॥ नाम उमा अवि कान्त वानी ॥ ॥
 ॥ सब लछन संपन्न कुमानी ॥ ॥ होइ हि संतत पिअहि पिअानी ॥ ॥
 ॥ सदा अचल ऐहिक न अहि वाता ॥ ॥ ऐहि ते जसुपै हहि पितु माता ॥ ॥
 ॥ होइ हि पूज्य सकल जग माही ॥ ॥ ऐहि सेवत दुलभ कछु नाही ॥ ॥
 ॥ ऐहिक न नाम सुमिनि संसाया ॥ ॥ त्रिय चहि हहि पतिव्रत असि धाया ॥ ॥
 ॥ सेल सुलछन सुतानुहानी ॥ ॥ सुनहु जे अव अव गुन दोइ चानी ॥ ॥
 ॥ अगुन अमान मातु पितु हीना ॥ ॥ उदासीन सव संसय छिना ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ दोहा ॥ जोगी जदिल अकाम मन ॥ नगन अमंगल वेष ॥
 ॥ अस त्वामी ऐहिक ह मिलिहि पनी हस्त असि नेष ॥ ६७ ॥
 ॥ चौ ॥ सुनि मुनि गिना सत्य जिअ जानी ॥ दुषटं पतिहि उमाहन धानी ॥ ॥
 ॥ नानद हूँ ऐह नेहन जाना ॥ ॥ दसा ऐक समुह व विलगाना ॥ ॥
 ॥ सकल सधी गिनि जागिनि मेना ॥ ॥ पुलक सीन न नने जल नैना ॥ ॥
 ॥ होइ न म्रया देव निधि नाया ॥ ॥ उमा सो वचन हृदय धनि नाया ॥ ॥
 ॥ ॥ उपजे उसि वपट कमल सनेह ॥ ॥ मिलन कठिन मन ना संदेह ॥ ॥
 ॥ जानि कु अवसन प्रीति दुनाई ॥ ॥ सधी उछंग वेठि पुनि जाई ॥ ॥
 ॥ लूठन होइ देव निधि वानी ॥ ॥ सोचहि दंपति सधिय सयानी ॥ ॥

॥ उन्धनिधीन कहै गिनिनाउ ॥ ॥ कहहुनाथ ककनिअउपाउ ॥

॥ दोहा ॥ कहु मुनी सहि मवंत सुनु जे विधि लिखा लिखान ॥

॥ देवदनु जनन नाग मुनिको उन मे टन हान ॥ ६८ ॥ ॥ ॥

॥ चौ ॥ नदृपि पेक मै कह उ उपाई ॥ होइ कैने जो देव सहई ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ जस वनु मै वनने उतु मूपाहि ॥ मिलिहि उमहित ससं सयनाहि ॥

॥ जे जेवन के दोष वधाने ॥ ॥ ते सब सिव पहि मै अनुमाने ॥ ॥ ॥

॥ जो विवाह संकन सन होई ॥ ॥ दोषो गुन सम कह सब कोई ॥ ॥ ॥

॥ जो अहि से जस यन हनिकनही ॥ बुध कछु तिरु कर दोषु न धनही ॥

॥ जानु कसानु सर्व न सखाहि ॥ ॥ तिरु कह मंद कहत को उनाहि ॥ ॥

॥ सुन अउ सुन सलिल सब वहि ॥ सुन सनिको उअ पुनीत न कहि ॥

॥ समन थक हुन हि दोष गोसाई ॥ ॥ न विपाव क सुन सनिकी नाई ॥ ॥ ॥ ॥

॥ दोहा ॥ जो असीहि सिखा कनहिन न जड विवेक अनिमान ॥

॥ एनहि कल्प नितन कमहु जीव किई ससमान ॥ ६९ ॥

॥ चौ ॥ सुन सनि जल क्रातवानु निजाना ॥ कवहुन संत कनहिते हि पाना ॥

॥ सुन सनि मिले सो पावन जै से ॥ ॥ ईस अनी सहि अंतनु तै से ॥ ॥ ॥

॥ संनु सहज समन थन गवाना ॥ ऐहि विवाह सब विधिक ल्याना ॥

॥ दुगनाथ पै अहि महि हेसू ॥ ॥ आस तोष पुनिकि ऐक लेसू ॥ ॥

॥ जो तपु कनै कुमानि तुलानी ॥ ॥ भाविहु मेरिस कहि त्रिपुनानी ॥ ॥

॥ जद्यपि वन अनेक जगमाहि ॥ ऐहि कहत जिसि वदूसन नाहि ॥ ॥

॥ वन दायक प्रततान तन जन ॥ ॥ कृपा सिंधु सेवक मनन जन ॥ ॥ ॥

॥ ईष्टत फल विनु सिव अनुनाधे ॥ ॥ लहि अनकोटि जोग जप साधे ॥ ॥ ॥

॥ दोहा ॥ अस कहि नानद सुमिनि हनि गिनिज हि दीन्ह असीस ॥

॥ होइ हिय हक ल्यान अवसं सयत जहु गिनीस ॥ ७० ॥ ॥ ॥

॥ चौ ॥ कहि अस ब्रह्म नवन मुनि गएउ ॥ आगिल चनित सुनहु जस न ऐउ ॥

॥ पति हि ऐकांत पाइ कहै मैना ॥ ॥ नाथ न मै समुहे मुनि वैता ॥ ॥ ॥ ॥

॥ जो धन वनु कुल होइ अनूपा ॥ ॥ कनिअ विवाह सुता अनु रूपा ॥ ॥

॥ ननु कन्या वनु नहु उकुमानी ॥ ॥ कंत उमा मम प्राण पिआनी ॥ ॥

॥ जो न मिलि हिवनु गिनिज इजोगू ॥ ॥ गिनिज उत सहज कहि हिसव लोगू ॥

वाल०

॥२६॥

॥ सोइ विचानिपनिहनेहु विवाह ॥ ॥ जेहिनवहोनिहोइउनहाह ॥

॥ असकहिपनीचननधनीसीसा ॥ बोलेसहितसनेहगिनीसा ॥

॥ वनुपावकप्रगटैससिमाहि ॥ नानद्वचनअन्यथानाहि ॥

॥ सोहा ॥ प्रियासोचपनिहनेहुअवसुमिनहुश्रीभगवान ॥

॥ पानवतीहिनिनमयहुजेहिसोइकनिहिकल्यान ॥ ११ ॥

॥ चौ ॥ अवजोहोइसुतापननेह ॥ ॥ तौअसजाइसिषावनदेह ॥ ॥ ॥ ॥

॥ कनैसोतपुजेहिमिलिहिमहेस् ॥ आनउपाइनमिटिहिकलेस् ॥

॥ नानद्वचनसगर्भसहेत् ॥ ॥ सुंदरसवगुननिधिव्रषकेत् ॥

॥ असविचानितुमृतजोअसंक ॥ सवहिनांतिसंकनअकलंक ॥

॥ सुनिपतिवचनहनविमनमाहि ॥ गईतुनतउठिगिनिजापाहि ॥

॥ उमहिविलोकिनैतननिवानी ॥ सहितसनेहगोद्वैठानी ॥ ॥ ॥

॥ वानिहिवानलेतउनलाई ॥ ॥ गदगदकंठनकथुकहिजाई ॥

॥ जगतमातुसर्वगपन्नवानी ॥ ॥ मातुसुषद्वोलीमृदुवानी ॥ ॥ ॥

॥ सोहा ॥ सुनहिमातुमैटीषअससपनसुनावोतोहि ॥

॥ सुंदरगोनसुविप्रवनअसउपदेसेउमोहि ॥ १२ ॥

॥ चौकनहुजाइतपसैलकुमानी ॥ ॥ नानद्वकहेउसोसत्यविचानी ॥

॥ मातुपित्तहिपुनियहमतभावा ॥ तपसुषप्रददुषदोषनसावा ॥

॥ तपवलनचैप्रपंचविधाता ॥ ॥ तपवलविश्वसकलजगत्राता ॥

॥ तपवलसंभुकनहिसंधाना ॥ ॥ तपवलसेसधनैमहिन्नाना ॥ ॥

॥ तपअधानसवस्रष्टिन्नवानी ॥ कनहुजाइतपअसजिअजानी ॥

॥ सुनतवचनविसमितमहतानी ॥ सपनसुनाऐहुगिनिहिहंकारी ॥

॥ मातुपित्तहिवहुविधिसमुदाई ॥ चलीउमातपहितहनवाई ॥ ॥ ॥

॥ प्रियपनिवानपिताअनुमाता ॥ मऐविकलमुखआवनवाता ॥ ॥

॥ सोहा ॥ वेदसिनामुनिआइतवसवहिकहासमुदाई ॥

॥ पानवतीमहिमासुनतनहेप्रबोधहिपाइ ॥ १३ ॥ ॥

॥ चौउनधनिउमाप्राणपतिचरना ॥ जाइविपिनलागीतपकनना ॥ ॥

॥ अतिसुकुमानिनतनतपजोगू ॥ पतिपदसुमिनितजेउसवजोगू ॥

॥ नितनवचननउपजअनुनाग ॥ विसनीदेहतपहितमनलागा ॥ ॥

॥ संवत्सहस्रमूलफलषाणे ॥ ॥ सागषाडसतवनषगैवाणे ॥
 ॥ कष्टुटिनन्नोजनवानिवत्तासा ॥ ॥ कियेकठिनकष्टुटिन उपवासा ॥
 ॥ बेलपातिमहिपनैसुषाई ॥ ॥ ॥ तीनिसहस्रसंवत्सोइजाई ॥
 ॥ पुनिपनिहनेउसुषानेउपनना ॥ ॥ उमहिनामतवनऐउअपनना ॥
 ॥ दृष्टिउमहितपषीनसनीना ॥ ॥ ब्रह्मगिनाजगगगनगैनीना ॥
 ॥ दोहा ॥ भऐउमनोनथसुफलतवसुनुगिनिनाजकुमानि ॥
 ॥ पनिहनिदुसहकलेससवअवमिलिहहित्रिपुनामि ॥ ७४ ॥
 ॥ चौ ॥ असतपकाहुनकीरुनबानी ॥ ॥ भऐअनेकधीनमुनिग्यानी ॥ ॥
 ॥ अवउनधनेहुब्रह्मवनवानी ॥ ॥ सत्यसदासंततसुचिजानी ॥ ॥
 ॥ आवैपिताबुलावनजवही ॥ ॥ हठपनिहनिघनजाऐहुतवही ॥
 ॥ मिलहिनुम्हहिजबसपनिषीसा ॥ ॥ जानेहुतवप्रमानवागीसा ॥ ॥
 ॥ सुनतगिनाविधिगगनवधानी ॥ ॥ पुलकगातगिनिजाहनधानी ॥
 ॥ उमाचनितमेसुंदनगावा ॥ ॥ ॥ सुनहुसंजुकनचनितसुहावा ॥
 ॥ जवतैसतीजाइतनुत्यागा ॥ ॥ तवतैसिवमननऐउविनागा ॥
 ॥ जपहिसदानधुनाऐकनामा ॥ ॥ जहंतहंसुनहिनामगुनगामा ॥
 ॥ दोहा ॥ चिदानंदसुषधामसिवविगतमोहमदकाम ॥
 ॥ विचनहिमहिधनिदुदयहनिसकललोकअग्निनाम ॥ ७५ ॥
 ॥ चौ ॥ कतहुमुनिरुउपदेसहुग्याना ॥ ॥ कतहुनामगुनकनहिवधाना ॥
 ॥ जदपिअकामतदपिन्नगवाना ॥ ॥ भगतविनहदुषदुषितसुजाना ॥
 ॥ ऐहिविधिगऐउकालवहुवीती ॥ ॥ नितनइहेइनामपदप्रीती ॥ ॥
 ॥ नेमप्रेमसंकनकनदेखा ॥ ॥ ॥ अविचलहुदयभक्तिकैनेषा ॥ ॥
 ॥ प्रगटेउनामक्रतग्यक्रपाला ॥ ॥ रूपसीलनिधितेजविसाला ॥ ॥
 ॥ बहुप्रकानसंकनहिसनाहा ॥ ॥ तुम्हविनअसव्रतकोतिनवाहा ॥
 ॥ बहुविधिनामसिवहिसमुहावा ॥ ॥ पानवतीकनजन्मसुनावा ॥ ॥
 ॥ अतिपुनीतगिनिजाकैकननी ॥ ॥ विस्तनसहितक्रपानिधिवननी ॥
 ॥ दोहा ॥ अवविनतीममसुनहुसिवजोमोपननिजनेहु ॥
 ॥ जाइविवाहहुसैलजहियहमोहिमागेदेहु ॥ ७६ ॥ ॥
 ॥ चौ ॥ कहसिवजदपिउचितअसनाहि ॥ ॥ नाथवचनपुनिमेदिनजाहि ॥
 ॥ सिनधनिआयसुकनिअनुहाना ॥ ॥ पनमधनमयहनाथदमा ॥

बाल०

॥१७॥

॥ मानुपितागुनुप्रनुकेवानी ॥ ॥ विनहिविचानकमिअसुनजानी ॥
 ॥ तुम्हसवजातिपनमहितकानी ॥ अग्यामिनपननाथतुलानी ॥
 ॥ प्रनुतोषेउसुनिसंकनवचना ॥ भक्तिविवेकधर्मजुतनचना ॥
 ॥ कहप्रनुहनतुलानप्रनरहेउ ॥ अवउनरायेहुहमजोकहेउ ॥
 ॥ अंतनध्याननऐअसजाधी ॥ संकनसोइमूनतिउनराधी ॥
 ॥ तवहिसप्रनिधिसिवपीहोए ॥ बोलेप्रनुअतिवचनसुहाए ॥

॥ दोहा ॥ पानवतीपहिजाइतुम्हप्रेमपनिष्णालेहु ॥

॥ गिनिहिप्रेनिपठवहुनवनदूनिक्नेहुसंदेहु ॥ १७ ॥

॥ चौ तवनिधितुनितगोनिपहगएउ ॥ देखिइसामुनिविसमयनऐउ ॥
 ॥ अधिन्हगोनिदेखीतहकोसी ॥ ॥ मूनतिवंततपस्याजेसी ॥
 ॥ बोलेमुनिसुनुसैलकुमानी ॥ ॥ कनहुकवनकाननतपजानी ॥
 ॥ केहिअवनाधहुकातुम्हचहह ॥ हमसनसत्यमनमसबकहह ॥
 ॥ सुनतनिधिन्हकेवचननवानी ॥ बोलीगूछमनोहनवानी ॥
 ॥ कहतमनमतवअतिसकुचार्ड ॥ हसिहुसुनिहमनीजडतार्ड ॥
 ॥ मनहठपरानसुनैसिधावा ॥ बहतवानिपननीतिउठावा ॥
 ॥ नानदकहासत्यसोइजाना ॥ विनपंधन्हमचहहिउडाना ॥
 ॥ देखहुमुनिअविवेकहमाना ॥ बाहिअसदासिवहिन्नताना ॥

॥ दोहा ॥ सुनतवचनविहसेनिषयगिनिसंनवतवदेह ॥

॥ नानदकनउपदेसमुनिकहहुवसेउकिसुगेह ॥ १८ ॥

॥ चौ दृष्टसुतन्हउपदेसेहिजार्ड ॥ तिन्हफिनिन्नवननदेखाअार्ड ॥
 ॥ चित्रकेतुकनघनउन्हयाला ॥ कनककसिपुकनपुनिअसहाला ॥
 ॥ नानदसिषजेसुनहिननानी ॥ अवसिहोहितजिन्नवननिषानी ॥
 ॥ मनकपटीतनसज्जनचीन्ह ॥ आपुसनिसमवहीचहकीन्ह ॥
 ॥ तेहिकेवचनमानिविस्वासा ॥ तुम्हचाहुपतिसहजउडासा ॥
 ॥ निर्गुननिलजकुवेषकपाली ॥ अकुलअगेहदिगंवनव्याली ॥
 ॥ कहहुकवनसुषअसवनुपोए ॥ नलनूलिहुठगकेवउनाए ॥
 ॥ पंचकहहिसिवसतीविवाही ॥ पुनिअवडेनिमनाएन्हिताही ॥

॥ दोहा ॥ अवसुषसोवतसोचनहिनीषमांगिन्नवषाहि ॥

॥ सहजऐकाकिन्हकेन्नवनकवहुंकिनानिषराहि ॥ १९ ॥

॥ अजहं मानहुकहाहमाना ॥ १ ॥ ॥ ह्मनुम्हकुवननीकविचारा ॥
 ॥ अतिसुंदरसुचिसुषट्सुसीला ॥ गाव्हिवेदजासुजसुलीला ॥ २ ॥
 ॥ दूधननहितसकलगुननासी ॥ श्रीपतिपुनवैकुण्ठनिवासी ॥ ३ ॥
 ॥ असवनतुम्हहिमिताउवअति ॥ सुनतविहसिकहवचनभवानी ॥
 ॥ सत्यकहगुणिनिजवतनुऐहा ॥ हठनधूरटधूरटेवनदेहा ॥ ४ ॥
 ॥ कनकोपुनिपाषाणतेहोई ॥ जानेहुसहजनपरिहनसोई ॥ ५ ॥
 ॥ नानदवचननमेपरिहनऊ ॥ बसौन्नवनउजनोनहिइनऊ ॥
 ॥ गुनकेवचनप्रतीतिनजेही ॥ सपनेहुसुगमनसुषसिद्धितेही ॥
 ॥ दोहा ॥ महादेवअवगुनभवनविष्णुसकलगुनधाम ॥
 ॥ जोहिकनमननमेजाहिसनताहिताहिसनकाम ॥ ६ ॥
 ॥ चौ ॥ जोतुम्हमिततेहुप्रथममुनीसा ॥ सुनतिउसिषतुष्टाविधिसीसा ॥
 ॥ अवमैजन्मसंचुहितहाना ॥ कोगुनदूधनकनैविचारा ॥ ७ ॥
 ॥ जोतुम्हनेहठहुदयविसेयी ॥ नहिनजाइविनुकिऐवनेयी ॥
 ॥ तौकोतुकिअन्हआलसनाही ॥ वनकन्याअनेकजगमाही ॥ ८ ॥
 ॥ जन्मकोटिलगिनगनहमानी ॥ वनौंसंचुनतनहोकुमानी ॥ ९ ॥
 ॥ तजोननानदकनउपदेस् ॥ आपुकहहिसतवानमहेस् ॥ १० ॥
 ॥ मैपापनौकहैजगदंबा ॥ तुम्हग्रहगवनहुनऐउविलंबा ॥
 ॥ देखिप्रेमबोलें मुनिग्यानी ॥ जयजयजगदंविकेनवानी ॥
 ॥ दोहा ॥ तुम्हमायाभगवानसिबसकलजगतपितुमात ॥
 ॥ नाइचननसिउमुनिचलेपुनिपुनिहनघतगात ॥ ११ ॥
 ॥ चौ ॥ जाइमुनिरुहिमवंतपठाऐ ॥ कनिविनतीगिनिजहिग्रहत्याऐ ॥
 ॥ बहुनिसप्रनिधिसिबपहिजाई ॥ कथाउभाकैसकलसुनाई ॥ १२ ॥
 ॥ नऐमगतसिबसुनतसनेह ॥ हनधिसप्रनिधिगवनेगेहा ॥
 ॥ मनधिनकनित्तवसंचुसुजाना ॥ लगेकनननधुनाऐकध्याना ॥ १३ ॥
 ॥ तानकअसुननऐउतेहिकाला ॥ भुजप्रतापवलतेजविसाला ॥
 ॥ तेहिसवलोकलोकपतिजीते ॥ नऐदेवसुषसंपत्तिनीते ॥ १४ ॥
 ॥ अजनअमनसोजीतिनजाई ॥ हनेसुनकनिविधिधिलनाई ॥
 ॥ तबविनंचिसनजाइपुकाने ॥ देखेविधिसबदेवदुखाने ॥ १५ ॥

बाल०

॥१८॥

॥ दोहा ॥ सबसन कहा बुद्धा इविधि दनुजनिधनतवहोई ॥
 ॥ संभुसुकसंनृतसुतएहिजीतैननसोइ ॥ ८२ ॥
 ॥ बौमो ॥ नकहासुनिकनहुउणई ॥ होइहिईस्वनकनिहिसहई ॥
 ॥ सतीजोतजीदृष्टमधदेहा ॥ जन्मीजाइहिमांचलगेहा ॥
 ॥ तेहितपुकीन्हसंनुपतिलागी ॥ सिवसमाधिबेढेसबत्यागी ॥
 ॥ जइपिअहेअसमंजसचानी ॥ तइपिवातऐकसुनहुहमानी ॥
 ॥ पठवहुकामजाइसिवपांही ॥ कनैछोनसंकनमनमोही ॥
 ॥ तवहमजाइसिवहिसिनुनाई ॥ कनबाउवविवाहवनिआई ॥
 ॥ ऐहिविधिभलेहिदेवहितहोई ॥ मतअतिनीककहेसबकोई ॥
 ॥ अस्तुतिसुनरुकीन्हअतिहेतू ॥ प्रगटेउविषमवानदृष्टकेतू ॥
 ॥ दोहा ॥ सुनरुकीन्हनिजविपतिसबसुनिमनकीन्हविचान ॥
 ॥ संनुविनोधनकुसलमोहिविहसिकहेउअसमान ॥ ८३ ॥
 ॥ बौतइपिकनवमैकाजतुलाना ॥ सुतिकहपनमधनमउपकाना ॥
 ॥ पनहितलागितजेजोदेही ॥ संततसंतप्रसंसहितेही ॥ ॥ ॥
 ॥ असकहिचलेउसवहिसिनुनाई ॥ सुमनधनुषकनसहितसहई ॥
 ॥ चलतमानअसहुदृष्टविचाना ॥ सिवविनोधध्रुवमननहमाना ॥
 ॥ तवआपनप्रभावविस्ताना ॥ निजवसकीन्हसकलसंसाना ॥
 ॥ कोपेउजवहिवानिचनकेतू ॥ छनमहुमिटेसकलश्रुतिसेतू ॥
 ॥ ब्रह्मचर्जव्रतसंजमनाना ॥ धीनजधनमग्यानविगयाना ॥
 ॥ सदाचानजपजोगविनागा ॥ सचयविवेककटकसवनागा ॥
 ॥ छंदभागेउविवेकसहायसहितसोसुनटसंजुगमहिमुने ॥
 ॥ सदृगंथपर्वतकंदनहिमहुजाइतेहिअवसनहुने ॥ ॥ ॥
 ॥ होनिहानकाकनतानकोनखवानजगखनननपना ॥
 ॥ दुइमाथकेहिनतिनाथतेहिकहुकोपिकनधनुसनधना ॥
 ॥ दोहा ॥ जेसजीवजगचनअचननानिपुनुषअसनाम ॥
 ॥ तेनिजनिजमनजाइतजिअऐसकलवसकाम ॥ ८४ ॥
 ॥ बौसबकेहुदृष्टमदनअभिलाषा ॥ लतानिहानिनवहितनुसाषा ॥
 ॥ नदीउमगिअंबुधिकहुधार्इ ॥ संगमकनहितलाउतलाई ॥

॥ जह असि दसा जड नू के वरनी ॥ को कहि सके सचेत नू कननी ॥
 ॥ पसुप छिन न जल थल चानी ॥ न ऐकाम वस समय विचानी ॥
 ॥ मदन अध व्याकुल सब लोका ॥ निसिदिन नहि अवलोकै कोका ॥
 ॥ देव दनु जननी किन न व्याला ॥ प्रेत पिशाच भूत वैताल ॥ ॥ ॥
 ॥ इन्ह के दसान कहै उचरानी ॥ सदा काम के चने जानी ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ सिद्ध विनक्त महामुनि जोगी ॥ तेपि काम बस न ऐ वियोगी ॥
 ॥ छंद न ऐकाम वस जोगी सताप सपावन नहि की को कहै ॥
 ॥ देवहि चनाचन नानिमय जे ब्रह्म मय देव तन हे ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ अवला बिलोकहि पुनुष मय जन पुनुष सब अवलामय ॥
 ॥ दुइ दंड न निब्रह्मांड नीतन काम कृत को तु कश्यं ॥ ॥
 ॥ सैन ठा धनी न काहू धीन ॥ सब के मन मन सिज हने ॥
 ॥ जेना येन धुवीन ॥ ते उवने तेहि काल महु ॥ ८५ ॥
 ॥ चौ उन्नय धनी अस को तु कन एउ ॥ जब लगी काम संनु पहिग ऐउ ॥
 ॥ सिव हि बिलोकि ससं के उमा नूर ॥ न ऐउ जथा धिति सब संसा नूर ॥
 ॥ न ऐतु न तज गजी वसुधाने ॥ जिमि महु उत निग ऐ मतवाने ॥
 ॥ उद्दिहि देवि मदन न यमाना ॥ दुना धन धुन गम न गवाना ॥
 ॥ फिन तलाज कधुक निनिहि जाई ॥ मन न ठानि मन न चेसि उपाई ॥
 ॥ प्रगटे सिनु न तनु चिन निनु नाजा ॥ कुसुमित न वतनु नाजि विनाजा ॥
 ॥ वन उपवन वापिका तडागा ॥ पन मसु न गसव दिसा विनागा ॥
 ॥ जहंत हंजनु उमगत अनु नागा ॥ देवि मुऐ हु मन मन सिज जागा ॥
 ॥ छंद जोगे मनो न वमु ऐ हु मन वन सुन गतान पने कहि ॥
 ॥ सातल सुगंध सुमंद मानु तमदन अनल सखा सही ॥
 ॥ विकसे सन न्हि वहु के जगुं जत पुंज मंजुल मधुकना ॥
 ॥ कलहं सपिक सुकसन सन वक निगान नो व्हि अपछना ॥
 ॥ दोहा सकल कला कनिको टिविधि हने उसे न समेत ॥ ॥ ॥
 ॥ चलीन अचल समाधि सिव को पे उद्दय निकेत ॥ ८६ ॥
 ॥ चौ देवि न सात्वित पतनु साधा ॥ तेहि पन चढे उमदन मन माधा ॥
 ॥ सुमन चापनि जसन संधाने ॥ अति निसता कि अवल गिताने ॥

वाल०

७२

॥ छेडेविषमविमिषउनलागे ॥ धूदिसमाधिसंभुतवजागे ॥
 ॥ भएउईसमनघेनविसेषी ॥ नयनउघानिसकलदिसिदेवी ॥
 ॥ सौननपह्रवमइनविलोका ॥ भएउकोपकंपेउत्रैलोका ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ तवसिवतीसननयनउघाना ॥ चितवतकामभएउजनिधरना ॥
 ॥ हाहाकानभएउजगजानी ॥ उनपेसुनभएअसुनसुषानी ॥
 ॥ समुहिकामसुषसोचहिजोगी ॥ भएअंकटकसाधकजोगी ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ छेजोगीअंकटकभएपतिगतिमुनतनतिमुनधितभई ॥
 ॥ नोदतिवदतिवहुत्रांतिकउनाकरतिसंकनपहिगई ॥ ॥
 ॥ अतिप्रेमकरिविनतीविविधविधिजोनिकनसनमुषनहि ॥
 ॥ प्रभुआसुतोषक्रपालसिवअवलानिनधिवोलेसहि ॥ ॥
 ॥ दोहा ॥ अवंतेनतितवनाथकनहोइहिनामअनंग ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ विनवपुयापिहिसवहिपुनिसुनुनिजमिलनप्रसंग ॥ ८१ ॥
 ॥ चौ ॥ जबजहुवंसकृष्णअवताना ॥ होइहिहननमहामहिन्नारा ॥ ॥
 ॥ कृष्णतनयहोइहिपतितोना ॥ वचनअन्याथाहोइनमोना ॥ ॥ ॥
 ॥ नतिगवतीसुनिसंकनवानी ॥ कथाअपनअवकहहुवषानी ॥
 ॥ देवन्समाचानसवपाए ॥ ॥ ब्रह्मादिकवैकुंठसिधाए ॥ ॥ ॥
 ॥ सबसुनविष्णुविनंचिसमेता ॥ गऐजहंसिवक्रपानिकेता ॥ ॥ ॥
 ॥ प्रथकप्रथकतिरुकीरुप्रसंगा ॥ भएप्रसन्नचंद्रअवतंसा ॥ ॥ ॥
 ॥ बोलेक्रपासिंधुव्रषकेतू ॥ ॥ कहहुअमनआऐउकेहिहेतू ॥
 ॥ कहविधिनुम्प्रभुअंतनजमि ॥ तदपिभक्तवसविनवोस्वामी ॥
 ॥ दोहा ॥ सकलसुनरुकेहुदयअससंकनपनमउछाहु ॥
 ॥ निजनयनन्हिदेवाचहहिनाथनुहानविवाहु ॥ ८८ ॥
 ॥ चौ ॥ यहउत्सवदेविअन्निलोचन ॥ सोइकछुकनहुमइनमदमोचन ॥
 ॥ कामजापिनतिकहुवनदीना ॥ क्रपासिंधुयहअतिभक्तिकीना ॥
 ॥ सासतिकनिपुनिकनहिपसाउ ॥ नाथप्रभुनरुकरसहजसुजाउ ॥
 ॥ पानवतीतपकीरुअपाना ॥ ॥ कनहुतासुअवअंगीकाना ॥ ॥ ॥
 ॥ सुनिविधिविनयसमुहिप्रभुवनि ॥ अैसेइहोउकहासुषमानी ॥ ॥ ॥
 ॥ तवदेवन्हुंहुनीवजाई ॥ ॥ ॥ ॥ वनधिसुमनजयजयसुनसाई ॥

॥ अवसन जानिस प्रनिधि आये ॥ नुनतहिविधिगिनिबनपठये ॥
 ॥ प्रथमगएजेहंहीनवानि ॥ ॥ बोलेमधुनवचनछलसानी ॥
 ॥ दोहा कहाहमाननसुनेहुतवनानदकेउपेदेस ॥
 ॥ अवनाहूतुलानपनजानेउकाममहेस ॥ ८६ ॥
 ॥ चौसुनिबोलीमुसुकाइनवानि ॥ उचितकहेउमुनिबनविगपानि ॥
 ॥ तुलनेजानकामअवजाना ॥ ॥ अवलगिसंनुनहेसविकाना ॥
 ॥ हमनेजानसदासिवजोगी ॥ ॥ अजअनादिस्रकामअजोगी ॥
 ॥ जोमैसिवसेऐअसजानी ॥ ॥ प्रीतिसमेतकनममनवानि ॥
 ॥ तोहमानपनसुनहुमुनीसा ॥ कसिहहिसत्यकृपानिधिईसा ॥
 ॥ तुमहजोकहाहनजानेउमाना ॥ सोइअतिवडअविवेकतुलाना ॥
 ॥ तातअनलकनसहजसुभाउ ॥ हिमतेहिनिकटजाइनहिकाउ ॥
 ॥ गऐसमीपसोअवसिनसाई ॥ असिमनमथमहेसकीनाई ॥
 ॥ दोहा हियहनयेमुनिवचनसुनिदेधिप्रीतिवित्वास ॥
 ॥ चलेनवानिहिनाइसिनगऐहिमाचलपास ॥ ८७ ॥
 ॥ चौसवप्रसंगगिनिपतिहिसुनावा ॥ मदनदहनसुनिअतिदुषपावा ॥
 ॥ बहुनिकहेउरतिकनवनदना ॥ सुनिहिमवंतबहुतसुखमाना ॥
 ॥ हुदयविचानिसंचुप्रनुताई ॥ ॥ साइनमुनिवरलियेबोलाई ॥
 ॥ वेगिवेदविधिलगनधराई ॥ ॥ मुदितसुनयतसुघनीसोधाई ॥
 ॥ पत्रीसप्रनिधिन्हकहदीन्ही ॥ ॥ गहिपटविनयहिमाचलकीन्ही ॥
 ॥ जाइविधिहितिन्हदीन्हीसोपति ॥ बौचतप्रीतिनहुदयसमाती ॥
 ॥ लगनबौचिअजसवहिसुनाई ॥ ॥ हनयेमुनिसवसुनसमुदाई ॥
 ॥ सुमनवसिन्ननवाजनवाजै ॥ ॥ मंगलकलसदसहुदिसिसाजै ॥
 ॥ दोहा लगेसवाननसकलसुनवाहनविविधिविमान ॥
 ॥ होहिसगुनमंगलसुनदकनहिअपछनागान ॥ ८८ ॥
 ॥ चौशिवाहिसंचुगनवनहिंसंगाना ॥ जटामुकुटअहिमोनसंवाना ॥
 ॥ कुंडलकंकनपहिनेव्याला ॥ ॥ तनविभूतिपटकेहनिछाला ॥
 ॥ ससिलिलाटसुदनसिनगंगा ॥ नयनतीनिउपवीतभुजंगा ॥
 ॥ गनलकंठउननरसिनमाला ॥ असिववेधसिवधामकृपाला ॥
 ॥ कनत्रिसूलअनुडमनुविनाजा ॥ चलेब्रधनचछिवाजहिवाजा ॥

वाल०

॥२०॥

॥ देविसिबहिसुनतिअमुसुकांही ॥ वनलोएकहुलहिनिजगनांही ॥
 ॥ विष्णुविनंचिआदिसुनवाता ॥ चछिचछिवाहनचलेवनाता ॥
 ॥ सुनसमाजसबजांतिअनूपा ॥ नहिवनातदूलहअनुनूपा ॥
 ॥ दोहा ॥ विष्णुकहाअसविहसितवबोलिसकलदिसिनाज ॥
 ॥ विलगविलगहोइचलहुसबनिजनिजसहितसमाज ॥ ६२ ॥
 ॥ चौवनअनुहानिवनातनजाई ॥ हासिकनेहहुपनपुनजाई ॥
 ॥ विष्णुवचनसुनिमुनिमुसुकाने ॥ निजनिजसेनसहितविलगाने ॥
 ॥ मनहिमनमहेसमुसुकांही ॥ हनिकेविंगयवचननहिजाही ॥
 ॥ अतिप्रियवचनसुनतप्रियकेने ॥ भंगिहिप्रेनिसकलगनटेने ॥
 ॥ सिबअनुसासनसुनिसवआए ॥ प्रभुपदजलजसीसतिरुनाए ॥
 ॥ नानावाहननानावेषा ॥ ॥ विहसेसिबसमाजनिजदेखा ॥
 ॥ कोउमुखहीनविपुलमुखकाहू ॥ विनुपदकनकोउवहुपदबाहू ॥
 ॥ विपुलनयनकोउनयनविहिना ॥ उष्टपुष्टकोउअतितनछीना ॥
 ॥ छंद ॥ तनछीनकोउअतिपीनपावनकोउअपावनगतिधनै ॥
 ॥ भूषनकनालकपालकनसबसधुसोनिततनननै ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ धनस्वानसुअनसगालमुखगनवेषअगनितकोगनै ॥
 ॥ बहुजिनिसप्रेतपिसाचजोगिजमातिवननतिनहिवनै ॥
 ॥ सोननाचहिगावहिगीत ॥ पनमतनंगीचरतसब ॥
 ॥ देखतअतिविपनीत ॥ बोलहिवचनविचित्रविधि ॥ ६३ ॥
 ॥ चौजसदूलहुतसिवनीवनाता ॥ कौनुकविविधहोइमगजाता ॥
 ॥ इहांहिमाचलनचेउविताना ॥ अतिविचित्रनहिजाइवधाना ॥
 ॥ सेलसकलजहलगिजगमाहि ॥ लघुविसालनहिवननिसिनाहि ॥
 ॥ वनसागनसवनदीतलावा ॥ हिमगिनिसबकहुनेवतपठावा ॥
 ॥ कामरूपसुंदनतनुधानी ॥ सहितसमाजसहितवननाही ॥
 ॥ गऐसकलनुहिमाचलगोहा ॥ गावहिमंगलसहितसनेहा ॥
 ॥ प्रथमहिगिनिबहुग्रहसंवनाए ॥ जथाजोगसबजहंतहंछाए ॥
 ॥ पुनसोनाअवलोकिसुहाई ॥ लागेलघुविनंचिनिपुनाई ॥ ॥ ॥

॥ छंद लघुलागिविधिकीनिपुनताअवलोकिपुनसोनासही ॥
 ॥ वनवागकूपतडागसपितासुन्नगसव सक्कोकही ॥
 ॥ मंगलविपुलतोन्नपताकाकेतुग्रहग्रहसोहही ॥
 ॥ वनितापुनुषसुंदरचतुनष्टविदेधिमुनिमनमोहही ॥
 ॥ दोहा ॥ जगदंवाजहंअवतनीसोपुनवननिकिजाई ॥
 ॥ निधिसिधिसंपतिसकलसुखनूतनअधिकाई ॥ ६४ ॥
 ॥ चौ नगननिकटवनातसुनिआई ॥ पुनधनननसेआअधिकाई ॥
 ॥ कनिवनावसजिवाहननाना ॥ चलेलेनसाइनअगवाना ॥
 ॥ हिअहनयेसुनसेननिहानी ॥ हनिहिदेधिअतिनऐसुषानी ॥
 ॥ सिवसमाजजवदेखनलागे ॥ विडनिचलेवाहनसवनागे ॥
 ॥ धनिधीनजतहंनहेसयाने ॥ बालकसवलेजीवपनाने ॥
 ॥ गऐनवनपूछहिपितुमाता ॥ कहहिबचननयकंपितगाता ॥
 ॥ कहिअकहाकहिजाइनवाता ॥ जमकनिधानिकिधोवनिआता ॥
 ॥ वनुवोनाहवृषअसवाना ॥ बालकपालविनूषनधना ॥
 ॥ छंद तनधनबालकपालनूषननगनजटिलनयंकना ॥
 ॥ संगनूतप्रेतपिसाचजोगिनिविकटमुखनजनीचना ॥
 ॥ जोजिअतनहहिवनातदेखतपुन्यवडतेहिकनसही ॥
 ॥ देधिहिसोउमाविवाहघनघनवातअसिलनिकनहकही ॥
 ॥ दोहासमुद्रि महेससमाजसवजननिजनकमुसुकाहि ॥
 ॥ बालबुहाऐविविधविधिनिउनहोहुउननाहि ॥ ६५ ॥
 ॥ चौ लैअगवानवनातहिआऐ ॥ दिऐसवहिजनवाससुहाऐ ॥
 ॥ मैनासुन्नआनतीसवानी ॥ संगसुमंगलगोंवहिनानी ॥
 ॥ कंचनथानसोहवनपानी ॥ पनधनचलीहनयहनयानी ॥
 ॥ विकटवेषजवउद्गहिदेखा ॥ अवलनूननयभऐउविसेवा ॥
 ॥ नागिनवनपेठीअतिआसा ॥ गऐमहेसजहाजनवासा ॥
 ॥ मैनाहुदयनऐउदुषनानी ॥ लीन्होवलिगिनिनाजकुमानी ॥
 ॥ अधिकसनेहगोदवैठानी ॥ स्थामसनोजनयनननिवानी ॥
 ॥ जेहिविधितुमहिअपअसदीन ॥ तेहिजउवनुवाउनकसकीन ॥
 ॥ छंद कसकीनबनुवोनाहविधिजेहितुमहिसुंदरताई ॥

बाल०

॥२१॥

॥ जो फलुचहि अ सुनत नुहि सो वन वसव वून हिलागई ॥
 ॥ तुम्ह सहित गिनिते गिनौ पावक जने जल निधि महुं पौ ॥
 ॥ धनु जाउ अपज सहो उ जग जीवत विवाहन हौं कनौ ॥
 ॥ दोहा ॥ नई विकल अवला सकला दुधित दृषि गिनितानि ॥
 ॥ कनि विलाप नोदति वदति सुता सनेहु संजानि ॥ ८६ ॥
 ॥ चौ ॥ नानद कन मै कह विगाना ॥ ॥ नवन मोन जिन्ह वसत उजाना ॥
 ॥ अस उपदेस उमहि जिन्ह दीन्ह ॥ बौने वन हिला गित पुकीन्ह ॥
 ॥ सांचे हु उन्हे के मोहन माया ॥ उदासीन धनु धाम न जाया ॥
 ॥ पन घन घाल कला जननीना ॥ बाँह कि जान प्रसव के पीना ॥
 ॥ जननि हि विकल विलोकि नवनि ॥ बोली जुत विवेक महुवानी ॥
 ॥ अस विचानि सोचहि मति माता ॥ सोन टै जे न चहि विधाता ॥
 ॥ कन मलिषा जो वाउ न नौं हूं ॥ तौ कत दोष लगाइ अकाहू ॥
 ॥ तुम्ह सनमि टहिकि विधिके अंका ॥ मातु व्यर्थ जनिले हु कलंका ॥
 ॥ छंद ॥ जनिले हु मातु कलं ककुना पनि हनहु अवसन नही ॥
 ॥ दुष सुष जो लिखा हिलाट हमने जाव जह पाउवत ही ॥
 ॥ सुनि उमा वचन विनीत कोमल सकल अवला सोच हीं ॥
 ॥ बहु नौंति विधि हिलगाइ दूषन नयन वानि विमोच हीं ॥
 ॥ दोहा ॥ तेहि अवसन नानद सहित अउनि धिस प्रसमेत ॥
 ॥ समाचान सुनि तुहिन गिनित गवने तुनत निकेत ॥ ८७ ॥
 ॥ चौ ॥ तवनानद सहि स मुहावा ॥ एन वकथा प्रसंग सुनावा ॥
 ॥ मयना सत्य सुनहु ममवानी ॥ जगदंवात वसुता नवानी ॥
 ॥ अज अनादि सक्ति अविनासिनि ॥ सदा संभु अरधंगनि वासिनि ॥
 ॥ जग संभु वपाल नलय कानिनि ॥ निज दृष्ट लीला वपुधानिनि ॥
 ॥ जनमी प्रथम दृष्ट ग्रह जाई ॥ नाम सती सुदत नुपाई ॥
 ॥ तहें हु सती संकन हि विवाही ॥ कथा प्रसिद्ध सकल जग माही ॥
 ॥ ऐकवान आवत सिव संग ॥ देखे उन धुकुल कमल पतंगा ॥
 ॥ नये उमोह सिव कहान कीन्ह ॥ भ्रम वसवेष सीय कनलीन्ह ॥
 ॥ छंद ॥ सिय वेष सती जो कीन्ह तेहि अपनाध संकन पनिही ॥

॥ हनविनहजाइवहोनिपितुकेजग्यजोगानलजनी ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ अबजनिमुहनेनवननिजपतिलागिदुनतपकिया ॥
 ॥ असजानिसंसयतजहुगिनिजासर्वदासंकनप्रिया ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ दोहा सुनिनानदकेवचनतवसक्क नमिगुविषाद ॥
 ॥ धनमहुव्यापेउसकलपुनघनघनयहसंवाह ॥ ॥ ॥
 ॥ चो तवमेनाहिमवंतअनंदे ॥ ॥ ॥ पुनिपुनिपानवतीपदवंदे ॥ ॥
 ॥ नानिपुनुषसिसुजुवासयाने ॥ नगनलोगसबअतिहनषाने ॥
 ॥ लगेहोनपुनमंगलगाना ॥ सजेसवहिहाटकघटना ॥
 ॥ नांतिअनेकनईजेवनाना ॥ लगेपनोसननिपुनसुआना ॥
 ॥ नानिबिंदसुनजेवतजानी ॥ लागीदेनगानीमहुवानी ॥ ॥
 ॥ छंद गानीमधुनस्वनदेहिसुंदनिबंगवचनसुनावहि ॥
 ॥ भोजनकनहिसुनअतिविलंबविनोदसुनिसचुपावहि ॥
 ॥ जेवतजोवख्योआनंदसोमुखकोटिहूनपनैकहो ॥ ॥ ॥
 ॥ अबवाइदीनेपानगवनेवासजहजाकोनहो ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ दोहा बहुनिमुनिहहिमवंतकहुलगनजनाईआइ ॥ ॥
 ॥ समप्रविलोकिविवाहकनपठयेदेवबुलाइ ॥ ॥ ॥
 ॥ चो बोलिसकलसुनसादनीने ॥ सवहिजयोचितआसनदीने ॥
 ॥ वेदीवेदविधानसंवानी ॥ सुनगसुमंगलगवहिनानी ॥
 ॥ सिंहासनअतिदिव्यसुहावा ॥ जाइनवननिविनंचिवनावा ॥
 ॥ वैठेसिबविप्रन्हसिनुनाई ॥ हृदयसुमिनिनिजप्रनुनघुनाई ॥
 ॥ बहुनिमुनीसन्हउमाबोलाई ॥ कनिसिंगानसषीलैआई ॥ ॥
 ॥ देखतनूपसकलजगमोहे ॥ वनैधरविअसजगकविकोहे ॥
 ॥ जगदंविजाजानिन्नवनामा ॥ सुनन्हमनहिमनकीन्हप्रनामा ॥
 ॥ सुंदरतामनजाइनवानी ॥ जाइनकोटिहुवइनवधानी ॥
 ॥ छंद कोटिहुवइननहिवनतवनततजगजननिसोनामह ॥
 ॥ सकुचहिकहतश्रुतिसेषसानदमंदमतितुलसीकहो ॥
 ॥ धविषानिमातुन्नवानिगवनीमध्यमंडपसिबजहो ॥ ॥
 ॥ अबलोकिसकहिनसकुचपतिपदकमलमनमधुकनतहो ॥
 ॥ दोहा ॥ मुनिअनुसासनगनपतिहिपूजेउसंचुनवानि ॥ ॥
 ॥ कोउसुनिसंसयकनहिजनिपुनअनादिजिअजानि ॥ ॥ ॥

वाल०

॥२२॥

॥चो॥ जसिविवाहकैविधिश्रुतिगार्ह ॥ महामुनिन्हसोसबकरवार्ह ॥
 ॥गहिगिनीसकुसकंन्यापानी ॥ ॥ सिवहिसमनपीजानिभ्रवानी ॥
 ॥पानिग्रहनजवकीन्हमहेसा ॥ हियहनघेतवसकलसुनेसा ॥
 ॥वेदमंत्रमुनिवनउच्चरहो ॥ ॥ जयजयजयसंकनसुनकरहि ॥
 ॥वाजहिवाजनविविधविधाना ॥ सुमनबुद्धिनभभैविधिनाना ॥
 ॥हनगिनिजाकननऐउविवाह ॥ सकलभुञ्जनननिनहाउधराह ॥
 ॥दासीदासतुनगनथना ॥ गा ॥ धेनुवसनमनिवस्तुविनागा ॥
 ॥अंनुकनकभाजनभनिजाना ॥ दाइजदीन्हनजाइवसाना ॥
 ॥छंद॥ दाइजदियोवहुभौतिपुनिकनजोनिहिमभ्रधनकह्यो ॥
 ॥कादेउपूननकामसंकनचननपंकजगहिन्ह्यो ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥सिवक्रपासागनससुनकनसंतोषसबभौतिन्हकियो ॥
 ॥पुनिगहेपदपाथोजमयनाप्रेमपनिपूननहियो ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥दोहा॥ नाथउमाममपानसमग्रहकिंकनीकनेहु ॥
 ॥धमेहुसकलअपनाधअवहोइप्रसन्नवनेहु ॥ ११ ॥
 ॥चो॥ बहुविधिसंचुसासुसमुहार्ह ॥ गवनीनवनचननसिनुनार्ह ॥
 ॥जननीउमाबोलितवलीन्ह ॥ ॥ लैउधंगसुंदरसिषदीन्ह ॥
 ॥कनेहुसदासंकनपदपूजा ॥ ॥ नानिधनमपतिदेवनदूजा ॥
 ॥वचनकहतभनिलोचनवारी ॥ वहुनिलीन्हउरलाइकुमारी ॥
 ॥कितविधिसृजीनानिजगमाहि ॥ पनाधीनसपनेहुसुषनाहि ॥
 ॥भैअतिप्रेमविकलमहतानी ॥ धीनजकीन्हकुसमयविचानी ॥
 ॥पुनिपुनिमिलतिपरतिगहिचरना ॥ परमप्रेमकछुजाइनवरना ॥
 ॥सवननिन्हमिलिनेटिभ्रवानी ॥ जाइजननिउनपुनिलुपटानी ॥
 ॥छंद॥ जननिहिवहु निमिलिचलीउचितअसीससबकाहुंदई ॥
 ॥फिनिफिनिविलोकतिमातुतनतवसधीलैसिवपहिगई ॥
 ॥जाचकसकलसंतोषिसंकनउमासहितभवनहिचले ॥
 ॥सवअमनहनघेसुमनवनधिनिसानवहुवाजेचले ॥ ॥ ॥
 ॥दोहा॥ चलेसंगहिमवंतवपहुचावनअतिहेतु ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ विविधभौतिपनितोषकनिविदाकियेब्रषकेतु ॥ १०२ ॥
 ॥चो॥ तुनितनवनआऐगिनिगई ॥ सकलसेलसनलियेबुलाई ॥

॥ आद्वनद्वानविनयवहुमाना ॥ सबकनविट्टकीन्हिहिमवाना ॥
 ॥ जवहिंसंभुकेलासहिआए ॥ सुनसवनिजनिजलोकसिधाए ॥
 ॥ जगतमातुपितुसंभुनवाना ॥ तेहिंसिगानुनकहेउवधानी ॥
 ॥ कनहिविविधिविधिभोगविलास ॥ गनरुसमेतवसहिकेलासा ॥
 ॥ हनगिनिजाविहाननितनऐउ ॥ ऐहिविधिविपुलकालचलिगेऊ ॥
 ॥ तवजनमेउषटवदनकुमाना ॥ तानकअसुनसमनजेहिमाना ॥
 ॥ आगमनिगमप्रसिद्धपुनाना ॥ षटमुखजन्मसकलजगजाना ॥
 ॥ **छंद** जगजानषटमुखजन्मकर्मप्रतापपुनुषानथमहा ॥
 ॥ तेहिहेतुमेवषकेतुसुतकनचनितसंछेपहिकहा ॥
 ॥ यहउमासंभुविवाहजेनरनानिकहहिजेगावही ॥
 ॥ कल्पानकाजविवाहमंगलसर्वदासुखपावही ॥
 ॥ **दोहा** चनितसिंधुगिनिजानवनवेदनपावहिपान ॥
 ॥ वननैतुलसीदासकिमिअतिमतिमंदगवान ॥ १०३ ॥
 ॥ **चौ** संभुचनितसुनिसनसमुहावा ॥ भनदाजमुनिअतिसुखपावा ॥
 ॥ बहुलालसाकथापनवाछी ॥ नयननीननोमावलिछाछी ॥
 ॥ प्रेमविवसमुखआवनवानी ॥ दसादेखिहनखेमनिग्यानी ॥
 ॥ अहोधन्यतवजन्ममुनीसा ॥ तुम्हहिपानसमप्रियगौरीसा ॥
 ॥ सिवपट्टकमलजिन्हिनितनाहि ॥ नामहितेसपनेहुनसोहाही ॥
 ॥ विनुधलविस्त्रनाथपट्टनेहू ॥ नामभक्तकनलहनऐहू ॥
 ॥ सिवसमकोनधुपतिव्रतधानी ॥ विनुअद्यतजीसतीअसिनानी ॥
 ॥ पनुकनिनधुपतिनक्तिदेखाई ॥ कोसिवसमनामहिप्रियनाई ॥
 ॥ **दोहा** प्रथमेमेकहिसिवचनितबूढामनमनुमान ॥
 ॥ सुचिसेवकतुम्हनामकेनहितसमस्तविकान ॥ १०४ ॥
 ॥ **चौ** मेजानेउतुलानगुनसीला ॥ कहौंसुनहुअवनधुपतिलीला ॥
 ॥ सुनुमुनिआजुसमागमतोने ॥ कहिनजाइजससुखमनमोने ॥
 ॥ नामचनितअतिअमितमुनीसा ॥ कहिनसकहिसतकोटिअहीसा ॥
 ॥ तदपिजथाश्रुतिकहौंवधानी ॥ सुमिनिगिनापतिप्रभुधनुपानी ॥
 ॥ सानद्वानुनानिसमस्वामी ॥ नामस्त्रधनअतनजामी ॥ ॥ ॥

वाल०

॥२३॥

॥ जेहि पन कृपा करहि जन जानी ॥ कवि उन अजिन न चावहि बानी ॥
 ॥ प्रनवो सोइ कृपाल न घुनाथा ॥ वन तो विस दना मगुन गाथा ॥
 ॥ पन मन मगिनि वन कै लास ॥ सदा जहासि व उमानि वास ॥
 ॥ दोहा सिद्ध तपो धन जो गिजन सुन किं न न मुनि ब्रं ॥
 ॥ वसहि तहां सुकृती सकल सेवहि सिव सुख कंद ॥ १०५ ॥
 ॥ चौहनि हन विमुष धर्म न तिनाही ॥ तेन न तह सपने हुन हिजाही ॥
 ॥ जेहि गिनि पन वट विट पविसाला ॥ नित नूतन सुंदर सब काला ॥
 ॥ प्रविध समीन सुसीत लछाया ॥ सिव विश्राम विट पश्रुति गावा ॥
 ॥ ऐक वान ते हित न प्रनु गऐ ऊ ॥ तनु विलोकि उन अति सुख न ऐडु ॥
 ॥ निज कनडा सिनाग निपुछला ॥ वैठे सहज हि संभु कृपाला ॥ ॥ ॥
 ॥ कुंद इंद्र वन गौर सरीना ॥ ॥ ॥ ॥ भुज प्रलंब पनि धन मुनि चीना ॥
 ॥ तनु न अनु न अंबुज सम चरना ॥ नख दुति नक्त हृदय तम हन ना ॥
 ॥ भुज गच्छति नूषन त्रिपुनानी ॥ आनन सनद चंद छवि हानी ॥ ॥ ॥
 ॥ दोहा जटा मुकुट सुन सनित सिन लोचन न लिन विसाल ॥
 ॥ नील कंठ लावन्य निधि सोहवाल विधु भाल ॥ १०६ ॥
 ॥ चौ वैठे सोह काम निपु कै सैं ॥ ॥ ॥ ॥ धैरें सरीन सांतन सजै सैं ॥ ॥ ॥
 ॥ पानवती न लख वसन जानी ॥ गई संनु पहिमा तु न वानी ॥ ॥ ॥
 ॥ जानि प्रिया आद न अतिकीन्ह ॥ वाम नाग आसन हन दीन्ह ॥ ॥
 ॥ वैठा सिव समीप हन खाई ॥ ॥ पूनव जन्म कथा चित आई ॥ ॥
 ॥ पति हि यहेतु अधिक अनुमानि ॥ विहसि उमा बोली म्रदु वानी ॥
 ॥ कथा जो सकल लोक हित कानी ॥ सोइ प्रेक्षण चह सैल कुमारी ॥
 ॥ विस्वनाथ मम नाथ पुनानी ॥ ॥ त्रिभुवन महिमा विदित तुलानी ॥
 ॥ चन अनु अचन नाग न देवा ॥ सकल करहि पद पंकज सेवा ॥
 ॥ दोहा प्रनु समनय सर्वग्य सिव सकल कला गुन धाम ॥
 ॥ जोग ग्यान वैराग्य निधि प्रनत कलपतनु नाम ॥ १०७ ॥
 ॥ चौ जे मोपन प्रसन्न सुख नासी ॥ जानिय मोहि सत्य निज दासी ॥
 ॥ तौ प्रनु हन हु मोन अग्याना ॥ कहिन घुनाथ कथा विधि नाना ॥
 ॥ जास न वन सुनत नुतन होई ॥ सहि किट्टि न द्रुज नित दुख सोई ॥

वाल०

॥२३॥

॥ जेहि पन कृपा करहि जन जानी ॥ कवि उन अजिन न चावहि बानी ॥
 ॥ प्रनवौ सोइ कृपाल न घुनाथा ॥ वन नौ बिस दनाम गुन गाथा ॥
 ॥ पन मन म्यगिनि बन कै लास ॥ सदा जहासि व उमानि वास ॥

गनि ब्रं॥

॥१०५॥

हुनहि जाहि ॥

न सव काला ॥

टप अति गावा ॥

अति सुष न ऐडु ॥

कृपाला ॥ ॥ ॥ ॥

प्रन मुनि बीना ॥

इयत मह नना ॥

छवि हानी ॥ ॥ ॥ ॥

विसाल ॥

॥१०६॥

न जौ सैं ॥ ॥ ॥ ॥

न वानी ॥ ॥ ॥ ॥

न हन दीन्हा ॥ ॥

चित आई ॥ ॥

बोली म्रदु बानी ॥

हसे लकु मानी ॥

गवि दित तुलानी ॥

पद पंकज सेवा ॥

लागुन धाम ॥

॥ जोग ग्याने वैराग्य निधि प्रन त कल्पत नुनाम ॥१०७॥

॥ जौ जोगो पन प्रसन्न सुष नासी ॥ जानिय मोहि सत्य निज दासी ॥

॥ तौ प्रनु हन हु मोन अग्याना ॥ कहिन घुनाथ कथा विधि नाना ॥

॥ जास न वन सुनत नुतन होई ॥ सहि किटनि द्रुजनि त दुष सोई ॥

॥ससिन्धुवनअसहृदयविचारी॥ हनहुनाथमममतिचमनानी॥
 ॥प्रनुजेमुनिपनमानथवादी॥ कहहिनामकहुब्रह्मअनादी॥
 ॥सेषसानदावेदपुनाना॥ ॥ ॥ सकलकहहिनधुपतिगुनगाना॥
 ॥तुम्हपुनिनामनामदिनराती॥ सादनजपहुअनंगअनाती॥
 ॥नामसोअवधनपतिसुतसोई॥ कीअजअगुनअलखगतिकोई॥

॥**दोहा** जौनृपतनयतौब्रह्मकिमिनानिविनहमतिजोनि॥

॥देखिबनितमहिमासुनतचमतिबुद्धिअतिमोनि॥ १८॥

॥**चौ** जौअनीहव्यापकविनुकोउ॥ कहहुबुहाइनाथमोहिसोई॥ ॥ ॥
 ॥अग्यजानिनिसउनजनिधनहू॥ जेहिविधिमोहमिटैसोकनहू॥
 ॥मैवनदीषनामप्रनुताई॥ ॥ ॥ अतिनयविकलनतुलहिसुनाई॥
 ॥तदपिमतिनमनबोधनआवा॥ सोफलनलीजातिमहिपावा॥
 ॥अजहूंकछुसंसयमनमोने॥ कनहुक्रपाविनवोकनजोने॥
 ॥प्रनुतवमोहिवहुजातिप्रबोधा॥ नाथसोसमुहिकनौजनिबोधा॥
 ॥तवकनअसविमोहअवनाहि॥ ॥ ॥ नामकथापननुचिमनमाहि॥
 ॥कहहुपुनीतनामगुनगाथा॥ नुजगनाजअखनसुननाथा॥ ॥ ॥

॥**दोहा** बंदोपदधनिधानिनिसिनविनयकनौकनजोनि॥

॥वननहुनधुवनविसदृजसअतिसिद्धांतनिचेनि॥ १९॥

॥**चौ** जदपिजोषितानहिअधिकानी॥ दासीमनकमवचनतुहानी॥ ॥ ॥
 ॥गूढतत्वनहिसाधुदुनावहि॥ ॥ आनतअधिकानीजहपावहि॥
 ॥अतिआनतपूछउसुननाया॥ नधुपतिकथाकहहुकमिदाया॥
 ॥प्रथमसोकाननकहहुविचनी॥ निर्गुनब्रह्मसगुनवपुधानी॥
 ॥पुनिप्रनुकहहुनामअवताना॥ बालचनितपुनिकहहुउदारा॥
 ॥कहहुनाथजानकीविवाही॥ राजतजासोदूषनकाही॥ ॥ ॥ ॥
 ॥वनवसिकीन्हसिचनितअपाना॥ कहहुनाथजिमिनावनमाना॥
 ॥राजवैठिकीन्हवहुलीला॥ ॥ ॥ सकलकहहुसंकनसुनसीला॥

॥**दोहा** बहुनिकहहुकउनायतनकीन्हजोअचनजनाम॥

॥प्रजासहितनधुवंसमनिकिमिगमनेनिजधाम॥ ११०॥

॥**चौ** पुनिप्रनुकहहुसोतत्ववधानी॥ जेहिविग्यानमगानमुनिग्यानी॥

बाल०

॥२४॥

॥ भक्तिग्यानविग्यानविनागा ॥ पुनिसववननहुसहितविनागा ॥
 ॥ अउनउनामनहस्यअनेका ॥ कहहुनाथअतिविमलविवेका ॥
 ॥ जोपनुंमैपूछानहिहोई ॥ ॥ सोउदयालनाथहुजनिगोई ॥ ॥
 ॥ तुम्हचिनुवनगुनुवेदवधाना ॥ आनजीवपावनकाजाना ॥ ॥ ॥
 ॥ प्रश्नउमाकैसहजसुहाई ॥ ॥ छलविहिनसुनिसिबमननाई ॥
 ॥ हनहियनामचरितसवआरे ॥ प्रेमपुलकलोचनजलछापे ॥ ॥
 ॥ श्रीनधुनाथरूपउनआवा ॥ पनमानंदअमितसुखपावा ॥
 ॥ दोहा ॥ मगनध्याननसंदंउजुगपुनिमनवाहेनकीन्ह ॥
 ॥ नधुपतिचरितमहेसतवहनधितवननैलीन्ह ॥ ॥ ॥
 ॥ चौ ॥ दूठेहुसत्यजाहिविनुजाने ॥ जिमिभुजंगविनुनजुपहिचाने ॥
 ॥ जेहिजानेजगुजाइहनाई ॥ जागेजयासपनअमजाई ॥ ॥
 ॥ बंदौवात्तरूपसोइनाम् ॥ ॥ सवसिधिसुलभजयतजसुनाम् ॥
 ॥ मंगलनवनअमंगलहनी ॥ द्वेसोदसनथअजिनविहनी ॥
 ॥ कनिप्रनामनामहित्रिपुनानी ॥ हनधिसुधासमगिनाउचानी ॥
 ॥ धन्यधन्यगिनिनाजकुमानी ॥ तुम्हसमाननहिकोउउपकानी ॥
 ॥ पूछेहुनधुपतिकथाप्रसंगा ॥ सकललोकजगपावनिगंगा ॥ ॥
 ॥ तुम्हनधुवीनचननअनुनागी ॥ कीन्हहुप्रश्नजगतहितलागी ॥
 ॥ दोहा ॥ नामकपातैगिनिजेसपनेहुतवमनमाहि ॥
 ॥ सोकमोहसंदेहअममविचानकछुनाहि ॥ ॥ ॥
 ॥ चौ ॥ तदपिअसंकाकीन्हउसोई ॥ कहतसुनतसवकनहितहोई ॥
 ॥ जिन्हहनि कथा सुनीनहिकाता ॥ अवननंधुअहिचवनसमाना ॥
 ॥ नयननिसंतदनसनहिदेखा ॥ लोचनमोनपंखकनिलेखा ॥ ॥
 ॥ तेसिनकटुतुमनीसमतूला ॥ जेननमतहनिगुनुपदमूला ॥
 ॥ जिन्हहनिभक्तिहृदयनहिआनि ॥ जीवतसवसमानतेप्रानी ॥
 ॥ जोनहिकनैनामगुनगाना ॥ जीहसोहादुनजीहसमाना ॥
 ॥ कुतिसकठोननिहुनसोइछति ॥ सुनिहनिचरितनजोहनखाती ॥
 ॥ गिनिजासुनहुनामकैलीला ॥ सुनहितदनुजविमोहनसीला ॥
 ॥ दोहा ॥ नामकथासुनधेनुसमसेवतसवसुखदानि ॥

॥ सत्तसमाजसुनलोकसमकोनसुनैअसजानि ॥ ११३ ॥
 ॥ चौ नामकथासुं दनकनतानी ॥ संसयविहगउडावनहानी ॥
 ॥ नामकथाकलिविटपकुठानी ॥ सादनसुनुगिनिराजकुमानी ॥
 ॥ नामनामगुनचपितसुहाये ॥ जनमकरमअगनितश्रुतिगाये ॥
 ॥ जथाअनंतनामनगवाना ॥ तथाकथाकीनतिगुन नाना ॥
 ॥ तदपिजथाश्रुतिजसिमितिमोनी ॥ कहिहोदेषिप्रितिश्रुतिमोनी ॥
 ॥ उमाप्रश्रुतवसहजसुहाई ॥ सुषदसंतसंमतमोहिनाई ॥
 ॥ एकवातनहिमोहिसुहानी ॥ जदपिमोहवसकहेउन्नवानी ॥
 ॥ तुम्हजोकहानामकोउआना ॥ जेहिश्रुतिगावधनहिमुनिध्याना ॥
 ॥ दोहा कहिसुनहिअसअधमननग्रसेजेमोहपिसाच ॥
 ॥ पायंडीहनिपदविमुषजानहिहूँठनसांच ॥ ११४ ॥
 ॥ चौ अग्रअकोविदअधमअजागी ॥ काईविषयमुकुनमनलागी ॥
 ॥ लंपटकपटीकुटिलविसेधी ॥ सपनेहुसंतसजानहिदेधी ॥
 ॥ कहहितेवेदअसंमतवानी ॥ जिन्हैनसूतेलानुनहिहानी ॥
 ॥ मुकुनमलिनअनुनैनविहीना ॥ नामरूपदेषहिकिमिटीना ॥
 ॥ जिन्हकेअगुननसगुनविवेका ॥ जल्पहिकल्पितवचनअनेका ॥
 ॥ हनिमायावसजगतअमाहि ॥ तिन्हहिकहतकछुअघटितनहि ॥
 ॥ वातुलनूतविवसमंतवाने ॥ तेनहिवोलैवचनविचाने ॥
 ॥ जिन्हकृतमहामोहमदपाना ॥ तिन्हकनकहाकनिअनहिकाना ॥
 ॥ सोनठा असनिजहुदयविचानि ॥ तजुसंसयनजुनामपद ॥
 ॥ सुनिगिनिराजकुमानि ॥ अमतमनविकतवचनमम ॥ ११५ ॥
 ॥ चौ सगुनहिअगुनहिनहिकछुनेदा ॥ गावहिमुनिपुनानबुधवेदा ॥
 ॥ अगुनअरूपअलषअजजोई ॥ नक्तप्रेमवससगुनसोहोई ॥
 ॥ जोगुननहितसगुनसोइकोसे ॥ जलहिमउपलविलगनहिजेसे ॥
 ॥ जासुनामअमतिमिनपतंगा ॥ तेहिकिमिकहियविमोहप्रसंगा ॥
 ॥ नामसच्चिदानंददिनेसा ॥ नहिजहंमोहनिसालबलेसा ॥
 ॥ सहजप्रकासरूपनगवाना ॥ नहितहंपुनिविग्यानविहाना ॥
 ॥ हनषविषादग्यानअग्याना ॥ जीवधर्मअहमितिअभिमाना ॥

॥ नामसोपनमातमान्वानी ॥ तहचमअतिअविहिततव्वानी ॥

॥ अससंसय आबत उनमोहिं ॥ ॥ ग्यानविनाग सकलगुन जैहिं ॥
 ॥ सुनिसिबके नमनं जनवचना ॥ मिटिगो सबकुतर्क केनचना ॥
 ॥ मईनघुपतिपट्टीति प्रतीती ॥ दानुन असंजावनावीती ॥
 ॥ दोहा ॥ पुनिपुनि प्रनुपट्टकमलगहिजो निपंकनुहपानि ॥
 ॥ बोलीगिनिजावचनवनमनहु प्रेमनससानि ॥ ११८॥
 ॥ चौ ॥ ससिकनसमसुनिगिनातुम्हनी ॥ मिटामोहसनदातपजानी ॥
 ॥ तुम्हकपालसबसंसयहनेउ ॥ ॥ नामस्वरूपजानिमोहिपनेउ ॥
 ॥ नाथक्रपा अवगए उविषादा ॥ सुधीनइउ प्रनुचननप्रसादा ॥
 ॥ अवमोहिआपनि किंकनिजानी ॥ जइपिसहजजडनानिअयाती ॥
 ॥ प्रथमजोमै पूँछासोइ कहू ॥ ॥ जोमोपनप्रसन्नप्रनुअहू ॥
 ॥ नामब्रह्मचिन्मयअविनासी ॥ ॥ सर्वनहितसबउनपुनवासी ॥
 ॥ नाथधनेउननतनुकेहिहेतू ॥ मोहिसमुहाइकहहुवषकेतू ॥
 ॥ उमावचनसुनिपनमविनीता ॥ नामकथापनप्रीतिपुनीता ॥
 ॥ दोहा ॥ हियहनयेकामानितवसंकनसहजसुजान ॥
 ॥ बहुविधिउमहिप्रसंसिपुनिबोलेक्रपानिधान ॥
 ॥ सोनठा ॥ सुनुसुन्नकथानवानि ॥ नामचनितमानसविमल ॥
 ॥ कहानुसुंडिवषानि ॥ सुनुविहंगनायकगउड ॥
 ॥ सोसंवाहउदान ॥ जेहिविधिनाआगेकहव ॥
 ॥ सुनहुनामअवतान ॥ बनितपनमसुदनअनघ ॥
 ॥ हनिगुननामअपान ॥ कथारूपअगनितअमित ॥
 ॥ मैनिजमतिअनुसान ॥ कहौं उमासादनसुनहु ॥ १२०॥
 ॥ चौ ॥ सुनुगिनिजाहनिचनितसुहारे ॥ विपुलविसदृनिगमागमगाए ॥
 ॥ हनिअवतानहेतुजेहिहोई ॥ ॥ इदमित्यंकहिजातनसोई ॥
 ॥ नामअतर्कवुद्धिमनवानी ॥ मतहमानअससुनहुसयानी ॥
 ॥ तइपिसंतमुनिवेदपुनाना ॥ ॥ जसकछुकहहिस्रमतिअनुमाता ॥
 ॥ तसमैसुमुधिसुनावहुतोही ॥ ॥ समुहियनैजसकाननमोही ॥
 ॥ जबजबहोइधनमकेहानी ॥ ॥ वाछहिअसुनअधमअभिमाती ॥
 ॥ कनहिअनीतिजाइनहिवरनी ॥ ॥ सीदहिविप्रधेनुसुनधननी ॥

वाल०

॥२६॥

॥ तव तव प्रभु धनि विविधि सनीना ॥ हनहि कृपानिधि सजन पीना ॥
 ॥ दोहा ॥ असुन मा निथापहि सुन नूना धनि जश्रुति सेतु ॥
 ॥ जग विस्तानहि विसद जलनाम जनम कन हेतु ॥ १२१ ॥
 ॥ चौ सोइ जसुगाइ भक्त नवतन हैं ॥ कृपा सिंधु जनहि तनु धन हैं ॥
 ॥ राम जनम कन हेतु अनेका ॥ पनम विचित्र ऐक ते ऐका ॥
 ॥ जनम ऐक दुइ कह उवधानी ॥ सावधान सुनु सुमति नवानी ॥
 ॥ दान पाल हनिके प्रिय होउ ॥ जय अनुविजय जान सब को ॥
 ॥ विप्र साप ते दूनी भाई ॥ ॥ ॥ ॥ तामस असुन देहति नर पाई ॥
 ॥ कनक कसिपु अनुहाटक लोचन ॥ जगती विदित सुन एनि महु मोचन ॥
 ॥ विजई समनवीर विष्णाता ॥ धनि वना हव पु ऐक निपाता ॥
 ॥ होइन न हनि दूसन पुनि माना ॥ जन प्रह्लाद सुजस विस्तारा ॥
 ॥ दोहा ॥ भयेनि साचन जाइ तेइ महु वीर बलवान ॥
 ॥ कुंभ कनन नावन सुभट सुनि विजई जग जान ॥ १२२ ॥
 ॥ चौ मुकुतन न ऐह ते नगवाना ॥ तीनि जनम द्विज वचन प्रमाना ॥
 ॥ ऐक वानति नूके हित लगी ॥ धने उसनी न भक्त अनुनागी ॥
 ॥ कस्य पअदिति तहां पितु माता ॥ इस नथ को सल्या विष्णाता ॥
 ॥ एक कलप एहि विधि अवताना ॥ चनित पवित्र किऐ उ संसाना ॥
 ॥ एक कलप सुन देहि दुषाने ॥ समन जलंधन सन सब हाने ॥
 ॥ संचु की नू संग्राम अपाना ॥ दनु जमहावल मन इन माना ॥
 ॥ पनम सती असुनाधि पनानी ॥ तेहि वलताहि नजिते पुनानी ॥
 ॥ दोहा ॥ धलकनि टाने उता सुव्रत प्रभु सुन कान जकी नू ॥
 ॥ जव तेहि जाने उमन मतव साप को पकनि ईनू ॥ १२३ ॥
 ॥ चौ तासु साप हरि की नू प्रमाना ॥ कौतुक निधि कृपाल भगवाना ॥
 ॥ तहां जलंधन नावन न ऐउ ॥ नन हतिनाम पनम पद देउ ॥
 ॥ एक जनम कन कान न ऐहा ॥ जेहिल गिनाम धनी न देहा ॥
 ॥ प्रति अवतान कथा प्रभु केनी ॥ सुनु मुनि वननी कवि नू धनेरी ॥
 ॥ नान दसाप ईनू ऐक वाना ॥ कलप ऐक तेहि लगी अवताना ॥
 ॥ गिनि जाव कित भई सुनिवानी ॥ नान द विष्नु भक्त पुनि ग्यानी ॥

॥ काननकवनसापमुनिदीन्ह ॥ काअपनाधनमापतिकीन्ह ॥
 ॥ यहप्रसंगमोहिकहुहुपुनारी ॥ सुनिमनमोहआचरजजानी ॥
 ॥ दोहा बोलेविहसिमहेसतवग्यानीमूढनकोई ॥
 ॥ जेहिजसनुधुपतिकनहिजवसोतसतेहिछनहोई ॥
 ॥ सोनठा कहौनामगुनगाथ ॥ मनद्वाजसादनसुनहु ॥
 ॥ नवननजननधुनाथ ॥ भजुतुलसीतजिमानमद ॥ १२४ ॥
 ॥ चौहिमगिनिगुहाएकअतिपावनि ॥ वहैसमीपसुनसनीसुहावनि ॥
 ॥ आश्रमपनमपुनीतसुहावा ॥ देखिदेवनिधिमनअतिआवा ॥
 ॥ निनिधिसैलसनिविपिनविभागा ॥ भयेउनमापतिपदअनुनागा ॥
 ॥ सुमिनतहनिहिसापगतिवाधी ॥ सहजविमलमनलागिसमाधी ॥
 ॥ मुनिगतिदेखिसुनेसउनाना ॥ कामहिवोलिकीन्हसनमाना ॥
 ॥ सहितसहाइजाहुममहेतू ॥ चलेउहनधिहियजलचरकेतू ॥
 ॥ सुनासीनमनमहअतिआसा ॥ चाहतदेवनिधिममपुनवासा ॥
 ॥ जेकामीलोलुपजगमाहीं ॥ कुटिलकालइवसबहिउनाहीं ॥
 ॥ दोहा सखहाडैलेआगसठस्याननिनधिमृगनाज ॥
 ॥ छानिलेइजनिजानिजइतिमिसुनपतिहिनलाज ॥ १२५ ॥
 ॥ चौतेहिआश्रमहिमदनजवगऐउ ॥ निजमायावसंतनिनमऐउ ॥
 ॥ कुसमित्तविविधविटपवहुनंगा ॥ कूजहिकोकिलगुंजहिचंगगा ॥
 ॥ चलीसुहावनिविविधवयानी ॥ कामकसानुबखावनिहानी ॥
 ॥ नंजादिकसुननानिनवीना ॥ सकलअसमसनकलाप्रवीना ॥
 ॥ कनहिगानवहुतानतरंगा ॥ बहुविधिकीडहिपानिपतंगा ॥
 ॥ देखिसहाइमदनहनयाना ॥ कीन्हैसिपुनिप्रपंचविधिनाना ॥
 ॥ कामकलाकछुमुनिहिनव्यापि ॥ निजनयउनेउमनोभव्यापी ॥
 ॥ सीमकिचापिसकेकोउतासू ॥ बडनखवारनमापतिजासू ॥
 ॥ दोहा सहितसहायसजीतअतिमानिहानिमनमैन ॥
 ॥ गहेसिजाइमुनिवननकहिसुठिआनतम्रदुवैन ॥ १२६ ॥
 ॥ चौभयेउननानदमनकछुनोषा ॥ कहिपियवचनकामपनितोषा ॥

बाल०

॥३७॥

॥ नाइचननसिनआयसुपाई ॥ गयेउमदनतवसहितसहाई ॥
 ॥ मुनिसुसीलताआपनिकननी ॥ सुनपतिसन्नाजाइसववननी ॥
 ॥ मुनिसवकेमनअचनजआवा ॥ मुनिहिप्रसंसिहसिनुनावा ॥
 ॥ तवनानदगवनेसिवपहिं ॥ जिताकामअहमितिमनमाहिं ॥
 ॥ सोचनित्रसंकनहिसुनावा ॥ अतिप्रियजानिमहेससिधावा ॥
 ॥ वानवानविनबहुमुनितोहि ॥ जिमियहकथासुनायेहुमोहि ॥
 ॥ तिमिजनिहनिहिसुनावहुकवहूं ॥ चलेहुप्रसंगदुनायेहुतवहूं ॥
 ॥ दोहा संजुटीरुउपदेसहितनहिनानदहिसोहान ॥

॥ जनद्वजकोतुकसुनहुहनिइध्यावलवान ॥१२७॥

॥ चौ नामकीन्चाहिसोइहोई ॥ कनेअन्यथाअसनहिकोई ॥
 ॥ संजुवचनमुनिमननहिनाये ॥ तवविनंचिकेलोकसिधाये ॥
 ॥ एकवानकनतलवनवीना ॥ गावतहनिगुनगानप्रवीना ॥
 ॥ छिनसिंधुगावनेमुनिनाथा ॥ जहंवसश्रीनिवासअतिमाथा ॥
 ॥ हनधिमितेउठिक्रपानिकेता ॥ वैठेआसननिधिहिसमेता ॥
 ॥ बोलेविहसिचनाचननाया ॥ बहुतेदिनहिकीन्हिमुनिदाया ॥
 ॥ कामचनितनानदसवचाये ॥ जद्यपिप्रथमवनजिसिवनाये ॥
 ॥ अतिप्रचंडनघुपतिकेमाया ॥ जेहिनमोहअसकोजगजाया ॥

॥ दोहा दूषवदनकनिवचनअदुबोलेश्रीनगवान ॥

॥ गुहनेसुमिननतेमिटहिमोहमानमदमान ॥१२८॥

॥ चौ सुनुमुनिमोहहोइमनताके ॥ ग्यानविनागहृदयनहिजाके ॥
 ॥ ब्रह्मचर्जव्रतनतमतिधीना ॥ तुम्हहिकिकनेमनोअवपीना ॥
 ॥ नानदकरेउसहितअभिमाना ॥ कृपानुम्हानिसकलनगवाना ॥
 ॥ कनुनानिधिमनदीर्घविचानी ॥ उनअंकुनेउगर्वतनुजानी ॥
 ॥ वेगिसोमेडानिहैंउपानी ॥ पनहमानसेवकहितकानी ॥
 ॥ मुनिकनहितममकोतुकहोई ॥ अवसिउपायकनवहमसोई ॥
 ॥ तवनानदहनिपदसिनुनाई ॥ चलेहृदयअहमितिअधिकोई ॥
 ॥ श्रीपतितवनिजमायाप्रेरी ॥ सुनहुकठिनकननीतेहिकेरी ॥

॥ दोहा ॥ विनचे उमगमहुं नगनतेहि सत्तजो जनविस्तार ॥
 ॥ श्रीनिवास पुनते अधिकनचनाविविधप्रकार ॥ १२९ ॥
 ॥ चौवसहि नगनसुंदरनननानी ॥ जनुवहुमनसिजनतितनुधानी ॥
 ॥ तेहि पुनवसे सिलनिधिनाजा ॥ अगिनितहयगयसेनसमाजा ॥
 ॥ सतसुनेससमविनवविलासा ॥ रूपतेजवलनीतिनिवासा ॥ ॥ ॥
 ॥ विस्वमोहनीतासुकुमानी ॥ श्रीविमोहजिसुनूपनिहानी ॥ ॥ ॥
 ॥ सोइहनिमायासवगुनधानी ॥ सोनातासुकिजाइवधानी ॥ ॥ ॥
 ॥ कनैस्वयंवनसोनूपवाला ॥ आऐतहअगनितमहिपाला ॥
 ॥ मुनिकौतुकीनगनतेहिगऐउ ॥ पुनवासिन्हतवपूछतनऐउ ॥
 ॥ सुनिसवचनितनूपग्रहआऐ ॥ कनिपूजानूपमुनिवेठाऐ ॥ ॥ ॥
 ॥ दोहा ॥ आनिदिषाईनानदहिचूपतिराजकुमानि ॥ ॥ ॥
 ॥ कहहुनाथगुनदोषसवऐहिकेहृदयविचानि ॥ १३० ॥
 ॥ चौदेधिरूपमुनिविनतिविसनि ॥ वडीवारलगिनहेनिहानी ॥ ॥ ॥
 ॥ लघनतासुविलोकिवधाने ॥ हृदयहनघनहिप्रगटवधाने ॥
 ॥ जोऐहिवनैअमनसोहोई ॥ समरन्ध्रमितेहिजितइनकोई ॥
 ॥ सेवहिसकलचनाचनताहि ॥ वनैसिलनिधिकन्याजाहि ॥ ॥ ॥
 ॥ लघनसवविचानिउननाथे ॥ कधुकवनाइचूपसननाथे ॥ ॥ ॥
 ॥ सुतासुलघनकहिनूपपांही ॥ नानदचलेसोचमनमांही ॥ ॥ ॥
 ॥ कनौंजाइसोइजतनविचानी ॥ जेहिप्रकारमोहिवनैकुमानी ॥
 ॥ जपतपकधुनहोइतेहिकाला ॥ हेविधिमिलैकवनविधिवाला ॥
 ॥ दोहा ॥ ऐहिअवसनचाहिअपनमसोनाचूपविसाल ॥
 ॥ जोविलोकिनीहेकुअनितवमेलेजयमाल ॥ १३१ ॥
 ॥ चौहिसनमागोसुंदरताई ॥ होइहिजातगहनुअतिनाई ॥ ॥ ॥
 ॥ मोनेहितहनिसमनहिकोई ॥ ऐहिअवसनसहाइसोइहोई ॥ ॥ ॥
 ॥ बहुविधिविनयकीहितेहिकाला ॥ प्रगटेउप्रनुकोतुकीकपाला ॥ ॥ ॥
 ॥ प्रनुविलोकिमुनिनयनजुडोने ॥ होइकाजुहिअअतिहनधाने ॥ ॥ ॥
 ॥ अतिआनतकहिकथासुनाई ॥ कनहुकृपाकनिहोहुसहाई ॥ ॥ ॥
 ॥ आपनरूपदेउप्रनुमांही ॥ आननौतिपावहुनहिओही ॥ ॥ ॥
 ॥ जेहिविधिनाथहोइहितमोना ॥ कनहुसोवेगिदासमेतोना ॥ ॥ ॥

वाल०

॥२८॥

॥ निजमायावलदेधिविसाला ॥ ॥ हियहसिवोलेटीनदयाला ॥

॥ दोहा जेहिविधिहोइपनमहितनानदसुनहुतुह्यान ॥

॥ सोइहमकनवनआनकधुवचननमुषाहमान ॥ १३२ ॥

॥ चौकुपथमागनुचिब्याकुलनोगी ॥ वैदनदेहिसुनहुमुनिजोगी ॥

॥ ऐहिविधिमेतुम्हानहितठण्डु ॥ कहिअसअतनहितप्रनुअण्डु ॥

॥ मायाविवसन्नपेउमुनिमूछा ॥ समुहिनहिहनिगिनानिगूछा ॥

॥ गवनेतुनिततहनिषिनाई ॥ जहास्वयंवनचूमिवनाई ॥ ॥ ॥ ॥

॥ निजनिजआसनवैठेनाजा ॥ बहुवनावकनिसहितसमाजा ॥

॥ मुनिमनहन्यरूपअतिमोने ॥ मोहितजिआनहिवनिहिनजोने ॥

॥ मुनिहितकाननकृपानिधाना ॥ टीन्हकुरूपनजाइवधाना ॥ ॥ ॥ ॥

॥ सोचनित्रलीषिकाहुनयावा ॥ नानदजानिसवहिसिनुनावा ॥

॥ दोहा नहेतहाडुइनुइगनतेजानहिसवनेउ ॥

॥ विप्रवेषदेष्टतफिनतपनमकौतुकीतेउ ॥ १३३ ॥

॥ चौजेहिसमाजवैठेमुनिजाई ॥ हृदयरूपअहमितिअधिकार्ड ॥

॥ तहवैठेमहेसगनहोउ ॥ ॥ ॥ विप्रवेषगतिलवैनकोउ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ कनहिकूटिनानदहिसुनाई ॥ नीकिटीन्हहिसुंदनताई ॥ ॥ ॥

॥ नीहिहनाजअकुअनिष्पविदेवी ॥ इन्हहिवनिहिहनिजानिविसेवी ॥

॥ मुनिहिमोहमनहायपनाए ॥ हसहिसंनुगनअतिसचुपाए ॥

॥ जदपिसुनहिमुनिअटपटिवनि ॥ समुहिनपनेबुद्धिअमसानी ॥

॥ काहुनलखासोचनितविसेषा ॥ सोसरूपनृपकंन्यादेखा ॥ ॥ ॥ ॥

॥ मर्कटवदनभयंकनदेही ॥ ॥ ॥ देष्टतहृदयक्रोधभातेही ॥ ॥

॥ दोहा सधीसंगलेकुअनितवचलिजनुनाजमगाल ॥

॥ देष्टतिफिनेमहापसवकनसनोजजयमाल ॥ १३४ ॥

॥ चौजेहिदिसिवैठेनानदफूली ॥ सोदिसितेहिनविलोकीचूली ॥

॥ पुनिपुनिमुनिउकसहिअकुलाहि ॥ देष्टदसाहनगनमुसुकाहि ॥

॥ धनिनृपतनुतहगएउकृपाता ॥ कुअनिहृषिमेलेउजयमाला ॥

॥ दुलहिनिलयगएलधिनिवासा ॥ नृपसमाजसवन्नएउनिनासा ॥

॥ मुनिअतिविकलमोहमतिनाही ॥ मनिगिनिगईधूटिजनुगांठी ॥

॥ तवहनगनवोलेमुसुकाई ॥ ॥ ॥ निजमुषमुकुनविलोकहुजाई ॥

॥ अस कहि देउनागेन प्रमानी ॥ वदुन दीष मुनिवा निनिहनी ॥
 ॥ वेष्ट विलोकि क्रोध अतिवाला ॥ तिरुहिसरा पटी न्ह अतिगाळा ॥
 ॥ दोहा ॥ होहुनिसाचन जाइतुम्ह कपटी पापी होउ ॥ १३३ ॥
 ॥ हुसेहुहमहिसेलेउफलवहुनिहसेहुमुनिकोउ ॥ १३४ ॥
 ॥ चौ पुनिजल दीष नूपनि जुपावा ॥ तदपि हूट पसंतोषन आवा ॥
 ॥ फन कात अधन कोप मन माहिं ॥ सपटि चलेक मलापति पाहिं ॥
 ॥ दैहों साप किमनिहों जाई ॥ ॥ जगत मोनि उपहास कनाई ॥
 ॥ बीचहि पंथ मिले दनुजानी ॥ ॥ संगन मासो इनाज कुमानी ॥
 ॥ बोले मधुन वचन सुन सांई ॥ ॥ मुनिक हंचले विकल कीनाई ॥
 ॥ सुनत वचन उपजा अतिक्रोधा ॥ मायावसन नहामन बोधा ॥
 ॥ पनसंपदा सकहुन हिदेषी ॥ ॥ तुम्हने इनखा कपट विसेयी ॥
 ॥ मथत सिंधु उइहिवोनायेहु ॥ ॥ सुनन्ह प्रेमि विष पान कनायेहु ॥
 ॥ दोहा ॥ असुन सुना विष संकरहि आ पुन मा मति चानु ॥
 ॥ खान थसाध ककुटिल तुलसदा कपट व्यवहानु ॥ १३६ ॥
 ॥ चौ पनमस्वतंत्रन सिन पन कोई ॥ भोवै मनहि कनहु तुम्ह सोई ॥
 ॥ भलेहों मंद मंद हि नलकन हू ॥ विसमय हन धन मन कथुधन हू ॥
 ॥ उहकि उहकि पनेचेहु सबकाहू ॥ अति असंक मन सदा उछाहू ॥
 ॥ कर्म सुजा सुन तुम्हीहिन बाधा ॥ अवल गितुम्हीहिन काहू साधा ॥
 ॥ भलेन वन अववाय न्ह दीन्ह ॥ पावहुगे फल आपन कीन्ह ॥
 ॥ वंचेहु मोहि जवन धनि देहा ॥ सोइतनु धनहु साप ममयेहा ॥
 ॥ कपि आक्राति तुम्ह कीन्ह हमी ॥ नानि विनह तुम्ह होव दुखानी ॥
 ॥ दोहा ॥ साप सीस धनिह न धिहिय प्रनुवहु विनती कीन्ह ॥
 ॥ निज माया के प्रवलता कन धि कृपानि धि लीन्ह ॥ १३७ ॥
 ॥ चौ जवहनि माया दूनि निवानी ॥ नहि तहं मानना जकुमानी ॥
 ॥ तव मुनि अति सनीत हमि चनना ॥ गहे पाहि प्रनतानत हनना ॥
 ॥ म्रया होइ मम साप कृपाला ॥ मम इछा कह दीन दयाला ॥
 ॥ मै दुर्वचन कहै उवहु तेने ॥ ॥ कह मुनि पाप मिटहि किमि मेने ॥
 ॥ जपहु जाइ सकन सतनामा ॥ होइ हि हूट यतुन त विआमा ॥
 ॥ कोउनहि सिव समान प्रिय मोने ॥ असि पनतीति तजहु जनिनेने ॥

॥ जेहि पन कृपान कनहि पुनारी ॥ सोन पाव मुनि नक्ति हमानी ॥
 ॥ अस उन धनि महि विचन उजाई ॥ अव न तुम्हहि माया निय नाई ॥
 ॥ दोहा ॥ बहु विधि मुनिहि प्रबोधि प्रभु तव नये ॥ अत न ध्यान ॥
 ॥ सत्य लोक नान दृचले कन तनाम गुन गान ॥ १३८ ॥
 ॥ चौहन गन मुनिहि जात पथे देखी ॥ विगत मोह मनहन वविसेषी ॥
 ॥ अतिसनीत नान दृपहि आये ॥ गहि पद आनत वचन सुनाये ॥
 ॥ हन गन हमन विप्र मुनि नाया ॥ वड अपना धकी नू फल पाया ॥
 ॥ साप अनुग्रह कनहु कृपा ला ॥ बोले नान दृष्टी न दृया ला ॥ ॥ ॥
 ॥ निसिचन जाइ होहु तुम्हें डो ॥ विन वविपुल तेजवल होडु ॥
 ॥ नुजवल विस्वजित वतुम्हें जहि ॥ धनिहहि विष्णु मनुज तनु तहि ॥
 ॥ समन मन नहनि हाथ तुलाना ॥ होइ हहु मुकुतन पुनि संसाना ॥
 ॥ चले जुगल मुनि पद सिनु नाई ॥ नये निसाचन काल हि पाई ॥
 ॥ दोहा ॥ एक कलप ऐहि हेतु प्रभु लीन हमनु ज अवतान ॥
 ॥ सुननं जन सजुन सुषट् हनि नं जन नु विमान ॥ १३९ ॥
 ॥ चौएहि विधि जन्म कनमह निके ॥ सुंदन सुषट् विचित्र घनेने ॥ ॥ ॥
 ॥ कलप कलप प्रति प्रभु अवतनहि ॥ चानुचनित नाना विधिकनहि ॥
 ॥ तव तव कथामुनी सनू गाई ॥ पनम विचित्र प्रबंध वनाई ॥ ॥ ॥
 ॥ विविध प्रसंग अनूप वधाने ॥ कनहिन सुनि आचन जस याने ॥
 ॥ हनि अनंत हनिकथा अनंता ॥ कहहि सुनहि बहु विधिसव संता ॥
 ॥ नाम चंद्र केचनित सुहाये ॥ कलप कोटिल गिजाहिन गाये ॥
 ॥ ग्रह प्रसंग मैक हावधानी ॥ हनि माया मोहहि मुनि ग्यानी ॥
 ॥ प्रभु को तुकी प्रनत हित करी ॥ सेवत सुफल सकल दुष हारी ॥
 ॥ सोनटा ॥ सुनन न मुनिको उनाहि ॥ जेहिन मोह माया प्रबल ॥
 ॥ अस विचानि मन माहि ॥ नजिय महामाया पतिहि ॥ १४० ॥
 ॥ चौ अपन हेतु सुनु सैल कुमानी ॥ कहौ विचित्र कथा विस्तानी ॥ ॥ ॥
 ॥ जेहिका नन अज अगुन अनूपा ॥ ब्रह्म नये उको सल पुन नूपा ॥
 ॥ जो प्रभु विपि नू फिन ततुम्हें देया ॥ बंधु समेत धने मुनि वेषा ॥ ॥ ॥
 ॥ जा सुचनित अवलोकित वानी ॥ सती सनी नहिहु दोनानी ॥ ॥ ॥

॥ अजहुन छाया मिदति तुलानी ॥ ता सुचरित सुनु नमनु जहानी ॥
 ॥ लीला कीन्हि जो तेहि अरु वतानी ॥ सो सब कहि हो मति अनुसानी ॥
 ॥ नन द्वाज सुनिसं कनवानी ॥ सकुचि सप्रेम उमामु सुकानी ॥
 ॥ लगे वहुनि वन नै ब्रष केतू ॥ सो अरु वतान न ऐउ जेहि हेतू ॥

॥ **दोहा** सो मै तुम्हसन कहौं सब सुनु मुनी समनु लाइ ॥

॥ नाम कथा कलि मलहन निमंगल कनति सुहाइ ॥ १४१ ॥

॥ चौखायं नमनु अनुसत नूपा ॥ जिन्ह ते नैन न स्रष्टि अनूपा ॥
 ॥ दंपति धनम आचन ननीका ॥ अजहुंगा वश्रुति जिन्ह कै लीका ॥
 ॥ नृप उतान पाइ सुत जासू ॥ ध्रुव हनि नगत न ऐउ सुत सासू ॥
 ॥ लघु सुत नाम प्रिय वतताहि ॥ वेद पुनान प्रसं सहि जाहि ॥ ॥ ॥
 ॥ देव हति पुनि ता सुकुमानी ॥ जो मुनि कर्म के प्रिय नानी ॥
 ॥ आदि देव पुनि दीन दयाला ॥ जठन धनेहु जेहि कपिल कृपाला ॥
 ॥ सांख्य सास्त्र जिन्ह प्रगट वधाना ॥ तत्त्व विचान निपुन नगवाना ॥
 ॥ तेहि मनुना जकीन्ह वहु काला ॥ प्रनु आय सुसव विधि प्रतिपाला ॥

॥ **सोनठा** होइ न विषय विनाग ॥ नवन वसत न चौथ पन ॥

॥ हृदय वहुत दुष लाग ॥ जन्म गएउ हनि नक्ति विनु ॥ १४२ ॥

॥ चौवन वसना जसुत हित वदीन्ह ॥ नानि समेत गवन वन कीन्ह ॥
 ॥ तीन थवन नै मिष विष्याता ॥ अति पुनीत साधक सिधि दाता ॥
 ॥ वसहित हौं मुनि सिद्ध समाजा ॥ तहं हि अहन धिचले उमनुराजा ॥
 ॥ पंथ जातिसो हहि मति धीनार ॥ ग्यान नक्ति जनु धनै शानीनार ॥
 ॥ पंहुचे जाइ धेनु मति तीनार ॥ हन धिनि हाने निन मलनीनार ॥
 ॥ आऐ मिलन सिद्ध मुनि ग्यानी ॥ धन मधु नंधन नृप सिधि जानी ॥
 ॥ जहं जहं तीन थन हेउ सुहाऐ ॥ मुनिन्ह सकल सादन कनवाऐ ॥
 ॥ कस सनीन मुनि पटपनिधाना ॥ संत समाज नित सुनहि पुनाना ॥

॥ **दोहा** द्वादस अष्टन मंत्र पुनि जपहि सहित अनुनाग ॥

॥ वासुदेव पद पंकउ हं दंपति मन अतिलाग ॥ १४३ ॥

॥ चौकन हि अहन साक फल कंदार ॥ सुमिन हि ब्रह्म सच्चिदानंदार ॥ ॥ ॥
 ॥ पुनि हनि हेतु कन नत पलागे ॥ वापि अहन मूल फल त्यागे ॥ ॥ ॥

॥ उन्नमिल्लाषनिनंतनहोई ॥ ॥ देषिअनैनपनमप्रनुसोई ॥
 ॥ अगुनअषंडअनंतअनादी ॥ ॥ जेहिचिंतहिपनमानयवादी ॥
 ॥ नेतिनेतिजेहिचेइनिनूपा ॥ ॥ निजानंदनिउपाधिअनूपा ॥
 ॥ संनुविनंचिविष्णुनगवाना ॥ ॥ उपजहिजासुअंसतेनाना ॥
 ॥ असेउप्रनुसेवकवसअहई ॥ ॥ नक्तहेतुलीलातनुगहई ॥
 ॥ जौयहवचनसत्यश्रुतिआषा ॥ ॥ तोहमानपूजिहिअमिलाषा ॥
 ॥ दोहा ऐहिविधिबीतेवनषषट्सहससुवानिअहन ॥
 ॥ संवतसप्तसहस्रपुनिनहेसमीनअधान ॥ १४४ ॥
 ॥ बौवनषसहसहसत्यागेउसोउ ॥ ॥ ठाढेनहेऐकपट्टहोउ ॥ ॥
 ॥ विधिहनिहनतपदेषिअपाना ॥ ॥ मनुसमीपआऐवहुवाना ॥
 ॥ मागहुवनवहुनोतिलोनाऐ ॥ ॥ पनमधीननहिचल्लिहिलोए ॥
 ॥ अस्थिमात्रहोइनहेसनीना ॥ ॥ तदपिमनागमनहिमनपीना ॥
 ॥ प्रनुसर्वग्यदासनिजजानी ॥ ॥ गतिअनन्यतापसन्तपरांनी ॥
 ॥ मागुमागुवनुनैननवानी ॥ ॥ पनमगानीनक्रुपाभूतसानी ॥
 ॥ मृतकजिआवनिगिरासुहई ॥ ॥ अवननंधहोइउनजवआई ॥
 ॥ हृष्टपुष्टतननऐसुहाऐ ॥ ॥ मानहुअवहिन्नवनतेआऐ ॥
 ॥ दोहा अवनसुधासमवचनसुनिपुलकप्रफुलितगात ॥
 ॥ बोलिमनुकनिदंडवतप्रेमनहृदयसमात ॥ १४५ ॥
 ॥ बौसुनुसेवकसुनतनुसुनधेनू ॥ ॥ विधिहनिहनवंदितपट्टनेनू ॥
 ॥ सेवकसुलभसकलसुषट्टयक ॥ ॥ पनतपालसचनाचननायक ॥
 ॥ जौअनाथहितहमपननेह ॥ ॥ तोप्रसन्नहोइयहवनदेह ॥
 ॥ जोसनूपवससिब्रमनमाही ॥ ॥ जेहिकाननमुनिजतनकताही ॥
 ॥ जोनुसुडिमनमानसहसा ॥ ॥ सगुनअगुनजेहिनिगमप्रससा ॥
 ॥ देषहिहमसोन्नपन्निलोचन ॥ ॥ क्रुपाकरहुपनतानतमोचन ॥
 ॥ दंपतिवचनपनमप्रियलागे ॥ ॥ मृदुलविनीतप्रेमनसपागे ॥
 ॥ नक्तवधलप्रनुक्रुपानिधाना ॥ ॥ विस्ववासप्रगटेनगवाना ॥
 ॥ दोहा नीलसनोनुहनीलमनिनीलनीनधनस्याम ॥
 ॥ लाजहितनसोन्नानिनिधिकोटिकोटिसतकाम ॥ १४६ ॥

॥ सनदमयंकवदनध्वविशिवा ॥ चानुकपोलचिबुकदनग्रीवा ॥
 ॥ अधनअनुननदसुंदननासा ॥ विधुकननिकनविनिंदकहासा ॥
 ॥ नवअंबुजअंबकध्वविनीकी ॥ चितवनिललितनवानिजीकी ॥
 ॥ अकुटिमनोजचापध्वविहानी ॥ तिलकललाटपटलदुत्तिकानी ॥
 ॥ कुंडलमकनमुकुटसिनआजा ॥ कुटिलकेसजनुमधुपसमाजा ॥
 ॥ उनश्रीवत्सनुचिनवनमाला ॥ पट्टिकहाननूषनमनिजाला ॥
 ॥ केहरिकंधनचानुजनेकु ॥ बाहुविनूषनसुंदरतेकु ॥ ॥ ॥
 ॥ कनिकनसनिससुन्नगनुजदंडा ॥ कटिनिषंगकनसनकोदंडा ॥ ॥

॥ दोहा तडितविनिंदकपीतपटउदनरेषवरतीनि ॥ ॥ ॥

॥ नाभिमनोहनलेतिजनुजमुननवनध्वविष्णिनि ॥ १४७ ॥

॥ चौ पदराजीववननिनहिजाहि ॥ मुनिमनमधुपवसहिजिन्हमाहि ॥
 ॥ वामनागसोचतिअनुकूला ॥ आदिसक्तिध्वविनिधिजगमूला ॥
 ॥ जासुअंसउपजहिगुनधानी ॥ अगिनितलधिउमाब्रह्मानी ॥
 ॥ अकुटिविलासजासुजगहोई ॥ नामवामदिसिसीतासोई ॥ ॥ ॥
 ॥ ध्वविसमूहहनिनूपविलोकी ॥ ऐकटकनहेनयनपटनेकी ॥ ॥
 ॥ चितवहिसादनूपअनूपा ॥ विप्रिनमानहिमनुसतरूपा ॥ ॥
 ॥ हनधविवसतनदसानुलनि ॥ परेदंडइवगहिपटपानी ॥ ॥ ॥
 ॥ सिनपनेसउप्रभुनिजकनकंजा ॥ तुनतउठाऐउकउनापुंजा ॥ ॥

॥ दोहा बोलेकपानिधानपुनिअतिप्रसन्नमोहिजानि ॥

॥ मांगाहुवनजोइनावमनमहाहानिअनुमानि ॥ १४८ ॥

॥ चौ सुनिप्रभुवचनजोनिजुगपनि ॥ धनिधीनजबोलेमदुवानी ॥ ॥
 ॥ नाथदेधिपट्टकमलतुम्हाने ॥ अवपूनेसबकामहमाने ॥ ॥ ॥
 ॥ एकलालसावडिउनमाहि ॥ सुगमअगमकहिजातसोनाहि ॥
 ॥ तुम्हहिदेतअतिसुगमगोसाई ॥ अगमलागमोहिनिजकपनाई ॥
 ॥ जथादनिद्विविबुधतनुपाई ॥ बहुसंपतिमागतसकुचाई ॥ ॥
 ॥ तासुप्रजावनजानतसोई ॥ तथाहुदयममसंसयहोई ॥ ॥
 ॥ सोतुहजानहुअंतनजामी ॥ पुनबहुमोनमनोनयस्वामी ॥
 ॥ सकुचविहाइमागुनपमोहि ॥ मोनेनहिअदेयकछुतोहि ॥ ॥

॥**दोहा** दानिसिनेमनि कृपानिधिनाथ कहैं सतिनाउ ॥
 ॥**चौ** कहैं तुम्हहि समान सुत प्रनुसन को न दुनाउ ॥१४८॥
 ॥**चौ** दैधि प्रीति सुनि वचन अमोले ॥ ऐवमस्तुकु नानिधि बोले ॥
 ॥ आपुस निसखोजहुं कहैं जाई ॥ नृपत वतन य होव मै आई ॥
 ॥ सत नृपहि विलोकिक न जोने ॥ दैविमागुवन जोनुचितोने ॥
 ॥ जोवनुनाथ चतुन नृपमांगा ॥ सोइ कृपाल मोहि अति प्रिय लागी ॥
 ॥ प्रनुपनंतु सुठि होति छिछाई ॥ जदपि भक्ति हित तुम्हहि सोहई ॥
 ॥ तुल्यब्रह्मादि जनक जगत्सामी ॥ ब्रह्मसकल उन्नत न जामी ॥
 ॥ अससमुद्र तमन संसय होई ॥ कहा जो प्रनुप्रमान पुनिसोई ॥
 ॥ जेनि जनक नाथ तव अहं ॥ जो सुषपावहि सो गतिलहं ॥
 ॥**दोहा** सोइ सुष सोइ गतिसोइ न गतिसोइ निज चनन सनेहु ॥
 ॥ सोइ विवेक सोइ नहनि प्रनुहमहि कृपा कनि देहु ॥१५०॥
 ॥**चौ** सुनि मृदु गूळु चिन वचन चना ॥ कृपा सिंधु बोले मृदु वचना ॥
 ॥ जो कुष्ठुनु चितुलने मन माहीं ॥ मै सोई नृसव संसय नाहि ॥
 ॥ मातु विवेक अलौकिक तोने ॥ कवहुन भिटिहि अनुग्रह मोने ॥
 ॥ वंदि चनन मनु कहै उवहोनी ॥ अबन ऐक विनती प्रनु मोनी ॥
 ॥ सुत विवेक तव पट्टति होउ ॥ मोहि वड मूळ कहै किन कोउ ॥
 ॥ मनि विनु फनि जिमि जल विनु मीना ॥ मम जीवन तिमि तुम्हहि अधीना ॥
 ॥ असवनु मांगि चनन गहि पनेउ ॥ एवमस्तुकु नानिधिक हेउ ॥
 ॥ अब तुम्हमम अनुसासन मानी ॥ वसहु जाइ सुन पतिन जधानी ॥
 ॥**सोनहा** तहं कनि नो गवि ॥ साल ॥ तातग ऐं कछु काल पुनि ॥
 ॥ होइ हहु अ वधनु आल ॥ तव मे होव तुम्हान सुत ॥१५१॥
 ॥**चौ** इछामयन न वेध सँवाँ ॥ होइ हों प्रगट निकेत तुम्हने ॥
 ॥ असहि सहित देह धनि ताता ॥ कनि हों चनित नक्त सुष दाता ॥
 ॥ जे सुनिसादन न वड नागी ॥ न वतनिहि ममता मट्टागी ॥
 ॥ आदि शक्ति जेहि जग उपजाया ॥ सो उअ वतनिहि मेनिय हमाया ॥
 ॥ पुन उव मे अनिलाष तुलाना ॥ सत्य सत्य पन सत्य हमाना ॥
 ॥ पुनि पुनि अस कहि कृपानिधाना ॥ अत न ध्यान न ऐ न गवाना ॥
 ॥ दैवति उन्नयनि नक्ति कृपाला ॥ तेहि आश्रम निवसे कछु काला ॥

॥ समयपाइतनुतजिअनयासा ॥ जाइकीन्हूमनावतिवासा ॥

॥ दोहा यहइतिहासपुनीतअतिउमहिकहीवृषकेतु ॥

॥ मनहुजसुनुअपनपुनिरामजनमकरहेतु ॥ १५२ ॥

॥ चौसुनुमुनिकथापुनीतपुनानी ॥ जोगिनिजाप्रतिसंनुवधानी ॥

॥ वित्त्विविदितएककैकयदेस् ॥ सत्यकेतुतहंवसइननेस् ॥

॥ धनमधुनंधननीतिनिधाना ॥ तेजप्रतापसीलवलवाना ॥

॥ तेहिकेनऐजुगुलसुतवीना ॥ सवगुनधाममहाननधीना ॥

॥ राजधनीजोजेठसुतआही ॥ नामप्रतापज्ञानुअसताही ॥

॥ अपनसुतहिअनिमईननामा ॥ भुजवलअतुलअचलसंग्रामा ॥

॥ जाइहिनाइहिपनमसमीती ॥ सकलदोषअलवनजितप्रीती ॥

॥ जेठेसुतहिनाजुनपदीन्हा ॥ हनिहितआपुगवनवनकीन्हा ॥

॥ दोहा जवप्रतापनविभएउनपफिनीदुहाईदेस ॥ १५३ ॥

॥ प्रजापालअतिवेदविधिकतहुनहिन्हाअधलेस ॥ १५३ ॥

॥ चौनृपहितकानकसचिवसयाना ॥ नामधनमनुचिसुक्रसमाना ॥

॥ सचिवसयानबंधुवलवीना ॥ आपुप्रतापपुंजवलसीला ॥

॥ सेनसंगचतुनंगअपाना ॥ अमितसुन्नटसवसमनुहसा ॥

॥ सेनविलोकिनाउहनयाना ॥ अनुवाजेगहगहेनिसाना ॥

॥ विजयहेतुकटकाइवनाई ॥ सुदिनसाधिनुपचलेउवजाई ॥

॥ जहंतहंपरीअनेकलनाई ॥ जीतेसकलनूपवनिआई ॥

॥ सप्रदीपनुजवलवसकीन्हे ॥ लइलइहंडछांदिनपदीन्हे ॥

॥ सकलअवनिमंडलेतेहिकाला ॥ एकप्रतापज्ञानमहिपाला ॥

॥ दोहा स्ववसवित्त्वकनिवाहुवलनिजपुनकीन्हप्रवेस ॥

॥ अर्थधर्मकामादिसुखसेवैसमयननेस ॥ १५४ ॥

॥ चौप्रतापज्ञानुवलपाई ॥ कामधेनुजइन्हमिसुहाई ॥

॥ सवदुखवनजितप्रजासुधानी ॥ धनमसीलसुंदननननानी ॥

॥ सचिवधनमनुचिहनिपटप्रीती ॥ नृपहितहेतुसिखवनितनीती ॥

॥ गुनसुनसंतपितनमहिदेवा ॥ कनैसदानपसवकइसेवा ॥

॥ अपधनमजेइवेदवधाने ॥ सकलकनहिसाइनसुखमाने ॥

॥ दिनप्रतिद्वे इविविधविधिदाना ॥ सुनेसास्त्रवनवेदपुराणा ॥

॥ नानावापीकूपतडागा ॥ ॥ ॥ सुमनवाटिकासुदृनवागा ॥

॥ विप्रन्नवनसुनन्नवनसुहाणे ॥ सवतीनघन्हिविचित्रवनाए ॥

॥ दोहा ॥ जहंलगिकहेपुरानश्रुतिऐकऐकसवजाग ॥

॥ वानसहस्रसहस्रनृपकिऐसहितअनुनाग ॥ १५५ ॥

॥ चौ ॥ हृदयनकछुफलअनुसंधाना ॥ अपविवेकीपनमसुजाना ॥ ॥

॥ कनैजेधनमकनममनवानि ॥ वासुदेवअर्पितनृपग्यानी ॥ ॥

॥ चछिवनवाजिवानऐकराजा ॥ मृगयाकनसवसाजिसमाजा ॥

॥ विंध्याचलगंभीनवनगऐरु ॥ मृगपुनीतबहुमानतनऐरु ॥

॥ फिरतविपिननृपदीषवनाहू ॥ जनुवनदुनेउससिहिगसिनाहू ॥

॥ वडविधुनहिसमानमुखमाहि ॥ मनहुकोधवसउगिलतनाहि ॥

॥ कोलकनालदसनघविगाई ॥ तनुविसालपीवनअधिकारि ॥

॥ घुनघुनातहयआनउपाऐ ॥ चकितविलोकतकानउठाऐ ॥

॥ दोहा ॥ नीलमहिधनसिधनसमदृषिविसालवनाहू ॥

॥ चपनिचलेउहयसुदुकिनृपहंकिनहोइनिवाहू ॥ १५६ ॥

॥ चौ ॥ आवतदृषिअधिकनविवाजी ॥ चलेउवनाहमनुतगतिभाजी ॥

॥ तुनतकीनृनृपसनसंधाना ॥ महिमिलिगऐउविलोकतवाना ॥

॥ तकिंतकितीनमहिपचलावा ॥ कनिष्ठलसुअनसनीनवचावा ॥

॥ प्रगटतदुनतजाइमृगभागा ॥ मिसवसअपचलेउसंगलागा ॥

॥ गएउदूषिधनगहनवनाहू ॥ जंहनाहिनगजवाजिनिवाहू ॥

॥ अतिअकेलवनविपुलकलेस ॥ तदपिनमृगमगतजेननेस ॥ ॥

॥ कोलविलोकिनृपवडधीना ॥ भागिपेठगिनिगुहागंभीना ॥

॥ अगमदृषिनृपअतिपथितरि ॥ फिनेउमहावनपनेउनुलाई ॥

॥ दोहा ॥ वेदविनृधुदितत्रिधितराजावाजिसमेत ॥ ॥ ॥

॥ योजतव्याकुलसनितसनजलविनुनऐउअचेत ॥ १५७ ॥

॥ चौ ॥ फिरतविपिनआश्रमऐकदेषा ॥ तहंवसनृपतिकपटमुनिवेषा ॥

॥ जासुदेसनृपलीनृघडाई ॥ ॥ ॥ समनसेनतजिगऐउपनाई ॥

॥ समयप्रतापनानुकनजानी ॥ आपनअतिअसमयअनुमानी ॥

॥ गये उन ग्रह मन बहुत गलानी ॥ मिलान नाजहि बहु अभिमानि ॥
 ॥ निस उन मानि न कजि मिना जा ॥ विपिन वसे ताप सके काजा ॥
 ॥ ता सुसमीप गवन नृप कीन्ह ॥ यहि प्रताप न विते हित वचीन्ह ॥
 ॥ नाउ त्रिषित सो नहि पहि चाना ॥ देखि सुवेष महामुनि जाना ॥
 ॥ उत्त नि तु नंग ते कीन्ह प्रनामा ॥ पनम चतु नन कहै उनि जनामा ॥

॥ दोहा ॥ भूपति त्रिषित विलोकिते हिस नवन दीन्ह दिषाई ॥

॥ मज्जन पान समेत हय कीन्ह नृपति हन घाई ॥ १५८ ॥ ॥

॥ चौ गइ अम सकल सुधी नृप न ऐडु ॥ निज आश्रम ताप सल यग ऐडु ॥
 ॥ आसन दीन्ह अस्तन विजानी ॥ पुनि ताप सवोले उम्र दुवानी ॥
 ॥ कोतु म्हुक सवन फिरहु अकेले ॥ सुंदर जुवा जीव पनहेले ॥
 ॥ चक्रवर्ति को लछन तोने ॥ देखत दयाला गि अति मोने ॥
 ॥ नाम प्रताप जानु अवन सीसा ॥ ता सुसचिव मे सुनहु मुनीसा ॥
 ॥ फिरत अहेने पने उनुलाई ॥ वडे नाग देखे उपदृष्टाई ॥
 ॥ हम कहें दुनल नदन सतुलाना ॥ जानत हैं कछु भल होनि हाना ॥
 ॥ कह मुनि तात न ऐडु अधिमाना ॥ जो जन सत्तनि नगन तुलाना ॥

॥ दोहा ॥ निसा घो नगं नीनवन पंथन सह सुजान ॥

॥ वसहु आजु अस जानितु म्हुजा ऐहु होत विहान ॥ १५९ ॥

॥ तुलसी जसि भवित व्यता तसित वमिले सहाई ॥

॥ आपुन आवै ताहि पहि किता हित हंले जाई ॥ १६० ॥

॥ चौ भलहि नाथ आपे सुध निसीसा ॥ बांधितु नंगत नुवै ठमहीसा ॥

॥ नृप बहु भौंति प्रसंसे उताही ॥ चरन बंदिनि जनाग्य सनाही ॥

॥ पुनि बोले उम्र दुगिना सुहाई ॥ जानि पिता प्रनुक नौ छिठाई ॥

॥ मोहि मुनीस सुत सेवक जानी ॥ नाथ नाम निज कहहु वधानी ॥

॥ तेहि न जान नृप नृपहि सो जाना ॥ भूप सुहृद सो कपट सयाना ॥

॥ बैरी पुनि छत्री पुनि नाजा ॥ छल बल कीन्ह चहै निज काजा ॥

॥ समुहि नाज सुष दुषित अनाती ॥ अवा अनल इव सुलगइ धाती ॥

॥ सनल वचन नृप के सुनिकाना ॥ वयन संभानि हृदय हन घाना ॥

॥ दोहा ॥ कपट बोनि वानी म्हुल बोले उजुगुति समेत ॥

वाल०

॥ ३३ ॥

॥ नामहमाननिधानिअवनिर्धननहितनिकेत ॥ १६० ॥
 ॥ चौकहनपजेविग्याननिधाना ॥ तुम्हसानिवेगलितअनिमाना ॥
 ॥ सदाहहिआपनपौंदुनाए ॥ सबविधिकुसलकुवेधवनाए ॥
 ॥ तेहितेकहहिसंतश्रुतिदेने ॥ ॥ पनमअकिंचनप्रियहनिकेने ॥
 ॥ तुम्हसमअधननिधानिअगोह ॥ होतविनंचिसिवहिसंदेहा ॥
 ॥ जोसिसोसितवचनननमामी ॥ मोपनकृपाकनिअअवस्वामी ॥
 ॥ सहजप्रीतिनूपतिकेदेखी ॥ ॥ आपुविषयविस्वासविसेधी ॥
 ॥ सबप्रकाननाजहिअपनाई ॥ बोलेउअधिकसनेहजनाई ॥
 ॥ सुनुसतिभावकहौंमहिपाला ॥ इहावसतवीतेवहुकाला ॥
 ॥ दोहा अवलगिमोहिनमिलेउकेउमेंनजनाडुंकाहु ॥
 ॥ लोकमान्यताअनलसमकरतपकाननदाहु ॥ १६१ ॥
 ॥ सोनठा तुलसीदेखिसुबेषु ॥ भूलहिभूछनचतुननन ॥
 ॥ सुंदरकेकिहियेसुवचनसुधासमअसनअहि ॥ १६१ ॥
 ॥ चौतातेगुपतरहौवनमाहि ॥ हमितजिकिमपिप्रयोजननाहि ॥
 ॥ प्रनुजानतसबविनहुजनाए ॥ कहहुकवनसिधिलोकनिहाए ॥
 ॥ तुम्हसुचिसुमतिपनमप्रियमोने ॥ प्रीतिप्रतीतिमोहिपनतोने ॥
 ॥ अवजोतातदुनावहुतोही ॥ ॥ दानुनदोषघटैअतिमोही ॥
 ॥ जिमिजिझितापसकथेउदासा ॥ तिमितिमिनपहिउपजविस्वासा ॥
 ॥ देखाखवसकर्ममनवानी ॥ ॥ तवबोलातापसबकध्यानी ॥
 ॥ नामहमानएकतननाई ॥ ॥ सुनिनपबोलेउपुनिसिनुनाई ॥
 ॥ कहहुनामकरअनयवधानी ॥ मोहिसेवकअतिआपनजानी ॥
 ॥ दोहा आदिस्वष्टिउपजीजवहितवउतपतिनइमेनि ॥
 ॥ नामएकतनुहेतुतेहिधरीनदेहवहोनि ॥ १६२ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ चौजनिआवनजुकनहुमनमाहि ॥ सुततपतेदुनलनकछुनाहि ॥
 ॥ तपवलतेजगस्वजैविधाता ॥ तपवलविष्णुभएपनिजात ॥
 ॥ तपवलसंचुकनहिसंधाना ॥ तपवलसेषधनैमहिभाना ॥
 ॥ तपअधानसवसृष्टिनुआना ॥ तपतेअगमनकछुसंसाना ॥

॥ नयेहुन पदिसुनि अति अनुराग ॥ कथा पुरातन कहै सो लाग ॥
 ॥ कनमधनम इति हास अनेका ॥ कैने निरूपन विनति विवेका ॥
 ॥ उद्वन वपालन प्रलय कहानी ॥ कहै सि अमित आचर जवानी ॥
 ॥ सुनिमही सताप सव सन्नयेउ ॥ आपन नाम कहन तव लयेउ ॥
 ॥ कहताप सन पजानहु तोही ॥ कीन्हहु कपट लाग मल मोही ॥
 ॥ सो नठा ॥ सुनुमही सअसनीति ॥ जहंत हं नामन कहहि नय ॥
 ॥ मोहितोहि पन अति प्रीति ॥ सोइ चतुन ता विचानित व ॥ १६३ ॥
 ॥ चो नामनु ह्यान प्रताप ताप दिनेसा ॥ सत्य के तुत वपितान नेसा ॥
 ॥ गुनु प्रसाद सव जानि अराजा ॥ कहिअन आपन जानि अकाजा ॥
 ॥ देखितात तव सहज सुधाई ॥ ॥ ॥ प्रीति प्रतीति नीति निपुनाई ॥
 ॥ उपजिय नीम मतामन मोने ॥ कहहुं कथानि जंघे हंतोने ॥
 ॥ अब प्रसन्न मे संसय नाहीं ॥ मांगु जो रूप नाव मन माहीं ॥
 ॥ सुनि सुवचन रूपति हन खाना ॥ गहि पद विनय कीन्हि विधाना ॥
 ॥ कृपा सिंधु मुनि दन सन तोने ॥ चापि पटान थकन तल मोने ॥
 ॥ प्रनुहित थापि प्रसन्न विलोकी ॥ मांगि अगम वनु होहु असे की ॥
 ॥ दोहा ॥ जनामन न दुख न हित तनु सम न जिते नीह कोउ ॥
 ॥ एक छत्र निपुहान महिना जकल पसत होउ ॥ १६४ ॥
 ॥ चो कहताप सन पये सेउ होउ ॥ कानन ऐक कठिन सुनु सोउ ॥
 ॥ कालो तुअ पदना इहि सीसा ॥ एक विप्र कुल छंडि महीसा ॥
 ॥ तप बल विप्र सदाव मिआना ॥ तिन्ह के कोपन कोउ न बवाना ॥
 ॥ जो विप्र नृव सकनो न नेसा ॥ तो तुअ वस विधि विष्णु महेसा ॥
 ॥ कस्तन ब्रह्म कुल सन वनि आई ॥ सत्य कहो दोउ नु जाउ ठाई ॥
 ॥ विप्र सार्थ विनु सुनु महिपाला ॥ तो न नासन हि कवने हु काला ॥
 ॥ हन येउ नाउ वचन सुनितास ॥ नाथन होइ मोन अब नास ॥
 ॥ तव प्रसाद प्रनु कृपानिधाना ॥ मोकहु सर्व काल कल्पाना ॥
 ॥ दोहा ॥ एवमस्तु कहि कपट मुनि बोला कुटिल व होनि ॥
 ॥ मिलवहु मान भुलावनि जकलहु तह महिन बोनि ॥ १६५ ॥
 ॥ चो ताजे मे तोहि वन जहुनाजा ॥ कहै कथा तव पन मअ काजा ॥

वाल०

॥३४॥

॥ छठे श्रवन पर पन तक हानी ॥ नास तुलान सत्य मम वानी ॥
 ॥ यह प्रगटे अथवा द्विज सापा ॥ नास तो न सुनु नानु प्रतापा ॥
 ॥ आन उपाय निधन तवनहि ॥ जोहि न हन को पहि मन माहि ॥
 ॥ सत्य नाथ यह गहि न पनाषा ॥ द्विज गुनु को पकहु को नाषा ॥
 ॥ नाथै गुनु जो को पविधाता ॥ गुनु विना धनहि को उजगत्राता ॥
 ॥ जो न चल वहम कहै तुलाने ॥ होउ नासनहि सोच हमाने ॥
 ॥ एकहि डन डत पतमनु मोना ॥ प्रभु महि देवशाप अति धोना ॥
 ॥ दोहा ॥ होहि विप्रवसक वन विधिक रहहु कृपा कनि सोइ ॥
 ॥ तुम्ह तजि दीन दयाल ॥ निज हित न देखे कोइ ॥
 ॥ चो सुनु नृप विविध जतन जग माहि ॥ कष्ट साध्य पुनि होहि किनाहि ॥
 ॥ अरु एक अति सुगम उपदि ॥ तहां पनं तु एक कठिनाई ॥
 ॥ सम आधीन जु गति न पसे ॥ मोन जावत वन गन न होई ॥
 ॥ आजु लगे अनुजव ते नये ॥ काहु के ग्रह ग्राम न गये ॥
 ॥ जो न जाउ तो होउ अकाजू ॥ वना आइ असमंजस आजू ॥
 ॥ सुनि मही सवैले मुदु वानी ॥ नाथ निगम असनीति वधानी ॥
 ॥ वडे सेने हलधुन पन कनहीं ॥ गिरि निज सिन सदा तरण धरहि ॥
 ॥ जल अगाध मौलि वह फेनू ॥ संतत धन निधन तसि न नू ॥
 ॥ दोहा ॥ अस कहि गेहे न सपद स्वामी होहु कृपाल ॥
 ॥ मोहिल गि दुष सहि प्रभु सज्जन दीन दयाल ॥
 ॥ चो जानि नृपहि आपन आधीना ॥ बोलाता पसक पट प्रवीना ॥
 ॥ सत्य कहौ नृपति सुनु तोहि ॥ जग नाहिन दुर्लभ कछु मोहि ॥
 ॥ अवसिका जमै कनिहु तोना ॥ मन क्रमवचन नैत तुम्ह मोना ॥
 ॥ जोग जु गुति तप मंत्र प्रनाउ ॥ फलै तवहि जव कनि अदुराउ ॥
 ॥ जो न रे समै कनहु न सोई ॥ तुम्ह पनु सहु मोहि जान न कोई ॥
 ॥ अन्न सो जोइ जोइ नो जन कनई ॥ सोइ सोइ तव अग्र सु अनुसनई ॥
 ॥ पुनि तिरु के ग्रह जे वैकुण्ठ ॥ तव वस होइ नृप सुनु सोउ ॥
 ॥ जाइ उपाय न चहु नृप येह ॥ संवत न निसंकल्प कनेह ॥
 ॥ दोहा ॥ नित नूतन द्विज सहस सतवनेहु सहित पनिवान ॥

॥ मैतुम्हने संकलप लगि दिनहि कन वजे वनान ॥ १६८ ॥
 ॥ चौ ऐहि विधि रूप कळक निथोने ॥ होइ हि स कल विप्र वसतोने ॥
 ॥ कनिह हि विप्र होम मध सेवा ॥ तेहि प्रसंग सहज हि वसदेवा ॥
 ॥ अवन ऐक तोहि कहैं लयाउ ॥ मै ऐहि वेष न आउ वकाउ ॥
 ॥ तुम्हने उपनोहित कहु नाया ॥ हनि आन व मै कनि निज माया ॥
 ॥ तप वल तेहि कनि आ पुस माना ॥ नखि हों इहा व न पन वाना ॥
 ॥ मै धनि ता सुवेष सुनु नाजा ॥ सर्व विधि तो न सवान वकाजा ॥
 ॥ गइ निसि बहु तप न अ वकीजे ॥ मोहितो हि रूप नेट दिन तीजे ॥
 ॥ मै तप वल तोहितु न गस मेता ॥ पहुचैं हों सो वत हि नि केता ॥
 ॥ दोहा मै आउ व सोइ वेष धनि पहि चोने हुत व मोहि ॥
 ॥ जव एकांत वोलाइ सव कथा सुनावहु तोहि ॥ १६९ ॥
 ॥ चौ सयन कीन्ह नृप आ पसु मानि ॥ आसन जाइ वैठ छल ग्यानी ॥
 ॥ अमित रूप निद्रा अति आई ॥ सो किमि सो अ सो च अधिक आई ॥
 ॥ काल के तु निसि चरत ह आवा ॥ जेहि स्वन होइ नृप हिनु लावा ॥
 ॥ एन म मित्र ताप सनृप केना ॥ जौ नै सो अतिक पट घनेना ॥
 ॥ तेहि के सत सुत अनुद स नार्द ॥ बल अति अजय देव दुषट् आई ॥
 ॥ प्रथम हि रूप समन सव माने ॥ विप्र संत सुनै देखि दुखोने ॥
 ॥ तेहि बल पाछिले वन समुना ॥ ताप सनृप मिलि मंत्र विचारना ॥
 ॥ जेहि निपुण्य सोइ नचेरु उपाउ ॥ नावी वसन जान कछु नाउ ॥
 ॥ दोहा निपुते जसी अकेल अपिल घुकनि गनि अन ताहु ॥
 ॥ अजहु देत दुषन विससि हि सिन अ वसे बितनाहु ॥ १७० ॥
 ॥ चौ ताप सनृप निज सखि निहारी ॥ हनखि उठे उमिलि न ऐउ सुखारी ॥
 ॥ मित्र हि कहि सव कथा सुनार्द ॥ जानु धान वोला सुष पाई ॥
 ॥ अवसाधे हुनि पुसुन हुन नैसा ॥ जौ तुम्ह कीन्ह मोन उपदेसा ॥
 ॥ पनि हनि सोचन चहु तुम्ह सोई ॥ विनु ओषध हि व्याधि विधि सोई ॥
 ॥ कुल समेत निपु मूल वहाई ॥ चौथे दिवस मिलव मै आई ॥
 ॥ ताप सनृप हि बहुत पनितोषी ॥ चला महा कपटी अति नोषी ॥
 ॥ जानु प्रताप हि वाजि समेता ॥ पहुचा ऐसि छन माह नि केता ॥

वाल०

॥३५॥

॥ नृपहिनानिपहिसयनकनाई ॥ ॥ हयग्रहवांघिसिवाजिवनाई ॥

॥ दोहा नाजाके उपनोहितहिहिनिलद्रगएउवहोनि ॥

॥ लैनोषेसिगिनिषोहमहुं मायाकनिमतिमोनि ॥ १७१ ॥

॥ चौआपुविनचे उपनोहितनूपा ॥ पनेउजाइतेहिसेजअनूपा ॥ ॥ ॥

॥ जागेउनपअननएउविहाना ॥ देखिन्नवनअतिअचनजुमाना ॥

॥ मुनिमहिमामनमहअनुमानी ॥ उठेउगवहिजेहिजानननानी ॥

॥ काननगएउवानिचछितेहि ॥ पुननननानिनजानेउकेहि ॥ ॥ ॥

॥ गऐजामजुगनूपतिआवा ॥ घनघनउतसववाजवधावा ॥

॥ उपनोहितहिदीषजवनाजा ॥ चकितविलोकिसुमिनिसोकाजा ॥

॥ जुगसमनृपहिगएदिनतीनी ॥ कपटीमुनिपटनहमतिलीनी ॥

॥ समयजानिउपनोहितआवा ॥ नृपहिमतेसवकहिसमुहावा ॥

॥ दोहा नृपहनयेउपहिवानिगुनुअमवसनहानचेत ॥

॥ बनेतुनतदससहसवनविप्रकुटुंबसमेत ॥ १७२ ॥

॥ चौउपनोहितजेवनानवनाई ॥ छनसचानिविधिजसिश्रुतिगाई ॥

॥ मायामयतेहिकीन्हिनसोई ॥ विंजनवहुगनिसकैइनकोई ॥ ॥

॥ विविधमृगनरुकनआमिषनांथा ॥ तेहिमहुंविप्रमांसखलसांथा ॥

॥ भोजनकहुसवविप्रबोलाए ॥ पटपषानिसादनवेठाए ॥ ॥ ॥ ॥

॥ पनुसनजवहिलागमहिपाला ॥ नैअकासवानीतेहिकाला ॥ ॥

॥ विप्रविंदुउठिउठिग्रहजाहू ॥ हेवडिहानिअन्नजनिषाहू ॥ ॥ ॥

॥ नऐउनसोईनूसुनमांस ॥ सवद्विजउठेमानिविस्वांस ॥ ॥

॥ नृपविकलमतिमोहनुलानी ॥ भावीवसनआवमुखवानी ॥ ॥ ॥

॥ दोहा बोलिविप्रसकोपतवनहिकछुकीन्हविचान ॥

॥ जाइनिसाचनहोहुनुममूखसहितपनिवान ॥ १७३ ॥

॥ चौछत्रबंधुतेविप्रबोलाई ॥ घालैलिएसहितसमुदाई ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ईस्वननोषे उधनमहमाना ॥ जेहसितैसमेतपनिवाना ॥ ॥ ॥ ॥

॥ सेवतमध्यनासतवहोउ ॥ जलदाताननहिहिकुलकोउ ॥

॥ नृपसुनिसापविकलअतिरासा ॥ भैवहेनिवनगिनाअकासा ॥ ॥

॥ विप्रहुसापविचानिनदीन्ह ॥ नहिअपनाधनृपकछुकीन्ह ॥

॥ चकितविप्रसवसुनिननबंनि ॥ नूपगएउजहंनोजनबंनि ॥
 ॥ तहंअसननहिविप्रसुआना ॥ फिनेउनाउमनसोचअपाना ॥
 ॥ सवप्रसंगमहिसुननसुनाई ॥ त्रिसितपनेउअवनीअकुलाई ॥
 ॥ दोहा नूपतिजाविमिटहिनहिजदपिनदूषनतोना ॥
 ॥ कियेअन्यथाहोइनहिविप्रसापअतिघोन ॥ १७४ ॥
 ॥ चौ जोकनिकपटघलेजगकाहू ॥ देइहिईसअधमगतिताहू ॥ ॥ ॥
 ॥ विप्रवचनसुनिनूपअकुलाना ॥ उठिपुनिविनयकीनहिविधिनाना ॥
 ॥ पुनिपुनिपटगहिकहेनुआला ॥ सापअनुग्रहकरहुक्रपाला ॥ ॥
 ॥ जवतुमहोवनिसाचनजाई ॥ ब्रह्मवंसतामसतनुपाई ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ अजनअमनअतुलितप्रभुताई ॥ जगविष्यातवीनहोउनाई ॥ ॥ ॥
 ॥ होइहहिठवनपनान्नवचनी ॥ तवतुमहसेउवदेवपुनानी ॥ ॥ ॥
 ॥ सिवप्रसादवलपाइवहेनी ॥ होइहिसवजगप्रभुतातोनी ॥ ॥
 ॥ मिलिहहितोहिजवसनतकुमाना ॥ तवतुमसमुदवसापहमाना ॥
 ॥ दोहा तुमहपूँछवतवसापनिजसादनसुनहुननेस ॥
 ॥ सवपनिवानउधानतवहोइहिमुनिउपदेस ॥ १७५ ॥
 ॥ चौ असकहिसवमहिदेवसिधोए ॥ समाचानपुनलोगनहूपाए ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ सोचहिदूषनदेवहिदेही ॥ विनचहिहंसकागकियेजेहि ॥ ॥
 ॥ उपनोहितहिचवनपहुचाई ॥ असुनतापसहिषवनिजनाई ॥ ॥
 ॥ तेहिषलजहंतहंपत्रपठाए ॥ सजिसजिसेननूपसवधाए ॥
 ॥ घेनेन्हिनगननिसानवजाई ॥ विविधनौतिनितहोइलनाई ॥ ॥
 ॥ जूहेसकलसुनटकनिकननी ॥ बंधुसमेतपनेउनपधननी ॥ ॥ ॥
 ॥ सत्यकेतुकुलकोउवौचा ॥ विप्रसापकिमिहोइअसौचा ॥ ॥
 ॥ निपुजितिसवनपनगनवसाई ॥ निजपुनगवनेजयजसुपाई ॥ ॥
 ॥ दोहा ननद्वजसुनुजाहिजवहोइविधातावाम ॥ ॥ ॥
 ॥ धूनिमेनुसमजनकजमताहिव्यालसमदाम ॥ १७६ ॥
 ॥ चौ कालपाइअवसुनुसोइनाजा ॥ नयेउनिसाचनसहितसमाजा ॥
 ॥ हससिनताहिवीसनुजदंडा ॥ नावननामवीनवनिवंडा ॥ ॥ ॥ ॥

वाल०

॥३६॥

॥ नूपञ्चनुजअनिर्मदैननामा ॥ ॥ भएहुसोकुंनकनवलधामा ॥ ॥
 ॥ सचिवजोनहाधर्मनुचिजास् ॥ ॥ भएउविमात्रबंधुलघुतास् ॥ ॥
 ॥ नामविभीषनजेहिजगजान ॥ ॥ विष्णुनगतविग्याननिधाना ॥ ॥
 ॥ नहेजेसुतसेवकनृपकेने ॥ ॥ भएनिसावनघोनघनेने ॥ ॥
 ॥ कामनूपछलजिनसिअनेका ॥ ॥ कुटिलनयंकनविगतविवेका ॥ ॥
 ॥ कृपानहितनिसंकसवपापी ॥ ॥ वननिनजाइवित्त्वपनितापी ॥ ॥
 ॥ दोहा ॥ उपजेजटपिपुलस्त्यकुलपावनअमलअनूप ॥
 ॥ तटपिमहिसुनसापवसन्नऐसकलअधनूप ॥ ॥
 ॥ चौकीनरुविविधतपतीनिउनाई ॥ ॥ पनमउग्रनहिवननिसोजाई ॥ ॥
 ॥ गऐउनिकटतपट्टेधिविधाता ॥ ॥ मांगहुवनप्रसन्नमैताता ॥ ॥
 ॥ कनिविनतीपट्टगहिदससीसा ॥ ॥ बोलेउवचनसुनहुजगदीसा ॥ ॥
 ॥ नाथकृपाकनिकनहुपसाउ ॥ ॥ समनपनान्नबहोइनकाउ ॥ ॥
 ॥ हमकाहूकेमनहिनहिमाने ॥ ॥ वाननमनुजजातिदोइवाने ॥ ॥
 ॥ एवमस्तुतुमवडतपुकीनरु ॥ ॥ मैब्रह्मामिलितेहिवनदीनरु ॥ ॥
 ॥ पुनिप्रभुकुंनकननपहिगऐउ ॥ ॥ तेहिविलोकिमनविसमयभेउ ॥ ॥
 ॥ जोइहयलनितकनवअहानू ॥ ॥ होइहिसवउजानिसंसाहू ॥ ॥
 ॥ सानदप्रेनितासुमतिफेनी ॥ ॥ मांगेसिनीदमासषटकेनी ॥ ॥
 ॥ दोहा ॥ गऐविभीषनपासपुनिकहेउपुत्रवनमांगु ॥
 ॥ तेहिमांगेउन्नगवंतपट्टकमलअमलअनुनागु ॥ ॥
 ॥ चौतिनरुहिदेइवनब्रह्मसिधाऐ ॥ ॥ हनधिततेअपनेग्रहआऐ ॥ ॥
 ॥ मयतनुजामंदोदनिनामा ॥ ॥ पनमसुंदरीनानिललामा ॥ ॥
 ॥ सोइमयदीनरुनावनहिआनी ॥ ॥ होइहिजातुधानपतिनानी ॥ ॥
 ॥ हनधितनऐउनानिन्नलिपाई ॥ ॥ पुनिदोउबंधुविवाहेसिजाई ॥ ॥
 ॥ गिनित्रिकूटऐकसिंधुमहानी ॥ ॥ विधिनिर्मितदुर्गमअतिभानी ॥ ॥
 ॥ सोइमयदानववहुनिसंबाना ॥ ॥ कनकनचित्तमनिन्नवनअपा ॥ ॥
 ॥ भोगावतिजसिअहिकुलवासा ॥ ॥ अमनावतिजसिसाक्रनिवासा ॥ ॥
 ॥ तिनरुतेअधिकनम्यअतिवका ॥ ॥ जगविष्यातनामतेहिलंका ॥ ॥

॥ दोहा ॥ साइसिंधुगंजीनअतिचानिहुदिसिफिनिआव ॥
 ॥ कनककोटमनिषचितदूखवननिजाइवनाव ॥ १११ ॥
 ॥ हनिप्रेनितजेहिकलपजोइजानुधानपतिहोइ ॥
 ॥ स्सनप्रतापीअतुलवलदुलसमेतवससोइ ॥ ११२ ॥
 ॥ चौ नहेतहांनिसिचननटनाने ॥ तेसवसुनरुसमनसेहाने ॥
 ॥ अवतहंनहिसक्रकेप्रेने ॥ ॥ नष्टककोटिजघपतिकेने ॥
 ॥ हसमुखकवहुषवनिअसिपाई ॥ सेनसाजिगछेनेसिजाई ॥
 ॥ देखिविकटनटवडिकटकाई ॥ जघजीवलैगऐउपनाई ॥
 ॥ फिनिसवनगनदसाननदेखा ॥ गऐउसोचमुखनऐउविसेया ॥
 ॥ सुंदरसहजअगमअनुमानी ॥ कीन्हतहांनावननजधानी ॥
 ॥ जेहिजसजोगवांदिग्रहदीने ॥ सुधीसकलनजनीचनकीने ॥
 ॥ ऐकवानकुवेनपहिधावा ॥ ॥ पुष्यकजानजीतिलेआवा ॥
 ॥ दोहा ॥ कौतुकहैंकोलासपुनिलीन्हिसिजाइउठाइ ॥
 ॥ मनहुतोलिनिजवाहुवलचलावहुतसुषुपाइ ॥ ११३ ॥
 ॥ चौ सुषसंपतिसुतसेनसहई ॥ जयप्रतापवलबुधिवडाई ॥
 ॥ नितनूतनसववाछतजाई ॥ जिमिप्रतिलाभलोन्नअधिकई ॥
 ॥ अतिवलकुंनकननअसआता ॥ जेहिकहुंनहिप्रतिनटजगजाता ॥
 ॥ कनमदपानसोवैषटमासा ॥ जागतहोइतिहूपुनत्रासा ॥
 ॥ जोदिनप्रतिअहानकनसोई ॥ विश्ववेगिसवचउपटहोई ॥
 ॥ समनधीननहिजाइवखाना ॥ तेहिसमअमितवीनवलवाना ॥
 ॥ वानिदनादृजेठसुततास ॥ ॥ नटमहुंप्रथमलीकजगजास ॥
 ॥ जेहिनहोइननसनमुखकोई ॥ सुनपुननितहिपनावनहोई ॥
 ॥ दोहा ॥ कुमुखअकंपनकुलिसनदधूमकेतुअतिकाय ॥
 ॥ ऐकऐकजगजीतिसकअैसेसुनटनिकाय ॥ ११४ ॥
 ॥ चौ कामरूपजानहिसवमाया ॥ सपनेहुजिन्हकेधनमनदाया ॥
 ॥ हसमुखवेठसन्नाऐकवाना ॥ देखिअमितआपनपनिदाना ॥
 ॥ सुतसमूहजनपनिजननाती ॥ गनैकोपाननिसाचनजाती ॥
 ॥ सेनविलोकिसहजअभिमानि ॥ बोलावचनक्रोधमदसानि ॥

॥ सुनहु सकल नजनीचनजूथा ॥ ॥ हमने बैनी विबुध वनूथा ॥ ॥
 ॥ तेसन मुख नहि कन हिलनाई ॥ ॥ देखि सवल निपुजाँहि पनाई ॥ ॥
 ॥ तिन्ह कन मनन ऐक विधि होई ॥ ॥ कहहुं बुद्धा सुतहु अव सोई ॥ ॥
 ॥ दिज नो जनम यहो मसनाथा ॥ ॥ सब कै जाइ कनहु तुम्ह वाधा ॥ ॥

॥ दोहा ॥ छुधा छिनवल हीन सुन सहज हिमिलिह हिआई ॥

॥ तव मानिहौं किछुँ डिहौं नली नौति अपनाइ ॥ १८२ ॥

॥ चौमेघनाद कहुं पुनिह कनावा ॥ ॥ दीन्हि साख वलुव यउ वखावा ॥ ॥
 ॥ जे सुन समनधीन बलवाना ॥ ॥ जिन्ह के लनिवे कन अनिमाना ॥ ॥
 ॥ तिन्ह हिजीति नन आनि सुवाधी ॥ ॥ उठि सुतपितु अनुसासन काधी ॥ ॥
 ॥ ऐहि विधि सब ही अग्यादीन्ह ॥ ॥ आपुन चले उगटा कनलीन्ह ॥ ॥
 ॥ चलत दसानन डोलत अवनी ॥ ॥ गर्जत गर्भ सखि सुनन वनी ॥ ॥
 ॥ नावन आवत सुने उसकोहा ॥ ॥ देव नृत के मेनुगिनि सोहा ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ दिगपालन्ह के लोक सुहाये ॥ ॥ स्तने सकल दसानन पाये ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ पुनि पुनि सिंहनाद कन भारी ॥ ॥ देइ देवतन्ह गानि प्रचारी ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ ननमद मत्त फिरै जगधावा ॥ ॥ प्रतिनट खोजत कतहुन पावा ॥ ॥
 ॥ नानद मिले कहै सिमुसुकाई ॥ ॥ देव कहँ मुनि देहु दिखाई ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ सुनत अनधुनान दहिन भावा ॥ ॥ खेत दीपति हितुन तपठावा ॥ ॥
 ॥ सागन उत निपान सो गऐउ ॥ ॥ नानि विंदत हँ देखत भपेउ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ तिन्ह सन कहा पतिन पहिजाहू ॥ ॥ कहै उकि आवनि साचन नाहू ॥ ॥
 ॥ तव मै तिन्ह हिजीति संग्रामा ॥ ॥ लै जै हउ तुम्ह को निज धामा ॥ ॥
 ॥ सुनत वचन ऐक जन ठनि सति ॥ ॥ धाइ चनन गहि गगन उडानी ॥ ॥
 ॥ गई दूनि धनि धनि हक होना ॥ ॥ डनिसि सिंधु मध्य अति जोना ॥ ॥
 ॥ दोहा ॥ गयो पताल अचेत होइ मने न विप्र प्रसाद ॥

॥ सावधान उठि गर्जि पुनि हिऐ न हर्ष विषाद ॥ १८३ ॥

॥ चौ जीते सिनागन गन सब हानी ॥ ॥ गऐउ वहुनि वलिल लोक सुनारी ॥ ॥
 ॥ वामन नावन आवत जाना ॥ ॥ किऐ देव निधिसन अनिमाना ॥ ॥
 ॥ खेलत नहेन गनसि सुनाना ॥ ॥ निज बल तिन्ह हिदीन्ह नगवाना ॥ ॥
 ॥ धाइ धरा तिन्ह पुन लै आऐ ॥ ॥ नगन नापिन न देखे नुधाऐ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ वीसवाहुदसकंधनजाहि ॥ ॥ विधियहगठनिकहंकेअहि ॥
 ॥ नाथेन्हिवांधिषिहावहिनानी ॥ नामनकहैसहेवनुमानी ॥ ॥
 ॥ रामनदीसबहुतसकुचाना ॥ तवघँडाइदिअक्रपानिधाना ॥
 ॥ चलातुनंतनिसाचननाहा ॥ ॥ लाजसंकनहिकधुमनमाहा ॥
 ॥ दोह ॥ अतिनिलज्जदायानहितहिंसापनअतिप्रीति ॥
 ॥ नामविमुषदसकंठसठतापनचाहतिजीति ॥ ॥
 ॥ जनद्वजसुनुजाहिजवहोइविधातावाम ॥ ॥
 ॥ कनककंचहोइजाइजगलहैनकोडीदाम ॥ १२४ ॥
 ॥ चौजहंकहुंफिनतदेवद्विजपावे ॥ इंडलेइवहुत्रासदियावे ॥ ॥
 ॥ ऐहिआचननफिनहिदिनराती ॥ महाघोनमयबलउत्तपाती ॥
 ॥ तवतुनंतपंपापुनआवा ॥ ॥ बालिनामकपिपतिजेहिठावा ॥
 ॥ दीसजाइकससनवनसोभा ॥ जेहिमनमहामुनिरुकाखेला ॥
 ॥ तहांकपीसकनैनिजध्याना ॥ आइनसहसंध्यासनमाना ॥ ॥
 ॥ जाइठाछतहमानजनीसा ॥ ठोकेउवाहुगर्जिनुजवीसा ॥ ॥
 ॥ तवकपीसचितवामुसुकाई ॥ ध्यानकेअवसननिसविसनाई ॥
 ॥ तवनावनबोलाकनिक्रोधा ॥ वकध्यानीकपिसठसुनुवोधा ॥
 ॥ दोह ॥ मोहिजितेविनुसमनसुनुनकउध्यानपतिकीस ॥
 ॥ अंजुलिदेइनपाइहैसपथकनौअजईस ॥ १२५ ॥ ॥
 ॥ चौतवेबालिवोलाविहसाई ॥ बलतुम्हानअसैइहइनाई ॥ ॥
 ॥ नविअंजुलिमेदेउसप्रीती ॥ ठाछहोहुजापेहुमोहिजीती ॥ ॥
 ॥ तवनिमिचनपतिउठेउनिसाई ॥ देकपिजुछछाडुकैदनाई ॥ ॥
 ॥ तवहिकीसपतिमनहिविचारा ॥ सिवबलदीनूमनिहिनहिमारा ॥
 ॥ दसकंधनघनजाहुविचानी ॥ अजयतुम्हानिसुनीविधिचानी ॥
 ॥ बहुतभौतिवालीसमुहावा ॥ कौनेहुनौतिवोधनहिआवा ॥ ॥
 ॥ तवसकोपहोइउठेउकपीसा ॥ धनितेहिकौषचापिदससीसा ॥
 ॥ अंजुलिदीनूरविहिमनजानी ॥ अचवासातउदधिकनपानी ॥
 ॥ जपेउआदिसंकनमनजानी ॥ तेहिघनसंध्यावदिसिनानी ॥
 ॥ दोह ॥ आवाघनहिकपीसतवकौषनहालकेस ॥
 ॥ ऐहिविधिवीतेमासघटपावेवहुतकलेस ॥ १२६ ॥

बाल०

॥३८॥

॥ तेइकलेसवसकनैउपाई ॥ ॥ तहंनचलहिकछुआतुनताई ॥
 ॥ बहुप्रसेदकषनीमहुजामा ॥ ॥ अतिकुवासतहंनैअयधामा ॥
 ॥ कलमलाइनिसदसनरुकाटा ॥ कचकनजीवमनुहुअमछाटा ॥
 ॥ ऐकदिवसनविअंजुलिसाजा ॥ कांयतेनिसनिमहाधुनिगाजा ॥
 ॥ तवपुनिधनिकपीससोबांधा ॥ लैआयेउअंगदकेनांधा ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ वीसनुजाइससीससुधाना ॥ चननहोउपुनिधनिउनमाना ॥
 ॥ धनिसमेटिहूमनिसमकीन्ह ॥ बांधिसेजपनसोचाहीन्ह ॥ ॥ ॥
 ॥ अंगदखेललातसिनमानी ॥ किलकिलाइकिलकेकिलकानी ॥
 ॥ दोहातानाचीन्हेउनावनहितिहिछनहीन्हछुडाइ ॥

॥ जाहुतुनतलंकेसग्रहवहुनिधनिहिकपिनाइ ॥ १७ ॥

॥ चौपुनिनावनआवातिहिठाई ॥ सहसबाहुजहंनसवनाई ॥
 ॥ जलक्रीडाकनैसंगसवनानी ॥ विविधनैतिसोभातहंनानी ॥
 ॥ आइनचामंडलजहंनेवा ॥ सुननननागकनहिसवसेवा ॥
 ॥ जाइदीयनावनसुषनाना ॥ हनयसमेतहुइयसुषमाना ॥
 ॥ तहंलंकेसजाइसिवदेखा ॥ मनहुविनंचिनचेउवहुनेखा ॥
 ॥ तुलसीकमलपत्रसवआना ॥ विल्वपत्रअनुपुष्यप्रमाना ॥ ॥ ॥
 ॥ जाइकेजलछेमेउइससीसा ॥ योनेउमंत्रसुमिनिगोनीसा ॥ ॥

॥ दोहाजवप्रचंडजलछेमेउवूडैलागसमाज ॥ ॥ ॥ ॥

॥ सहसबाहुमनसंकअतिसकलत्रियनउनलाज ॥ १८ ॥

॥ चौतवनाजासनबोलहिनानी ॥ अतिसुदनसवनाजकुमानी ॥
 ॥ सुनहुनपतिआवाकोगाछा ॥ आकसमाइमहानहवाछा ॥
 ॥ सुनिनाजहिनाक्रोधअपाना ॥ जसत्रिनेत्रत्रिपुनकहजाना ॥
 ॥ जाइदीयनावनतहंठाछा ॥ जासुमंत्रजनुजलनिधिवाछा ॥
 ॥ मायाप्रवलमहावलनानी ॥ लंकेस्वनकहधनिसिप्रचानी ॥
 ॥ लैपुनिबांधिगएउत्रिअपासा ॥ गठनिदेधिसवपनमहुलासा ॥
 ॥ कनिअस्नानपूजिगोनीसा ॥ हयसालाबांधिसिदससीसा ॥
 ॥ लज्जितदुष्टमष्टकनिहई ॥ निसउनमानिकष्टवहुसहई ॥

॥ दोहा ॥ सुनुगिनिजापावनपनमअवयहकथानसाल ॥

॥ लैहयसालाबांधेसिवीसनुजाइसनाल ॥ १८ ॥

॥ सकल आइ देय हि न न नानी ॥ ॥ मानहि तात ह सहि देतानी ॥
 ॥ नामन कहै न है सकुचानी ॥ ॥ बहुविधि पूछहि न पति सुजानी ॥
 ॥ नृत्य करहि न जादिक नानी ॥ ॥ इसहु माथ इसटो पकवानी ॥
 ॥ कछु कहि वसये हि नौति गवावा ॥ सो पुलस्त्य मुनि जाइ छडावा ॥
 ॥ चलानु नंत महा अभिमानी ॥ ॥ नल कै साप आइ नि अनानी ॥
 ॥ मान गजात दीष विबुधानी ॥ ॥ अति अनूप सुंदर वन नानी ॥
 ॥ बंदन पुष्प पत्र कन शानी ॥ ॥ पूजइ चली जाइ त्रिपु नानी ॥
 ॥ देखि उन वसी मन सकुचानी ॥ ॥ तव नावन वोला म्रदु वानी ॥
 ॥ कोनु मकल गवन त्रिपकीन्ह ॥ लज्जा वसते हि उतनु नदीन्ह ॥

॥ दोहा ॥ निकट जाइ इस कंधन गहि अंक मन्न निलीन्ह ॥

॥ पुत्रवधू सो कुवेन के नहि विचान कुछु कीन्ह ॥ १८० ॥

॥ चौबीन्हि त्रियहि मन संका आई ॥ घाटिकर्म कीन्ह उपधिताई ॥
 ॥ मन पधिताइ सोच उन न ऐउ ॥ लंके स्वन लंका कह गऐउ ॥
 ॥ चली उर्विसी आई तहां ॥ ॥ अलका पुन नल कूवन जहां ॥
 ॥ समाचान सब पति हि सुनावा ॥ सुनी कथा मन मह दुष पावा ॥
 ॥ दीन्ह साप कनि क्रोध अपाना ॥ नावन वंस होइ छय काना ॥
 ॥ चली साप लंका मह आई ॥ ॥ इस कंधन वैठे उजेहि ठाई ॥
 ॥ आगे आइ ठाछिन इस पाए ॥ तवलंके स्वन अति नय कोपा ॥
 ॥ सडन सकोप चित्त वते हि श्री ॥ नल कूवन के साप अति धोना ॥

॥ दोहा ॥ सापहि अंगी कान कनि मन मह कीन्ह विचान ॥

॥ निधिन्ह उडन हि दीन्ह उने छे उलंकनु आन ॥ १८१ ॥

॥ चौदूत चानिते हि पठ वन्न वानी ॥ जागवलिक मुनि कथा वषानी ॥
 ॥ आऐ दूत निधिन्ह के गेहा ॥ ॥ देखत सब हि न ऐउ संदेहा ॥
 ॥ पूछहि निषय कह पगुधाना ॥ कहहु कुसल लंके सनु आना ॥
 ॥ तात कुसल अवनै विपनीता ॥ तुम्ह सन्ह मांगे निहं उअनीता ॥
 ॥ देहु उअस कहै निहिसाई ॥ कै गिनिके दन जाहु पनाई ॥
 ॥ सुनिअ सब चन सब हि दुष पावा ॥ गुनत ऐकतिरूप मगावा ॥
 ॥ सब मिलिक निविचान ऐक ठाए ॥ ननिघटनु धिन निषय ले आये ॥

वाल०

॥३८॥

॥ दूत नरु कहसौ पामन जानी ॥ ॥ ॥ होइ सको पबोले म्रदुवानी ॥

॥ दोहा ॥ घट उघनत छय होइ हासहित सकल पनिवान ॥

॥ लेइ दूत आयेत हां जहलं के सनु आन ॥ १८२ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ चौ जिहि दूत वाननीति नहि नाई ॥ बल मंडली जुनी तहं आई ॥ ॥

॥ आये दीख दूत जव नावन ॥ ॥ ॥ पन महुला सन एउ मन भावन ॥

॥ आगे आनि घट धना उत्तारी ॥ ॥ ॥ देखि संकलं कापति नानी ॥ ॥

॥ बोले निवचन कहायु हनाई ॥ सकल कथाति नृनृपहि सुनाई ॥

॥ ऐह घट तैलं कापति नासा ॥ ॥ ॥ सब दूत नृसवचन प्रकासा ॥

॥ यह घट लै उत नहि सिजा हू ॥ ॥ ॥ जतन समेत धनहु लै ताहू ॥ ॥

॥ सुनि नृपवचन चले ते तैसे ॥ ॥ ॥ जनक नाइ के देखि ऐसे ॥ ॥ ॥

॥ करहि विचार कपि अश्रव सोई ॥ ॥ ॥ उत मथल घट राधि अजोई ॥ ॥

॥ दोहा ॥ अति उत्तम उत्त नहि साजन कनाइ कर देख ॥

॥ दूत नरु कनी विचार मन कीन्हो सुथल प्रवेश ॥ १८३ ॥

॥ चौ छेत्र माह घट धना उत्तारी ॥ ॥ ॥ सैति पुनीत हेतु विबुधानी ॥ ॥ ॥

॥ जनक जग्यतहं कीन्ह अंभा ॥ ॥ ॥ नचे कनक कइली के संभा ॥ ॥ ॥

॥ कियो मेखला मनि मय पूरी ॥ ॥ ॥ भूमि सुहावनि पावनि नृनी ॥ ॥ ॥

॥ सतानंद अनुसासन पाई ॥ ॥ ॥ बामी कर हल नचे उवनाई ॥ ॥ ॥

॥ हाटकला गुलगहे उ सुधारी ॥ ॥ ॥ तहां प्रगट नइ अखय कुमारी ॥ ॥ ॥

॥ भुजाना मकहिनिकट बुलाए ॥ ॥ ॥ देव अदेव तहां सब आये ॥ ॥ ॥

॥ जगजन निहिको वर नै पारा ॥ ॥ ॥ नाजा जनक तहां पगु धारा ॥ ॥ ॥

॥ कन्या देखि अनूप नवानी ॥ ॥ ॥ सुता मानि राजा ग्रह आनी ॥ ॥ ॥

॥ नाम जानकी पन मपुनीता ॥ ॥ ॥ नानद आइ कहा पुनि सीता ॥ ॥ ॥

॥ छंद कहि पुनि सीतानाम पुनीता आदि जोति की शक्तिसहे ॥

॥ नृपनीति निधाना पन मसुजाना आदि मध्य अवसान महि ॥

॥ भव उद्भव करनी पालन हरनी नेति नेति ऐहि वेद कहै ॥

॥ तब कृत्य प्रकासी भुजा विलासी तीनि लोक महि पूनि रहै ॥

॥ दोहा ॥ सकल कथानृप जनक सौ नानद कहि बयानि ॥

॥ सकल सुलक्ष्मि लक्षि गुन जगदं वाजि अजानि ॥ १८४ ॥

॥ जनकसविनयकहतकरजोने ॥ ॥ ॥ नाथमनोनथपूजेमोने ॥
 ॥ चननपषानिसुथलवेठानी ॥ ॥ ॥ विनयकीरुअस्तुतिअनुसारी ॥
 ॥ पनमहुलासवचनसुननाथा ॥ ॥ चननोदकलइमाथेनाथा ॥
 ॥ धन्यधन्यकहिसुताप्रनाउ ॥ ॥ मुनिअसिप्रीतिनकीनेउकाउ ॥
 ॥ जोतुमहक्रपाकीरुपगुधानो ॥ ॥ मिटेअमंगलदोषहमानो ॥
 ॥ अवमोहिनाजनोसमुनिनाथा ॥ ॥ नयेउधन्यमैगुनगनगाथा ॥
 ॥ साधुविदेहनाजश्रीजाकी ॥ ॥ ॥ उपमाओनकहहुनपकाकी ॥
 ॥ तुमहुउपमाउपमेयओनसव ॥ ॥ जहाप्रगटनइकुजाआइअव ॥
 ॥ दोहा जोगनोगमैगोइ ॥ ॥ मनगयोनप्रगटप्रनाउ ॥
 ॥ नयेविदेहविदेहसुनिविदांनयेमुनिनाउ ॥ १८५ ॥
 ॥ चौकहिसुकथानिषिनाउसिधाये ॥ ॥ बहुनिदूतलंकापुनआये ॥
 ॥ कनेहेहिजाइआयेहमनाधी ॥ ॥ सोसंकनगिनिजासननाधी ॥
 ॥ जनद्वजसुनिकथानसाला ॥ ॥ साधुसाधुमुनिपनमक्रपाला ॥
 ॥ पुनिमुनिकहेउकथाउपदेसा ॥ ॥ जगजीतेउसवलंकननेसा ॥
 ॥ चानिठाउहानिसिन्नइत्रासा ॥ ॥ सकलदेवकीनेनिजदासा ॥
 ॥ नविससिपवनवनुनधनधानी ॥ ॥ अग्निकालजमसवअधिकानी ॥
 ॥ किन्नरसिद्धमनुजसुननागा ॥ ॥ हठिसवहिकेपंथहिलागा ॥
 ॥ ब्रह्मस्रष्टिजहलगितनुधानी ॥ ॥ इसमुखवसवनतीनननानी ॥
 ॥ आयसुकनहिंसकलत्रयभीता ॥ ॥ नवहिआइनितचननविनीता ॥
 ॥ दोहा नुजवलविस्ववस्यकमिनाधिसिकोउनसुतंत्र ॥
 ॥ मंडलीकमनिनावनराजकरहिनिजतंत्र ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ देवजघ्रगंधर्वननकिन्नरनागकुमानि ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ जीतिवरीनिजबाहुवलवहुसुंदनवननानि ॥ १८६ ॥
 ॥ चौइंइजीतसनजोकधुकहेउ ॥ ॥ सोसवजनुपहिलेहिकनिनहेउ ॥
 ॥ प्रथमहिजिन्हकहुआयसुदीन्ह ॥ ॥ तिन्हकनचनितसुनहुजोकीन्ह ॥
 ॥ देखतनीमरूपसवपापी ॥ ॥ ॥ ॥ निसिचननिकनदेवपनितापी ॥
 ॥ कनहिउपइवअसुननिकाया ॥ ॥ नानारूपधनहिकनिमाया ॥
 ॥ जेहिविधिहोइधर्मनिनमूला ॥ ॥ सोसवकनहिवेदप्रतिकूला ॥

बाल०

॥४०॥

॥ जेहिजेहिदेसधेनुद्धिजपावहि ॥ नगनगौवपुनिआगिलगावहि ॥
 ॥ मुनआचननकतहुनहिहोइ ॥ देवविप्रगुनमाननकोई ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ नहिहनिनक्तिजगपतपग्याना ॥ सपनेहुसुनियनवेदपुनाना ॥
 ॥ **छंद** जपजोगविनागातपमयनागास्रवनसुनेदससीसा ॥
 ॥ आपुनउठिधावेनहेनपावेधनिसवधातैसीसा ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ असन्नष्टचानानासंसाधर्मसुनियनहिकाना ॥
 ॥ तेहिवहुविधिआसैदेसनिकोसेजोकहवेदपुनाना ॥
 ॥ **सोनठा** वननिनजाइअनीति ॥ घोरनिसाचनजोकनहि ॥
 ॥ हिंसापनअतिप्रीति ॥ तिरुकेपापहिकवनमिति ॥ ॥ ॥
 ॥ **चौ** वाछेबलवहुचोनजुआना ॥ जेलंपटपनधनपनदाना ॥
 ॥ मानहिमातुपितानहिदेवा ॥ साधनसुनकनवावहिसेबा ॥
 ॥ जिन्हकेयहआचननबानी ॥ तेजानेहुनिसिचनसमप्रानी ॥
 ॥ अतिसैदेविधर्मकइहानी ॥ पनमसनीतधननिअकुलानी ॥
 ॥ गिनिसनिसिंधुनाननहिमोहि ॥ जसमोहिगनुअएकपनदोहि ॥
 ॥ सकलधनमदेवहिविपनीता ॥ कहिनसकेनावननप्रनीता ॥
 ॥ धेनुरूपधनिहृदयविचारी ॥ गईजहंसुनमुनिसवहानी ॥
 ॥ निजसंतापसुनाऐसिनोई ॥ काहूतेकछुकाजनहोई ॥ ॥ ॥
 ॥ **छंद** सुनमुनिगांधर्वाभिलिकनिसर्वांगऐविनंचिकेलोका ॥
 ॥ संगगोतनुधानीभूमिविचारीपरमविकलभयशोका ॥
 ॥ ब्रह्मासवजानामनअनुमानामोनाकछुनवसाई ॥ ॥ ॥
 ॥ जाकनितुमटासीसोअविनासीहमनेउतेनसहाई ॥
 ॥ **सोनठा** धननिधनहिमनधीन ॥ कहिविनंचिहनिपदसुमिनि ॥
 ॥ जानतजनकीपीन ॥ प्रभुनंजिहिद्वानुनविपति ॥ ॥ ॥
 ॥ **चौ** वैठेसुनसबकनहिविचाना ॥ कहंपाइअप्रभुकनिअपुकाना ॥
 ॥ पुनवैकुंठजानकहकोई ॥ ॥ ॥ ॥ कोउकहपयनिधिवसप्रभुसोई ॥
 ॥ जाकेहृदयनक्तिजसिप्रीती ॥ प्रभुतहंसगठसकृतेहिनीती ॥
 ॥ तेहिसमाजगिनिजामेनहेऊ ॥ अवसनपाइवचनऐककहेऊ ॥
 ॥ हनिव्यापकसर्वत्रसमाना ॥ प्रेमतेप्रगटहोहिमेजाना ॥ ॥ ॥

॥ देसकालदिसिविदिसिहुमाहीं ॥ कहहुसोकहंजहं प्रभुनाहीं ॥

॥ अगजगमयसवनहितविरागी ॥ प्रेमते प्रभुप्रगटे जिमिआगी ॥

॥ मोनवचनसबकेमनमाना ॥ ॥ साधुसाधुकनिब्रह्मवखाना ॥ ॥

॥ दोहा ॥ सुनिविनं चिमनहनषतनपुलकिनपनवहनीन ॥

॥ अस्तुतिकरतवजोपिकरसावधानमतिधीन ॥ १८८ ॥

॥ घं० जयजयसुननायकजनसुषट्पायकप्रनतपालभगवंत ॥

॥ गोद्विजहितकानीजयअसुरानीसिंधुसुताप्रियकंत ॥

२॥ पालन सुन धन नीग्रह त कन नीम न मन जानै कोइ ॥॥॥

॥ जोसहस्रक्रपात्ता दीनदयात्ता कनउन्ननुग्रहसोइ ॥ ॥

॥ जयजय अविनासीसबघटवासी व्यापकपनमानंद ॥

॥ अविगत्तगोतीतंचरितपुनीतंभायानहितमुकुट ॥ ॥

॥ जेहिलागि विनागी अति अनुरागी विगत मोह मुनि ब्रंढ ॥

॥ निमिवासनध्यावहिरुनगनगावहिरजयतिसच्चिदानंद ॥

॥ जेहि सुखि उपाई त्रिविध वनाई संग सहाय न दूजा ॥॥॥॥

॥ सोकनहुस्रधानीचिंतहमानीजानियन्नक्तिनपूजा ॥

॥ जो न व न्न य न्नं जन मुनि मन नं जन षंड न विपत्ति व न्न य ॥

॥ मनवचक्रमजानीछांडिसयानीशाननसकलसुनजूथ ॥

॥ सातह प्रतिसेषानिषयप्रसेषा जा कह को उनहि जान ॥

॥ जेहि दिन पिआने वेद पुकाने द्वै सो श्री नगवान ॥

॥ नववानिधि मंदनसर्वविधि सुंदरगुनमंदिन सुषुंज ॥

॥ मनिमिहसकलसुनपनमन्यातुननमतनाथपट्टकंज ॥

॥ दोहा जानिसन्नयसुनभूमिसुनिवचनसमेतसनेह ॥

॥ गगनगिनागं नीलभद्रहृन्निशोकसंदेह ॥ २०० ॥

॥ गंगासागरनाम ॥ ॥ गुहहिलागिधनिहोनन ॥

श्रीसक सहितमनुजश्रवताना ॥ लैहहुदिनकनवंसउद्याना

कस्य पञ्चद्विति महातपकीन् ॥ तिनृकहुमहिपूजववन ॥

[illegible]

वाल्मीकि

॥४१॥

॥ तिरुकेग्रहश्रवतनिहो जाई ॥ ॥ नद्यकुलतिलकसोचापि उजाई ॥
 ॥ नानद्वचनसत्यसवकनिहो ॥ परमसक्तिसमेतश्रवतहो ॥ ॥
 ॥ हनिहो सकलभूमिगनुवाई ॥ निननयहो हु देवसमुदाई ॥ ॥
 ॥ गगनब्रह्मवानी सुनिकाना ॥ तुनतफिने सुनहु दय जुडाना ॥
 ॥ तवब्रह्माधननिहिसमुदावा ॥ अन्नयन्नई न्नोसजिय आवा ॥
 ॥ दोहा निजलोकहिविचिगे देवन् इहे सिखाइ ॥ ॥ ॥
 ॥ बौननतनुधनिधननिमहहनिपदसेवहु जाइ ॥ २०१ ॥
 ॥ चै गऐ देवसवनिजनिजधामा ॥ भूमिसहितमनकहु विश्रामा ॥
 ॥ जोकछु आय सुब्रह्मादीन् ॥ हनये देवविलंबनकीन् ॥ ॥ ॥
 ॥ वनचनदेहधनीष्टितिमाहि ॥ अतुलितवलप्रतापतिन् अहि ॥
 ॥ गिनितनुनधआयुधसववीना ॥ हनिमानगचितवहिननधीना ॥ ॥
 ॥ गिनिकाननजहंतहंननिपूरी ॥ नहेनिजनिजअनीकनुचिनी ॥ ॥
 ॥ यहसवनुचिनचनितमेनाषा ॥ अवसो सुनहु जोवीचहिनाषा ॥ ॥ ॥
 ॥ अवधपुरीनद्यकुलमनिवाहु ॥ वेदविदिततेहिदसनथनाहु ॥ ॥ ॥
 ॥ धर्मधुनंधनगुननिधिग्यानी ॥ हृदयभक्तिमतिसानंगपानी ॥ ॥ ॥
 ॥ दोहा कोसत्यादिकनानिप्रियसवश्रचननपुनीत ॥
 ॥ पतिअनुकूलप्रेमदिखहुनियदकमलविनीत ॥ २०२ ॥
 ॥ चै ऐकवामभूपतिमनमाहो ॥ अइगलानिहमने सुतनाहि ॥ ॥ ॥
 ॥ गुनग्रहगऐउतुनतमहिपाला ॥ चननलागिकनिविनयविशाला ॥
 ॥ निजसुषदुषसवगुनहिसुनाऐउ ॥ कहिवसिष्टवहुविधिसमुदाऐउ ॥
 ॥ धनहुधीनहोइहिसुतचानी ॥ त्रिभुवनविदितनक्तनयहानी ॥ ॥
 ॥ श्रीगिनिधिहिवसिष्टवोलावा ॥ पुत्रकामसुनजग्यकनावा ॥ ॥ ॥
 ॥ नक्तिसहितमुनिआहुतिदीन् ॥ प्रगटेअग्निचनुकनलीन् ॥ ॥ ॥
 ॥ बोलेअनलप्रेमजुतवानी ॥ अतिप्रसन्नमनपननवखानी ॥ ॥ ॥
 ॥ जोवसिष्ठकछु हृदयविचाना ॥ सकलकाजुनासिद्धतुहाना ॥ ॥ ॥
 ॥ यहहविबोदिदेहुनपजाई ॥ जथाजोगजेहिनागवनाई ॥ ॥ ॥
 ॥ दोहा तवअदृश्यनऐपावकसकलसन्नहिसमुदाइ ॥
 ॥ पनमानंदमगननृपहनधनहृदयसमाई ॥ २०३ ॥ ॥

॥ तवहिनाउप्रियनानिवोलाई ॥ ॥ कौसल्यादितहंचलिआई ॥
 ॥ अर्द्धनागकौसल्याहिहीनह ॥ उन्नयनागआधेकनकीनह ॥
 ॥ कैकेईकहंनपसोदएउ ॥ ॥ नहेउसोउन्नयनागपुनिनऐउ ॥
 ॥ कौसल्याकैकेईहाथधनि ॥ ॥ दीन्हसुमित्रहिमनप्रसन्नकरि ॥
 ॥ ऐहिविधिगर्नसहितसवनानी ॥ नईहुदयहनधितसुषनानी ॥ ॥
 ॥ जादिततेहनिगर्नहिआऐ ॥ ॥ सकललोकसुषसंपतिआऐ ॥ ॥
 ॥ मंदिरमहसवनाजहिनानी ॥ ॥ सोनातेजसीलकनिधानी ॥ ॥
 ॥ सुषजुतकछुककालचलिआऐउ ॥ ॥ जेहिप्रनुप्रगटसोअवसननऐउ ॥
 ॥ दोह ॥ जोगलगनग्रहवारतिथिसकलनऐअनुकूल ॥
 ॥ चनअनुअचनहनषजुतनामजन्मसुषमूल ॥ २०४ ॥
 ॥ चैनोमीतिथिमधुमासपुनीता ॥ सुक्तापक्षअभिजितहनिप्रीता ॥
 ॥ मध्यदिबसअतिसीतनधामा ॥ पावनकाललोकविश्रामा ॥ ॥
 ॥ सीतलमंदसुनन्नवहवाडु ॥ ॥ हनधितसुनसंतनमनचाडु ॥ ॥
 ॥ वनकुसुमितगिनिगनमनिआना ॥ स्ववहिसकलसनिताजलधारा ॥
 ॥ सोअवसनविनंचिजवजाना ॥ चलेसकलसुनसाजिविमाना ॥
 ॥ गगनविमलसंकुलसुनजूथा ॥ गावहिगुनगंधर्ववरूथा ॥ ॥
 ॥ वनषहिसुमनसुअंजुलिसाजी ॥ गहगहिगगनदुंदुनीवाजी ॥ ॥
 ॥ अस्तुतिकनहिनागमुनिदेवा ॥ बहुविधिलावहिनिजनिजसेवा ॥
 ॥ दोह ॥ सुनसमूहविनतीकनिपहुचेनिजनिजधाम ॥
 ॥ जगनिवासप्रनुप्रगटेअधिललोकविश्राम ॥ २०५ ॥
 ॥ छंदनऐप्रगटकपालादिनदयालाकौसल्याहितकानी ॥
 ॥ हनधितमहतानीमुनिमनहनीअद्भुतरूपविचानी ॥ ॥
 ॥ लोचनअभिरामंतनघनस्यामंनिजआपुधनुजचानी ॥
 ॥ भूषनवनमालानयनविसालासोनासिंधुषनानी ॥ ॥
 ॥ कहदोउकनजेनीअस्तुतितोनीकेहिविधिकनैअनंत ॥
 ॥ कनुनासुषसागनसवगुनआगनजेहिगावहिश्रुतिसंत ॥
 ॥ सोममहितलागीतनुअनुनागीप्रगटनऐश्रीकंत ॥ ॥

वाल्मीकि

॥४२॥

॥ मायागुनग्यानातीतश्रमानावेदपुनानननंत ॥ गंगा ॥
 ॥ ब्रह्मांडनिकायानिर्मितमायानोमनोमप्रतिवेदकहे ॥ गंगा ॥
 ॥ ममउनसोबासीयहउपहासीसुनतधीनमतिथिननेहे ॥ गंगा ॥
 ॥ उपजाजवग्यानाप्रभुमुमुकानाचरितबहुतविधिकीनूच्येहे ॥ गंगा ॥
 ॥ कहिकथासुहाईमातुबुहाईजेहिप्रकारसुतप्रेमलहे ॥ गंगा ॥
 ॥ मातापुनिबोलीसोमतिडोलीतजहुतातयहनूप ॥ गंगा ॥
 ॥ कीजैसिसुलीलाश्रुतिप्रियसीलायहसुषपनमश्रनूप ॥ गंगा ॥
 ॥ सुनिवचनसुजानानोदुनठानाहोइवालकसुननूप ॥ गंगा ॥
 ॥ यहचरितजेगाबहिहनिपटपावहितेनपनहिन्नवकूप ॥ गंगा ॥
 ॥ दोहा विप्रधेनुसुनसंतहितलीनूमनुजश्रवतान ॥ गंगा ॥
 ॥ निजइध्याननिमित्ततनुमायागुनगोपान ॥ २०५ ॥ गंगा ॥
 ॥ चौ सुनिसिसुनुदुनपनमप्रियवनि ॥ संचमचलिआईसवरानी ॥ गंगा ॥
 ॥ हनधितजहंतहंधाईदासी ॥ ॥ ॥ आनंदमगनसकलपुनबासी ॥ गंगा ॥
 ॥ इसनथपुत्रजन्मसुनिकाना ॥ ॥ मानहुब्रह्मानंदसमाना ॥ गंगा ॥
 ॥ यनमप्रेममनपुलकसनीना ॥ ॥ चाहतउठनकनतमतिथीना ॥ गंगा ॥
 ॥ जाकननामसुनतसुनहोई ॥ ॥ मोनेग्रहआवाप्रभुसोई ॥ गंगा ॥
 ॥ पनमानंदपूनिमननाजा ॥ ॥ ॥ कहबोलाइवजाबहुवाजा ॥ गंगा ॥
 ॥ गुनवसिष्टकहगएउहंकाना ॥ ॥ आऐद्विजनसहितनृपद्वाना ॥ गंगा ॥
 ॥ अनुपमवालकदेखिहिजाई ॥ ॥ रूपनासिगुनकहिनसेनाई ॥ गंगा ॥
 ॥ दोहानंदिमुषसनाधकनिजातकनमसवकीनू ॥ ॥ ॥
 ॥ हाटकधेनुवसनमनिनृपविप्रनूकहदीनू ॥ २०६ ॥ गंगा ॥
 ॥ चौ ध्वजपताकतोन्नपुनधरावा ॥ कहिनजाइजेहिजातिवनावा ॥ गंगा ॥
 ॥ सुमनवद्विअकासतेहोई ॥ ॥ ब्रह्मानंदमगनसवकोई ॥ गंगा ॥
 ॥ ब्रह्मब्रह्ममिलिचलीलोगाई ॥ ॥ सहजसिंगानकिऐउठिधाई ॥ गंगा ॥
 ॥ कनककलसमंगलननिथाना ॥ गावतपेठहीनूपदुआना ॥ गंगा ॥
 ॥ कनिआनतिनिवधश्रविकही ॥ वानवानसिसुचननरूपनहि ॥ गंगा ॥
 ॥ मागधरूतवंदिगननाऐक ॥ पावहिगुनगावहिनघुनाऐक ॥ गंगा ॥
 ॥ सर्वसदानदीनूसवकाहू ॥ ॥ जेहिपावानाषानहिताहू ॥ ॥ ॥ ॥ गंगा ॥

बाल०

॥४३॥

॥ सो सुषधामनाम असनामा ॥ ॥ ॥ अधिल्लोक दायक विश्रामा ॥
 ॥ विस्वन्नन पोषन कर जोई ॥ ॥ ताकरनामन्नत अस होई ॥
 ॥ जाके सुमिनन ते निपुनासा ॥ ॥ नाम सत्रु हन वेद प्रकासा ॥ ॥
 ॥ सोहा लछन धामनाम प्रिय सकल जगत आधान ॥
 ॥ गुन वसिष्ठ तेहि नाया लछमन नाम उदा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ चौधनेनाम गुन हृदय विधानी ॥ ॥ वेद तत्त्व नृप तव सुत चानी ॥ ॥ ॥
 ॥ मुनि धन जन सर्व सखि प्राना ॥ ॥ बाल के लिन सतेहि सुषमाना ॥ ॥
 ॥ बाने हिते निज हित पति जानी ॥ ॥ लछमन नाम चरन नति मानी ॥ ॥
 ॥ ननत सत्रु हन दूनी नो आई ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ प्रभु सेवक जनि प्रीति बडाई ॥ ॥
 ॥ स्याम गौन सुंदर होउ जोनी ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ निरखहि छवि जननी तन तोनी ॥ ॥
 ॥ चानि उसील रूप गुन धामा ॥ ॥ तदपि अधिक सुषसागन नामा ॥ ॥
 ॥ हृदय अनुग्रह इंद्र प्रकासा ॥ ॥ स्वचित किरन मनोहर हासा ॥ ॥
 ॥ कवहु उछंग कवहु वन पलना ॥ ॥ मानु दुलाने कहि प्रिय ललना ॥ ॥
 ॥ सोहा व्यापक वस्त्र निन जन निर्गुन विगत विनोद ॥
 ॥ सो अज प्रेम नक्त वस को सल्या के गोद ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ चौकाम कोटि छवि स्याम सनीना ॥ ॥ नील कंठ वापि दंग नीना ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ अनुन चरन पंकज नख जोती ॥ ॥ कमल दलन्हि वैठे जनु मोती ॥ ॥
 ॥ नेष कुलिसध्वज अंकुस सोहे ॥ ॥ नूपन धुनि सुनि मुनि मन मोहे ॥ ॥
 ॥ कटि किंकिनी उदर त्रय नेषा ॥ ॥ नाभि गौनी न जान जिन्ह देखा ॥ ॥
 ॥ नुज विसाल नूपन जुत नूनी ॥ ॥ हिय हनि नख अति सो नानूनी ॥ ॥
 ॥ उर मनिहान पटिक की सोना ॥ ॥ विप्र चरन देखत मन लोना ॥ ॥
 ॥ कंबुकंठ अति चिबुक सुहाई ॥ ॥ आनन अमित मदन छवि छाई ॥ ॥
 ॥ दुइ दुइ दसन अधन अनुना ॥ ॥ नासा तिलक को वन नै पाने ॥ ॥
 ॥ सुंदर अवत सुचातुक पोला ॥ ॥ अति प्रिय मधुन तोतने बोला ॥ ॥
 ॥ नील जल जटो उनयन विसाला ॥ ॥ विकट कुटिल टकन वन भाला ॥ ॥
 ॥ चिक्कन कवकुंचित गनु आने ॥ ॥ बहु प्रकार नचि मानु संवाने ॥ ॥
 ॥ पीत हगुलि आतन पहिनाई ॥ ॥ जानु पानि विचरनि मोहि नआई ॥ ॥
 ॥ रूप सकहिन हि कहि श्रुति सेषा ॥ ॥ सो जानहि सपने हुजेहि देखा ॥ ॥
 ॥ सोहा सुष संदोह मोह पन ग्यान गिना गोतीत ॥

॥ इति पत्रमप्रेमवसकरसिसुचनितपुनीत ॥ २१२ ॥

॥ चौ० ऐहि विधिनाम जगतपितृमाता ॥ कोसलपुनवासिनसुषटाता ॥
 ॥ जिन्हन धुनाथचननरतिमानी ॥ तिन्हकै यह गतिप्रगटनवानी ॥
 ॥ नद्युपतिविमुखजनतकरकोनी ॥ कवनसकै भवबंधनछोनी ॥
 ॥ जीवचराचरसर्वकैनाथे ॥ सोमायाप्रनुसौं भयनाथे ॥
 ॥ अकुटिविलासनचावेताहि ॥ असप्रनुछांदिभजियअवकहि ॥
 ॥ मनक्रमवचनछांदिचतुनाई ॥ भजतकृपाकरिहनिनघुनाई ॥
 ॥ ऐहि विधिसिसुविनोदप्रनुकीन्ह ॥ सकलनगनवासिन्हसुषट्ठान्ह ॥
 ॥ लइउछंगकवहुकुहलरावे ॥ कवहुपालनेघालिहुलावे ॥

॥ दोहा ॥ प्रेममगनकोसल्यानिसिद्धिनजातनजान ॥

॥ सुतसनेहवसमातावालचनितकरगान ॥ २१३ ॥

॥ चौ० ऐकवानजननीअन्हवाए ॥ करिसिंगानपलनायोछाए ॥
 ॥ निजकुलइष्टदेवभगवाना ॥ पूजाहेतुकीन्हअस्ताना ॥
 ॥ करिपूजानैवेद्यचढावा ॥ आपुगईजैहपाकवनावा ॥
 ॥ वहुनिमातुतहवांचलिआई ॥ भोजनकरतदीषसुतजाई ॥
 ॥ भोजननीसिसुपहिनयनीता ॥ देखावालतहापुनिसूता ॥
 ॥ वहुनिआईदेखासुतसोई ॥ हृदयकंपमतिधीनहोई ॥
 ॥ इहांउहांदोइवालकदेखा ॥ मतिभ्रममोनिकिआनविशेषा ॥
 ॥ दीषनामजननीअकुलानी ॥ प्रनुहसिदीन्हमधुनमुसुकानी ॥

॥ दोहा ॥ देखावामातहिनिजअदनुतरूपअंधड ॥

॥ नोमनोमप्रतिलागेकोटिकोटिवलंड ॥ २१४ ॥

॥ चौ० अगनितरविससिसिवचतुगानन ॥ वहुगिसनितसिंधुमीहकानन ॥
 ॥ कालकर्मगुनग्यानसुनाउ ॥ सोइदेखाजोसुनानीहकाउ ॥
 ॥ देषीमायासर्वविधिगाछी ॥ अतिसनीतजोनेकरठाछी ॥
 ॥ देखेउजीवनचावहिजाही ॥ देषीभक्तिजोछोनेताही ॥
 ॥ तनपुलकितमुखवचननआवा ॥ नयनमूढिचननन्हसिनुनावा ॥
 ॥ विस्मयवंतजानिमहतानी ॥ नरेवहुनिसिसुनूपषनानी ॥
 ॥ अस्तुतिकनिनजाइनेमाना ॥ जगतपितामैसुतकमिजाना ॥

॥ हनिजननीवहुविधिसमुद्गई ॥ यहजनिकतहुंकहसिसुनुमाई ॥
 ॥ दोह ॥ वानवानकोसिल्यहोविनयकनैकनजोनि ॥ ॥ ॥
 ॥ अवजनिकवहुं व्यापई प्रभुमोहिमायागतिनोमि ॥ २१५ ॥
 ॥ चौ बालचरितहनिवहुविधिकीन्ह ॥ अतिअनंददासन्हकहदीन्ह ॥
 ॥ कछुककालवीतेसबभाई ॥ ॥ ॥ बडेनऐपनिजनसुखदाई ॥ ॥
 ॥ चूडाकननकीन्हगुनुजाई ॥ ॥ ॥ विप्रन्हपुनिदृष्टिनावहुपाई ॥ ॥
 ॥ पनममनोहनचरितअपाना ॥ ॥ कनतफिरतचाविउसुकुमता ॥
 ॥ मनक्रमवचनअगोचनजोई ॥ दसनथअजिनविचनप्रभुसोई ॥
 ॥ नोजनकनतबोलजवनाजा ॥ नहिआवततजिवालसमाजा ॥
 ॥ कोसल्याजवबोलनजाई ॥ ॥ ॥ हुमुकहुमकप्रभुचलहिपनाई ॥ ॥
 ॥ निगमनेतिसिवअंतनपावा ॥ ताहिधनेजननीहठिधावा ॥ ॥
 ॥ धूसनधूनिभनेतनआऐ ॥ ॥ ॥ नूपतिविहसिगोदबैठाऐ ॥ ॥ ॥
 ॥ दोह ॥ नोजनकनतचपलचितइतउतअवसनुपाइ ॥
 ॥ ॥ नाजिचलेकिलकतमुखदृष्टिओदनलपटाइ ॥ २१६ ॥
 ॥ चौ बालचरितअतिसनलसुहोए ॥ सानइसेषसंनुश्रुतिगाऐ ॥ ॥ ॥
 ॥ जिन्हकनमनइन्हसननहिनाता ॥ तेजन वंचितकिऐविधाता ॥ ॥
 ॥ नऐकुमानजवहिसवनाता ॥ ॥ ॥ दीन्हजने उगुनूपितुमाता ॥ ॥
 ॥ गुनुग्रहगऐपछननघुनाई ॥ ॥ ॥ अल्पकालविद्यासबमाई ॥ ॥ ॥
 ॥ जाकीसहजस्वासश्रुतिचानी ॥ सोहनिपछग्रहकोतुकना ॥ ॥ ॥
 ॥ विद्याविनयनिपुनगुनसीला ॥ खेलहिखेलसकलनूपलीला ॥
 ॥ कनतलवानधनुषअसिसोहा ॥ दैषतनूपचनाचनमोहा ॥ ॥ ॥
 ॥ जिन्हवीथिन्हविहनेसबभाई ॥ थकितहोहिसवलोगलुगाई ॥
 ॥ दोह ॥ कोसलपुनवासीनननानिवरुअनुवाल ॥
 ॥ ॥ प्रानहुतैप्रियलागतसबकहुनामक्रपाल ॥ २१७ ॥
 ॥ चौ बंधुसखासंगलेहिवोलाई ॥ ॥ ॥ वनमृगयानितखेलहिजाई ॥ ॥
 ॥ पावनमृगमानहिजिअजानी ॥ दिनप्रतिनपहिदेखावहिअपनी ॥
 ॥ जेमृगनामवानकेमाने ॥ ॥ ॥ तेतनुतजिसुनलोकसिधाने ॥
 ॥ अनुजसखासंगनोजनकन्हि ॥ मानुपिताअग्याअनुसनहि ॥ ॥

॥ जेहिविधिसुधीहोहिं पुनलोगा ॥ कनहिक्रपानिधिसोइसंजोगा ॥
 ॥ वेदपुरानसुनहिमनलाई ॥ ॥ ॥ आपुकहहिमुनजहसमुहाई ॥
 ॥ प्रातकालउठिकनिनघुनाथा ॥ मातुपितहिगुनुनावहिमाथा ॥
 ॥ आपसुमागिकनहिपुनकाजा ॥ देधिचरितमनहनखहिनाजा ॥
 ॥ दोहा ॥ आपकअकलअनीहअजनिगुननामनरूप ॥

॥ भक्तहेतुनानाविधिकनतचनिअनूप ॥ २१८ ॥ ॥
 ॥ चौपहसवचरितकहामेगाई ॥ ॥ आगिलिकथासुनहुमनलाई ॥
 ॥ विस्वामित्रमहामुनिग्यानी ॥ वसहिविपिनिसुनआश्रमजानी ॥
 ॥ तहंजपजग्यहोममुनिकनहीं ॥ अतिआनीचसुवाहुहिउरहीं ॥
 ॥ देखतजग्यनिसाचनधावहि ॥ कनहिउपहुवमुनिदुषयावहि ॥
 ॥ गाधितनयमनचिंताव्यापी ॥ हनिविनुमनहिननिसिचनपापी ॥
 ॥ तवमुनिवनमनकीन्हविचारा ॥ प्रनुअवतनेउहननमहिजाना ॥
 ॥ ऐहिमिसदेयोप्रनुपहुजाई ॥ कनिविनतीआनहुटोउनाई ॥
 ॥ ग्यानविनागसकलगुनअयना ॥ सोप्रनुमैदेखवन्नपिनयना ॥ ॥
 ॥ दोहा ॥ बहुविधिकनतमनोनथजातलागिनहिवान ॥
 ॥ कनिमज्जनसनजूलगएचूपहुनवान ॥ २१९ ॥ ॥

॥ चौमुनिआगमनसुनाजवनाजा ॥ मिलनगएउलैविप्रसमाजा ॥ ॥
 ॥ कनिहुंडवतमुनिहिसनमानी ॥ निजआसन्हवैठानेन्हिआनी ॥ ॥
 ॥ चरनपषाणिकीन्हिअतिपूजा ॥ मोंसमआजुधंन्यनहिदूजा ॥ ॥
 ॥ विविधिजातिनोजनकनबावा ॥ मुनिवनहुटयहनखअतिषावा ॥ ॥
 ॥ पुनिचरननरुमेलेसुतचारी ॥ नामदेधिमुनिदेहविसारी ॥ ॥
 ॥ नऐमगनदेखतमुखसोचा ॥ जनुचकोरपूरनससिलोचा ॥ ॥
 ॥ तवमनहनधिवचनकहनाउ ॥ मुनिअसिक्रपानकीन्हहुकाउ ॥ ॥
 ॥ केहिकाननआगमननुखाना ॥ कहहुसोकनतनलावहुवाना ॥ ॥
 ॥ असुनसमूहसतावहिमोहि ॥ मैजाचनआऐउनपतोहि ॥ ॥
 ॥ अनुजसमेतदेहुनघुनाथा ॥ निसिचनवधमैहोवसनाथा ॥ ॥
 ॥ दोहा ॥ देहुचूपमनहनखजुततजहुमोहअग्यान ॥ ॥
 ॥ धर्मसुजसुप्रनुतुम्हकहइन्हकहअतिकल्यान ॥ २२० ॥

बाल०

॥४५॥

॥ सुनिनाजा अतिश्रीयवानी ॥ ॥ हृदयकंपमुष दुतिकुंभिलनि ॥
 ॥ चउथेपनपाएउसुतचानी ॥ ॥ विप्रवचननहिकहेहुविचानी ॥
 ॥ मांगहुभूमिधेनुधनकोसा ॥ ॥ सर्वसुंदेहुआजुसहनोसा ॥ ॥
 ॥ देहप्रानेतैप्रियकधुनाहि ॥ ॥ सोमुनिदेउनिमिषएकमाहि ॥
 ॥ सबसुतप्रियप्रानहुकीनाई ॥ ॥ नामदेतनहिवनइगोसाई ॥ ॥
 ॥ कहंनिसिचनअतिघोरकठोर ॥ कहंसुंदरसुतपनभकिसोना ॥
 ॥ सुनिनृपगिनाप्रेमनससानी ॥ ॥ हृदयहनयमानामुनिग्यानी ॥
 ॥ तववसिष्टबहुविधिसमुदावा ॥ नृपसंदेहनासकहपावा ॥ ॥
 ॥ अतिआदरहोउत्तनयवोलाए ॥ हृदयलाइवहुनैतिसिषाए ॥ ॥
 ॥ मेनेप्राननाथसुतहोउ ॥ ॥ तुमहुमुनिपिताआननहिकोउ ॥

॥ दोहा सौं पेचूपनिधिहिसुतबहुविधिदेइअसीस ॥ ॥

॥ ॥ जननीजनवनगाएप्रचुचलेनाइपदसीस ॥ ॥ ॥

॥ सोनठा पुनुषीसिंहहोउवीर ॥ हरषिचलेमुनिनयहन ॥

॥ कृपासिंधुमतिधीन ॥ अखिलवित्त्वकावनकवन ॥ २२१ ॥

॥ चौथेअनुनयनउउवाहुविसाला ॥ नीलजलजतनुस्यामतमाला ॥

॥ कटिपटपीतकसेउवननाथा ॥ उचिरचायसायकदुहुहाया ॥ ॥

॥ स्यामगोनसुंदरहोउनाई ॥ ॥ विस्वामित्रमहानिधिपाई ॥ ॥

॥ प्रचुब्रह्मन्यदेवमेजाना ॥ ॥ मोहिनितपितातजेहुनगवाना ॥

॥ चलेजातमुनिदीन्हृदिषाई ॥ सुनिताडिकाक्रोधकनिधाई ॥ ॥

॥ ऐकहिवानप्रानहरिलीन्हा ॥ दीनजानितेहिनिजपददीन्हा ॥ ॥

॥ तवहानिधिनिजनाथेचीन्ही ॥ विद्यानिधिकहविद्यादीन्ही ॥ ॥

॥ जातेलागनधुधापियासा ॥ ॥ अतुलितवलतनतेजप्रकासा ॥ ॥

॥ दोहा आयुधसर्वसमर्पिमुनिप्रचुनिजआश्रमआनि ॥

॥ कंदमूलफलनोजनदीन्हृनक्तिहितजानि ॥ २२२ ॥ ॥

॥ चौथातकहामुनिसनरघुनाई ॥ निर्भयजगयकनहुतुलजाई ॥ ॥

॥ होमकरनलागेमुनिहानी ॥ आपुनहेमषकीरषवानी ॥ ॥

॥ सुनिमानीचनिसाचनकोही ॥ लैसहायधावामुनिदोही ॥ ॥

॥ विनुफनवाननामतेहिमाना ॥ सतजोजनगासागरपाना ॥ ॥

॥ पावकसन सुवाहु पुनिजाना ॥ अनुज निसाचरनिकट संहारा ॥
 ॥ मानिअ सुन द्विजनिर्नयकारी ॥ अस्तुतिकरहि देव मुनिहारी ॥
 ॥ तहं पुनिकछुक दिवसन धुराया ॥ रहे कीन्हि विप्र रूप निदाया ॥
 ॥ भगति हेतु वहुकथा पुनाना ॥ कहे उविप्र जघपि प्रनुजाना ॥
 ॥ तव मुनिसादन कहे उबुहार्इ ॥ चरित ऐक प्रनु देधि अजार्इ ॥ ॥ ॥
 ॥ धनुष जगय मुनिन धुकुलनाथा ॥ हनयि चले मुनिवन के साथी ॥
 ॥ आश्रम ऐक दीषमग माहि ॥ षगमग जीव जंतु तहनाहि ॥ ॥ ॥
 ॥ पूंछा मुनिहि सिला प्रनु देषी ॥ सकल कथा मुनिकहि विसिषी ॥

॥ दोहा ॥ गौतम नानिसा पवस उपलदे ह धनिधीन ॥

॥ चनन कमल नज चाहति कृपा करहु न धुविन ॥ २२३ ॥

॥ छंद ॥ पनसत पट पावन सोकन सावन प्रगट नईत पंपुज सहि ॥
 ॥ देखत न धुना ऐक जन सुषटाय कसन मुख होइ कन जो पिरहि ॥
 ॥ अति प्रेम अधीना पुलक सनीना मुख नहि आबै वचन कहि ॥
 ॥ अतिसयव उन्नागी चरन न्हि लागी जु गुलने न जल धानवहि ॥
 ॥ धीन जु मन कीन्ह प्रनु कहं कीन्ह न धुपति कृपा भगति पाई ॥
 ॥ अति निर्मल बानी अस्तुति ठानी ग्यान गम्य जघन धुनाई ॥ ॥ ॥
 ॥ मैना निअ पावन प्रनु पट पावन नावन निपुजन सुषटार्इ ॥
 ॥ राजीव विलोचन भव नय मोचन पाहि पाहिसन नहि आई ॥
 ॥ मुनिसा पजो दीन्ह अति नल कीन्ह पनम अनुग्रह मै माना ॥
 ॥ देखे उन्नपिलोचन हनि नव मोचन ईहे लान संकर जाना ॥ ॥
 ॥ विनती प्रनु मोनी मै मति जो नीनाथ न मागहु वन आना ॥ ॥ ॥
 ॥ पट कमल पनागान सअनु नागा मम मन मधुपकने पाना ॥
 ॥ जेहि पट सुन सनिता पनम पुनीता प्रगट नई सिव सी सधनी ॥
 ॥ सोई पट पंकज जेहि पूजत अजमम सिन धने उकृपाल हनी ॥
 ॥ ऐहि नैति सिधानी गौतम नानी वानवान हनि चरन पनी ॥ ॥ ॥
 ॥ जो अति मन जाव सोवतु पावागे पति लोक अनंद ननी ॥ ॥ ॥
 ॥ दोहा ॥ अस प्रनु दीन बंधु हनिकान नरहित दयाल ॥ गंगा ॥
 ॥ तुलसिदास सठताहि न जघं डिक पट जंजाल ॥ २२४ ॥ चौ ॥

बाल०

॥४६॥

॥ बलेनामलछिमनमुनिसंगा ॥ ॥ गऐजहंजगपावनिगंगा ॥
 ॥ अनुजसहितप्रभुकीन्हप्रनामा ॥ बहुप्रकानसुखपायेउनामा ॥
 ॥ पुनिसुनसनिउतपतिनघुनाई ॥ कौसिकपरिहैछासिनुनाई ॥
 ॥ कहमुनिप्रभुतवकुलऐकनाजा ॥ नामसगनतिहुलोकविनाजा ॥
 ॥ नपकेजुगभामिनिसुकुमानी ॥ प्रथमकेसिनीसुमतिलघुपानी ॥
 ॥ सबप्रकानसंपतिगुनआजा ॥ सुतविहिनमनविसमयनाजा ॥
 ॥ ऐकसमयभामिनिदोउसाथा ॥ वनतपहेतुगऐनघुनाथा ॥
 ॥ सघनसफलतनुसुंदनाना ॥ तहंभगुमुनितपतेजनिधाना ॥
 ॥ दोहा ॥ सहितनानिनुपमुदितमनतहंवखसतऐक ॥ ॥

॥ कीन्हउतपनलेदेविभगुअस्तुतिकीन्हअनेक ॥ २२५ ॥

॥ चौकहिनजदुषप्रनामतिन्हकीन्ह ॥ देइअसीसतवमुनिवनटान्हा ॥
 ॥ नपघननीसनअसमुनिआया ॥ लेहुसोवनुजोजेहिअभिलाषा ॥
 ॥ सुनिमुनिवचनसीसतिन्हनावा ॥ मनइछासोमुनिहिसुनावा ॥
 ॥ ऐकहिऐककहेउसुतहोना ॥ दुसनिहिसहससाठिगुनलोना ॥
 ॥ हनधितनऐउसुन्नगवनुपाई ॥ हाथजोनिचननन्हसिननाई ॥
 ॥ सहितभामिनिन्हअवधहिअऐ ॥ हनखसहितकुछुदिवसगंवाऐ ॥
 ॥ जानिसुघनीसुनखतसुहाऐ ॥ तवकेसिनिअसमंजसजाऐ ॥
 ॥ सुमतिप्रसवतुवनीगतिसोई ॥ अऐसुतप्रगटकहेमुनिजोई ॥
 ॥ निनखेसुतसवहनधितहोई ॥ मानहुनंकनूपानसजोई ॥
 ॥ हनखसहितदिएदानननेस् ॥ पूजिविप्रगुनगोनिगनेस् ॥
 ॥ घतघटसुंदनविविधमगाऐ ॥ तेसवसुतनपतिन्हमहुंनोऐ ॥
 ॥ दोहा ॥ ऐहिविधिन्नऐसकलसुतपूजेसबमनकाम ॥ ॥

॥ जाहिदिवसनिसिहर्षवससुनहुनामघनस्थाम ॥ २२६ ॥

॥ चौपनिजनसवधनघननिननेस् ॥ अतिअनंदतनमिटाअंदेस् ॥
 ॥ बालकेलिकनिन्नऐकुमाना ॥ लीलाकनहिअगमसंसार ॥
 ॥ होहिसुकाजसकलमनचीते ॥ ऐहिसुखवसतवहुतदिनवीते ॥
 ॥ सनजूनदीअवधजोअहई ॥ विमलसलिलउत्तनतटवहई ॥
 ॥ प्रजालोगकेबालकनाना ॥ नितउठितहंकनहिअस्नाना ॥

॥ असमंजसतंहंतनीआनी ॥ ॥ तिन्हिचखाइवोनगाहिपानी ॥
 ॥ नयेप्रजासवपनमदुषानी ॥ ॥ वालकवधसुनिसुनहुषानी ॥
 ॥ सकलगऐजहंवेठनृपाला ॥ बोलेवचननाइपटनाला ॥ ॥
 ॥ तुम्हन्पचहुहुप्रजाप्रतिपाला ॥ सुततुम्हाननासवकनकाला ॥
 ॥ तजवदेसवनुसुनहुननेस् ॥ ॥ विनातजेनहिमिटहिकलेस् ॥ ॥

॥ दोहा ॥ तब सुतकीने पाप बहु माने उवाले कब्रें ॥ ॥ ॥ ॥

॥ तुम्हकहुं प्रानसमान सुत सकल प्रज नृक हमें ॥ २२७ ॥

॥ चो प्रजागिना सुनिधीन जदीन् ॥ सुतहिदे सत्तेवाहिन कीन् ॥ ॥
 ॥ ता सुतन पजग विदित प्रचाड ॥ गुननिधिअं सुमान तेहिनाड ॥
 ॥ वसत हूद पनप के सो के सैं ॥ फनिमनिमीन सलिल नह जै सैं ॥
 ॥ गए प्रजासवनिज निजधामा ॥ नऐनि सोच मन कहुं विश्रामा ॥
 ॥ बहुनि नृपति मन कीन् विचार ॥ आइ नऐ उपन चौथ हमारा ॥
 ॥ द्विजमंत्री गुनु सुत न्हो लाऐ ॥ हिमगिनि विंध्य मध्य तव आऐ ॥
 ॥ उचिर वेदिका एक वनाई ॥ देखत बने वननि नहि जाई ॥
 ॥ मधुअनं नछां डेउत वतुन गा ॥ वेगवंत देखिय जिमि उनगा ॥

॥ दोहा सुनपति सुनिमय दानुनमनम है कनि अनुमान ॥

॥ आइतुनगतवलीन्हिउमनमनकोडुजान ॥ २२८ ॥ ॥ ॥

॥ श्रीगुरुनगत्तवत्तन्त्तुमनसिगवात्तु ॥
 ॥ चौ ॥ राखे उआनिकपिलमुनिपाँहिं ॥ कोउनजानकाउकगमनाँहिं ॥
 ॥ जोगवत्तनहेजेसुन्नटसयाना ॥ लेततुनगतिन्त्तुहूनहिजाना ॥
 ॥ तिन्त्तुसवआइकहीन्त्तुपपाँहिं ॥ महानाजहमकहतउनाँहिं ॥
 ॥ लीन्त्तुतुनगजानहिनहिकोउ ॥ कहाकनिअसोआयसुहोउ ॥
 ॥ सुनत्तवचनन्त्तुपविसमयपाए ॥ सकलसुतन्त्तुकहतुनतवोलोए ॥
 ॥ जाहुतुनगतुम्हहेनहुजाई ॥ चलेसकलचननन्त्तुसिननाई ॥
 ॥ वलिपसुजीवन्त्तुएसवआई ॥ तिन्त्तुहिचलतधननीअकुलाई ॥
 ॥ सुनपतिसमेटेधियसववीना ॥ सकलधनुर्द्धनअतिननधीना ॥
 ॥ सुमनवाटिकाउपवनवागा ॥ सनितकूपवापीकातडागा ॥
 ॥ नगनगाउमुनिअस्थलनाना ॥ गिनिकाननकंदनअस्थाना ॥
 ॥ सोनठ ॥ ऐहिविधिसोधेउजाइ ॥ आऐसवमिलिन्त्तुपपाहिं ॥

बाल०

॥४७॥

॥ चवननहिमाथानाइ ॥ वोलेप्रभुकहुअस्वनहि ॥ २२८ ॥
 ॥ चौघोहहुमहिसुत्तफेनिपठाये ॥ चलेसकलपुनवदिसिआये ॥
 ॥ तिरुकेकनजिमिकुलिससमाना ॥ जोजनननिघोहहिवलवाना ॥
 ॥ देखिअनुत्तवलविवुधउनाने ॥ मनिहहिकहिविनंचिसनमाने ॥
 ॥ सोधतमहिपतालसवआये ॥ दिग्गजऐकदेधिसिननाये ॥
 ॥ तेहिपूँछासवकथासुनाई ॥ बहुनिसकलदृष्टिनदिसिआई ॥
 ॥ ऐहिविधिपुनिदोसनगजदेवा ॥ अतिउत्तंगगुनविमलविसेषा ॥
 ॥ ताहकहप्रनामतिरुकीन्हा ॥ चलेसकलपद्विमचित्तदीन्हा ॥
 ॥ तिसनेहिदेधिप्रदृष्टिनकीन्हा ॥ पुनिउत्तनदिसिसोधेलीन्हा ॥
 ॥ दिग्गजस्वतनिनधिसुषपाये ॥ सकलकपिलमुनिपंहिपुनिआये ॥
 ॥ घोटेनिमहिकोउपाउनपावा ॥ सोभाचहुँदिसिजलधिसुहावा ॥

॥ दोहा ॥ देखिनिहनुनगजाइतववांधामुनिवनपास ॥

॥ वोलेवचनक्रोधहोइनाचहसवकननास ॥ २३० ॥

॥ चौघोहामहिहमचानिउकोधा ॥ नेनेदुष्टवहुततोहिसोधा ॥ गगन ॥
 ॥ कोउकहचोनदीषवहुकोई ॥ ऐहिसमष्टलीओननहिहोइ ॥ गगन ॥
 ॥ सुनतवचनमुनिचितवाजवहि ॥ नऐनसमधिनिमहुँसवतवही ॥
 ॥ उमावचनजेहिसमुत्तिनवेला ॥ सुधाहोइविषतेहिकमडोला ॥
 ॥ पावकजानिधनहिकनप्रानी ॥ जनहिनकाहेअतिअभिमानि ॥
 ॥ जानिगनलजेसंग्रहकनहीं ॥ सुनहुनामतेकाहेनमनहीं ॥
 ॥ क्रोधकीन्हुविनकिऐविचाना ॥ तेहितेनऐसकलजनिछाना ॥
 ॥ इहांनृपतिअसुमानवोलाऐउ ॥ नहिआऐसवताहिपठाऐउ ॥

॥ दोहा ॥ दीनेनृपतिअसीसतवअतिहितवानहिवान ॥

॥ बेगिफिनेहुलेनुनगसुतमेनेप्रातअधान ॥ २३१ ॥

॥ चौचलेउनाइपदसीसकुमाना ॥ विष्नुनक्तिहुपुनउजिआना ॥
 ॥ जहकहुँनिनधिसुनिरुकनधामा ॥ पूँछिषवनिकनिहंडप्रनामा ॥
 ॥ चलेउमुनिरुसनपाइअसीसा ॥ बोजहुपेहहुजाहुमहिसा ॥ गगन ॥
 ॥ ऐहिविधिसोधतमगामहुजाता ॥ मिलेउगनुडसुमतिकनआता ॥
 ॥ चवननपनततवआसिषदृऐउ ॥ जनेसकलजेहिविधिसोकहेउ ॥

॥ सुनतहि वचन सो चना नानी ॥ १ ॥ ॥ लेखगे सदिष्ये उधलवानी ॥
 ॥ अंसुमानत है मज्जन कीन्हा ॥ ॥ क्रमक्रम सब हितिलां जुति दिन्हा ॥
 ॥ बहुनिगनु उबोले सुनुचाता ॥ ॥ मैतोहिके हों कनै ऐकवाता ॥ ॥
 ॥ सोनठ ॥ कनु सुत सो इउपाइ ॥ गंगा आवहि अवनिमहुं ॥
 ॥ हनसन ते अघ जाइ ॥ मज्जन कीन्हे पनम सुख ॥ २३२ ॥
 ॥ चौ साठिसहस्र सब तनिहहि ऐहिविधि ॥ गंगा पाइ पनम पावनि निधि ॥
 ॥ सुनिअस वचन हृदय मन चाये ॥ ॥ सहितगनु उमुनि वन पैहि आये ॥
 ॥ तवखगे समनुचन नहि नाये ॥ ॥ पूर्व कथान पके नि सुनाये ॥ ॥
 ॥ आसिष देइ तुनग मुनि दीन्हा ॥ ॥ हनषित हृदय गवन तव कीन्हा ॥
 ॥ नगन समीपगनु उपहु चार्इ ॥ ॥ गऐन वन निज तवन धुनार्इ ॥ ॥
 ॥ इह तुनग लैन पहि सिनुनार्इ ॥ ॥ साठिसहस्र कन मनन सुनार्इ ॥
 ॥ विसमय हनष विवसन पनये ॥ ॥ कीन्हा जग्य दान बहु दये ॥ ॥
 ॥ बहुविधि नृपति नाज पुनि कीन्हा ॥ ॥ प्रजालोग कह अति सुख दीन्हा ॥
 ॥ सोह ॥ मनुक हनाज देइ नृप आ पुगये उ सुन धाम ॥
 ॥ सुनसनिके विनु आये मनु नल है विश्राम ॥ २३३ ॥
 ॥ चौ ता सुत नय दिलीप नृपनये ॥ ॥ मनुतप हेतु उत्तर दिशि गये ॥
 ॥ अतिहि अगम तप कीन्हा नृपाला ॥ ॥ भऐ काल वसगे कछु काला ॥
 ॥ कहके हिविधि दिलीप प्रनुतार्इ ॥ ॥ सेवाजा सुवहुन पनहे आइ ॥
 ॥ जोगवत इंदुजा सुमुख नहई ॥ ॥ महिमा ता सुकहा कविकहई ॥
 ॥ नगीनय अस सुत भयो तास् ॥ ॥ पितु समनीति अधिक उन जास् ॥
 ॥ तिन्हि वोलि नृप दीन्हे उनाज ॥ ॥ आपुचले उठित पके काज ॥
 ॥ मनमहुं कनत पंथ अनुमाना ॥ ॥ सुनसनि आवत जो नत प्राना ॥
 ॥ जिमिमनु तनु दीन्हे उतिमि देउ ॥ ॥ फिनि निजन गन कना उन लेउ ॥
 ॥ सोनठ ॥ ऐहिविधिकनत विचान ॥ नृप कीन्हा तपु प्रवल अति ॥
 ॥ बीते कछु इक काल ॥ ॥ देहत जी को उपगटनहि ॥ २३४ ॥ ॥
 ॥ चौ सुनसनिला गित जहित नृपा ॥ ॥ सोत जिमूख पिअहि जल कृपा ॥
 ॥ इहां भगीनय मन अस नये ॥ ॥ पितुन आववहु दिन बलि गये ॥
 ॥ काकुस्थ नाम तनय ऐक नहे ॥ ॥ दीन्हे उनाज नीति बहु कहे ॥ ॥

॥ चौ आइ नगी यथ तव सिनु नावा ॥ ॥ बोली सुन सखि वचन सुहावा ॥
 ॥ वेगवंत नृप नथ गे आनू ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ तुन गमानु त सुन्न मजि मिन्नानू ॥
 ॥ तेहि नथ च छिचलिन पम म आगे ॥ ॥ चलि हौं मै तव पाछे लागे ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ मुनि नृप दिव्य तुन तन थ आना ॥ ॥ चळे हृदय सुमिन त भगवाना ॥ ॥
 ॥ चली अग्र कनि नृपहि सुन सरी ॥ ॥ देव नृमुदित सुमन हृदिकरी ॥
 ॥ चलत तेज कछु वन निन जाई ॥ ॥ दूर हित नुगि नि सिला सुहाई ॥ ॥
 ॥ कनहि किलो लजीव सब जाती ॥ ॥ कमठन क्रह व व्याल व हुनौं ती ॥
 ॥ मज्जन कनहि देव त ह आई ॥ ॥ मुनि गन सिद्ध न हेत हं छई ॥ ॥

॥ सोनठ कन्हि जाग जप जोग ॥ हनख हृदय नहि जाइ कहि ॥

॥ तनहि दन सते लोग असि व मुनि सज्जन कहि ॥ गंगा ॥

॥ दोहा ॥ तनपनक नहि विविध विधी हनषन हृदय समाई ॥

॥ ह्यसनेते बहुजन्मकान् अघसवदूनि न साइ ॥ २३८ ॥ ॥ ॥

॥ चौकनिजे मज्जन ध्यान लगाई ॥ तिन्हूकी महिमा कहिन हिजाई ॥

॥ स्पंदनपनन्तपसोहेकइसे ॥ तेजवंतनविदेधिअजइसे ॥ ॥ ॥

॥ नाघतसैलसुहाव्रनदेसा ॥ ॥ पाछेसुनसनिअगेननेसा ॥ ॥

॥ नाथतत्सल्लुहान्नगदत्त ॥ ॥ सुनसनिदेयित्तिर्यमननाई ॥ ॥
॥ हनिद्वानसमीपतवआई ॥ ॥ सुनसनिदेयित्तिर्यमननाई ॥ ॥

॥ तीन थ ह मन ना सुष नानी ॥ आइ प्रयाग पहुचि मुख हानी ॥

॥ तहँ मज्जन कीन्ह दुख जाई ॥ बहु निद्रे वस निवासि आई ॥ गान ॥

॥ तहमज्जनयानिउपवर्ज्य ॥ २३ ॥
॥ वननिनजाइमनोहनताई ॥ सोसिवपुनीसहजसुखदाई ॥ ॥ ॥

॥ श्रीन उत्तार्थविविधविधिजानी ॥ गईतहं किमि कहौ बखानी ॥ ॥ ॥

॥ मंगलोग नृकह कन मसनाथा ॥ जाहि चली ऐहि विधि न घुनाथा ॥

॥ येन मित्ती उदधि महजा इतव उदधि हृदय सुखमान ॥

॥ लगे उस ग्राहक न भगीन थहि तुम्ह सम धन्य न मान ॥ २३६ ॥

॥ लगे उसी ही मन प्रगाथ होई ॥ तप महिमा वलक सनहि होई ॥

॥ योकीन्हा असजसि कनका ॥ २ ॥ तात ॥ हनखवंततवन्नये उमुआला ॥
॥ समानचनयमलनेततकाला ॥

॥ सगन तनय सर्व नरतत्ता ॥
॥ जे तेने ये कनसह कोई ॥ ॥ तिन्ह के संगत ने सब आई ॥ ॥

॥ श्रीनैजेरहेकुलमहकाइ ॥ नृपसनआइकहीसबवाता ॥

॥ सकल सुनन्ति सगते हा विधाता ॥

बाल०

॥४८॥

॥ धन्य भगीनथ जस जग जये ॥ ॥ तुम्ह समान नृप और न नरे ॥
 ॥ आपनि सत्य प्रतंग पा किये ॥ ॥ संमत वेद जीव नृ सुषा दिये ॥
 ॥ गंगा सागन सब को उ कहि ॥ ॥ अघ उलका देख तर विझि ॥
 ॥ नगि मयी अस नाम कहै ॥ ॥ तिहु पुन नान द्योति ज सुगे ॥
 ॥ अस कहि विधि निज लोक सिधाये ॥ इहा भगीनथ अति सुष पाये ॥
 ॥ **दोहा** पाये अमित सुष बहु नि पूजी सुन सनी मन लाइ कै ॥
 ॥ तव दीन असीष मुदित गंगानृप न वनेगे सुष पाइ कै ॥
 ॥ ऐहि नानि सुनि गंगा कथा तव नाम मुनि च न न नृ ने ॥
 ॥ कह द्या स तुल सिनाम लख नहि म हामुनि असीष दये ॥
 ॥ **दोहा** प्रनु सुष पाइ कह पुनि वेगि चलि अमुनि नाथ ॥
 ॥ कैसिक असीष अभि अ सम पाइ ह न वन घुनाथ ॥ २४० ॥
 ॥ **चौ** गाधि सुअन सब कथा सुनाई ॥ जेहि प्रकार सुन सनि महि आई ॥
 ॥ तव प्रनु निधि नृ समेत अ नृ ने ॥ विविध दान महि दे व नृ पाये ॥
 ॥ हन विचले मुनि वृंद सहाया ॥ वेगि विदेह नगन नि अ नाया ॥
 ॥ पुन न म्यता नाम ज व देखी ॥ ॥ हन ये अनुज समेत विसे की ॥ ॥
 ॥ वापी कूप सनित सन नाना ॥ ॥ सलिल सुधा सम मनि सोपाना ॥
 ॥ गुंजत मंजु मत्त न स भंगा ॥ ॥ कूजत कल बहु व न वि हंगा ॥
 ॥ वन न व न विकसे जल जाता ॥ त्रिविध समान सदा सुष दाता ॥
 ॥ **दोहा** सुमन वाटिका बाग वन विपुल विहंग निवास ॥
 ॥ फूलत फलत सुपद्म वत सोहत पुन चहुं पास ॥ २४१ ॥
 ॥ **चौ** वने न वन नत नगर निकाई ॥ जहां जाइ मन त हं इलो नाई ॥
 ॥ चातु व जानु विचित्र अ वानी ॥ मनि मय विधि जनु सुक न संवानी ॥
 ॥ धनिक वनिक वर धन इ समाना ॥ वैठे सकल वस्तु लै नाना ॥ ॥
 ॥ **चौ** हट सुंदर गली सुहाई ॥ संतत न रहि सुगंध सिचाई ॥ ॥
 ॥ मंगल मयं मदि न सब केने ॥ ॥ चित्रित जनु रति नाथ चितेने ॥ ॥
 ॥ पुन न र नानि सुन्नग सुचि संता ॥ धन मसी लग्या नी गुन वंता ॥ ॥
 ॥ अति अनूप जह जनक निवास ॥ विथ कहि विबुध विलोकि विलास ॥
 ॥ होत चकित चित कोट विलोकी ॥ सकल नुअन सोना जनु नोकी ॥

॥ दोहा धवलधाममनिपुनटपटसुघटितनानाँति ॥

॥ सिपनिवाससुंदरसदनसोनाकिमिकहिजाति ॥ २४२ ॥

॥ चौ सुन्नगद्धानसवकुलिसकपाटा ॥ नूपमीननटमागधनाटा ॥

॥ वनीविसालवाजिगजसाला ॥ हयगयनथसंकुलसवकाला ॥

॥ सनसचिवसेनपवहुतेने ॥ नपग्रहसनिससदनसवकेने ॥

॥ पुनवाहिनसनसनितसमीपा ॥ उत्तनेजहंतहंविपुलमहिपा ॥

॥ देषिअनूपऐकअमनाई ॥ सवसुयाससवनाँतिसुहाई ॥

॥ कोसिककहेउमोनमनमाना ॥ इहानहिअनघुवीरसुजाना ॥

॥ नलेहिनाथकहिक्रपानिकेता ॥ उत्तनेतहंमुनिब्रंइसमेता ॥

॥ विस्वामित्रमहामुनिआये ॥ समाचानमिथिलापतिपाये ॥

॥ टनूसुनवनगुनगणाति ॥

॥ इतनाउऐहिनाँति ॥ २४३ ॥

॥ म ॥

॥ ६ ॥

तदशः यदालोक्या लहादं हृदयनि मज्जा-

किमपियामिनस्तकिलभवान् ॥ २४ ॥ वमर्कस्वसीमस्वमसिपमनिनाथागा ॥

वनसंहृतवहस्वमापस्वव्योमत्वमधुरतीरात्तालमितिचपरि ॥ गागा ॥

धिन्नामेवंत्वयिपरिगाताविभ्रतुगिरं ॥ नविद्रस्ततत्वेवयामि ॥ गागा ॥

हहियत्वंनभवसि ॥ २६ ॥ त्रयींतिस्वोवतीस्त्रिभुवनमथोत्रीनपिस ॥ गागा ॥

रानकाराद्यैर्वतौस्त्रिभिरभिदधतीराविकृति ॥ तुरीयेतेधामधुनि ॥ ना ॥

भित्खसंधानमणुभिस्मसस्तवंसंतांशरादग्गतात्योमितिपदं ॥ २७ ॥ ॥ ६ ॥ गागा ॥

॥ त्त ॥

॥ मूनतिमधुनमनोहनदेवी ॥ नऐउविदेहविदेहविसेवी गागा ॥

॥ दोहा प्रेममगनमनजानिनपकपिविवेकधनिधीन ॥

॥ बोलेउमुनिपटनाइसिनगटगटगिनागंजीन ॥ २४४ ॥

॥ चौ कहहुनाथसुंदरदोउवालक ॥ मुनिकुलतिलककिनपकुलपालक ॥

॥ ब्रह्मजोनिगमनेतिकहिगावा ॥ उन्नयवेषधनिकीसोइआवागागा ॥

॥ सहजविनागनूपमनमोना ॥ थकितहोतजिमिचंदचकोनागागा ॥

॥ तातेप्रनुपूँछहुसतिआउ ॥ कहहुनाथजनिकनहुडुनाउ ॥

॥ इन्हहिविलोकतअतिअनुगा ॥ वनवसब्रह्मसुधहिमनत्यागागा ॥

॥ कहमुनिविहसिकहेहुनृपनीक ॥ वचनतुम्हाननहेइअलीकागागा ॥

बाल०

॥४८॥

॥ धन्यन्नगिनयजसजगजऐकु ॥ ॥ तुम्हसमाननृपओनननऐकु ॥
 ॥ आपनिसत्यप्रतंग्याकिएकु ॥ ॥ संमतवेदजीवरुसुषदिएकु ॥
 ॥ गंगासागनसवकोउकहिहि ॥ ॥ अघउलकंदेषतनविझिहि ॥
 ॥ नगिमयीअसनामकहैहहि ॥ ॥ तिहुपुननानदादिजसुगेहहि ॥
 ॥ असकहिविधिनिजलोकसिधाऐ ॥ इहानगिनयअतिसुषपाऐ ॥
 ॥ **धर**पाऐअमितसुषवहुनिपूजीसुनसनीमनलाइकै ॥
 ॥ तवदीन्हआसिषमुदितगंगानृपनवनगेसुषपाइकै ॥
 ॥ ऐहिनांतिसुनिगंगाकथातवनाममुनिचनननरुनऐ ॥
 ॥ कहहासतुलसिरामलषनहिमहामुनिआसिषदऐ ॥
 ॥ **दोहा** प्रभुसुषपाइकहापुनिवेगिचलिअमुनिनाथ ॥
 ॥ ~~ये~~ **ये** ~~नगिनयअतिसुषपाइ~~ **ह** ~~न~~ **ध** ~~न~~ **धु** ~~नाथ~~ ॥ २४० ॥

घापित्यजतिनमगव्याधरभसः ॥ २५ ॥ स्वला वरणाशंसाधतधनु
 वमनायदशावसुरः पुष्टं दृष्टा पुरमथनपुष्पायुधमपियदिस्रैरां दे
 वीयमनिरतदेहार्धघटनादेवैतिलामखावतवरदमुग्धायुवत
 यः ॥ २३ ॥ शमशानेक्षाक्रीडास्मरहरपिशाचाः सहचराश्चिताभस्मा
 लेषः स्वगापिठकरोहिपरिकरः ॥ अमंगलं शीलंतवभवतु नोमेवम
 खिलंतथापिस्मर्तृणां वरदपरममंगलमसि ॥ २५ ॥ मनःप्रसन्निते
 सविधमविधायात्तमरुतः ॥ २४ ॥ **प्र** **ह** **ष** **द्र** **मा** ॥ **र** **त्र** **व** **ध** **ल** **न** **न** **स** **दा** **सु** **ष** **दा** **ता** ॥

रहिआइ ॥
 रनृपाऐ ॥
 अनाया ॥
 सिद्धि ॥
 नसोपाना ॥
 विहंगा ॥

गवनविपुलविहंगनिवास ॥

॥ फूलतफलतसुपद्वतसोहतपुनचहुंपास ॥ २४१ ॥
 ॥ **चौ** **वै** **नै** **न** **व** **न** **त** **न** **ग** **र** **न** **ि** **का** **ई** ॥ जहांजाइमनतहंइलोनाई ॥
 ॥ चानुवजानुविचित्रअवानी ॥ मनिमयविधिजनुसुकनसंवानी ॥
 ॥ धनिकवनिकवनधनइसमाना ॥ वैठेसकलवस्तुलैनाना ॥
 ॥ **चौ** **ह** **ट** **सु** **सु** **द** **न** **ग** **ली** **सु** **ह** **ई** ॥ संततनहहिसुगंधसिचाई ॥
 ॥ मंगलमयमंदिरसबकेने ॥ चित्रितजनुरतिनाथचितेने ॥
 ॥ पुननरनानिसुन्नगसुचिसंता ॥ धनमसीलग्यानीगुनवंता ॥
 ॥ अतिअनूपजहजनकनिवास ॥ विश्वकहिविवुधविलोकिविलास ॥
 ॥ होतचकितचितकोटविलोकी ॥ सकलनुअनसोनाजनुनोकी ॥

॥ दोहा धवलधाममनिपुनटपटसुघटितनाना नौति ॥

॥ सिपनिवाससुंदरसदनसोनाकिमिकहिजाति ॥ २४२ ॥

॥ चौ सुन्नगद्वानसवकुलिसकपाटा ॥ नूपमीननटमागधनाटा ॥

॥ वनीविसालवाजिगजसाला ॥ ॥ हयगयनथसंकुलसवकाला ॥

॥ सनसचिवसेनपवहुतेने ॥ ॥ नपग्रहसनिससदनसवकेने ॥

॥ पुनबाहिनसनसनितसमीपा ॥ उत्तनेजहंतहंविपुलमहिपा ॥

॥ देषिअनूपऐकअमनाई ॥ ॥ सवसुपाससव नौतिसुहाई ॥

॥ कोसिककहेउमोनमनमाना ॥ इहानहिअनधुवीनसुजाना ॥

॥ नलेहिनाथकहिक्रपानिकेता ॥ उत्तनेतहंमुनिबुंदसमेता ॥

॥ विस्वामित्रमहामुनिआये ॥ ॥ समाचारमिथिलापतिपाये ॥

॥ दोहा संगसचिवसुचिन्ननिनटनूपवनगुनगणाति ॥

॥ चलेमिलनमुनिनाथकहिमुदितनाउणेहि नौति ॥ २४३ ॥

॥ चौ कीर्त्तप्रनामचननधनिमाथा ॥ हीन्हिअसिसमुदितमुनिनाथा ॥

॥ विप्रबुंदसवसादनबंदे ॥ ॥ जानिचागप्रवउनाउअनंदे ॥

॥ कुसलप्रश्नकहिवानहिवाना ॥ विस्वामित्रनूपहिवैठाना ॥

॥ तेहिअवसनआयेहोउनाई ॥ ॥ गयेनहेदेसनफुलवाई ॥

॥ स्यामगोनम्रदुवयसकिसोना ॥ लोचनसुषटविस्वचितचोना ॥

॥ उठेसकलजवनधुपतिआये ॥ विस्वामित्रनिकटवैठाये ॥

॥ नयेसवसुषीदेषिहोउनाता ॥ वानिविलोचनपुलकितगाता ॥

॥ मूनतिमधुनमनोहनदेवी ॥ ॥ नयेउविदेहविदेहविसेवी ॥

॥ दोहा प्रेममगनमनजानिनूपकनिविवेकधनिधीन ॥

॥ बोलेउमुनिपटनाइसिनगदगदगिनागंजीन ॥ २४४ ॥

॥ चौ कहहुनाथसुंदरहोउवालक ॥ मुनिकुलतिलककिनूपकुलपालक ॥

॥ ब्रह्मजोनिगमनेतिकहिगावा ॥ ॥ उनयवेषधनिकीसोइआवा ॥

॥ सहजविनागनूपमनमोना ॥ थकितहोतजिमिचंदचकोना ॥

॥ तातेप्रभुपूँछहुसतिआउ ॥ ॥ कहहुनाथजनिकनहुदुनाउ ॥

॥ इन्हिविलोकतअतिअनुगा ॥ ॥ वनवसब्रह्मसुषहिमनत्यागा ॥

॥ कहमुनिविहसिकहेहुनपनीक ॥ ॥ वचनतुम्हाननहोइअलीका ॥

वाल०

॥५०॥

॥ ऐप्रियसवहिजहालगिप्रानी ॥ ॥ मनमुसुकाहिंरामसुनिवानी ॥

॥ नद्युकुलमनिदृसनयकेजाये ॥ ॥ ममहितलागिननेसपठाये ॥

॥ दोहा ॥ रामलछनहोउबंधुवननूपसीलवलधाम ॥

॥ मधनायेउसवसाधिजगजीतिअसुनसंगाम ॥ २४५ ॥

॥ चौ सुनितवचनितदेधिकहनाउ ॥ कहिनसकौनिजपुंनूप्रनाउ ॥

॥ सुंदनस्यामगौरहोउन्नाता ॥ ॥ आनदहूकेआनदहाता ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ इन्हेकैप्रीतिपरसपन पावन ॥ कहिनजाइमनचावसुहावन ॥

॥ सुनहुनाथकहमुदितविदेहू ॥ वलजीवइवसहजसनेहू ॥ ॥ ॥ ॥

॥ पुनिपुनिप्रनुहिचितवनरनाहू ॥ पुलकगातउनअधिकउछाहू ॥

॥ मुनिहिप्रससिनाइपदसीस् ॥ चलेउलवाइनगनअवनीस् ॥

॥ सुंदनसदनसुषदसवकाला ॥ तहंवासलेहीनहुनुवाला ॥ ॥ ॥ ॥

॥ कनिपूजासवविधिसेवकाई ॥ गयेउनावगहविहाकनाई ॥ ॥ ॥ ॥

॥ दोहा ॥ मिथिन्हसंगनधुवंसमनिकनिनोजनविश्राम ॥

॥ बैठेप्रनुआतासहितदिवसनहाननिजाम ॥ २४६ ॥

॥ चौ लखनहुदयलालसाविसेधी ॥ जाइजनकपुनआइयेदेधी ॥ ॥ ॥ ॥

॥ प्रनुनयवहुनिमुनिहिसकुचहिं ॥ प्रगटनकहहिमनहिमुसुकाहिं ॥

॥ रामअनुजमनकीगतिजानी ॥ भक्तवधलताहियहुलसानी ॥

॥ पनमविनीतसकुचिमुसुकाई ॥ बोलेगुनअनुसासनपाई ॥ ॥ ॥ ॥

॥ नाथलखनपुनदेखनचहहिं ॥ प्रनुसकोचउनप्रगटनकहहिं ॥

॥ जोनावनआयसुमेपाउ ॥ नगनदियाइतुनितलेआउ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ सुनिमुनीसकहवचनसप्रीती ॥ कसन्हारामनुमनाखहुनीती ॥ ॥ ॥ ॥

॥ धरमसेनुपालकतुमताता ॥ प्रेमविवससेवकसुषदाता ॥ ॥ ॥ ॥

॥ दोहा ॥ जाइदेधिआवहुनगनसुषनिधानहोउनाइ ॥

॥ कनहुसुफलसवकेनयनसुंदनवदनदियाई ॥ २४७ ॥

॥ चौ मुनिपदकमलवंदिहोउन्नाता ॥ चलेलोकलोचनसुषदाता ॥ ॥ ॥ ॥

॥ बालकब्रंदेधिअतिसोना ॥ लगेसंगलोचनमनलोना ॥ ॥ ॥ ॥

॥ पीतवसनपनिकनिकटनाथा ॥ बाउचापसनसोहतहाथा ॥ ॥ ॥ ॥

॥ तनुअनुहनतसुचंदनयोनी ॥ स्यामलंगोनमनोहनजोनी ॥ ॥ ॥ ॥

॥ केहनिकंधनबाहुविसाला ॥ उनअतिनुचिननागमनिमाला ॥ ॥ ॥ ॥

॥ सुभग सोनसनसी उहलोचन ॥ वदनमयंकतापत्रयमोचन ॥

॥ काननिकनकफूलधविदेही ॥ चितवतचितहिचेनिजनुलेही ॥

॥ चितवनिचाउभकुटिवरवांकी ॥ तिलकनेषसोनाजनुचांकी ॥

॥ दोहा उचिनचोतनी सुभगसिनमेचककुंचितकेस ॥

॥ नयसिधसुंदनबंधुहोउसोनासकलसुदेस ॥ २४८ ॥

॥ चौदेखननगननूपसुतआये ॥ समाचारपुनवासिन्हपाये ॥

॥ धायेधामकामसवत्यागे ॥ मनहुनंकनिधिलूटनलागे ॥

॥ निरधिसहजसुंदनहोउचाई ॥ होहिसुधीलोचनफलपाई ॥

॥ जुवतीनवनहरोषहिलागी ॥ निरधहिनामनूपअनुनागी ॥

॥ कहहिपरसपनवचनसप्रीती ॥ सधिइन्हकोटिकामध्विजीती ॥

॥ सुनननअसुननागमुनिमोहि ॥ सोनाअसिकहुंसुनिअतनोहि ॥

॥ विष्नुचानिभुजविधिमुषचानी ॥ विकटवेषमुखपंचपुनानी ॥

॥ अपनदेवअसकोउनआहि ॥ यहध्वविस्वीपटतनियजाहि ॥

॥ दोहा वयकिसोनसुषमासदनस्यामगौरसुषधाम ॥

॥ अंगअंगपनवारनिअहिकोटिकोटिसतकाम ॥ २४९ ॥

॥ चौकहुसुधीअसकोतनुधानी ॥ जोनमोहयहूरूपनिहानी ॥

॥ कोउसप्रेमवोलीभिदुवानी ॥ जोमैसुनासोसुनहुसयानी ॥

॥ ऐहोउहसनथनूपकेछोटा ॥ बालमनालन्हिकेकलजोटा ॥

॥ मुनिकोसिकमषकेनयवाने ॥ जिन्हननअजिननिसाचनमाने ॥

॥ स्यामगातकलंकजविमोचन ॥ जोमानीचसुबाहुमदमोचन ॥

॥ कोसल्यासुतसोसुषयानी ॥ नामनामधनुसायकपानी ॥

॥ गोनकिसोनवेषवनकाछे ॥ कनसनचापनामकेपाछे ॥

॥ लक्ष्मननामनामलघुआता ॥ सुनुसधितासुसुमित्रामाता ॥

॥ दोहा विप्रकाजकनिबंधुहोउमगमुनिवधूउधानि ॥

॥ आऐदेखनचापमधसुनिहनवीसवनानि ॥ २५० ॥

॥ चौदेखिनामध्विकोउऐककहई ॥ जोगजानकिहियहवउअहई ॥

॥ जोसधिइन्हहिदेखिनननाहू ॥ पनुपरिहनिहठिकेनेविवाहू ॥

॥ कोउकहऐनूपतिपहिचाने ॥ मुनिसमेतसादनसनमाने ॥

वाल्मीकि

॥५१॥

॥ सखिपनंतुपनुनाउनतजई ॥॥ विधिवसहठिअविवेकहिभजई ॥॥
 ॥ कोउकहजौअलअहहिविधाता ॥॥ सबकहसुनिअउचितफलदाता ॥॥
 ॥ तौजानकिहिलिलिहिवनयेहू ॥॥ नाहिनअलीइहंसंदेहू ॥॥ ॥॥ ॥॥
 ॥ जौविधिवसअसवनेसंजोगू ॥॥ तौकृतकृत्यहोइसबलोगू ॥॥ ॥॥
 ॥ सखिहमनेअनतिअतितोते ॥॥ कवहुकुऐइआवहिऐहिनोते ॥॥

॥ दोहा ॥ नाहितहमकहसुनहुसखिइन्हकनइनसनदूनि ॥

॥ यहसंघटतवहोइजवपुंन्यपुनाकृतभूनि ॥२५१॥ ॥॥

॥ चौबोलीअपनकहहुसखिनीका ॥॥ ऐहिविवाहअतिहितसबहीका ॥॥
 ॥ कोउकहसंकनचापकठोना ॥॥ ऐस्यामलअदुगातकिसोना ॥॥ ॥॥
 ॥ सबअसमंजसअहइसयानी ॥॥ यहसुनिअपनकहैअदुवानी ॥॥
 ॥ सखिइन्हकहकोउकोउअसकहै ॥॥ बडप्रभावदेखतलधुअहहो ॥॥
 ॥ परसिजासुपटपंकजधूनी ॥॥ ॥॥ ॥॥ ॥॥ तनीअहितपाकृतअधनूनी ॥॥
 ॥ सोकिनहहिविनुसिबधनुतोने ॥॥ यहप्रतीतिपमिहनिअननोने ॥॥
 ॥ जेहिविनंचिनचिसीपसंवानी ॥॥ तेहिस्यामलवनुनचेउविचानी ॥॥
 ॥ तासुवचनसुनिसबहनयानी ॥॥ असहिहोउकहहिअदुवानी ॥॥

॥ दोहा ॥ हियहनषहिवनषहिमुमनसुमुषिसुलोचनिब्रंद ॥

॥ जहिजहंजहंवंधुहोउतहंतहंपनमअनंद ॥२५२॥ ॥॥

॥ चौपुनपुनवदिसिगेहोउनाई ॥॥ जहांधनुषमषअमिवताई ॥॥ ॥॥
 ॥ अतिविस्तानचानुगचछानी ॥॥ विमलवेदिकाउचिनसंवानी ॥॥ ॥॥
 ॥ बहूंदिसिकंचनमंचविसाला ॥॥ नचेजहांवेठहिमहिपाला ॥॥ ॥॥
 ॥ तेहिपाछेसमीपचहुपासा ॥॥ अपनमंचमंडलीविलासा ॥॥ ॥॥
 ॥ कछुकउचिसबअतिसुहाई ॥॥ वेठहिनगनलोगजहंजाई ॥॥ ॥॥
 ॥ तिन्हकेनिकटविसालसुहाए ॥॥ धवलधामवहुवननवनाए ॥॥ ॥॥
 ॥ जहंवेठेदेखहिसवनानी ॥॥ ॥॥ ॥॥ ॥॥ जथाजोगनिजकुलअनुहानी ॥॥
 ॥ पुनवालककहिकहिअदुवचना ॥॥ साइनप्रनुहिदेखावहिनचना ॥॥

॥ दोहा ॥ सवसिसुऐहिसिप्रेमवसपनसिमनोहनगात ॥

॥ तनुपुलकहिअतिहनषहियदेखिदेखिहोउन्नात ॥२५३॥

॥ चौसिसुसवनामप्रेमवसजाने ॥॥ प्रीतिसमेतनिकेतवषाने ॥॥ ॥॥ ॥॥

॥ निजनिजनुचिसवलेहिबोलाई ॥ ॥ सहितसनेहजाहिदोउन्नाई ॥
 ॥ नामदिखावहिअनुजहिनचना ॥ कहिमदुमधुनमनोहनवचना ॥
 ॥ लवनिमेषमहनुवननिकाया ॥ नचहिजासुअनुसासनमाया ॥
 ॥ भक्तिहेतुसोइहीनदयाला ॥ ॥ चितवतचकितधनुषमखसाला ॥
 ॥ कोनुकदेधिचलेगुनपांहीं ॥ ॥ जानिविलंबत्रासमनमंहीं ॥
 ॥ जासुत्रासउनकहुउनहोई ॥ ॥ नजनप्रभावेदेखावतसोई ॥
 ॥ कहिवातैमदुमधुनसोहाई ॥ ॥ कियेविट्ठावालकवनिआई ॥

॥ दोहा सनयसप्रेमविनीतअतिसकुचसहितदोउन्नाई ॥

॥ गुनपट्टपंकजनाइसिनवैदेआयसुपाई ॥ २५४ ॥ ॥ ५ ॥

॥ चौनिसिप्रवेसमुनिआयसुहीन्ह ॥ सर्वहोसंध्याबंदनकीन्ह ॥
 ॥ कहतकथाइतिहासपुरानी ॥ उचिननजनिजुगजामसिनानी ॥
 ॥ मुनिवनसयनकीन्हितवजाई ॥ लगेचननचापनदोउन्नाई ॥
 ॥ जिन्हकेचननसरोनुहलागी ॥ करतविविधजपजोगविरागी ॥
 ॥ तेदोउबंधुप्रेमजनुजीते ॥ ॥ गुनुपदकमलपलोतप्रीते ॥
 ॥ वानवानमुनिआगयाहीन्ह ॥ नधुवनजाइसयनतवकीन्ह ॥
 ॥ चापतचननलखनउनलाऐ ॥ सनयसप्रेमपनमसचुपाऐ ॥
 ॥ पुनिपुनिप्रनुकहसोवहुताता ॥ पौछेधनिउनपदजलजाता ॥

॥ दोहा उठलखननिसिविगतमुनिअनुनसिषाधुनिकान ॥

॥ गुनतेपहिलहिजगतपतिजागेनामसुजान ॥ २५५ ॥ ॥ ॥

॥ चौसकलसौचकनिजाइनहाऐ ॥ नित्यनिवाहिमुनिहिसिननाऐ ॥
 ॥ समयजानिगुनआयसुपाई ॥ लेनप्रसूनचलेदोउन्नाई ॥
 ॥ भूपवागवनदेखेउजाई ॥ ॥ जहंवसंतनितुनहीनुलाई ॥
 ॥ लागेविटपमतोहननाना ॥ वननवननवनवेलिविताना ॥
 ॥ नवपल्लवफलसुमनसुहाऐ ॥ निजसंपतिसुनरूखलजाऐ ॥
 ॥ चातककोकिलकीनचकोना ॥ कूजतविहगनटतकलमोना ॥
 ॥ मध्यवागसनसोहसुहावा ॥ मनिसोपानविचित्रवनावा ॥
 ॥ विमलसतिलसनसिजवहुंगा ॥ जलष गकूजतगुंजतनंगा ॥

॥ दोहा वागतडागविलोकिप्रनुहनखेबंधुसमेत ॥

॥ पनमनम्यआनामयहजोनामहिसुषदेत ॥ २५६ ॥

वाल०

॥५२॥

॥ चहुँदिसिचितयँरूँशिमालीगन ॥ लगेलेनदलफूलमुदितमन ॥
 ॥ तेहिअवसनसितातहँआई ॥ गिरिजापूजनजननिपठाई ॥
 ॥ संगसखीसवसुन्नगसयानी ॥ गावहिगीतमनोहनवानी ॥
 ॥ सनसमीपगिरिजाग्रहसोहा ॥ वननिनजाइदेखिमनमोहा ॥
 ॥ मज्जनकनिसनसधिन्हसमेता ॥ गईमुदितमनगोनिनिकेता ॥
 ॥ पूजाकीन्हिअधिकअनुनागा ॥ निजअनुरूपसुन्नगवनुमागा ॥
 ॥ ऐकसखीसियसंगविहाई ॥ गईरहीदेखनफूलबाई ॥
 ॥ तेहिदोउबंधुविलोकेजाई ॥ प्रेमविवससितापहिआई ॥
 ॥ तासुदसादेखीसधिन्हपुलकगातजलनयन ॥ ॥ ॥

॥ कहुकानननिजहनषकनरूँछहिसवअदुवयन ॥ २५१ ॥

॥ चौदेखनवागुकुअनदुइआये ॥ वयकिसोनसबनौतिसुहाये ॥
 ॥ स्यामगोनकिमिकहुउवयानी ॥ गिनाअनयननयनविनुवानी ॥
 ॥ सुनिहनवीसवसखीसयानी ॥ सियहियअतिउतकंठाजानी ॥
 ॥ ऐककहहिन्पसुततेइआली ॥ सुनेजेमुनिसंगआयेउकाली ॥
 ॥ जिननिजरूपमोहिनीउानी ॥ कीन्हैस्ववसनगननननानी ॥
 ॥ वननतछविजहंतहसवलोग ॥ अवसिदेखिअहिदेखनजोग ॥
 ॥ तासुवचनअतिसियहिसोहने ॥ हरसलागिलोचनअकुलाने ॥
 ॥ बलौअग्रकनिप्रियसधिसोई ॥ प्रीतिपुनातनलेंधेनकोई ॥
 ॥ दोहा सुमिनिसीयनानदवचनउपजीप्रीतिपुनीत ॥ ॥ ॥

॥ चकितविलोकतिसकलदिसिजनुसिसुमगीसभीत ॥ २५२ ॥

॥ चौकंकनकिंकिनिनूपुनधुनिसुनि ॥ कहतलखनसननामहुदयगुनि ॥
 ॥ मानहुमदनहुंदुनीहीही ॥ मनसाविस्वविजयकहकीही ॥
 ॥ असकहिफिनिचितऐतेहिओना ॥ सियमुखससिन्नऐनयनचकोना ॥
 ॥ नऐविलोचनचाउअचंचल ॥ मनहुसकुचिनिमित्तजदिगंबल ॥
 ॥ देखिसीयसोनासुषुपावा ॥ हुदयसनाहतवचननआवा ॥
 ॥ जनुविनंचिसवनिजनिपुनाई ॥ विनचिविस्वकहप्रगटदिबाई ॥
 ॥ सुंदनताकहसुंदनकनई ॥ छविग्रहदीपसियाजनुधनई ॥
 ॥ सबउपमाकविनहेजुठानी ॥ केहिपटतनौविदेहकुमानी ॥
 ॥ दोहा ॥ सियसोना ॥ ॥ ॥

॥ बोलिसुचिमनअनुजसनवचनसमयअनुहनि ॥ २५६ ॥
 ॥ चौ तातजनकतनयायहसोई ॥ ॥ धनुषजग्यजेहिकाननहोई ॥
 ॥ पूजनगोनिसधीलेआई ॥ ॥ कनतप्रकासफिरहिफुलवाई ॥
 ॥ जासुविलोकिअलोकिकसोना ॥ सहजपुनीतमोनमनधेरा ॥
 ॥ सोसवकाननजानविधाता ॥ फनकहिसुनदअंगसुनुआता ॥
 ॥ नद्युबंसिन्हकनसहजसुनहु ॥ मनकुपंधपगधनेनकाउ ॥
 ॥ मोहिअतिसयप्रीतिसिमकैसी ॥ जेहिसपनेपननानिनहेनी ॥
 ॥ जिन्हकेलेहेननिपुननपीठी ॥ नहिपावहिपनतियमनुडीठी ॥
 ॥ मंगलनलहहिनजिन्हकेनाही ॥ तेनरवनथोनेजगमाही ॥ ॥ ॥

॥ दोहा कनतवतकहिसुनुजसनमनसियरूपलुभान ॥

॥ मुखसनोजमकनंदध्वविकनेमधुपइवपान ॥ २६० ॥

॥ चौचितवतचकितचहूँदिसिसिता ॥ कहगएनपकिसोनमनचीता ॥
 ॥ जहविलोकअगसावकनयनी ॥ जनुतहवनिसकमलसतसेनी ॥
 ॥ लतादोटतवसधिनलखाए ॥ स्पामलगोनकिसोनसुहाए ॥
 ॥ देखिरूपलोचनललचाने ॥ हनखेजनुनिजनिधिपहिचाने ॥
 ॥ थकेनयननद्युपतिध्वविदेखे ॥ पलकन्हिहूँपनिहनीनिमेखे ॥
 ॥ अधिकसनेहदेहजइनेनी ॥ सनइससिहिजनुचितवचकेसी ॥
 ॥ लोचनमगनामहिउनआनी ॥ इन्हिपलककपाटसयानी ॥ ॥ ॥
 ॥ जवसियसधीप्रेमवसजानी ॥ कहिनसकहिकधुमनसकुचानी ॥

॥ दोहा लतानवनतेप्रगटनेतेहिअवसरहोउनाइ ॥ ॥ ॥

॥ निकसेजनुजुगविमलविधुजलदपटलविलगाइ ॥ २६१ ॥

॥ चौ सोनासीमसुनगहोउवीना ॥ नीलपीतजलजानसनीना ॥ ॥ ॥
 ॥ मोनपंधसिनसोहतनीके ॥ गुधवीचविचकुसुमकलीके ॥ ॥ ॥
 ॥ भालतिलकअमविंदुसुहाए ॥ अवनसुनगनूषनध्वविधारे ॥ ॥ ॥
 ॥ विकटचक्रुकचधुंधनवाने ॥ नवसनोजलोचननतनाने ॥ ॥ ॥
 ॥ चानुचिवुकनासिकाकपोला ॥ हासविलासलेतमनमोला ॥ ॥ ॥
 ॥ मुखध्वविकहिनजाइमोहियाहि ॥ जेहिविलोकिवहुकामलजाही ॥ ॥ ॥
 ॥ उनमनिमालकंबुकलगीवा ॥ कामकलनकननुजवलसीवा ॥ ॥ ॥

बाल०

॥५३॥

॥ सुमनसमेतवामकनदोना ॥ ॥ ॥ साँवर कुँअनसषीअतिलोना ॥

॥ दोहा केहनि कटि पटपीत धन सुषमा सीलनिधान ॥

॥ देखि जानु कुल भूषन हि विसना सधि नूअणान ॥ २६२ ॥

॥ चौधनिधीन जंऐक अली सयानी ॥ सीता सनवोली गहि पानी ॥ ॥

॥ बहुनिगोनि कनध्यान कने हू ॥ अपकि सोन देखि किन ले हू ॥ ॥

॥ सकुचि तीयत वनयन उद्याने ॥ सन मुख हो उन धुसिंह निहाने ॥

॥ नखसिध देखि नाम के सोना ॥ सुमिनि पितापनु मनुअति धोभा ॥

॥ पनवस सषी नू लषी जव सीता ॥ भये उगहुनु सब कहहि सनीता ॥

॥ पुनिआ उवऐ हि वेनिआ काली ॥ अस कहि मन विहसि ऐक अली ॥

॥ गूछि गिना सुनि सिय सकुचानी ॥ भये उविलं वमातु नयमानी ॥

॥ धनि वीडिधीन नाम उन आने ॥ फिनिआ पनपो पितु वस जाने ॥

॥ दोहा ॥ देखन मिस मृग विहगत नु फिरे बहो न बहोनि ॥

॥ निनधिनिनधिन धुवीन धर विवाछे प्रीति नथोनि ॥ २६३ ॥

॥ चौजानि कठिन सिव चाप विस्तरति ॥ बलीनाधि उन स्यामल मूरति ॥ ॥

॥ प्रभु जव जात जानकी जानी ॥ सुषसने ह सोना गुन धानी ॥ ॥

॥ एनम प्रेम मय म्रदुमसि कीन्ह ॥ चानुचित नीतन लिखिलीन्ह ॥ ॥

॥ गई नवानी नवन बहोनी ॥ बंदिचन नवोली कन जोनी ॥ ॥

॥ जय जय गिनि वन राज कि सोनी ॥ जय महेस मुख चंद चकोरी ॥ ॥

॥ जय गज वदन धडा नन माता ॥ जगत जननि दामिनि दुति गाता ॥

॥ नहि तव आदि मध्य अवसाना ॥ अमित प्रभाव वेदन हि जाना ॥ ॥

॥ भवन बबिचन वपरा भव कपिनि ॥ विस्वविमोहनि स्ववस विहानिनि ॥ ॥

॥ दोहा ॥ पति देवता सुतीय महमातु प्रथमत वनेष ॥ ॥ ॥

॥ महिमा अमित न सकहि कहि सहस सानदासेष ॥ २६४ ॥

॥ चौसे बत तोहि सुलन फल चारी ॥ वन दायिनि त्रिपुनानि पिआनी ॥ ॥

॥ देवि पूजि पटक मल तुम्हारे ॥ सुनन न मुनि सब होहि सुषारे ॥ ॥

॥ मोन मनो नथ जानहुनी के ॥ वसहु सदा उन पुन सब ही के ॥ ॥

॥ कीन्ह उ प्रगटन कारन तेहि ॥ अस कहि चरन गहे वै देहि ॥ ॥

॥ विनय प्रेम वस नई नवानी ॥ यसीमाल मूरति मुसुकानी ॥ ॥

॥ सादरसिय प्रसाद उर धरेडु ॥ ॥ बोलीगोपि हन धीहिय न रेडु ॥
 ॥ सुनु सिय सत्य श्रीसह मनी ॥ पूजिहि मन काम ना तुम्हानी ॥
 ॥ नानद वचन सदा सुचि सांचा ॥ सोवनु मिलिहि जाहि मन नाचा ॥
 ॥ धर मन जाहिनाचो मिलिहि सोवनु सहज सुंदर सावरो ॥
 ॥ कनुना निधान सुजान सील सनेह जानत नावरो ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ ऐहि नतिगोपि श्रीसमुनिसिय सहित हिय हन धीअलि ॥
 ॥ तुलसीनवा निहि पूजि पुनि पुनि मुदित मन मंदिन चली ॥
 ॥ सोनडा ॥ जानिगोपि अनुकूल ॥ सिय हिय हन धन जाइ कहि ॥
 ॥ मंजुल मंगल मूल ॥ वाम अंग फन कन लगेउ ॥ २६५ ॥
 ॥ चौहूदय सनाहत सीय लोनाई ॥ ॥ गुनु समीप गवने होउ नाई ॥
 ॥ नाम कहा सब कोसिक पाहि ॥ ॥ सनल सुना वधु अत छल नाहि ॥
 ॥ सुमन पाइ मुनि पूजा कीन्ह ॥ ॥ पुनि श्रीस होउ नाइ न्ही ॥
 ॥ सुफल मनो नय होहु तुलाने ॥ ॥ नाम लखन सुनि न ऐ सुधाने ॥
 ॥ कनि नो जन मुनि वन विग्यानी ॥ ॥ लगे कहन कथु कथा पुनानी ॥
 ॥ विगत दिवस गुनु आऐ सुपाई ॥ ॥ संध्या करन चले होउ नाई ॥
 ॥ प्राची दिशि सिसि उऐ उ सुहावा ॥ सिय मुख सनि सदे धिसुष पावा ॥
 ॥ बहुनि विचान कीन्ह मन माहि ॥ ॥ सीय वदन समहि मकर नाहि ॥
 ॥ दोहा ॥ जनमी सिंधु पुनि वंधु विषु दिन मलीन सकलंक ॥
 ॥ सिय मुख समता पाव किमि चंद वा पुनो नंक ॥ २६६ ॥
 ॥ चौधौ टै वंछे विरहिनि दुषदाई ॥ ॥ ग्रंसेना हुनि जसंधि हि पाई ॥
 ॥ कोक लोक प्रद पंकज दोहि ॥ ॥ अवगुन बहुत चंद मातोहि ॥
 ॥ वैदेही मुख पटत नहीन्ह ॥ ॥ होइ होष वड अनुचित कीन्ह ॥
 ॥ सिय मुख छवि विधु व्याज वषाति ॥ गुनु पै हचले उनि सावडि जानी ॥
 ॥ कनि मुनि चरन सरोज प्रनामा ॥ आय सुपाइ कीन्ह विश्रामा ॥
 ॥ विगत निसान घुनायक जागे ॥ वंधु विलोकिक हन असलागे ॥
 ॥ उऐ उअनुन अवलोक हुताता ॥ पंकज कोक लोक सुषदाता ॥
 ॥ बोलेल लखन जोनि जुग पानी ॥ प्रनु प्रना वसचक म्रदुवानी ॥
 ॥ दोहा ॥ अनुनदे धिस कुच कुमुद उडगन जोति मलीन ॥

बाल०

॥५४॥

॥ जिमितुम्हानआगमनुसुनिभएनृपतिवलहिन ॥२६७॥
 ॥ चैनृपसवनधतकनहिउजिआनी ॥ रागिनसकहिचापतमन्नारी ॥
 ॥ कमलकोकमधुकनधगनाना ॥ हनखेसकलनिसाअवसाना ॥
 ॥ अएसहिप्रनुसवन्नगततुलाने ॥ होइहिदूटैधनुषसुधाने ॥
 ॥ भएउन्नानुविनुअमतमनासा ॥ दुनेनधतजगतेजप्रकासा ॥
 ॥ नविनिजउदयव्याजनधुनाया ॥ प्रनुप्रतापसवनृपहिद्विषा ॥
 ॥ तबनुजवलमहिमाउदघाटी ॥ प्रगटिधनुविघटनपनिपाटी ॥
 ॥ बंधुवचनसुनिप्रनुमुसुकाने ॥ होइसुचिसहजपुनीतनहाने ॥
 ॥ नित्यक्रियाकनिगुनुपंहिआये ॥ चरनसनोजसुन्नगसिनुनाये ॥
 ॥ सतानंदतवजनकबोलये ॥ कोसिकमुनिपहितुनत्तपठये ॥
 ॥ जनकविनयतिरुआयसुपाई ॥ हनखेबोलिलियेहोउन्नाई ॥

॥ दोहा सतानंदपदवंदिप्रनुवैठेगुनपहिजाइ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ चलहुतातमुनिकहेउतवपठवाजनकबोलाइ ॥ २६८ ॥

॥ चोशियस्वयंवरेद्विअजाई ॥ ईसकाहिधोदेहिवडाई ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ लखनकहाजसन्नाजनसोई ॥ नाथक्रपातवजापनहोई ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ हनखेसुनिसवमुनिवनवानी ॥ दानिअसीससवहिसुधमानी ॥
 ॥ पुनिमुनिब्रह्मसमेतक्रपाला ॥ देखनचलेधनुषमधसाला ॥
 ॥ नंगनूमिआयेहोउन्नाई ॥ असिसुधिसवपुनवासिन्हपाई ॥
 ॥ चलेसकलग्रहकाजविसानी ॥ बालजुवानजनठनननानी ॥
 ॥ देखीजनकजीनन्नइनानी ॥ सुचिसेवकसवलियहंकारी ॥
 ॥ तुनत्तसकललोगनिहपहजाइ ॥ आसनउचितदेहुसवकाह ॥

॥ दोहा कहिस्रदुवचनविनीततिरुवैठानेनननानि ॥ ॥ ॥ ॥

॥ उत्तममध्यमनीचलधुनिजनिजयलअनुहानि ॥ २६९ ॥

॥ चोराजकुअनतेहिअवसनआये ॥ मनहुमनोहनतातनछाये ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ गुनसागननागनवनवीरा ॥ सुंदरस्यामलगोनसनीरा ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ राजसमाजविराजतरूने ॥ उडगनमहंजनजुगविधुपूरे ॥
 ॥ जिन्हकेरहीनानाजइसी ॥ प्रनुमूर्तिततिरुदेखीतइसी ॥
 ॥ देखिन्हूपमहाननधीरा ॥ मनहुवीनरसधनेसरीरा ॥ ॥ ॥ ॥

॥ उनेकुटिलनपप्रनुहिनिहारी ॥ मनहुनपानकमूनतिनारी ॥
 ॥ नहेअसुनधल्लेखेनिपवेखा ॥ तिरुप्रनुप्रगटकालसमेष्टा ॥
 ॥ पुनवासिन्हदेवेष्टोउन्नाई ॥ ॥ ननअखनलोचनमुषट्टाई ॥
 ॥ दोहा ॥ नानिविलोकहिह्रदिहियनिजनिजनुत्तिअनूप ॥
 ॥ जनुसोन्नतसिंगानधनिमूनतिपनमअनूप ॥ २३० ॥ ॥

॥ चौविदुषन्हप्रनुविनाटमयष्टा ॥ बहुमुषपटकरलोचनसीसा ॥
 ॥ जनकजानिअवलोकहिंकेसे ॥ सजनसंगेप्रियलागहिंजैसे ॥
 ॥ सहितविदेहविलोकहिनानी ॥ सिसुसमप्रीतिनजाइवधानी ॥
 ॥ जोगिन्हपनमतत्वमयन्नासा ॥ शांतसुखसमसहजप्रकासा ॥
 ॥ हनिनक्तन्हदेवेष्टोउन्नाता ॥ इष्टदेवइवसवमुषट्टाता ॥
 ॥ नामहिचितवन्नायजेहिसीया ॥ सोसनेहसुषनहिकथनीया ॥
 ॥ उनअननवतिनकहिसकसेउ ॥ कवनप्रकानकहैकविकोउ ॥
 ॥ जेहिविधिनहजहिजसन्नाउ ॥ तेहितसदेवेउकोसलराउ ॥
 ॥ दोहा ॥ राजतराजसमाजमहिकोसलराजकिसेन ॥

॥ सुंदनस्यामलगोनतनविस्त्रविलोचनचोन ॥ २३१ ॥
 ॥ चौसहजमनोहनमूनतिहोउ ॥ कोटिकामउपमालघुसोउ ॥
 ॥ सनइचंदनिंदकमुषनीके ॥ नीनजनयनभावतेजीके ॥
 ॥ चितवनिचाउमानुमनहननी ॥ भावतिहृदयजातिनहिवननी ॥
 ॥ कलकपोलश्रुतिकुंडललोला ॥ चिबुकअधनसुंदनमदुबोला ॥
 ॥ कुमुदबंधुकननिंदकहासा ॥ अकुटीविकटमनोहननासा ॥
 ॥ भालविसालतिलकहलकाहि ॥ कचविलोकिअलिअवलिलजाहि ॥
 ॥ पीतचोतनीसिनरुसुहाई ॥ कुसुमकलीविचवीचवनाई ॥
 ॥ वेष्टेनुचिनकंबुकलश्रीवां ॥ जनुत्रिनुवनसुषमाकीसीवां ॥

॥ दोहा ॥ कुंजनमनिकंठाकलितउनहिपुलसिकामाल ॥
 ॥ ब्रधनकंधकेहनिठवनिवलनिधिवाहुविसाल ॥ २३२ ॥
 ॥ चौकटितनीनपीतपटवांधे ॥ कनसनधनुषवामवनकांधे ॥
 ॥ पीतजगयउपवीतसुहाये ॥ नखसिधमंजुमहाधरविष्टाये ॥
 ॥ देविलोगसवन्नऐसुषाने ॥ एकटकलोचनचलतनताने ॥
 ॥ हनयेजनकंदेष्टोउन्नाई ॥ मुनिपटकमलगहेतगजाई ॥

बाल०

॥५५॥

॥ कनिविनतीनिजकथासुनाई ॥ नंगअवनिसवमुनिहिदिखाई ॥
 ॥ जहंजहंजाहिकुअनवनदोउ ॥ तहंतहंचकितचितवसवकोउ ॥
 ॥ निजनिजनुषनामहिसवदेखा ॥ कोउनजानकधुमनमविसेखा ॥
 ॥ अलिनचनामुनिनृपसनकहेउ ॥ नाजामुदितमहासुखलहेउ ॥

॥ दोहा ॥ सवमंचरुतेमंचऐकुसुंदरविसद्विशाल ॥

॥ मुनिसमेतदोउबंधुतहंचैठानेमहिपाल ॥ २७३ ॥

॥ चौ प्रभुहिदेधिसवननृपहियहने ॥ जनुनाकेसउदयनऐताने ॥ ॥
 ॥ असिप्रतीतिसवकेमनमोंही ॥ नामचापतोन्नवसकनाही ॥ ॥
 ॥ विनुचंजेहुन्नवधनुषविसाला ॥ मेलेहिसीयनामउनमाला ॥ ॥
 ॥ असविचारिगवनहुधनचाई ॥ जसप्रतापवलतेजगंवाई ॥ ॥
 ॥ विहसेअपनरूपसुनिवानी ॥ जेअविवेकअंधअनिमानी ॥ ॥
 ॥ तोनेहुधनुषव्याहअवगाहा ॥ विनुतोनेकोकुअनिविवाहा ॥ ॥
 ॥ ऐकवानकालहुकिनहोई ॥ सियहितसमनजितवहमसोई ॥ ॥
 ॥ यहसुनिनृपअवनमुसुकाने ॥ धनमसीलहनिनक्तसयाने ॥ ॥

॥ सोनहा ॥ सीयविवाहवनाम ॥ गर्वतोयिसवननृपनृकन ॥

॥ जीतिकोसकसंग्रामहसनथकेननवांकुने ॥ २७४ ॥

॥ चौ व्यर्थमनहुजनिगालवजाई ॥ मनमोदकन्हिकिन्नखवताई ॥ ॥
 ॥ सिखहमानिसुनिपनमपुनीता ॥ जगदंवाजानहुजिअसीता ॥ ॥
 ॥ जगतपितानधुपतिहिविचारी ॥ अनिलोचनधविलेहुनिहारी ॥ ॥
 ॥ सुंदरसुषट्सकलगुननासी ॥ ऐहोउबंधुसंनुउनवासी ॥ ॥
 ॥ सुधासमुद्रसमीपविहाई ॥ मृगजलनिनशिमनहुकतथाई ॥ ॥
 ॥ कनहुजाइजाकहुजोइचावा ॥ हमतोआजुजनमफलपावा ॥ ॥
 ॥ असकहिभलेनृपअनुनागे ॥ रूपअनूपविलोकनृलोगे ॥ ॥
 ॥ देखहिसुननचढेविमाना ॥ वनधहिसुमनकनहिकलगाना ॥ ॥

॥ दोहा ॥ जानिसुअवसनजनकतवपठईसीयबोलाइ ॥

॥ चतुनसखीसुंदरसकलसाइनचलीतिवाइ ॥ २७५ ॥

॥ चौ सियसोभानहिजाइवयानी ॥ जगदंविकारूपगुनयानी ॥ ॥
 ॥ उपमासकलमोहिलधुलागी ॥ प्राकृतनानिअंगअनुरागी ॥ ॥
 ॥ सियवननियतेइउपमाहई ॥ कुकबिकहाइअजसुकोलेई ॥ ॥

॥ जो पटत निय तीय सम सीया ॥ जग असि जु वतिक हंक मनीया ॥
 ॥ गिना मुषन तन अर्ध नवानी ॥ रति अति दुषित अतनु पति जानी ॥
 ॥ विषवानु नीबंधु प्रिय जेही ॥ कहिय न मास म किमि वै देही ॥
 ॥ जो छवि सुधा पयोनिधि होई ॥ पन म नूप मय क छप सोई ॥
 ॥ सो जान जु मंद नु सिंगानू ॥ मथै पानि पंकज निज मानू ॥
 ॥ दोहा ॥ ऐहि विधि उपजै लछि जव सुंदरता सुषम ल ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ तटपिस कोच समेत ॥ कविक ही है सीय सम ल ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ चौवली संग लै सधी सयानी ॥ गावत गीत मनोहन वानी ॥
 ॥ सोहन बलतन सुंदर सानी ॥ जगत जननि अतुलित धरि वानी ॥
 ॥ नूयन सकल सुंदर सुहाये ॥ अंग अंग रचि सधि नूवनये ॥
 ॥ नंग नूमि जव सिय पग धानी ॥ देखि रूप मोहन न नानी ॥
 ॥ हनधि सुन नू दुंदुभी वजाई ॥ वरधि प्रसन्न अपछ नागाई ॥
 ॥ पानि सनो ज सोह जय माला ॥ अवचट चित ऐसकल नुआला ॥
 ॥ सीय चकित चित नामहि चाह ॥ भये मोहवस सवन न नाहा ॥
 ॥ मुनिसमीप वैठे हो उन्नाई ॥ लगे ललकिलोचन निधि पाई ॥
 ॥ दोहा ॥ गुन जन लाज समाज वडै धिसीय सकुचानि ॥ ॥
 ॥ लागि विलोकन सधि नूतन नयुवी नहि उन अनि ॥ ॥
 ॥ चौमाम नूप अनुसिय छवि देषी ॥ ननना निरूप निहनि अने मेषी ॥
 ॥ सोचाह सकल कहत सकुचाहीं ॥ विधिसन विनय करहि मन मोहिं ॥
 ॥ हनु विधि न गिजन कज उताई ॥ मतिह मानि अ सिंदेहि सुहाई ॥
 ॥ विन विचान पुन तजिन न नाह ॥ सीय नाम कनक ने विवाह गा ॥
 ॥ जग नल कहि न नव सवकाह ॥ हठ कीने अतन उन दाह ॥
 ॥ ऐहिलाल सामगन सवलोग ॥ वनस्याम लो जान की जो ग ॥
 ॥ तव वंटी जन जन क बोलाये ॥ विन दावली कहत चलि आये ॥
 ॥ कहन पजाइ कहहु पन मोना ॥ चले नाट हिय हन धन थोना ॥
 ॥ दोहा ॥ बोले वंटी वचन वन सुनहु सकल महिपाल ॥ ॥
 ॥ पन विदेह कनक कहि हम नु जा उठाइ विसाल ॥ ॥
 ॥ चौनूप नुज बल विधु सिवध नु राह ॥ गनु अकठोन विदित सवकाह ॥
 ॥ गावन वान महानट नाने ॥ देखि सनासन गवहि सिधाने ॥

वाल०

॥५६॥

॥ सोइ पुनानिको हंड कठोना ॥ ॥ ॥ राजसमाज आजु जोतोना ॥ ॥
 ॥ त्रिभुवन जय समेत वैदेहि ॥ ॥ ॥ विनहि विचान वने हठितेहि ॥ ॥
 ॥ सुनिपन सकल नूप अमिलोषे ॥ भटमानी अतिसय मन माये ॥
 ॥ पनिकन बांधि उठे अकुलाई ॥ चले इष्ट देव नृसिनु नाई ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ तम किधाइत किसि वधनु धरहि ॥ उठेन कोटि नौति वलुकन हिं ॥ ॥
 ॥ जिन्ह के कछु विचान मन माहि ॥ चाप समीप महि पन जहि ॥ ॥
 ॥ दोहा तम किधन हि धनु मूछ नृप उठेन चल हिल जाइ ॥
 ॥ मनहु पाइ नट बाहु बल अधिक अधिक गनु वाइ ॥ २७६ ॥
 ॥ चौ नूप सहस हस ऐक हि वाना ॥ लगे उठावन हन हिन हाना ॥ ॥
 ॥ डोहन संनु सनासन कइसे ॥ कामी वचन सती मन जइसे ॥
 ॥ सवन पन्न ऐजोग उपहासी ॥ जैसे विनु विनाग संन्यासी ॥ ॥
 ॥ कीनति विजय वीरता नानी ॥ चले चाप कनवन वस हानी ॥ ॥
 ॥ श्री हत न ऐहानि हिय राजा ॥ वैठे निज निज जाइ समाजा ॥ ॥
 ॥ नृप नृ विलोकि जनक अकुलने ॥ बोले वचन नोष जनु साने ॥ ॥
 ॥ दीप दीप के नूपति नाना ॥ ॥ ॥ ॥ आए सुनि हम जो पनु ठाना ॥ ॥
 ॥ देव हनु जधनि मनु जसनीना ॥ विपुल वीर आए न धीना ॥ ॥
 ॥ दोहा कुअनि मनोहन विजय वडि कीनति अतिक मनीष ॥
 ॥ पावन हान विनंचि जनु नचौ नधनु हमनी ॥
 ॥ चौ कहहु काहिय हलान नभावा ॥ काहुन संकन चाप दलावा ॥ ॥
 ॥ नले उचछा उवतो नव भाई ॥ तिलुन निनृमिन संके छु डाई ॥ ॥
 ॥ अब जनि को उमाये नटमानी ॥ वीर विहीन महिम इजानी ॥ ॥
 ॥ तजहु आसनि जनि जग्रह जाहू ॥ लिखान विधि वैदेहि विवाहू ॥ ॥
 ॥ सुकृत जाइ जो पनु पनिहन उं ॥ कुअनि कुआनि रहे काकर उं ॥ ॥
 ॥ जो जनते उविनु नटनु विनाई ॥ तो पनु कनि होते उन हंसाई ॥ ॥
 ॥ जनक वचन सुनि सवन नानी ॥ देखि जान किहिन ऐ दुषानी ॥ ॥
 ॥ माये लखन कुटिल नै नौहैं ॥ नट पट फन कत नयन निसोहैं ॥ ॥
 ॥ दोहा कहिन सकत नद्यु वीर डन लगे वचन जनु वान ॥
 ॥ नाइ नाम पद कमल सिनु बोले उगिना प्रमान ॥ २८१ ॥

॥ नद्युवंसिन्हमहजहंको उहोई ॥ ॥ तेहिसमाजअसकहेनकोई ॥
 ॥ कहीजनकजसिअनुचितवानी ॥ विद्यमाननद्युकुलमनिजानी ॥
 ॥ सुनहुनानुकुलपंकजचानू ॥ ॥ कहैंसुनावनकछुअनिमानू ॥
 ॥ जोनुम्हानअनुसासनपाँउं ॥ ॥ कंदुकइववह्माडउठाउं ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ काचेघटजिमिडानउफेनी ॥ ॥ सैंकोमेनुमूलकजिमितोनी ॥ ॥
 ॥ तवप्रतापमहिमानगवाना ॥ ॥ कोवापुनोपिनाकपुराना ॥ ॥
 ॥ नाथजानिअसआयसुहोडु ॥ ॥ कौतुककनउविलोकियसोडु ॥ ॥
 ॥ कमलनालजिमिचापचखौं ॥ ॥ जोजनसतप्रमानलैधौं ॥ ॥
 ॥ दोहा ॥ तोनौंछत्रकहंडजिमितवप्रतापवलनाथ ॥ ॥
 ॥ जोनकनौंप्रनुपदसपथकननधनौधनुनाथ ॥ ॥ २८२ ॥
 ॥ चौलखनसकोपवचनजेवोले ॥ ॥ उगमगानिमहिदिगजडोले ॥ ॥
 ॥ सकललोकसवन्नूपडाने ॥ ॥ सियहियहनषजनकसकुचाने ॥ ॥
 ॥ गुननद्युपतिसवमुनिमनमंहि ॥ ॥ मुदितनऐपुनिपुनिपुलकांहि ॥ ॥
 ॥ सयनहिनद्युपतिलखननिबाने ॥ ॥ प्रेमसमेतनिकटवैठाने ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ विस्वामित्रसमयसुनजानी ॥ ॥ वोलेअतिसनेहमयवानी ॥ ॥
 ॥ उठहुनामनंजहुन्नवचापा ॥ ॥ मेढहुतातजनकपरितापा ॥ ॥
 ॥ सुनिगुनवचनचरनसिनुनावा ॥ ॥ हनषविषादनकछुउनआवा ॥ ॥
 ॥ ठाछनऐउठिसहजसुनाये ॥ ॥ ठवनिजुवामगनाजलजाये ॥ ॥
 ॥ दोहा ॥ उदितउदयगिनिमंचपननद्युवनवालपतंग ॥ ॥
 ॥ विकसेसंतसरोजसवहनखेलोचनचंग ॥ ॥ २८३ ॥
 ॥ चौनपन्हिकेनिआसानिसिनासी ॥ ॥ वचननखतअवलीनप्रकासी ॥ ॥
 ॥ मानीमहिपकुमुदसकुचाने ॥ ॥ कपटीनूपउल्लूकलुकाने ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ नऐविसोककोकमुनिदेवा ॥ ॥ वनषहिसुमनजनावहिसेवा ॥ ॥
 ॥ गुनुपदवंदिसहितअनुनागा ॥ ॥ नाममुनिन्हसनआयसुमागा ॥ ॥
 ॥ सहजहिंचलेसकलजगस्वामी ॥ ॥ मत्तमंजुवनकुंजनगामी ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ चलतनामसवपुनननानी ॥ ॥ पुलकपूरितननऐसुषानी ॥ ॥
 ॥ वंदिपितरसुनसुकृतसंनाने ॥ ॥ जोकछुपुन्यप्रभावहमाने ॥ ॥
 ॥ तौसिवधनुम्रनालकीनाई ॥ ॥ तोनहुनामगनिसगोसाई ॥ ॥

वाल०

॥५७॥

॥ दोहा रामहि प्रेम समेत लखि सखिन्ह समीप बोलाइ ॥
 ॥ सीता मानुस नेह वसवचन कहै विलखाइ ॥ २८४ ॥ ॥
 ॥ चौ सखि सब को तु कहे खन हने ॥ ॥ जे उ कहवत हित रह माने ॥
 ॥ को उन बुहाइ कहतु न पपाँहीं ॥ ॥ ऐवाल कअसि हठ न लीनाहीं ॥
 ॥ नावन वाहु धुआनहि चापा ॥ ॥ हने सकल नूपक निहाया ॥
 ॥ सोधनु नाज कुवन कनहे ही ॥ ॥ बाल मनाल किमं दन लेही ॥
 ॥ भूपसयान पसकल सिरानी ॥ ॥ सखि विधि गतिकु धुजाति न जानी ॥
 ॥ बोली चतुन सखी मृदु वानी ॥ ॥ तेजवंत लघु गनि अननानी ॥
 ॥ कहं कुंन ज कहं सिंधु अपाना ॥ ॥ सोखे उ सुजस सकल संसारा ॥
 ॥ नवि मंडल देखत लघु लागा ॥ ॥ उदयता सुत्रि नुवन तम चागा ॥
 ॥ दोहा मंत्र पन मल घुजा सुवस विधि हनि हन सुन सर्व ॥
 ॥ महामंत्र गज नाज कहं वसकन अंकुस सर्व ॥ २८५ ॥ ॥
 ॥ चौ काम कुसुम धनु साय कलीने ॥ ॥ सकल नुवन अपने वस कीने ॥
 ॥ देवित जिन संशय अस जानी ॥ ॥ भंजवधनुष नाम सुनु नानी ॥
 ॥ सखी वचन सुनि भइ पनतीती ॥ ॥ मिटा विषाद वढि अति प्रीती ॥
 ॥ तव नामहि विलोकि वैदेही ॥ ॥ सनय हृदय विनवति जेहि तेही ॥
 ॥ मन ही मन मनाव अकुलानी ॥ ॥ होहु प्रसन्न महे सनवानी ॥
 ॥ कनहु सफल आपनि सेव काई ॥ ॥ कनिहित हनहु चापगनु आई ॥
 ॥ गननायक वन दायक देवा ॥ ॥ आजु लगि कीन्हित वपद सेवा ॥
 ॥ वानवान विनती सुनि मोनी ॥ ॥ कनहु चापगनु ता अतिथोनी ॥
 ॥ दोहा देखि देखि न घुवीन तन सुन मनाव धनिधीन ॥
 ॥ भने विलोचन प्रेम जल पुलकावली सनीन ॥ २८६ ॥ ॥
 ॥ चौ नीकै निरधिन यकन ननिसोना ॥ ॥ पितु पन सुमिनि वहुनि मन थोना ॥
 ॥ अहह तात दानुन हठ ठानी ॥ ॥ समुह तनहि कछु लान न हानी ॥
 ॥ सचि वस नय सिख देइन कोई ॥ ॥ बुध समाज वड अनुचित होई ॥
 ॥ कहधनु कुलिस हुचाहि कठोना ॥ ॥ कहस्यामल मृदु गात कि सोना ॥
 ॥ विधिकेहि नाति धनौ उरधीना ॥ ॥ सिनस सुमन कन वेधियहीना ॥
 ॥ सकल सना के मति न इनोरी ॥ ॥ अब मोहि संनुचाप गति तोरी ॥
 ॥ निज जडता लोग नूपन डानी ॥ ॥ होहु हनुवन धुपति हनिहरी ॥

॥ अतिपनितापसियामनमाहि ॥ ॥ लवनिमेषजुगसपसमजाहि ॥

॥ दोहा ॥ प्रभुहिचितैपुनिनिनक्षिमहिनाजतलोचनलोल ॥

॥ खेलतमनसिजमीनजुगजनुविधुमंडलडोल ॥ २२७ ॥

॥ चौ गिनाअलिनिमुखपंकजनेकी ॥ प्रगटनलाजनिसाअवलकी ॥

॥ लोचनजलुनहालोचनकोना ॥ जैसेपरतकृपिनकनसोना ॥

॥ सकुचीव्याकुलतावडिजानी ॥ धनिधीनजप्रतीतिउनआनी ॥

॥ तनमनवचनमोनपनसांचा ॥ रघुपतिपदसनेजचितनाचा ॥

॥ तोनगवानसकलउनवासी ॥ कनिहिमोहिनघुपतिकीदासी ॥

॥ जेहिकनजेहिपनसत्पसनेह ॥ सोतेहिमिलहिनकधुसंदेह ॥

॥ प्रभुतनचितैप्रेमपनठाना ॥ कृपानिधाननामसवजाना ॥

॥ सियहिबिलोकितकेउधनुकेसे ॥ चितवगनुडलघुव्यालहिजैसे ॥

॥ दोहा ॥ लखनलखेउनघुवंसमनिताकेउहरकोदंड ॥

॥ पुलकिगातवोलेवचनचननचापिब्रह्मंड ॥ २२८ ॥

॥ चौ दिसिकुंजरहुकमठअहिकोला ॥ धनहुधननिधनिधीननडोला ॥

॥ नामचहहिसंकनधनुतोना ॥ होहुसजगसुनिआयसुमोना ॥

॥ चापसमीपनामजवआपे ॥ नननानिहसुनसुकृतमनाये ॥

॥ सबकनसंसपअनुअग्रपानू ॥ मंदमहापनकनअभिमानू ॥

॥ अगुपतिकेनिगनवगनुआई ॥ सुरमुनिवनरुकेरिकंदरई ॥

॥ सियकनसोचजनकपछितावा ॥ नानिरुकनदानुनदुषदावा ॥

॥ संनुचापवडवोहितपाई ॥ बछेजाइसवसंगुवनाई ॥

॥ नामवाहुवलीसंधुअपानू ॥ बहतपानुकोउनहिकडहा ॥

॥ दोहा ॥ नामविलोकिलोगसवचित्रलिखेसेदेखि ॥

॥ चितईसीयकृपायतनजानीविकलविसेधि ॥ २२९ ॥

॥ चौ देखीविपुलविकलवैदेही ॥ निमिषविहातकल्पसमतेही ॥

॥ तदितवारिविनुज्योतनुत्यागा ॥ मुयेकनहिकासुधातडागा ॥

॥ कावनयासवकृषीसुषाने ॥ समयचुकेपुनिकापछिताने ॥

॥ असजिअजानिजानकिहिदेखी ॥ प्रभुपुलकेलधिप्रीतिविसेधी ॥

॥ गुनहिप्रनाममनहिमनकीरु ॥ अतिलाघवउठाइधनुलीरु ॥

बाल०

॥५८॥

॥ दमके उट्टमिनिजिमिजवलयेउ ॥ पुनिनभधनुमंडलसमन्नेउ ॥
 ॥ लेतचखावतैचैचतगाछे ॥ ॥ ॥ ॥ काहुनलयादेसहिसवठाछे ॥
 ॥ तेहिछनराममधुधनुतोना ॥ ॥ नरेनुवनधुनिघोनकठोना ॥
 ॥ ॥ नरेनुवनघोनकठोनवनविवाजितजिमानगचले ॥
 ॥ चिकनहिदिगाजडोलमहिअहिकोलकूनमकलमले ॥
 ॥ सुनअसुनमुनिकनकानदीन्हेसकलविकलविचानही ॥
 ॥ कोटंडपंडेउनामतुलसीजयतिवचनउचानही ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ संकनचापजहाज ॥ सागननधुवनबाहुवल ॥ ॥ ॥
 ॥ बूडसोसकलसमाज ॥ बछेजेप्रथमहिमोहवस ॥ २८० ॥
 ॥ चौप्रनुटोउचापपंडमहिडोने ॥ देखिलोगसवन्नऐउसुषाने ॥ ॥
 ॥ कौसिकरूपपयोनिधिपावन ॥ प्रेमवानिअवगाहसुहावन ॥ ॥
 ॥ नामरूपनाकेसनिहानी ॥ ॥ ॥ ॥ बछिवीचिपुलकावलिनानी ॥
 ॥ वाजेननगहगहेनिसाना ॥ ॥ ॥ ॥ देववधूनाचहिकनिगाना ॥ ॥ ॥
 ॥ ब्रह्मादिकसुनसिद्धमुनीसा ॥ प्रनुहिप्रसंसहिदेहिअसीसा ॥
 ॥ वनसहिसुमननंगवहुमाला ॥ गावहिकिन्नरगीतनसाला ॥
 ॥ नहीनुवनननिजयजयवानी ॥ धनुषनंगधुनिजातनजानी ॥
 ॥ मुदितकहहिजहतहननमी ॥ नंजेहुनामसंनुधनुनानी ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ बंहीमागधसूतगनविनदवदहिमतिधीन ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ कनहिनिघावनिलोगसवहयगायधनमनिचीन ॥ १६१ ॥
 ॥ चौहंदिमदंगसंघसहनाई ॥ ॥ नेनिछोलदुंदुनीसुहाई ॥ ॥ ॥
 ॥ वाजहिवहुवाजनेसुहाये ॥ ॥ जहतहजुवतिरुमंगलगाये ॥
 ॥ सखिरुसहितहनधिअतिरानि ॥ सखतधानपनाजनुपानी ॥ ॥
 ॥ जनकलहेउसुषसोचविहाई ॥ पैरतथकेथाहजनुपाई ॥ ॥
 ॥ श्रीहतनऐनूपधनुटूटे ॥ ॥ ॥ ॥ जैसेदिवसदीपघरविघूटे ॥
 ॥ सियहियसुषवरनियकेहिजाती ॥ जनुचातकीपाइजलुखाती ॥
 ॥ नामहिलषनविलोकतकैसे ॥ ॥ ससिहचकोनकिसोनकुजैसे ॥
 ॥ सतानंदतवआयसुदीन्हा ॥ ॥ ॥ ॥ सीतागवनुसमीपहिकीन्हा ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ संगसषीसुंदनचतुनगावहिमंगलचान ॥

॥ गवनीवालमनालगतिसुषमाश्रंगप्रपान ॥ २६२ ॥
 ॥ चौ सधिरुमध्यसियसोहेकेसी ॥ ॥ छविगनमध्यमहाछविजेसी ॥
 ॥ कनसनोजजयमालसुहाई ॥ ॥ विस्वविजयसोनाजेहिछाई ॥
 ॥ तनसकोचमनपनमउछाहू ॥ गूछप्रेमलधिपनइनकाहू ॥
 ॥ जाइसमीपनामछविदेखी ॥ ॥ नहिजनुकुवनिचित्रअवनेषी ॥
 ॥ चतुनसधीलधिकहेउवुहाई ॥ पहिरावहुजयमालसुहाई ॥
 ॥ सुनतजुगलकनमालउठाई ॥ प्रेमविवसपहिराइनजाई ॥
 ॥ सोहतजनुजुगजलजसनाला ॥ ससिहिसनीतदेतजयमाला ॥
 ॥ गावहिछविअवलोकिसहेली ॥ सियजयमालनामउनमेली ॥
 ॥ सोनठा ॥ नधुवनउनजयमाल ॥ देखिदेवनधिसुमन ॥
 ॥ सकुचेसकलनुआल ॥ जनुविलोकिनविकुमुदगन ॥ २६३ ॥
 ॥ चौ पुनअनुयोमवाजनेवाजे ॥ ॥ बलनऐमलिनसाधुसवनाजे ॥
 ॥ सुनकिंननननागमुनीसा ॥ जयजयजयकहिदेहिअसीसा ॥
 ॥ नाचहिगावहिविबुधवधूटी ॥ वानवानकुसुमांजलिछूटी ॥
 ॥ जहंतहंविप्रवेदधुनिकनहि ॥ वंदीबिनदावलिउच्चरहि ॥
 ॥ महीपतालयोमजसव्यापा ॥ नामवनीसियनंजेउचापा ॥
 ॥ कनहिआनतीपुननननारी ॥ देहिनिछावनिवित्तविसानी ॥
 ॥ सोहतसीयनामकइजोनी ॥ छविसिंगानमनहुऐकठोनी ॥
 ॥ सधीकहहिप्रनुपदगहुसीता ॥ करतिनचननपनसअतिनीता ॥
 ॥ होहा ॥ गौतमत्रियगतिसुरतिकनिनहिपनसतपगपानि ॥
 ॥ मनविहसेनधुवंसमनिप्रीतिअलौकिकजानि ॥ २६४ ॥
 ॥ चौ तवसियदेखिचूपअनिलाधि ॥ कूनकपूतमूळमनमाधि ॥
 ॥ उठिउठिपहिनिसनाहअभोगे ॥ जहंतहंगालवजावनलागे ॥
 ॥ लेहुछडाइसीयकहकोउ ॥ धनिवांधहुनपवालकंदोउ ॥
 ॥ तोनेधनुषचाउनहिसनई ॥ जीवतहमहिकुअनिकोबरई ॥
 ॥ जोबिदेहकछुकनइसहाई ॥ जीतहुसमनसहितदोउनाई ॥
 ॥ साधुनूपवोलेसुनिवानी ॥ राजसमाजहिलाजलजानी ॥
 ॥ बलप्रतापवीरतावडाई ॥ नाकपिनाकहिसंगसिधाई ॥

वाल०

॥५८॥

॥ सोइस्सुनताकिअवकहुंपाई ॥ ॥ असिबुधितोविधिमुहमसिलोई ॥

॥ दोहा ॥ देषहुनामहिनयननपितजिइनधामदुमोहु ॥

॥ लखननोषपावकप्रवलजानिसलननजनिहोहु ॥ २८५ ॥

॥ चौबैनतेयवलजिमिचहकागू ॥ ॥ जिमिससचहेनागअनिचागू ॥

॥ जिमिचहकुसलअकाननकोही ॥ सुषसंपदाचहहिसिबदोही ॥

॥ लोनिलोलुपकलकीनतिचहई ॥ अकलंकताकिकामीलहई ॥

॥ हरिपटविमुषपनमगतिचाह ॥ तसतुम्हानलालचनननाह ॥

॥ कोलाहलसुनिसीयसकानी ॥ सखीलियाइगईजहनानी ॥

॥ नामसुनायचलेगुनुपाँहीं ॥ ॥ सियसनेहवननतमनमोहीं ॥

॥ रानिहूसहितसोचवससीया ॥ अवधोविधिहिकहाकननीया ॥

॥ नूपवचनसुनिइतउततकहीं ॥ लखननामडनबोलिनसकहीं ॥

॥ दोहा ॥ अउननयनअकुटीकुटिलचितवतनृपसनकोप ॥

॥ मनहुमत्तगजगननिनिधिसिंहकिसोरहिचोप ॥ २८६ ॥

॥ चौबननदेधिविकलपुननानी ॥ ॥ सवमिलिदेहिमहापन्हिगानी ॥

॥ तेहिअवसनसुनिसिबधनुनंगा ॥ आऐउन्नगुकुलकमलपतंगा ॥

॥ देधिमहापसकलसकुचाने ॥ वाजहपटजनुलबालुकाने ॥

॥ गोनसनीननूतिनलिआजा ॥ भालविसालत्रिपुंडविराजा ॥

॥ सीसजटाससिवटनसुहावा ॥ निसवसकधुकअनुनहोइआवा ॥

॥ भकुटीकुटिलनयननिसनाते ॥ सहजहुंचितवतमनहुनिसाते ॥

॥ वषनकंधउनवाहुविसाला ॥ चानुजनउमालमृगाधाला ॥

॥ कटिसुनिवसनरनहोउवांधे ॥ धनुसनकनकुठानकलकांधे ॥

॥ दोहा ॥ शांतवेषकननीकठिनवननिनजाइस्वरूप ॥

॥ धनिमुनितनुजनुवीनरसआऐउजहंसवरूप ॥ २८७ ॥

॥ चौदेखतनृगुपतिवेषकराला ॥ ॥ उठेसकलनयविकलनुवाला ॥

॥ पितुसमेतकहिकहिनिजनामा ॥ लगेकननसवइउप्रनामा ॥

॥ जेहिसुभायचितवहिहितुजानी ॥ सोजानहिजनुआइधुटानी ॥

॥ जनकवहोनिआइसिनुनावा ॥ ॥ सीयबोलाइप्रनामुकरावा ॥

॥ आसिषटीनूसखीहनधानी ॥ ॥ निजसमाजलैगईसपानी ॥

॥ विस्वामित्र मिले पुनि आई ॥ १११ ॥ ॥ पटु सने जमे ले हो उन्नाई ॥ ॥
 ॥ राम लखन दसन थके छोटा ॥ ॥ ॥ द्वाहि असी सजानि नल जोटा ॥ ॥
 ॥ राम हि चित इन्हें थके लोचन ॥ रूप अपान मान मट मोचन ॥ ॥
 ॥ होहा बहु निविले कि विदे हसन कह हुका ह अति नीन ॥
 ॥ पूँछत जानि अजान जिमि व्यापे उको पसरीन ॥ २८८ ॥
 ॥ बौस माचान कहि जनक सुनाये ॥ ॥ जेहिका नन मही पसव आये ॥
 ॥ सुनत वचन फिनि अनत निहने ॥ देखे चाप धंउ महि डाने ॥ ॥ ॥
 ॥ अति नि सवोले वचन कठोना ॥ ॥ कहु जड जनक धनुष के हितोना ॥
 ॥ वेगि दिसा उमूढ नत आजू ॥ ॥ उलटो महि जहं ल गित वराजू ॥
 ॥ अति उनउतन देत नृप नाहि ॥ ॥ कुटिल नृप हन धे मन माहि ॥ ॥
 ॥ सुन मुनि नागन गान नन नारी ॥ सोचहि सकल ज्ञास उन नारी ॥
 ॥ मन पछिताति सीय महतारी ॥ ॥ विधि अवसवनी वात विगारी ॥
 ॥ भृगु पतिक न सुनाव सुनि सीता ॥ ॥ अनधनि मेध कलप समवाता ॥
 ॥ होहा सनय विलोके लो गसव जानि जान की भीत ॥
 ॥ हुदय नहन धविषा दृक धुवोले श्रीन धुवीनु ॥ २८९ ॥
 ॥ बौनाथ संनु धनु नं जन हारा ॥ ॥ होइ हिको उ एक द्वा सतु हारा ॥
 ॥ आय सुकहा कहिय किन मोहि ॥ सुनि निसाइ बोले मुनि कोहि ॥ ॥
 ॥ सेवक सो जो कनहि सेवकाई ॥ ॥ अनिक ननी कनिक नि अलगाई ॥
 ॥ सुन हुनाम जेहि सिव धनु तेमा ॥ सहसवाहु सम सो नि पुमोना ॥ ॥
 ॥ सो विलगा उ विहाइ समाजा ॥ ॥ ननु माने जेह हि सवराजा ॥ ॥ ॥
 ॥ सुनि मुनि वचन लखन मुसुकने ॥ बोले पर सुधने अवमाने ॥ ॥ ॥
 ॥ बहु धनु हीतो नील नि कांई ॥ ॥ कवहुन असि निस कीन्हि गोसांई ॥
 ॥ ऐहि धनु पर प्रमता केहि हेत ॥ सुनि निसाइ कहु नृगु कुल केत ॥
 ॥ होहा नै नृप बालक काल वसवो लत तोहि न संभार ॥
 ॥ धनु हि सम त्रि पुन नि धनु विदित सकल संभार ॥ ३०० ॥
 ॥ लखन कहहा सिह मने जाना ॥ सुन हुदे वसव धनुष समाना ॥ ॥
 ॥ काछितिला नु जून धनु तोने ॥ ॥ देखाराम न ऐके नेने ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ छु अत दूटन धुपति हि न होस् ॥ मुनि विनु काज क मिय कत नोस् ॥

वाल०

॥६०॥

॥ बोलेचितइपनशुकीओरा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ नेसठसुनेहुसुजावनमोना ॥ ॥
 ॥ बालकबोलिवधउनहितोहि ॥ केवलमुनिजडजानसिमोहि ॥
 ॥ बालकब्रह्मचारीअतिकोहि ॥ विस्वविदितछत्रीकुलद्रोहि ॥
 ॥ भुजवलभूमिभूपविनुकीर्नी ॥ विपुलवानमहिदेवन्हदीनी ॥
 ॥ सहसबाहुनुजछेदनहाना ॥ परसुविलोकुमहीपकुमाना ॥

॥ दोहा ॥ मानुपितहिजनि सोचवसकनसिमहीसकिसोन ॥

॥ गर्भरुकेअर्भकदहनपरसुमोनअतिघोन ॥ ३०१ ॥

॥ चौ ॥ विहायलखनबोलेमृदुवानी ॥ अहोमुनीसमहाजटमानो ॥
 ॥ पुनिपुनिमोहिदिषावकुठान ॥ चरतउडावनपूकपहान ॥
 ॥ इहाकुम्हावतिआकोउनाहि ॥ जोतनजनीदेधिमुनहाहि ॥
 ॥ देधिकुठानसरासनवाना ॥ ॥ ॥ ॥ मेकछुकहासहितअभिमाना ॥
 ॥ नगुसुतसमुहिजनेउविलोकी ॥ जोकछुकहहुसहुनिसनोकी ॥
 ॥ सुनमहिसुनहनिजनअनुगाई ॥ हमनेकुलइन्हपननसुनाई ॥
 ॥ वधेपापअपकीनतिहने ॥ ॥ ॥ ॥ मानतहूपापनिअनुहाने ॥
 ॥ कोटिकुलिससमवचनतुहाना ॥ व्यर्थधनहुधनुवानकुठाना ॥

॥ दोहा ॥ जोविलोकिअनुचितकहेउधमहुमहामुनिधीन ॥

॥ सुनिसनोषनगुवंशमनिबोलेगिनागंजीन ॥ ३०२ ॥ ॥ ॥

॥ चौ ॥ कौसिकसुनहुमंटयहवालकु ॥ कुटिलकालवसनिजकुलघालकु ॥
 ॥ मानुवंशनाकेसकलंकू ॥ ॥ ॥ ॥ निपटनिनंकुशअवधअसंकू ॥
 ॥ कालकवलहोइहिछिनमांही ॥ कहौंपुकायिषोनिमोहिनांही ॥
 ॥ तुम्हहटकौजोचहहुउवाना ॥ कहिप्रतापवलनोषहमाना ॥
 ॥ लखनकहेउमुनिसुजसतुम्हना ॥ तुम्हहिअधितकोवननहिपाना ॥
 ॥ अपनेमुखतुमआपनिकननी ॥ ॥ ॥ ॥ वानअनेकजातिवहुवननी ॥
 ॥ नहिसंतोषतोपुनिकछुकहहु ॥ जनिनिसनोकिदुसहुदुषसहहु ॥
 ॥ वीनब्रित्तुम्हधीनअछेना ॥ ॥ ॥ ॥ गानीदेतनपावहुसोना ॥

॥ दोहा ॥ सनसमनकननीकनहिकहिनजनावहिआपु ॥

॥ विद्यमानननपाइनिपुकायनकथहिंप्रतापु ॥ ३०३ ॥

॥ चौ ॥ तुम्हतौकालुहंकजनुलावा ॥ ॥ ॥ ॥ वानवानमोहिलागिवुलावा ॥

॥ दोहा ॥ लघन कहै उहसि सुनहु मुनि को धपाप कन मूल ॥

॥ सुनत लखन के बचन कठोर ॥ ॥ पन सु सुधानिधनो कनयो ॥
 ॥ अवजनि देहु दोस मोहिलो ग ॥ ॥ कटु वादी बालक बध जो ग ॥
 ॥ बाल विलोकि बहुत मइ वांछा ॥ ॥ अवयह मन न हान न चांछा ॥
 ॥ कोसिक कहा धर्मिय अपना धू ॥ ॥ बाल दोष गुन गन हिन साधू ॥
 ॥ कन कुठान मै अकन न कोहि ॥ ॥ आगै अपना धी गुन दोहि ॥
 ॥ उनत देत छौं विनु माने ॥ ॥ केवल कोसिक सील तुलाने ॥
 ॥ नत ऐहिका टिकुठान कठोरे ॥ ॥ गुन हि उनति होते उअ मथोने ॥

॥ दोहा ॥ गाधिसुअन कह हृदय हसि मुनि हि हनि अनहिसर ॥

॥ अजग बंध उन कुष इव अज हुन बूट अ बूट ॥ ३०४ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ चौकहे उलखन मुनि शील तुलाना ॥ कोन हि जान विदित संसारा ॥
 ॥ मात पित हि उनि न भए नीके ॥ गुन निनु रह सोच वड जीके ॥
 ॥ सो जनु हमने हि माये काछा ॥ दिन चलि गए उव्याज वहुवाछा ॥
 ॥ अव आनि अव्यवह निय बोली ॥ तुनत देहु मैथे लीखोली ॥
 ॥ सुनिकटु बचन कुठान सुधाना ॥ हाइ हाइ सब सजा पुकाना ॥
 ॥ अगुवन पन सुदिखावहु मोहि ॥ विप्र विचानि वच उन पदोहि ॥
 ॥ मिलेन कवहु सुन टन न गाछे ॥ द्विज देवता धरहि केवाछे ॥
 ॥ अनुचित कहि सब लोग पुकाने ॥ नयु पतिसयन हिलखन निवाने ॥

॥ दोहा ॥ लखन उत न आहुति सनि सभ गुव को पक्रसानु ॥

॥ वछत देधि जल सम बचन बोले न घुकुल जानु ॥ ३०५ ॥

॥ चौ नाथ कनहु बालक पर छोह ॥ सध दूध मुख कनि अन कोह ॥
 ॥ जौ पे प्रनु प्रजा व कछु जाना ॥ तौ कि वरा वनिकने अयाना ॥
 ॥ जौ लनिका कछु अच गनिकहि ॥ गुनु पितु मातु मोह मन नहि ॥
 ॥ कनि अक्रपासि सुसेवक जानी ॥ तुम्ह समशील धीन मुनि ग्यानी ॥
 ॥ नाम बचन सुनिकछु कजु डाने ॥ कहि कछु लखन वहुनि मुसुकाने ॥
 ॥ हसत देधि नख सिध नि सबापि ॥ नाम तो न चाता वड पापी ॥
 ॥ जो न शनी न स्याम मन मोहि ॥ काल कूट मुख पय मुख नाहि ॥
 ॥ सहज टेछ अनुहन इन तोहि ॥ नीचु मीचु सम देखन मोहि ॥

॥ दोहा ॥ लखन कहै उहसि सुनहु मुनि को धपाप कन मूल ॥

॥ जेहिवस जन अनुचित कनहिं चरहि विस्वप्रतिकूल ॥ ३६ ॥
 ॥ चौ मै तुलान अनुचन मुनिनाया ॥ पनिहनि कोप कनिय अवहाया ॥
 ॥ टटचापनहि जुनिहि पिसाने ॥ वैठिय होइ हि पाय पिनाने ॥
 ॥ जौ अति प्रिय तो कनि अउ पाई ॥ जो पिय को उवड गुनी बोलाई ॥
 ॥ बोलत लखनहि जन कडनाहि ॥ मष्टकनहु अनुचित नलनाहि ॥
 ॥ थन थन को पहि पुन नन नानी ॥ छोट कुमान छोट बड नानी ॥
 ॥ भगु पति सुनि सुनि निर्भय बानी ॥ निसतन जने होइ बल हानी ॥
 ॥ बोलि नामहि देइ निहोना ॥ वचौ विचारि बंधु लघु तोना ॥
 ॥ मन मलीन सुंदर तन कैसे ॥ विषन सन्नना कन कघट जे सैं ॥
 ॥ दोहा सुनत लखन विहसे बहु निनयन तने नेनाम ॥
 ॥ गुन समीप गचने सकुचि पनिहनि बानी वाम ॥ ३७ ॥
 ॥ चौ अति विनीत मृदु सीतल बानी ॥ बोलि नाम जो निजु गपानी ॥
 ॥ सुनहु नाथ तुम्ह सहज सुजाना ॥ बालक वचन कनि अनिहकाना ॥
 ॥ वनै बालक सहज सुभाउ ॥ इन्हिन संत विदूषहि काउ ॥
 ॥ तेहि नाहिन कछु काज विगाना ॥ अपनाधी मै नाथ तुलाना ॥
 ॥ कृपा कोप बंधु बंधु गोसाई ॥ मोपन कनि अहास कीनाई ॥
 ॥ कहि अवेगि जेहिविधि निसजाई ॥ मुनिनायक सोइ कनै उपाई ॥
 ॥ कह मुनि नाम जाइ निस कैसे ॥ अवहु अनुजत वचित वने से ॥
 ॥ ऐहिके कंठ कुठानु न दीन्हा ॥ तौ मै कहा कोप कनि कीन्हा ॥
 ॥ दोहा गर्ज अवहि अवनि पन वनि सुनि कुठान गति घोन ॥
 ॥ पर सुअर्घ्यत देखौ उजि अत वै नीन्हा पकिसोन ॥ ३८ ॥
 ॥ चौ बहे नहाथ देहे निस घाती ॥ भाकुठा कुंठित न पधाती ॥
 ॥ न ऐउ वाम विधि फिने उ सुभाउ ॥ मोने हृदय कृपा कसिकाउ ॥
 ॥ आजु दयी दुष दुस सहहावा ॥ सुनिसो मित्रि विहसिसिनु नावा ॥
 ॥ वाउ कृपामूरति अनुकूल ॥ बोलत वचन हनत जनु फूल ॥
 ॥ जोपे कृपा जनहि मुनि गाता ॥ क्रोध न ऐतनु नाथ विधाता ॥
 ॥ देखि जन कहि बालक ऐह ॥ कीन्ह बहत जड जम पुन गेह ॥
 ॥ बोलि कनहु किन आधिन्ह ओरा ॥ देखत छोट छोट न पकोरा ॥
 ॥ विहसे लखन कहामन माहि ॥ मूहि अआधिकतहु कोउ नाहि ॥

॥ दोहा ॥ पनसनामतवनामप्रतिबोलेउकनिअतिक्रोध ॥

॥ संनुसनासनतोनिस्थकनसिहमानप्रबोध ॥ ३० ॥

॥ चौबंधुकहेकडुसंमततोने ॥ ॥ तंघलविनयकनसिकनजोने ॥

॥ कनुपनितोषमोनसंग्रामा ॥ ॥ नाहितधंशडुकहाउवनामा ॥

॥ छलतजिकनसिसमनसिवदोहि ॥ बंधुसहितनतुमानउतोहि ॥

॥ नगुपतिवकहिकुठानउठाये ॥ मनमुसुकोहिनामसिनुनाये ॥

॥ गुनहलधनकनहमपननोस् ॥ कतहुसुधाइहुतेवडोहास् ॥

॥ देखजानिवंदेसवकाह ॥ वक्रचंद्रमहिगुसेननाह ॥

॥ नामकहेउनिसतजियमुनीसा ॥ कनकुठानआगयहसीसा ॥

॥ जेहिनिसजाइकनिअसोइस्मि ॥ मोहिजानिअआपनअनुगामी ॥

॥ दोहा ॥ प्रनुहिसेवकहिसमनकसतजहुविप्रवननोस ॥

॥ वैधविलोकेकहेसिकछुवालकहनहिहोस ॥ ३१ ॥

॥ चौदेधिकुठानुवानधनुधानी ॥ ॥ नैलनिकहिनिसवीनुविचानी ॥

॥ नामजानपेतुम्हिनचीन्हा ॥ ॥ वंससुनाइउतनतेहिदीन्हा ॥

॥ जोतुम्हअवतेहुमुनिकीनाई ॥ पदनजसिनसिसुधनतगोसाई ॥

॥ धमहुचूकअनजानतकेनी ॥ बहियविप्रउनक्रपाधनेनी ॥

॥ तुम्हहितुम्हहिसनिबनिकसिनाथा ॥ कहहुनकहांचननकहमाथा ॥

॥ नाममात्रलघुनामहमाना ॥ ॥ पनससहितवडनामतुलाना ॥

॥ देवएकगुनधनुषहमाने ॥ ॥ नवगुनधनमपुनीततुलाने ॥

॥ सबप्रकारहमतुम्हसनहाने ॥ ॥ धमहुविप्रअपनाधहमाने ॥

॥ दोहा ॥ वानवानमुनिविप्रवनकहानामसननाम ॥

॥ बोलेनगुपतिसनुषहसितहंवंधुसनवाम ॥ ३२ ॥

॥ चौतिपटहिद्विजकनिजानहिमेहि ॥ मैजसविप्रसुनावहुतोहि ॥

॥ चापश्रुवासनआहुतिजानू ॥ ॥ कोपमोनअतिघोनक्रसानू ॥

॥ समिधसेनचतुनंगसुहाई ॥ ॥ महामहापन्नपेपशुआई ॥

॥ मैऐहिपनशुकाटिवलिदीन्हे ॥ समनजग्यजयकोटिन्हेकीन्हे ॥

॥ मोनप्रनावविदितनहितोने ॥ ॥ बोलसिनिदुनिविप्रकेचोने ॥

॥ नंजेउचापदापवडवाळा ॥ ॥ अहमितिमनहुजीतिजगुठाळा ॥

॥ निजुतपसिसंनुसनामतवनामप्रतिबोलेउकनिअतिक्रोध ॥

॥ नाम कहामुनिकहहुविचारी ॥ ॥ ॥ निसअतिवडिलधुवूकहमारी ॥

॥ छुअतहिदूटपिनाकपुराना ॥ ॥ ॥ मैकेहिहेतुकनहुअनिमाना ॥

॥ दोहा ॥ जोहमनिदरहिविप्रवदिसत्यसुनहुनगुनाथ ॥

॥ तौअसकोजगसुनरजेहिनयवसनावहिमाथ ॥ ३१२ ॥

॥ चौ ॥ देवदनुजभूपतिनटना ॥ ॥ समवलअधिकहौंहिवलवाना ॥

॥ जौननहमहिप्रचानैकोडु ॥ ॥ लनहिसुखेनकालकिनहोडु ॥

॥ छत्रीतनुधनिसमनसकाना ॥ ॥ कुलकलंकतेहिपावनआना ॥

॥ कहहुसुभावनकुलहिप्रसंसी ॥ ॥ कालहुडैनेननननधुवंसी ॥ ॥

॥ विप्रवंसकेअसिप्रनुताई ॥ ॥ अन्नयहोहिजोतुमेहुनाई ॥ ॥

॥ सुनिमदुगूढवचननधुवनके ॥ ॥ उधनेपटलपनशुधनमतिके ॥

॥ नामनमापतिकनधनुलेह ॥ ॥ बैचहुमिटहिमोनसंदेह ॥ ॥

॥ दैतचापुआपुहिलिगएडु ॥ ॥ पनशुनाममनविस्मयनऐडु ॥

॥ दोहा ॥ जानानामप्रभावतवपुलकप्रफुलितगात ॥

॥ जोनिपातिबोलेवचनहुदयनप्रेमअमात ॥ ३१३ ॥

॥ चौ ॥ जयनधुवंशवनजवनभान ॥ ॥ गहनदनुजकुलदहनक्रसान् ॥

॥ जयसुनविप्रधेनुहितकानी ॥ ॥ जयमदमोहकोहन्नमहानी ॥

॥ विनयशीलकनुनागुनसागन ॥ ॥ जयतिवचननचनाअतिआगन ॥

॥ सेवकसुषदसुनगासवअंगा ॥ ॥ जयशरीनछविकोटिअनंगा ॥

॥ कनौकहामुषऐकप्रसंसा ॥ ॥ जयमहेसमनमानसहंसा ॥

॥ अनुचितवहुतकहेउअगपात ॥ ॥ अमहुधमांमंदिरदोउन्नात ॥

॥ कहिजयजयजयनधुकुलकेतू ॥ ॥ अगुपतिगएवनहितपहेतू ॥

॥ अपनयकुटिलमहीपडनाने ॥ ॥ उहितहंकायनगवहिपनाने ॥

॥ दोहा ॥ देवनूदीन्हिदुंदुनीप्रनुपनवनधहिफूल ॥

॥ हनखेपुननननानिसवमिटीमोहमयसल ॥ ३१४ ॥

॥ चौ ॥ अतिगहगहेवाजनेवाजे ॥ ॥ ॥ सवहिसनोहनमंगलसाजे ॥

॥ जूयजूयमिलिसुमुषिसुनयनी ॥ ॥ कनहिगानकलकोकिलवयनी ॥

॥ सुषविदेहकनवननिनजाई ॥ ॥ जन्मदनिदुमनहुनिधिपाई ॥

॥ विगतत्रासचक्षीयसुषानी ॥ ॥ जनुविधुउदयचकोनकुमानी ॥

॥ जनककीन्हकोसिकहिप्रनामा ॥ प्रनुप्रसादधनुनंजेउनामा ॥
 ॥ मोहिक्तकृत्यकीन्हहोउनाई ॥ अवजोउचितसोकहियगोसाई ॥
 ॥ कहसुनिसुनुनरनाथप्रवीना ॥ नहाविवाहचापआधीना ॥
 ॥ दूततहैंधनुनयेउविवाह ॥ सुननननागविदितसबकाहू ॥

॥ दोहा ॥ तदपिजाइतुम्हकनहुअवजथावंशव्यवहानु ॥

॥ बूढिविप्रकुलवधगुनवेदुविदितआचानु ॥ ३१५ ॥

॥ चौदूतअवधपुनपठवहुजाई ॥ आनहुनपदसनथहिवोलाई ॥
 ॥ मुदितनाउकहन्नलहिकपाला ॥ पठऐवोलिदूततेहिकाला ॥
 ॥ बहुनिमहाजनसकलवोलाऐ ॥ आइसवन्हसाइनसिननाऐ ॥
 ॥ हाटवाटमंदिनसुनवासा ॥ नगनसैंवानहुचानिउपासा ॥
 ॥ हनधिचलेनिजनिजग्रहआऐ ॥ पुनिपनिचानकवोलिपठाऐ ॥
 ॥ नचहुविचित्रवित्तानवनाई ॥ सिनधनिवचनचलेसबुपाई ॥
 ॥ पठऐवोलिगुनीतिन्हनाना ॥ जेवित्तानविधिकुशलसुजाना ॥
 ॥ विधिहिवंदितिन्हकीन्हअनंश ॥ विनचेकनककटलिकेधंनार ॥

॥ दोहा ॥ हनितमनिन्हकेपत्रफलपद्मरागकेफूल ॥

॥ नचनादेषिविचित्रअतिमनुविनंचिकनभूल ॥ ३१६ ॥

॥ चौबेनुहनितमनिमयसबकीन्ह ॥ सनलसपनवपनहिंनहिंचीन्ह ॥
 ॥ कनककलितअहिवेलिवनाई ॥ लखिनहिपनैसपननसुहाई ॥
 ॥ तेहिकेनचिपचिवंदवनाऐ ॥ विचविचमुकुतादामसुहाऐ ॥
 ॥ मानिकमनकातकुलिसपिनोजा ॥ चीनिकोनिपचिन्हसरोजा ॥
 ॥ किएनंगवहुनंगविहंगा ॥ गुंजहिहूजहिपवनप्रसंगार ॥
 ॥ सुनप्रतिमाधंननगठिकाठि ॥ मंगलद्वयलिएसबठाठि ॥
 ॥ चौकइनांतिअनेकपुनाई ॥ सिंधुनमनिमयसहजसुहाई ॥

॥ दोहा ॥ सौननपद्मवसुनगसुठिकिएनीलमनिकोनि ॥

॥ हेमबोनमनकातधवनिलसतपाटमयडोनि ॥ ३१७ ॥

॥ चौनचेउचिनवनवंदतिवाने ॥ मनहुमनोनवफंदसैंवाने ॥
 ॥ मंगलकलसअनेकवनाऐ ॥ ध्वजपताकपटचनमसुहाऐ ॥
 ॥ दीपमनोहरमनिमयनानार ॥ जाइनवननिविचित्रवित्ताना ॥

॥ जेहि मंडफ दुलहि निवेदे ही ॥ ॥ सोवन नै अक्षि मत्तिक विकेहि ॥
 ॥ दूलहु नाम नूपगुन सागर ॥ ॥ सोवितान तिहु लोक उजागर ॥
 ॥ जान कन वन कनि सो जा जे सी ॥ ग्रह ग्रह प्रति पुन देखिये ते सी ॥
 ॥ जे हिति न हुति तेहि सम्यनि हनी ॥ तेहि लघुलागनु वन दस चानी ॥
 ॥ जो संपदानी च ग्रह सो हा ॥ ॥ सोविलोकि सुन नायक मोहा ॥

॥ दोहा ॥ वसहि नगर जेहि लछिकनिक पटनानि वन वेध ॥

॥ तेहि पुन के सो जा कहत सकुचहिं सान दसेष ॥ ३१८ ॥

॥ चौ ॥ ऐंहुचे दूत नाम पुन पावन ॥ ॥ हन येन गर विलोकि सुहावन ॥
 ॥ नूपद्वानति नृषव निज नाई ॥ दसन थन पसुनिलिए बुलाई ॥
 ॥ कनि प्रनामति नृपाती दीन्ही ॥ मुदित महिप आ पु उठि लीन्ही ॥
 ॥ वानि विलोचन वांचत पाती ॥ पुलक गात आई न निष्ठाती ॥
 ॥ नाम लखन उन कन वन चीठी ॥ नहि गऐग हत न घाटी मीठी ॥
 ॥ पुनि धनि धीन पत्रिका वांची ॥ हन घी सनावात सुनि सांची ॥
 ॥ घेलत न हेत हां सुधि पाई ॥ ॥ आऐ ननत सहित हित नाई ॥
 ॥ प्रेष्टत अतिसनेह सकुचाई ॥ तात कहैं ते पाती आई ॥ गाता ॥

॥ दोहा ॥ कुशल प्रान प्रिय वंधु हो उग्रहिं कहहु केहि देस ॥

॥ सुनिसनेह साने वचन वांची बहु निननेस ॥ ३१९ ॥ ॥ ॥

॥ चौ ॥ सुनि पाती पुल के हो उजाता ॥ अधिक सनेह समात न गाता ॥
 ॥ प्रीति पुनीत ननत के देखी ॥ ॥ सकल सना सुख लेहे उविसेषी ॥
 ॥ तव नूपदूत निकट वेठाने ॥ मधुन मनो हन वचन उचाने ॥
 ॥ नइ आ कहहु कुशल हो उवाणे ॥ तुम्हनी के निजन यन निहाने ॥
 ॥ स्यामल गो न धनै धनु नाथा ॥ वयकि सोन कोसिक मुनि साथा ॥
 ॥ पहिचानहु तुम्ह कहहु सुनाउ ॥ प्रेम विवस पुनि पुनिक हनाउ ॥
 ॥ जा दिन ते मुनि गऐलि वाई ॥ तव ते आजु सांची सुधि पाई ॥
 ॥ कहहु विदेह कवन विधि जाने ॥ सुनि प्रिय वचन दूत मुसुकाने ॥

॥ दोहा ॥ सुनहु महिपति मुकुट मनि तुम्ह सम धन्य न कोइ ॥

॥ नाम लखन जिन्ह के तनय विश्वविभूषण होइ ॥ ३२० ॥

॥ चौ ॥ प्रेष्टन जो गुनतनय तुम्हाने ॥ पुनुषसिंहति हु पुन उजि आने ॥

॥ जिन्हके जस प्रताप के आगे ॥ ॥ ससिमलीन रविसीतल लगे ॥
 ॥ तिन्हक हंकहि अनाथ किमि चीन्ह ॥ देखि अनविदीपक करलीन्ह ॥
 ॥ सीयस्त्रयं वन नूप अनेका ॥ ॥ समिटे सुनट ऐकतै एका ॥ ॥
 ॥ संजुसनासन काहुन टाना ॥ ॥ हाने सकल वीन वनि आना ॥
 ॥ तीनि लोक महं जे नट मानी ॥ ॥ सबकै शक्ति संजुधनु नानी ॥ ॥
 ॥ सके उठाइ सुना सुन मेरू ॥ ॥ सो उहिय हासि गऐ उकनि फेरू ॥
 ॥ जेहि को तुक सिब सैल उठावा ॥ ॥ सो उतेहि सनाप नान बपावा ॥
 ॥ दोहा ॥ तहां नाम न घुबं समनि सुनहु महामहिपाल ॥

॥ नंजे उचाप प्रयास विनु जिमि गजपंकजनाल ॥ ३२१ ॥

॥ चौसुनिसनोष नृगुना ऐक आऐ ॥ ॥ बहुत नोंति तिन्हि आधिदिषाऐ ॥
 ॥ देखि नामवलुनि जधनु दीन्ह ॥ ॥ कमि बहु विनयगवन वनकीन्ह ॥
 ॥ राजतनाम अतुलवल जे सै ॥ ॥ तेजनिधान लखन पुनितै सै ॥
 ॥ कंपहि नृपविलोकत जाके ॥ ॥ जिमि गजहनि कि सोन के ताके ॥
 ॥ देवदेवित ववाल कटोडु ॥ ॥ अवन आधितन आवत कोडु ॥
 ॥ दूतवचन नचना प्रियलागी ॥ ॥ प्रेमप्रताप वीन न सपागी ॥ ॥
 ॥ सनासमेतना उअनु नागे ॥ ॥ दूतन्ह देन निष्ठा वनिलारी ॥ ॥
 ॥ कहि अनीतिते मूं हिकाना ॥ ॥ धर्म विवानि सबहि सुखमाना ॥
 ॥ दोहा ॥ तव उठि नृपवसिष्ठ कहें दीन्हि पत्रिका जाइ ॥

॥ कथा सुनाई गुनहि सब सादन दूत बोलाइ ॥ ३२२ ॥

॥ चौसुनि बोले मुनि अति सुख पाई ॥ ॥ पुन्यपुरुष कहें महि सुख पाई ॥
 ॥ जिमि सनिता सागन महजाहि ॥ ॥ जघ्पिताहि चाहक धुनौहि ॥
 ॥ तिमिसुख संपति विनु हिलोलाऐ ॥ ॥ धर्मशील पहिं जाहिं सुनाऐ ॥
 ॥ तुम्ह गुन विप्रधेनु सुन सेवी ॥ ॥ तसि पुनीत को शल्या देनी ॥
 ॥ सुकती तुम्ह समान जगमाहिं ॥ ॥ नये उनहे को उहोने उनहिं ॥
 ॥ तुम्ह ते अधिक पुन्य वडकाके ॥ ॥ राजनराम सनिस सुत जाके ॥
 ॥ वीन विनीत धनमव्रत धारी ॥ ॥ गुनसागन वनवाल कचारी ॥
 ॥ तुम्ह कहें सर्वकाल कल्याना ॥ ॥ सजहु वनात वजाइ निसाना ॥
 ॥ दोहा ॥ चलहु वेगि सुनि गुनु वचन भले हिनाथ सिनुनाइ ॥

॥ नूपतिगवनेनवनतवदूतनूवासुद्विवाइ ॥३२३॥
 ॥ चौनाजासवननिवासवुलाइ ॥ ॥ ॥ जनकपत्रिकावाँचिसुनाइ ॥
 ॥ सुनिसंदेसुसकलहनधानी ॥ ॥ अपनकथासवननूपवधानी ॥
 ॥ प्रेमप्रफुल्लितनाजहिनानी ॥ ॥ मनहुसिधिरुसुनिवानिद्वानि ॥
 ॥ मुदितअसीसंदेहिगुननानी ॥ ॥ अतिआनंदमगनमहत्तानी ॥
 ॥ लेहिपनसपनअतिप्रियपाती ॥ हृदयलगाइजुडावहिछाती ॥ ॥
 ॥ नामलषनकेकीनतिकननी ॥ वानहिवाननूपवनवननी ॥ ॥
 ॥ मुनिप्रसादकहिद्वानसिधाए ॥ नानिरुतवमहिदेवबोलाए ॥ ॥
 ॥ दिऐदानआनंदसमेता ॥ ॥ चलेविप्रवनआसिषदेता ॥ ॥
 ॥ सोनहा ॥ जाचकलियेहंकानि ॥ दानिनिष्ठावनिकोटिविधि ॥
 ॥ चिनजीवहुसुतचानि ॥ चक्रवर्तिदसनथ्यके ॥ ३२४ ॥ ॥
 ॥ चौकहतचलेपहिनेपटनाना ॥ हनधिहनेगहगहेनिसाना ॥ ॥
 ॥ समाचानसवलोगनूपाए ॥ लागेघनघनहोनवधाए ॥ ॥
 ॥ नुवनचानिदशाननाउछाहू ॥ जनकसुतानघुवीनविवाहू ॥ ॥
 ॥ सुनिशुनकथालोगअनुनागे ॥ मगग्रहगलीसैवाननूलागे ॥ ॥
 ॥ जदपिअवधसनवहासुहर्षनि ॥ नामपुनीमंगलमयपावनि ॥ ॥
 ॥ तदपिप्रीतिकैनीतिसुहाई ॥ मंगलनचनानचीवनाई ॥ ॥
 ॥ ध्वजपताकपटचामनचानू ॥ छावापनमविचित्रवजानू ॥ ॥
 ॥ कनककलशतोन्नमनिजाला ॥ हनददूवदधिअधत्तमाला ॥ ॥
 ॥ दोहा ॥ मंगलमयनिजनिजन्नवनलोगनूनचेवनाइ ॥
 ॥ वीथीसाँचीचतुनसमचौकैचानुपुनाइ ॥ ३२५ ॥ ॥
 ॥ चौजहंतहंजूथजूथमिलिनामिनि ॥ सजिनवसप्रकलशदुतिदामिनि ॥
 ॥ विधुवदनीमृगवालकलोचनि ॥ निजस्वरूपनतिमानविमोचनि ॥
 ॥ गावहिसंगलमंजुलवानी ॥ ॥ ॥ सुनिकलनवकलकंठलजानी ॥
 ॥ नूपन्नवनकिमिजाइवधाना ॥ विस्वविमोहननचेउविताना ॥ ॥
 ॥ मंगलद्वयमनोहननाना ॥ ॥ ॥ राजतवाजतविपुलनिसाना ॥
 ॥ कतहुंविनदवंदीउच्चरहीं ॥ कतहुंवेदधुनिनूसुनकरहीं ॥
 ॥ गावहिसुंदरिमंगलगीता ॥ ॥ ॥ लैलैनामनामअनुसिता ॥ ॥

॥ बहुत उष्ण हुनवन अतिथोना ॥ मानहु उमगिचलोचहु बोना ॥
 ॥ दोहा ॥ सोना दसनथनवन के कोकविवन नैपान ॥ ॥ ॥
 ॥ जहां सकल सुन सीसमनिनामली नुअवतान ॥ ३२६ ॥
 ॥ भूपन्नत पुनिलिए बुलाई ॥ ॥ हयगयस्ये दनसाजहु जाई ॥ ॥
 ॥ चलहु वेगिनघुवीन वनाता ॥ ॥ सुनत पुलक पूने हो उआता ॥
 ॥ मनत सकल साहनी बोलाये ॥ आयसु दीनु मुदित उठिधाये ॥
 ॥ नचिनु चिजीनतु नैगतिरुसाजे ॥ वनवनवनवाजिविनाजे ॥
 ॥ सुभगसकल सुठिचंचलकनी ॥ अइवजरत धनतपगधरनी ॥
 ॥ नानाजातिन जाहिवधाने ॥ ॥ निदनिपवनजनुचहत उडाने ॥
 ॥ तिनूसव छयलने ऐसवामा ॥ मनतसनिससवनाजकुमाना ॥
 ॥ सबसुंदरवन नूखनधानी ॥ ॥ कनसनचापतनकटिनानी ॥ ॥
 ॥ दोहा ॥ छनेछवीले छयलसवसर सुजाननवीन ॥ ॥ ॥
 ॥ जुगपटचन असवान प्रतिजे असिकला प्रवीन ॥ ३२७ ॥
 ॥ चौवांधे विनदवीननन गाछे ॥ ॥ निकसिने ऐपुनवाहिन ठाछे ॥
 ॥ फेरहिचतुनतु नैगगतिनाना ॥ हनयहिसुनिसुनिपनवनिसाना ॥
 ॥ नथसानथिनु विचित्रवनाये ॥ धुजपताकमनिनूखनलाये ॥ ॥
 ॥ चामनचातुकिंकिनिधुनिकनहीं ॥ नानुजानुसोनाहयहनहीं ॥ ॥
 ॥ सावकननअगनितहयहोते ॥ तेतिनूनथनूसानथिनुजोते ॥
 ॥ सुंदरसकल अलंकृतसोहैं ॥ ॥ जिनहिविलोकतमुनिमनमोहैं ॥
 ॥ जेजलचलहिं थलहिकीनाई ॥ टापनबूडवेगअधिकारि ॥ ॥
 ॥ अस्त्रसस्त्रसवसाजुवनाई ॥ ॥ नथीसानथिनुलिये बुलाई ॥
 ॥ दोहा ॥ चळिचळिनथवाहिनगनलागीजुनवनवात ॥ ॥ ॥
 ॥ होतसगुनसुंदरसवहिजोजेहिकानजजात ॥ ३२८ ॥
 ॥ चौकलितकनिवनरुपनीअवारी ॥ कहिनजातजेहिभौतिसंवारी ॥
 ॥ चलेमत्रगजघंटविनाजी ॥ ॥ मनहुसुभगसावनधनगाजी ॥
 ॥ वाहनअपनअनेकविधाना ॥ सिविकासुभगसुखासनजाना ॥
 ॥ तिनूचळिचलेविप्रवनब्रंदा ॥ जनुतनुधनेसकलश्रुतिछंदा ॥

वाल०

॥६५॥

॥ मागधस्तवट्टागुनगानक ॥ ॥ ॥ चलेजानचळिजेजेहिलानक ॥
 ॥ बेसनकुंठबुधनवहुजाती ॥ ॥ ॥ चलेवस्तुननिश्रगनितनौती ॥
 ॥ कोटिन्कावनिचलेकहाना ॥ ॥ ॥ विविधवस्तुकोवननैपाना ॥
 ॥ चलेसकलसेवकसमुदाई ॥ ॥ ॥ निजनिजसाजुसमाजबनाई ॥
 ॥ दोहा ॥ सबकेउननिर्जनहनषरुनितपुलकसनीन ॥

॥ कवहिदेधियवनपुनननिनामलषनदोडवीन ॥ ३२६ ॥

॥ चौ गनजहिगजघंटाधुनिघोना ॥ नथनववाजहिंधुनिचहुंओना ॥
 ॥ निदनिघनीहिंधुर्मनहिनिसाना ॥ निजपनाइकछुसुनिश्रनकाना ॥
 ॥ महानीननूपतिकेद्वाने ॥ ॥ ॥ नजहोइजाइपखानपवाने ॥
 ॥ चळिअटानिन्हदेखहिनी ॥ ॥ ॥ लिऐआनतीमंगलथानी ॥
 ॥ गावहिगीतमनोहननाना ॥ ॥ ॥ अतिआनंदनजाइवखाना ॥
 ॥ तवसुमंतदुइस्यंदनसाजी ॥ जोतेनविहयनिंदकवाजी ॥
 ॥ दुइनथनुचिननूपपैहिंआने ॥ नहिसानदुपैहिंजहिंवधाने ॥
 ॥ राजसमाजऐकनथआजा ॥ ॥ ॥ दूसनतेजपुंजअतिसाजा ॥

॥ दोहा ॥ तेहिनथनुचिनवसिष्टकहंहनधिचछाइननेस ॥

॥ आपुचछेउस्यंदनसुमिनिहनगुनगौनिगनेस ॥ ३३० ॥

॥ चौ सहितवसिष्टसोहनपकेसैं ॥ सुनगुनुसंगपुनंदनजैसैं ॥ ॥ ॥
 ॥ कनिकुलनीतिवेदविधिनाउ ॥ देखिसवहिसवचौतिवनाउ ॥
 ॥ सुमिनिनामगुनआयसुपाई ॥ चलेमहीपतिसंखवजाई ॥
 ॥ हनधेविवुधविलोकिवनाता ॥ वनधहिंसुमनसुमंगलदाता ॥
 ॥ नयेउकुलाहलहयगयगाजे ॥ ब्योमवनातवाजनैवाजे ॥ ॥ ॥
 ॥ सुननननानिसुमंगलगाई ॥ सनसनागवाजहिसहनाई ॥
 ॥ घंटघंटिधुनिवननिनजौहिं ॥ कनौकनहिंपायकफहनाही ॥
 ॥ कनहिविदूषककोनुकनाना ॥ हासकुशलकलगानसुजाना ॥

॥ दोहा ॥ नुनंगनचावहिकुवनवनअकनिमृदंगनिसान ॥

॥ नागननटचितवहिकितडगहिनतालवधान ॥ ३३१ ॥

॥ चौ वनेनवननतवनीवनाता ॥ होहिंस ॥ गुनसुंदनसुषदाता ॥

॥ वानाचा सुवामदिसिलेंई ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ मनहुसकलमंगलकीहटेंई ॥
 ॥ द्वाहिनकागसुखेतसुहावा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ नकुलदनससवकाहूपावा ॥
 ॥ मानुकूलवहत्रिविधवयानी ॥ सघटसवालआववननानी ॥
 ॥ लोवाफिनिफिनिदनसद्विषावा ॥ सुननीसनमुखसिसुहिपियावा ॥
 ॥ म्रगमालाफिनिद्वाहिनआई ॥ मंगलगनजनुदीन्हिद्विषाई ॥
 ॥ छेमकनीकहछेमविशेषी ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ स्यामावामसुतनुपनदेवी ॥ ॥
 ॥ सनमुखआईउदधिअनुमीना ॥ कनपुस्तकदुइविप्रप्रवीना ॥ ॥
 ॥ दोहामंगलमयकल्पानमयअभिमतफलदातान ॥

॥ दोहा मंगलमय कल्याणमय अभिमत फलदाता ॥

॥ जनुसवसाँचे होन हित न ऐस गुन ऐकवान ॥ ३३२ ॥

॥ जनुसवसाचहानाहतनएसगुनदयादा ॥
 ॥ चौमंगलसगुनसुगमसवताके ॥ सगुनब्रह्मसुंदरसुतजाके ॥
 ॥ नामसनिसवनुदुलहिनिसीता ॥ समधीदसनथजनकपुनीता ॥
 ॥ सुनिअसव्वाहुसगुनसवनौचे ॥ अरकीन्हैविनिंचिहमसांचे ॥
 ॥ ऐहिविधिकीन्हवनातपयाना ॥ हयगयगाजहिहनेनिसाना ॥
 ॥ आवातजानिआनुकुलकेतू ॥ सनितन्हिजनकवंधाऐसेतू ॥
 ॥ वीचवीचवनवासवनाऐ ॥ सुनपुनसनिससंपदाछाऐ ॥
 ॥ असनसयनवनवसनसुहाऐ ॥ पावहिसवनिजनिजमननाऐ ॥
 ॥ नितनूतनसुषलषिअनुकूले ॥ सकलवनातिन्हमंदिनचूले ॥
 ॥ दोहा ॥ आवातजानिवनातवनसुनिगाहगहेनिसान ॥

॥ दोहा ॥ आगत जानि वनात वन सुनि गहगहे निसान ॥

॥ सजिगजनपदचनतुनंगलेनचलेअगवान ॥ ३३३ ॥

॥ साजगजनयपदचनपुनगहनद्वेष्ट ॥
 ॥ चौकनककलशकलकोपनथाना ॥ नाजनललितअनेकप्रकारा ॥
 ॥ धनेसुधासमसवप्रकवानै ॥ भौतिभौतिनहिजाइवधानै ॥
 ॥ फलअनेकवनवस्तुसुहाई ॥ हनधिनेटहितनूपपठाई ॥
 ॥ नूयनवसनमहामनिनाना ॥ षगमृगहयगयवहुविधिजाना ॥
 ॥ मंगलसगुनसुगंधसुहाये ॥ बहुतभौतिमहिपालपठाये ॥
 ॥ दधिच्यूनाउपहानअपाना ॥ ननिनिकावनिचलेकहाना ॥
 ॥ अगवानिरुजवदीधिवनाता ॥ उनआनंदपुलकनरगाता ॥
 ॥ दृष्टिवनावसहितअगिबाना ॥ मुदितवनातिरुहनेनिसाना ॥
 ॥ दृष्टिवनावसहितअगिबाना ॥ मुदितवनातिरुहनेनिसाना ॥

॥ दोहा ॥ हनषपनसपनमिलनहितकष्टुकचलेवगमेल ॥ ३३४ ॥ ॥

॥ दोहा ॥ हनुमान सखी नाला ॥
॥ जनुआन दसमुद्धुइ मिलत विहाइ सुवेल ॥ ३३४ ॥ ॥

वाल०

॥६६॥

॥ चौबिषिसुमनसुनसुंदरिगावहिं ॥ मुदितदेवदुंदुनीवजावहिं ॥
 ॥ वस्तुसकलनाथिनपआगे ॥ विनयकीन्हितिरुअतिअनुगे ॥
 ॥ प्रेमसमेतनायसवलीन्हा ॥ भइवकसीसजाचकन्हिदीन्हा ॥
 ॥ कनिपूजामानतावडाई ॥ जनबासेकहचलेउलिवाई ॥
 ॥ वसनविचित्रपांवडेपरहिं ॥ नपदसनथतिरुपनपगधरहिं ॥
 ॥ देखिधनदधनमदपरिहरहिं ॥ वरिषिसुमनसुनजयजयकरहिं ॥
 ॥ अतिसुंदरदीन्हेउजनवासा ॥ जहंसवकौसवचौतिसुपासा ॥
 ॥ जानीसियवरातपुनआई ॥ कछुनिजमहिमाप्रगटिजनाई ॥
 ॥ हृदयसुमिनिसर्वसिद्धिवलाई ॥ भूपपहुनईकरनपठाई ॥

॥ दोहा ॥ सिद्धिसवसियआयसुअकनिगईजहोजनवास ॥

॥ लियेसंपदासकलसुखसुनपुनभोगविलास ॥ ३३५ ॥

॥ चौनिजनिजवासविलोकिवराति ॥ सुनसुखसकलसुलभसवचौती ॥
 ॥ विनवनेदृकछुकोउनजाना ॥ सकलजनककरनकरिबधाना ॥
 ॥ सियमहिमानघुनायकजानी ॥ हनयेहृदयहेतुपहिचानी ॥
 ॥ पितुआगमनसुनाहोउनाई ॥ हृदयनअतिआनंदसमाई ॥
 ॥ सकुचतकहिनसकतगुनुपांही ॥ पितुदरसनलालचुमनमोहिं ॥
 ॥ विभ्रामित्रविनयवडिदेखी ॥ उपजाउनसंतोषविशेषी ॥
 ॥ हनविबंधुहोउहृदयलगाए ॥ पुलकअंगलोचनजलछाए ॥
 ॥ चलेजहोदसनथजनवासै ॥ मनहुसनोवनतकेउपिआसे ॥

॥ दोहा ॥ भूपविलोकेजवहिंमुनिआवतसुतन्हसमेत ॥

॥ उठेहनषिसुखसिंधुमहचलेथाहअसिलेन ॥ ३३६ ॥

॥ चौमुनिहिंदुवतकीन्हमहीसा ॥ वानवानपहनजधनिसीसा ॥
 ॥ कौशिकनाउलियेउनलाई ॥ कहिअसिसपूँछीकुशलाई ॥
 ॥ पुनिहंदुवतकरतहोउनाई ॥ देखिनपतिउनसुखनसमाई ॥
 ॥ सुतहियलाईदुसहदुखमैटे ॥ मत्तकशरीनप्राणजनुनैटे ॥
 ॥ पुनिवसिष्टपदसिनतिरुनाए ॥ प्रेममुदितमुनिवनउनलाए ॥
 ॥ विप्रबंधवंधेहोउनाई ॥ मननावतीअसिसैपाई ॥
 ॥ जनतसहानुजकीन्हप्रनामा ॥ लियेउठाइलाईउननामा ॥

॥ हनखेलषनदेखिदोउन्नाता ॥ मिलेप्रेमपनिपूनितागाता ॥

॥ दोहा ॥ पुनजनपनिजनजातिजनजाचकमंत्रीमिता ॥

॥ मिलेजयाविधिसवहिप्रनुपनमक्रपालविनीत ॥ ३३ ॥

॥ चौ ॥ नामहिदेखिवनातजुडानी ॥ प्रीतिकिनीतिनजातिवषानी ॥

॥ नृपसमीपसोहहिमुतवानी ॥ जनुधनुधनमादिकतनुधमी ॥

॥ सुतनहसहितदसनथकहदेखी ॥ मुदितनगननननानिविशेषी ॥

॥ सुमनवनधिसुनहनहिनिसाना ॥ नाकनटीनाचहिकनिगाना ॥

॥ सत्तानंदअनुविप्रसचिवगन ॥ ॥ मागधस्तुविदुषवंदीजन ॥

॥ सहितवरातनाउसनमाना ॥ ॥ आयसुमांगिफिनेअगवाना ॥

॥ प्रथमवरातलगनेतैहिआई ॥ तातेपुनप्रमोदअधिकई ॥

॥ ब्रह्मानंदलोगसबलहहौ ॥ बछहुदिवसतिसिविधिसबकहौ ॥

॥ दोहा ॥ नामसीयसोनाअवधिसुकृतअवधिदोउ ॥ राज ॥

॥ जहंतहंपुनजनकहहिअसमिलिनननानिसमाज ॥ ३४ ॥

॥ चौ ॥ जनकसुकृतमूरतिवेदेहि ॥ दसनथसुकृतनामधनिदेहि ॥

॥ इन्हसमकाहुनसिवअनुराधे ॥ काहुनइन्हसमानफललाधे ॥

॥ इन्हसमकोउननऐउजगमाहि ॥ हैनहिकवहूँहोनेउनाहि ॥

॥ हमसबसकलसुकृतकेनासी ॥ नऐजगजनमिजनकपुनवासी ॥

॥ जिन्हजानकीनामधविदेखी ॥ कोसुकृतीहमसनिसविसेषी ॥

॥ पुनिदेखवनधुवीनविवाह ॥ लेवनलीविधिलोचनलाह ॥

॥ कहहिपनसपनकोकिलवेनी ॥ ऐहिबिवाहवडलानसुनेनी ॥

॥ बडेजागविधिवातवनाई ॥ ॥ नैनअतिथिहोइहहिदोउनाई ॥

॥ दोहा ॥ वानहिवानसनेहवसजनकबुलाउवसीय ॥

॥ लैनआइहीहंवंधुदोउकोटिकामकमनीय ॥ ३५ ॥

॥ चौ ॥ विविधिजातिहोइहिपहुनाई ॥ प्रियनकाहिअससासुनपाई ॥

॥ तवतवनामलषनहनिहानी ॥ होइहिसवपुनलोगसुखानी ॥

॥ सधिजसनामलषनकनजोटा ॥ तैइसेइरूपसंगहोइछोटा ॥

॥ स्पामगोनसवअंगसुहाए ॥ तेसबकहहिदेखिजेइआए ॥

॥ कहाएकमेआजुनिहाने ॥ ॥ जनुविनचिनिजहायसवाने ॥

बाल०

॥६७॥

॥ नरतनामहीकीअनुहानी ॥ ॥ सहसालीधिनसकहिनननानि ॥
 ॥ लखनसत्रुसहनऐकरूपा ॥ ॥ नखसियतेसवअंगअनूपा ॥
 ॥ मननैवहिमुखवननिनजाहि ॥ उपमाकहंतिभुवनकोउनाहि ॥
 ॥ छंद उपमानकोउकहदासतुलसीकतहुं कविकोविदु कहैं ॥
 ॥ बलविनयविद्याशीलसोभासिंधुइनसमऐइअहैं ॥ ॥ ॥
 ॥ पुननानिसकलपसानिअंचलविधिहिवचनसुनावहैं ॥
 ॥ ब्याहियहुवानिउवीनऐहिपुनहमसुमंगलगावहैं ॥ ॥
 ॥ सोनठ ॥ कहहिपनसपननानि ॥ वानिविलोचनपुलकतन ॥
 ॥ सधिसवकनवपुनानि ॥ पुंन्यपयोनिधिभूपटोउ ॥ ३४० ॥
 ॥ चौऐहिविधिसकलमनोनथकनहैं ॥ आनदउमगिउमगिउननरहैं ॥
 ॥ जेनपसीयस्वयंवनआऐ ॥ ॥ देखिवंधुसवतिनसुखपाऐ ॥
 ॥ कहतनामजसविमलविसाला ॥ निजनिजभवतगऐमहिपाला ॥
 ॥ गऐवीतिकछुदिनऐहिनांती ॥ प्रमुदितपुनजनसकलवराती ॥
 ॥ मंगलमूललगनदिनआवा ॥ हिमनितुअगहनमाससुहावा ॥
 ॥ ग्रहतिथिनयतजोगवनवानू ॥ लगनसोधिबिधिकीन्हविद्या ॥
 ॥ पठइहीनूनानदसनसोई ॥ गनीजनककेगनकन्हिजोई ॥
 ॥ सुनीसकललोगनरूपहवाता ॥ कहहिंज्योतिषीआइविधाता ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ धेनुधूनिवेराविमलसकलसुमंगलमूल ॥ ॥ ॥
 ॥ विप्रनूकहेंउविदेहसनजानिसगुनअनुकूल ॥ ३४१ ॥
 ॥ चौउपनोहितहिकहेंउनननाह ॥ अवविलंबकनकाननकाह ॥
 ॥ सतानंदतवसचिवबोलाऐ ॥ मंगलसकलसाजिसवल्पाऐ ॥
 ॥ संखनिसानपनबहुवाजे ॥ मंगलकलससगुनसवसाजे ॥
 ॥ सुनगसुवासिनिगावहिगीता ॥ कनहिवेदधुनिविप्रपुनीता ॥
 ॥ लेनचलेसाहनऐहिनांती ॥ गऐजहंजनवासवनाती ॥
 ॥ कोसलपीतिकनदेधिसमाजू ॥ अतिलघुलागतिन्हिसुनराजू ॥
 ॥ नयेउसमयअवधानिअपांडु ॥ यहसुनिपनानिसानहिघाकु ॥
 ॥ गुनहिपूछिकनिकुलविधिनाज ॥ चलेसंगमुनिसाधुसमाज ॥
 ॥ दोहा ॥ नागयविनवअवधेसकनदेधिदेवब्रह्मादि ॥

॥ दोहा लगे सनाहन सहस्रमुख जानि जनमनि जवादि ॥ ३४२ ॥
 ॥ सुनन् सुमंगल अक्षर सन जाना ॥ वनसहि सुमन वजाइ निसाना ॥
 ॥ शिव ब्रह्मादिक विबुध वनस्था ॥ चढे विमानहि नाना जूया गा ॥
 ॥ प्रेम पुलकत न हृदय उघ्राह ॥ चले विलोकन राम विवाह ॥
 ॥ देखि जनक पुन सुन अनुनागे ॥ निज निज लोक सब हिल धुलगे ॥
 ॥ चित बहि चकित विलोकि विताना ॥ नचना सकल अलौकिक नाना ॥
 ॥ नगन नानि नन रूप निधाना ॥ सुधन सुधर्म सुसील सुजाना ॥
 ॥ तिरुहि देखि सब सुन सुन नानी ॥ नये नयत जन विधु उजिआनी ॥
 ॥ विविधि नये उआचन जु विसेषी ॥ निज कननी कण्ठ कत हुन देखी ॥
 ॥ दोहा सिरस मुहाए देव सब जानि आचन जनु लाहु ॥
 ॥ हृदय विचन हुधी न धनि सिय न धुवी न विवाहु ॥ ३४३ ॥
 ॥ चौ जिरु कननाम लेत जग माहि ॥ सकल अमंगल मूल न साहि ॥
 ॥ कनत लहोहि पदान थचानी ॥ तेइ सिय नाम कहै उकामानी ॥
 ॥ ऐहि विधि संचु सुनन् सहस्र मुहावा ॥ पुनि आगे वन वस हचलावा ॥
 ॥ देव न देवे दशन थजाता ॥ महामोद मन पुलकित गाता ॥
 ॥ साधु समाज संग महि देवा ॥ जनु तनु धने करीहि सुन सेवा ॥
 ॥ सोहत साथ सुन ग सुत चानी ॥ जनु अपवर्ग सकल तनु धानी ॥
 ॥ मन कत कनक वन नवन जोनी ॥ देखि सुनन् न इप्रीति न थोनी ॥
 ॥ पुनि नामहि विलोकि हिय हनेषे ॥ नपहि सनाहि सुमन तिरु वनेषे ॥
 ॥ दोहा नाम रूप नय सिसु सुन गवानहि वान निहानि ॥
 ॥ पुलक गात लोचन सजल उमा समेत पुनानि ॥ ३४४ ॥
 ॥ चौ के किकंठ दुति स्याम लक्ष्मी ॥ तडित विनिंद कवसन सुनंगा ॥
 ॥ व्याह विनूषन विपुल वनाए ॥ मंगल मय सब नैति सुहाए ॥
 ॥ सन ह विमल विधु वदन सुहावन ॥ नयन नवल राजीवल जावन ॥
 ॥ सकल अलौकिक सुंदर ताई ॥ कहिन जाइ मन ही मन नाई ॥
 ॥ बंधु मनोहन सोहि संग ॥ जात नचावत चपल नुंग ॥
 ॥ नाज कुवर वन वाजि दिषावहि ॥ वंस प्रसंसक विरह सुनावहि ॥
 ॥ जेहि नुंग पन नाम विराजे ॥ गति विलोकि बानाय कलाजे ॥
 ॥ कहिन जाइ सब नैति सुहावा ॥ वाजि वेष जनु काम वनाव ॥

वाल०

॥६८॥

॥छंद॥ अनुवादिबेखवनाइमनसिजनामहितश्रुतिसोहई॥

॥आपनेवयवलरूपगुनगतिसकलनुवनविमोहई॥

॥जगमगाहिजीनजनावजोतिसोमोतिमानिकतेहिलगे॥

॥किंकिनिललामलगामललितविलोकिसुनननमुनिठगे॥

॥दोहा॥ प्रभुमनसहिलयलीनमनचलतवाजिछविपाव॥

॥श्रुतिउडगनतडितधनजनुवनवनहिनचाव॥३४५॥

॥चै॥ जेहिवनवाजिनामश्रसवारा॥ तेहिसानदउनवननहिषारा॥

॥संकननामरूपश्रनुनागे॥॥ नयनपंचदसश्रुतिप्रियलगे॥

॥हनिहितसहितनामजवजोहे॥ नमासमेतनमापतिमोहे ॥॥

॥निरधिनामध्विविधिहनखोने॥ श्रोठेनयनजानिपछिताने॥॥

॥सुनसेनपउनवहुतउछाहू॥ विधितेवढितसुलोचनलाहू॥

॥नामहिचितवसुनेससुजाना॥ गौतमशापपरमहितमाना॥

॥देवसकलसुनपतिहिसिहहिं॥ आजुपुनइनसमकोउनाहिं॥

॥मुदितदेवगननामहिदेधी॥ नपसमाजदुहुंहनधविसेधी॥

॥छंद॥ श्रतिहनधनाजसमाजदुहुंदिसिदुहुनीवाजहिंदुनी॥॥

॥वनधहिसुमनसुनहनधिकहिजयजयतिजेनधुकुलमनी॥

॥ऐहिजातिजानिवनातश्रावतवाजनेवहुवाजहिं ॥॥॥॥

॥नाबीसवासिनिवोलिपनिधनहेतुमंगलसाजहिं ॥॥॥॥

॥दोहा॥ सजिश्रानतीश्रनेकविधिमंगलसकलसंवानि॥॥

॥चलीमुदितपरधनकननगजगामिनिवननानि॥३४६॥

॥चै॥ विधुवदनीसवसवमंगलोचनि॥ सवनिजतनध्विनतिमदमोचनि॥

॥पहिनेवननवननवनचीना॥॥ सकलविभूषनसजेशनीना॥

॥सफलसुमंगलअंगवनाऐ॥ कनहिंगानकलकंठलजाऐ॥

॥कंकनकिंकिनिरूपुनवाजहिं॥ चालिविलोकिकामगजलाजीहिं॥

॥वाजहिबाजनविविधिप्रकाना॥ ननश्रनुनगनसुमंगलचाना॥

॥सचीसानदानमात्रवानी॥॥ जेसुनतियसुचिसहजसयाती॥

॥कपटनानिवनवेखवनाई॥॥ मिलीसकलननिवासहिजाई॥

॥कनहिंगानकलमंगलवानी॥ हनधविवससवकाहुनजानी॥

॥ **छंद** को जान के हि आनंद वस सव ब्रह्म वन पन छन चली ॥
 ॥ कलगा नमधु ननिसान वध हि सुमन सुन सो जान ली ॥
 ॥ आनंद कंद विलोकि डूलहु सकल हि प्रह न घत नई ॥
 ॥ अंनो जअं वक अं वु उ म गि सु अंग पुल का वलि छई ॥
 ॥ **दोहा** जो सुष ना सिय मा तु मन देखि राम वन वेष ॥
 ॥ सो न सक हि कहि कल पसत सहस सान दासिष ॥ ३४१ ॥
 ॥ **चौ** नयन नीन हठि मंगल जानी ॥ पन छन कन हि मुदित मन गती ॥
 ॥ वेद विहित अनुकुल व्यवहार ॥ कीन्ह नली विधि सव पनि चानू ॥
 ॥ पंचशब्द धुनि मंगल गाना ॥ पट पाँव डे पर हि विधि नाना ॥
 ॥ कनि आनती अरधुति नही नू ॥ राम गवन मंडप तव कीन्ह ॥
 ॥ दश नथ सहित समाज विराजे ॥ किन व विलोकिलो कपीत लो जे ॥
 ॥ समय समय सुन वन यहि फूल ॥ शांति पठ हि महि सुन अनुकूल ॥
 ॥ नन अनुगन कुला हल होई ॥ आपनि पन कछु सुने न कोई ॥
 ॥ ऐहि विधि नाम मंडप हि आये ॥ अरधुटे इ आसन वै ठाये ॥
 ॥ **छंद** वै ठानि ॥ आसन आनती कनि निरखि वन सुष पाँव हीं ॥
 ॥ मनि वसन नूयन नूनि वान हीं नानि मंगल गाँव हीं ॥
 ॥ ब्रह्मादि सुन वन विप्र वेष बनाइ को तु क देख हीं ॥
 ॥ अवलोकि नय कुल कमल न विष वि सुफल जीवन लेख हीं ॥
 ॥ **दोहा** नाकु वानी नाटन टनाम निघरा वनि पाइ ॥
 ॥ मुदित असी सहि नाइ सिन हन घन हू दय समाइ ॥ ३४२ ॥
 ॥ **चौ** मिले जनक दश नथ अति प्रीति ॥ कनि वैदिक लोकिक सव गती ॥
 ॥ मिलत महा द्रो उना ज विराजे ॥ उपमा षो जिषो जिक विलाजे ॥
 ॥ लहीन कत हुं हानि हिय मानी ॥ इन्ह सम ऐ उपमा उन आनी ॥
 ॥ समधी देखि देव अनु रागे ॥ सुमन वन धिज सगा वरु लागे ॥
 ॥ जगु बिन चि उपजा वाज वतै ॥ देखे सुने व्याह व हुत वतै ॥
 ॥ सकल नैति सम साज समाजू ॥ सम समधी देखे हम आजू ॥
 ॥ देव गिरा सुनि सुंदर साँची ॥ प्रीति अलोकिक दुहुदि सिमाँची ॥
 ॥ देत पाँव डे अरध सुहाये ॥ साहन जनक मंडप हि आये ॥

CC-0. Chambal Archives Etawah.

॥ **छंद** चली ल्याइ सीतहि सधी सादर सजिसुमंगलनामिनी ॥
 ॥ नवसप्तसाजे सुंदरी सब मन्त्रकुंजन गामिनी ॥ गंगा ॥
 ॥ कल गान सुनि मुनि ध्यान त्यागहि काम के किल लाज हीं ॥
 ॥ मंजी ननूपुन कलित कंकन ताल गति वन वाज हीं ॥ गंगा ॥
 ॥ **दोहा** सोहत वनिता वंदमहुं सहज सुहावनि सीय ॥ गंगा ॥
 ॥ छवि ललना गन मध्य जनु सुख मा अतिक मनीय ॥ ३५१ ॥
 ॥ **चौ** सिय सुंदरता वननि न जाई ॥ ॥ लघु मति बहुत मनोहर नाई ॥
 ॥ आवत देखि वनाति नृसीता ॥ ॥ रूप नासि सब नौति पुनीता ॥
 ॥ सर्वाहं मनहिं मन कीन्ह प्रनामा ॥ देखि नाम न ऐ पूनन कामा ॥
 ॥ हनये दस नथ सुत नृसमेता ॥ कहिन जाइ उन आनंद जेता ॥
 ॥ सुन प्रनाम कनि वन यहि फूला ॥ मुनि असी सधुनि मंगल मूला ॥
 ॥ गान निसान कुलाहल नानी ॥ प्रेम प्रमोदन गन न नानी ॥
 ॥ ऐहि विधिसीय मंडपहिं आई ॥ प्रमुदित शंति पठहिं मुनि नाई ॥
 ॥ तेहि अवसन कन विधिव्यवहार ॥ दुहुं कुलगुनु सब कीन्ह अचार ॥
 ॥ **छंद** आचानुकनि गुनगोत्रि गणपति मुदित विप्रपुजावही ॥
 ॥ सुन प्रगटि पूजालेहिं देहिं असी स अति सुख पावही ॥
 ॥ मधुपर्क मंगल द्रव्य जो जेहि समय मुनि मन महे चहे ॥
 ॥ ननिकन ककोपर कलश सोत वलि ऐपनि चान करहे ॥
 ॥ कुल नीति प्रीति समेत न विकहि देत सब सादन किए ॥
 ॥ ऐहि नौति देवपुजाइ सीतहि सुन गसिंहासन दिये ॥
 ॥ सिय नाम अवलोकनि पन सपन प्रेम काहुन लषिये ॥
 ॥ मन बुद्धि वनवानी अगोचर प्रगट कवि कै सैं कनै ॥ गंगा ॥
 ॥ **दोहा** होम समय तनु धनि अनल अति सुख आहुति लेहि ॥ ३५२ ॥
 ॥ विप्रवेष धनि वेद सब कहि विवाह विधि देहि ॥ ३५२ ॥
 ॥ **चौ** जनक पाटमहि धीज गजानी ॥ सीय मातुकि मिजाइ वधानी ॥
 ॥ सुजस सुकृत सुख सुंदरताई ॥ सब समेति विधिन चीवनाई ॥
 ॥ समय जानि मुनि वन नृवोलाई ॥ सुनत सवासि निसादन लाई ॥
 ॥ जनक वामदिसि सोह सुनयना ॥ हिम गिन संगवनी जनु मयना ॥

वाल०

॥ ७० ॥

॥ कनककलशमनिकोपनरूने ॥ सुचिसुगंधमंगलजलपूने ॥
 ॥ निजकनमुदितनायअनुनी ॥ धनेनामकेआगेआनी गागा ॥
 ॥ पछहिबेदमुनिमंगलदानी ॥ गगनसुमनहनिअवसनजानी ॥
 ॥ वनुविलोकिहंपतिअनुनागे ॥ पायपुनीतपषाननलागे ॥
 ॥ धंद लागेपषानतपायपंकजप्रेमतनपुलकाबली गागा ॥
 ॥ नत्तनगनगाननिसानजयधुनिउमगिजनुचहुदिसिचली ॥
 ॥ जेपदसरोजमनोजअनिउरसनसदैवविनाजहो गागा ॥
 ॥ जेसकतसुमिनतविमलतामनसकलकलिमलनाजहो ॥
 ॥ जेपनसिमुनिवनितालहागतिनहीजोपातकमई गागा ॥
 ॥ मकनंदजिन्हकोसंचुसिनसुधताअवधिसनिवनई ॥
 ॥ कनिमधुपमनमुनिजोगिजनजेसेनअनिमतगतिलहे ॥
 ॥ तेपदपषानतभाग्यभाजनजनकजयजयसबकहे ॥
 ॥ वनकुअवनिकनतलजोनिषाषोआनहोउकुलगुरकनै ॥
 ॥ अयोपानिगहनविलोकिविधिसुनमनुजमुनिआनहने ॥
 ॥ सुषमूलहलहुदेविहंपतिपुलकातनहुलसेउहियो ॥
 ॥ कनिलोकवेदविधानकन्यादाननृपन्धनदियो ॥
 ॥ हिमवतजिगिगिनिजामहेसहिहनिहिश्रीसागरदई ॥
 ॥ तिमिजनकनामहिसियसमर्पीवित्त्वकलकीरतिनई ॥
 ॥ क्योकनैविनयविदेहकियोविदेहुभूतिसावनी गागा ॥
 ॥ कनिहोमविधिवतगांठिजोनीहोनलागीनावनी ॥
 ॥ होहा जयधुनिवंदीवेदधुनिमंगलगाननिसान गागा ॥
 ॥ सुनिहनधहिंवनधहिंविबुधसुनतनुसुमनसुजान ॥ ३५३ ॥
 ॥ चौकुअनकुअनिकलनावनिदेही ॥ नयनलानुसवसाहनलेही ॥
 ॥ जाइनवननिमनोहनजोनी ॥ जोउपमाकछुकहियसोथोनी ॥
 ॥ नामसीयसुंदनपनिधंही ॥ जगमगाहिसवधंनरुमांही ॥
 ॥ मनहुमदननतिधनिबहुत्पा ॥ देवतनामविवाहअनूपा ॥
 ॥ दनसलालसासकुचनथोनी ॥ प्रगटतदुनतवहोनिवहोनी ॥
 ॥ नयेमगनसबदेखनहाने ॥ जनकसमानअपानविसाने ॥

॥ प्रमुदित मुनि नृत्तां वरी फेरी ॥ नेम सहित सवरीति निवेरी ॥
 ॥ नाम सीय सिन सै दुन दे हीं ॥ सोना कहिन जात विधिके हीं ॥
 ॥ अनुन पनाग जल जन्निनी के ॥ ससिहि नृष्य अहिलो नृष्य मिके ॥
 ॥ बहु निवसिष्ट दीन्ह अनुसासन ॥ वन दुलहिनि वेठे ऐक आसन ॥
 ॥ **छंद** वैठे वरासन राम जानकी मुदित मन दशरथ जे ॥
 ॥ तन पुलक पुनि पुनि देधि अपने सुकृत सुनत नु फूल नये ॥
 ॥ नमि नुवन नहा उछाहुनाम विवाहना सव हीं कहा ॥
 ॥ केहि नैति वरनि सिनात न सना ऐक यह मंगल महा ॥
 ॥ तब जनक पाइ वसिष्ठ आग्रह सुव्याहसाज सै वानिके ॥
 ॥ मांडवी श्रुतिकी रति उनमिला सव कुअरिले इहै कायिके ॥
 ॥ कुशकेतुकन्या प्रथम जोगुन शील सुख शोनाम ईगा ॥
 ॥ सवनीति प्रीति समेत कनि सो व्याहिन पन्नत हि ईई ॥
 ॥ जानकी लघु नगिनी सकल सुंदरि सिनो मनि जानिके ॥
 ॥ सोतन यही व्याहिल लखनीहि सकल विधि सनमानिके ॥
 ॥ जेहिनाम श्रुतिकी रति सुलोचनि सुमुखि सव गुन आगनी ॥
 ॥ सो ईनि पुसरुन हि नृपति रूप शील उजागरी ॥
 ॥ अनु रूप वन दुलहिनि पन सपन लखि सकुचि हिय हर्ष हीं ॥
 ॥ सव मुदित सुंदरता सनाहि सुमन सुन गान वर्य हीं ॥
 ॥ सुंदरी सुंदर वन नृसह सव ऐक मंडप राज हीं ॥
 ॥ जनु जीव उन चानि उअवस्था विनु नृसहित विनाज हीं ॥
 ॥ **दोहा** मुदित अवध पतिसकल सुत वधु नृसमेत निहनि ॥
 ॥ जनु पाऐ महिपाल मनि कय नृसहित फल चानि ॥ ३५४ ॥
 ॥ **चौ** जसि नधुवीन व्याह विधि वननी ॥ सकल कुवन व्याहेते हिकरनी ॥
 ॥ कहिन जाइ कछु द्वाइ जन्नी ॥ नहा कनक मनि मंडप पूरी ॥
 ॥ कंवल वसन विचित्र पटोने ॥ भौति भौति बहु मोल नयोने ॥
 ॥ गजनय तुन गदास अनुदासी ॥ धेनु अलंकृत काम दुहासी ॥
 ॥ वस्तु अनेक कनिय किमिलेया ॥ कहिन जाइ जानहि जिन्ह देया ॥
 ॥ लोकपाल अवलोकि सहानै ॥ लीन्ह अवध पतिसव सुख मानै ॥

बाल०

॥ ७१ ॥

॥ इन्ह जाचकरु जो जेहि जावा ॥ ॥ उवना सो जन वासहि आवा ॥
 ॥ तव कन जो निजन कश्चि दुबानी ॥ बोले सब वना तसन मानी ॥
 ॥ छंद सनमानि सकल वना त आह न दान विनय वडाइ के ॥
 ॥ प्रमुदित महामुनि वंदे वंदे पूजि प्रेम लगाइ के ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ सिनु नाइ देव मनाइ ॥ ॥ सब सन कहत कन संपुट किये ॥
 ॥ सुन साधु चाहत ना वसिंधु कितोष जल अंजुलि दिये ॥
 ॥ कन जो निजन कवहे निबंधु समेत कोशल नाय सौ ॥ ॥
 ॥ बोले मनोहन वयन सानि सने हरी ल सुनाय सौ ॥ ॥
 ॥ सन बंध ना जन ना वने हम वडे अव सव विधि नये ॥ ॥
 ॥ ऐहि नाज साज समेत सेवक जानि वेविनु ग्रथ लये ॥ ॥
 ॥ ये दानिका पनि चानिका कनिपाल वी कनु नाम ई ॥ ॥
 ॥ अपना धर्म मि बो बो लि पठ ऐ बहु त हो छि होइ ई ॥ ॥
 ॥ पुनि भानु कुल नूषन सकल सनमानि निधिस मधी किये ॥
 ॥ कहि जाति नहि विनती पन सपन प्रेम पनि पूर नहि ऐ ॥ ॥
 ॥ ब्रं दान कागन सुमन वन सहि नाउ जन वासहि चले ॥ ॥
 ॥ दुंदुभी जय धुनि वेद धुनि न न न गन कौत हल नले ॥ ॥
 ॥ तव सधी मंगल गान कन त मुनी स आ य सु पाइ के ॥ ॥
 ॥ इल ह दुल हि निरु सहित सुंद निचली को हवन ल्याइ के ॥
 ॥ दोहा पुनि पुनि नाम हि चित वसिय सकुचति मन सकुचैन ॥
 ॥ हन त मनोहन मान धरि प्रेम पि आ स नैन ॥ ३५५ ॥ ॥
 ॥ चौ स्याम सनीन सुना व सुहावन ॥ सो ना कोटि मनो जल जावन ॥
 ॥ जाव क जु त पट कमल सुहाये ॥ मुनि मन मधुपन हत जिन्ह छारे ॥
 ॥ पीत पुनीत मनोहन धोती ॥ ॥ ॥ ॥ हनति बालन विदामि निजोती ॥
 ॥ कल किं किनि कटि सूत्र मनोहन ॥ बाहु विसाल मनोहन सुंदर ॥
 ॥ पीत जने उ महा छवि देई ॥ ॥ ॥ ॥ कन मुद्रिका चो निचि तुलई ॥
 ॥ सोहत व्याह साज सव साजे ॥ ॥ ॥ ॥ उन आ य त उन नूषन नाजे ॥
 ॥ पिअन उपन ना काषा सोती ॥ दुहुं आचन हिलगे मनि मोती ॥
 ॥ नयन कमल कल कुंडल काना ॥ वदन सकल सौं दर्ज निधाना ॥

॥ सुंदर भूकुटिमनोहरनासा ॥ ॥ आलतिलकनुचिरतानिवासा ॥
 ॥ सोहतमौनमनोहरमौथें ॥ ॥ मंजुलमयमुकुतामनिगोंथें ॥
 ॥ धंदगोंथेमहामनिमौनमंजुलअंगसवचितचोनहीं ॥
 ॥ पुननानि सुनसुंदरीवनहिविलोकिसवतरनतोनों ॥
 ॥ मनिवसननखनवानिआरतिकनहिंमंगलगावहीं ॥
 ॥ सुनसुमनवनसहिसूतमागधवंदिसुजसुसुनावहीं ॥
 ॥ कोवनहिआनिकुंवनकुंवनिसवासिनिन्हसुषपाइके ॥
 ॥ अतिप्रीतिलौकिकनीतिलागीकननमंगलगाइके ॥
 ॥ लहकोनिगौनिसिधावनामहिसीयसनसानइकहै ॥
 ॥ ननिवासहासविलासनसवसजनमकोफलसवलहै ॥
 ॥ निजपानिमनिमहंदेधिप्रतिमूरतिसरूपनिधानकी ॥
 ॥ चालतिननुजवह्रीविलोकतिविनहवसनयजानकी ॥
 ॥ कौतुकविनोदप्रमोदप्रेमनजाइकहिजानहिअली ॥
 ॥ वनकुवनिसुंदरिसकलसधालिवाइजनवासेहिंचली ॥
 ॥ तेहिसमयसुनिप्रसीसजहंतहनगनननआनइमह ॥
 ॥ चिरजिअहुजोनीचानुचान्योमुदितमनसवहीकहा ॥
 ॥ जोगींदूसिद्धमुनीसदेवविलोकिप्रनुदुंभीहनीगा ॥
 ॥ बलेहनधिवरधिप्रसूननिजनिजलोकजयजयजयमनी ॥
 ॥ दोहा सहितवधूदिन्हकुवनसवतवआऐपितुपास ॥
 ॥ सौनामंगलमोहननिउमंगउजनुजनवास ॥ ३५६ ॥
 ॥ चौ पुनिजिवनाननईवहुनौती ॥ ॥ पठऐजनकबुलाइवनाती ॥
 ॥ पनत्तपांवडेवसनअनूपा ॥ ॥ सुतन्हसमेतगवनकियनूपा ॥
 ॥ साहनसवकनपायपधाने ॥ ॥ जथाजोगपीठन्हवेठानेगा ॥
 ॥ धोऐजनकअवधपतिचरना ॥ ॥ सीलसनेहजाइनहिवरना ॥
 ॥ वहुनिनामपटपंकजधोऐ ॥ ॥ जेहनहुदयकमलमहंगोऐ ॥
 ॥ तीनिउभाइरामसमजानी ॥ ॥ धोऐचरनजनकनिजपानी ॥
 ॥ आसनउचितसवहिनपहीने ॥ ॥ बोलिसरूपकानीसवलीने ॥
 ॥ साहनलगेपननपनवाने ॥ ॥ कनककीलमनिपानसंबाने ॥

वाल०

॥ ७२ ॥

॥ दोहा ॥ स्फोटन सुनभी सवपि सुंदर स्वाद पुनीत ॥ ॥ ॥ ॥

॥ छन महि सवके पुनसिगे चतुन सुवान विनीत ॥ ३५१ ॥

॥ चौ पंचकवलिक पिजेवन लागे ॥ गाविगान सुनि अति अनुनागे ॥

॥ नौति अनेक पने पकवाने ॥ सुधासनि सनहि जारि हवयने ॥

॥ पुनसैलगे सुवान सुजाना ॥ विंजन विविधि नाम को जाना ॥

॥ चानि नौति नौजन विधि गार्डि ॥ ऐक ऐक विधि वननि नजार्डि ॥

॥ छन सनुचि न विंजन वहु जौती ॥ ऐक ऐक न स अगनित नौती ॥

॥ जैवत देधि मधुन सुन गानी ॥ लैलै नाम पुनुष अतुनानी ॥

॥ समय सुहावनि गावि विराजा ॥ हसत नाउ सुनि सहित समाजा ॥

॥ ऐहि विधि सवह नौजन कीन्ह ॥ आदन सहित आव मन दीन्ह ॥

॥ दोहा ॥ देइ पान पूजे जनक दसनथ सहित समाजा ॥ ॥ ॥

॥ जनवासहि गवने मुदित सकल रूप सिनताजा ॥ ३५२ ॥

॥ चौ नित नूतन मंगल पुन मांहीं ॥ निमिष सनि सदिन जामिनि जौहीं ॥

॥ वडे नौन रूपति मनि जागे ॥ जाचक गुन गन वनन नरु लागे ॥

॥ देधि कुवन वन वधु नरु समेता ॥ किमि कहि जात मोद मुन जेता ॥

॥ प्रात क्रिया कनिगे गुनु पांहीं ॥ महा प्रमोद प्रेम मन मांहीं ॥

॥ कनि प्रनाम पूजा कन जोनी ॥ बोलि गिरा अमि अजनु बोनी ॥

॥ तुम्हनी कृपा सुनहु मुनि राजा ॥ भये उआ जु मै पूरन काजा ॥

॥ अव सव विप्र बुलाइ गोसाई ॥ देहु धेनु सव नौति वनाई ॥

॥ सुनि गुन कनि महि पालवडाई ॥ पुनि पठये मुनि वंद वुलाई ॥

॥ दोहा ॥ बाम देव अउ देव अषि वालमीकि जावालि ॥ ॥ ॥

॥ आए मुनि वननिक नतव कोसिका दित पसालि ॥ ३५३ ॥

॥ चौ देउ प्रनाम सवहि नृप कीन्ह ॥ पूजिस प्रेम वरासन दीन्ह ॥

॥ चानिल छवन धेनु मगाई ॥ काम सुनिस सम सील सुहाई ॥

॥ सव विधि सकल अलंकृत कीन्ह ॥ मुदित रूप महि देव नृ दीन्ह ॥

॥ करत विनय वहु विधि नन नाहू ॥ लहे उआ जु जग जीवन लाहू ॥

॥ पाइ असीस महा सअनंदा ॥ लिये बोलि पुनि जाचक वंदा ॥

॥ कनक वसन मनि हय गाय संहन ॥ दिये वृद्धि नुचि विकुल नंदन ॥

॥ चले पठत गावत गुन गाथा ॥ ॥ जय जय जय दिन कन कुलनाथ ॥
 ॥ ऐहि विधि नाम विवाह उछाह ॥ सकेन वननि सहसमुषजाह ॥
 ॥ होहा वानवान कौसिक चनन सीसनाइ कहनाव ॥ ॥
 ॥ यह सव सुष मुनि नायत वकृपा कटाक्ष प्रभाव ॥ ३६० ॥
 ॥ चौ जनक सनेह सील कन नूती ॥ ॥ नृप सव नौति सनाह विभूती ॥
 ॥ दिन उठि विद्या अवध पति मांगा ॥ नाथ हि जनक सहित अनुनागा ॥
 ॥ नित नूतन आदर अधिकार्इ ॥ दिन प्रति सहस्र नौति पहुचार्इ ॥
 ॥ नित नवनगन अनंद उछाह ॥ इस नथ गवन सुहाइन काह ॥
 ॥ बहुत दिवस बीते ऐहि नौती ॥ जनु सनेहन जुवंधे वनाती ॥
 ॥ कौसिक सतानंद तव जाई ॥ ॥ कहि विदेह नृपति समुहार्इ ॥
 ॥ अवद सनथ कह आय सुदेह ॥ जद्यपि छंदिन सकहु सनेह ॥
 ॥ अलहि नाथ कहि सचिव बुलाए ॥ कहि जय जीव सीसति नृनाए ॥
 ॥ होहा अवध नाथ चाहत चलन भीतर कनहु जनाव ॥
 ॥ भए प्रेम वस सचिव मुनि विप्र सभा सदभाव ॥ ३६१ ॥
 ॥ चौ पुन वासी मुनि चलिह वनाता ॥ बृहत् विकल्पन सपन वाता ॥
 ॥ सत्य गवन मुनि सव विलथौने ॥ मनहुं साहस न सिज सकुचौने ॥
 ॥ जहं जहं आवत वसे वनाती ॥ तहं तहं सीध चला बहु नौती ॥
 ॥ विविध नौति मेवाप कवाना ॥ नौ जन साजन जाइ वधाना ॥
 ॥ अनि न निवसह अपान कहना ॥ पठई जनक अनेक सुसाना ॥
 ॥ तुनंगलावन थ सहसपचीसा ॥ सकल सैवाने नथ अनुसीसा ॥
 ॥ मन्त्र सहसहस सिंधु न साजे ॥ जिन्ह हि देखि दिसि कुंजन लोजे ॥
 ॥ कनक वसन मनि न निमिजाना ॥ महिषी धेनु वस्तु विधिनाना ॥
 ॥ होहा दृष्ट ज अमित न सकि अकहि दान्ह विदेह बहेनि ॥
 ॥ जो अवलोकत लोक पतिलोक संपदायोनि ॥ ३६२ ॥
 ॥ चौ सव समाज ऐहि नौति वनार्इ ॥ जनक अवध पुन दान्ह पठार्इ ॥
 ॥ चलिह वनात सुनत सवनानी ॥ विकल मीन गन जनु विनुयानी ॥
 ॥ पुनि पुनि सियहि गोद कनिलेही ॥ देख सीस सिषावन देही गणा ॥
 ॥ होइहु संतत पिअहि पियानी ॥ बिनु अहि वात सीस हमानी ॥

वाल०

॥७३॥

॥ सासुससुनगुनसेवाकनेहू ॥ ॥ पतिउनलखिआयसुअनुसेहू ॥
 ॥ अतिसनेहसवसधीसयानी ॥ ॥ ननिधनमसिखबहिमृदुवानी ॥
 ॥ साइनसकलकुवनिसमुहाई ॥ ॥ नानिन्हवानवानउनलाई ॥
 ॥ बहुनिबहुनिनेटहिमहतानी ॥ कहहिबिनंचिनचीकतनानी ॥
 ॥ दोहतेहिअवसननाइन्हसहितनाममानुकुलकेतु ॥

॥ चलेजनकमंदिनमुदितविटोंकरावनहेतु ॥ ३६३ ॥

॥ चौबानिउजाइसुजायसुहाये ॥ नगननानिननदेखनधारे ॥
 ॥ कोउकहचलनचहतहेआजू ॥ कीन्हविदेहविटोंकरासाजू ॥
 ॥ लेहुनयनननिरूपनिहानी ॥ प्रियपाहुनेनूपसुतचानी ॥
 ॥ कोजानहिकेहिसुकृतसयानी ॥ नयनअतिथिकीन्हविधिअनि ॥
 ॥ मरनसौवजिमिषावपिडुवा ॥ सुनतनुलेहेजनमकरनूवा ॥
 ॥ पावनानकीहनिपट्टेजैसे ॥ ॥ इन्हकरनदनसनहमकहैतैसे ॥
 ॥ निरखिनामसोनाउनधनहू ॥ निजमनफनिमूनतिमनिकतहू ॥
 ॥ जेहिविधिसवहिनयनफलेदता ॥ गऐकुअनसवराजनिकेता ॥

॥ दोहा ॥ रूपसिंधुसवबंधुलखिहनिउठेउननिवासु ॥

॥ कनीहंनिछावनिआनतीमहामुदितमनसासु ॥ ३६४ ॥

॥ चौदेखिनामध्वविअतिअनुगि ॥ प्रेमविवसपुनिपुनिपइलागि ॥
 ॥ नहानलाजप्रातिउनछाई ॥ सहजसेनेहवननिकिमिजाई ॥
 ॥ नाइन्हसहितउवाटिअन्हवाये ॥ धनसअसनअतिहेतुजिवाये ॥
 ॥ बोलिनामसुअवसनजानी ॥ सीलसनेहसकुचमयवानी ॥
 ॥ गउअबधपुनचाहतसिधाये ॥ विटोंहोनहमइहोपठाये ॥
 ॥ मातुमुदितमनआयसुदेहू ॥ वालकजानिकनवनितनेहू ॥
 ॥ सुनतवचनबिलखेउननिवासू ॥ बोलिनसकहिंप्रेमवससासू ॥
 ॥ हृदयलगाइकुवनिसवलीन्ही ॥ पतिन्हसौंपिविनतीअतिकीही ॥

॥ छंद करिविनयसियनामहिंसमपीजेनिकनपुनिपुनिकहे ॥

॥ बलिजाउतातसुजानतुभूकहुंविदितगतिसवकीअहे ॥

॥ पनिवानपुनजनमोहिनाजहिप्रानप्रियसियजानिवी ॥

॥ तुलसीसनलूसनेहलखिनिजकिंकनीकनिमानिवी ॥

॥ सोनठा तुम्ह पति पून न काम ॥ जानि सिने मनि नाव प्रिय ॥
 ॥ जन गुन गाहक नाम ॥ दोष दलन कनु नायतन ॥ ३६५ ॥
 ॥ चौ अस कहिन होचन न गहिनी ॥ प्रेम पंकज नुगि ना समानी ॥
 ॥ मुनि सने हसानी वनवानी ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ बहुविधि नाम सा सुसन मानी ॥
 ॥ नाम विद्या मागत कन जोनी ॥ ॥ कीन्ह प्रनाम व होनि व होनी ॥
 ॥ पाइ असि सबहु नि सिनु नाई ॥ ॥ भाइन्ह सहित चलेन धुनाई ॥
 ॥ मंजु मधुन मूरति उन आनी ॥ ॥ भई सने हसि थिल सवनानी ॥
 ॥ पुनि धीन जधु नि कुवनि हंकानी ॥ वान वान नेटहि महतानी ॥
 ॥ पहुचा वहिं फिनि मिलहि वहेनी ॥ बढा पन सपन प्रीति नथेनी ॥
 ॥ पुनि पुनि मिलति सखिन्ह विलगाई ॥ बाल बछ्छ जिमि धेनु लवाई ॥
 ॥ दोहा ॥ प्रेम विवसन न नानि सब सखिन्ह सहित न निवास ॥
 ॥ मानहु कीन्ह विदेह पुन कनु ना विनहनि वास ॥ ३६६ ॥ ॥ ॥
 ॥ चौ मुकसानिका जानकी ज्यो ऐ ॥ ॥ कनक पिंजन निना सिप ठाऐ ॥
 ॥ व्याकुल कहिं हंक हां वेदे ही ॥ ॥ मुनि धीन जु पनि हेने न के ही ॥
 ॥ नये विकल यग भ्रग ऐहिं जती ॥ मनुज दशा कइ से कहि जाती ॥
 ॥ बंधु समेत जन कत व आऐ ॥ ॥ प्रेम उमग लोचन जल प्याऐ ॥
 ॥ सीय विलोकि धीन ता जगी ॥ ॥ रहे कहावत परम विनागी ॥
 ॥ लीन्ह नाइ उन लाइ जानकी ॥ मिटी महामन जाइ ग्यान की ॥
 ॥ समुहावत सब सचिव सयाने ॥ कीन्ह विचार न भ्रवसन जाने ॥
 ॥ बानहि बान सुता उन लाई ॥ ॥ सजि सुंदर पालकी मगाई ॥ ॥ ॥
 ॥ दोहा ॥ प्रेम विवस पतिवान सब जानि सुलगन न नेस ॥
 ॥ कुवनि चलाई पाल किन्ह सुमिनि सिद्धि गनेस ॥ ३६७ ॥
 ॥ चौ बहुविधि भूप सुता समुहाई ॥ ॥ नानि धर्म कुल नीति सिखाई ॥
 ॥ दासी दास दिये बहुतेने ॥ ॥ सुचि सेवक जे प्रिय सिय केने ॥
 ॥ सीय चलत व्याकुल पुन वासी ॥ ॥ होहिं सगुन सुन मंगल नासी ॥
 ॥ भूसुन सचिव समेत समाजा ॥ ॥ संग चले पहुचावन राजा ॥ ॥
 ॥ नथ गज वाजि वरातिन्ह सोजे ॥ ॥ सुनि गहगहे वाजने वाजे गागा ॥
 ॥ दसन थवि प्रबोति सब लीन्ह ॥ ॥ दान मान पति पून न कीन्ह गागा ॥

वाल्मीकि

॥७४॥

॥वननसरोजधूनिधनिसीसा॥॥ मुदितमहापतिपाइअसीसा॥
 ॥सुमिरिगजाननकीनरूपयाना॥ मंगलमूलसगुननयेनाना॥
 ॥दोहा॥ सुनप्रसन्नवनवर्षाहैहृदयिकनहैअपधनागान॥
 ॥चलेअवधपतिअवधपुनमुदितवजाइनिसान॥३६८॥
 ॥चौनपकनिविनयमहाजनफेने॥ साइनसकलमोगनेटेने॥॥
 ॥नूषनवसनवाजिगजदीने॥ प्रेमपोषिठाकेसबकीने॥॥
 ॥वानवानविनहाबलिनाथी॥॥ फिनेसकलनामहिउनराथी॥
 ॥बहुनिबहुनिकोसलपतिकहै॥ जनकप्रेमवसफिनेनचहै॥॥
 ॥पुनिकहन्नुपतिवचनसुहाए॥ फिनियमहासदुनिवडिओए॥
 ॥राउबहेनिउतनिनयेठाके॥॥ प्रेमप्रवाहविलोचनवाके॥॥
 ॥तवविदेहबोलेकनजोनी॥॥॥॥॥॥ वचनसनेहसुधाजनुवोनी॥
 ॥कनौकवनविधिविनयवनाई॥ महाराजमोहिदीन्हिवडाई॥
 ॥दोहा॥ कोसलपतिसमधीसजनसनमानेसबनौति॥॥॥
 ॥मिलनिपनसपनविनयअतिप्रीतिनहुदेसभाति॥३६९॥
 ॥चौमुनिमंडलिहजनकसिनुनावा॥ आसिवाहसबहिसनपावा॥
 ॥साइनपुनिनेटेउजामाता॥॥॥॥॥॥ रूपसालगुननिधिसबआता॥
 ॥जोनिपंकनुहपानिसुहाए॥॥॥॥॥॥ बोलेवचनप्रेमजनुजाए॥॥
 ॥नामकनौकेहिनौतिप्रसंसा॥॥ मुनिमहेसमनमानसहंसा॥
 ॥कनहिजोगजोगीजेहिलारी॥ कोहमोहममतामदत्तारी॥
 ॥व्यापकब्रह्मअलखअविनाशि॥ चिदानंदनिगुनगुननाशि॥
 ॥मनसमेतजेहिजाननवानी॥॥ तनकिनसकहिसकलअनुमनि॥
 ॥महिमानिगमनेतिकहिकहई॥ जोतिहुकालऐकनसनहई॥
 ॥दोहा॥ नयनविषयमोकहुनऐउसोसमस्तसुखमूल॥
 ॥सबहिसुलनजगजीवकहैनेऐईशाअनुकूल॥३७०॥
 ॥चौसबहिनौतिमोहिदीन्हिवडाई॥ निजजनजानिलीरूपनई॥
 ॥हौंहिसहसदससानदसेषा॥॥॥॥॥॥ कनीहैकलपकोटिकननिलेषा॥
 ॥मोननागपनाउनगुनगाथा॥॥ कहिनसिनाहैसुनहुनघुनाथा॥
 ॥मैकथुकहउएकवलमोने॥॥ नुमहीहुहुसनेहसुठियोने॥

॥ वानवानमौगहुंकनजोने ॥ ॥ मनुपनिहनइचननजनिजोने ॥
 ॥ सुनिवनवचनप्रेमजनुपोषे ॥ पूननकामनामपनितोषे ॥
 ॥ कनिवनविनयससुनसनमते ॥ पितुकोसिकवसिष्ठसमजाने ॥
 ॥ विनतीवहुनिन्नतसनकीन्हे ॥ मिलिसप्रेमवहुआसिधदिही ॥
 ॥ दोहा ॥ मिलेलषननिपुसहनहिहीनिहसिसमहिस ॥
 ॥ जेएपनसपरप्रेमवसफिनिफिनिनावहिसिस ॥ ३७१ ॥
 ॥ चौवानवानकनिविनयवडाई ॥ रघुपतिचलेसंगसवनाई ॥
 ॥ जनकगहेकोशिकपदजाई ॥ वनननेनुसिरनयनन्हिजाई ॥
 ॥ सुनुमुनीससवहनसनतोने ॥ अगमनकछुप्रतीतिमनमोने ॥
 ॥ जोसुषसुजसलोकपतिचहहीं ॥ करतमनोनयसकुचतअहहीं ॥
 ॥ सोसुषसुजसुसुलभमोहिस्वामि ॥ सबसिधितवहनसनअनुगामि ॥
 ॥ कीन्हविनयपुनिपुनिसिनुनाई ॥ फिनेमहिसआसिधहिपाई ॥
 ॥ चलीवनातनिसानवजाई ॥ मुदितछोटवडसवसमुदाई ॥
 ॥ नामहिनिनधिग्रामनननानी ॥ पाइनयनफलहोहिसुधारी ॥
 ॥ दोहा ॥ वीचवीचवनवासकनिमगलोगन्हसुधदेत ॥
 ॥ अवधसमीपपुनीतदिनपहुचीआइजनेत ॥ ३७२ ॥
 ॥ चौहनेनिसानपनववनवाजे ॥ जेनिशंखधुनिहयगयगाजे ॥
 ॥ हांहिंजेनिडिमिडिमिसुहाई ॥ सनसनागवाजीहंसहनाई ॥
 ॥ पुनजनआवतअकनिवनाता ॥ मुदितसकलपुलकावलिगाता ॥
 ॥ निजनिजसुहनसहनसैवाने ॥ हाटवाटचोहटपुनहुने ॥
 ॥ गलीसकलअनगजासिंचाई ॥ जहंतहंचउकइचानुपुनाई ॥
 ॥ वनावजाननजाइवधाना ॥ तोननकेतुपताकविताना ॥
 ॥ सफलपुंगफलकहलीनसाला ॥ नौपेवकुलकदंवतमाला ॥
 ॥ लगेसुनगतनुपनसतधरनी ॥ मनिमयआलवालकलकननी ॥
 ॥ दोहा ॥ विविधजातिमंगलकलसग्रहग्रहनचेसैवारी ॥
 ॥ सुनब्रह्मादिसिंहहिंसवनधुवनपुनीतिहानि ॥ ३७३ ॥
 ॥ चौनूपन्नवनतोहिअवसनसोहा ॥ नचनोदेषिमहनमनमोहा ॥
 ॥ मंगलसगुनमनोहनताई ॥ निधिसिधिसुधसंपदासुहाई ॥

बाल०

॥७५॥

॥ जनु उष्णहसवमहजसुहाए ॥ तनुधनिधनिदृसनथग्रहश्रे ॥
 ॥ दृषनहेतुनामवैदेही ॥
 ॥ जूथजूथमिलिचलीसवासिनि ॥ निजछविनिदृनहिमदनविलासिनि ॥
 ॥ सकलसुमंगलसजेआनती ॥ गांवीहिंजनुवहुवेखनानती ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ नूपतिनवनकुलाहलहोई ॥ जाइनवननिसमयसुखसोई ॥ ॥ ॥
 ॥ कोसल्यादिनाममहतारी ॥ प्रेमविवसतनदृसाविसानी ॥ ॥ ॥

॥ दोहा ॥ दियेदानविप्रनृविपुलपूजिगनेसपुनानि ॥

॥ प्रमुदितपनमदृनिदृजिमिपाइपदानथचानि ॥ ३७४ ॥

॥ चौमोदप्रमोदविवससवमाता ॥ चलहिनचननसिथिलनरेगाता ॥
 ॥ नामदनसहितअतिअनुनागी ॥ पनछनसाजुसजनसबलारी ॥
 ॥ विविधविधानवाजनेवाजे ॥ मंगलमुदितसुमित्रासाजे ॥ ॥ ॥
 ॥ हनददूवदधिपल्लवफूला ॥ पानपूगफलमंगलमूला ॥ ॥ ॥
 ॥ अछतअकुननोचनलाजा ॥ मंजुलमंजनिजुलसिक्किनाजा ॥
 ॥ छुहेपुनदघटसहजसुहाए ॥ मदनसकुनजनुनीडवनाए ॥
 ॥ सगुनसुगंधनजाहिवयानी ॥ मंगलसकलसजीहंसवनानी ॥
 ॥ नचीआनतीवहुतविधाना ॥ मुदितकनहिकलमंगलगाना ॥

॥ दोहा ॥ कनकथानननिमंगलनृकमलकनन्हिलेमात ॥

॥ चलीमुदितपनिछनकननपुलकपल्लवितगात ॥ ३७५ ॥

॥ चौधूपधूमननमेचकनऐकु ॥ सावनधनधमंडजनुठऐकु ॥ ॥ ॥
 ॥ सुनतनुसुमनमालसुनवर्षहिं ॥ मनहुवलाकअबलिमनकर्षहिं ॥
 ॥ मंजुलमनिमयवंदनिवाने ॥ मनहुपाकनिपुचापसंवाने ॥ ॥ ॥
 ॥ प्रगटीहंदुनीहंअटनृपननामिनि ॥ चनुचपलजनुदमकीहंदमिनि ॥
 ॥ दुंदुभिधुनिघनगनजनिघोरा ॥ जाचकचातकदादुनमोना ॥
 ॥ सुनसुगंधसुचिवनखीहंवानी ॥ सुषासकलससिपुननननारी ॥
 ॥ समयजानिगुनआयसुदीनृ ॥ पुनप्रवेसनधुकुलमनिकीनृ ॥
 ॥ सुमिनिसंचुगिनिजागननाजा ॥ मुदितमहापतिसहितसमाजा ॥

॥ दोहा ॥ हांहिंसगुनवनखीहंसुमनसुनदुंदुनीवजाइ ॥

॥ विबुधवधूनांचाहंसुदितमंजुलमंगलगाइ ॥ ३७६ ॥

॥ मांगधस्तवं दिनटनागर ॥ ॥ गौर्वहिंजसुतिहुं लोक उजागर ॥
 ॥ जयधुनिविमलवेदवनवानी ॥ दसदिशि सुनिय सुमंगलसानी ॥
 ॥ विपुलवाजने वाजन लागे ॥ नन सुनन गन लोग अनुनागे ॥
 ॥ बने वनाती वननिन जाहि ॥ महामुदित मन सुधन समाहि ॥
 ॥ पुन वासि नृतवना उजुहने ॥ देखत नामहि न ऐउ सुधाने ॥
 ॥ कनहिं निष्ठा वनिमनिगनचीना ॥ वानि विलोचन पुलकसनीना ॥
 ॥ आनतिकनहि मुदित पुनानी ॥ हनधीहिं निरधिकु वनवनचानी ॥
 ॥ सिविका सुधन ओहान उधानी ॥ देखि दुलहिनि न्होहिं सुधानी ॥
 ॥ दोहा ॥ ऐहि विधि सर्वहीं हेत सुख आऐ उनाज दुआन ॥

॥ मुदित मातु पन धन कनहि वधु न्हसमेत कुमान ॥ ३७७ ॥
 ॥ चौ कनहिं आनती वानहि वाना ॥ प्रेम प्रमोद कहइ कोपाना ॥
 ॥ नूषन मनि पटनाना जाती ॥ कनहिं निष्ठा वनि अगनित जौती ॥
 ॥ वधु न्हसमेत देखि सुत चानी ॥ पन मानंद मगन महत निगा ॥
 ॥ पुनि पुनि सीयना मध्य विदेही ॥ मुदित सफल जग जीवन लेषी ॥
 ॥ सखी सीय मुष पुनि पुनि चहिं ॥ गान कनहिनि जसुक्रत सगहिं ॥
 ॥ वनधहि सुमन धनहि धन देवा ॥ नौ चहिं गावहिं तावहिं सेवा ॥
 ॥ देखि मनोहन चानि उजोरी ॥ सानद उपमा सकल लखोरी ॥
 ॥ हेत नवनहिनि पटल घुलागी ॥ ऐकटकन हीन रूप अनुनागी ॥
 ॥ दोहा ॥ निगमनीतिकुलनीतिकनि अनघ पावडे हेत ॥

॥ वधु न्हसहित सुत पन धि सव चली लिवाइ निकेत ॥ ३७८ ॥
 ॥ चौ चानि सिंहासन सहज सुहाऐ ॥ जनु मनोजनि जहाय वनाऐ ॥
 ॥ तिरुपन कुवनि कुवनि वेठाने ॥ सादर पाय पुनीत पखाने ॥
 ॥ धूप दीपनै वेद वेद विधि ॥ पूजेवन दुलहिनि मंगल निधि ॥
 ॥ वानहिं वान आनती कनहिं ॥ वजन चानु चामन सिन छनहिं ॥
 ॥ वस्तु अनेक निष्ठा वनि होहिं ॥ मनी प्रमोद मानुस वसोहिं ॥
 ॥ पावापन मत त्वजनु जोगी ॥ अमृत लहे उजनु संतत नोगी ॥
 ॥ जनमनंक जनु पान सपावा ॥ अंधा हिलोचन लान सुहावा ॥
 ॥ मूक वदन जस सानद छाई ॥ मानहु समन स्वर जय पाई ॥

वाल०

॥३६॥

॥ दोहा ॥ ऐहिसुषतेसतकोटिगुनपावीहंमातुअनंद ॥
 ॥ भाइन्हसहितविवाहिघनआऐनधुकुलचंद ॥३७॥
 ॥ लोकनीतिजननीकनहिवनदुलहिनिसकुचाहिं ॥
 ॥ मोहविनोदविलोकिवडनाममनहिमुसुकाहिं ॥३८॥
 ॥ चौदेवपितनपूजेविधिनीकी ॥ ॥ पूजासकलवासनाजीकी ॥
 ॥ सबहिंवंदिमांगहिवरदाना ॥ ॥ आइन्हसहितनामकल्याना ॥
 ॥ अंतनहितसुनआयसुषदेहिं ॥ मुदितमातुअंचलभनिलेहिं ॥
 ॥ नूपतिबोलिवनातिन्हलीन्ह ॥ जानवसनमनिन्हसनदीन्ह ॥
 ॥ आयसुपाइनाधिउननामहि ॥ मुदितगऐसबनिजनिजधामहि ॥
 ॥ पुननननानिसकलपहिनाऐ ॥ घनघनवाजनलागवधाऐ ॥
 ॥ जाचकजनजाचहिजोइजोइ ॥ प्रमुदितनाउदेहिसोइसोइ ॥
 ॥ सेवकसकलवजनिआनाना ॥ पूननकिऐदानसनमाना ॥
 ॥ दोहा ॥ देहिंअसीसजुहानिसवगावीहंगुनगनगाथ ॥
 ॥ तवगुनअसुनसहितग्रहगवनुकीन्हनननाथ ॥३९॥
 ॥ चौजोवसिष्टअनुसासनदीन्ह ॥ लोकवेदविधिसादनकीन्ह ॥
 ॥ असुननीनदेधिसवनानी ॥ सादनउठीनागप्रवडजानी ॥
 ॥ पायपयापिसकलअन्हवाऐ ॥ पूजिनलीविधिअपजिवाऐ ॥
 ॥ आइनदानविनयपनिपोसे ॥ देतअसीसचलेमनतोसे ॥
 ॥ बहुविधिकीन्हगाधिसुतपूजा ॥ नाथमोहिसमधन्यनदूजा ॥
 ॥ कीन्हप्रसंसाअपतिन्हनी ॥ नानिन्हसहितलीन्हपगधूनी ॥
 ॥ नीतननवनदीन्हवनवास् ॥ मनुजोवतनहन्पननिवास् ॥
 ॥ पूजेगुनपदकमलवहोनी ॥ कीन्हविनयउनप्रितिनथोनी ॥
 ॥ दोहा ॥ बधुन्हसमेतकुमानसवनानिन्हसहितमहिस ॥
 ॥ पुनिपुनिवंदतगुनुचननदेतअसीसमुनीस ॥४०॥
 ॥ चौबिनतीकीन्हउअतिअनुनागे ॥ सुतसंपदानाधिसवआगे ॥
 ॥ नेगुमांगिमुनिनायकलीन्ह ॥ आधिनवाहबहुतविधिदीन्ह ॥
 ॥ उनधनिनामहिसीयसमेता ॥ हरषिकीन्हगुनगवननिकेता ॥
 ॥ विप्रवधूसवअपवोलांई ॥ बेलचानुअनपहिनांई ॥

॥ बहुनिबोला इसबासिनीलीही ॥ उचिविचानिपहिनाउनिहिरू ॥
 ॥ नेगीनेगजोगासवलेहीं ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ उचिअनुरूपभूपमनिदेहौं ॥
 ॥ प्रियपाहुनैँ पूज्यजेइजानेँ ॥ ॥ ॥ भूपतिनलीभातिसनमानेँ ॥
 ॥ देवदेविनघुवीनविवाहू ॥ ॥ ॥ वनधिप्रसनप्रसंसिउष्णाहू ॥

॥ दोहा ॥ चलेनिमानवजाइसुननिजनिजपुनसुषुयाइ ॥

॥ कहत पन सपन नाम जस प्रेम न हूँ हय समाइ ॥ ३२ ॥

॥ चौसठविधिसवहिसमदिनननाहू ॥ नहाहूदृष्टनिपूनिउष्णाहू ॥

॥ जहन्निवासतहं पगुधाने ॥ ॥ सहितवधूटिन्कुवन्ननिहारे ॥

॥ लिए गोद कनिमोद समेता ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ को कहि स कै न ऐउ सुषजेता ॥

॥ बधूसप्रेमगोदवेठानी ॥ १००००० ॥ वानवानहियहनषिडुलानी ॥

॥ देविसमाजमुदितननिवास् ॥ सर्वकेउनअनेदकनवास् ॥

॥ कहे उच्छृपजिमि नरे उ विवाह ॥ सुनि सुनि हन्य होइ सय काह ॥

॥जनकनामगुनशीलवडाई॥॥ प्रीतिनीतिसंपदासोहाई॥॥

॥जनकनामगुप्तशासवउर॥
॥बहुविधिभूपजाटजिमिक्वनी॥गनीमुनिप्रमुदितसवकनी॥

॥ दोहा ॥ सुतनुसमेतनहाइ नृपबोलिलिए गुनगयाति ॥

॥ भोजनकी न्ह अनेकविधि धनी पांचगोशनाति ॥ ३८३ ॥

॥ यौमंगल गान कनहिवन जामिनि ॥ नैसुधमूल मनोहन जामिनि ॥

॥ ग्रचइपानसवकाहूपाये ॥ ॥ स्वगसुगंधनूषितधविघ्नये ॥

॥ ग्रचक्षुषानि सवेषा ॥ ॥ ॥ ॥ निजनिजन्नवनचले सिनुनाई ॥

॥ प्रेमप्रमोदविनोदवडाई ॥ ॥ समयसमाजुमनोहनताई ॥

॥ कहिनसकीहँसतसानदसेत्स ॥ वेदविनंचिमहेसगनेत्स ॥

॥ सोमैकहउकवनविधिबननी ॥ नूभिनागासिनधनैकिधननी ॥

॥ न प स व नै ति स व हि स न मानी ॥ कहि मृ दु व च न बु ला इ नि गानी ॥

॥ नृपसर्वज्ञात्तत्सर्वं ॥ ॥ नाथे हुनयनपत्तककी नाई ॥
॥ वधूलनिकनीपरघनम्राई ॥ ॥

॥ दोहा ॥ लनिका श्रमि त उनी द व स स य न क रा व हु जा ॥ ३६४ ॥

॥ असकहिगेविश्रामग्रहनामचननचिनुलाइ ॥ ३८४ ॥

॥ श्रीसकाहनाय नमः ॥ जपितकनकमणिपलंगडसाये ॥
॥ बौभूपवचनसुनिसहजसुहाये ॥

बाल०

॥७१॥

॥ सुनगसुननिपयफेनसमाना ॥ कोमलकलितसुपेतीनाना ॥
 ॥ उपवननावनवननिनजाहिं ॥ स्रगसुगंधमनिमंदिनमहिं ॥
 ॥ नतनदीपसुठिचाउचैहोवा ॥ कहतनवनैजानजैहिजोवा ॥
 ॥ सेजनुचिनचिनामउठाये ॥ प्रेमसमेतपलंगपौछाये ॥
 ॥ अग्यापुनिपुनिनाइन्हदीन्ही ॥ निजनिजसेजसयनतिन्हकेन्ही ॥
 ॥ देखिस्वाममदुमंजुलगाता ॥ कहहिंसप्रेमवचनसबभाता ॥
 ॥ मारगंजातनयावनिनानी ॥ केहिविधितातताडिकामानी ॥
 ॥ दोहा ॥ घोननिसाचनविकटभटसमनगनहिंनहिकाहु ॥
 ॥ मानेसहितसहाइकिमिषलमानीचमुवाहु ॥ ३८५ ॥
 ॥ चौ ॥ मुनिप्रसादवलितततुहानी ॥ ईसअनेककनवनैटांनी ॥
 ॥ मधनधवासीकनीदुहुंनई ॥ गुनुप्रसादसबविद्यापाई ॥
 ॥ मुनितियतनीलगतपगधूनी ॥ कीनतिनहिनुवनपनिपूनी ॥
 ॥ कमठपीठिपविकूटकठोगा ॥ नपसमाजमहैसिबधनुतोया ॥
 ॥ विस्वविजयजसुजानकीपाई ॥ अऐनवनव्याहिसबचाई ॥
 ॥ सकलअमानुषकनमतुहाने ॥ केवलकोसिकरूपासुधाने ॥
 ॥ आजुसफलजगजनमहमाना ॥ देखितातविधुवदनतुम्हाना ॥
 ॥ जेदिनगएतुम्हहिविनुदेखे ॥ तेविनंचिजनिपानहिलेखे ॥
 ॥ दोहा ॥ नामप्रतोषीमानुसबकहिविनीतवनवेन ॥
 ॥ सुमिनिसंनुगुनविप्रपट्टकिऐनोदवसनेन ॥ ३८६ ॥
 ॥ चौ ॥ विदुं वदनसोहसुविहोना ॥ मनहुंसोहसनसाउहसोना ॥
 ॥ घनघनकनीहंजागरननानी ॥ देखिंपरसपनमंगलगानी ॥
 ॥ पुनीविनाजतिनाजतिनजनी ॥ रानीकहहिविलोकहुसजनी ॥
 ॥ सुंदनवधूसासुलइसोई ॥ ॥ ॥ फनिकरुजनुसिनमनिउनगोई ॥
 ॥ प्रातपुनीतकालप्रनुजागे ॥ अउनचूडवनबोलनलागे ॥
 ॥ बंदिमागधरुगुनगनगाए ॥ पुनजनद्वारजुहारनआए ॥
 ॥ बंदिविप्रसुनगुनुपितुमाता ॥ पाइअसीसमुदितसबचाता ॥
 ॥ जननिन्हसाहनवदननिहाने ॥ नूपतिसंगद्वानयगधाने ॥

॥ दोहा ॥ कीन्हि सो बसव सहज सुवि सनित पुनीत नहाइ ॥

॥ प्रातः क्रिया कनिता तपी हैं आये चानि उनाइ ॥ ३८७ ॥

॥ चौ ॥ भूपविलो किलिए उर लाई ॥ बैठे हरखिन जाय सुपाई ॥ ॥

॥ देखि नाम सव सना जु डानी ॥ ॥ लोचन लानु अ वध अनुमानी ॥

॥ पुनि वसिष्ठ मुनि कौसिक आये ॥ सुन गगनासन नर मुनि वैठाये ॥

॥ सुत नर सहित पूजि पट लागे ॥ निरखि नाम दोउ गुन अनुनागे ॥

॥ कहि हैं वसिष्ठ धरम इति हासा ॥ सुनहि महि ससहित निवासा ॥

॥ मुनि मन अगम गाधि सुत करनी ॥ मुदित वसिष्ठ विविध विधि वरती ॥

॥ बोले वामदेव सव सांची ॥ ॥ ॥ ॥ कीरति कलित लोक तिहुं मांची ॥

॥ मुनि अनंद नरे उसव काहू ॥ ॥ नाम लखन उन अधिक उछाहू ॥

॥ दोहा ॥ मंगल मोह उछाह नित जाँहि दिवस ऐहि नौति ॥ ॥

॥ उमगी अवध अनंद नर अधिक अधिक अति कौति ॥ ३८८ ॥

॥ चौ ॥ सुदिन सोधिक न कंकन छेने ॥ मंगल मोह विनोद न थोने ॥ ॥

॥ नित नव सुख सुन देखि सि हैं हीं ॥ अवध जन्म जाचि हैं विधि पैं हीं ॥

॥ विस्वामित्र चलन नित चहें हीं ॥ नाम सप्रेम विनय वसन हैं हीं ॥

॥ दिन दिन सय गुन नरूपति नाउ ॥ देखि सनाह महामुनि नाउ ॥

॥ मांगत विद्वाना व अनुनागे ॥ सुत नर समेत ठाछे आगे ॥

॥ नाथ सकल संपदा तुम्हानी ॥ मै सेव कुसमेत सुत नानी ॥

॥ कन वसटाल निकरु परछेहू ॥ दस नदे तरहव मुनि मोहू ॥

॥ अस कहि नाउ सहित सुत नानी ॥ पने उचन न मुख आवन बानी ॥

॥ दीन्हि असी सविप्र बहु नाँती ॥ चलेन प्रीति नीति कहि जाती ॥

॥ नाम सप्रेम संग सव नाई ॥ ॥ आय सुपाइ फिने प हुं चाई ॥

॥ दोहा ॥ नाम रूप रूपति न गति व्याह उछाहू अनंद ॥ ॥

॥ जात सनाहत मन हिमन मुदित गाधिकुल चंद ॥ ३८९ ॥

॥ चौ ॥ वामदेवन धुकुल गुन ग्यानी ॥ बहु निगाधि सुत कथा वधानी ॥

॥ सुनि सुनि सुज सुमन हिमन नाउ ॥ वन नत आपन पुन्य प्रनाउ ॥

॥ बहु ने लोग न जाय सुन ऐउ ॥ सुत नर समेत नरपति ग्रह ऐउ ॥

॥ जहंत हैं नाम व्याह सव गावा ॥ सुज सुपुनी तलोक तिहुं छावा ॥

बाल०

॥७८॥

॥ आये व्याहिनाम घन जव ते ॥ ॥ वसे अनंद अरु वध सवतव ते ॥
 ॥ प्रभु विवाह जस भये उ उ घाहू ॥ सकहिन वरनि गिना अहिनाहू ॥
 ॥ कविकुल जीवन पावन जौनी ॥ नाम सीय जस मंगल खानी ॥
 ॥ तेहि ते मैक छुकहा वधानी ॥ ॥ कनन पुनीत हेतुनि जवानी ॥
 ॥ ॥ धरति जगिना पावन कनन कानन नाम जस तुलसी कह्यो ॥
 ॥ नधुवीन चरित अथान वानिधि पान कविक वने लह्यो ॥
 ॥ उपवीत व्याह उघाह मंगल सुनि जे सादन गावहो ॥ ॥
 ॥ वैदेहिनाम प्रसाद ते जनसन वहा सुख पावहो ॥ ॥ ॥
 ॥ सुनु गाइ कहहु गिनी सकं न्याधं न्य अधिकानी सहि ॥ ॥
 ॥ नित प्रीति नूतन सुनत हनि गुन नगति अनुपम ते सहि ॥
 ॥ नधुवीन पद अनुनाग जल लोभा गिवे गिबुहा वई गा ॥
 ॥ ऐहि जानि तुलसी दास मन क्रम वचन हनि गुन गावई ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ कठिन काल मलग्रसित मन साधन कछून होइ ॥
 ॥ यह विचारि विस्वास कनिहनि सुमिनि बुध सोइ ॥ ॥
 ॥ ॥ सोनठा ॥ सिय नधुवीन विवाह ॥ जे सप्रेम गावहो सुनहि ॥
 ॥ तिरु कहैं सदा उघाह ॥ मंगलायतन नाम जस ॥ ॥
 ॥ मन हनि पद अनुनाग ॥ कनहिया गनाना कपट ॥ ॥
 ॥ महामोहनि सिजागु ॥ सो वतवी ते काल बहु ॥ ॥
 ॥ बाल चरित सतिभाव ॥ वनने तुलसी दास सहित ॥ ॥
 ॥ कहैं सुनै सुख पाव ॥ पनम पुनीत विचित्र अति ॥ ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ कहैं सुनै समुहै नहै सकल सुप्रभु गुन गात ॥
 ॥ सीतापति नधुकुल तिलक सदा कहैं कल्याण ॥ ३६० ॥
 ॥ इति श्री नाम चरित मानसे सकल कलिक लुप विध्वंसनेना ॥
 ॥ मप्रथम सोपान बालकांड समाप्तः ॥ शुभमस्तु ॥ संवत् ॥
 ॥ १८५१ ॥ समय आवने मासि कृष्ण पक्षे तृतीया नौम वासने ॥
 ॥ लिखित मिदं पुस्तक पांडे सदाशिवेन ॥ श्रीमन्महंत गोसाईं ॥
 ॥ हेमगिनि स्थाप्यं शुभं नूयात् ॥ ॥ श्रीराम नाम नाम नाम नाम ॥
 ॥ नाम नाम नाम नाम नाम नाम नाम नाम नाम नाम नाम नाम ॥

॥ श्रीगणेशायनमः ॥ श्रीजानुकीवल्लभोविजयते ॥ ॥ वामांके ॥
 ॥ चविभातिनूधनसुतादेवापगामस्तकेभालेवालीविधुर्ग ॥
 ॥ लेचगनलंयस्योनसिब्यालनाट ॥ सोयंनूतिविनूषणः सु ॥
 ॥ नवनस्सर्वाधिपः सर्ववित्सर्वस्सर्वगतः शिवः शशिनिभः ॥
 ॥ श्रीशंकरः पातुमां ॥ १ ॥ प्रसन्नतायांनगताभिषेकतस्तथाय ॥
 ॥ मल्लेनवनवासदुःखितः ॥ मुखांबुजश्रीनघुनंदनस्यमेसदा ॥
 ॥ स्तुसामंजुलमंगलप्रदा ॥ २ ॥ नीलांबुदश्यामलाकोमलांग ॥
 ॥ सीतासमानोपितवामनांग ॥ पाणौमतासायकचापुचापन ॥
 ॥ मामिनामंनघुवंशनाथ ॥ ३ ॥ यन्मायावशावर्तिविश्वमखिलं ॥
 ॥ ब्रह्मादिदेवासुनायत्सत्वादमृधेवनातिसकलंनज्जोयथाहे ॥
 ॥ नमः ॥ यस्यांघ्रांबुजषट्पदीकृतमनानंदंति सिद्धेश्वरावंदे ॥
 ॥ हंतमशेषकारणपरंनामाख्यमिशंहनिम् ॥ ४ ॥ ॥ रामाय ॥

॥ दोहा श्रीगुनुचननसनेजनजनिजमनुमुकुनसुधानि ॥

॥ ॥ वननौनघुपतिविसदजसजोदायकफलचानि ॥

॥ चौ जवतेंनामव्याहिधनआए ॥ ॥ ॥ नितबवमंगलमोदवधाए ॥
 ॥ नुवनचानिदसन्नधननानी ॥ ॥ सुकृतमेघवनधीहसुषुवानी ॥
 ॥ निधिसिधिसंपतिनदीसुहार्द ॥ उमगिअवधिअंबुधिकहुंआई ॥
 ॥ मनिगनपुननननानिसुजाती ॥ सुविअमोलसुंदरसवनीती ॥
 ॥ कहिनजाइकुछुनगनविनूती ॥ जनुइतनियविनंचिकनतूती ॥
 ॥ सवविधिसवपुरलोगसुवानी ॥ रामचंद्रमुखचंदुनिहानी ॥ ॥
 ॥ मुदितमानुसवसधीसहेली ॥ फलितविलोकिमनोनथबेली ॥
 ॥ रामरूपगुनशीलसुनाउ ॥ ॥ प्रमुदितहोइदेधिसुनिनाउ ॥

॥ दोहा सबकेउनअनिलाषअसकहीहमनाइमहेस ॥

॥ आपुअधतजुवनाजपदनामहिदेउननेस ॥ १ ॥

॥ चौ ऐकवानजानकीसमेता ॥ बैठेप्रभुनिजनुचिननिकेता ॥
 ॥ नुजप्रलंबउननेनविसाला ॥ पीतवसनतनस्यामतमाला ॥
 ॥ कोटिमनोजदेधिष्वविमोहा ॥ सीताकनचामनवनसोहा ॥ ॥
 ॥ तेहिअवसननानदनिधिआए ॥ सुनहितलागिविनंचिपठाए ॥

CC-0. Chambal Arc

अथोद्या०

॥२॥

॥ मुनिप्रसन्नलक्षिसहजसनेह ॥ ॥ ॥ कहे उनने सन जाय सुदेह ॥ ॥

॥ दोहा ॥ राजनराउनतामजससवअनिमतदातान ॥ ॥

॥ फलअनुगामिमहापमनिमनअभिलाषतुम्हान ॥ ६ ॥

॥ चौसवविधिगुनुप्रसन्नजियजानी ॥ बोले उनाउनहसिमृदुवानी ॥

॥ नाथनामकनिअहिजुवनाज ॥ कहियक्रपाकनिकनिअसमाज ॥

॥ मोहिअथतयहहोइउघाह ॥ लहहिंलोगसबलोचनलाह ॥

॥ प्रभुप्रसादसिबसवइनिवाहि ॥ यहलालसाऐकमनमाहि ॥

॥ पुनिनसोचतनुनहउकिजाउ ॥ जेहिनहोउपाधेपधित्तु ॥

॥ मनतनामसनआयसुमांगी ॥ पधिमगेमातुलहितलागी ॥

॥ कनहुविचाननलाबहुवाना ॥ अवपुनिचापनुबोधहमाना ॥

॥ सुनिमुनिइसनथवचनसुहाऐ ॥ मंगलमोहमूलमनआऐ ॥

॥ सुनुनपजासुविमुषपधितहिं ॥ जासुन्नजनविनुजननिनजाहिं ॥

॥ नयेउतुम्हारतनयसोइस्वामी ॥ नामपुनीतप्रेमअनुगामी ॥

॥ दोहा ॥ वेगिविलंबनकनिअनपसाजिअसवाहिंसमाज ॥

॥ सुदिनसुमंगलतवहिंजवनामहोहिंजुवनाज ॥ ७ ॥

॥ चौमुदितमहापतिमंदिनआऐ ॥ सेवकसचिवसुमंतुबोलाऐ ॥

॥ कहिजयजीवसीसतिरुनाऐ ॥ भूपसुमंगलवचनसुनाऐ ॥

॥ प्रमुदितमोहिकहेउगुनआज ॥ नामहिराउदेहुजुवनाज ॥

॥ जौपांचहिमतलागइनीका ॥ कनहुहनधिहियनामहिंटीका ॥

॥ मंत्रीमुदितसुनतप्रियवानी ॥ अनिमतविनवषनेउजनुपानी ॥

॥ विनतीसचिवकनहिकनजोरी ॥ जिअहुजगतपतिवनषकनोरी ॥

॥ जगमंगलचलकाजुविचाना ॥ वेगिअनाथनलाइयवाना ॥

॥ नृपहिमोहसुनिसचिवसुआषा ॥ वरुतवौउजनुलहिसुसाषा ॥

॥ दोहा ॥ कहेउभूपसुनिनाजकनजोइजोइआयसुहोइ ॥

॥ नामराजअनिषेकहितवेगिकनहुंसोइसोइ ॥ ८ ॥

॥ चौहरधिमुनीसकहेउमृदुवानी ॥ आनहुसकलसुतीनथपानी ॥

॥ औषधमूलफूलफलपाना ॥ कहेउनामगनिमंगलनाना ॥

॥ चामनवनमवसनवहुजांती ॥ नोमपाटपटअगनितिजाती ॥

॥ मनिगनमंगलवस्तुअनेका ॥ ॥ ॥ जोजगजोगनूपअनिषेका ॥ ॥

॥ वेदविहितकहिसकलविधाना ॥ ॥ कहेउनचहुपुनविविधवित्ताना ॥
 ॥ सफलनसालपुंगफलकेना ॥ ॥ रोपहुवीथिन्हपुनचहुंफेरागा ॥
 ॥ नचहुमंजुमनिचोकइचानू ॥ ॥ कहहुवनावनवेगिवजानू ॥
 ॥ पूजहुगनपतिगुनुकुलदेवा ॥ ॥ सवविधिकनहुनूमिसुनसेवा ॥
 ॥ दोहा ॥ ध्वजपताकतो ननकलशसजहुतुनंगनथनाग ॥
 ॥ सिनधनिमुनिवनवचनसवनिजनिजकाजहिलाग ॥ ॥
 ॥ चौ ॥ सुनिसुमंतमनअतिहनषाना ॥ जीवनजन्मसफलकरिमाना ॥
 ॥ जहंतहंधावनकोटिपठाये ॥ ॥ मंगलद्वयसकललेआये ॥
 ॥ कलकलससजिधनेदुआने ॥ ॥ गजनयतुनंगअनेकसंबाने ॥
 ॥ बहुविधिवांधेवंदनवाया ॥ ॥ ध्वजपताकमनिवसनअपाना ॥
 ॥ वनानगनुनहिवननाजाई ॥ ॥ सकललोकसोनापुनछाई ॥
 ॥ जोमुनीसजेहिआयसुदीन्ह ॥ ॥ सोतेहिकाजप्रथमजनुकीन्ह ॥
 ॥ मुनिमनइछाकनैनपावा ॥ ॥ सोसुमंतपहिलेहिलेआवा ॥
 ॥ विप्रसाधुसुनपूजतराजा ॥ ॥ कनतनामहितमंगलकाजा ॥
 ॥ सुनतनामअनिषेकसुहावा ॥ बाजगहगहाअवधवधावा ॥
 ॥ नामसीयतनसगुनजनाये ॥ फरकहिंमंगलअंगसुहाये ॥
 ॥ पुलकिसप्रेमपरसपरकहहीं ॥ नरतआगमनस्वकअहहीं ॥
 ॥ अऐवहुतदिनअतिअवसेरी ॥ सगुनप्रतीतिनेटप्रियकेरी ॥
 ॥ नरतसनिसप्रियकोजगमहिं ॥ इहइसगुनफलदूसरनाहिं ॥
 ॥ नामहिवंधुसोचदिनराती ॥ अंडन्हिकमठहुदयजोहिनाती ॥
 ॥ दोहा ॥ ऐहिअवसरमंगलपरमसुनिनहसेउननिवास ॥
 ॥ सोनितलखिविधुवढतजनुवानिधिवीचिविलास ॥ १० ॥
 ॥ चौ ॥ प्रथमजापतिन्हवचनसुनाये ॥ नूखनवसननरितिन्हपाये ॥
 ॥ प्रेमपुलकितनमनअनुनागीं ॥ मंगलकलशसजनसबलागीं ॥
 ॥ चौकइचानुसुमित्रापूरी ॥ ॥ मनिमयविविधजातिअतिरूरी ॥
 ॥ आनंदमगननाममहतारी ॥ ॥ दिऐदानबहुविप्रहंकारी ॥
 ॥ पूजिग्रामदेवीसुननागा ॥ ॥ कहेउवहेनिदेनबलिजागा ॥
 ॥ बानवानगनपतिहिनिहोना ॥ ॥ कीजैसफलमनोनथमोरा ॥

अयोध्या०

॥३॥

॥ भूपहृदयप्रभुप्रेरहुजाई ॥ ॥ मतिदिखदेहुजोजिअमहुंजाई ॥
 ॥ जोकछुइछानहिमनमाहिं ॥ ॥ सोपनिहोइआनकछुनहिं ॥
 ॥ जेहिविधिहोइनामकल्यानू ॥ ॥ देहुदयाकनिसोवनदानू ॥
 ॥ गावहिंमंगलकोकिलवयनी ॥ ॥ विधुवदनीमृगसावकनयनी ॥
 ॥ दोहा नामराजअनिषेकसुनिहियहनखेनरनानि ॥
 ॥ लगेसुमंगलसजनसवविधिअनुकूलविचानि ॥ ११ ॥
 ॥ बौतवनननाहवसिखबोलाऐ ॥ ॥ रामधामसिखदेनपठाऐ ॥
 ॥ गुनआगमनसुनतनधुनाया ॥ ॥ दूतआइनाऐउपइमाया ॥
 ॥ साइनअनघदेइघनआने ॥ ॥ सोरहचौतिपूजिसनमाने ॥
 ॥ गहेचननसियसहितवहेनी ॥ ॥ बोलेनामकमलकनजोनी ॥
 ॥ सेवकसदनस्वामिआगमनू ॥ ॥ मंगलमूलअमंगलदमनू ॥
 ॥ तदपिउचितजनबोलिसप्रति ॥ ॥ पठइयकाजनाथअसिनीति ॥
 ॥ प्रभुतातजिप्रभुकीन्हसनेहू ॥ ॥ नऐउपुनीतआजुयहगेहू ॥
 ॥ आयसुहोइसोकनउंगोसाई ॥ ॥ सेवकलहेस्वामिसेवकाई ॥
 ॥ दोहा सुनिसनेहसानेवचनमुनिनधुवनहिप्रसंस ॥
 ॥ नामकसनतुम्हकरहुअसहंसवंसअवतंस ॥ १२ ॥
 ॥ बौवननिरामगुनशीलसुनाउ ॥ ॥ बोलेप्रेमपुलकिमुनिनाउ ॥
 ॥ भूपसजेउअनिषेकसमाजू ॥ ॥ चाहतदेनतुम्हहिजुवराजू ॥
 ॥ नामकरहुसवसंजमआजू ॥ ॥ जौविधिकुशलनिवाहइकाजू ॥
 ॥ गुनसिखदेइरायपहिंगऐउ ॥ ॥ रामहृदयअसविसमयनऐउ ॥
 ॥ जनमेऐकसंगसवननाई ॥ ॥ नौजनसयनकेलिलनिकाई ॥
 ॥ कननवेधउपवीतविवाहा ॥ ॥ संगसंगसवननऐउउछाहा ॥
 ॥ विमलवंशायहअनुचितऐकू ॥ ॥ बंधुविहाइवडेहिअनिषेकू ॥
 ॥ प्रभुसप्रेमपधितानिसुहाई ॥ ॥ हनउन्नगतमनकैकुटिलाई ॥
 ॥ दोहा तेहिअवसनआऐलखनमगनप्रेमआनंद ॥
 ॥ सनमानेप्रियवचनकहिनधुकुलकैनवचंद ॥ १३ ॥
 ॥ बौवजहिंवाजनेविविधविधाना ॥ ॥ पुनप्रमोदनीहजाइवषाना ॥
 ॥ मनतआगमनसकलमनावहि ॥ ॥ आवहुवेगिनयनफलपावहि ॥

अयोध्या०

॥४॥

॥ कासो बहिसो हाग अनिमानी ॥ ॥ निकट महा नय तैत उगानी ॥
 ॥ कत सिधे देइ हमहिं को उमाई ॥ गाल कन बके हिक न वल पाई ॥
 ॥ नामहिं छेँडि कुशल केहि आजू ॥ जिन्हहि न ने सदेइ जु अनाजू ॥
 ॥ नये उको सिलहि विधि अति दहिनि ॥ देषत गनवन है उन नाहिनि ॥
 ॥ देष हुकसन जाइ सव सोना ॥ ॥ ॥ जो अवलोकि मोन मन छोना ॥
 ॥ पूत विदेसन छो न तुहाने ॥ ॥ ॥ जानति हहु वसना हह माये ॥
 ॥ नींद वहुत प्रिय से जतु नाई ॥ ॥ ॥ लख हुन नूपक पट चतु नाई ॥
 ॥ सुनि प्रिय वचन मलिन मन जानी ॥ हुकि नानी अव नहु अनगानी ॥
 ॥ पुनि असक वहु कह सिधन फेनी ॥ तव धनि जीन कडा वहु तोरी ॥
 ॥ दोहा काने बोने कूचने हि कुटिल कुचाली जानी ॥ ॥ ॥
 ॥ तिय विशेषि पुनि चेनि कहि न तमा तुमु मुकानि ॥ ॥ ॥
 ॥ चो प्रिय वादिनि सिध दीन्ह उतोहि ॥ सपने हुतो पन को पन मोहि ॥
 ॥ सुदिन सुमंगल दायक सोई ॥ ॥ ॥ तोन कहा फुनजे हि दिन होई ॥
 ॥ जेठ स्वामि सेवक लघु नाई ॥ ॥ ॥ यह दिन कन कुल नीति सुहई ॥
 ॥ नाम तिलक जो साँचहु काली ॥ ॥ ॥ देउ माँगु मन भावत आली ॥
 ॥ को सल्यासम सव महतारी ॥ ॥ ॥ नामि हस हज सुनाय पिपारी ॥
 ॥ माँ पन करीहिं सनेह विसेयी ॥ ॥ ॥ मै कनि प्रीति पनि छाँदेयी ॥
 ॥ जो विधि जनम देइ कनि छोह ॥ होहु नाम सिय पूत पतोह ॥
 ॥ प्रानतें अधिक नाम प्रिय मोने ॥ तिरु के तिलक छो न कस तोने ॥
 ॥ अति प्रिय वचन सुना ऐ मोहि ॥ कहु मंथना देउ कह तोहि ॥
 ॥ दोहा ननत सपथ तोहि सत्य कहु पनि हनिक पट दुनाउ ॥
 ॥ हनय समय विसमय कन सिकान न मोहि सुनाउ ॥ ॥ ॥
 ॥ चो सुनत वचन मंथनानि सानी ॥ बोली वचन कपट छल सानी ॥
 ॥ ऐ कहि वान आस सव पूजी ॥ ॥ ॥ अब कछु कहव जीन कनि दूजी ॥
 ॥ फेर इजोग कपान अनागा ॥ नले उकहत दुषनोने हिलागा ॥
 ॥ कहहि हूठ फुनि वात वनाई ॥ ॥ ॥ ते प्रिय तुम्हिक नुइ मै इमाई ॥
 ॥ हमहुं कहव अवठ कुन सोहती ॥ नाहित मोन नहव दिन राती ॥
 ॥ कमि कनूप विधि पन वस कीन्ह ॥ वाचा साल हमहि विधि दीन्ह ॥
 ॥ को उनपहो उह माहिं काहानी ॥ चेनि छेँडि अवहो वकि नानी ॥

॥ जानइ जोग सुभा व ह माना ॥ ॥ अनमल देधिन जाइ तु म्हाना ॥
 ॥ तातै कछु कवात अनुसानी ॥ ॥ छमिये देवि वडि चूक ह मानी ॥
 ॥ दोहा ॥ कपट प्रिय वचन सुनि तीय अधन बुधिनानि ॥
 ॥ सुन माया वसवै निनिहिं सुहुट जानि पति आनि ॥ १८ ॥
 ॥ चौसाहन पुनि पुनि पूँछत ओहि ॥ सवनी गान मगी जनु मोहि ॥ ॥
 ॥ तसि मति फिनी अह इज सिन्धु ॥ नह सीचे निघात जनु फावी ॥ ॥
 ॥ तुम्ह पूँछहु मै कहत डनाऊँ ॥ धनेहु मोन घन फेरी नाउ ॥ ॥
 ॥ सजि प्रतीति बहु विधि गछि छेली ॥ अवध साठ साती तव वेली ॥ ॥
 ॥ प्रिय सिय नाम कहा तुम्ह नानी ॥ नामहिं तुम्ह प्रिय सो फुनिवानी ॥ ॥
 ॥ नहे प्रथम होतै दिन बीते ॥ समय फिने निपु होहि परीते ॥ ॥
 ॥ जानु कमल कुल पोष निहाना ॥ विनु जल जानि कै सो इछाना ॥ ॥
 ॥ जन तुम्ह निचह सवति उषानी ॥ रूँधहु कनि उपाय वरवानी ॥ ॥
 ॥ दोहा ॥ तुम्हिन सोच सुहागवल निज वस जानहु नाउ ॥
 ॥ मन मलीन मुह मीठ न पनाउन सनल सुनाउ ॥ २० ॥
 ॥ चौबतुन गंभीर नाम महतारी ॥ बीचु पाइनि जुवात सैवारी गा ॥
 ॥ पठै भनत नूपन निओने ॥ राम मातु मत जान वनौने गा ॥
 ॥ सेवहि सकल सवति मोहि निके ॥ गनवित भनत मातु वल पीके ॥
 ॥ सालु तुम्हान को सिलहि माई ॥ कपट चतुन नहि होइ जनाई ॥
 ॥ राजहितु मपन प्रेम बिसेयी ॥ सवति सुभा वस के नहि देखी ॥
 ॥ रचि प्रपंच नूपति अपनाई ॥ राम तिल कहित लगन धराई ॥
 ॥ यह कुल उचित नाम कहँ टीका ॥ सवहि सुहाइ मोहि सुठिनी का ॥
 ॥ आगिलि वात समुहि उन मोहि ॥ देउ देव फिनि सो फलु ओहि ॥ ॥
 ॥ दोहा ॥ रचि पचिकोटि कुटिल पन कीन्है सिकपट प्रबोधु ॥
 ॥ कहै सिकथा सत सवति के जेहि विधि वाढ विनोधु ॥ २१ ॥
 ॥ चौभावी वस प्रतीति उन आई ॥ पूँछनानि पुनिस पथ देवाई गा ॥
 ॥ का पूँछहु तुम्ह अवहुन जाना ॥ निजहित अनहित पशु पैहिं चाना ॥
 ॥ नपे उपाय दिन सजत समाजू ॥ तुम्ह पाई सुधि मोसन आजू पागा ॥
 ॥ खाइ अपहिनि अनज तुम्हने ॥ सत्य कहै नहि दोषु हमाने गा ॥

॥ जो असत्य कछु कहव वनाई ॥ तौ विधि देखि हहम इस जाई ॥
 ॥ नाम हितिल ककालि जोग ऐउ ॥ तुम्ह कहं विपति बीज विधि बऐउ ॥
 ॥ नेष घंवाइ कहहु वलु भाषी ॥ मामिनि भइ उद्ध के माषी ॥
 ॥ जो सुत सहित करहु सेवकाई ॥ तो घर न रहे उन आन उपाई ॥
॥ दोहा ॥ दुविन तहि दीन्ह दुख तुम्हहि को सिला देऊ ॥
 ॥ भरत बंदि ग्रह से इह हि लखन राम केनेव ॥ २२ ॥
 ॥ चौ ॥ कै कय सुता सुनत कटु वाणी ॥ कहिन सकत कछु सह मि सुयनी ॥
 ॥ तन पसेव कटली जिमिकापी ॥ कुबरी दसन जीनत वचापी ॥
 ॥ कहिकहि कोटिक कपटकहनि ॥ धीन जधन हु प्रबोधि सरानी ॥
 ॥ कीन्है सि कठिन पठाइ कुपाठ ॥ जिमिन न बढ़ फिरि उकठा काठू ॥
 ॥ वचन सुनत अतिसय भय मानी ॥ दुष्ट संगते मति बो रानी ॥
 ॥ धरम निवत गुन ग्यान गं नीरा ॥ दुष्ट संग मति रहइ नधीरा ॥
 ॥ फिराकर मप्रिय लागि कुचाली ॥ बकिहिस राहइ मनो मन्गली ॥
 ॥ सुनु मंधरा वात फुनतोनी ॥ दाहिनि आँधि फेर कनित मेसी ॥
 ॥ दिन प्रति देखे नातिकु सपने ॥ कहउन तेहि मोहवस अपने ॥
 ॥ काहकरौ सधिस्रध सुजाडु ॥ दाहिन वाम न जान उंकाडु ॥
॥ दोहा ॥ अपने चलत न आजुलगि अनभल काहु ककीन्ह ॥
 ॥ केहि अध ऐ कहिवार मोहि देव दुसह दुष दीन्ह ॥ २३ ॥
 ॥ चौ ॥ नेहन जनम भरव वनु जाई ॥ जिअतिन करव सवति सेवकाई ॥
 ॥ अनिवसे देव जिआवत जाही ॥ मन न नीक तेहि जीवन चाही ॥
 ॥ हीन वचन कहवहु विधिनानी ॥ सुनिकुबरीति प्रमायाधानी ॥
 ॥ असकस कहहु मानि जिअडुना ॥ सुख सुहागतुम्ह कहं दिन दूना ॥
 ॥ जेहिना उन अति अनभल ताका ॥ सोइ पाइहिय हफल परिपाका ॥
 ॥ जब तेकु मतु सुना मै स्वामिनि ॥ नृषन वासर नींद न जामिनि ॥
 ॥ पूछे उंगुनिन्ह नेषतिन्ह बाची ॥ भरतनु आलहेहिं यह सांची ॥
 ॥ मामिनि करहु तकह उउपाउ ॥ हेतुम्हरी सेवा वसनाउ ॥
॥ दोहा ॥ येनै कूपतु अवचन परस को पूत पतित्यागि ॥
 ॥ कहसिमोन दुष देखि वडकसन करवहितलागि ॥ २४ ॥
 ॥ चौ ॥ कुबरी करक सबलि केकेई ॥ कपट छुरी उन पाहन टेई ॥

॥ लषडननानिनिकट दुषकैसैं ॥ चनइहनि ततिन वलिपसुजैसैं ॥
 ॥ सुनतवातमृदुअंतकठोनी ॥ ॥ देतमनहुमधुमाहुनघोरी ॥ ॥
 ॥ कहइचेनि सुधिअहइकिनाहिं ॥ स्वामिनिकहिहुकथामोहिपाहिं ॥
 ॥ दुइवनदाननूपसनथाती ॥ ॥ ॥ मांगहुआजुजुडावहुछाती ॥ ॥
 ॥ सुतहिनाजुनामहिवनवास् ॥ ॥ देहुलेहुसवसवतिहुलास् ॥ ॥
 ॥ नूपतिनामसपथजवकरई ॥ तवमांगेहुजेहिवचननटनई ॥
 ॥ होइअकाजुआजुनिसिबीतैं ॥ वचनमोनप्रियमानहुजीतैं ॥

॥ दोहा वडकुघातकनिपातिकिनिकहेसिकोपग्रहजाहु ॥

॥ काजुसैवानेहुसजगसवसहसाजनिपतिआहु ॥ २५ ॥

॥ ॥ ॥ कुवनिहिनानिप्रानप्रियजानी ॥ वानवानवडिबुधिवधानी ॥ ॥ ॥
 ॥ तोहिसमहितनमोनसंसारा ॥ वहेजातकइमइसिअधारा ॥ ॥ ॥
 ॥ जौविधिपुनवमनोनथकाली ॥ कनहुंतेहिचषपूतनिआली ॥ ॥ ॥
 ॥ बहुविधिचेनिहिआहनदेई ॥ कोपनवनगवनीकैकेई ॥ ॥ ॥
 ॥ विपतिबीजवनवापितुचेरी ॥ मुइनइकुमतिकैकेईकेरी ॥ ॥ ॥
 ॥ पाइकपटजलअंकुनजामा ॥ वरदोउदलदुषफलपनिनामा ॥ ॥ ॥
 ॥ कोपसमाजसाजिसवसोई ॥ राजकनतनिजकुमतिबिगोई ॥ ॥ ॥
 ॥ नाउननगनकोलाहलहोई ॥ यहकुचालकछुजाननकोई ॥ ॥ ॥

॥ दोहा प्रमुदितसुननननानिसवसजहिंसुमंगलचान ॥

॥ एकप्रविसहिऐकनिर्गमीहिं नीननूपहनवान ॥ २६ ॥

॥ ॥ ॥ बालसषासुनिहियहनषहिं ॥ मिलिइसपांचनामपहिंजहिं ॥ ॥ ॥
 ॥ प्रनुआहनीहंप्रेमपंहिचानी ॥ ॥ ॥ पूछहिकुशलछेममृदुवानी ॥ ॥ ॥
 ॥ फिरहिन्नवनप्रियआयसुपाई ॥ कनतपनसपननामवडाई ॥ ॥ ॥
 ॥ कोनघुवीनसनिससंसाना ॥ ॥ ॥ सीलसनेहनिवाहनिहाना ॥ ॥ ॥
 ॥ जेहिजेहिजेनिकनमवसन्नमहिं ॥ तहतहईशदेहुयहहमहिं ॥ ॥ ॥
 ॥ सेवकहमस्वामिसियनाह ॥ ॥ ॥ होउनातयहअननिवाह ॥ ॥ ॥
 ॥ असअनिलाधनगरसवकाह ॥ कैकयसुताहुदयअतिदाह ॥ ॥ ॥
 ॥ कोनकुसंगतिपाइनसाई ॥ ॥ ॥ नहैननीचमतेचतुनाई ॥ ॥ ॥
 ॥ अतिहिसुसीलकैकेईरानी ॥ ॥ ॥ दुष्टसंगतेंमतिबोरानी ॥ ॥ ॥

श्रयोध्या०

॥६॥

॥ दोहा साहसमयसानंदनपगए उकैकेइगेह ॥ ॥ ॥
 ॥ गवनुनिहुनतानिकटकियजनुधनिदेहसेनह ॥ २६ ॥
 ॥ चौकोपनवनसुनिसकुचेउनाउ ॥ नयवसअगहुडगपनेनापाकु ॥ ॥
 ॥ सुनपतिवसइवांहवलजाके ॥ ननपतिनहहिंसकलनुषताके ॥ ॥
 ॥ सोसुनितियनिसगएउसुषाई ॥ देखहुकामप्रतापवडाई ॥ ॥ ॥
 ॥ सलकुलिसअसिअंगवनिहने ॥ तेरतिनाथसुमनसनमाने ॥ ॥ ॥
 ॥ सनयननेसप्रियापीहिंगएउ ॥ देखिदसादुषदानुननऐउ ॥ ॥ ॥
 ॥ नमिसयनपटुमोटपुराना ॥ दियेडानितननूषननाना ॥ ॥ ॥
 ॥ कुमतिहिकसिकुवेषताफवि ॥ अनअहिवातसचजनुचावी ॥ ॥ ॥
 ॥ जाइनिकटनपकहमदुवानी ॥ प्रानप्रियाकेहिहेतुनिसानी ॥ ॥ ॥
 ॥ छंदकेहिहेतुनानिसानिपरसतपानिपतिहिनिवानई ॥ ॥ ॥
 ॥ मानहुसनायनुअंगनामिनिविषमनातिनिहानई ॥ ॥ ॥
 ॥ होउवासनानसनादसनवनमनमठाहुउदेखई ॥ ॥ ॥
 ॥ तुलसीनपतिनवतव्यतावसकामकोतुकलेषई ॥ ॥ ॥
 ॥ सोनठा ॥ वानवानकहनाउ ॥ सुमुखिसुलोचनिपिकवचनि ॥ ॥ ॥
 ॥ काननमोहिसुनाउ ॥ गजगामिनिनिजकोपकन ॥ २७ ॥
 ॥ चौअनहिततोरीप्रियाकेहिंकीन्ह ॥ कोदुइसिनकेहिजमचहलीन्ह ॥ ॥ ॥
 ॥ कहुकेहिंकहिकनउननेस ॥ कहुकेहिनपतिनिकासउदेस ॥ ॥ ॥
 ॥ सकउतोअनिअमनउमानी ॥ कहाकीटवरपुनेनननानी ॥ ॥ ॥
 ॥ जानसिमोनसुनाउवहोन्ह ॥ मनुतवअननचंदचकोन्ह ॥ ॥ ॥
 ॥ प्रियाप्रानसुतसनवसुमोने ॥ पविजनप्रजासकलवसतोने ॥ ॥ ॥
 ॥ जोकछुकहउंकपटकनितोहि ॥ नामिनिरामसपथसतमोहि ॥ ॥ ॥
 ॥ बिहसिमोगुमननावतिवाता ॥ नूषनसजहिमनोहनगाता ॥ ॥ ॥
 ॥ घनीकुघनीसमुत्तितियदेख ॥ वेगिप्रियापविहनहुकुवेख ॥ ॥ ॥
 ॥ दोहा यहसुनिमनगुनिसपथवडिविहसिउठीमतिमंद ॥ ॥ ॥
 ॥ नूषनसजतिविलोकिमगुमनहुंकिनातिनिफंद ॥ २८ ॥
 ॥ चौपुनिकहनाउसुहुदजियजानी ॥ प्रेमपुलकिमदुमंजुलवानी ॥ ॥ ॥
 ॥ नामिनिनऐउतोअमनुचावा ॥ घनघननगनअनंदवधावा ॥ ॥ ॥

॥ नामहिं देहु कालिजु वराजू ॥ ॥ सहज सुलोचनि मंगल साजू ॥
 ॥ दलकि उठि उ सुनि हृदय कठोर ॥ जनु छुइ गऐ उपाक वन तोरू ॥
 ॥ अँसि उपीन विहसिते हि गोई ॥ चोन ना निजि मि प्रगत न नोई ॥
 ॥ लखी न नूप क पट चतुनाई ॥ ॥ कोटि कुटिल मति गुनूप छाई ॥
 ॥ जद्यपि नीति नि पुन न ननाहू ॥ नानि च नित जल निधि अ वगाहू ॥
 ॥ कपट सने ह व छाइ व होनी ॥ ॥ बोली विहसि नयन मुँहुं मोनी ॥
 ॥ दोहा ॥ मागु मागु पै कहहु पिय कवहु न देहु न लेहु ॥
 ॥ देन कहहु वन दान दुइ ते उपावत संदेहु ॥ ॥ २८ ॥

॥ चो देहु तजि अँ उत जहु न त प्राणा ॥ वचन सुनत नूपति मु सुकाना ॥
 ॥ जाने उ मन मना उँ हँसि कहई ॥ तुम्हँ को हाव पन म प्रिय अँ हई ॥
 ॥ थाती ना धिन माँगे उकाउ ॥ ॥ विसनि गऐ उ मोहि नोन सुजाउ ॥
 ॥ लूँ ठे हँ हँ म हिँ दो सज नि देहू ॥ ॥ दुइ के चा नि माँगि कि न लेहू ॥ ॥
 ॥ न धु कुल नीति सदा चलि आई ॥ ॥ प्रा न जा हु व न व च नु न जाई ॥ ॥
 ॥ नहि अँ सत्य स म पात क पुँ जा ॥ ॥ गिनिस म हो हि कि कोटि क गुँ जा ॥
 ॥ सत्य मूल स व सुकृत सुहाऐ ॥ ॥ वेद पुनान विदित मन गाऐ ॥ ॥
 ॥ तेहि पन नाम स पथ क नि आई ॥ ॥ सुकृत सने हँ अँ व धन धुनाई ॥ ॥
 ॥ वात दिछाई कु मति हँसि बोली ॥ ॥ कु मति कु विहँ ग कु ल हँ जनु बोली ॥
 ॥ दोहा ॥ नूप मनो नथ सुन गवन सुख सुविहँ ग समाजु ॥

॥ निहि निजि मि छँ उ न च हति वचन नयँ क न वाजु ॥ ॥ ३० ॥
 ॥ चो सुनहु प्रा न प्रिय नौ वत जी का ॥ ॥ देहु एक वन न न त हि टा का ॥ ॥
 ॥ माँग उँ दू स न व नु क न जोनी ॥ ॥ पुन व हु नाथ मनो नथ मोनी ॥ ॥
 ॥ ताप सँ वेध विसे धि उँ दा सी ॥ ॥ चो देह व नि स नाम व न वा सी ॥ ॥
 ॥ सुनि मृदु वचन नूप हिय सो कू ॥ ॥ सी स क न धु अँ त वि क ल जि मि को कू ॥
 ॥ सँ न्र म मु न धि प नान प कै सँ ॥ ॥ कोटि पँ थ प ने उँ थ गँ जै सँ ॥ ॥
 ॥ गऐ उँ स हँ मि क धु न हि क हि आ वा ॥ ॥ जनु स चान व न उँ प टे उँ ला वा ॥
 ॥ वि व न न न ए उँ नि प ट न न पालू ॥ ॥ दामि नि हँ ने उँ मन हुँ त नु ता लू ॥
 ॥ अँ ति व्या कु ल त न वि ग लित के सा ॥ ॥ क नि धी न ज पु नि उँ ठे उँ न ने सा ॥
 ॥ अँ गे सो इ वा धि नि जि मि ठा छि ॥ ॥ पु नि पु नि स्वा स ले ति अँ ति गा छि ॥

अयोध्या०

॥ ७ ॥

॥ माथे हाथ मूढि हो उलोचन ॥ ॥ तनु धनि सो चुला गजनु सोचन ॥
 ॥ मोन मनो नथ सुनत नु फूला ॥ ॥ फनत कनि निजि मिह ते उ स मूला ॥
 ॥ गये उ सह मि सुनि वचन कठोना ॥ मृगा दधि जनु दहु चहु ओना ॥ ॥
 ॥ अवध उ जानि कीन्हि के के ई ॥ दीन्हि सि अ चल विपति के ने ई ॥
 ॥ दोहा ॥ कवने अवसन कान पे उ गये उ न नि विस्वास ॥
 ॥ जोग सिद्धि फल समय जि मि जति हि अ विद्या नास ॥ ३१ ॥
 ॥ चौ ऐहि विधि ना उ मन हि मन हंषा ॥ दधि कुनैति कु मति मनु मांषा ॥
 ॥ ननत कि ना उ न पूतन हं ही ॥ आने हु मोल विसा हि कि मो ही ॥
 ॥ जो सुनि सनु असला गतु मने ॥ काहे न बोले हु वचन संचा ने ॥
 ॥ देहु उत नु अनु कन हु कि ना ही ॥ सत्य संध तु मने धु कुल मां ही ॥
 ॥ देन कहे हु अवजनि व उ दे हु ॥ तज हु सत्य जग अपज स ले हु ॥
 ॥ सत्य सना हि कहे हु व न दे ना ॥ जाने हु ले इ हि मां गि च वे ना ॥
 ॥ सिव दधी च वलि जो कछु भाषा ॥ तनु धनु त जे उ वचन पनु नाषा ॥
 ॥ अतिक दु वचन कहति के के ई ॥ मान हु लो न जने प न दे ई ॥ ॥ ॥
 ॥ दोहा ॥ धन मधु नंधन धीन कनि नयन उघा ने रा उ ॥ ॥
 ॥ सिनु धु नि लीन्हि उ सा स अ सि माने सि मो हि कु ठा उ ॥ ३२ ॥
 ॥ चौ आगे दी धि जन त निस नानी ॥ मन हु नो धत न वानि उघा नी ॥
 ॥ मूढि कु बुद्धि धान नि हु ना ई ॥ धनी कू वनी सान व ना ई ॥ ॥ ॥
 ॥ लखी म ही प क नाल कठो ना ॥ सत्य कि जी वन ले इ हि मो ना ॥
 ॥ बोले उ ना उ कठिन कनि घा ती ॥ वानि विनय न ता सु सो हा ती ॥
 ॥ प्रिया वचन कस कह सि कुनै ती ॥ मान प्रतीति प्रीति कनि हा ती ॥
 ॥ अवका कु मति व सी जि अ तो ने ॥ अवल गि कह सि नाम प्रिय मो ने ॥
 ॥ मोने ननत नाम दु इ आं धी ॥ सत्य कह हुं कनि सं कन सा धी ॥
 ॥ अव सि दू त मै पठ उ व प्रा ता ॥ अ हे हि वे गि सुन त हो उ आ ता ॥
 ॥ सुदिन सो धि सव सा जु स जा ई ॥ दे उ ननत क हुं ना ज व जा ई ॥
 ॥ तव सुत ना जु क नौ सु नु रानी ॥ नाम न हे ग्र ह क हु य ह वा नी ॥
 ॥ दोहा ॥ लो नु न नाम हि ना ज क न व हु त न न त प न प्री ति ॥
 ॥ मै व उ ये ट वि चानि जि अ क न त न हे उ न प नी ति ॥ ३३ ॥
 ॥ चौ विनु न धु पति म म जी व नु न ही ॥ प्रिया वि चानि दे धु म न मां ही ॥

॥ नाम सपथ सत कहहु सुनाउ ॥ ॥ नाम मातु कछु कहै उनकाउ ॥
 ॥ मैं सबु कीन्ह तोहि विनु पूंछे ॥ ॥ तेहि ते पने उमनो न थछे ॥
 ॥ निसपनिहु अवनमंगल साजू ॥ ॥ कछु दिन गए न तनु बुराजू ॥
 ॥ ऐकहि वात मोहि दुख लागी ॥ ॥ वनु दूसर असमंज सुमागी ॥
 ॥ अब हँहु दृष्ट जन ततेहि आँचा ॥ ॥ निसपनिहास कि सँचेहु साँचा ॥
 ॥ कहतु जिनोष नाम अपनाधू ॥ ॥ सब कोउ कहइ नाम सुठि साधू ॥
 ॥ तुहँ सनाहसिक न सिसनेहू ॥ ॥ अब सुनि मोहि न ऐउ संदेहू ॥
 ॥ जासु सुनाउ अनिहि अनुकूल ॥ ॥ सोकि मिक नहि मातु अनुकूल ॥
 ॥ दोहा प्रिया हँस निसपनिह नहि माँगु विचारि विवेकु ॥ ॥
 ॥ जेहि देखे अवनयन न चनि न तनाज अनियेकु ॥ ३४ ॥
 ॥ चौ जिअे मोन वनु वानि विहिना ॥ ॥ मनि विनु फनिक जिअे दुख दिना ॥
 ॥ कहँ सुनावन छलु मन मोहि ॥ ॥ जीवन मोन नाम विनु नोहि ॥ ॥
 ॥ समुहि देखु मन प्रिया प्रवीना ॥ ॥ जीवन नाम हर सआधीना ॥ ॥
 ॥ जद्यपि न पअति कीन्ह निहोरा ॥ ॥ मानै नहि अति हृदय कठोरा ॥ ॥
 ॥ सुनि मृदु वचन कुमति अति जनई ॥ ॥ मनहुँ अनल आहुति घत पनई ॥
 ॥ कहइ कनहु किन कोटि उपाया ॥ ॥ इहानल गिहिरा उनिमाया ॥ ॥
 ॥ देहु किलेहु अजसुक निनाहि ॥ ॥ मोहिन बहुत प्रपंच सोहँहि ॥ ॥
 ॥ नाम साधु तुम्ह साधु सयानै ॥ ॥ नाम मातु नलि सब पैहि चानै ॥ ॥
 ॥ जस को सिलामो न नल ताका ॥ ॥ तस फल उन्हे देउँ कनिसाका ॥
 ॥ दोहा होत प्रात मुनि वेष धनि जो न नाम वन जाँहि ॥ ॥
 ॥ मोन मन ननाउ न अजसु न पसमुहि अमन मोहि ॥ ३५ ॥
 ॥ चौ अस कहि कुटिल नई पुनि ठाठि ॥ ॥ मानहुँ रोष तनं गिनि वाठि ॥ ॥
 ॥ पाप पहान प्रगट नई सोई ॥ ॥ नरी क्रोध जल जाइ न जोई ॥ ॥
 ॥ होउ वन कूल कठिन हठ धाना ॥ ॥ नवन कूवनी वचन प्रवाना ॥ ॥
 ॥ छाहत नूपनूपत नुमूला ॥ ॥ चली विपति वानिधि अनुकूला ॥ ॥
 ॥ लखाने सवात सब साँची ॥ ॥ तिय मिस मीचु सी सपन नोची ॥ ॥
 ॥ गहि पटविनय कीन्ह वैठानी ॥ ॥ जनि दिन कन कूल होसि कुठानी ॥ ॥
 ॥ माँगहु माय अबहि देउँ तोही ॥ ॥ नाम विनहु जनि मानसि मोही ॥ ॥
 ॥ नाथु नाम कहँ जेहि तेहि नोती ॥ ॥ नाहित जनिहि जनम न निछाती ॥ ॥

अयोध्या०

॥८॥

॥**दोहा**॥ देवीव्याधिअसाधिनपपनेउधननिधुनिमाथ॥

॥ कहतपनमआनतवचननामनामनघुनाथ ॥॥॥ ॥३६॥

॥**चौ** व्याकुलनाउसिधिलसवगात॥ कनिनिकलपतनुमनहुनिपात॥

॥ कंठसूखमुखआवनवानी ॥॥॥ ॥ जनुपंछिनव्याकुलविनुपानी ॥

॥ पुनिकहकडकठोनकेकेई ॥॥॥ ॥ मनहुंघायमहमाहुनदेई ॥॥॥

॥ जौअंतहूंअसकनतवनहेडु ॥॥॥ ॥ मांगुमांगुतुम्हेहिवलकहेडु ॥॥॥

॥ दुइकिहेहिंऐकसमयनुआला ॥॥॥ ॥ हसवठठाइफुलाउवगाला ॥॥॥

॥ दानिकहाउवअनुकपनाई ॥॥॥ ॥ होइकियेमकुशलनौताई ॥॥॥

॥ छंडहुवचनकिधीनजधनहू ॥॥॥ ॥ जनिअवलाजिमिकनुनाकनहू ॥॥॥

॥ तनुतियतनयधामधनुधननी ॥॥॥ ॥ सत्यसंधकहुंविनसमवरनी ॥॥॥

॥ दीन्हदानफिरिमांगिसिराजा ॥॥॥ ॥ परिहनिवेदलोककेलाजा ॥॥॥

॥ होतप्रातसुतवनहिनजाई ॥॥॥ ॥ चौथेपननपसुजसुनसाई ॥॥॥

॥**दोहा**॥ मनमवचनसुनिनाउकहकडकछुहोयनतोन॥

॥ लागेउतोहिपिसाचजिमिकालकहावतमोन ॥॥॥ ॥३७॥

॥**चौ** चहतनभनतनूपतिहिनेनै ॥॥॥ ॥ विधिवसकुमतिवसीजियतोनै ॥॥॥

॥ सोसवमोनपापपनिनामू ॥॥॥ ॥ नयेउकुठारुनजेहिविधिबामू ॥॥॥

॥ सुवसवसिहिफिरिअवधसुहई ॥॥॥ ॥ सवगुनधामनामप्रनुताई ॥॥॥

॥ कनिहहिंआइसकलसेवकाई ॥॥॥ ॥ होइहिंतिहुपुननामवडाई ॥॥॥

॥ तोनकलंकमोनपछित्ताडु ॥॥॥ ॥ मुएहुनमिटिहिनजाइहिकाडु ॥॥॥

॥ अवतोहिनीकलागकहसोई ॥॥॥ ॥ लौचनआठवेहुमुहुंगोई ॥॥॥

॥ जबलगिजिअउकहौंकनजोनी ॥॥॥ ॥ तवलगिजनि कछुकहसिवहेनी ॥॥॥

॥ फिरिपछित्तेहइअंतअनागी ॥॥॥ ॥ मानिसिगाइनिहाननलागी ॥॥॥

॥**दोहा**॥ पनेउनाउकहिकोटिविधिकाहेकरसिनिदान॥

॥ कपटसयानिनकहतकछुजागतिमनहुमसान ॥॥॥ ॥३८॥

॥**चौ** नामनामनटविकलनुआलू ॥॥॥ ॥ जनुविनुपंखविहंगविहालू ॥॥॥

॥ हृदयमनावचोनुजनिहोई ॥॥॥ ॥ नामहिजाइकहेजनिकोई ॥॥॥

॥ उदयकरहुजनिविनघुकुलगुन ॥॥॥ ॥ अवधविलोकिसलहोइहिउर ॥॥॥

॥ नूपप्रीति केकेइकठिनाई ॥॥॥ ॥ उनयअवधविधिनचीवनाई ॥॥॥

॥ विलपतनूपहिनेउनिनुसाना ॥॥॥ ॥ बीनावेनुसंघधुनिदाना ॥॥॥

॥ पच्छिन्नाटगुनगावहिगायक ॥ सुनतनपहिजनुतोगेसायक ॥
 ॥ मंगलसकलसुहाहिंनकैसैं ॥ सहगामिनिहिविचूषनजैसैं ॥
 ॥ तेहिनिमिनीं दृपनीनहिकाहू ॥ ॥ रामदनसलाहसा उछाहू ॥ ॥
 ॥ कवहिउअेरविहोइविहाना ॥ दैषिअनयनरुक्पाणिधाना ॥
 ॥ गजअनूखअनुजअीसंगा ॥ सोनातनशतकोटिअनंगा ॥
 ॥ करतमनोरथानिसासिरानी ॥ शतप्रगटजागेमुनिगयानी ॥
 ॥ दोहा ॥ नजीरसेवकसचिवकहहिं उदितनविदेधि ॥
 ॥ जागेउअजहुंनअवधपतिकाननकवनविसेधि ॥ ३६ ॥
 ॥ चौतवहिवसिष्टसुमंतवोलाऐ ॥ हुदयहनषआतुनचलिअये ॥
 ॥ पधिलेपहनचूपनितजागा ॥ आजुहमीहंवडअचरजुलागा ॥
 ॥ जाहुसुमंतजगावहुजाई ॥ कीजिअकाजुनजायसुपाई ॥
 ॥ गयेउसुमंततवनाउरमाहिं ॥ दैषिअयावनजातडराहिं ॥
 ॥ धाइषाइजनुजाइनहेना ॥ मानहुंविपत्तिविषादवसेना ॥
 ॥ पूंछेउकोइनहिउतनुदेई ॥ गयेजेहिअवनचूपकेकेई ॥
 ॥ कहिजयजीववेठसिनुनाई ॥ दैषिअपगतिगयेउसुपाई ॥
 ॥ सोचविकलविवरनमहिपेनु ॥ मानहुंकमलमूलपनिहनेउ ॥
 ॥ सचिवसत्रीतसकैनहिपूँछी ॥ बोलीअसुनननीसुनधैर्य ॥
 ॥ दोहा ॥ पनीनराजहिनींदनिसिहेतुजानजगदीस ॥ ॥
 ॥ नामनामरटिचोनुकियकहइनमनममहास ॥ ४० ॥
 ॥ चौआनहुनामहिवेगिवोलाई ॥ समाचारतवपूँछेहुआई ॥
 ॥ चलेउसुमंतराउनुषजानी ॥ लषीकुचालिकीनिकछुनानी ॥
 ॥ सोचविकलमगपनइनपांडु ॥ नामहिवोलिकहिकानाउ ॥
 ॥ उन्धनिधीनजगयेउदुआनै ॥ पूँछहिसकलदैषिमनमोनै ॥
 ॥ समाधानकमिसोसवहीका ॥ गयेउजहंदिनकरकुलटीका ॥
 ॥ नामसुमंतहिआवतदेया ॥ आदनकीरूपितासमलेया ॥
 ॥ निनधिवहनकहिअपनजाई ॥ नधुकुलटीपहिचलेउलवाई ॥
 ॥ नामकुनांतिसचिवसंगजहिं ॥ दैषिलोगजहंतहंविलषाहिं ॥
 ॥ दोहा ॥ आइदीषनधुवंशमनिननपतिनिपटकुसाजु ॥

॥ सहस्रिपने उल्लिखि सिंधिनिहिमनहु वृद्धगजराजु ॥ ४१ ॥
 ॥ चौ सखहिं अधरजरइसवअंगू ॥ मनहुं हीनमनिहीननुअंगू ॥
 ॥ सनुषसमीपदे धिकैकेई ॥ ॥ ॥ ॥ मानहुं मीचुघरीगनिलेई ॥ ॥
 ॥ कउनामयमदुनामसुभाउ ॥ ॥ प्रथमदीषदुषसुनानकाऊ ॥
 ॥ तटपिधीनधनिसमयविचरि ॥ ॥ ऐंछिमधुनवचनमहतारी ॥
 ॥ चरननाइसिनहोउकरजोरी ॥ ॥ बोलिवचनसुधाजनकोरी ॥
 ॥ मोहिकहुमाततातदुषकानन ॥ ॥ कनियजतनजेहिहोइनिवासन ॥
 ॥ सुनहुनामसवकारनऐहू ॥ ॥ राजहितुमहपनवहुतसनेहू ॥
 ॥ हेनकनेहिमोहिदुइवरदाना ॥ ॥ मांगेउजोकधुमोहिसोहाना ॥
 ॥ सोसुनिनऐउन्नूपउरसोचू ॥ ॥ छौं दिनसकहितुमहानसंकोचू ॥
 ॥ दोहा ॥ सुतसनेहइतवचनउतसंकटपनेउननेसु ॥ ॥
 ॥ सकहुतआयसुधनहुसिरमैंटहुकठिनकलेसु ॥ ४२ ॥
 ॥ चौ निधनकवैठिकैहकदुवानी ॥ ॥ सुनतकठिनताअतिअकुलानी ॥
 ॥ जीअकमानवचनसरनाना ॥ ॥ मनमहीपमदुष्टलसनमाना ॥
 ॥ जनुकठोनपनधनेसनीरू ॥ ॥ सिषइधनुर्विद्यावरवीरू ॥
 ॥ सवप्रसंगनधुपतिहिसुनाई ॥ ॥ वैठिमनहुतनुधनिनिहुनाई ॥
 ॥ मनमुसुकाहिंभानुकुलभानू ॥ ॥ रामसहजआनंदनिधानू ॥
 ॥ बोलिवचनविगतसवदूषन ॥ ॥ मृदुमंजुलजनुवागविनूषन ॥
 ॥ सुनुजननीसोइसुतवडभागी ॥ ॥ जोपितुमातुवचनअनुनागी ॥
 ॥ तनयमातुपितुतोषनिहाना ॥ ॥ दुर्लभजननिसकलसंसार ॥
 ॥ दोहा ॥ मुनिगनमिलनविसेषिवनसर्वहिअंतिहितमोअ ॥ ॥
 ॥ तेहिपरपितुआयसुवहुनिसंमतजननीतोअ ॥ ॥ ॥ ॥ ४३ ॥
 ॥ चौ अनतशानप्रियपावीहैराजू ॥ ॥ विधिसवविधिमोहिसनमुखअजू ॥
 ॥ जौनजाहुवनऐसेहुकाजा ॥ ॥ प्रथमगतिअमोहिमूढसमाजा ॥
 ॥ सेवहिअनैंडकलपतनुत्यागी ॥ ॥ परिहनिअमृतुलेहिंविषुमोंगी ॥
 ॥ तेउनपाइअससमयचुकाहिं ॥ ॥ देषुविद्यानिमातुमनमोंहिं ॥
 ॥ अवनऐकदुषमोहिविसेषी ॥ ॥ निपटविकलनननायकदेखी ॥
 ॥ थोनिहिवातपितहिदुषभानी ॥ ॥ होतिप्रतीतिनमोहिमहतानी ॥

॥ नाउधीनगुनउदधिअगाधू ॥ ॥ नामोहितेकुछुवउअपनाधू ॥
 ॥ जातेमोहिनकहतकछुनाउ ॥ मोनिसपथतोहिकहुसतिनाउ ॥
 ॥ दोहा सहजसनलनधुपतिवचनकुमतिकुटिलकमिजान ॥
 ॥ चलइजोकजलवक्रगतिजद्यपिसलिलसमान ॥ ४४ ॥
 ॥ चौ नहसीरानिनामनुसुपाई ॥ ॥ बोलीकपटसनेहजनार्इ ॥ ॥ ॥
 ॥ सपथनुमहनिन्नतकैआना ॥ हेतुनदूसरमैंकछुजाना ॥ ॥ ॥
 ॥ तुम्हअपनाधजोगनहिताता ॥ जननीजनकबंधुसुधदाता ॥ ॥
 ॥ नामसत्यसवजोकछुकहहू ॥ तुम्हपितुमातुवचननतअहहू ॥
 ॥ पितरिवुहाइकहहुवलिसोई ॥ चौथेपनजेहिअजसुनहोई ॥ ॥
 ॥ तुम्हसमसुअनसुकृतजेहिहीरे ॥ उचितनतासुनिनादनकीरे ॥ ॥
 ॥ लागहिंकुमुखवचनसुनकैसे ॥ मगहगयादिकतीनथेजैसे ॥ ॥
 ॥ नामहिंमातुवचनसवनाए ॥ जिमिसुनसनिगतसलिलसुहाए ॥
 ॥ दोहा गइसुनधनामहिंसुमिपिनपफिसिकनबटलीन्ह ॥
 ॥ सचिवनामआगमनुकहिविनयसमयसमकीन्ह ॥ ४५ ॥
 ॥ चौ जवनपअकनिनामपगधाने ॥ धनिधीनजतवनयनउधाने ॥
 ॥ सचिवसंज्ञानिनाउवेठाने ॥ ॥ ॥ चननपनतनपनामनिहाने ॥ ॥
 ॥ लीऐसनेहविकलउनलाई ॥ ॥ गइमनिमनहुफनिकफिनपाई ॥
 ॥ नामहिचितइनेउनननाहू ॥ चलेउविलोचनवानिप्रवाहू ॥ ॥
 ॥ शोकविवसकछुकहइनपाना ॥ हृदयलगावतवानहिवाना ॥ ॥
 ॥ विधिहिमनावनाउमनमोहिं ॥ जेहिनधुनाथनकाननजोहिं ॥ ॥
 ॥ सुमिमिमेसहिकनहिंनिहोनी ॥ विनतीसुनहुसदाशिवमोनी ॥ ॥
 ॥ आसुतोषतुम्हअवछनदानी ॥ आनतहनहुदीनजनजानी ॥ ॥
 ॥ दोहा तुम्हप्रेरकसवकेहृदयसोमतिनामहिदेहु ॥ ॥ ॥
 ॥ वचनमोनतजिनहिंघरपनिहनिशीलसनेहु ॥ ॥ ४६ ॥
 ॥ चौ अजसुहोउजगसुजसुनसंछुं ॥ नरकपनौवनुसुनपुनजोउं ॥ ॥
 ॥ सवदुषदुसहसहवहुमोहि ॥ लोचनओटनामजनिहोहि ॥ ॥
 ॥ असमनगुनइनाउनहिबोला ॥ पीपनपातसनिसमनडोला ॥ ॥
 ॥ नधुपतिपितहिप्रेमवसजानी ॥ पुनिकछुकहहिंमातुअनुमानी ॥

CC-0. Chambal Archives Etawah.

॥ जोहठिभएउसकल दुषभाजनु ॥ अवलाविवसग्यानगुनगाजनु ॥
 ॥ ऐकधनमपनमितिपैंहिंचाने ॥ नपहिदोसनहिदेहिंसयाने ॥ ॥
 ॥ शिवदृधीचहनिचंदकहानी ॥ ॥ ऐकऐकसनकहहिंवषानी ॥ ॥
 ॥ ऐकन्नरतकनसंमतकहहीं ॥ ॥ ऐकउदासभायसुनिनहहीं ॥ ॥
 ॥ कानमैंदिकननदगहिजीह ॥ ॥ ऐककहहिंयहवातअलीह ॥ ॥
 ॥ सुकृतजोहिअसकहततुम्हने ॥ ॥ रामन्नरतकहुंप्रानपिआने ॥ ॥
 ॥ दोहा चंदचुवेवनुअनलकिनसुधाहोइविषतल ॥ ॥ ॥
 ॥ सपनेहुंकवहुनकरहिंकछुन्नतनामप्रतिकूल ॥ ॥ ॥
 ॥ चौ ऐकविधातहिदूषनदेहिं ॥ ॥ ॥ सुधादिषाईदीन्हविषजेहिं ॥ ॥
 ॥ मनन्नननगनसोचसवकाह ॥ ॥ दुसहदाहउरमिटाउछाह ॥ ॥
 ॥ विप्रवधूकुलमान्यजिठेनी ॥ ॥ जेप्रियपनमकेकेईकेनी ॥ ॥ ॥
 ॥ लगीदेनसिखसीलसगहि ॥ ॥ वचनवानसमलागहिताहि ॥ ॥
 ॥ मनतुनमोहिप्रियनामसमाना ॥ ॥ सदाकहहुयहसवजगजाना ॥ ॥
 ॥ कनहुनामपनसहजसनेह ॥ ॥ केहिअपराधआजुवनदेह ॥ ॥
 ॥ कवहुनकिऐहुसवतिअवनेस ॥ ॥ प्रीतिप्रतीतिजानसवदेस ॥ ॥
 ॥ कोसल्याअवकाहविगाना ॥ ॥ ॥ तुम्हेहितागिवजुपुनपाना ॥ ॥
 ॥ दोहा सीयकिपियसंगपनिहनिहिलवनकिनहिहहिंधाम ॥ ॥
 ॥ नाजुकिभुंजदन्नतपुननपकिजिअहिबिनुनाम ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ चौ असविचानिउनछांडहुकोह ॥ ॥ ॥ सोककलंककोटजनिहोह ॥ ॥
 ॥ मनतहिअवसिदेउजुवनाजू ॥ ॥ काननकाहनामकनकाजू ॥ ॥
 ॥ नाहिननामनाजकेचैये ॥ ॥ ॥ धनमधुनीनविषयनसन्खे ॥ ॥
 ॥ गुनग्रहवसहुनामतजिगेह ॥ ॥ ॥ नपसनअसवउदूसनलेह ॥ ॥
 ॥ जोनहिलगिहहुकहेहमाने ॥ ॥ ॥ नहिलगिहहिकुछुहायतुम्हने ॥ ॥
 ॥ जोपनिहासकीन्हकछुहोई ॥ ॥ ॥ तोकहिप्रगटजनावहुसोई ॥ ॥
 ॥ नामसनिससुतकाननजोगू ॥ ॥ काहकहिहिसुनितुम्हकहलोगू ॥ ॥
 ॥ उठहुवेगिसोइकरहुउपाई ॥ ॥ ॥ जेहिविधिसोककलंकनसाई ॥ ॥
 ॥ छंदजेहिनांतिसोककलंकजाइउपायकनिकुलपालहि ॥ ॥
 ॥ हठिफेनुनामहिजातवनजनिवातदूसनिचालहो ॥ ॥ ॥

अयोध्या०

॥११॥

॥ जिमिन्नानुविनुदिनुप्रानविनुतनुचंदविनुजिमिजामिनी ॥
 ॥ तिमिन्नवधतुलसीदासप्रभुविनुसमुहिधोजियन्नमिनी ॥
 ॥ सोनठ ॥ सधिरुसिषावनदीन् ॥ सुनतमधुनपविनामहित ॥
 ॥ तेहिकछुकाननकीन् ॥ कुरिलप्रवोधीकूवनी ॥ ॥ ॥ ॥ ५२ ॥
 ॥ चौ ॥ उतनुनदेइदुसहनिसनूषी ॥ ॥ ॥ मगिहिवितवजनवधिनिन्नी ॥
 ॥ व्याधिअसाधिजानितिनृत्यागी ॥ चलीकहतमतिमंदअभागी ॥
 ॥ राजकनतऐहिदेवविगोई ॥ ॥ ॥ कीन्हेसिअसजसकनैनकोई ॥
 ॥ ऐहिविधिविलपहिंपुननननी ॥ देहिकुचालिनिकोटिन्गानी ॥
 ॥ जनहिविषमज्वनलेहिउसासा ॥ कवनरामविनुजीवनआसा ॥
 ॥ विपुलवियोगप्रजाअकुलानी ॥ जनुजलचनगनसखतपानी ॥
 ॥ अतिविषादसवलोगलोगाई ॥ गऐमातुपहिंनमगोसाई ॥ ॥ ॥
 ॥ मुखप्रसन्नचितचोगुनचाउ ॥ ॥ मिटासोचजनिनाखइनाउ ॥ ॥
 ॥ दोहा ॥ नवगयंदनधुवीरमनुनाजअनालसमान ॥ ॥
 ॥ छटजानिवनगवनसुनिउनअनंदअधिकान ॥ ५३ ॥
 ॥ चौ ॥ नधुकुलतिलकजोरिहोउहाया ॥ मुदितमातुपदनाऐउमाया ॥
 ॥ दीन्हेअसीसलाइउनलीन्हे ॥ ॥ ॥ भूषनवसननिष्ठावनिकीन्हे ॥
 ॥ वानवानमुखचुंवतमाता ॥ ॥ ॥ नयननेहजलपुलकितगाता ॥
 ॥ गोदनाधिपुनिहृदयलगाऐ ॥ ॥ ॥ अवतप्रेमनसपयइसुहाऐ ॥
 ॥ प्रेमप्रमोदनकछुकहिजाई ॥ ॥ ॥ नंकधनदृपदवीजनुयाई ॥
 ॥ सादनसुंदनवदननिहानी ॥ ॥ ॥ बेलीमधुनवचनमहतानी ॥
 ॥ करहुतातजननीबलिहानी ॥ ॥ ॥ कवहिंतगनमुदमंगलकानी ॥
 ॥ सुकृतसीलसुखसींवसुहाई ॥ ॥ ॥ जनमलाचकेअवधिअघाई ॥
 ॥ दोहा ॥ तेहिचाहतनननानिसवअतिआनतऐहिजाति ॥
 ॥ जिमिचातकचातकीतरधितवहिसनदितुखाति ॥ ५४ ॥
 ॥ चौ ॥ तातजाउबलिवेगिनहाहू ॥ ॥ जोसनचावमधुनकुछुषाहू ॥
 ॥ पितुसमीपतवजाऐहुनैआ ॥ ॥ नैवीडवानजाइबलिमेआ ॥ ॥
 ॥ मातुवचनसुनिअतिअनुकूल ॥ ॥ जनुसनेहसुनतनुकेफूल ॥ ॥
 ॥ सुखमकनंदननेप्रियमूल ॥ ॥ निनिधिराममननवनुनमूल ॥

॥ धनमधुनीनधनमगतिजानी ॥ कहेउमातुसनअतिमृदुबानी ॥
 ॥ पिताहीन्हमोहिकानननाजू ॥ जहंसवभौतिमोत्रवडकाजू ॥
 ॥ आयसुदेहिमुदितमनमाता ॥ जेहिमुदमंगलकाननजाता ॥
 ॥ जनिसनेहवसडनपसिचोने ॥ आनंदअवअनुग्रहतेनेगाता ॥

॥ दोहा ॥ वनखचानिदसविपिनवसिकनिपितुवचनप्रमान ॥

॥ आइपायपुनिदेखिहौमनजनिकनसिमलान ॥ ५५ ॥

॥ चौ ॥ वचनविनीतमधुननधुवनके ॥ सनसमलगेमातुउनकरके ॥
 ॥ सहमिस्सधिपुनिसीतलबानी ॥ जिमिजवासपनेपावसपानी ॥
 ॥ कहिनजाइकछुहृदयविषाद ॥ मनहुंमगीसुनिकेहनिनाद ॥
 ॥ नयनसजलतनुयनयनकापी ॥ माजहिषाईमीनजनुमोपी ॥
 ॥ धनिधीनजुसुतवदननिहारी ॥ गदगदवचनकहतमहतारी ॥
 ॥ तातपितहिनुमप्रानपियाने ॥ देखिमुदितनितचनिततुम्हने ॥
 ॥ नाजदेनकहुसुन्नदिनसाधा ॥ ॥ कहेउजानवनकेहिअपनाधा ॥
 ॥ तातसुनावहुमोहिनिदानू ॥ ॥ कोदिनकनकुलनऐउक्रसानू ॥

॥ दोहा ॥ निनिधिनामनुषसचिवसुतकाननकहेउबुहाइ ॥

॥ सुनिप्रसंगनहिमूकतिमिदसावननिनहिजाइ ॥ ५६ ॥

॥ चौ ॥ साधिनसकइनकहिसकजाहू ॥ दुहूभौतिउनदानुनदाहू ॥
 ॥ लिखतसुधाकरगालिधिराहू ॥ विधिगतिवामसदासवकाहू ॥
 ॥ धनमसनेहउन्नयमतिधेनी ॥ अइगतिसौपछछूदनिकेनी ॥
 ॥ नाथौंसुतहिकरौअनुनोधू ॥ धनमजाइअनुबंधुविनोधू ॥
 ॥ कहौंजानवनतौबडिहानी ॥ संकटसोचविवसन्नइनानी ॥
 ॥ बहुनिसमुदितियधनमसपानी ॥ नामन्नतदोउसुतसमजानी ॥
 ॥ सनलसुन्नावनाममहतारी ॥ बोलीवचनधीनधनिजानी ॥
 ॥ तातजाउवलिकीन्हहुनीका ॥ पितुआयसुसवधनमकटीका ॥
 ॥ दोहा ॥ नाजदेनकहिहीन्हवनमोहिनसोचदुखलेस ॥

॥ तुम्हविनुन्नतहिन्नपतिहिप्रजहिप्रचंडकलेस ॥ ५७ ॥

॥ चौ ॥ जौकेवलपितुआयसुताता ॥ तौजनिजाहुजानिवडिमाता ॥
 ॥ जौपितुमातुकहेउवनजाना ॥ तौकाननसतअवधसमाना ॥

CC-0. Chambal Archives Etawah.

॥ नयनपुतनिकनिप्रीतिवढाई ॥ ॥ राखे उँ प्रा न जान किहिलोई ॥
 ॥ कलपवेलिजिमिवहुविधिलाली ॥ सौचिसनेहसलिलप्रीतिपाली ॥
 ॥ फूलतफलतभरेउविधिवा मा ॥ जानिनजाइकहापनिनामा ॥
 ॥ पालंगपीठतजिगोहहिडोना ॥ सियनदीनूपगअवनिकठेना ॥
 ॥ जिअनमूनिजिमिजोगवतनहउं ॥ दीपवातिनहिटाननकहउं ॥
 ॥ सोइसियचलनकहतिवनसाथा ॥ आयसुकाहहोइरघुनाथा ॥
 ॥ चंदकिननिनसनसिकचकोरी ॥ रविनुषनयनसकेकिमिजेनी ॥
 ॥ दोह कनिकेहनिनिसिचनचरीहिंदुषजंतुवनभूनि ॥

॥ विषवांटिकाकिसोहसुतसुन्नगसजीवनिभूनि ॥ ६१ ॥

॥ चौ वनहितकोलकिरातकिसोनी ॥ रचीविरंचिविषयसुषन्नोनी ॥
 ॥ पाहनकिमिजिमिकठिनसुन्नाउ ॥ तिरुहिकलेसनकाननकाउ ॥
 ॥ कैतापसतियकाननजोग ॥ ॥ जिन्हतपहेतुतजासबन्नोग ॥
 ॥ सियवनवासिहितातकेहिनांती ॥ चित्रलिखितकांटेधिडनांती ॥
 ॥ सुनसनसुन्नगवनजवनचानी ॥ डावनजोगकिहंसकुमानी ॥
 ॥ असविचानिजसआयसुहोई ॥ मैसिषदेहुजानकिहिसोई ॥
 ॥ जोसियन्नवननहइकहअंवा ॥ मोकहहोइवहुतुअवलंवा ॥
 ॥ सुनिनघुवीनमातुप्रियवानी ॥ सिलसनेहसुधाजनुसानी ॥

॥ दोह कहिप्रियवचनविवेकमयकीन्हमातुपरितोष ॥

॥ लगेप्रबोधनजानकिहिप्रगटिविपिनिगुनदोष ॥ ६२ ॥

॥ चौ मातुसमीपकहतसकुचाही ॥ बोलेसमयसमुत्तिमनमाही ॥
 ॥ राजकुमारिसिषावनसुनहूं ॥ आननांतिजिअजनिकुछुगुनहूं ॥
 ॥ आपनमोरनीकजोचहहूं ॥ वचनहमानमानिग्रहहहूं ॥
 ॥ आयसुमोनसासुसेवकाई ॥ सबविधिआमिनिन्नवनमलाई ॥
 ॥ ऐहितेअधिकधरमनहिदूजा ॥ साइनसासुससुनपटपूजागग ॥
 ॥ जबजवमातुकनिहिसुधिमेनी ॥ होइहिप्रेमविकलमतिजेनी ॥
 ॥ तवतवतुम्हकहिकथापुरानी ॥ सुंदनिसमुत्तायेहुमदुवानी ॥
 ॥ कहोंसुन्नायसपथसतमोही ॥ सुमुधिमातुहितराखेतोही ॥

॥ दोहा गुनश्रुतिसंमतिपरमफलपाइयविनीहंकलेस ॥

॥ हठवससवसंकटसहेगालवनहुषननेस ॥ ६३ ॥

॥ चौमैपुनिकनिप्रमानपितुवानी ॥ वेगिफिरवसुनुसुमुखिसयानी ॥

॥ दिवसजातिनहिलागिहिवानी ॥ सुदृगिसिषवनसुनहुहमात्री ॥

॥ जोहठकरहुप्रेमवसवामा ॥ ॥ तोतुमहुदुषपाउवपनिनामा ॥

॥ काननकठिननयंकनचारी ॥ घोरयामहिमवानिवयारी ॥

॥ कुसकंठकंकनमगनाना ॥ चलनपयोदहिविनुपटत्राना ॥

॥ चरनकमलमृदुमंजुनुम्हने ॥ मानगम्रगमनमिधनचारे ॥

॥ कंदनखोहनदिनदने ॥ ॥ अगमम्रगाधनजाहिनिहने ॥

॥ जालुबाधवककेहनिनागा ॥ करहिनाइसुनिधीनजनागा ॥

॥ दोहा नमिसयनवलकलवसनम्रसनकंदफलभूल ॥

॥ तेकिसदासवदिनमिलहिंसमयसमयम्रनुकूल ॥ ६४ ॥

॥ चौननम्रहाननजनीचनकरहिं ॥ कपटवेषविधिकोटिकधनहीं ॥

॥ लागइअतिपहानकरपानी ॥ विपिनविपतिनहिजाइवषानी ॥

॥ बालकनालविहंगवनघोरा ॥ निमिचरनिकननानिनचोरा ॥

॥ डनपहिंधीनगहनसुधिआये ॥ मगलोचनितुम्हनीनुसुत्राये ॥

॥ हंसगवनितुमनहिवनजोगू ॥ सुनिअपजसमोहिदेइहिलोगू ॥

॥ मानससलिलसुधाप्रतिपाली ॥ जिअइकिलवनपयोधिमनाली ॥

॥ नवनसालवनीविहननसीला ॥ सोहकिकेकिलविपिनकनीला ॥

॥ नहुनवनम्रसहृदयविचानी ॥ चंदनवदनिदुषकाननचानी ॥

॥ दोहा सहजसुहृदगुनस्वामिसिषजोनकरइसिनमानि ॥

॥ सोपछिताइअघाडउनम्रवसिहोइहितहानि ॥ ६५ ॥

॥ चौसुनिमृदुवचनमनोहनपियके ॥ लोचनललितननेजलसियके ॥

॥ सीतलसिषदाहकनइकाइसे ॥ चकइहिसनदचंदनिसिजइसे ॥

॥ उत्तनुनआवविकलवेदेही ॥ तजनचहतसुचिस्वामिसनेही ॥

॥ वनवसनेकिविलोचनवानी ॥ धनिधीनजउनम्रवनिकुमानी ॥

॥ लागिसासुपगकहकरजोनी ॥ छमवदेविवडिअविनयमोनी ॥

॥ दीन्हप्रानपतिमोहिसिषसोई ॥ जेहिविधिमोनपरमहितहोई ॥

॥ मैं पुनिसमुद्दिष्टमनमाहीं ॥ ॥ पियवियोगसमदुखजगनहीं ॥

॥ दोहा ॥ प्राननाथकनुनायतनसुदनसुषट्सुजान ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ तुम्हविनुनधुकुलकुमुदविधुसुनपुनननकसमान ॥ ६६ ॥

॥ चौ ॥ मातुपितानगिनीप्रियनार्दे ॥ प्रियपनिवानसुदृढसमुदार्दे ॥ ॥

॥ सासुससुनगुनसजनसहार्दे ॥ सुतसुदनसुसीलसुषट्सुदार्दे ॥ ॥

॥ जहंलगिनाथनेहअनुनाते ॥ पियविनुतियहितननिहुंतेतोते ॥

॥ तनुधनुधामधननिपुनराज ॥ पतिविहिनसवसोकसमाज ॥

॥ जोगनोगसमभूषननान् ॥ जमजातनासनिससंसान् ॥

॥ प्राननाथतुम्हविनुजगमाहीं ॥ मोकहंसुषट्सुतहुं बुधुनाहीं ॥

॥ जिअविनुदेहनदीविनुवानी ॥ तैसियनाथपुनुषविनुनानी ॥

॥ नाथसकलसुषसाथतुम्हाने ॥ सनद्विमलविधुवदननिहाने ॥

॥ दोहा ॥ वगमंगपनिजननगनवनवलकलविमलडकूल ॥

॥ नाथसाथसुनसदनसमपननसालसुषमूल ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ६७ ॥

॥ चौ ॥ वनदेवीवनदेवउदना ॥ ॥ कनिहीहंसासुससुनसमसाना ॥

॥ कुसकिसलयसौथनीसुहार्दे ॥ प्रनुसंगमंजुमनोजतुनार्दे ॥ ॥

॥ कंदमूलफलअमिअअहान् ॥ अवधसोसुषसतसनिसपहान् ॥

॥ छिनछिनप्रनुपदकमलविलोकी ॥ नहिहौमुदितदिवसजिमिकेकी ॥

॥ वनदुषनाथकहेउवहुतेने ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ नयविषादपरितापघनेने ॥

॥ प्रनुवियोगलवलेससमाना ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ सवमिलिहोहिनकृपानिधाना ॥

॥ असजिअजानिसुजानिसिरोमनि ॥ लेइयसंगमेहिछंदिअजनि ॥ ॥

॥ विनतीवहुतकनउकास्वामी ॥ कनुनामयउनअतनजामी ॥ ॥

॥ दोहा ॥ नाथिअअवधजोअवधलगिरहतजानिअप्रान ॥

॥ दीनबंधुसुदनसुषट्सीलसनेहनिधान ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ६८ ॥

॥ चौ ॥ मैंपितुगेहकथासुनिपाई ॥ ॥ सियविनाहनिवनहिनजाई ॥ ॥

॥ मोहिमगचलतनहोइहिहानी ॥ छिनछिनचननसनोजनिहानी ॥

॥ सवहिजौतिपिअसेवाकरिहौ ॥ मानगजनितसकलअमहनिहौ ॥

॥ पायपयारिवैठितनुछंहीं ॥ ॥ कनिहौवहुतमुदितमनमैहीं ॥ ॥

॥ अमकनसहितस्यामतनदेखे ॥ कहंदुषसमयप्रानपतिपेखे ॥ ॥

अयोध्या०

॥१४॥

॥ सममहितनतनुपद्मवडासी ॥ ॥ पायपटोलिहिसवनिमिसिदासी ॥
 ॥ वानवानमदुमूनतिजोही ॥ ॥ लागिहितातिवयानिनमोही ॥
 ॥ कोप्रनुसंगमोहिवितवनिहना ॥ सिंहवधुहिजिमिससकसिआना ॥
 ॥ मैंसुकुमापिनायवनजोगर ॥ ॥ तुम्हीहउचिततपमौकहुंजोगर ॥
 ॥ दोहा ॥ ऐसेहुवचनकठोनसुनिजोनहुद्वयविलगान ॥
 ॥ तोप्रनुविषमवियोगदुषसहिहीपावनप्रान ॥ ६६ ॥
 ॥ चौ ॥ असकहिसीयविकलनश्चानी ॥ वचनवियोगनसकीसंनानी ॥
 ॥ देखिइसानधुपतिजियजाना ॥ ॥ हठिनोषेनहिराधिहिप्राना ॥
 ॥ कहेउकृपालनानुकुलनाथा ॥ ॥ पविहनि सोचचलहुवनसाथा ॥
 ॥ नहिविषादकरअवसनआजर ॥ वेगिकरहुवनगवनसमाजर ॥
 ॥ कहिप्रियवचनप्रियासमुहार्द ॥ लगेमातुपदआसिषपाई ॥ ॥
 ॥ वेगिप्रजादुषमेदवआई ॥ ॥ जननीनिहुनविसनिजनिजाई ॥
 ॥ किनिहिंदसाविधिवहुनिकिमोरी ॥ देखिहैनयनमनोहरजोरी ॥
 ॥ सुदिनसुधनीतातकवहोइहि ॥ जननीजिअतवदुनविधुजोइहि ॥
 ॥ दोहा ॥ वहुनिवधकहिलालकहिनधुपतिनधुवनतात ॥
 ॥ कवहिवुलाइलगाइहियहरधिनिरधिहौंगात ॥ ७० ॥
 ॥ चौ ॥ लखिसनेहकातनिमहतनी ॥ वचननआवविकलनैचानी ॥
 ॥ रामप्रबोधकीरुविधिनाना ॥ समयसनेहनजाइवधाना ॥
 ॥ तवजानकीसासुपदलागी ॥ सुनियमाइमेपनमअनागी ॥
 ॥ सेवासमयदेवनदीन्हा ॥ ॥ मोनमनोनयसफलनकीन्हा ॥
 ॥ तजवधेअनुजनिछांडिअयोह ॥ करमकठिनकछुदोषनमोह ॥
 ॥ सुनिसिपवचनसासुअकुलानि ॥ इसाकवनविधिकहुउवधानि ॥
 ॥ वानहिवानलाइउरलीन्ही ॥ ॥ धनिधीनजसिषआसिषदीन्ही ॥
 ॥ अचलहोउअहिवाततुम्हाना ॥ जवलगिगंगजमुनजलधाना ॥
 ॥ दोहा ॥ सीताहिसासुअसीससिषदीन्हीअनेकप्रकान ॥
 ॥ चलीनाइपदपदुमसिनअतिहितवारहिवान ॥ ७१ ॥
 ॥ चौ ॥ समाचानजवलधिमनपाये ॥ आकुलविलधिबदनउठिधाये ॥
 ॥ कंपपुलकतननयनसनीनार ॥ गेहवननअतिप्रेमअधीनार ॥

॥ कहिन सकत कथुचित वत ठाठे ॥ ॥ मीन दीन जनु जल ते काठे ॥
 ॥ सोच हू दय विधि का हो निहाना ॥ ॥ सव सुख सुकृत सिनान हमाता ॥
 ॥ मो क ह का ह क ह व न धु नाथा ॥ ॥ ॥ न धि ह हि न व न किले इ ही ह साथा ॥
 ॥ नाम विलोकि बंधु क न जेने ॥ ॥ ॥ दे ह गे ह स व स न त न तेने ॥ ॥
 ॥ बोले वचन नाम न य नागर ॥ ॥ सीत सेन ह स न ल गु न सागर ॥
 ॥ तात प्रेम व स ज नि कै द नाहू ॥ ॥ समुहि हू दय पनि नाम उषाहू ॥
 ॥ दोहा मातु पिता गुनु स्वामि सिध सिन र धि कि न हि सु राय ॥
 ॥ लेहे उला नति नृजन म कर न त नु जन म जग जाय ॥ १२ ॥
 ॥ नौ अस जिअ जानि सुन हुं सिध नाई ॥ कने हुमातु पितु पट सेव काई ॥
 ॥ ज व न न र त नि पु स्स ह न नाहीं ॥ ना उ व द म म दुष मन माहीं ॥
 ॥ मै व न जा उ तु म्हु हिल इ साथा ॥ हो हि स व हि वि धि अ व ध अ नाथा ॥
 ॥ गुनु पितु मातु प्रजा पनि वान् ॥ ॥ स व क हं प न इ दु स ह दुष नाहू ॥
 ॥ न ह हु क न हु स व क न पनि तोषू ॥ त न उ ता त हो इ हि व ड डोषू ॥
 ॥ जा सु ना ज प्रिय प्रजा दुषानी ॥ ॥ सो न न अ व सिन र क अ धि कानी ॥
 ॥ न ह हु ता त अ सि नी ति वि चारी ॥ सु न त ल ष न न ऐ व्या कु ल नारी ॥
 ॥ सि य ने व च न स्स धि ग ऐ कै सैं ॥ प न स त तु हि न ता म न स जै सैं ॥
 ॥ दोहा ॥ उत नु न आ व त प्रेम व स ग हे च न न अ कु लाइ ॥
 ॥ नाथ द्वा स मै स्वामि तु म्हु त ज हु त का ह व साइ ॥ १३ ॥
 ॥ नौ दी न्दि मो हि सि ध नी कि गो साई ॥ ला गि अ ग म अ प नी कै द नाई ॥
 ॥ न र व न धी र ध न म धु न धानी ॥ नि ग म नी ति क हुं ते अ धि कानी ॥
 ॥ मै सि सु प्र नु स ने ह प्रति पाला ॥ मं द नु मे नु किले हि म नाला ॥
 ॥ गुनु पितु मातु न जान हु का हू ॥ क हं उं सु ना व नाथ पति आहू ॥
 ॥ ज हं ल गि ज ग त स ने ह स गाई ॥ प्री ति प्र ती ति नि ग म नि जु गाई ॥
 ॥ मो ने स व इ ऐ क तु म्हु स्वामी ॥ दी न वं धु उ न अं त न जामी ॥
 ॥ ध न म नी ति उ पं डे सि य ता ही ॥ की न ति नृ ति सु ग ति प्रिय जा ही ॥
 ॥ म न क्र म व च न च न न र त होई ॥ कृ पा सिं धु प नि ह नि य कि सोई ॥
 ॥ दोहा क नु ना सिं धु सु वं धु के सु नि म दु व च न वि नी त ॥
 ॥ समुहा ऐ उ उ न लाइ प्र नु जानि स ने ह स नी त ॥ १४ ॥

॥ मांगहु विद्या मानुसन जाई ॥ ॥ ॥ आवहु वेगि चलहु वन जाई ॥ ॥
 ॥ मुदित न ऐसुनि न घुवन वानी ॥ ॥ ॥ न ऐउलान वडो बैडिहानी ॥ ॥
 ॥ हन धित हु दय मातु पहिं आये ॥ ॥ मनहुं अंध फिरि लोचन पाये ॥ ॥
 ॥ जाइ जननि पदना ऐउ माथा ॥ ॥ मनु न धुनें दन जान कि साथा ॥ ॥
 ॥ ऐंछे उमातु मलिन मुख देखी ॥ ॥ लखन कहि सब कथा विसेषी ॥ ॥
 ॥ गई सहमि सुनि वचन कठोना ॥ ॥ मृगी देखि दृव जनु चहुं ओना ॥ ॥
 ॥ लखन लखे उमा अननय आजू ॥ ॥ ऐहि सने हव सकनै अकाजू ॥ ॥
 ॥ मांगत विद्या सनय सकुचैंहि ॥ ॥ जाइ संग विधिकहि किनैंहि ॥ ॥

॥ दोहा ॥ समुहि सुमित्रा नाम सिय नूप सुसिल सुनाउ ॥ ॥

॥ नय सने हलधि धुने उसिनु पापिनि दीन्ह कुधाउ ॥ ॥ १५ ॥

॥ चौ ॥ धीन जधने उकु अवसन जानी ॥ ॥ सहज सुहु दवेली मृदु वानी ॥ ॥
 ॥ तात तुम्हनि मातु वैदेही ॥ ॥ ॥ ॥ पित्त नाम सब भौति सनेही ॥ ॥
 ॥ अवधत हं जहं नाम निवास् ॥ ॥ तहं हिंदि वसतु हंत न निप्रकास् ॥ ॥
 ॥ जो पैसीय नाम वन जाहिं ॥ ॥ ॥ ॥ अवधतुम्हान काज कछु नहिं ॥ ॥
 ॥ गुन पितु मातु बंधु सुन सोई ॥ ॥ सेइ अहिं सकल प्रान की नोई ॥ ॥
 ॥ नाम प्रान प्रिय जीव न जीके ॥ ॥ स्नान थन हित सखा सब हीके ॥ ॥
 ॥ पूजनीय प्रिय परम जं होतैं ॥ ॥ सब मानियहि नाम के नोतैं ॥ ॥
 ॥ असजि अजानि संग वन जाहू ॥ ॥ लेहु तात जग जीव न लाहू ॥ ॥

॥ दोहा ॥ अनिचागना जनन ऐहु मोहि समेत वलि जांउ ॥ ॥

॥ जो तुम्हने मन घां डिछल कीन्ह नाम पट्टांउ ॥ ॥ १६ ॥

॥ चौ ॥ पुत्र वती जु वती जग सोई ॥ ॥ ॥ ॥ न घुपति न गत जा सुसुत होई ॥ ॥
 ॥ नत नु वौं हि नलि वां दिवियानि ॥ ॥ नाम विमुख सुत ते हित जानी ॥ ॥
 ॥ तुम्हने हिनाग नाम वन जाहिं ॥ ॥ दूसन हे तुतात कछु नहिं ॥ ॥
 ॥ सकल मुकत कन फल सुत ऐहू ॥ ॥ नाम सीय पट्ट सहज सनेहू ॥ ॥
 ॥ नाग दोष इन घामट्ट मोहू ॥ ॥ ॥ ॥ जनिस पनेहु इन्ह के वस होहू ॥ ॥
 ॥ सकल प्रकार विकार विहाई ॥ ॥ मन क्रम वचन कनेहु सेव काई ॥ ॥
 ॥ तुम्ह कहूं वन सब नोति सुपास् ॥ ॥ संग पितु मातु नाम सिय जास् ॥ ॥
 ॥ जेहिं नाम वन लहहिं कलेस् ॥ ॥ सुत सोइ कनेहु इह इउ पट्टेस् ॥ ॥

॥ **छंद** उपदेस यह जेहि तात तुम्ह ते नाम सिय सुख पावहीं ॥
 ॥ पितु मातु प्रिय पतिवान पुन सुख सुनति वन विसनावहीं ॥
 ॥ तुलसी सुतहि सिखे देइ आये सुदीन पुनि आसिष दई ॥
 ॥ नति होउ अविनल अमल सिय न धुबी न पद नित नित नई ॥
 ॥ **सोनठा** मातु चनन सिनु नाइ ॥ चले तुन त संकित हू दय ॥
 ॥ बागुन विषमतो नाइ ॥ मनहु नाग मग नाग वस ॥ ३१ ॥
 ॥ **बौ** गऐ लखन जहं जान किनाय ॥ नेमन मुदित पाइ प्रिय साय ॥
 ॥ बंदिनाम सिय चनन सुहाये ॥ चले संग न पमंदिन आये ॥
 ॥ कहहिं पन सपन पुन न नारी ॥ नलिव नाइ विधि वात विगारी ॥
 ॥ तन कस मन दुख वदन मलीने ॥ विकल मनहुं मोषी मधु छीने ॥
 ॥ कन मीजहिं सिय धुनि पछिताहि ॥ जनु विनु पंख विहंगम कुलहि ॥
 ॥ नइ वडि नीन नूपदन वाना ॥ वननिन जाइ विषाद अपाना ॥
 ॥ सचि वडठाइ नाउ वडठाने ॥ कहि प्रिय वचन नाम पगधाने ॥
 ॥ सिय समेत होउ तनय निहारी ॥ ब्याकुल नये उन्नमि पति नारी ॥
 ॥ **दोहा** सिय सहित सुत सुन गहो उदे धिदे धि अकुलाइ ॥
 ॥ वानहि वान सने हवस नाउ लेइ उर लाइ ॥ ३२ ॥
 ॥ **बौ** सकेन बोलि विकल नर नाह ॥ सोक जनित उर दानुन दाह ॥
 ॥ नाइ सी सपद अति अनुनागा ॥ उठिन धुबीर विदात वमागा ॥
 ॥ पितु असी स आये सु मोहि दीजे ॥ हनय समय विसमय कत कीजे ॥
 ॥ तात किये प्रिय प्रेम प्रमाद ॥ जसु जग जाइ होइ अपवाद ॥
 ॥ सुनिसने हवस उठिन न नाह ॥ बैठाने न धुपति गहि वाह ॥
 ॥ सुनहु तात तुम्ह कहुं मुनि कहिं ॥ नाम चनाचन नायक अहं ॥
 ॥ सुन अनुअ सुन कनम अनुहारी ॥ ईस देइ फल हू दय विचारी ॥
 ॥ कनै जो कनम पाव फल सोई ॥ निगमनीति अस कह सब कोई ॥
 ॥ **दोहा** श्रौन कनै अपनाध कोउ श्रौन पाव फल नोग ॥
 ॥ अति विचित्र नगवंत गति को जग जानइ जोग ॥ ३३ ॥
 ॥ **बौ** नाथ नाम नाथन हित लागी ॥ बहुत उपाय किये छल त्यागी ॥
 ॥ लखी नाम नुषन हनन जाने ॥ धरम धुनं धरधीन सयाने ॥

अयोध्या०

॥१६॥

॥ तवनपसीयलाइउनलीन्ह ॥ ॥ अतिहितवहुतनैतिसिखईन्ह ॥
 ॥ कहिवनकेदुषदुसहसुनाए ॥ सासुससुनपितुसुषसमुहारे ॥
 ॥ सियमनुनामचननअनुनागा ॥ घनुनसुगमवनविषमनुलागा ॥
 ॥ ओनउसवहिंसियसमुहार्इ ॥ कहिकहिविपिनविपतिअधिकार्इ ॥
 ॥ सचिवनानिगुननानिसयानी ॥ सहितसनेहकहहिमदुवानी ॥
 ॥ तुम्हकहतोनदीन्हवनवास् ॥ कनहुजोकहीहंससुनगुनसास् ॥
 ॥ दोहा ॥ सिषसितलहितमधुनमदुसुनिसितहिनसुहानि ॥
 ॥ सनदचंदचंदिनिलगतजनचकईअकुलानि ॥ ॥ ८० ॥
 ॥ चौ ॥ सीयसकुचवसउतनुनदेई ॥ सोसुनितमकिउठीकेकेईगा ॥
 ॥ मुनिपटनूषनभाजनआनि ॥ आगेधनिवोलीमदुवानी ॥
 ॥ नपतिप्रानप्रियतुम्हधुवीरा ॥ सीलसनेहनघाउहिनीरा ॥
 ॥ सुकृतसुजसपरलोकनसाउ ॥ तुम्हहिजानवनकहिहिनकाउ ॥
 ॥ असविचानिसोइकरहुजोभावा ॥ नामजननिसिषसुनिसुषपावा ॥
 ॥ भूपहिवचनवानसमलागे ॥ कनहिंनप्रानपयानअभागे ॥
 ॥ लोगविकलमुनधितनननाहू ॥ काहकनियकधुसहनकाहू ॥
 ॥ नामतुनतमुनिवेषवनाई ॥ चलेजनकजननीसिनुनाई ॥
 ॥ दोहा ॥ सजिवनसाजुसमाजुसववनिताबंधुसमेत ॥
 ॥ बंदिविप्रगुनचननप्रनुचलेकनिसवहिअचेत ॥ ॥ ८१ ॥
 ॥ चौ ॥ निकसिवसिषद्वाननऐठाठे ॥ देखेलोगविनहदबडाठेगा ॥
 ॥ कहिप्रियवचनसकलसमुहारे ॥ विप्रवंदनधुवीनवोलायेगा ॥
 ॥ गुनसनकहिवरषासनदीन्ह ॥ आदनदानविनयवसकीन्ह ॥
 ॥ जाचकदानमानसनपोषे ॥ मीतपुनीतप्रेमपनितोषेगा ॥
 ॥ मातुपितसवसेवकजानी ॥ दीन्हदानअवधिअनुमानी ॥
 ॥ दासीदासवोलाइवहेनीगा ॥ गुनहिसौंपिवोलेकनजोनी ॥
 ॥ सबकेसानसंभारगोसाई ॥ कनिवीडनकजननिकीनाई ॥
 ॥ बानहिवानजोनिजुगपानी ॥ कहतनामसवसनमदुवानी ॥
 ॥ सोइसवभौतिमोनहितकारी ॥ जेहितेनहइनुवालसुषारी ॥
 ॥ दोहा ॥ मातुसकलमोनेविनहजेहिंनहोहिदुषदीन ॥

॥ सोइ उपाइतुम्ह कनेउसवपुनजनपनमप्रवीन ॥२२॥
 ॥ चौ येहिविधिनामसवहिसमुहावा ॥ गुनपदपदुमहनधिसिननावा ॥
 ॥ गनपतिगोनिगिनीशमनाई ॥ चलेअसीसपाइनधुनाई ॥
 ॥ नामचलतअतिभयेउविषाद ॥ सुनिनजाइपुनआनतनाद ॥
 ॥ कुसगुनलंकअवधअतिसोक ॥ हनयविषादविवससुनलोक ॥
 ॥ गइमुनछातवन्नपतिजागे ॥ बोलिसुमंतकहनअसलागे ॥
 ॥ नामचलेवनप्राशननजाहिं ॥ केहिसुखलागिरहततनमाहिं ॥
 ॥ ऐहितेकवनविथावलवाना ॥ जोदुखपाइतजततनप्राना ॥
 ॥ पुनिधनिधीनजकहनननाहू ॥ लैनयसंगसयातुम्हजाहू ॥
 ॥ दोहा सुठिसुकुमानकुमानहोउजनकसुतासुकुमानि ॥
 ॥ नथचछाइदिखराइवनफेनेहुगएदिनचानि ॥२३॥
 ॥ चौ जौनहिफिरहिधीनहोउनाई ॥ सत्यसंधदिछव्रतनधुनाई ॥
 ॥ तौतुम्हविनयकनेउकनजेनी ॥ फेरिअप्रभुमिथिलेसकिसी ॥
 ॥ जवसियकाननदेखिउनाई ॥ कहेहुमेनिमिषअवसनपाई ॥
 ॥ सासुससुनअसकहेउसंदेस ॥ पुत्रिफिरियवनवहुतकलेस ॥
 ॥ पितुग्रहकवहुंकवहुंससुनानी ॥ रहेहुजहानुचिहेहितुम्हनी ॥
 ॥ ऐहिविधिकनेहुउपायकहेवा ॥ फिरइतहोइप्राणअवलंवा ॥
 ॥ नाहितमोनमननपनिनामा ॥ कछुनवसाइनयेउविधितामा ॥
 ॥ असकहिमुनधिरपनामहिनाउ ॥ नामलखनसियअनिदेखाउ ॥
 ॥ दोहा पाइनजायसुनाइसिननथअतिवेगवनाइ ॥
 ॥ गऐउजहंवाहिनगनसीयसहितहोउनाइ ॥२४॥
 ॥ चौ तवसुमंतनपवचनसुनाऐ ॥ कनिविनतीनथुनामचछाऐ ॥
 ॥ चछिनयसीयसहितहोउनाई ॥ चलेहुदेअवधहिसिनुनाई ॥
 ॥ चलतनामलखिअवधअनाथा ॥ विकललोगसवलोगिसाथा ॥
 ॥ कृपासिंधुवहुविधिसमुहावहि ॥ फिरहिप्रेमवसपुनिफिरिआवहि ॥
 ॥ लागतअवधनयावननानी ॥ मानहुंकालनतिअधिआनी ॥
 ॥ घोनजेतुसमपुननननानी ॥ उनपहिंऐकहिऐकनिहानी ॥
 ॥ धनमसानपनिजनजनुभूता ॥ सुतहितमीतमनहुंजमहूता ॥

श्रयोध्या०

॥११॥

॥ बागनुविटपवेलिकुंभिलाहीं ॥ सनितसरोवरदेधिनजाहीं ॥
 ॥ दोहा ॥ रूपगयकोटिककेलिमृगपुनपसुचातकमेन ॥
 ॥ पिकनथांगसुकसायिकासानसहसुचकोन ॥ ८५ ॥
 ॥ चोनामवियोगविकलसवठाछे ॥ जहेतहेमनहुंचित्रलिसिकछे ॥
 ॥ नगनुसकलवनगहवननानी ॥ धगमृगविपुलसकलनननानी ॥
 ॥ विधिकेकेइकिनातिनिकीन्ह ॥ जेहिहैवदुसहदुसहुंदिसिदिन्ह ॥
 ॥ सहिनसकेनधुवनविनहागी ॥ चलेलोगसवव्याकुलनागी ॥
 ॥ सवहिंविचानकीन्हमनमहिं ॥ नामलषनसियविनुसुषनहिं ॥
 ॥ जहेनामतहेसवइसमाजू ॥ विननधुवीनअवधनहिकाजू ॥
 ॥ चलेसाथअसमंत्रदिछाई ॥ सुनदुलैनअससहनविहई ॥
 ॥ नामचननपंकजप्रियजिन्ह ॥ विषयभोगवसकनहिकित्तिन्ह ॥
 ॥ दोहा ॥ बालकवधविहायगृहलगेलोगसवसाथ ॥
 ॥ तमसातीननिवासकियप्रथमदिवसनधुनाथ ॥ ८६ ॥
 ॥ चो नधुपतिप्रजाप्रेमवसदेखी ॥ सदयहृदयदुषनऐउविसेधी ॥
 ॥ कनुनामयनधुनाथगोसाई ॥ वेगिपाइयहरीनपरार्इ ॥
 ॥ कहिसप्रेममृदुवचनसुहाए ॥ बहुविधिनमलोगसमुहाए ॥
 ॥ किऐधनमउपदेसघनेने ॥ लोगप्रेमवसफिनीहैनफेने ॥
 ॥ सिलसनेहुछैडिनिहजाई ॥ असमंजसवसनेनधुनाई ॥
 ॥ लोगसोगअमवसगोऐसाई ॥ कछुकदेवमायामतिभोइगा ॥
 ॥ जवहिंजामजुगजाभिनिविति ॥ नामसचिवसनकहेउसप्रीति ॥
 ॥ योजुमानिनयुहांकहुताता ॥ आनउपायवनिहिनिहवाता ॥
 ॥ दोहा ॥ नामलषनसियजानचछिसंनुचननसिनुनाई ॥
 ॥ सचिवचलाऐउतुनतनयइतउतयोजदुनाई ॥ ८७ ॥
 ॥ चो जोगसकललोगनऐभोह ॥ गेनधुनाथनऐउअतिसोह ॥
 ॥ नथकनयोजकतहुंनहिपावीह ॥ नामनामकहिचहुंदिसिधावीह ॥
 ॥ मनहुंवानिनिधिबूडजहाजू ॥ नऐविकलजनुवनिकसमाजू ॥
 ॥ ऐकहिंऐकदेहिउपदेस ॥ ॥ तजेनामहमजानिकलेस ॥

॥ निंदहि अपुसनाहि मीना ॥ ॥ धिगजीवननघुवीनविहीना ॥
 ॥ जोपेप्रियवियोगविधिकीन्हा ॥ तौकसमनननमोगोउदीन्हा ॥
 ॥ ऐहिविधिकनतप्रतापकलाफा ॥ अऐश्रवधननेपनितापाणा ॥
 ॥ विषमवियोगनजाइवषाना ॥ अश्रवधिश्राससवनावहिषाना ॥
 ॥ दोहा ॥ नामदनसहितनेमब्रतलगेकरननननानि ॥
 ॥ मनहुंकोककोकीकमलदीनविहिनतमानि ॥ ॥
 ॥ चौ ॥ सीतासचिवसहितहोउन्नाई ॥ अंगवेनपुनपहुचेजाई ॥ ॥
 ॥ उत्तनेनामदेवसनिदेखी ॥ कीन्हुंइवतहनषविसिंधी ॥
 ॥ लखनसचिवसियकिऐप्रनामा ॥ सवहिसहितसुषपाऐउनामा ॥
 ॥ गंगसकलमुहमंगलमूला ॥ सवसुषकरनिहनिसवसूला ॥
 ॥ कहिकहिकोटिककथाप्रसंगा ॥ नामविलोकहिगंगतनंगा ॥
 ॥ सचिवहिअनुजहिप्रियहिसुनाई ॥ विबुधनदीमहिमाअधिकई ॥
 ॥ मज्जनकीन्हुंपंथअमगाऐउ ॥ सुचिजलीपिअतमुदितमननऐउ ॥
 ॥ सुमिनतजाहिमिंदेअमन्ना ॥ तेहिअमयहलौकिकव्यवहानू ॥
 ॥ दोहा ॥ सुखसच्चिदानंदमयकंदनानुकुलकेतु ॥ ॥
 ॥ चरितकनतननअनुहनतसंसृतिसागनसेतु ॥ ॥
 ॥ चौ ॥ यहसुधिगुहनिषादजवपाई ॥ मुदितलिऐप्रियबंधुबोलाई ॥
 ॥ लिऐफलमूलनेटननिनाना ॥ मिलनचलेउहियहनषअपाना ॥
 ॥ कनिहुंइवतनेटधनिआगें ॥ प्रनुहिविलोकतअतिअनुनागें ॥
 ॥ सहजसनेहविवसनघुनाई ॥ पूंछीकुशलनिकटवैठाई ॥
 ॥ नाथकुशलपदपंकजदेखें ॥ नऐउंआगनाजनजनलेखें ॥
 ॥ देवधननिधनुधामतुम्हारा ॥ मैजननीचसहितपनिबारा ॥
 ॥ कृपाकनियपुनधानिअपाउं ॥ थापियजनसबलोगसिहाउं ॥
 ॥ कहेहुसत्यसवसषासुजाना ॥ मोहिदीन्हुपितुआयसुआना ॥
 ॥ दोहा ॥ वनषचानिदसवासवनमुनिब्रतवेषअहानु ॥ ॥
 ॥ ग्रामवासनहिउचितसुनिगुहनिनऐउदुषनाउ ॥ ॥
 ॥ चौ ॥ नामलखनसियरूपनिहानी ॥ कहहिंसप्रेमग्रामनननानी ॥
 ॥ तेपितुमातुकहहुसंखिकेसैं ॥ जिन्हुपठऐवनवालकअैसैं ॥

अयोध्या०

॥१८॥

॥ ऐक कहि हैं नल नूपति कीन्ह ॥ लोचन लाहु हमहि विधि दीन्ह ॥
 ॥ तब निषाद पति उन अनुमाना ॥ तउ सिमुपात मनो नथ जाना ॥
 ॥ लैन घुनाथ हिठां उदेषावा ॥ ॥ कहे उनाम सब नौति सुहावा ॥
 ॥ पुन जनक निजु हान घन आरे ॥ रघुवन संध्या करन सिधाये ॥
 ॥ गुह सैवा नि सांथनी उसाई ॥ ॥ कुशकिसलय मय मृदुल सुहाई ॥
 ॥ सुचि फल मूल मधुन मृदु जानी ॥ दोना ननि ननि नाथे सि आनी ॥
 ॥ दोहा सिय सुमंत आता सहित कंद मूल फल खाई ॥
 ॥ सयन कीन्ह नघु वंशमनि पाय पलो टतनाई ॥ ६१ ॥
 ॥ चौ उठेलखन प्रनु सो अत जानी ॥ कहि सचि वहि सो वन मृदु बानी ॥
 ॥ कछु कइ निस जिवान सनासन ॥ जागन लगे वैठवी नासन ॥ ॥ ॥
 ॥ गुह बोलाइ पाहू प्रतीति ॥ ॥ ठावठाव नाथे अति प्रीति ॥ ॥ ॥
 ॥ आपुलखन पहें वैठे उजाई ॥ कटि नाथासन चाप चलाई ॥ ॥ ॥
 ॥ सो वत प्रनु हिनि हा नि निषाद ॥ नरे उ प्रेम वस हृदय विषाद ॥
 ॥ तन पुलकित जल लोचन वहई ॥ वचन सप्रेम लखन सन कहई ॥
 ॥ नूपति नवन सुभाय सुहावा ॥ सुन पतिसदन न पटत निषावा ॥
 ॥ मनि मयन चित्त चानु चौवाने ॥ जनु नति पति निज हाथ सैवाने ॥
 ॥ दोहा सुचि सुविचित्र सुभोग मय सुमन सुगंध सुवासु ॥
 ॥ पलंगमंजुमनि दीप जहं सब विधिसकल सुपासु ॥ ६२ ॥
 ॥ चौ विविध वसन उपधान तुनाई ॥ छिन फेनु मृदु विसद सुहाई ॥ ॥
 ॥ तहें सिय नाम सयन नि सिकरि हैं ॥ निज छवि रति मनो जम रहैं हैं ॥
 ॥ तेइ सिय नाम सांथनी सोए ॥ ॥ ॥ अमित वसन विनु जाहिं न जोरे ॥
 ॥ मातु पितापनि जन पुन वासी ॥ सखा सुसील दास अनुदासी ॥
 ॥ जोगा वहिं निज नृपान कीनाई ॥ महि सो वत तेइ नाम गोसाई ॥
 ॥ पिता जनक जग विदित प्रभाउ ॥ ससुन सुने ससखा न घुनाउ ॥
 ॥ नाम चंद्र पति सोई वैदेही ॥ ॥ सो वत महि विधि वामन केही ॥
 ॥ सिय नघु वीर किकानन जोगू ॥ कनम प्रधान सत्य कह लोगू ॥
 ॥ दोहा के कयनंदिनि मंदमतिकठिन कुटिल पन कीन्ह ॥
 ॥ जेहिं नघु नंदन जान किह सुख अवसन दुष दीन्ह ॥ ६३ ॥

॥ अइदिनकरकुलविटपकुठानी ॥ कुमतिकीन्हसवविस्वदुषानी ॥
 ॥ नऐउविषादनिषादहिनी ॥ नामसीयमहिसपननिहानी ॥
 ॥ बोलेलखनमधुनमदुवानी ॥ ग्यानविनागनगतिनससानी ॥
 ॥ काहुनकोउसुषदुषकरदाता ॥ निजकृतकरमभोगसवचाता ॥
 ॥ जोगवियोगभोगनलमंदा ॥ हितअनहितमध्यमभूमफंडा ॥
 ॥ जनममननजहलजिजगजाल ॥ संपत्तिविपत्तिकरमअनुकाल ॥
 ॥ धननिधामधनुपुनपनिवात्र ॥ सनगननकजहलजिब्यवहान ॥
 ॥ देखिअसुनिअगुनिअमनमहि ॥ मोहमूलपनमानथनाहि ॥
 ॥ दोहा ॥ सपनेहोइनिषानिनुपनंकनाकपतिहोइ ॥

॥ जागेहगनिनलानुकछुतिमिप्रपंचजियजोइ ॥ २४ ॥

॥ चौअसविचानिन्हिकीजिअरोस ॥ काहुहिंवादिनदीजियहोस ॥
 ॥ मोहनिसासवसोबनिहाना ॥ देखिअसपनअनेकप्रकारा ॥
 ॥ ऐहिजगजामिनिजागहिंजोगी ॥ पनमानथीप्रपंचवियोगी ॥
 ॥ जानिअतवहिजीवजगजागा ॥ जवसवविषयविलासविनागा ॥
 ॥ होहिविवेकमोहअमभागा ॥ तवनधुनाथचननअनुनागा ॥
 ॥ सखापनमपनमानथऐहू ॥ मनक्रमवचननामपदनेहू ॥
 ॥ नामब्रह्मपनमानथनूपा ॥ अविगतअलखअनादिअनूपा ॥
 ॥ सकलविकाननहितगतनेदा ॥ कहिनितनेतिनिरूपहिंवेदा ॥

॥ दोहा ॥ भगतअमिअसुनसुनिअसुनहितलागिक्रपाल ॥

॥ कनतचनितधनिमनुजतनुसुनतमिटहिंजगजाल ॥ २५ ॥

॥ चौसखासमुहिअसपनिहनुमोह ॥ सियनधुवीनचननतहोहू ॥
 ॥ कहतनामगुननाभिनुसाना ॥ जगेजगमंगलसुखदातारा ॥
 ॥ सकलसोचकनिनामनहावा ॥ सुचिसुजानवटछिनमगावा ॥
 ॥ अनुजसहितसिनजटावनाऐ ॥ देखिसुमंतनयनजलछाऐ ॥
 ॥ हृदयदाहुअतिवदनमलीना ॥ कहकरजोनिवचनअतिदीना ॥
 ॥ नाथकहेउअसकोसलनाथा ॥ लैनथुजाहुनामकेसाथा ॥
 ॥ वनदिषाइसुनसनिअनूबाई ॥ आनेहुफेनिवेगिहोउनाई ॥
 ॥ लखननामसियआनेहुफेनी ॥ संसैसकलसकोचनिवेनी ॥

श्रयोध्या०

॥१८॥

॥ **रोह** नृपश्रसकहेउवचनजसकहियकनौंवाहिसोइ ॥

॥ कनिविनतीपायरूपनेउहीनूवाल्जिमिनोइ ॥ ८६ ॥

॥ **चौ** तातकृपाकनिकीजियसोइ ॥ ॥ जातेअवधअनाथनहोई ॥ ॥

॥ मंत्रिहिनामउठाइप्रबोधा ॥ ॥ तातधनममगुनुमूसवसोधा ॥

॥ सिवदधीचहनिचंदननेसा ॥ ॥ सहेधनमहितकोटिकलेसा ॥

॥ नंतिदेववलिनूपसुजाना ॥ ॥ धनमधनेउसहिसंकटनाना ॥

॥ धनमनहूसनसत्यसमाना ॥ ॥ आगमनिगमपुनानवधाना ॥

॥ मैसोइधनमसुलभकनिपावा ॥ तजेतिहूपुनअपजसछावा ॥

॥ संचावितकहुअपजसलाहू ॥ मनकोटिसमदानुनदाहू ॥

॥ तुमूसनतातवहुतकाकहउं ॥ दिऐउतनुफिनिपातकलहउं ॥

॥ **रोह** पितुपदगहिकहिकोटिनतिविनयकनवकनजोनि ॥

॥ चिंताकवनिहुंवातकैतातकनिअजनिमोनि ॥ ८७ ॥

॥ **चौ** तुमूपुनिपितुसमअतिप्रियमोने ॥ विनतीकनउंतातकनजोने ॥

॥ सबविधिसोइकनतव्यतुमूने ॥ दुषनपावपितुसोचहमाने ॥

॥ सुनिनघुनायकसचिवसंवाइ ॥ नऐउसपनिजनविकलनिषाइ ॥

॥ पुनिकछुलखनकहाकहुवनि ॥ प्रनुवनजेउवडअनुचितजानी ॥

॥ सकुचिनामनिजसपयदेवाई ॥ लखनसंदेसकहियजनिजाई ॥

॥ कहसुमंतपुनिनूपसंदेस् ॥ सहिनसकिहिसियविपिनकेलेस् ॥

॥ जेहिविधिअवधआवफिसिषा ॥ सोइनघुवनहितुमूहिकननीया ॥

॥ नतनुनिपटअवलंवविहीना ॥ मैनजिअवजिमिजलविनुमीना ॥

॥ **रोह** मइकेससुनेसकलसुखजवहिजहामनुमान ॥

॥ तहतवनहिहिसुखेनसिषजवलगिविपतिविहान ॥ ८८ ॥

॥ **चौ** विनतीनूपकीन्हिजेहिनांती ॥ अमनतप्रातिनसोकहिजाती ॥

॥ पितुसंदेसुसुनिकृपानिधाना ॥ सियहिहीनूसिषकोटिविधाना ॥

॥ सासुससुनगुनप्रियपनिवान् ॥ फिनहुतसवकनमिटहियनान् ॥

॥ सुनिपतिवचनकहतवैदेही ॥ सुनहुप्रानपतिपनमसनेही ॥

॥ प्रनुकनुनामयपनमविवेकी ॥ तनुतजिनहतिछाहकिमिथेकी ॥

॥ प्रनाजाइकहंमानुविहाई ॥ कहंचंद्रिकाचंद्रतजिजाई ॥

॥ पतिहि प्रेममय विनय सुनाई ॥ ॥ कहत सचि वसन गिना सुहाई ॥
 ॥ तुम्ह पितु ससुन सहित हित कानी ॥ उत उदे उफिनि अनुचित कानी ॥
 ॥ दोहा ॥ आनत सवसन मुख न डूँ विलगुन मानवतात ॥ ॥
 ॥ ॥ आनज सुत पट्ट कमल विनुवादि जहल गिनात ॥ ॥
 ॥ चौ ॥ पितु वै न व विलास मै डीठा ॥ ॥ नृपमनि मुकुट मिलत पट्ट पीठा ॥
 ॥ सुख निधान अस पितु ग्रह मोने ॥ पिय विहीन मन भावन जेने ॥ ॥
 ॥ ससुन चक्रवर्त्त को सलनाडु ॥ ॥ नुवन चानि दस प्रगट सुजाडु ॥ ॥
 ॥ आगे होइ जेहि सुन पतिलेई ॥ ॥ अनघा सिंहसन आसन देई ॥ ॥
 ॥ ससुन ऐता दश अवधनि वास् ॥ प्रिय परिवार मातु समसास् ॥ ॥
 ॥ विनु नघु पति पट्ट पदुम पनागा ॥ मोहिको उ सपनेहु सुख दन लाग ॥ ॥
 ॥ अगम पंथ वन नू मिय हाना ॥ ॥ कनिके हनिसन सवित्त अपाना ॥ ॥
 ॥ कोल किनात कुनंग विहंगा ॥ ॥ मोहिस व सुख दृष्टान पति संग ॥ ॥
 ॥ दोहा ॥ सासु ससुन सन मोनि हुति विनय कर विपनि पाय ॥
 ॥ मोनि सोच जनिक निअकु छुमै वन सुधी सुजाय ॥ ॥ १०० ॥
 ॥ चौ ॥ प्रान नाथ प्रिय देवर साथा ॥ ॥ वीन धुनी न धनै धनु जाथा ॥ ॥
 ॥ नहि गम अमम म दुष मन मोने ॥ ॥ मोहिल गि सोच कनि अजनि जेने ॥ ॥
 ॥ सुनिसुमंत सिय सीतल वानी ॥ ॥ नये उविकल जनु फनिमनि हनि ॥ ॥
 ॥ नयन स्तन हि सुन हिन काना ॥ ॥ कहिन सके कछु अति अकुलाना ॥ ॥
 ॥ नाम प्रबोध कीन्ह वहु नोती ॥ ॥ तदपि होत नहि सीतल दृष्टती ॥ ॥
 ॥ जतन अनेक साय हित कीन्ह ॥ ॥ उचित उत न नघुन दन दीन्हा ॥ ॥
 ॥ मैँ टिजाइन हि नाम न जाई ॥ ॥ कठिन करम गतिक छुन वसाई ॥ ॥
 ॥ नाम लखन सिम पट्ट सिनुनाई ॥ ॥ फिने उवनिक जनु मूल गंवाई ॥ ॥
 ॥ दोहा ॥ नथ हाँ के उहय नाम तन हेनि हेनि हिं हिं नाहि ॥
 ॥ देखि निषाद विषाद वसधुन हि सीस पछिताहि ॥ १०१ ॥
 ॥ चौ ॥ जासु वियोग विकल पशु असे ॥ ॥ प्रजामातु पितु जीवहि के सें ॥ ॥
 ॥ वर वसनाम सुमंत पठाये ॥ ॥ सुन सनितीन आपुत व आये ॥ ॥
 ॥ माँ गिनावन के वट आना ॥ ॥ कहइ तुम्हान मनम मैँ जाना ॥ ॥
 ॥ चनन कमल नज कहँ सब कहई ॥ ॥ मानुष करनि मूरनि कछु अरुई ॥ ॥

अयोध्या०

॥२०॥

॥ धुआँतसिलानेनानिसुहाई ॥ ॥ पाहनतेनकाठुकठिनाई ॥ ॥
 ॥ तननिउमुनिघननीहोइजाई ॥ वाटपनैमोनिनावउडाई ॥ ॥
 ॥ ऐहिप्रतिपालउसवपनिवाहू ॥ नहिजानहुँकछुओनकवाहू ॥ ॥
 ॥ जोप्रनुपानअवसिगाचहहू ॥ मोहिपटपदुमपषाननकहहू ॥
 ॥ **धर** पटकमलधोइचछाइनानवननाथउतनाईचहौं ॥
 ॥ मोहिनामनाउनआनदशानथसपथसवसँचीकहौं ॥
 ॥ वनुतीनमानहुलखनपैजवलगिनपायपषानिहौं ॥
 ॥ तवलगिनतुलसीदासनाथकपालपानउतानिहौं ॥
 ॥ **सो** सुनिकेवटकेवैन ॥ प्रेमलपेटेअटपेटे ॥ ॥
 ॥ विहसेकनुनाअैन ॥ चितइजानकीलखनतन ॥ १०२ ॥
 ॥ **चौ** कृपासिंधुबोलेमुसुकाई ॥ सोइकनुजेहिंतवनावनजाई ॥ ॥
 ॥ वेगिआनुजलपायपषानू ॥ होतविलंबउतानहिपाहू ॥ ॥
 ॥ जासुनामसुमिनतऐकवाना ॥ उतरहिँननभवसिंधुआपाना ॥
 ॥ सोइकृपालकेवटहिनिहोना ॥ जेहिजगकियतिहुँपगहुँतेथोना ॥
 ॥ पदनखनिनधिदेवसिहवषी ॥ सुनिप्रनुवचनमोहमतिकनषी ॥
 ॥ केवटनामनजायसुपावा ॥ मिटेदोषदुषदानिदहावा ॥ ॥
 ॥ बहुतकालमइकीन्हिमजूनी ॥ आजुहीन्हिविधिवलिनलिजूनी ॥
 ॥ अबकछुनाथनचाहियमोने ॥ दीनदयालअनुग्रहतोने ॥ ॥
 ॥ फिरतिवानमोहिजोप्रनुदेवा ॥ सोप्रसादमहिसिनधनिलेवा ॥
 ॥ **दोहा** बहुतकीन्हप्रनुलखनसियनहिकछुकेवटलेइ ॥
 ॥ विहाकीन्हकनुनायतनभगतिविमलवउदेइ ॥ १०४ ॥
 ॥ **चौ** तवमज्जनकनिनधुकुलनाथा ॥ पूजिपानथिवनाऐउमाथा ॥ ॥
 ॥ सियसुनसनिहिकहेउकनजोनी ॥ मातुमनोनथपुनउवमोनी ॥ ॥
 ॥ पतिदेवनसंगकुशलबहोनी ॥ आइकनौंजेहिपूजातोनी ॥ ॥
 ॥ सुनिसियविनयप्रेमनससानी ॥ भइतवविमलवानिवनबानी ॥
 ॥ सुनुनधुवीनप्रियावैदेहा ॥ तवप्रनाबजगविदितनकेहा ॥
 ॥ लोकपहोहिँविलोकततोने ॥ तोहिसेबहिसवसिधिकनजोने ॥
 ॥ तुम्हजोहमहिवीडिविनयसुनाई ॥ कृपाकीन्हमोहिहीन्हिवडाई ॥ ॥

॥ तदपि देवैर्देवि श्रुती सा ॥ ॥ ॥ ॥ सफल होन हित निज वगि सा ॥
 ॥ दोहा ॥ प्रान नाथ देवन सहित कुशल कोशाला आइ ॥ ॥
 ॥ पूजिहि सब मन काम ना सुज सुनहि हि जग घटाइ ॥ ॥ ॥
 ॥ चौ गंग वचन सुनि मंगल मूल ॥ मुदित सीय सुन सपि अनुकूल ॥
 ॥ तव प्रभु गुह कहि कहि उघन जाहू ॥ सुनत सख मुख ना उन दाहू ॥
 ॥ दीन वचन गुह कह कर जोनी ॥ विनय सुनहु न घु कुल मनि मेनि ॥
 ॥ नाथ साथ रहि पंथु देखाई ॥ कनि दिन चा निचन न सेव काई ॥
 ॥ जेहि वन जाइ न हवन घुनाई ॥ पवन कुटी मे कर व सुहाई ॥
 ॥ तव मोहि कह जसि देवन जाई ॥ सोइ कनि हो न घुवी न दोहाई ॥
 ॥ सहज सनेहु नाम लखितासू ॥ संगली नु गुह हू दय हुलासू ॥
 ॥ पुनि गुह जाति बोलि सब लीने ॥ कनि पनि तोष विदा सब कीने ॥
 ॥ चले सकल तव कन तव धाना ॥ सील वंत गुन ग्यान निधाना ॥
 ॥ दोहा ॥ तव गन पतिसि व सुमिनि प्रभु नाइ सुन सनिहि माथ ॥
 ॥ सखा अनुज सिय सहित वन गवन कीन्ह न घुनाथ ॥ ॥ ॥
 ॥ चौ तेहि दिन न एउ विट पतन वासू ॥ लखन सखा सब कीन्ह सुपासू ॥
 ॥ प्रात प्रात कृत कनि न घुनाई ॥ तीन थ नाज दीष प्रभु जाई ॥
 ॥ सचिव सत्य भ्रष्टा प्रिय नानी ॥ माधव सनि समीत हित कानी ॥
 ॥ चानि पटान थन्न नाने डातू ॥ पुन्य प्रदे सदे स अति चानू ॥
 ॥ छेत्र अगम गढ गाढ सुहावा ॥ सपनेहु नहि प्रति पछि नुषावा ॥
 ॥ सेन सकल तीन थ वन बीना ॥ कलुष अनी कटलन न धीना ॥
 ॥ संगम सिंहासन सुठि सोहा ॥ छत्र अषय बट मुनि मन मोहा ॥
 ॥ चमन जमुन अनु गंग तनंगा ॥ देखि होहि दुष दानि दनंगा ॥
 ॥ दोहा ॥ सेवहिं सुकृती साधु सुचि पाँवहिं सब मन काम ॥
 ॥ बंदी वेद पुनान गन कहहिं विमल गुन ग्राम ॥ ॥ ॥
 ॥ चौ को कहि सके प्रयाग प्रनाउ ॥ कलुष पुंज कुंजन मृग नाउ ॥
 ॥ असती नथ पति देखि सुहावा ॥ सुष सागन न घु पति सुष पावा ॥
 ॥ कहि सिय लखन हि सखहि सुनाई ॥ श्री मुख तीन थ नाज वडाई ॥
 ॥ कनि प्रनाम देखत वन वागा ॥ कहत महातम अति अनु नागा ॥

अथोद्धा०

॥२९॥

॥ ऐहिविधिआइविलोकिउवेनी ॥ सुमिनतसकलसुमंगलदेनी ॥
 ॥ मुदितनहाइकीन्हिसिवसेवा ॥ पूजिजयाविधितीनथदेवा ॥
 ॥ तवप्रभुजनदाजपहिंआए ॥ कनतंदउवतमुनिउनलाए ॥
 ॥ मुनिमनमोहनकहिकछुजाई ॥ ब्रह्मानंदनासिजनपुपाई ॥

॥ दोहा ॥ दीन्हसिआसमुनीसउनअतिअनंदअसजानि ॥

॥ लोचनगोचनसुकृतफलमनहुंकिऐविधिआनि ॥ १०८ ॥

॥ चौकुशलप्रश्नकपिआसनदीन्ह ॥ पूजिप्रेमपनिपूरनकीन्ह ॥
 ॥ कंदमूलफलअंकुननीके ॥ दियेआनिमुनिमनहुंअमीके ॥
 ॥ सियलखनजनसहितसुहाए ॥ अतिनुचिनाममूलफलखाए ॥
 ॥ नयेविगतअमनामसुधाने ॥ मनदाजमदुवचनउचाने ॥
 ॥ आजुसफलतपतीनथप्रागू ॥ आजुसफलजपजोगविनागू ॥
 ॥ सफलसकलसुनसाधनसाजू ॥ नामतुम्हहिअवलोकतआजू ॥
 ॥ लाभुअवधिसुखअवधिनदूजी ॥ तुम्हनेदनसआससवपूजी ॥
 ॥ अवकनिकृपादेहुवनऐहू ॥ निजपदसनसिजसहजसनेहू ॥

॥ दोहा ॥ कनमवचनमनछाँडिछलजवलगिजननतुम्हान ॥

॥ तवलगिसुखसपनेहुंनहिकिऐकोटिउपचान ॥ १०९ ॥

॥ चौमुनिमुनिवचननामकुचाने ॥ नावन्नगतिआनंदअधाने ॥
 ॥ तवनद्युवनमुनिसहजसुहावा ॥ कोटिनातिकहिसर्वहिसुनावा ॥
 ॥ सोवडसोइसवगुनगनगेहू ॥ जेहिमुनीसतुम्हआदनदेहू ॥
 ॥ मुनिनद्युवीनपनसपननवहि ॥ वचनअगोचनसुखअनुभवहि ॥
 ॥ यहसुधिपाइप्रयागनिवासी ॥ वदुतापसमुनिसिद्धउदासी ॥
 ॥ ननदाजआश्रमसवआए ॥ देखनदसनथसुअनसुहाए ॥
 ॥ नामप्रनामकीन्हसवकाहू ॥ मुदितनऐलहिलोचनलाहू ॥
 ॥ देहिअसीसपनमसुखपाई ॥ फिरेसनाहतसुदनतार्दि ॥

॥ दोहा ॥ नामकीन्हविश्रामनिसिप्रातप्रयागनहाइ ॥

॥ चलेसहितसियलखनजनमुदितमुनिहिंसननाई ॥ ११० ॥

॥ चौनामसप्रेमकहेउमुनिपाँहि ॥ नाथकहियहमकेहिमगजाँहि ॥
 ॥ मुनिमनविहसिनामसनकहहि ॥ सुगमसकलमगतुम्हकोअहहि ॥

॥ साथलागिमुनिसिष्यबोलाये ॥ ॥ सुनिमनमुदितपचासकआये ॥
 ॥ सबहिनामपटप्रेमअपाना ॥ ॥ सकलकहहिंमगटिअहमाना ॥
 ॥ मुनिवडुचानिसंगतबलीन्हे ॥ ॥ जिन्हवहुजन्ममुकृतसबकीन्हे ॥
 ॥ कनिप्रनामुनिषिआयसुपाई ॥ ॥ प्रमुदितहृदयचलेनधुनाई ॥
 ॥ ग्रामनिकटनिकसहिजवजाई ॥ ॥ देखहिदुनसनानिनरधाई ॥
 ॥ होहिंसनाथजनमफलपाई ॥ ॥ फिन्हिदुषितमनसंगपठाई ॥
 ॥ दोहा विद्याकिएवडुविनयकनिफिनेपाइमनकाम ॥

॥ उत्तनिनहाऐजमुनजलजोसनीनसमस्याम ॥ १११ ॥

॥ चौ सुनततीनबासीनननारी ॥ ॥ धाऐनिजनिजकाजविसारी ॥
 ॥ लखननामसियसुंदरताई ॥ ॥ देखिकनहिनिजनाग्यवडाई ॥
 ॥ अतिलालसावसहिमनमाहिं ॥ नाउगांउबूहतसकुचाहिं ॥
 ॥ जेतिन्हमहवयविनधसयाने ॥ तिन्हकनिजुगुतिनामपहिचाने ॥
 ॥ सकलकथातिन्हसबहिसुनाई ॥ वनहिचलेपितुआयसुपाई ॥
 ॥ सुनिसविषादसकलपछितहिं ॥ नानीराउकीन्हनलनाहिं ॥
 ॥ तेहिअवसनऐकुतापसआवा ॥ तेजपुंजलधुवयससुहावा ॥
 ॥ कविअलखितगतिवेषुविनागी ॥ मनक्रमवचननामअनुनागी ॥

॥ दोहा सजलनयननिजतनपुलकइष्टदेवपहचानि ॥

॥ पनेउटंडजिमिधननितलटसानजातिवधानि ॥ ११२ ॥

॥ चौ नामसप्रेमपुलकिउनलावा ॥ परमनंकजनुपानसपावा ॥
 ॥ मनहुंप्रेमपरमानथटोडु ॥ मिलतधनेतनुकहसबकोडु ॥
 ॥ बहुनिलखनपायनसोइलागा ॥ लीन्हउठाइउमगाअनुनागा ॥
 ॥ पुनिसियचननधूनिधनिसीसा ॥ जननिजानिसिसुदीन्हअसीसा ॥
 ॥ कीन्हनिषादटंडवततेहि ॥ मिलेउमुदितलाधिरामसनेहि ॥
 ॥ पियतनयनपुटरूपपियूया ॥ मुदितसुअसनपाइजिमिचूया ॥
 ॥ पुनिप्रनुपटसनोजसिनुनावा ॥ जानिप्रीतिनधुवनमननावा ॥
 ॥ उनधनिध्याननजायसुपाई ॥ चलेउमुदितमनअतिहनखाई ॥

अपेक्षा०

॥२२॥

॥तेपितुमातु कहहु सखि कैसे ॥॥ ॥जिन्ह पठैवनवाल कअसे ॥
॥नामलखनसियनूपनिहानी ॥ सोचसनेहविकलनननानी ॥॥

॥दोहा॥ तवनधुबीनअनेकविधिसखिसिखावनदीन्ह ॥

॥नामनजायसुसिसधनिनवनगवनतेहि कीन्ह ॥११३॥

॥चौ॥ पुनिसियनामलखनकनजोनी ॥ जमुनहि कीन्ह प्रनामवहेनी ॥
॥चलेसंगसियमुदितदोउनाई ॥ नवितनुजाकइकनतवडाई ॥॥

॥पथिकअनेकमिलहिमगजाता ॥ काहुसिप्रेमदेखिदोउनाता ॥
॥नामलखनसवअंगतुम्हाने ॥ देखिसोचअतिहृदयहमाने ॥॥

॥मानगचलहुपयादेहिपाँपे ॥ ॥जोगतिषहूअमानेजाँपे ॥॥
॥अगमपंथगिनिकानननानी ॥ तेहिमहसाथनानिसुकुमानी ॥

॥कनिकेहनिवनजाइनजोई ॥ हमसंगचलीहंजोआयसुहोई ॥
॥जावजहलगतहंपहुचाई ॥ फिरववहनितुम्हसिनुनाई ॥

॥दोहा॥ ऐहिविधिपूँछहिप्रेमवसपुलकगातजलनयन ॥॥

॥क्रपासिंधुफेनहिंतिन्हिकहिविनीतमदुवयन ॥११४॥

॥चौ॥ जेपुनगाववसहिंमगमाहिं ॥ तिन्हिं नागसुननगनुसिहहिं ॥
॥केहिसुकतीकेहिघनीवसापे ॥ धन्यपुन्यमयपनमसुहापे ॥

॥जहंजहं नामचननचलिजहिं ॥ तिन्हसमानअमनावतिनहिं ॥
॥पुन्यपुंजमगनिकटनिवासी ॥ तिन्हसिनाहहिंसुनपुनवासी ॥

॥जेननिनयनविलोकहिंमामीहिं ॥ सीतालखनसहितघनस्यामीहिं ॥
॥जेसनसनितनामअवगाहहिं ॥ तिन्हिदेवसनसनितसनाहीहिं ॥

॥जेहितउतनप्रभुवैठहिंजाई ॥ कनहिंकलपतनुतासुवडाई ॥
॥पनसिनामपटपहुमपरागा ॥ मानतिन्हूमिभरनिनिजजागा ॥

॥दोहा॥ छंहाकनहिंघनविबुधगनवनखहिंसुमनसिहीहिं ॥

॥देखतगिनिवनविहंगमगनामचलेमगजाहिं ॥११५॥

॥चौ॥ सीतालखनसहितनघुनाई ॥ गौवनिकटजवनिकसहिजाई ॥
॥सुनिसववालदखनननानी ॥ चलहिंतुनतग्रहकाजविसानी ॥

॥नामलखनसियनूपनिहानी ॥ पाइनयनफलहोहिंसुषानी ॥
॥सजलविलोचनपुलकसनीना ॥ सबजेमगनदेखिदोउवीना ॥॥

॥ वननिन जाइ दसातिन्ह केनी ॥ लहिजनुनं कसो नमनि छेनी ॥
 ॥ ऐकन्ह ऐक बोलिसिखे देहीं ॥ लोचन लाहु लेहु छिन ऐहीं ॥
 ॥ नामहि देखि ऐक अनुनागे ॥ चितवत चले जाहिं संगलागे ॥
 ॥ ऐक नयन मग छवि उन आनी ॥ होहिं सिथिल तन मन वनवानी ॥
 ॥ ऐक कहहिं यइ कुवन सलोने ॥ बहुनिकि कवअइहिं ऐहिं गौने ॥
 ॥ दोहा ॥ ऐक देखि वट छाह नलिडा सिम दुलत न पात ॥ ॥
 ॥ कहहिं गवाइ अछिन कुअम गवन वअवीहिं किशत ॥ ११६ ॥
 ॥ चौ ॥ ऐक कलस ननि आनहिं पानी ॥ अचइय नाथ कहहिं म्दुबानी ॥
 ॥ सुनि प्रिय वचन प्रीति अति देखी ॥ नाम कपाल सुसील विसेषी ॥
 ॥ जानी अमित सिय मन मोहिं ॥ धनिक विलंब कीन्हि वट छेहिं ॥
 ॥ मुदित नानि न देखहिं सोना ॥ रूप अनूप नयन मन लोना ॥
 ॥ ऐकटक सव जो वहिं चहुं ओरा ॥ नाम चंद मुख चंद चकोना ॥
 ॥ तनु नत माल वन नतनु सोहा ॥ देखत कोटि मदन मन मोहा ॥
 ॥ दामिनि वन नल धन मुठिनी के ॥ नख सिख सुन गगां वते जी के ॥
 ॥ मुनि पटकठिन कसेत नीना ॥ सोहहिं कनक मल निधनु तीना ॥
 ॥ दोहा ॥ जटामुकुट सीसन्ह सुन गउन नुज नयन विसाल ॥
 ॥ सनद पन वविधु वदन वनल सत खिदकन जाल ॥ ११७ ॥
 ॥ चौ ॥ वननिन जाइ मनोहन जोनी ॥ सोचावहुत मोनि मतिथोनी ॥
 ॥ नाम लखन सिय सुंदर ताई ॥ सवचित बहिचित मन मति लाई ॥
 ॥ थके नानि नन प्रेम पिपासे ॥ मनहुं मगी मग देखि दिआसे ॥
 ॥ सिय समीप ग्रामति यजहिं ॥ पूछत अतिसनेह सकुचाहिं ॥
 ॥ वान वान सव लागहि पाये ॥ कहहिं वचन म्दुसल सुजाये ॥
 ॥ राजकुमानि विनय हम कनहिं ॥ तिय सुजावह म पूछत उनहिं ॥
 ॥ स्वामिनि अविनय हम वहुमानी ॥ बिलगुन मान विजानि गवारी ॥
 ॥ राजकुंअ न होउ सहुज सलोने ॥ इन्हते लहि दुति मन कत सोने ॥
 ॥ दोहा ॥ स्यामल गोन कि सो नवन सुंदर मुख माअयन ॥
 ॥ सनद सर्व नीताथ मुख सनद सनो नुहन यन ॥ ११८ ॥
 ॥ चौ ॥ कोटि मनो जल जावनिहने ॥ ॥ सुमुखि कहहु को आहि तुम्हाने ॥

अयोध्या ०

॥२३॥

॥ सुनिसनेहमयमंजुलवानी ॥ ॥ सकुचीसीयमनहुंमुसुकानी ॥
 ॥ तिरुहिविलोकिविलोकतधरनी ॥ दुहुंसंकोचसकुचतिवनवनी ॥
 ॥ सकुचिसप्रेमवालमगनयनी ॥ बोलीमधुनवचनपिकवयनी ॥
 ॥ सहजसुजायसुन्नगतनगोने ॥ नामुलषनलघुदेवनमोने ॥
 ॥ बहुनिवदनविधुअंचलछाकी ॥ पियतनचितइत्रौहकरिबांकी ॥
 ॥ स्यामवननविसालनुजनयना ॥ अतिसुंदरबोलनिमृदुवयना ॥
 ॥ खंजनमंजुतिनीक्षेनयननि ॥ निजपतिकहेउतिरुहिसियसयननि ॥
 ॥ नईमुदितसवग्रामवधूटी ॥ ॥ नंकनूनायनासिजनूलूटी ॥
 ॥ दोहा ॥ अतिसप्रेमसियपायपनिबहुविधिदेहिअसिस ॥
 ॥ सदासोहागिनिहोहुतुम्हजवलगिमहिअहिसिस ॥ ११६ ॥
 ॥ चौ ॥ पानवतीसमपतिप्रियहोहू ॥ देविनहमपनछांडवछेहू ॥
 ॥ पुनिपुनिविनयकनहिकनजेनी ॥ जौऐहिमानगफिनियवहोनी ॥
 ॥ इनसनदेवजानिनिजदासी ॥ लषीसीयसवप्रेमपियासी ॥
 ॥ मधुनवचनकहिकहिपनितेथी ॥ जनुकुमुदिनिकोमुदानिपोथी ॥
 ॥ तबहिलषननघुवननुषजानी ॥ पूँछेउमगुलोगनूमृदुवानी ॥
 ॥ सुनतनानिनननऐदुषानी ॥ पुलकितगातविलोचनवानी ॥
 ॥ मिटामोदमननऐमलीने ॥ विधिनिधिदीरुलेतजनुधिने ॥
 ॥ समुदिकनमगतिधीनजुकीनू ॥ सोधिसुगममगतिरुहिकहिदीनू ॥
 ॥ दोहा ॥ लषनजानकीसहिततवगवनुकीनूनघुनाथ ॥
 ॥ फेनेसवप्रियवचनकहिलियेलाइमनुसाथ ॥ १२० ॥
 ॥ चौ ॥ फिनतनानिननअतिपधितहिं ॥ देवहिदोषुदेइमनमाहिं ॥
 ॥ सहितविषादपनसपनकहहिं ॥ विधिकनतबउलटेसवअरहिं ॥
 ॥ निपटनिरंकुसनिठुननिसंकू ॥ जेहिससिकीनूसनुजसकलंकू ॥
 ॥ रूषकलपतनुसागनधाना ॥ तेहिपठऐवननाजकुमाना ॥
 ॥ जौपेइरुहिदीनूवनवास् ॥ कीनूवादिविधिजोगविलास् ॥
 ॥ येवित्चनहिमगविनुपदत्राना ॥ नचेवादिविधिवाहननाना ॥
 ॥ येमहिपनहिडासिकुसपाता ॥ सुन्नगसेजकतसृजीविधाता ॥

॥ तनुवनवासइन्हिविधिदीन्ह ॥ धवलधामनचिअमकिमिकिन्ह ॥
 ॥ दोहा ॥ जौये मुनिपटधनजटिलसुंदनसुठिसुकुमान ॥
 ॥ विविधनौतिनूषनवसनवाहिकिऐकनतान ॥ १२१ ॥
 ॥ चौ ॥ जौऐककं दमूलफलषाहीं ॥ ॥ वाहिसुधाहिससनजगमाहीं ॥
 ॥ ऐककहहिंयैसहजसुहाऐ ॥ ॥ आपुप्रगटनऐविधिनवनाऐ ॥
 ॥ जहंलगिवेदकहहिंविधिकनती ॥ अवननयनमनगोचरवनती ॥
 ॥ देखहुषोजिनुवनदसचानी ॥ ॥ कहअसपुनखकहंअसिनारी ॥
 ॥ इन्हहिदेखिविधिमनअनुनागा ॥ पटतनजोगुवनावइलागा ॥
 ॥ कीन्हवहुतअमऐकनआऐ ॥ ॥ तेहिइनयावनआनिदुनाऐ ॥
 ॥ ऐककहहिंहमवहुतनजानीहं ॥ आपुहिपनमधन्यकनिमानहिं ॥
 ॥ तेपुनिपुंन्यपुंजहमलेखे ॥ ॥ जेदेखहिं देखिहीहंजिन्हदेखे ॥
 ॥ दोहा ॥ ऐहिविधिकहिकहिवचनप्रियलेहिनयनननिनीन ॥
 ॥ किमिबलिहहिंमानगअगमसुठिसुकुमानसनीन ॥ १२२ ॥
 ॥ चौ ॥ नानिसनेहविकलसबहेहीं ॥ ॥ चकईसाहसमयजनुसोहीं ॥
 ॥ मृदुपदकमलकाठिनमगुजानी ॥ गहवनिहृदयकहहिंमृदुवानी ॥
 ॥ पनसतमृदुलचननअनुनाने ॥ ॥ सकुचतिमहिजिमिहृदयहमाने ॥
 ॥ जौजगदिसइन्हिवनुदीन्ह ॥ ॥ कसनसुमनमयमानगकीन्ह ॥
 ॥ जौमागापाइयविधिपाहीं ॥ ॥ येनधिअहिसधिआधिनमाहीं ॥
 ॥ जेननानिनअवसनआऐ ॥ ॥ तिन्हसियनामनदेखनपाऐ ॥
 ॥ सुनिसनूपबूहहिअकुलाई ॥ अवलगिगऐकहंलगिजाई ॥
 ॥ समनयधाइविलोकहिजाई ॥ प्रमुदितफिनहिजनमफलुपाई ॥
 ॥ दोहा ॥ अवलावालकवरुजनकनमीजहिंपधितहिं ॥
 ॥ होहिंप्रेमवसलोगइमिनामजहंजहंजाहिं ॥ १२३ ॥
 ॥ चौ ॥ गौवगांवअसहोइअनंदू ॥ ॥ देखिजानुकुलकैरबचंदू ॥
 ॥ जेकछुसमाचानसुनिपावहि ॥ तेनपनानिहिहोसुलगावहि ॥
 ॥ कहहिंऐकअतिनलनननाहू ॥ दीन्हहमहिंजेहिलोचनलाहू ॥
 ॥ कहहिंपनसपनलोमलोगाई ॥ वातइसनलसनेहसुहाई ॥
 ॥ तेपितुमातुधन्यजिन्हजाऐ ॥ ॥ धन्यसोनगनुजहंतेआऐ ॥

अयोध्या०

॥ २४ ॥

॥ धन्यसोहेसुसयलवनगाऊं ॥ ॥ जहं जहं जाहिं धन्यसोहाऊं ॥
 ॥ सुषपायेउविनंचिनचितेहि ॥ ॥ येजेहिकेसवचोतिसनेहि ॥
 ॥ नामलखनपथकथासुहाई ॥ ॥ नहीसकलमगकाननधरई ॥
 ॥ दोहा ऐहिविधिनधुकुलकमलनविमगलोगनसुषदेत ॥
 ॥ जाहिंचलेदेखतविपिनिसियसोमित्रिसमेत ॥ ॥ १२४ ॥
 ॥ चौआगेनामलखनवनेपाछे ॥ ॥ तापसवेषविनाजतकाछे ॥
 ॥ उन्नयवीचसीयसोहइकेसैं ॥ ब्रह्मजीवविचमायाजैसें ॥ ॥
 ॥ बहुनिकहउघ्रविजसिमनवसई ॥ जनुमधुमदनमध्यनतिलसई ॥
 ॥ उपमाबहुनिकहउजियजोहि ॥ जनुबुधविधुविचनोहिनिसोहि ॥
 ॥ प्रनुपदनेषवीचविचसीता ॥ ॥ धनतिचननमगचलतसजीता ॥
 ॥ सीयनामपदअंकवचाऐ ॥ ॥ लखनचलहिमगुहाहिनलाऐ ॥
 ॥ नामलखनसियप्रीतिसोहाई ॥ वचनअगोचनकिमिकहिजाई ॥
 ॥ खगमगमगनरेषिछविहोई ॥ लियेचोनिचितनामबढोही ॥
 ॥ दोहा जिन्हजिन्हदेखेपथिकप्रियसीयसहितदोउभाई ॥
 ॥ नवमगअगमअनंदरूपविनुअमनहेसिनाई ॥ ॥ १२५ ॥
 ॥ चौअजहुजासुउनसपनेहुकाउ ॥ वसहितखनसियनामबढाउ ॥
 ॥ नामधामपथपाइहिसोई ॥ ॥ जोपथुपावकबहुमुनिकोई ॥ ॥
 ॥ तवनधुवीनअमितसियजानी ॥ देखिनिकटबटुसीतलपानी ॥
 ॥ तहंवसिकंदमूलफलखाई ॥ ॥ प्रातनहाइचलेनधुनाई ॥ ॥
 ॥ देखतवनसनसैलसुहाऐ ॥ ॥ बालमीकआश्रमप्रनुआऐ ॥ ॥
 ॥ नामदीधमुनिवाससुहावन ॥ सुंदनगिनिकाननजलपावन ॥
 ॥ सननिसनोजविटपवनफूले ॥ गुंजतमंजुमधुपनसज्जले ॥
 ॥ खगमगविपुलकुलाहलकनहिं ॥ विनहितवेनमुदितमनचनहिं ॥
 ॥ दोहा सुचिसुंदनआश्रमनिनधिहृदयेनाजिवनेन ॥
 ॥ मुनिनधुवनआगमनमुनिआगेअऐउलैन ॥ ॥ १२६ ॥
 ॥ चौमुनिकहुंनामदेउवतकीन्ह ॥ आसिनवाहविप्रवरदीन्ह ॥
 ॥ देखिनामधरविनयनजुडाने ॥ कनिसनमानआस्रमहिआने ॥
 ॥ मुनिवनअतिथिप्रानप्रियपाऐ ॥ कंदमूलफलमधुनमगाऐ ॥ ॥

॥ सियसोमित्रिनामफलषोणे ॥ ॥ तवमुनिआसनदिएसुहाये ॥
 ॥ बालमीकमनआनंदनानी ॥ ॥ मंगलमूनतिनेननिहानी ॥
 ॥ तवकनकमलजोनिनघुनाई ॥ बोलेवचनअवनसुषडाई ॥
 ॥ तुम्ह्रिकालइनसीमुनिनाथा ॥ विस्ववदनजिमितुम्हनेहाथा ॥
 ॥ असकहिप्रनुसवकथावषानी ॥ जेहिजेहिजाँतिदीन्हवनानी ॥
 ॥ दोहातातवचनपुनिमातुहितआइननतअसनाउ ॥
 ॥ मोकहइनसतुम्हानप्रनुसवममपुन्यप्रभाउ ॥ १२७ ॥
 ॥ चौदेखिपायमुनिनायतुम्हने ॥ ॥ नयेसुकतसवसफलहमाने ॥
 ॥ अवजहँनाउनआयसुहोई ॥ ॥ मुनिउदवेगुनपावइकोई ॥
 ॥ मुनितापसजिन्हतेदुषलहँ ॥ ॥ तेननेसविनुपावकइहँ ॥
 ॥ मंगलमूलविप्रपनितोषू ॥ ॥ इहइकोटिकुलनसुननोषू ॥
 ॥ असजियजानिकहियसोइठाउ ॥ सियसोमित्रिसहितजहँजाउ ॥
 ॥ तहँनचिनुचिनपननतनसाला ॥ वासुकनौकछुकालक्रपाला ॥
 ॥ सहजसनलमुनिनघुवनानी ॥ साधुसाधुबोलेमुनिग्यानी ॥
 ॥ कसनकहहुअसनधुकुलकेत ॥ तुम्हपालकसंततश्रुतिसेत ॥
 ॥ छंदश्रुतिसेतुपालकनामतुम्हजगदीसमायाजानकी ॥
 ॥ जोसजतिजगपालतिहनतिनुषपाइक्रपानिधानकी ॥
 ॥ सोसहससीसअहिसमहिधनलखनसचनाचनधनी ॥
 ॥ सुनकाजधनिननराजतनुचलेइलनखलनिसिचनअनी ॥
 ॥ सोनठा ॥ नामसरूपतुम्हान ॥ वचनअगोचनबुद्धिपन ॥
 ॥ अविगतअकथअपान ॥ नेतिनेतिनितनिगमकह ॥ १२८ ॥
 ॥ चौजगुपेखनतुम्हदेखिनिहने ॥ ॥ विधुसुनसंनुनचावनिहने ॥
 ॥ तेउनजानहिमनमतुम्हाना ॥ ॥ ओनतुम्हहिकोजाननिहना ॥
 ॥ सोइजानइजेहिदेउजनाई ॥ ॥ जानततुम्हइतुम्हइहोइजाई ॥
 ॥ तुम्हनिहिक्रपातुम्हिनघुनंदन ॥ जानहिभगतनगतउनचहन ॥
 ॥ चिदानंदमयदेहतुम्हानी ॥ ॥ विगतविकानजानअविकानी ॥
 ॥ ननतनधनेहुसंतसुनकाजा ॥ ॥ कहहुकनहुजसप्राकृतनाजा ॥
 ॥ नामदेखिसुनिचनिततुम्हने ॥ ॥ जडमोहहिबुधहोहिंसुखने ॥

अयोध्या०

॥२५॥

॥ तुम्हें जो कहहु करहु सब सोचा ॥ ॥ जस काँधि अतस चाहि अनौका ॥

॥ दोहा ॥ प्रेरेहु मोहि किन हों कहैं मैं प्रेरे तस कुचा उँगा ॥

॥ जहन होहु तहँ उँकहि तुम्हँ दिखै व उँठा उँगा ॥ १२८ ॥

॥ चौ सुनि मुनि वचन प्रेम न स साने ॥ सकुचि नाम मन महुँ सु सुकाने ॥

॥ बालमीक हँसि कहँ व होरी ॥ बानी मधुन अमिय न सवोरी ॥

॥ सुनहु नाम अव कहँ उँनिके ता ॥ जहाँ वसहु सिय लखन समेता ॥

॥ जिन्ह के श्रवण समुद्र समाना ॥ कथा तुलानि सुन ग सनि नाना ॥

॥ न रहँ निरंतर होहि न पूरे ॥ तिन्ह के हिय तुम्ह के हँ गुरु रे ॥

॥ लोचन बात क जिन्ह कनि नाथे ॥ न रहँ दन सजल धन अनिलोषे ॥

॥ निद नहिँ सनि तीसंधु सन नारी ॥ रूप बिंदु जल होहिँ सुषानी ॥

॥ तिन्ह के हृदय सदन सुषदायक ॥ वसहुँ वधु सिय सहन धुनायक ॥

॥ दोहा ॥ जसु तुम्हारा मान सविमल हँसि निजा हाजासु ॥

॥ मुकुता हलगुन गन चुनइ नाम वसहुँ मन तासु ॥ १३० ॥

॥ चौ प्रभु प्रसाद सुचि सुन ग सुवासा ॥ सादन जासु लहँ नित नानासा ॥

॥ तुम्हँ निवेदित नो जन कन हँ ॥ प्रभु प्रसाद पट नूखन धन हँ ॥

॥ सीसन बहिसुन गुन धिज देखी ॥ प्रीति सहित कनि विनय बिसेषी ॥

॥ करनित कनहिँ नाम पट पूजा ॥ नाम नो स हृदय नहिँ दूजा ॥

॥ चरन नाम तीरथ चलि जाहीं ॥ नाम वसहुँ तिन्ह के मन माहीं ॥

॥ मंत्र राजनित जपहिँ तुम्हारा ॥ पूजहिँ तुम्हँ सहित पवित्रा ॥

॥ तन पन होम करहिँ विधि नाना ॥ विप्र जे वाइ देहिँ वहु दाना ॥

॥ तुम्हँ अधिक गुन हिँ जिय जानी ॥ सकल भाय सेवहिँ सन मानी ॥

॥ दोहा ॥ सब कनि माँगहिँ एक फल नाम चरन नति होउ ॥

॥ तिन्ह के मन मंदिन वसहुँ सिय न धुन दन होउ ॥ १३१ ॥

॥ चौ नाम को हम दमान न मोहा ॥ लोचन छैन न राग न दोहा ॥

॥ जिन्ह के कपट दंन नहिँ माया ॥ तिन्ह के हृदय वसहुँ न धुनाया ॥

॥ सब के प्रिय सब के हित कानी ॥ दुष सुष सनिस प्रसंसागानी ॥

॥ कहँ सत्य प्रिय वचन विचारी ॥ जागत सो वत सन न तुझानी ॥

॥ तुम्हँ हिँ गडि गति दू सनि नाहीं ॥ नाम वसहुँ तिन्ह के मन माँहि ॥

॥ जननी सम जानहिँ पन नारी ॥ धनु पना व विष ते विष नारी ॥

॥ जेहन बहिषन संपत्ति देखी ॥ ॥ दुषित होहि पन विपत्ति विसेषी ॥
 ॥ जिन्हहि नाम तुम्ह प्रान पिपाये ॥ तिन्ह के मन सुन सदन तुम्हाने ॥
 ॥ दोहा स्वामि सखापितु मातु गुनु जिन्ह के सब तुम्ह तात ॥
 ॥ मन मंदिन तिन्ह के वसहु सीय सहित हो उत्रात ॥ १३२ ॥
 ॥ चौ अरु गुन तजि सब के गुन गहहि ॥ विप्रधेनु हित संकट सहहि ॥
 ॥ नीति निपुन जिन्ह के जग लीका ॥ घर तुम्हान तिन्ह कन मन नीका ॥
 ॥ गुन तुलान समुह हिनि जे दोसा ॥ जेहि सब नोति तुम्हान नोसा ॥
 ॥ नाम नग तप्रिय लागहि जेहि ॥ तेहि उन वसहु सहित वेदेहि ॥
 ॥ जाति पांति धनु धर्म वडाई ॥ प्रिय पतिवानु सदन सुषडाई ॥
 ॥ सब तजितुम्हहि नहि हिल वलाई ॥ तेहि के हृदय वसहु न धुनाई ॥
 ॥ सनग ननक अपवर्ग समाना ॥ जहं तहं देख धने धनुवाना ॥
 ॥ कनम वचन मनना उन चेना ॥ नाम कनहु तिन्ह के उन डेना ॥
 ॥ दोहा जाहिन चाहिय अरु हुं कथु तुम्ह सन सहज सनेहु ॥
 ॥ वसहु निनंत नता सुमन सोना उन निजगेहु ॥ १३३ ॥
 ॥ चौ ऐहि विधि मुनि वन बने देखी ॥ वचन सप्रेम नाम मन नाये ॥
 ॥ कह मुनि सुनहु नानु कुल नायक ॥ आश्रम कहहुं समय सुषदायक ॥
 ॥ चित्रकूट गिरिक नहुनि वास ॥ तहं तुम्हान सब नोति सुपास ॥
 ॥ सैल सुहावन कानन चानू ॥ कनिके हनि भृगु विहंग विहातू ॥
 ॥ नदी पुनीत पुनान वधानी ॥ अत्रि प्रिया निज तप वल आनी ॥
 ॥ सुन सनिधान नाउँ मंदाकिनि ॥ जो सब पात कपोत कडाकिनि ॥
 ॥ अत्रि आदि मुनि वन वहु वसहि ॥ कनहिं जोग जप तप तनु कसहि ॥
 ॥ चलहु सुफल अमर सब कनकनहू ॥ नाम देहु गौन वगिनि वनहू ॥
 ॥ दोहा चित्रकूट महिमा अमित कहि महामुनि गाइ ॥
 ॥ आइन हाऐ सनि वन सीय सहित हो उत्राइ ॥ १३४ ॥
 ॥ चौ नधुवन कहे उलयन नलघाट ॥ कतहुं कनहु अरु ठाहन ठाटू ॥
 ॥ लखन दीप पय उतन कनाना ॥ बहूँ दिशि फिरे उधनु यजि मिना ॥
 ॥ नदी पन चसन समदम दाना ॥ सकल कलुष कलिसा उजनाना ॥
 ॥ चित्रकूट जनु अचल अहेनी ॥ बुकइन घात मान मुठनेनी ॥

अयोध्या०

॥ असकहिलधनठाउँ देखनावा ॥ ॥ यलुविलोकिनघुवनसुषुपावा ॥
 ॥ नमेउनाममनदेवकृजाना ॥ ॥ चलेसहितसुनपतिपरधाना ॥
 ॥ कोलकिनातवेधसवआये ॥ ॥ नचेपननतनसहनसुहाये ॥
 ॥ वननिनजाहिंमंजुदुइसाला ॥ ॥ ऐकललितलघुऐकविसाला ॥
 ॥ दोहा लखनजानकीसहितप्रनुनाजतनुचिननिकेत ॥
 ॥ सोहमहनमुनिवेधजनुरतिनितुनाजसमेत ॥ १३५ ॥
 ॥ चौ अमननागकिंनूरदिसिपाला ॥ चित्रकूटआऐतेहिकाला ॥ ॥
 ॥ नामप्रनामकीन्हसवकाहू ॥ ॥ मुदितदेवलहिलोचनलाहू ॥ ॥
 ॥ वरधिसुमनकरुदेवसमाजू ॥ ॥ नाथसनाथभएसवआजू ॥ ॥
 ॥ करिविनतीदुषदुसहसुनाये ॥ ॥ हनधितनिजनिजसहनसिधये ॥
 ॥ चित्रकूटनघुनंदनघाये ॥ ॥ समाचानसुनिसुनिमुनिआये ॥
 ॥ आवतदेधिमुदितमुनिबंदा ॥ ॥ कीन्हइंडवतनघुकुलनंदा ॥ ॥
 ॥ मुनिनघुवनहिलाइउनलेहिं ॥ ॥ सुफलहोइहितआसिधदेहिं ॥
 ॥ सियसौमित्रिनामछविदेधहिं ॥ ॥ साधनसकलसुफलकैलेषहिं ॥
 ॥ दोहा जथाजोगसनमानिप्रनुविहाकिएमुनिबंद ॥ ॥
 ॥ कनहिजोगजपजागतपनिजआश्रमन्हिसुधंद ॥ १३६ ॥
 ॥ चौ यहसुधिकोल्किनातनरुपाई ॥ ॥ हनयेजनूननिधिघनआई ॥
 ॥ कंदमूलफलभनिननिहोना ॥ ॥ चलेनंकजनूलूचन ॥ ॥ सोना ॥
 ॥ तिन्हमहजिन्हदेधेहोउभ्राता ॥ ॥ अपनतिन्हहिंऐइहिमगजाता ॥
 ॥ कहतसुनतनघुवीननिकाई ॥ ॥ आइसवन्हदेधेनघुनाई ॥ ॥
 ॥ कनहिंजुहाननैटधनिआगे ॥ ॥ प्रनुहिविलोकिहिंअतिअनुनागे ॥
 ॥ चित्रलिखेजनुजहंतहंठाछे ॥ ॥ पुलकसनीननयनजलवाछे ॥
 ॥ नामसनेहमगनसवजनिं ॥ ॥ कहिप्रियवचनसकलसनमानि ॥
 ॥ प्रनुहिजुहानिवहोनिवहोरी ॥ ॥ वचनविनीतकहहिंकनजोरी ॥
 ॥ दोहा अवहमनाथसनाथसवभएदेधिप्रनुपाय ॥
 ॥ नागहमानेआगमननाउनकोसलनाय ॥ १३७ ॥
 ॥ चौ धन्यभूमिवनपंथपहाना ॥ ॥ जहंजहंनथपाउँतुमूधाना ॥
 ॥ धन्यविहंगमगकाननचानी ॥ ॥ सफलजनमनयेतुमूहिनिहनी ॥

॥ हमसवधन्यसहितपनिवाना ॥ शेषद्वयसन्ननिनयनतुम्हाना ॥
 ॥ कीन्हवासनलठाउँ विचारी ॥ ईहासकलनितुम्हसुखसुखी ॥
 ॥ हमसवन्नौतिकनवसेवकाई ॥ कनिकेहनिअहिवाघवराई ॥
 ॥ वनवेहुडगिनिकेद्वयषोहा ॥ सवहमानप्रभुपगपगजोहा ॥
 ॥ जहँतहँतुम्हहिअहेनखेलाउव ॥ सननिहँनसवठाँउदेखाउव ॥
 ॥ हमसेवकपनिवानसमेता ॥ नाथनसकुचवआयसुदेता ॥
 ॥ दोहा ॥ वेदवचनमुनिमनअगमतेप्रभुकनुनाअयन ॥
 ॥ वचनकिनातन्हकेसुनतजिमिपितुवालकवयन ॥ ३८ ॥
 ॥ चौ ॥ नामहिकेवलप्रेमपियाना ॥ जानिलेउजोइजाननिहाना ॥
 ॥ नामसकलवनचनतवतोषे ॥ कहिमदुवचनप्रेमपनिषोषे ॥
 ॥ विहाकिएसिननाइसिधाऐ ॥ प्रभुगुनकहतसुनतघनआऐ ॥
 ॥ ऐहिविधिसियसमेतदोउनाई ॥ बसहिविपिनिसुनमुनिसुखदाई ॥
 ॥ जवतेआइनहेनघुनाऐक ॥ तवतेनेवनमंगलदोऐक ॥
 ॥ फूलहिँफूलहिँविटपविधिनाना ॥ मंजुफलितवनवेलिवित्ताना ॥
 ॥ सुनतनुसनिससुन्नायसुहाऐ ॥ मनहुविबुधवनपनिहनिआऐ ॥
 ॥ गुंजमंजुतनमधुकनसेनी ॥ त्रिविधवयानिवहेसुखदेनी ॥
 ॥ दोहा ॥ नीलकंठकलकंठसुकचातकचक्रचकोन ॥
 ॥ नौतिनौतिबोलहिविहंगअवनसुखदचित्तचोन ॥ ३९ ॥
 ॥ चौ ॥ कनिकेहनिपिकोलकुनंगा ॥ विगतवैनविचनहिसवसंगा ॥
 ॥ फिनतअहेननामछविदेधी ॥ होहिँमुदितमृगबंदविसेधी ॥
 ॥ विबुधविपिनजहँलगिजगमहिँ ॥ देखिनामवनसकलसिहहिँ ॥
 ॥ सुनसनिसनसइदिनकनकन्या ॥ मेकलसुतागोदावनिधन्या ॥
 ॥ सुनसनिसिंधुनदीनहनाना ॥ मंदाकिनिकनकनहिवषाना ॥
 ॥ उदयअस्तगिनिअनुकेलास ॥ मंदनमेनुसकलसुनवास ॥
 ॥ सेलहिँमाचलआदिकजेते ॥ चित्रकूटजसगावहिँतेते ॥
 ॥ विंधुमुदितमनसुखनसमाइ ॥ अमविनुविपुलवडाईपाई ॥
 ॥ दोहा ॥ चित्रकूटकेविहंगमृगवेलिविटपत्तनजाति ॥
 ॥ पुंन्यपुंजसवधन्यअसकहहिँदेवदिनजाति ॥ ४० ॥

CC-0. Chambal Archives Etawah.

॥ दोहा ॥ नाम लखन सीता सहित सोहत पन न निकेत ॥ १४३ ॥

॥ जिमि वास वस स अमन पुन सची जयेत समेत ॥ १४३ ॥

॥ चौ ॥ जोग बहि प्रनु सिय लखन हि कै सैं ॥ पलक बिलोचन गोल क जै सैं ॥
 ॥ सेव हिलखन सीय न घुबी रहि ॥ जिमि अविबेकी पुनुष शनी रहि ॥
 ॥ ऐहि विधि प्रनु वन वसहि सुषानी ॥ षग मगा सुन ताप सहित कानी ॥
 ॥ कहे उ नाम वन गवन सुहावा ॥ सुनहु सुमंत अवध जिमि आवा ॥
 ॥ फिने हुनिषाद प्रनुहि पंहु चार्ड ॥ सचि व सहित नथु दैषि सि आर्ड ॥
 ॥ मंत्रि हि वि कल बिलोकि निहादू ॥ कहिन जाइ जस न ऐउ विषादू ॥
 ॥ नाम नाम सिय लखन पुकानी ॥ पने उधर नित लव्या कुल नानी ॥
 ॥ दैषि दैषि नहि सि हय हिं हिं नाहि ॥ जनु विनु पंष विहंग अकुल हाहि ॥

॥ दोहा ॥ नहित न चरहि न पिय हि जलु मोच हिलोचन वानि ॥

॥ ब्याकुल न ऐउ निषाद तवन घुवन वाजि निहानि ॥ १४४ ॥

॥ चौ ॥ धनि धीन जुत व कह इनिषादू ॥ अव सुमंत पनि हनहु विषादू ॥
 ॥ तुम्ह पंडित पन मान थग्याता ॥ धन हुधीन लखि वाम विधाता ॥
 ॥ विविध कथा कहि कहि मिदु वानी ॥ नथ वेठाने उवन वस आनी ॥
 ॥ सोक सिधिल नथ सकै न हाकी ॥ नघुवन विनह पीन उन वांकी ॥
 ॥ तन फनै हिं मग चल इन घोने ॥ वन मग मनहु आनि नथ जोने ॥
 ॥ अटक परहि फिनि हेनहि पीछे ॥ नाम वियोग विकल दुषतीछे ॥
 ॥ जो कह नाम लखन वै दै हि ॥ हिं कनि हिं कनि हित हेनहि तेहि ॥
 ॥ बाजि विनह गतिकहि किमि जाति ॥ विनमनि फनि कविकल जेहि जाति ॥

॥ दोहा ॥ न ऐउ निषाद विषाद वस दैषत सचि वतु नंग ॥

॥ बोलि सुसेवक बानित वटि ऐसान थीसंग ॥ १४५ ॥

॥ चौ ॥ गुहसान थिहि फिने पंहु चार्ड ॥ विनह विषाद वन निनहि जाई ॥
 ॥ चले अवध लेइ नथ हि निषादा ॥ होहिं छनी हिं छन मगन विषादा ॥
 ॥ सोच सुमंत विकल दुषटीना ॥ धिग जीवन नघुबीन विहिना ॥
 ॥ रहि हिन अंतहु अधम सनीरू ॥ जसन लहे उविधुन तन घुबीरू ॥
 ॥ न ऐ अज स अघ नाजन प्राना ॥ कवन हेतु नहि करहिं पयाना ॥
 ॥ अहमं मन अवसन चूका ॥ अज हुन हृदय होत दुई दूका ॥

अयोध्या०

॥२८॥

॥ मीजिहायसिनुधुनिपछितार्इ ॥ मनहुं कृपिन धननासिगैबाई ॥
 ॥ विनदवांधिवनवीनकहाई ॥ चले उसमनजनुसुनटपनाई ॥
 ॥ दोहा विप्रविवेकिवेदविदसंमतसाधुसुजाति ॥ गंगा ॥
 ॥ जिमिधोयेंमदृपानिकनसचिवसोचतेहिजाति ॥ १४६ ॥
 ॥ चौ जिमिकुलीनत्रियसाधुसयानी ॥ पतिदेवताकनममनवानी ॥
 ॥ नहेकनमवसपनिहनिनाह ॥ सचिवहुदयतिमिहानुनडाह ॥
 ॥ लोचनसजलडीठिनइथानी ॥ सुनेनश्रवनविकलमतिनेनि ॥
 ॥ स्खहिंअधनलागिमुखलाटी ॥ जिउनजाइउनअवधिकपटि ॥
 ॥ विवननभएउनजाइनिहानी ॥ मानेसिमनहुपितामहतानी ॥
 ॥ हानिगलानिविपुलमनवापी ॥ जमपुनपंथसोचजिमिपापी ॥
 ॥ वचननआवहुदयपछितार्इ ॥ अवधकाहमेदेखवजाई ॥ ॥
 ॥ नामनाहितनयदेखिहिजोई ॥ सकुचिहिमोहिविलोकतसोई ॥
 ॥ दोहा धाइपूछिहिमोहिजवविकलनगननननानि ॥
 ॥ उतनुदेवमैसवहितवहुदयवज्रवैठानि ॥ गंगा ॥ १४७ ॥
 ॥ चौ पूछिहिदीनदुषितसवमाता ॥ कहवकाहमेतिन्हइविधाता ॥
 ॥ पूछिहिजवहिलखनमहतानी ॥ कहिहौंकवनसंदेससुखानी ॥
 ॥ नामजननिजवआइहिधाई ॥ सुमिनिवधजिमिधेनुलवाई ॥
 ॥ पूछतउतनुदेवमइतेही ॥ गेवननामलखनवैदेही ॥ गंगा ॥
 ॥ जोइपूछिहितेहिउतनुदेवा ॥ जाइअवधअवयहसुखलेवा ॥
 ॥ पूछिहिजवहिंनाउदुषदीना ॥ जीवजासुनधुनाथअधीना ॥
 ॥ देहुउतनुकवनमुखलाई ॥ आफेउकुशलकुंअनपहुचाई ॥
 ॥ सुनतलखनसियनामसंदेस ॥ तनजिमितनुपनिहनिहिनैरस ॥
 ॥ दोहा हुदयनविदनेउपंकजिमिविधुरतशीतमनीन ॥
 ॥ जानतहौंमोहिदीन्हविधियहजातनासनीन ॥ १४८ ॥
 ॥ चौ ऐहिविधिकनतपंथपछितावा ॥ तमसातीनतुनतरथआवा ॥
 ॥ विहाकिएकनिबिनयनिषादा ॥ फिनेपायपनिविकलविषादा ॥
 ॥ पैठतनगनसचिवसकुचाई ॥ जनुमानेसिगुनुब्राह्मनगाई ॥
 ॥ वैठिविटपतनदिवसुगैबावा ॥ साहसमयतवअवसनपावा ॥

॥ अवध प्रवेश कीन्ह अंधि अनै ॥ ॥ पैठनवन नथ नाधि दुअनै ॥
 ॥ जिन्ह जिन्ह समाचान सुनि पाए ॥ ॥ भूपद्वान नथ दैषन आये ॥
 ॥ नथ पैहि चानि विकल लषि घेने ॥ ॥ गनहि गात जिमि आत पओने ॥
 ॥ नगन नानिन नव्या कुल कै सै ॥ ॥ निघट तनी नमीन गनै जै सै ॥
 ॥ दोहा ॥ सचिव आगमन सुनत सब विकल नै उर निवासु ॥
 ॥ भवन नयंकन लागते हि मानहुं प्रेत निवासु ॥ १४८ ॥
 ॥ चौ ॥ अति आनत सब प्रेष्टहि नानी ॥ ॥ उत उन आव विकल नै वानी ॥
 ॥ सुनहि न अवन नयन नहि सहा ॥ ॥ कहहु कहै न पजे हिते हि सहा ॥
 ॥ दासिन्ह दिय सचिव विकल आई ॥ ॥ कौसिल्या ग्रह गई लिवाई ॥
 ॥ जाइ सुमंत दीषक सनाजा ॥ ॥ ॥ अमि अरहित जनु चंदु विनाजा ॥
 ॥ आसन सयन विनूषन हिना ॥ ॥ पने उचर मितल निपट मलीना ॥
 ॥ लेइ उसास सोच ऐहि नौती ॥ ॥ सुन पुन ते जनु बसे उज जाती ॥
 ॥ लेत सोचन निधि नुधि नुछाती ॥ ॥ जनु जनि पंष पने उ संपाती ॥
 ॥ नाम नाम कहनाम सने ही ॥ ॥ पुन कहनाम लखन वै देही ॥
 ॥ दोहा ॥ दैषि सचिव जय जीव कहि कीन्ह उट्ट प्रनाम ॥
 ॥ सुनत उठे उब्या कुल न पतिकहु सुमंत कहनाम ॥ १५० ॥
 ॥ चौ ॥ भूप सुमंत लीन्ह उनलाई ॥ ॥ वूउत कछु अधान जनु पाई ॥
 ॥ सहित सने हनिकट वैठानी ॥ ॥ प्रेष्टत नाउन यन न विवानी ॥
 ॥ नाम कुसल कहु सखा सने ही ॥ ॥ कहै न घुनाथ लखन वै देही ॥
 ॥ आने फेनिकि वनहि सिधाये ॥ ॥ सुनत सचिव लोचन जल धाये ॥
 ॥ सोक विकल पुनि प्रेष्टन नेह ॥ ॥ कहु सिय नाम लखन सँ देह ॥
 ॥ राम रूप गुन सील सुजाडु ॥ ॥ सुमिनि सुमिनि उन सोचत नाडु ॥
 ॥ नाज सुनाइ दीन्ह वन वास ॥ ॥ सुनि मन नै उर न हन बहनास ॥
 ॥ सो सुत विछुनत गऐ उन प्राणा ॥ ॥ कोपा पीव उ मोहि समाजा ॥
 ॥ दोहा ॥ सखानाम सिय लखन जहँ तहाँ मोहि पैहु चाउ ॥
 ॥ नाहित चाहत चलन अवप्रान कह उ सति चाउ ॥ १५१ ॥
 ॥ चौ ॥ पुनि पुनि प्रेष्टत मंत्रिहि नाडु ॥ ॥ प्रीतम सुवन सँ दे सु सुनाडु ॥
 ॥ करहि सखा सोइ वेगि उपाडु ॥ ॥ नाम लखन सिय नयन दिखाडु ॥

अयोध्या०

॥२६॥

॥ सखि वधीन धनिक हम्मुदुवानी ॥ महाना जनुम्ह पंडित ग्यानी ॥
 ॥ वीर सुधीन धुनं धर देवा ॥ साधु समाजु सदा तुम्ह सेवा ॥
 ॥ जनम मनन सब दुख सुख भोगा ॥ हानि लानु प्रिय मिलनु वियोगा ॥
 ॥ काल कनम वस है हिं गोसाई ॥ वन वसनाति दिवस की नाई ॥
 ॥ सुख हन धहिं जड दुख विलषाहिं ॥ होउ समधीन धन हिं मनमहिं ॥
 ॥ धीन जधन हु विवेक विचारी ॥ छँडिय सोचु सकल हित करी ॥
 ॥ दोहा ॥ प्रथम वासत मसा न ऐउ दूसन सुन सनितार ॥
 ॥ नरुइ न हे जल पान करि सिय समेत होउ वीर ॥ १५२ ॥
 ॥ चौके वट कीन्हि वहुत सेवा काई ॥ सो जा मिनि सिंग नौ नग बाई ॥
 ॥ होत प्रात वट धीन मंगावा ॥ जटामुकुट निज सीस वनावा ॥
 ॥ नाम सखात वनाव मगाई ॥ प्रिया चछाई चछे न धुनाई ॥
 ॥ लखनवान धनु धने वनाई ॥ आपु चछे प्रभु आय सुपाई ॥
 ॥ विकल विलोकि मोहि न धुवीन ॥ बोले मधुन वचन धनि धीन ॥
 ॥ तात प्रनामु तात सन कहै हू ॥ वान वान पट पंकज गहे हू ॥
 ॥ कर विषाय पनि विनय वहेनी ॥ तात करिय जनि चिंता मोरी ॥
 ॥ वन मग मंगल कुशल हमारे ॥ कृपा अनुग्रह पुन्य तुम्हारे ॥
 ॥ छंद ॥ तुम्हने अनुग्रह तात कानन जात सब सुख पाई है ॥
 ॥ प्रतिपालि आय सुकुशल देखन पाय पुनि फिनि आई है ॥
 ॥ जननी सकल पति तोषि पनि पाय कनि विनती धनी ॥
 ॥ तुलसी कने हु सोइ जतन जेहि कुशली नही हिं कोशल धनी ॥
 ॥ सोनठ ॥ गुन सन कहव सँदे सु ॥ वान वान पट पदुम गहि ॥
 ॥ कर व सोई उपदे सु ॥ जेहि न सोच मोहि अवध पति ॥ १५३ ॥
 ॥ चौ पुन जन पनि जन सकल वहेनी ॥ तात सुना ऐहु विनती मोरी ॥
 ॥ सोइ सब भौंति मोन हित करी ॥ जाते न हन न नाह सुखानी ॥
 ॥ कहव सँदे सन न त के आएँ ॥ नीति न त जिय नाम पट पाएँ ॥
 ॥ पालिहु प्रजहि कर म मन वानी ॥ सेऐ हु मातु सकल सम जानी ॥
 ॥ ओन निवाहे हु नाय पचाई ॥ करि पिनु मातु सजन सेवा काई ॥
 ॥ तात भौंति तेहि नाख वनाउ ॥ सोच मोन जेहि कर इनकाउ ॥
 ॥ लखन कहै उक छु वचन कठोरा ॥ वरजि नाम पुनि मोहि निहोरा ॥

॥ वानवाननिजसपथदिवाई ॥ ॥ ॥ कहवनतातलखनलनिकाई ॥
 ॥ दोहा ॥ कनिप्रनामकछुकहनलियसियनैसिधिलसनेह ॥
 ॥ थकितवचनलोचनसजलपुलकपल्लवितदेह ॥ १५४ ॥
 ॥ चौतेहिअवसननधुपतिनुषपाई ॥ केवटपानहिनावचलाई ॥ ॥
 ॥ नधुकुलतिलकचलेउऐहिजाती ॥ देखेउंठाछकुलिसधनिघाती ॥
 ॥ मैअपनकिमिकहउंकलेस ॥ ॥ जिअतफिनेउलैनामसंदेस ॥
 ॥ असकहिवचनसचिवनहिगोएडु ॥ हानिगलानिसोचवसनरेडु ॥
 ॥ सतवचनमुनतहिनननाहू ॥ ॥ पनेउधननिउनदानुनहाहू ॥
 ॥ तलफतहुदयमोहमनमाया ॥ माजामनहुंमीनकहव्यापा ॥
 ॥ कनिविलापसवनोवहिनानी ॥ ॥ महाविपतिनहिजाइवषानी ॥
 ॥ सुनिविलापदुषहुंदुषलागा ॥ ॥ धीनजहूकनधीनजभागा ॥
 ॥ दोहा ॥ नऐउकोलाहलअवधअतिसुनिनपनाउनसेन ॥ ॥
 ॥ विपुलविहंगवनपनेउनिसिमानहुंकुलिसकठान ॥ १५५ ॥
 ॥ चौपानकंठगतनऐउनुआल ॥ ॥ मनिविहिनजिमिव्याकुलव्याल ॥
 ॥ इंद्रीसकलविकलनैजानी ॥ ॥ जनुसनसरसिजवनविनुवानी ॥
 ॥ कौशल्यानपदीषमलाना ॥ ॥ नविकुलनविअथयेजिअजाना ॥
 ॥ उनधनिधीननाममहत्तानी ॥ ॥ बोलीवचनसमयअनुसानी ॥
 ॥ नाथकनियमनसमुहिविचार ॥ नामवियोगपयोधिअपार ॥
 ॥ कननधानतुम्हअवधजहाज ॥ चढेहुसकलप्रियपथिकसमाज ॥
 ॥ धीनजधनहुतौपाइयपार ॥ ॥ नाहितबूडिहिसवपनिवार ॥
 ॥ जोजिअधनिअविनपपियमेसी ॥ नामलखनसियमिलिहिवहोरी ॥
 ॥ दोहा ॥ प्रियावचनमदुसुनतनपचितऐउआंधिउघानि ॥
 ॥ तलफतमीनमलीनजलसीचतसीतलवानि ॥ १५६ ॥
 ॥ चौधनिधीनजउठिवैठनुआल ॥ कहुसुमंतकहनामक्रपाल ॥
 ॥ कहलखनकहनामसनेही ॥ ॥ कहप्रियपुत्रवधूवैदेही ॥ ॥
 ॥ विलपतनाउविकलवहुजाती ॥ नइजुगसनिससिनाहिनराती ॥
 ॥ तापसअंधसापसुधिआई ॥ ॥ कौसल्यहिसवकथासुनाई ॥
 ॥ नऐउविकलवननतइतिहासा ॥ नामनहितधिगजीवनआसा ॥

अयोध्या०

॥३०॥

॥ सोतनुनाधिकनवंमेकाह ॥ ॥ ॥ ॥ जेहिनप्रेमपनमोननिवाह ॥
 ॥ हानघुनंघनप्रानपिनीते ॥ ॥ ॥ ॥ तुम्हविनुजियतवहुतदिनविते ॥
 ॥ हाजानकीलखनहानघुवन ॥ ॥ ॥ ॥ हापितुहितुचितचातकजलधन ॥
 ॥ दोहा नामनामकहिनामकहिनामनामकहिनाम ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ तनुपनिहनिनघुवनविनहनाउगएउसुनधाम ॥ ॥ ५७ ॥
 ॥ चौ जियनमननफलदसनथपावा ॥ ॥ अंडअनेकविमलजसगावा ॥
 ॥ जियतनामविधुवदननिहाना ॥ ॥ नामविनहकनिमननसंवावा ॥
 ॥ सोकविकलसवनोवहिंनानी ॥ ॥ रूपशीलवलतेजवसानी ॥
 ॥ कनहिंवितापअनेकप्रकावा ॥ ॥ पनहिंभूमितलवानहिवाना ॥
 ॥ विलपहिंसकलदासअनुदासि ॥ ॥ घनघननुदनकनहिंपुनवासी ॥
 ॥ अथएउआजुआनुकुलआनू ॥ ॥ धनमअवधिगुनरूपनिधानू ॥
 ॥ गानीसकलकैकेइहिदेहि ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ लोचनहानकीरुजगजेहि ॥
 ॥ ऐहिविधिविलपतनेनिविहनि ॥ ॥ आऐसकलमहामुनिग्यानी ॥
 ॥ दोहा ॥ तववसिष्टमुनिसमयसमकहिअनेकइतिहास ॥
 ॥ सोकनिवायेउसवहिकननिजविग्यानप्रकास ॥ ॥ ५८ ॥
 ॥ चौ तेलनावन्ननिनपतनुनावा ॥ ॥ दूतवोलाइवहुनिअसन्नाया ॥
 ॥ धावहुवेगिन्ननतपहंजाहू ॥ ॥ नपसुधिकतहुकहुहुजनिकाहू ॥
 ॥ ऐतनइकहेहुन्नरतसनजाई ॥ ॥ गुनवोलाइपठयेदोउभाई ॥ ॥
 ॥ सुनिमुनिआयसुधावनधोए ॥ ॥ चलेवेगिवनवाजिलजाए ॥
 ॥ अनरथअवधअनंतेउजवते ॥ ॥ कुसगुनहीहिंन्नरतकहतवते ॥
 ॥ देखहिंनानिचयानकसपना ॥ ॥ जागिकरहिकहुकोटिकलपना ॥
 ॥ विप्रजिंवाइदेहिनितदाना ॥ ॥ शिवअभिषेककनीहिंविधिनाना ॥
 ॥ मांगहिंहुदयमहेशमनाई ॥ ॥ कुशलमातपितुपनिजनभाई ॥
 ॥ दोहा ऐहिविधिसोचतन्नरतमनधावनपहुंचेआइ ॥
 ॥ गुनअनुसासनअवनसुनिचलेगंनशमनाइ ॥ ॥ ५९ ॥
 ॥ चौ चलेसमीनवेगहयहंके ॥ ॥ नाघतसेलसनितवनवांके ॥
 ॥ हुदयसोचवडकधुनसुहाई ॥ ॥ असजानेजिअजाउंउडाई ॥ ॥
 ॥ ऐकनिमेषकलपसमजाई ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ऐहिविधिन्नरतनगरनिपराई ॥

॥ असगुनहोहिं नगनपैठाना ॥ ॥ नटहिं कुनौतिकुवेषकनाना ॥
 ॥ घनसिआनवोल्हिं प्रति कूला ॥ सुनिसुनिहोइ ननतउनसला ॥
 ॥ श्रीहत्तसनसनितावनवागा ॥ नगनविसेषिन्नयानकलागा ॥
 ॥ घगमृगहृयगजुजाहिनजोये ॥ नामवियोगकुनोगविगोयेगा ॥
 ॥ नगननानिनननिपटदुषारी ॥ मनहुंसवनिसवसंपत्तिहारी ॥

॥ दोहा

॥ मन

॥ चौहाटव

(Receipt.)

No. 34

॥ आवत

Received a hiv

॥ सजिआ

addressed payable to Bechni patti

॥ ननतदु

at Bechni Post Office.

॥ कैकेई

(Add in the case of a prepaid parcel or money order)

॥ सुतहि

with rupees (in words) ten rupees

॥ सकल

as detailed below:—

॥ कहुक

॥ दो

If a parcel.
Weight in rates } No.

If a money order.

॥ न

Postage prepaid } Rs. As.

Value . Rs. 10 As.

॥ चौतात

Commission . 2

॥ कछुव

॥ सुनत

॥ तातत

॥ चलत

॥ बहुनि



[Signature]
Branch Postmaster.

॥ सुनिसुतवचनकहहिं कैकेई ॥ मनमुषाधिजनुमाहुनदेईगा ॥
 ॥ आदिहितेसवआपनिकरनी ॥ कुटिलकठोनमुदितमनवरनी ॥
 ॥ नामसीयलधिमनवनजाहिं ॥ ननतराजुकोशलपुनमाहिं ॥
 ॥ दोहा ॥ ननतहिविसनेउपितुमननसुनतनामवनगोन ॥
 ॥ हेतुअपनपैजानिजिअथकितनहेधनिमोन ॥ ॥ १६२ ॥

॥३०॥

अयोध्या०

॥ सोतनुनाधिकनवंमेकाह ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ जेहिनप्रेमपनमोननिवाह ॥
 ॥ हानघुनंघनप्रानपिनीति ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ तुम्हविनुजियतवहुतदिनविते ॥
 ॥ हाजानकीलखनहानघुवन ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ हापितुहिनुचितचातकजलधन ॥
 ॥ दोहा नामगामकहिनामकहिनामनामकहिनाम ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

नधाम ॥ १५७ ॥

॥ चौ

॥ डि

॥ सो

॥ क

॥ वि

॥ अ

॥ ग

॥ ऐ

वेमलजसगावा ॥

रुमिमननसंवा ॥

लतेजवसानी ॥ ॥

तलवानहिवाना ॥

नकनीहिंपुनवासी ॥

धिगुनरूपनिधान ॥

कीन्हजगजेहिं ॥ ॥

महामुनिग्यानी ॥

कइतिहास ॥

कास ॥ १५८ ॥

वहुनिअसन्नाया ॥

तहुकहुहुजनिकाहू ॥

ठपेटोउभाई ॥ ॥

रवाजिलजाये ॥ ॥

हिंननतकहतवते ॥

हकडकोटिकलपना ॥

प्रेककनीहिंविधिनाना ॥

॥ चौ

॥ ध

॥ ये

॥ स

॥ अ

॥ ऐ

॥ वि

॥ मांगहिंहुदयमहेशमनाई ॥ ॥ कुशलमातपितुपनिजनभाई ॥

॥ दोहा ऐहिविधिसोचतननतमनधावनपहुंचेआइ ॥

॥ गुनअनुसासनश्रवनसुनिचलेगंनशमनाइ ॥ १५९ ॥

॥ चौ चलेसमीनवेगहयहंके ॥ ॥ नाघतसेलसनितवनवांके ॥ ॥

॥ हुदयसोचवडकधुनसुहाई ॥ ॥ असजानेजिअजाउंडडाई ॥ ॥

॥ ऐकनिमेषकलपसमजाई ॥ ॥ ऐहिविधिचननतनगननियुगई ॥

॥ असगुनहोहिं नगनपैठाना ॥ ॥ ॥ नटहिं कुनौति कुवेय कनाना ॥
 ॥ घनसिआनबोलीहिं प्रतिकूल ॥ सुनिसुनिहोइ ननतउनसल्ला ॥
 ॥ श्रीहत्तसनसनितावनवागा ॥ ॥ नगनविसेषिन्नयानकल्लागा ॥
 ॥ घगमगहयगजुजाहिनजोये ॥ नामवियोगकुनोगविगोयेगा ॥
 ॥ नगननानिनननिपटदुखानी ॥ मनहुंसवनिसवसंपतिहानी ॥
 ॥ दोहा पुनजनमिलहिं नकहीहिं कछुगवहिजोहानहिं जाहिं ॥
 ॥ ननतकुशलपूँछहिं दुनहिं नयविषादमनमाहिं ॥ ॥ १६० ॥
 ॥ चौहाटवाटनहिजाहिं निहानी ॥ जनुपुरदहुदिसिलागिद्वानी ॥
 ॥ आवतसुतसुनिकैकइनेदिनि ॥ हनखीरविकुलजतनुहचंदिनि ॥
 ॥ सजिआनतीमुदितउठिधाई ॥ दानहिं नेदिनवनलइआई ॥
 ॥ ननतदुखितपनिवाननिहमा ॥ मानहुतुहिनवनजवनमाना ॥
 ॥ कैकेईहनधितमनयेहिजाती ॥ मनहुमुदितद्वल्लाइकिराती ॥
 ॥ सुतहिससोचुदेधिमनमाने ॥ पूँछतेनहनकुशलहमाने ॥
 ॥ सकलकुशलकहिन्नतसुनाई ॥ पूँछनिजकुलकुशलनल्लाई ॥
 ॥ कहुकहंतातकहंसवमाता ॥ कहंसियरामलखनप्रियआता ॥
 ॥ दोहा सुनिसुतवचनसनेहमयकपटनीनननिनयन ॥
 ॥ ननतअवनमनसलसमपापिनिबोलीवयन ॥ ॥ १६१ ॥
 ॥ चौतातवातमैंसकलसैवानी ॥ नैमंथनासहाइविचानी ॥
 ॥ कछुककाजिविधिविचविगानेउ ॥ नूपतिसुनपतिपुनपगधानेउ ॥
 ॥ सुनतननतनयविवसविषाद ॥ जनुसहमेउकनिकेहनिनाद ॥
 ॥ ताततातहा तातपुकानी ॥ पनेउनूमितलव्याकुलजानी ॥
 ॥ चलतनदेखनपायेउतोही ॥ तातनरामहिसौपेउमोही ॥
 ॥ बहुनिधीनधपिउठेउसंजानी ॥ कहुपितुमननहेतुमहतानी ॥
 ॥ सुनिसुतवचनकहहिंकैकेई ॥ मनमुपाधिजनुमाहुनदेई ॥
 ॥ आदिहितेसवआपनिकरनी ॥ कुटिलकठोरमुदितमनवरनी ॥
 ॥ नामसीयलधिमनवनजाहिं ॥ ननतराजुकोशलपुनमाहिं ॥
 ॥ दोहा ननतहिविसनेउपितुमननसुनतनामवनगोन ॥
 ॥ हेतुअपनेपेजानिजिअथकितनहेधनिमोन ॥ ॥ १६२ ॥

अयोध्या०

॥३१॥

॥ विकलविलोकि सुतहिसमुद्भवति ॥ मनहुं जने पनलो नुलगावति ॥
 ॥ तातनाउनहिसोचइ जोगूणाणा ॥ बढेउसुकृतजसुकीनेउजोगू ॥
 ॥ जीवतसकलजनमफलपाये ॥ अंतअमनपतिसदनसिधोए ॥
 ॥ असअनुमानिसोचपनिहनहू ॥ सहितसमाजनाजुपुनकरहू ॥
 ॥ सुनिसुठिसहमेउनाजकुमाना ॥ पाकेधतजनुलागअंगाना ॥
 ॥ धनिधीनजुननिलेहिउसासा ॥ पापिनिसवहिजोति कुलनासा ॥
 ॥ जोपेकुउचिनहिस्रतितोहि ॥ ॥ जनमतकसनहिमानेउमोहि ॥
 ॥ पेडकाटितुम्हपालवसिंचा ॥ ॥ मीनजियनहितवानिउलीचा ॥

॥ दोहा ॥ हंसवंसदृशयजनकरामलखनअसनाइ ॥

॥ जननीतैंजननीनईविधिसोकधुनवसाइ ॥ ॥ १६३ ॥

॥ चौजवतैंकुमतिकुमतजियठयेउ ॥ खंडखंडहोइहूदयनगएउ ॥
 ॥ बनमागतमुखनइनहिपीना ॥ ॥ गिरीनजीहूपनेउनहिकीना ॥
 ॥ रूपप्रतीतितोनि किमिकीन्हि ॥ ॥ मननकालविधिमीतिहिनिलीन्हि ॥
 ॥ विधिहुननानिहूदयगतिजानी ॥ सकलकपटअघअवगुनधानी ॥
 ॥ सनलसुखीलधनमनतनाउ ॥ सोकिमिजानहित्रियासुनाउ ॥
 ॥ असकोजीवजंतुजगमहिं ॥ ॥ जोहिनघुनायप्रानप्रियनाहिं ॥
 ॥ नैअतिअहितनामतैंतोहि ॥ ॥ कोतैंअहसिसत्यकहुमोहि ॥
 ॥ जोहसिसोहसिमुहुमसिलाई ॥ ॥ आधिओटउठिवैठसिजाई ॥

॥ दोहा ॥ नामविनोधीहूदयतैंप्रगटकीन्हविधिमोहि ॥

॥ मोसमानकोपातकीवाटिकहुउकधुतोहि ॥ ॥ १६४ ॥

॥ चौसुनिसत्रुहनमातुकुटिलाई ॥ जनहिगातनिसकधुनवसाई ॥
 ॥ तेहिअवसनकुवरीतहैआई ॥ वसनविनूषनविविधबनाई ॥
 ॥ लखिनिसननेउलखनलघुनाई ॥ वनतअनलघतआहुतिपाई ॥
 ॥ हुमकिलाततकिबूवनमाना ॥ ॥ पनिमुहन्नमहिकनतपुकाना ॥
 ॥ कूवनटूटेउफूटकपानू ॥ ॥ ॥ हलितदसनमुखनुधिनप्रचार ॥
 ॥ अहिदैवमैकाहनसावा ॥ ॥ ॥ कनतनीकफलअनइसपावा ॥
 ॥ सुनिनिपुहनलखिनषसिषयोहि ॥ लगेघसीदनधनिधनिहोटी ॥
 ॥ ननतदयानिधिदीन्हूछडाई ॥ ॥ कोसल्यापीहंगेहोउनाई ॥

॥ दोहा ॥ मलिनवसनविवननविकलकससनीनदुषनान ॥

॥ कनककलपवनवेलिवनमानहुहतीनुसान ॥१६५॥
 ॥ चौभनतहिदेखिमातुउठिधाई ॥ मुनधितअवनिपनीहहनाई ॥
 ॥ देखतभनतविकलनऐनानी ॥ पनेचननतनदसाविसानी ॥
 ॥ मातुतातकहैदेहिदिखाई ॥ कहैसियरामलखनदेउनाई ॥
 ॥ कैकैईकतजनमीजगमाँहु ॥ जोजनमितनैकाहेनवाँहु ॥
 ॥ कुलकलंकजनमेउजेहिमोहि ॥ अपजसनाजनप्रियजनदेहि ॥
 ॥ कोत्रिनुवनमोहिसनिसअगि ॥ गतिअसितोनिमातुजेहिलगी ॥
 ॥ पितुसुनपुनवननघुकुलकेत ॥ मैकेवलसवअननयहेतू ॥
 ॥ धिगमोहिजपेउवेनुवनअगि ॥ दुसहृदहृदुषदूषनअगी ॥
 ॥ दोहा मातुभनतकेवचनमृदुसुनिपुनिउठासँनानि ॥
 ॥ लियेउठाइलगाइउनलोचनमोचतिवानि ॥१६६॥
 ॥ चौसनलसुनायमायहियलाये ॥ अतिहितमनहुनामफिनिये ॥
 ॥ नेदेउवहुनिलखनलघुनाई ॥ सोकसनेहनहुदयसमाई ॥
 ॥ देखिसुभाउकहतसबकोई ॥ नाममातुअसिकाहेनहोई ॥
 ॥ माताभनतगोदँवैठाने ॥ आँसुपौंछिमृदुवचनउवाने ॥
 ॥ अवहुँवधवलिधीनजधनहू ॥ कुसमयसमुहिसोकपनिहनहू ॥
 ॥ जनिमानहुँहियहानिगलानी ॥ कालकनमगतिअद्यटितजानी ॥
 ॥ काहुहिदोसदेहुजनिताता ॥ नामोहिसवविधिबामविधाता ॥
 ॥ जोऐतेउदुषमोहिजिआवा ॥ अजहुँकोजानकाहतेहिआवा ॥
 ॥ दोहा पितुआयसुनखनवसनतातजेनघुवीन ॥
 ॥ विसमयहनखनहुदयकधुपहिनेवलकलचीन ॥१६७॥
 ॥ चौमुखप्रसन्नमनरागननोषू ॥ सबकनसवविधिकनिपनितोषू ॥
 ॥ चलेविपिनिसियसुनिसंगलगी ॥ नहइनरामचननअनुनागी ॥
 ॥ मुनतहिलखनचलेउठिसाथा ॥ नहइनजतनकिऐनघुनाथा ॥
 ॥ तवनघुपतिसवहिसिनुनाई ॥ चलेसंगसियअनुलघुनाई ॥
 ॥ नामलखनसियवनहिसिधाये ॥ गइउनसंगनप्रानपठाये ॥
 ॥ यहसवनाऐरुआँधिनुआगे ॥ तउनतजातनुजीवअनागे ॥
 ॥ मोहिनलाजनिजनेहविचानी ॥ नामसनिससुतमैमहतानी ॥

अयोध्या०

॥ ३२ ॥

॥ जिअन मनन न लन रूपति जाना ॥ मोन हू दय सत कुलिस माना ॥
 ॥ दोहा ॥ कोसल्या के वचन सुनि मनन त सहित न निवास ॥
 ॥ बाकुल विलपत नाउ ग्रह मान हुं शोक निवास ॥ १६८ ॥
 ॥ चौ विलपत विकल मनन त हो उभाई ॥ कोसल्या लिये हू दय लगाई ॥
 ॥ भौतिअने कनन त समुहाये ॥ कहि विवेक मय वचन सुनाये ॥
 ॥ नन त हुमातु सकल समुहाई ॥ कहि पुनान श्रुति कथा सुनाई ॥
 ॥ छल विहिन सुचिस नल सुवानी ॥ बोलि नन त जो निजुग पानी ॥
 ॥ जेअघ मातु पिता सुत माने ॥ गह गोठ महि सुन पुन जाने ॥
 ॥ जेअघ तिय वालक वध कीन्हे ॥ मीत महि पति माहु न दीन्हे ॥
 ॥ जे पातक उपपातक अहं हैं ॥ कनम वचन मनन न बक विकहं हैं ॥
 ॥ ते पातक मोहि हो उ विधाता ॥ जोय रहोइ मोन मत माता ॥
 ॥ दोहा ॥ जे पनिहनिहन हनिचन नन जहि नूत घन घोन ॥
 ॥ तेहि कै गति मोहि दे उ विधि जो जननी मत मोन ॥ १६९ ॥
 ॥ चौ बैच इवे दधन महु हिलेई ॥ ॥ पिसुन पनाये पाप कहि देई ॥
 ॥ कपटी कुटिल कलह प्रिय क्रोधी ॥ वेद विदूषक विस्य विनोधी ॥
 ॥ लोनी लंपट लोलुप चाना ॥ जेता कहि पन धन पन दाना ॥
 ॥ पाबु हु मैति नू कै गति घोना ॥ जो जननीय ह संमत मोना ॥
 ॥ जे नहि साधु संग अनुनागे ॥ पन मान थपथ विमुख अनागे ॥
 ॥ जे नन जहिहनि नन तनु पाई ॥ तिन्ह इन हनिहन सुज सुहाई ॥
 ॥ तजि श्रुति पंथ वाम पथ चलैं ॥ वंचक विन चिंवे सुज गछल हैं ॥
 ॥ तिन्ह कइ गति मोहि संकर देउ ॥ जननी जो ऐह जान हुनेउ ॥
 ॥ जननी मानि मोन विस्वासा ॥ मन काम वचन नाम कन दासा ॥
 ॥ छंद मन वचन कर्म कृपायतन कन दास मै सुनु मातुनी ॥
 ॥ उन वसत नाम सुजान जानत प्रीति अनुछल चानुनी ॥
 ॥ अस कहत लोचन वहत जलतन पुलकन खलेषत महि ॥
 ॥ हिय लायली नूव हो निजननी जा निप्रनु पदन तिसहि ॥
 ॥ दोहा ॥ मातु नन त के वचन सुनि सांचे सनल सुनाय ॥

॥ कहत नाम प्रियतात तुम्ह सदा वचन मन काय ॥ १७० ॥
 ॥ चौ नाम प्रान ते हुं प्रान तुम्हाने ॥ ॥ ॥ तुम्ह न घुपति हि प्रान ते प्याने ॥
 ॥ विधु विष चुबइ अवे हि म आगी ॥ होइ वानि चन वानि विनागी ॥
 ॥ न ऐग्यान वनु मिटइ न मोह ॥ तुम्ह नाम हि प्रतिकूल न होह ॥
 ॥ मत तुम्हान ऐ हु जो जग कहहि ॥ सो सपने हुं सुख सुगति न लहहि ॥
 ॥ अस कहि मातु न त उ न ला ऐ ॥ थन पय अ व हिन यन जल छो ऐ ॥
 ॥ कन त विलाप विपुल ऐ हि नौ ती ॥ बैठे हि वीति गई सव ना ती ॥
 ॥ वाम देव वसिष्ठ त व आ ऐ ॥ सचि व महा जन सकल बो लो ऐ ॥
 ॥ मुनि व हु नौ ति न त उ प दे से ॥ कहि पन मान थ व चन सु दे से ॥
 ॥ दोहा तात हु दय धी न ज धन हु कन हु जो अव सन आ जु ॥
 ॥ उठे न त गुन व चन मुनि कन न कहे उ स व का जु ॥ १७१ ॥
 ॥ चौ न पत नु वे द वि धित अ न्हु वा वा ॥ पन म वि चित्र वि मान व ना वा ॥
 ॥ गहि पग मन त मातु स व ना धी ॥ रहिं नाम दन सन अनिला धी ॥
 ॥ सन जूत टन चि चिता व ना ई ॥ जनु सुन पुन सो पान सो हा ई ॥
 ॥ चंदन अग नु नान व हु आ ऐ ॥ अमित अने क सुगंध सु हा ऐ ॥
 ॥ ऐ हि वि धि दा ह क्रि या स व की न्हु ॥ वि धि व त स्नान ति लां जु लि दि न्हु ॥
 ॥ सो धि सु भूति स व वे द पु ना ना ॥ की न्हु न त द स गा त वि धा ना ॥
 ॥ ज हं ज हं मुनि व न आ य सु दी न्हु ॥ त हं त हं अ यु त नौ ति स व की न्हु ॥
 ॥ न ऐ उ वि सु द्धि ऐ स व दाना ॥ धेनु वा जि गज वाहन ना ना ॥
 ॥ दोहा सिंहासन नू यन व सन अ न्न धन नि धन धाम ॥
 ॥ दि ऐ न त ल हि न्हु मि सु न नै प नि पू न न काम ॥ १७२ ॥
 ॥ चौ पितु हि त न त की न्हु जि सिक न नी ॥ सो मुख ला य जा इ न हि व न नी ॥
 ॥ सु दिन सो चि मुनि व न त व आ ऐ ॥ सचि व महा जन सकल बो लो ऐ ॥
 ॥ बैठे राज सना स व जा ई ॥ पठे वो लि न न त हो उ ना ई ॥
 ॥ न त व सि धि नि क ट वे ठा ने ॥ नी ति धन म म य व चन उ चा ने ॥
 ॥ प्रथम कथा स व मुनि व न व न नी ॥ कै के इ कु टिल की न्हु जि सिक न नी ॥
 ॥ अ प धन म व्र त स त्य स ना हा ॥ जे हि त नु प नि ह नि प्रे म नि वा हा ॥
 ॥ कहत नाम गुन सी ल सु न्हा उ ॥ स ज ल न य न पु ल के मु नि ना उ ॥

अयोध्या ०

॥३३॥

॥ बहुमिलधनसिय प्रीतिवधानी ॥ शोकसेनेह मगन मुनिग्यानी ॥

॥ दोहा ॥ सुनहु मन तनावी प्रवल विलखि कहै उमुनि नाथ ॥

॥ हानिला भजीवन मनन जस अपजस विधि हाथ ॥ ११३ ॥

॥ सो अस विचारिके हिंदी जिय होस् ॥ वथा काहि पन की जिय नोस् ॥

॥ तात विचार कनहु मन माहि ॥ सोच जोग दसन थन पनहि ॥

॥ सोचिय विप्र जे विहिना ॥ तजिनि जधन मविषय लपलीन ॥

॥ सोचिय नृपति जे नीति न जाना ॥ जेहि न प्रजा प्रिय प्रान समाना ॥

॥ सोचिय वैस कृपिन धनवान् ॥ जो न अतिथि सिव भगत सुजान् ॥

॥ सोचिय स्त्रु विप्र अपमानी ॥ मुख न मान प्रिय ग्यान गुमानी ॥

॥ सोचिय पुनि पीति वंचक नानी ॥ कुटिल कलह प्रिय इच्छा चानी ॥

॥ सोचिय बटुनि जवत पनिहर् ॥ जो नहि गुन आय सु अनुसरई ॥

॥ दोहा ॥ सोचिय ग्रहि जे मोहव स कनइ कनम पथ त्याग ॥

॥ सोचिय जती प्रपंच न त विगत विवेक विराग ॥ ११४ ॥

॥ सो वैधान ससोइ सोचिय जोग ॥ तपी बहाइ जेहि न आवइ भोग ॥

॥ सोचिय पिसुन अकारन कोधी ॥ जननि जनक गुन बंधु विनोधी ॥

॥ सब विधि सोचिय पन अपकानी ॥ निज तन पोष कनि न द्युनानी ॥

॥ सोचनीय सब हि विधि सोई ॥ जो न छंड़ी छल हरि जन होई ॥

॥ सोचनीय नहि कोसल नाउ ॥ भुवन चापि दश प्रगट प्रभाउ ॥

॥ नये उनहे न न अब होनि हाना ॥ भूप न त जस पिता तुम्हाना ॥

॥ विधि हनि हन सुन पीति हि सिनाथा ॥ वन नहि सब दशान थ गुन गाथा ॥

॥ दोहा ॥ कहहु तात केहि नोति कोउ कनिहि वडाई तासु ॥

॥ नाम लखन तुम्ह शत्रु हन सनिस सुवन सुचि जासु ॥ ११५ ॥

॥ सो सब प्रकार भूपति बड जागी ॥ वाहि विषाद कनिय केहिलागी ॥

॥ येह सुनिस मुहि सोच पनिहर् ॥ सिन धनि नाजन जाय सुकर ॥

॥ राज राज पद तुम्ह कहें दीन्ह ॥ पिता वचन फुन चाहिय कीन्ह ॥

॥ तजे नाम जेहि वचन हिलागी ॥ तनु पनिहने उनाम विनहागी ॥

॥ नृपति वचन प्रिय नहि प्रिय प्रान ॥ कनहु तात पितु वचन प्रमाना ॥

॥ कनहु सीस धनि नृपन जाई ॥ गैह तुम्ह कह सब भोति न लाई ॥

॥ पनसुनामपितुआग्यानाथी ॥ ॥ ॥ ॥ मानीमातुलोगसवसाथी ॥ ॥
 ॥ तनयजजातिहिजौवनदयेउ ॥ पितुआग्याअघअजसनभयेउ ॥
 ॥ दोहा ॥ अनुचितउचितविचारतजिजेपालीहिपितुवेन ॥
 ॥ तेनाजनसुषसुजसकेवसहिअमनपतिअन ॥ १७६ ॥
 ॥ चौ ॥ अवसिनेनेसवचनफुनकनह ॥ पालहुप्रजाशोकपनिहनह ॥ ॥
 ॥ सुनपुननपपाइहिपनितोष ॥ तुम्हकहुसुकुतसुजसुनीहिदोष ॥
 ॥ वेदविहितसंमतसवहिका ॥ जेहिपितुदेइसोपावहिटीका ॥
 ॥ कनहुनाजपनिहनहुगलानी ॥ मानहुमोनवचनहितजानी ॥
 ॥ सुनिसुषलहवनामवेदेहि ॥ अनुचितकहवनपंडितकेहि ॥
 ॥ कोसिल्यादिसकलमहतारी ॥ तेउप्रजासवहोहिसुषानी ॥
 ॥ प्रेमतुम्हाननामकनजानिहि ॥ सोसवविधितुम्हाननलमनिहि ॥
 ॥ सौंपेहुनाजननामकेआये ॥ ॥ ॥ ॥ सेवाकनहुसनेहसुआये ॥ ॥
 ॥ दोहा ॥ कीजियगुनआयसुअवसिकहहिंसचिवकनजोसि ॥
 ॥ नधुपतिआयेउचितजसतसतवकरतवहेनि ॥ १७७ ॥
 ॥ चौ ॥ कोसल्याधनिधीनजुकहई ॥ पूतपथगुनआयसुअहई ॥
 ॥ सोआइनियकनियहितमानी ॥ तजिअविषादकालगतिजानी ॥
 ॥ वननधुपतिसुनपुननननाह ॥ तुम्हऐहिजातितातकंदनाह ॥
 ॥ पनिजनप्रजासचिवसवअंवा ॥ तुम्हहिसुतसवकनअवलंवा ॥
 ॥ लखिविधिवामकालकठिनाई ॥ धीनजधनहुमातुवलजिजाई ॥
 ॥ सिरधनिगुनआयसुअनुसनह ॥ प्रजापालिपनिजनदुषहनह ॥
 ॥ गुनकेवचनसचिवअनिनंदन ॥ सुनेननतहियहितउनचंदन ॥
 ॥ सुनीवहेनिमानुहितवानी ॥ सीलसनेहसनलनससानी ॥
 ॥ छंद ॥ सानीसनलसममातुवानीसुनिननतव्याकुलनरे ॥
 ॥ लोचनसरोनुहअवतसोचतविनहउनअंकुनरे ॥ ॥
 ॥ सोदसादेयतसमयतेहिविसरीसवहिसुधिदेहकी ॥ ॥
 ॥ तुलसीसनाहतसकलसाहनसांवसहजसनेहकी ॥ ॥
 ॥ सोनठ ॥ ननतकमलकनजोनि ॥ धीनधुनंधनधीनधनि ॥
 ॥ वचनअभियजनुवोनि ॥ देतउचितउत्तनसवहि ॥ १७८ ॥

अयोध्या०

॥३४॥

॥ मोहि उपदेस दीन्ह गुनुनीका ॥ ॥ प्रजासचिव संमत सवहिका ॥
 ॥ मातु उचित आय सुन लदीन्ह ॥ अवसिसी सध निचाह उकीन्ह ॥
 ॥ गुनु पितु मातु स्वामि हित वानी ॥ सुनिमन मुदित कनिय नलजानी ॥
 ॥ उचित कि अनुचित कि ऐविचार ॥ धन मुजाइ सिन पात कनानू ॥
 ॥ तुम्हें तो दे उस नलसिष सोई ॥ जो आचन त मोन नल होई गा ॥
 ॥ जघ्पिय हस मुह त हहु नीकें ॥ तट पि होत पनितो धन जीकें ॥
 ॥ अब तुम्ह विनय मोन सुनिलेह ॥ मोहि अनुहन त सिषावनु देह ॥
 ॥ उत्तन दे उधम हुं अपनाधूणा ॥ दुधित दोष गुन गनहि नसाधू ॥
 ॥ दोह ॥ पितु पुन पुनीसिय नाम वन कनन कहहु मोहि नाजु ॥
 ॥ ऐहिते जानहु मोन हित के आयन वडकाजु गा ॥ १७८ ॥
 ॥ चौहित हमान सिय पति सेवकाई ॥ सोह निलीन्ह मातु कुटिलाई ॥
 ॥ मैं अनुमानि दीख मनमहिं ॥ ॥ आन उपाय मोन हित नहिं ॥
 ॥ शोक समाज नाज के हिले धे ॥ लखन नाम सिय पट विनु दे धे ॥
 ॥ वादिवसन विनु नूषन नानू ॥ वादि विनति विनु बल विचार ॥
 ॥ सहज सनीन वादि न वनो गा ॥ विनु हनि न गति जाप जप जो गा ॥
 ॥ जाय जीव विनु देह सुहाई ॥ वादि मोन सब विनु न धुनाई ॥
 ॥ जाहुं नाम पहं आय सुदेहू गा ॥ ऐकहि आक मोन हित ऐहू ॥
 ॥ मोहि न पकनि नल आपन चहू ॥ सो उसने हज डता वस कहू ॥
 ॥ दोह ॥ कैकेइ सुवन कुटिल मति नाम विमुषगत लाज ॥
 ॥ तुम्ह चाहो सुष मोह वस मोहि से अधम के नाज ॥ १७९ ॥
 ॥ चौकहो सांचु सुनिसव पति आहू ॥ चाहिय धन मसील नरनाहू ॥
 ॥ मोहि नाज हठि देह उजवहिं ॥ नसान सातल जाइ हित वहिं ॥
 ॥ मोहि समान को पापनि वास ॥ जेहिल गिनाम सिय वन वास ॥
 ॥ नाय नाम कहं कानन दीन्ह ॥ विष्णु नत गवन अमर पुन कीन्ह ॥
 ॥ मैसह सब अननय करहेत ॥ वैठवात सब सुन उंसचेत ॥
 ॥ विनु न धुवीन विलोकि आवास ॥ रहेशान सहि जग उपहास ॥
 ॥ नाम पुनीत विषय न सखे ॥ लोलपन्न मिभोग के चखे ॥
 ॥ कहं लल गि कह उं हृदय कठिनाई ॥ निद नि कुलिश जेहिल हीव डई ॥

॥ दोहा कानन ते कानन जु कहिन होइ दोस नहि मोन ॥
 ॥ कुलिस अस्थितें उपलतें लोह कनाल कठोर ॥ १२१ ॥
 ॥ बौ कै के इन्न वय हतनु अनुनागे ॥ पाँवन प्रान अघाइ अनागे ॥
 ॥ जौ प्रिय विन ह प्रान प्रिय लागे ॥ देख वसुन ववहुत अवनागे ॥
 ॥ लखन नाम सिय कहुं बन दीन्ह ॥ पठइ मन पुन पति हितु कीन्ह ॥
 ॥ लीन्ह विध वपन अप जस आष ॥ दीन्ह प्रजहि शोक संताप ॥
 ॥ मोहि दीन्ह सुख सुज सु सुनाज ॥ कीन्ह कै केई सब कन काजू ॥
 ॥ ऐहि ते मोन कह अवन कीका ॥ तेहि पन देन कहहु अवटीका ॥
 ॥ कै के इजठ न जनमि जग माहि ॥ ऐह मोहि कह कथु अनुचित नहि ॥
 ॥ मोनि वात सब विधि हिव नाई ॥ प्रजा पाँच कत कनहु सह आई ॥
 ॥ दोहा ग्रह ग्रहीत पुनि वात वस तेहि पुनि वीरि मान ॥
 ॥ ताहि पिपाइ यवानुनी कहहु काहु उपचार ॥ १२२ ॥
 ॥ बौ कै के इ सुवन जोग जस जोई ॥ चतुन विन चि दीन्ह मोहि सोई ॥
 ॥ दस नयन नयनाम लघु नाई ॥ दीन्ह मोहि विधि वाटि वडाई ॥
 ॥ तुम्ह सब कहहु कछावन टीका ॥ नायना जु सब हा कहनी का ॥
 ॥ उतनु देहु केहि विधि केहि केहि ॥ कहहु सुखेन जथानुचि जेहि ॥
 ॥ मोहि कुमानु समेत विहाई ॥ कहहु कहि हि को कीन्ह न लाई ॥
 ॥ मोविनु को सच नाचन माहि ॥ जेहि सिय नाम प्रान सम नहि ॥
 ॥ परम हानि सब कहव डलाह ॥ अदिन मोन दूखन नहि काह ॥
 ॥ संसय सील प्रेम वस अहह ॥ सवै उचित सब जो कथु कहह ॥
 ॥ दोहा राम मानु सुठि सनल चित मोपन प्रेम विसेषि ॥
 ॥ कहइ सुनाव सनेह वस मोनि दीन तां देखि ॥ १२३ ॥
 ॥ बौ गुन विवेक सागन जग जाना ॥ जिन्हि हिवि स्वकन वदन समाना ॥
 ॥ मो कहतिल कसाज स्वज सोउ ॥ नये विधि विमुख विमुख सब कोउ ॥
 ॥ पमि हयि नाम सिय जग माहि ॥ कोउ नहि कहि हि मोन मत नाहि ॥
 ॥ सो मैं सुनव सहव सुख मानी ॥ अंत हुं कीचत हाँ जहँ पानी ॥
 ॥ उनन मोहि जग कहइ किपोच ॥ परलोक हुकन नाहिन सोच ॥
 ॥ ऐकइ उनवन दुसह दबारी ॥ मोहिल गिन ऐसिय नाम दुषारी ॥

अयोध्या०

॥३५॥

॥ जीवनलाहलखननलपावा ॥ सवतजिनामचननमनलावा ॥
 ॥ मोनजनमनघुवननलागी ॥ हूँकाहपछिताउँअचागी ॥
 ॥ दोहा आपनिहानुनदीनताकहउँसवहिसिनुनाई ॥
 ॥ देखेविनुनघुनाथपट्टजिअकैजननिनजाई ॥ १८४ ॥
 ॥ चौआनउपाउमोहिनहिसूहा ॥ कोजिअकैनघुवनविनुबूहा ॥
 ॥ एकहिआंकयहेमनमाहि ॥ प्रातकालचलिहउँप्रनुपाहि ॥
 ॥ जछापिमैंअननलअपनाधी ॥ नैमोहिकाननसकलउपाधी ॥
 ॥ तटपिसननसनमुखमोहिदेखी ॥ हमिसवकनिहीहैंकपाविसेखी ॥
 ॥ सीलसकुचमुठिसनलसुआउ ॥ कपासनेहसदननघुनाउ ॥
 ॥ अनिहुकअननलकीरुननामा ॥ मैसिसुसेवकजछापिवामा ॥
 ॥ तुम्हपेपांचमोननलमानी ॥ आयसुआसिधेदुसुवानी ॥
 ॥ जेहिंसुनिविनयमोहिंजनजानी ॥ आवहिंवहुनिनामनजधानी ॥
 ॥ दोहा जछापिजनमकुमातुतेमैंसठसहासहोस ॥ ॥ ॥
 ॥ आपनजानिनत्यागीहीहैंमोहिनघुवीनननोस ॥ १८५ ॥
 ॥ बौअनतवचनसवकेप्रियलागे ॥ नामसनेहसुधाजनुपागे ॥ ॥
 ॥ लोगवियोगविषमविषदागे ॥ मंत्रसजीवसुनतजनुजागे ॥ ॥
 ॥ मातुसचिवगुनपुननननानी ॥ सकलसनेहविकलभयभानी ॥
 ॥ मनतहिकहीहैंसनाहिसनाही ॥ रामप्रेममूरतितनुआही ॥ ॥
 ॥ तातननतअसकाहेनकरहू ॥ प्रानसमाननामप्रियअरहू ॥
 ॥ जोपावनआपनिजउताई ॥ तुम्हिसुगाइमातुकुटिलाई ॥
 ॥ सोसठकोटिकपुनुषसमेता ॥ वसिहिकलपसतननकनिकेता ॥
 ॥ अहिअधअवगुननहिमनिगहई ॥ हनइगनलदुषदपिदहनई ॥
 ॥ दोहा अवसिचलियवननामजहैननतमंत्रनलकीरु ॥
 ॥ सोकसिंधुबूडतसवहितुम्हअवलंबनहीरु ॥ १८६ ॥
 ॥ चौअसवकेमनमोहनयोना ॥ जनुघनधुनिसुनिचातकमोना ॥
 ॥ चलतप्रातलधिनिनयनीके ॥ मनतप्रानप्रियनयेसवहीके ॥
 ॥ सुनिहिंवैदिननतहिसिनुनाई ॥ चलेसकलघनविहाकनाई ॥

॥ धन्य नर तजीवन जगमाहिं ॥ ॥ सील सनेह सनाहूँ ॥
 ॥ कहहिं परसपन भाव डकाजू ॥ ॥ सकल चलेक नसाजहि साजू ॥
 ॥ जेहिं राखहिं धन नहुन धवानी ॥ ॥ सो जानै जनु गन दृति मानी ॥
 ॥ कोउ कहन हन कहिय नहि काहू ॥ ॥ कोन चहै जग जीवन लाहू ॥
 ॥ केहिन नावसिय लछमन नाम ॥ ॥ सब कह प्रिय हिय सदा सकाम ॥
 ॥ दोहा ॥ जनउ सो संपत्ति सदन सुख सुहृद मानु पितु भाइ ॥
 ॥ सन मुख होत जो नाम पद कनइन सहज सहाइ ॥ १८७ ॥
 ॥ चौ धन धन साजहिं वाहन नाना ॥ ॥ हन धहु दय परचा तपयाना ॥
 ॥ भनत जाइ धन कीन्ह विचारू ॥ ॥ नगन वाजिगज भवन नैडाहू ॥
 ॥ संपत्ति सब नघुवन की आहि ॥ ॥ जौ विनु जतन चलोत जितहि ॥
 ॥ तौ पनिना मन मोनि न लाई ॥ ॥ पाय सिनो मनि सोइ होई ॥
 ॥ कनइ स्वामि हित सेवक सोई ॥ ॥ दूषन कोटि दै किन कोई ॥
 ॥ अस विचारि सुचि सेवक बोले ॥ ॥ जे सपनेहुं निज धन मन डोले ॥
 ॥ कहि सब मन मधन ममल नाथा ॥ ॥ जे जे हिलायक सो तेहि नाथा ॥
 ॥ कनि सब जतन नाधि नखवारे ॥ ॥ नाम मातुपहं भनत सिधाने ॥
 ॥ दोहा ॥ आनत जननी जानि सब भनत सनेह सुजान ॥
 ॥ कहे उवनावन पालकी सजन सुधासन जान ॥ १८८ ॥
 ॥ चौ चक्र चक्रि सब पुन न नानी ॥ ॥ चहत प्रातउन आनत नानी ॥
 ॥ जागत सर्व निसि नये उविहाना ॥ ॥ भनत बोलाऐ सचिव सुजाना ॥
 ॥ कहे उलेहु सवति लकसमाजू ॥ ॥ वनहि देव मुनि नामहि नाजू ॥
 ॥ वेगि चलहु सुनि सचिव जुहाने ॥ ॥ तुमि तनु नगन यनाग सवने ॥
 ॥ अनुधती अनु अगिनि समाउ ॥ ॥ नथ चलि चले प्रथम मुनि नाउ ॥
 ॥ विप्र वंदे चलि वाहन नाना ॥ ॥ चले सकल तपते जनिधाना ॥
 ॥ नगन लोग सब सजिस जिजाना ॥ ॥ चित्र कूट कहै कीन्ह पयाना ॥
 ॥ सिविका सुनगन जाहि वधानी ॥ ॥ चलि चलि चलत नई सवानी ॥
 ॥ दोहा ॥ सोपिनगर सुचि सेवक नृसाइन सकल चलाइ ॥
 ॥ सुमिनि नाम सिय चनन तव चले ननत होउ नाइ ॥ १८९ ॥
 ॥ चौ नाम हर सब सवन न नानी ॥ ॥ जनु कनिक निनि चले तकिवानी ॥

अयोध्या०

॥३६॥

॥ वनसिय राम समुहि मन माहिं ॥ सानु जन्न न त पया देहि जाहिं ॥
 ॥ दैषि सनेह लोग अनु नागे ॥ उत्त निच लेह यग जन थ त्यागे ॥
 ॥ जाइ समीप नाधि निज डोली ॥ नाम मातु मर दुवानी बोली ॥
 ॥ तात च छुन थ वलि महतारी ॥ होइ हि प्रिय पनि वान दुषारी ॥
 ॥ तुम्ह ने चलत चलहि सब लोग ॥ सकल शोक कृसनहि मग जोग ॥
 ॥ सिनध निवचन चरन सिनु नाई ॥ नथ च छिचलत न ऐहो उनाई ॥
 ॥ तम सा प्रथम दिवस कनिवास ॥ दूसर गोमति तीर निवास ॥
 ॥ दोहा ॥ पय अह न फल अस न ऐक नि सिनो जन ऐक लोग ॥
 ॥ कनत नाम हित ने भवत पनि हनि नूषन भोग गा ॥ १६० ॥
 ॥ चौ सई तीर वसि चले विहाने ॥ अंग वेन पुन सब निअराने गा ॥
 ॥ समावान सब सुने उनिषादा ॥ रुदय विचान कने सविषादा ॥
 ॥ कानन कवन न न त वन जाहिं ॥ है कथुक पट भाव मन माहिं ॥
 ॥ जो पै जिय न होति कुरि लाई ॥ तौ कत संग ली नूक टकाई ॥
 ॥ जानहि सानु जनामहि मारी ॥ कनहुं अंकट कनाज सुषारी ॥
 ॥ मनत न नाज नीति उन गारी ॥ तव कलंक अवजीवन हानी ॥
 ॥ सकल सुना सुन जु रहि नूहना ॥ नामहि समन न जीत न हाना ॥
 ॥ का आचन ज मन त अस कनहिं ॥ नहि विषे वेलि अमिय फल फनहिं ॥
 ॥ दोहा ॥ अस विचानि गुह्य गति सन केह सि सजग सब होहु ॥
 ॥ हय वास हुबोन हुत न नि कीजिय घाटानो हु गा ॥ १६० ॥
 ॥ चौ होहु सँजोइ लनौ कहु घाट ॥ ठाटहु सकल मन इक न ठाट ॥
 ॥ सन मुख लोह न न त सन लेह ॥ जिअत न सुन सनि उत्त न न देह ॥
 ॥ समन मन न पुनि सुन सपितीना ॥ नाम काज धन नंगु सनीना ॥
 ॥ मनत न नाइ न पमै जननी चू ॥ वडे भाग अस पाइ यमी चू ॥
 ॥ स्वामी काज कनहु न न रानी ॥ जसल होध बल मुवन दस चानी ॥
 ॥ तजिहुं प्रान न घुनाथ निहोने ॥ दुहू हाथ मुद मंगल मोने ॥
 ॥ साधु समाजन जा कन लेखा ॥ नाम न गत मह जा सुन नेखा ॥
 ॥ जाये जिअत जग सो महिना ॥ जननी जोवन विटप कुठा ॥
 ॥ दोहा ॥ विगत विषाद निषाद पति सवहि वलाइ उछाहु ॥

॥ सुमिनिनाममोगेउतुनततनकसधनुषसनाहु॥१६॥
 ॥ चौबेगेहुभाइहुसजहुसंजोउ ॥ ॥ ॥ सुनिनजाइकेंदनाइनकोउ ॥
 ॥ भलेहिनाथसबकहहिंसहनषा ॥ ऐकहिऐकवढावहिकनषा ॥
 ॥ चलेनिषादजोहानिजोहानी ॥ ॥ सनसकलनननुचेजुनानी ॥
 ॥ सुमिनिनामपदपंकजपनहीं ॥ ॥ नाथीवंधिचढाऐरिधनुहीं ॥
 ॥ अंगनीपहनिकूंडिसिनधनहीं ॥ ॥ फनसावाससेलसमकरहीं ॥
 ॥ ऐककुशलअतिओउनघांउ ॥ ॥ कूदहिगगनमनहुंछितिछांउ ॥
 ॥ निजनिजसाजसमाजवनार्इ ॥ ॥ गुरुनावतहिजुहनेरिजाई ॥
 ॥ देखिसुनटसबलायकजाने ॥ ॥ लैलैनामसकलसनमाने ॥
 ॥ दोहा ॥ भाइहुलावहुधोषजनिआजुकाजुवडमोहि ॥
 ॥ सुनिसयोषबोलेसुनटवीनअधीननहोहि ॥१६॥
 ॥ चौनामप्रतापनाथवलतोने ॥ ॥ कनहिकटकविनुनटविनुघोने ॥
 ॥ जीवतपांउनपाछेधनहीं ॥ ॥ नुंउमुंउमयमेदिनिकनहीं ॥
 ॥ देखिनिषादनाथनलबोल् ॥ ॥ कहेउवजाउजुहाउछोल् ॥
 ॥ इतनैकहतथीकनइवाऐ ॥ ॥ कहेउसगुनिआयेतसुहाऐ ॥
 ॥ बूछऐकुकहसगुनविचानी ॥ ॥ ननतहिभिलियनहोइहिनानी ॥
 ॥ नामहिन्ननतमनावनजहिं ॥ ॥ सगुनकहेअसविग्रहुनाहीं ॥
 ॥ सुनिगुरुकहइनीककहबूछा ॥ ॥ सहसाकनिपछिताइविमूछा ॥
 ॥ ननतसुनावसीलविनुबूछे ॥ ॥ वडिहितहानिजानिविनुजूछे ॥
 ॥ दोहा ॥ गहहुघाटनटसिमिरिसबलेहुंमनमभिलिजाइ ॥
 ॥ बूढिमित्रअनिमध्यगतितसतवकनियउपाइ ॥१६॥
 ॥ चौलखवसनेहसुत्रायमुहाऐं ॥ ॥ बैनप्रीतिनहिदुनइदुनाऐं ॥
 ॥ असकहिचैंटसजोवनलागे ॥ ॥ कंदमूलफलखगमृगमोगे ॥
 ॥ मीनपीनपाटीनपुनाने ॥ ॥ ननिननिनानकहानरुआने ॥
 ॥ मिलनसाजुसजिमिलनसिधाऐ ॥ ॥ मंगलमूलसगुनसुनपाऐ ॥
 ॥ देखिदूनितेकहिनिजनाम् ॥ ॥ कीन्हमुनीसहिदंडप्रनाम् ॥
 ॥ जानिनामप्रियहीन्हअसीसा ॥ ॥ ननतहिकहेउबुहाइमुनीसा ॥
 ॥ नामसयासुनिस्यंदनत्यागा ॥ ॥ चलेउउतनिउमगतिअनुनागा ॥

अयोध्या०

॥३७॥

॥ गौ उजातिगुहना उ सुनाई ॥ ॥ कीन्ह जु हान माथ महिलाई ॥

॥ दोहा ॥ कनतं डवत देखितेहि मातलीन्ह उनलाइ ॥

॥ मनहुं लखन सो नैट नै प्रेमन हृदय समाइ ॥ १६४ ॥

॥ चौ नैट तन नत ताहि अति प्रीति ॥ लोगसि हाहि प्रेम की नीति ॥

॥ धन्य धन्य धुनि मंगल मूल ॥ सुन सनाहितेहि वन सहि मूल ॥

॥ लोक वेद सव नैतिहि नीचा ॥ जा सुधै हछु इलेइ य सीचा ॥

॥ तेहि न निअं क नाम लघु आता ॥ मिलत पुलक पनि पूनित गाता ॥

॥ नाम नाम कहिये ज न आहि ॥ तिन्हि न पाप पुंज स मुहाहि ॥

॥ एतौ नाम लाइ उनलीन्ह ॥ कुल समेत जग पावन कीन्ह ॥

॥ कन मना स जल सुन सनि पनई ॥ तेहि को कहहु सी सनहि धनई ॥

॥ उलटाना मज पत जग जाना ॥ वालमीक नये ब्रह्म समाना ॥

॥ दोहा ॥ स्वपच सवन सय मन जउ पावन को लकि नात ॥

॥ नाम कहत पावन पनम होत नुवन विध्यात ॥ १६५ ॥

॥ चौ नहि अचिन ज जुग जुग चलि आई ॥ केहि नहीन्ह न धुवीन वडाई ॥

॥ नाम नाम महिमा सुन कहैं ॥ सुनि सुनि लोग अवि सुषल हैं ॥

॥ नाम सखि मिलि नत स प्रेम ॥ पूछहि कुशल सुमंगल येमा ॥

॥ देखि नत कन सील सनेह ॥ जानि याद तेहि सम य विदेह ॥

॥ सकुच सनेह मोह मन बाछा ॥ नत तहि चित वत ऐक टकाछा ॥

॥ धनि धीन ज पद वंदि व होनी ॥ विनय स प्रेम कनत कन जोमी ॥

॥ कुशल मूल पद पंक ज पेयी ॥ मैति हुकाल कुशल निजे दीयी ॥

॥ अब प्रनु पनम अनुग्रह तोनै ॥ सहित कोटि कुल मंगल मोनै ॥

॥ दोहा ॥ समुहि मोनिक नरति कुल प्रनु महिमा जिय जोइ ॥

॥ जो न न जैन धुवीन पद जग विधि वचित होइ ॥ १६६ ॥

॥ चौ कपटी कापन कुमति कुजाति ॥ लोक वेद बाहेन सव नैति ॥

॥ नाम कीन्ह आपन जव हांते ॥ नये उनुवन नखन तव हांते ॥

॥ देखि प्रीति सुनि विनय सुहाई ॥ मिले उव होनि नत लघु भाई ॥

॥ कहि निषाद निज नाम सुवानी ॥ साइन सकल जोहानि सिनानी ॥

॥ जानि लखन समे दिहि सीसा ॥ जिअहु सुधी सय लाख वरीसा ॥

॥ निरखि निषादन गन न नानी ॥ नये सुधी जनु लखन निहानी ॥

॥ कहिं हिले हेउ ऐहि जीवन लाहू ॥ ॥ नैटे उराम नन तन प्रिया हू ॥
 ॥ सुनिनिषाद निज नगाव डाई ॥ प्रमुदित मन ले चले उलवाई ॥
 ॥ दोहा ॥ सन कोने सेवक सकल चले स्वामिनुष पाइ ॥
 ॥ धनतनु तन सब वागवन वासव नो ऐहि जाइ ॥ १६७ ॥
 ॥ चौ ॥ अंगवेन पुन नन तदीष जव ॥ नैसने हव स अंग सिथिल तव ॥
 ॥ सोहित दिऐ निषाद हिला गू ॥ जनुतनु धने विनय अनुना गू ॥
 ॥ ऐहि विधि नन तसे न सब संग ॥ दीष जाइ जग पावन गंगा ॥ ॥
 ॥ राम घाट कहं कीन्ह प्रनाम ॥ नामनु मगन मिले जनुनाम ॥
 ॥ कनहि प्रनाम नगन नन नानी ॥ मुदित ब्रह्म मय वा निनिहानी ॥
 ॥ कनि मज्जन मागहि कन जोनी ॥ राम चंद्र पट प्रीति नथोनी गा ॥
 ॥ भनत कहें सुन सपित वने न ॥ सकल सुषट् सेवत सुरधेन ॥
 ॥ जो निषा निमो गहुं वने ऐहू ॥ ॥ सीय नाम पट सहज सने हू ॥
 ॥ दोहा ॥ ऐहि विधि मज्जन नन त कनि गुनु अनुसासन पाइ ॥
 ॥ मानु नहानी जानि सब डेरहि चले लिवाइ गा ॥ १६८ ॥
 ॥ चौ ॥ जहंत हें लोग नुडे ना कीन्ह ॥ नन त सोध सब ही कन लीन्ह ॥
 ॥ गुन सेवा कनि आय सुपाई ॥ ॥ नाम मानु पहंग य हो उचाई ॥
 ॥ वन नचापि कहि कहि मृदुवानी ॥ जननी सकल नन त सन मानी ॥
 ॥ भाइहि सौं पिमा तु सेव काई ॥ आपुनिषाद हिलीन्ह वोलाई ॥
 ॥ चले सखा कन सौं कन जोने ॥ सिथिल सनी न सने हन थोने ॥
 ॥ प्रेष्ट सखहि सोठा उदियाऊ ॥ नैकुन यन मन जर निजु डाऊ ॥
 ॥ जहं सिय नाम लखन निसि सोऐ ॥ नन त नरे जल लोचन कोऐ ॥
 ॥ भनत वचन सुनि नऐ उ विषाडू ॥ पुन तत होलइ गऐ उ निषाडू ॥
 ॥ दोहा ॥ जहं सिसु पात पुनीत तनु रघुवन किय विश्राम ॥
 ॥ अतिसने हसाद नन त कीन्ह उटं उ प्रनाम ॥ १६९ ॥
 ॥ चौ ॥ कुश सौं थनी निहानि सुहाई ॥ कीन्ह प्रनाम प्रदक्षिन जाई ॥
 ॥ वन नरे धरज आधिन्ह लाइ ॥ वन इन कहत प्रीति अधिक जाई ॥
 ॥ कन कविंदु दुइ चारि कहे थे ॥ राये सीस सीय सम ले थे गा ॥
 ॥ सजल विलोचन हृदय गतानी ॥ कहत सखासन वचन सुबानी ॥

अयोध्या०

॥३८॥

॥ श्रीहृत्सीयविनहृदुतिहिना ॥ जथाश्रवधनननारिमलाना ॥
 ॥ पिताजनकदेउपटतनकेहि ॥ करतलभोगजोगजगजेहि ॥
 ॥ ससुनभानुकुलभानुनुवाल् ॥ जेहिहिहातश्रमनवतिपाल ॥
 ॥ प्राननाथनघुनाथगोसौई ॥ जोवडहोतसोनामवडाई ॥
 ॥ दोहा ॥ एतिदेवतासुतीयमनिसीयसाथनीदेधि ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ विद्वतहृदयनहहृनिकरिपवितेकठिनविसेधि ॥ २०० ॥
 ॥ चौलालनजोगलषनलधुलेने ॥ नयेननाइश्रसश्रहहिनहोने ॥
 ॥ पुनजनप्रियपितुमातुडुलाने ॥ सियनघुवीनहिप्रानपिश्राने ॥
 ॥ मृदुमनतिसुकुमानसुनाडु ॥ तातवाउतनलागनकाडु ॥ ॥
 ॥ तेवनवसहिंविपतिसवचैती ॥ निदनेकोटिकुलिसपेहिष्णती ॥
 ॥ पुनजनपनिजनगुनुपितुमाता ॥ नामसुनाउसवहिसुखदाता ॥
 ॥ वैनिउनामवडाईकरहो ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ सानदकोटिकोटिशतसेषा ॥ कनिनसकहिप्रभुगुनगनलेषा ॥
 ॥ दोहा ॥ सुखसरूपनघुवंशमनिमंगलमोदनिधान ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ तेसोवतकुशडासिमहि विधिगतिश्रतिवलवान ॥ २०१ ॥
 ॥ चौनामसुनादुषकाननकाडु ॥ जीवनतनुजिमिजोगवतनाडु ॥
 ॥ पलकनयनफनिमनिजेहिचैती ॥ जोगवहिजननिसकलदिनुनति ॥
 ॥ तेअवफिनतविपिनपटचानी ॥ कंदमूलफलफूलश्रहानी ॥ ॥
 ॥ धिगकैकेइश्रमंगलमूला ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ मैधिगधिगअधउदधिअभगी ॥ सवउतपातनऐजेहिलागी ॥
 ॥ कुलकलंककनिस्रजेउविधाता ॥ सौंदोहमोहिकीन्हकुमाता ॥
 ॥ सुनिसप्रेमसमुदावनिषाडू ॥ नाथकनियसववाहिविषाडू ॥
 ॥ नामनुमहप्रियतुमहप्रियनामहि ॥ ऐहिनिनजोसुदोसुविधिवामहि ॥
 ॥ छंदविधिवामकीकरनीकठिनजेहिमातुकीन्हीवावनी ॥
 ॥ तेहिनातिपुनिपुनिकनहिप्रभुसादनसनाहननावनी ॥
 ॥ तुलसीनतुमहसौनामप्रीतमकहतहौंसौहइकिऐ ॥
 ॥ पविनाममंगलजानिअपनेआनिऐधीनजहिऐ ॥
 ॥ सोनठा ॥ अंतनजामीनाम ॥ सकुचसप्रेमकृपायतन ॥
 ॥ चौवलियकनियविश्राम ॥ यहविचारिदूछआनिमन ॥ २०२ ॥

॥ **चौ** सखावचनसुनिउनधनिधीना ॥ वासचलेसुमिनतनघुवीना ॥
 ॥ यहसुधिपाइनगननननानी ॥ चलेविलोकनआनतनानी ॥
 ॥ प्रदक्षिणाकनिकनहिप्रनामा ॥ देहिंकेकेइहिवेनिनिकामा ॥
 ॥ भनिन्ननिवानिविलोचनलेही ॥ वामविधातहिदूषनदेही ॥
 ॥ ऐकसनाहहिंननतसनेह ॥ कोउकहनृपतिनिवाहेउनेह ॥
 ॥ नींदहिंआपुसनाहिनिषादहि ॥ कोकहिसकेविमोहविषादहि ॥
 ॥ ऐहिविधिनातिलोगसवजागा ॥ भविनुसानउताननुलागा ॥
 ॥ गुनहिसुनावचछाइसुहार्इ ॥ नईनावसवमानुचछाई ॥
 ॥ दाउचानिमहिनासवपाना ॥ उत्तनिन्नतसवसहितसंभना ॥
 ॥ **दोहा** प्रातकृपाकनिमातुपाद्वंदिगुनहिसिनुनाई ॥
 ॥ आगेकिऐनिषादगनदीन्हेउकटकचलाइ ॥ २०३ ॥
 ॥ **चौ** किऐनिषादनाथअगुआई ॥ मातुपालकीसकलचलाई ॥
 ॥ साथबोलाइनाइलघुदीन्हा ॥ विप्रनूसहितगवनगुनकीन्हा ॥
 ॥ आपुसुनसनिहिकीन्हाप्रनाम ॥ सुमिनेउलषनसहितसियनाम ॥
 ॥ गवनेन्नतपयाइहपाऐ ॥ कोतलसंगजाहिडोनिआऐ ॥
 ॥ कहहिंसुसेवकवानहिवाना ॥ होइयनाथअश्वअसवाना ॥
 ॥ नामपयाइहिंपायसिधाऐ ॥ हमकहैनथगजवाजिवनोऐ ॥
 ॥ सिनन्नजाउंउचितअसमोना ॥ सवतेसेवकधनमकठोना ॥
 ॥ देखिन्नतगतिसुनिम्रडुवानी ॥ सवसेवकमनगनहिगलानी ॥
 ॥ **दोहा** भनततीसनेपहनकहकीन्हाप्रवेशप्रयाग ॥ ॥ ॥
 ॥ कहतनामसियनामसियउमगिउमगिअनुनाग ॥ २०४ ॥
 ॥ **चौ** हलकाहलकतपायनूकेसे ॥ पंकजकोशआसकनजेसे ॥
 ॥ भनतपयाइहआऐआजू ॥ भऐदुषितसुनिसकलसमाजू ॥
 ॥ खवनिलीन्हासवलोगनहाऐ ॥ कीन्हाप्रनामत्रिवेनीहिआऐ ॥
 ॥ सवहिसितासितनीननहाने ॥ दिऐदानमहिसुनसनमाने ॥
 ॥ देखतस्यामलधवलहलोने ॥ पुलकिसनीनन्नतकनजोने ॥
 ॥ सकलकामप्रदतीनथनाउ ॥ वेदविदितजगप्रगटप्रजाउ ॥

अयोध्या०

॥३८॥

॥ मांगउभीषत्याजिनिजधनम् ॥ आनतकाहेनकनइकुकरम् ॥
 ॥ असजियजानिसुजानसुदानी ॥ सफलकरहिजगजाचकवानी ॥
 ॥ दोहा ॥ अनयनधनमनकामनुचिगतिनचहैंनिनवान ॥
 ॥ जनमजनमनतिनामपदपुहवरदाननआन ॥ २०५ ॥
 ॥ चौ ॥ जानहुनामकुटिलकनिमोहि ॥ लोगकहैगुनसाहेबदोहि ॥
 ॥ सीतानामचनननतिमोने ॥ अनुदिनवखइअनुग्रहतोने ॥
 ॥ जलइजनमभनिसुनतिविसाउ ॥ जाचतजलपविषाहनडाउ ॥
 ॥ चातकनटनिघटैघटजाई ॥ वळेप्रेमसवभौतिनलाई ॥
 ॥ कनकहिवानिवळेजिमिहोहैं ॥ तिमिप्रीतमपदनेमनिबोहैं ॥
 ॥ भनतवचनसुनिमध्यत्रिवेनी ॥ भइमदुवानिसुभंगलदेनी ॥
 ॥ तातभनततुम्हसवविधिसाधू ॥ नामचननअनुनागअगाधू ॥
 ॥ बाटिगलानिकनहुमनमहि ॥ तुम्हसमनामहिकोउप्रियनहि ॥
 ॥ दोहा ॥ तनुपलकेउहियहनधसुनिबनिवचनअनुकूल ॥
 ॥ भनतधन्यकहिधन्यसुनहनधितवनधहिफूल ॥ २०६ ॥
 ॥ चौ ॥ प्रमुदिततीनथनाजनिवासी ॥ वैषानसवदुग्रहिउदासी ॥
 ॥ कहहिंपनसपनमिलिदसपाँचा ॥ भनतसनेहशीलशुचिसाँचा ॥
 ॥ सुनतनामगुनग्रामसुहाए ॥ भनद्वाजमुनिवनपहँआए ॥
 ॥ इंडप्रनामकरतमुनिदेखे ॥ भूतिवंतभाग्यनिजलेखे ॥
 ॥ जाइउठाइलाइउनलीन्है ॥ दीन्हिअसीसक्रतानथकीन्है ॥
 ॥ आसनदीन्हनाइसिनबैठे ॥ चहतसकुचग्रहजनुभजिपैठे ॥
 ॥ मुनिपूँछवकधुयहवडसोचू ॥ बोलेनिधिलधिसीलसकोचू ॥
 ॥ सुनहुननतहमसवसुधिपाई ॥ विधिकनतवपनकधुनवसाई ॥
 ॥ दोहा ॥ तुम्हगलानिजियजनिकनहुसमुहिमातुकनतूति ॥
 ॥ तातकैकेइहिदोसनहिगईगिनामतिधूति ॥ २०७ ॥
 ॥ चौ ॥ इहउकरतभलकहिहिनकोउ ॥ लोकवेदबुधसंमतदोउ ॥
 ॥ ताततुलानविमलजसुगाई ॥ पाइहिलोकउवेदवडाई ॥
 ॥ लोकवेदसंमतसवकरई ॥ जेहिपितुदेइनाजसोइलहई ॥

॥ नाउसत्पव्रततुम्हिवोलाई ॥ दैतनाजुसुषधनमवडाई ॥
 ॥ नामगवनवनअननधमूला ॥ जोसुनिसकलविस्वभइसला ॥
 ॥ सोन्नावीवसनानिअपानी ॥ कनिकुचालअंतहुपधितनी ॥
 ॥ तहांतुम्हानअलपअपनाध ॥ कहइसोअबुधअयानअसाध ॥
 ॥ करंतेहुनाजुतुम्हिनहिदोस ॥ नामहिं होत सुनत संतोष ॥
 ॥ दोहा ॥ अवअतिकीन्हे उन्नतनलतुम्हि उचितमतऐहु ॥
 ॥ सकलसुमंगलमूलजगनधुवनचननसनेहु ॥ २०८ ॥
 ॥ चौसोतुम्हानधनजीवनप्राना ॥ भनिन्नागकोतुम्हिसमाना ॥
 ॥ यहतुम्हानआचनजनताता ॥ दसनथसुवननामप्रियआता ॥
 ॥ सुनहुन्नतनधुपतिमनमहिं ॥ प्रेमपात्रतुम्हसमकोउनाहिं ॥
 ॥ लखननामसीतहिअतिप्रीति ॥ निसिसवतुम्हिसनाहतवीत्ति ॥
 ॥ जानामनमनहातप्रयागा ॥ मगनहोहितुम्हनेअनुनागा ॥
 ॥ तुम्हपनअससनेहनधुवनके ॥ सुखजीवनजगजसननजडेके ॥
 ॥ यहनहिअतिनधुवीनवडाई ॥ प्रनतकुटुंबपालनधुनाई ॥
 ॥ तुम्हंतोन्नतमोनमतऐहु ॥ धनेदेहजनुनामसनेहु ॥
 ॥ दोहा ॥ तुम्हकहेभनतकलंकयहहमसवकहंउपेदेस ॥
 ॥ नामभगतिनससिद्धिहितआयहसमउगनेस ॥ २०९ ॥
 ॥ चौनवविधुविमलतातजसुतोना ॥ नधुवनकिंकनकुमुदबकोना ॥
 ॥ उदितसदाअथइहिकवहना ॥ घटिहिनजगननदिनदिनदूना ॥
 ॥ कोकतिलोकप्रीतिअतिकनहीं ॥ प्रनुप्रतापनविष्टविहिनहहीं ॥
 ॥ निसिदिनसुषदसदासवकाह ॥ ग्रसहिनकैकेइकरतवनाह ॥
 ॥ पूनननामसुप्रेमपियूषा ॥ गुनअपमानदोषनहिदूषा ॥
 ॥ नामभगतअवअभियअथाह ॥ कीन्हेहुसुलभसुधावसुधाह ॥
 ॥ भूपनगीनथसुनसपिअनि ॥ सुमिनतसकलसुमंगलखनि ॥
 ॥ दसनथगुनगनवननिनजाहीं ॥ अधिककहजेहिसमजगनहीं ॥
 ॥ दोहा ॥ जासुसनेहसकोचवसनामप्रगटनऐअई ॥
 ॥ जेहनहियनयननिकवहुनिनयेनहीअघाई ॥ २१० ॥
 ॥ चौकीनतिविधुतुम्हकीन्हेअनूपा ॥ जहवसनामप्रेममगनूप ॥
 ॥ तातगिलानिकनहुजियजाऐ ॥ उन्नदुनिद्वहिपानसुपाऐ ॥

॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ सुनिमुनिवचनमनतश्रितिसोचू ॥ भयउकुश्रवसनकठिनस्कोचू ॥

॥ जानिगनुइगुनुगिनावहोरी ॥ ॥ चननवंदिवोलेकनजोनी ॥
 ॥ सिनधनिआयसुकनिअतुमहना ॥ पनमधनमयहनाथहमाना ॥
 ॥ मनतवचनमुनिवनमननाए ॥ सुविसेवकसिधिनिकटवोले ॥
 ॥ चाहियकीन्हनतपहुनाई ॥ कंदमूलफलआनहुजाई ॥
 ॥ भलेहिनाथतिरुकाहिसिननाए ॥ प्रमुदितनिजनिजकाजसिधोए ॥
 ॥ मुनिहिसोचपाहुनवडनेवता ॥ तसिपूजाचाहियजसदेवता ॥
 ॥ मुनिनिधिसिधिअनिमादिकआई ॥ आयसुहोइसोकमिअगोसाई ॥
 ॥ दोहा नामविनहव्याकुलननतसानुजसहितसमाज ॥
 ॥ पहुनाईकनिहनहुअमकहामुदितमुनिनाज ॥ २१४ ॥
 ॥ चोसिधिसिधिसिनधनिमुनिवनवनि ॥ वडनागिनिआपुहिअनुमनि ॥
 ॥ कहहिपनसपनसिधिसमुदाई ॥ अतुलितअतिथिनामलघुनाई ॥
 ॥ मुनिपदवंदिकनियसोइआजू ॥ होइसुधीसवनाजसमाजू ॥
 ॥ असकहिनचेनुचिनग्रहनाना ॥ जेहिविलोकिविलषाहिविमाना ॥
 ॥ भोगविभूतिभूनिननिनाये ॥ देवतजिन्हिअमनअभिलोष ॥
 ॥ दासीदाससाजसबलीने ॥ जोगवतनहहिमनहिमनहीने ॥
 ॥ सबसमाजसजिसिधिपलमहि ॥ जेसुखसुनपुनसपनेहुनाहि ॥
 ॥ प्रथमहिवासदिएसबकेही ॥ सुंदरसुखदजयानुचिजेही ॥
 ॥ दोहा बहुनिसपनिजनननतकहुनिधिससआपसुधीन ॥
 ॥ विधिविसमयदायकविनवमुनिवनतपवलकीन्ह ॥ २१५ ॥
 ॥ चोमुनिप्रभावजवननतविलोका ॥ सबलघुलागलोकपतिलोका ॥
 ॥ सुखसमाजनहिजाइवषानी ॥ देवतविनतिविमानहिग्यानी ॥
 ॥ आसनसयनसुवसनविताना ॥ वनवाटिकाविहंगमगनाना ॥
 ॥ सुननिपूलफलअमियसमाना ॥ विमलजलासयविविधविधाना ॥
 ॥ असनपानसुचिअमलअमीसे ॥ देखिलोगसकुचातजमीसे ॥
 ॥ सुनसुननीसुनतनुसबहीके ॥ लखिअभिलाषसुनेससचीके ॥
 ॥ निनुवसंतवहत्रिविधवयानी ॥ सबकहसुलनपदानथचानी ॥
 ॥ स्वगचंदनवनितादिकभोगा ॥ देखिहनयविसमयसबलोगा ॥
 ॥ दोहा संपतिचकईननतचकमुनिआयसुखिलवान ॥

अयोध्या०

॥४९॥

॥ तेहिनिशिआश्रमपिंजनारोषेनाभिनुसान ॥२१६॥

॥ चौकीन्हनिमज्जनतीनथनाजा ॥ नाइमुनिहिसिनसहितसमाजा ॥

॥ निधिआयसुअसीससिनाधी ॥ कनिटंडवतीविनयवहुनाधी ॥

॥ पथगतिकुशलसाथसवलीने ॥ चलेचित्रकूटहिचिनुदीने ॥

॥ नामसयाकनदीनेहुलाग ॥ चलतंदेहधरिजनुअनुनाग ॥

॥ नहिपटत्रानसिसनहिछाया ॥ प्रेमनेमवतधरमअमाया ॥

॥ लखननामसियपंथकहानी ॥ पूछतसयहिकहतप्रिदुवानी ॥

॥ नामवासथलविटपविलोके ॥ उनअनुनागनहतनहिनोके ॥

॥ देखिदसासुनवनधरिहफूला ॥ नइमदुमहिमुमंगलमूला ॥

॥ दोहा ॥ कियेजहिहंछायाजलदसुषटवहइवनवात ॥

॥ जसमगनऐननामकहतसन्नानरतहिजात ॥२१७॥

॥ चौजउचेतनजगजीवधनेने ॥ जेचितेयप्रभुजिन्हप्रभुहेने ॥

॥ तेसबनऐपनमपटजोग ॥ नरतइनसमेटेउनवनोग ॥

॥ यहवडिवातनरतकैनहि ॥ सुमिनतजिन्हहिनाममनमहि ॥

॥ वानकनामकहतजगजेऊ ॥ होततरनताननननतेऊ ॥

॥ नरतनामप्रियपुनिलघुआता ॥ कसनहोइमगमंगलदाता ॥

॥ सिद्धसाधुमुनिवनअसकहि ॥ नरतीहिनरधिहनधरियलहि ॥

॥ देखिप्रभावसुनेसहिसोचू ॥ जगन्नलभलेहिपोचकहपोचू ॥

॥ गुनसनकहेउकनियप्रभुसोई ॥ नामहिन्नरतहिनेटनहोई ॥

॥ दोहा ॥ नामसकोचीप्रेमवसन्नरतसोप्रेमपयोधि ॥

॥ बनीवातविगननचहतिकनियजतनछलसोधि ॥२१८॥

॥ चौबचनसुनतसुनगुनुमुसुकोने ॥ सहसनयनविनुलोचनजाने ॥

॥ कहिगुनवादिछोअछलआज ॥ इहांकपटकनिहोइअकाजू ॥

॥ मायापतिसेवकसनमाया ॥ कनियतौउलटिपैरेसुननाया ॥

॥ तवकछुकीन्हनामनुषजानी ॥ अबकुचालिकनिहोइहिहानी ॥

॥ सुनुसुनेसनधुनाथसुभाऊ ॥ निजअपनाधरिसाहिनकाऊ ॥

॥ जोअपनाधनगतकनकनई ॥ नामरोषपावकसोइजनई ॥

॥ लोकहुंवेदविदितइतिहासा ॥ यहमहिमाजानिहिदुखासा ॥

॥ ननतसनिस्कोनामसनेही ॥ जगजपनामनामजपजेही ॥
 ॥ ननतहृदयनामहिकनध्याना ॥ नामसदाभनतहिसनमाना ॥
 ॥ दोहा मनहुनआनियअमनपतिनधुपतिभगतअकाजु ॥
 ॥ अजसलोकपनलोकदुषदिनदिनसोकसमाजु ॥ २१८ ॥
 ॥ चौ सुनुसुनेसउपदेसहमाना ॥ नामहिसेवकपनमपियारा ॥
 ॥ मानतसुषसेवकसेवकाई ॥ ॥ सेवकवयनवयनअधिकई ॥
 ॥ जघपिसमनहिनागननोया ॥ गहहिनपापपुन्यगुनदोषा ॥
 ॥ कनमप्रधानवित्त्वकनिनाषा ॥ जोजसकरइसोतसफलबाषा ॥
 ॥ तदपिकनहिसमविषमविहाना ॥ भगतअभगतहृदयअनुसता ॥
 ॥ अगुनअलेषअमानऐकनस ॥ नामसगुनभेभगतप्रेमवस ॥
 ॥ नामसदासेवकनुचिनाषी ॥ वेदपुरानसाधुसुचिसाषी ॥
 ॥ असजियजानितजहुकुटिलाई ॥ करहुननतपनप्रीतिसुहाई ॥
 ॥ दोहा नामभक्तपनहितनिनतपनदुषदुषीदयाल ॥
 ॥ भक्तसिनोमनिभनततेजनिउनपहुसुनपाल ॥ २१९ ॥
 ॥ चौ सत्यसंधप्रभुसुनहितकानी ॥ ननतनामआयसुअनुसानी ॥
 ॥ स्वानथविवसविकलतुम्होहू ॥ ननतदोसनहिनाउनमोहू ॥
 ॥ सुनिसुनवनसुनगुनुवनवानी ॥ भाप्रभोटमनमिटीगलानी ॥
 ॥ वनधिप्रसूनहनधिसुनराउ ॥ लगेसनाहनननतसुनराउ ॥
 ॥ ऐहिविधिभनतचलेमगजाहिं ॥ दृशादेधिमुनिसिद्धसिंहहिं ॥
 ॥ जबहिंनामकनिलेहिउसासा ॥ उमगतप्रेममनहुंचहुंपासा ॥
 ॥ इबहिंवचनसुनिकुलिसपषात ॥ पुनजनप्रेमनजाइवषाता ॥
 ॥ बीचवासकनिजमुनहिआऐ ॥ निरधिनीनलोचनजलछाऐ ॥
 ॥ दोहा नधुवनवननविलोकिवरवानिसमेतसमाज ॥
 ॥ होतमगनवानिधविनहचछेविवेकजहाज ॥ २२१ ॥
 ॥ चौ जमुनतीनतेहिदिनकनिवासर ॥ नऐउसमयसमसबहिसुपासर ॥
 ॥ नातिहिंघाटघाटकीतननी ॥ आईअगनितजाहिंनवननी ॥
 ॥ प्रातपाननऐऐकिहियेवा ॥ तोयेनामसयाकीसेवा ॥
 ॥ चलेनहाइजमुनहिसिननाई ॥ नाथनिषादनाथदोउनाई ॥

अयोध्या०

॥४२॥

॥ अगिमुनिवरवाहनआधि ॥ ॥ राजसमाजजाइसवपाछे ॥
 ॥ तेहिपाछेहोउबंधुपयादे ॥ ॥ भूषनवसनवेषसुचिसादे ॥
 ॥ सेवकसुहृदसचिवसुतसाथ ॥ सुमिनतलखनसीयरघुनाथ ॥
 ॥ जहंजहनामवासविश्रामा ॥ ॥ तहंतहंकनहिंसप्रेमप्रनामा ॥

॥ दोहा ॥ मगवासीनननानिसुनिधामकामतजिधाइ ॥

॥ देविसरूपसनेहवसमुदितजन्मफलपाइ ॥ २२२ ॥

॥ चौ कहहिंसप्रेमएकएकपांहीं ॥ नामलखनसधिहोहिंकिनहीं ॥
 ॥ बयवपुवननरूपसोइआली ॥ सीलसनेहसनिससोइचाली ॥
 ॥ वेषनसोसधिसीयनसंगा ॥ ॥ अगिअनीचलीचतुनंगा ॥ ॥
 ॥ नहिप्रसन्नमुखमानसघेदा ॥ सधिसंदेहहोइऐहिनेदा ॥ ॥
 ॥ तासुतनकतियगनमनमानी ॥ कहहिसकलतेहिसमनसयानी ॥
 ॥ तेहिसनाहिवानीफुनिपूजी ॥ बोलीमधुनवचनतियदूजी ॥
 ॥ कहिसप्रेमसवकथाप्रसंग ॥ जेहिविधिनामनाजनसजंग ॥
 ॥ मनतहिवहुनिसनाहनलगी ॥ सीलसनेहसुभाबसुभागी ॥ ॥

॥ दोहा ॥ चलतपयादेहिंघातफलपितादिनृतजिनाजु ॥

॥ जातमनावननधुवनहिन्नतसनिसकोआजु ॥ २२३ ॥

॥ चौ नायपन्नक्तिन्ननतआचनरू ॥ कहतसुनतदुषदूषनहनरू ॥
 ॥ जोकछुकहवशोनसधिसोई ॥ नामबंधुअसकाहेनहोई ॥ ॥
 ॥ हमसवसानुजन्नतहिदेवें ॥ भइरूधन्यजुवतिरूजनलेवें ॥
 ॥ सुनिगुनदेविदसापधितहिं ॥ कैकेइजननिजोगसुतनाहिं ॥
 ॥ केउकहदूषननानिहिनाहिन ॥ विधिसवकीरूहमहिजोइहिन ॥
 ॥ कहेंहमलोकवेदविधिहिनी ॥ लघुकुलतियकरततिमलीनी ॥
 ॥ वसहिंकुंदेसकुगोवकुवामा ॥ कहयहदनसपुन्यपरिनामा ॥
 ॥ असअनंदअचनजप्रतिग्रामा ॥ जनुमनुचूमिकलपतनुजामा ॥

॥ दोहा ॥ मनतदनसंदेष्टतबुलेउमगलोगरूकननाग ॥ ॥

॥ जनुसिंहलवासिरूभएउविधिवससुलभप्रयाग ॥ २२४ ॥

॥ चौ निजगुनसहितनामगुनगाथा ॥ सुमिनतसुनतजाहिनधुनाथा ॥
 ॥ तीनथमुनिआश्रमसुनधामा ॥ निरधिमज्जितेहिकनहिप्रनामा ॥

॥ मनहि मन मांगहि वन ऐहू ॥ ॥ सीय नाम पद पद सनेहू ॥ ॥
 ॥ मिलहि किनात को लवन वासी ॥ ॥ वैषान सब दुजती उदासी ॥ ॥
 ॥ कनि प्रनाम पूछहि जे हिते ही ॥ ॥ केहि वन नाम लखन वैदेही ॥ ॥
 ॥ ते प्रनु समाचान सब कहिं ॥ ॥ ननत हि देखि जनम फलत हिं ॥ ॥
 ॥ जे जन कहिं कुशल हम देखे ॥ ॥ ते प्रिय नाम लखन सम लेखे ॥ ॥
 ॥ ऐहि विधि बूझत सब हि सुवानी ॥ ॥ सुनत नाम वन वास कहानी ॥ ॥
 ॥ दोहा तेहि वासन वसि प्रात हीं चले सुमि निन घुनाथ ॥
 ॥ नाम दन सकी लाल सा ननत सनिस सब साथ ॥ २२५ ॥
 ॥ चौ मेगल सगन होहिं सब काहू ॥ ॥ फन कहिं सुषट विलोचन बाहू ॥
 ॥ ननत हि सहित समाज उधाहू ॥ ॥ मिलि हीं नाम मिटि हि दुषदाहू ॥
 ॥ कनत मनो नथ जस जिय जाके ॥ ॥ जाहि सनेह सुना सब धाके ॥ ॥
 ॥ सिथिल अंग पग मग उगि डोलहि ॥ ॥ विहवल वचन प्रेम वस वोल्हि ॥
 ॥ नाम सावते हि समय दिखावा ॥ ॥ सैल सिनो मनिस हज सुहावा ॥
 ॥ जा सुसमीप सनित पय तीना ॥ ॥ सीय समेति वसहि हो उवीना ॥ ॥
 ॥ देखि करहि सब दंड प्रनामा ॥ ॥ कहि जय जीवन जान किनामा ॥
 ॥ प्रेम मगन असनाज समाजू ॥ ॥ जनु फिनि अवध चले न घुनाजू ॥
 ॥ दोहा ननत प्रेम ते हि समय जस तस कहि सके न शेष ॥
 ॥ कवि हि अगम जिमि ब्रह्म सुषट् अहम मम लिन जनेषु ॥ २२६ ॥
 ॥ चौ सकल सनेह सिथिल न घुवर के ॥ ॥ गऐ को स दुई दिन कर छन के ॥
 ॥ जल थल देखि वसे उदिन वीते ॥ ॥ की नृग वन न घुनाथ पिनीते ॥
 ॥ उहां नाम जननी अवशेषा ॥ ॥ जागे सीय सपन अस देखे ॥ ॥
 ॥ सहित समाज ननत जनु अऐ ॥ ॥ नाथ वियोग ताप तनु ताऐ ॥ ॥
 ॥ सकल मलिन मन दीन दुषारी ॥ ॥ देखा सा सुआन अनुहारी ॥ ॥
 ॥ सुनिसिय सपन नने जल लोचन ॥ ॥ नऐ सोच वस सोच विमोचन ॥ ॥
 ॥ लखन सपन यह नीक न होई ॥ ॥ कठिन कुचाह सुनाइ हि कोई ॥ ॥
 ॥ अस कहि वंधु समेत न हाने ॥ ॥ एजि पुरानि साधु सन माने ॥ ॥
 ॥ छंद सन मानि सुन मुनि वंदि वैठे उत्तर दिशि देखत न ऐ ॥

॥ नमधूनिषगमगन्निन्नोगेविकलप्रनुआश्रमगणे ॥
 ॥ तुलसी उठे अवलोकिका ननका हवित चक्रित न रहे ॥
 ॥ सब समाचार किनात को लन्हु आइते हि अवसन कहै ॥
 ॥ सोनठ सुनत सुमंगल वै न ॥ मन प्रमोदत न पुकन न ॥ ॥
 ॥ सनद सनो नुहने न ॥ तुलसी नने सने हजल ॥ २३७ ॥
 ॥ चौ बहूनि सोचव सनै सिय न वन ॥ ॥ ॥ कानन कवन ननत आगमन ॥
 ॥ ऐक आइ अस कहव हे नि ॥ ॥ ॥ सैन संग चतुनंगन थोनी ॥ ॥
 ॥ सो सुनि नाम हिं न आति सोच ॥ ॥ ॥ इत पितु वच उत्तवं धुस कोच ॥
 ॥ ननत सुचाउ समुहि मन माहिं ॥ प्रनुचित हित धिति पावत नहिं ॥
 ॥ समाधान तव ना ऐहि जने ॥ ॥ ॥ ननत कहै मह साधु सयाने ॥ ॥
 ॥ लखन लखे उ प्रनु हुदय सचा ॥ कहत समय समनीति विचार ॥
 ॥ विनु पूछे यह कह उ गोसाई ॥ ॥ ॥ सेवक समय न छिठ छिठ ई ॥ ॥
 ॥ तुम्ह सर्व ग्यसि नो मनि स्वामी ॥ आपुहि समुहि कहै अनुगामी ॥
 ॥ दोहा नाथ सुहुद सुठि सनल चित सील सने हनिधान ॥
 ॥ सब पन प्रीति प्रीति जिय जानि अ आपु समान ॥ २२८ ॥
 ॥ चौ विषई जीव पाइ प्रनु ताई ॥ ॥ ॥ मूख मोहव सहोइ जनाई ॥ ॥
 ॥ ननत नीति नत साधु सुजाना ॥ ॥ ॥ प्रनु पट प्रेम सकल जग जाना ॥
 ॥ ते कुआजु नाज पट पाऐ ॥ ॥ ॥ चले धन ममन जाटु मिटाऐ ॥ ॥
 ॥ कुटिल कुबंधु कुअवसन ताकी ॥ जानि नाम वन वास ऐका की ॥
 ॥ कनिकु मंत्रु मन साजि समाजू ॥ ॥ ॥ आऐ उकन इअकंठ कनाजू ॥ ॥
 ॥ कोटि प्रकार कलपि कुटिलाई ॥ ॥ ॥ आऐ हलवटो निहो उनाई ॥ ॥
 ॥ जो जिय होति न कपट कुचाली ॥ ॥ ॥ केहि सोहाति नय वाजि गजाली ॥
 ॥ ननत हि हो सुदेइ को उजाऐ ॥ ॥ ॥ जगवो नाइ नाज पट पाऐ ॥ ॥
 ॥ दोहा ससि गुन उतिय गामी नहुष चखे उन्मीसुन जान ॥
 ॥ लोक वेद ते विमुष न आधम को वेनु समान ॥ २२९ ॥
 ॥ चौ सहस्र बाहु सुन नाथ त्रिसंकू ॥ ॥ ॥ केहि न राज मट्टी न्ह कलंकू ॥
 ॥ ननत कीन्ह यह उचित उपाडु ॥ विपुनि न चकन धियन काडु ॥
 ॥ एक कीन्ह नहि ननत नलाई ॥ ॥ ॥ निहने नाम जानि अस हाई ॥ ॥

॥ समुद्रिपनिहिसोइआजुविसेधी ॥ समनसनोषनाममुषदेधी ॥
 ॥ ऐतनाकहतनीतिनसचूला ॥ नननसविटपपनसजिमिफूला ॥
 ॥ प्रनुपद्वंद्विसीसनजनाधी ॥ वोलेसत्यसहजवलनाधी ॥
 ॥ अनुचितनाथनमानवमोना ॥ अनतहमहिअपचाननयोना ॥
 ॥ कहलुगिसहियनहियमनुमाने ॥ नाथसाथधनुहाथहमाने ॥

॥ दोहा ॥ अतिजतिनधुकुलजनमनामअनुजजगजान ॥

॥ लातहुमानेचछतसिननीचकोधूनिसमान ॥ २३० ॥

॥ चौ ॥ ठिकनजोनिनजायसुमागा ॥ मनहुंवीननससोवतजागा ॥
 ॥ बांधिजटासिनकसिकटिनाथा ॥ साजिसनासनसायकहाथा ॥
 ॥ आजुनामसेवकजसुलेडुं ॥ अनतहिसमनसिषावनदेडुं ॥
 ॥ नामनिनादनकरफलपाई ॥ सोवतसमनसेजहोउन्नाई ॥
 ॥ आइवनामलसकलसमाजू ॥ प्रगटकनौनिसपाछिलिआजू ॥
 ॥ जिमिकनिनिकनहलेमगनाजू ॥ लेइलपेटिलवाजिमिवाजू ॥
 ॥ तैसेंहिननतहिसैनसमेता ॥ सानुजनिदनिनिषातउषेता ॥
 ॥ जोसहाइकनैसंकनआई ॥ तौमानउनननामहोहाई ॥

॥ दोहा ॥ अतिसनोषमाखिलखनलधिसुनिसपथप्रमान ॥

॥ सन्नयलोकसवलोकपतिचाहतन्ननिभगान ॥ २३१ ॥

॥ चौ ॥ जगन्नयमगनगगननइवानी ॥ लखनवाहुवलविपुलबयानी ॥
 ॥ तातप्रतापप्रभावनुम्हानागा ॥ कोकहिसकैकोजाननिहानागा ॥
 ॥ अनुचितउचितकाजुकुधुहोई ॥ समुद्रिकनियमलकहसवकोई ॥
 ॥ सहसाकरिपाछेपछितहिं ॥ कहहिवेदुबुधतेबुधनाहि ॥
 ॥ सुनिसुनवचनलखनसकुचाने ॥ नामसायसादनसनमाने ॥
 ॥ कहीतातनुम्हनीतिसुहाई ॥ सवतेकठिननाजमदन्नाई ॥
 ॥ जोअचवतनूपमांतहितेई ॥ नाहिनसाधुसन्नाजिन्हसेई ॥
 ॥ सुनहुलखननलननतसरीसा ॥ विधिप्रपंचमहसुनानहीसा ॥

॥ दोहा ॥ अनतहिलोइननाजमदविधिहनिहनपदपाइ ॥

॥ कवहुकिकाजीसीकरनिहीनसिंधुविनसाइ ॥ २३२ ॥

अयोध्या०

॥४४॥

॥ तिमिरतनुनतननिहिमकुगिलई ॥ गगनगमनमकुमेघहिमिलई ॥
 ॥ गोपदजलवूडहिघटजेनी ॥ ॥ सहजधमावनुघांडुइघेनी ॥
 ॥ मसाफूकवनुमेनुडडाई ॥ ॥ होइननपमदहनतहिनाई ॥
 ॥ लखनतुम्हविसपथपितुआना ॥ सुचिसुबंधुनहिन्नतसमाना ॥
 ॥ सगुनधिनअवगुनजलताता ॥ मिलइनचइपनपंपविधाता ॥
 ॥ जनतहंसनधुवंशतडागा ॥ ॥ जनमिकीन्हगुनदोषविनागा ॥
 ॥ गहिगुनपयतजिअवगुनवानी ॥ निजजसजगतकीन्हउजिआनी ॥
 ॥ कहतन्नतगुनसीलसुनाडु ॥ ॥ प्रेमपयोधिमगाननधुनाडु ॥

॥ दोहा सुनिनधुवनवानीविवुधदेखिन्नतपनहेतु ॥

॥ सकलसनाहतनामसौप्रभुकोकृपानिकेत ॥ २३३ ॥

॥ चौजोनहोतजगजनमन्नतको ॥ सकलधनमधुनधरनिधनतेको ॥
 ॥ कविकुलअगमन्नतगुनगाथा ॥ कोजोनैनुम्हविनुनधुनाथा ॥
 ॥ लखननामसियसुनिसुनवानी ॥ अतिसुखलेहेउनजाइवषानी ॥
 ॥ इहान्नतसवसहितसहोए ॥ मंडाकिनीपुनीतअन्होए ॥
 ॥ सनितसमीपनाधिसवलोगा ॥ मांगिमातुगुनुसचिवनियोगा ॥
 ॥ चलेन्नतजहंसियनधुनाई ॥ साथनिषादनाथलधुनाई ॥
 ॥ समुहिमातुकनतवसकुचहिं ॥ कनतकुतर्ककोटिमनमाहिं ॥
 ॥ नामलखनसियसुनिममनाऊं ॥ उडिजनिअनतजाइतजिठाऊं ॥

॥ दोहा मातुमतेमहंमानिमोहिजोकछुकहहिंसोथोन ॥

॥ अथअवगुनधमिआहनहिंसमुहिआपनीआन ॥ २३४ ॥

॥ चौजोयनिहनहिंमलिनमनजानी ॥ जोसनमानहिंसेवकमानी ॥
 ॥ मोनेसनननामकीपनहिं ॥ नामसुखामिदोससवजनहिं ॥
 ॥ जगजसनाजनचातकमीना ॥ नेमप्रेमनिजनिपुननवीना ॥
 ॥ असमनगुनतचलेमगजाता ॥ सकुचसनेहसिथिलसवगाता ॥
 ॥ फेरतमनहुंमातुक्रतयोनी ॥ चलतभक्तिवलधीनजधोनी ॥
 ॥ जबसमुहतरधुनाथप्रभाडु ॥ तवपथपनतउताइलपाडु ॥
 ॥ ननतइशातेहिअवसनकैसी ॥ जलप्रवाहजलअलिगतिजैसी ॥

॥ चौ सा नु ज स धा स मे त्त म ग न म न ॥ विसनेहनषशोकसुष दुषगन
॥ पाहिनायकहि पाहिगोसाई ॥ नूतलपनेउलकुटकीनाई ॥

॥ वचनसंप्रेमलखनपरिचिन्ने ॥ ॥ कनकप्रनामभनतजियजाने ॥
 ॥ बंधुसनेहसनसपेहिओन ॥ ॥ ॥ उत्साहिवसेवावनजोना ॥
 ॥ मिलिनजाइनहिगुइनतवर्तई ॥ सुकविलखनमनकीगतिभनई ॥
 ॥ नहेनारिसेवापनचानू ॥ ॥ ॥ बछिचंगजनुषेचविलानू ॥
 ॥ कहतसंप्रेमनाइमहिमाया ॥ ॥ भनतप्रनामकनकनघुनाया ॥
 ॥ उठेनामसुनिप्रेमअधीन ॥ ॥ ॥ कहुं पदु कहुं निषंगधनुतीन ॥

॥ दोहा वनवसल्लिखेउठाइउनलाएउकपानिधान ॥

॥ ननतनामकीमिलनिलखिविसनेउसवहिअपान ॥ २४१ ॥

॥ चौ मिलनप्रीतिकिमिजाइवधानी ॥ कविकुलअगमकनममनवनि ॥
 ॥ पनमप्रेमपूरनदोउनाई ॥ ॥ ॥ मनवुधित्वितअहमितिबिसनाई ॥
 ॥ कहहुसोप्रेमप्रगटकोकरई ॥ ॥ ॥ केहिछायाकविमतिअनुसनई ॥
 ॥ कविहिअनयअंधनवलसांचा ॥ अनुहनितालगतहिनटनाचा ॥
 ॥ अगमसनेहभनतनघुवनके ॥ ॥ ॥ जहनजाइमनविधिहनिहन्के ॥
 ॥ सोमैंकुमतिकहउकेहिचोती ॥ ॥ ॥ वा जसुनागकिगाउनतांती ॥
 ॥ मिलनिविलोकिभनतनघुवनके ॥ सुरगनसवहिधकधकीधनकी ॥
 ॥ समुहाएउसुनगुनुजउजागे ॥ ॥ ॥ वरधिप्रसूनप्रसंसनलागे ॥

॥ दोहा मिलिसंप्रेमनिपुसहनहिकेवटनैटेउनाम ॥

॥ नूनिनायनैटेभनतलधिभनकनकनप्रनाम ॥ २४२ ॥

॥ चौ नैटेउलखनललकिलघुनाई ॥ वहुनिनिषाहलीन्हउनलाई ॥
 ॥ पुनिमुनिगनदुहुनाइरुवंटे ॥ ॥ ॥ अभिमतआसिषपाइअनंदे ॥
 ॥ सानुजभनतउमगिअनुनागा ॥ धनिसिनसियपटपदुमपनागा ॥
 ॥ पुनिपुनिकनतप्रनामउठाये ॥ ॥ ॥ सिरकनकमलपनसिवैठाये ॥
 ॥ सीयअसीसदीहिमनमाहिं ॥ ॥ ॥ भगनसनेहदेहसुधिनाहि ॥
 ॥ सवविधिसानुकूललखिसीता ॥ नेनिसोचउनअपउनवीता ॥
 ॥ कोउकछुकहेनकोउकछुएँछा ॥ प्रेमभनामननिजगतिछँछा ॥
 ॥ तेहिअवसनकेवटधीनजधरि ॥ जोनिपानिविनवतप्रनामकनि ॥

॥ दोहा नाथसाथमुनिनाथकेमानुसकलपुनलोग ॥

॥ सेवकसेनपसचिवसवआएविकलवियोग ॥ २४३ ॥

॥ सीलसिंधुसुनिगुनुआगमन् ॥ ॥ सीयसमीपनाधिनिपुटवन् ॥
 ॥ चलेसवेगनामतेहिकाला ॥ ॥ धीनधनमधुनहीनदयाला ॥
 ॥ गुनुहिदेधिसानुजअनुनागे ॥ ॥ दंडप्रनामकरनप्रनुलागे ॥
 ॥ मुनिवनधाइलियेउउनलाई ॥ प्रेमउमगिनेंटेउहोउनाई ॥
 ॥ प्रेमपुलकिकेवटकहिनाम् ॥ कीन्हूनितेदंडप्रनाम् ॥
 ॥ नामसषानिधिवनवसनेंटा ॥ जनुमहिलुटतसनेहसमेटा ॥
 ॥ नघुवनभक्तिसुमंगलमूला ॥ ननसनाहिवनधहिसुरफूला ॥
 ॥ ऐहिसमनिपटनीचकोडनाहीं ॥ वडवसिष्टसमकोजगमाहीं ॥
 ॥ दोहा जेहिलधिलखनहुंतेअधिकमिलेमुदितमुनिनाउ ॥

॥ सोसीतापतिनजनकोप्रगटप्रतापप्रनाउ ॥ ॥ २४४ ॥

॥ चौआनतलोगनामसबजाना ॥ ॥ कनुनाकरसुजाननगवाना ॥
 ॥ जोजेहिनांतिनहाअभिलाषी ॥ तेहितेहिकेतसितसिनुधिनधि ॥
 ॥ सानुजमिलिपलमहसबकाहू ॥ कीन्हूनिदुषदानुनदाहू ॥
 ॥ यहवडिवातनामकइनाहीं ॥ जिमिघटकोटिऐकनविषाहीं ॥
 ॥ मिलिकेवटहिउमगिअनुनागा ॥ पुनजनसकलसनाहहिनागा ॥
 ॥ देषीनामदुषितमहतारी ॥ जनुसुबेलिअवलीहिसमारी ॥
 ॥ प्रथमनामनेंटीकैकेई ॥ सनलसुनायनक्तिमतिनेई ॥
 ॥ पगपनिकीन्हूप्रबोधवहोरी ॥ कालकरनमविधिसिनधनिषोरी ॥

॥ दोहा नेटीनघुवनमातुसबकनिप्रबोधपनितोष ॥

॥ अंवरैशआधीनजगुकाहुनहीजियहोष ॥ ॥ २४५ ॥

॥ चौगुनुतियपदवंदेउहोउनाई ॥ ॥ सहितविप्रतियजोसंगआई ॥
 ॥ गंगगोविसमसबसनमानी ॥ ॥ देहिअसीसमुदितमदुवानी ॥
 ॥ गहिपदलंगसुमित्राअंका ॥ ॥ जनुनेटीसंपतिअतिनेका ॥
 ॥ पुनिजननीचरननिदोउनाता ॥ पनेप्रेमव्याकुलसबगाता ॥
 ॥ अतिअनुनागअंवरुनलाये ॥ ॥ नयनसनेहसलिलअन्हवाये ॥
 ॥ तेहिअवसनकरहनधविषाडू ॥ किमिकविकहइमूकजिमिस्वाडू ॥
 ॥ मिलिजननिहिसानुजनघुनाडू ॥ गुनसनकहेउकिधानियपाडू ॥
 ॥ पुनजनपाइमुनीसनजोगू ॥ ॥ जलथलतकितकिउतनेउलोहू ॥

॥ दोहा ॥ महिसुनमंशमानुगुनगऐलोगलियसाध ॥ ॥

॥ पावनआश्रमगवनकियन्नतलखननघुनाथ ॥ २४६ ॥

॥ चौसीयआइमुनिवनपटलागी ॥ ॥ उचितअसीसलहीमनमगी ॥

॥ गुनुपतनिहिमुनितियरुसमेता ॥ मिलीप्रेमकहिजाइनजेता ॥

॥ बंदिबंदिपगसियसवहीके ॥ ॥ ॥ असिषवचनलेहिपियजीके ॥ ॥

॥ सासुसकलजवसीयनिहारी ॥ ॥ मूँदनयनसहमीसुकुमारी ॥ ॥

॥ परीवधिकवसमनहुमनाली ॥ ॥ काहकीरुकरतानकुचाली ॥

॥ तिनुसियनिनधिनिपटदुषपावा ॥ ॥ सोसवसहियजोहैवसहावा ॥

॥ जनकसुतातवउरधनिधीना ॥ ॥ नीलनीलिनलोचनअनिनीना ॥

॥ मिलीसकलसासुनिसियजार्ड ॥ ॥ तेहिअवसनकनुनामहिछार्ड ॥

॥ दोहा ॥ लागिलागिसवपगनिसियभेटतिअतिअनुनाग ॥

॥ हुदयअसीसहिंप्रेमवसनहिहहुन्ननीसुहाग ॥ २४७ ॥

॥ चौविकलसनेहसीयसवनानी ॥ ॥ वैठनसवहीकहेउमुनिगपानी ॥

॥ कहिजगगतिमायकमुनिनाथ ॥ ॥ कहेउकछुकपरमानथगाथा ॥

॥ नपकनसुनपुनगवनसुनावा ॥ ॥ सुनिनघुनाथदुसहदुषपावा ॥

॥ मननहेतुनिजनेहविचानी ॥ ॥ भऐअतिविकलधीनधुनिधानी ॥

॥ कुलिसकठोनसुनतकटुवानी ॥ ॥ बिलपतलखनसीयसवनानी ॥

॥ सोकविकलअतिसकलसमाजू ॥ ॥ मानहुंराजअकाजेउआजू ॥

॥ मुनिवनवहुनिनामसमुहाऐ ॥ ॥ सहितसमाजसुसनितनहाऐ ॥

॥ व्रतनिरंनुतेहिदिनप्रनुकीरु ॥ ॥ मुनिहुंकेहेजलपाननलीरु ॥

॥ दोहा ॥ भोननऐनघुनंदनहिजोमुनिआयसुदीरु ॥

॥ अछानक्तिसमेतप्रनुसोसवसादनकीरु ॥ २४८ ॥

॥ चौकनिपितुक्रियावेदजसिवरनी ॥ ॥ भयेपुनीतपातकतमतननी ॥

॥ जासुनामपावकअधत्ला ॥ ॥ सुमिरतसकलसुमंगलमूला ॥

॥ सुखसोचऐउसाधुसमतअसर ॥ ॥ तीनथआवाहनसुनसनिजसर ॥

॥ सुखनऐउदुइवासनवीतेगा ॥ ॥ बोलेउगुनसननामपिनीतेगा ॥

॥ नाथलोगसवनिपटदुषारी ॥ ॥ कंदमूलफलअंबुअहरिगागा ॥

॥ सानुजन्नतसचिवसवमाता ॥ ॥ दधिमोहिपलजिमिजुगजाता ॥

अयोध्या०

॥४१॥

॥सबसमेतपुरधानिअपाउ॥ ॥आपुइहांअमनावृतिनाउ॥॥

॥बहुतकहेउसबकियउठिठाई॥उचितहोइतसकनिअगोसाई॥

॥**दोहा** धरमसेतुकनुनायतनकसनकहहुअसनाम॥

॥लोगदुषिदिनहोइलुगिदनसलहहिंविश्राम॥२४८॥

॥**चौ** नामवचनसुनिसभइसमाजू॥जनुजलनिधिमहविकलजसजू॥

॥सुनिगुनगिनासुमंगलमूला॥॥नयेहुमनहुमानुतअनुकूला॥॥

॥पावनपयतिहुकालनहाहिं॥जोबिलोकिस्रधश्रीधनसैहिं॥॥

॥मंगलमूरतिलेबिनभनिभनि॥निनषहिहन्धिइंडवतकनिकनि॥

॥नामसैलवनदेखनजाहिं॥॥जहंसुखसकलसकलदुखनहिं॥

॥हननाहनहिंसुधासमवानी॥त्रिविधतापहनत्रिविधवयानी॥

॥बिटपवेलितनअगनितजती॥फलप्रसनपद्ववहुजाती॥॥

॥सुंदरसिलासुखदतनुधैही॥जाइवरनिवनध्वविकेहिपांही॥

॥**दोहा** सननिसनोनुहजलविहंगकूजतगुजंतनंग॥

॥वैनविगतविहनतविपिनिमगविहंगवहुनंग॥२४९॥

॥**चौ** कोलकिनातभिलवनवासी॥मधुसुबिसुंदरखादुसुधासी॥॥

॥भनिभनिपवनकुटीनुचिररी॥कंदमूलफलअंकुनजूरी॥॥

॥सबहिंदेइकनिविनयप्रनामा॥कहिकहिखाइजेदुगुननामा॥॥

॥देहिलोगबहुमोलनलेहिं॥फेनतनामदोहाईदेहो॥॥

॥कहीहंसनेहमगनमदुवानी॥मानतसाधुप्रेमपंहिचानी॥॥

॥तुम्हसुकतीहमनीचनिषाद॥पावादनसननामप्रसाद॥॥

॥हमहिअगमअतिदनसतुम्हना॥जसमनुधननिदेवधुनिधाना॥

॥नामकपालनिषादनिवाजा॥पनिजनप्रजाचहियजसराजा॥

॥**दोहा** येहजियजानिसकोचतजिकनियछेहुलीधनेहु॥

॥हमहिंक्रतानधकननलगिफलतनअंकुनलेहु॥२५०॥

॥**चौ** तुम्हप्रियपाहुनवनपगधाने॥सेवाजोगनभोगहमने॥॥

॥देवकाहहमतुम्हइगोसाई॥इधनपातकिनातमिताई॥॥

॥येहहमानिअतिवडिसेवकाई॥लेहिंनवासनवसनचोराई॥॥

॥हमजडजीवजीव॥गनघाति॥कुटिलकुचालीकुमतिकुजाती॥

॥ पापकरतनिसिवासनजाहिं ॥ ॥ नहिकटिपटनहिपेटअघाहि ॥
 ॥ सपनेहुंधनमबुद्धिकसिकाउ ॥ येहनघुनंदनदनसप्रचाउ ॥
 ॥ जवतेप्रनुपटपदुमनिहाने ॥ मिटेदुसहदुषदोषहमाने ॥
 ॥ वचनसुनतपुनजनअनुनागे ॥ तिरुकरनागसनाहनलागे ॥
 ॥ लागेसनाहननागसवअनुनागवचनसुनावही ॥
 ॥ बोलनिमिलनिमियनामचननसनेहलधिसुषपावही ॥
 ॥ नननानिनिंदनहिनेहुनिजसुनिकोतनिद्वन्द्वकीगिरा ॥
 ॥ तुलसीकृपानघुवंशमनिकीलोहलैलोकातिना ॥ ॥
 ॥ सोनठ ॥ विहरहिवनचहुओन ॥ प्रतिदिनप्रमुदितलोगसव ॥
 ॥ जलज्यौंदादुनमेर ॥ नयेपीनपावसप्रथम ॥ ॥ २५२ ॥
 ॥ चौपुननननानिमगनअतिप्रीति ॥ वासनजाहिपलकमहवीती ॥
 ॥ सीयसासुप्रतिवेषवनाई ॥ ॥ सादनकरहिसनिससिवकाई ॥
 ॥ लखानमनमुनामविनुकाहू ॥ ॥ मायासवसियमायामाहू ॥
 ॥ सीयसासुसेवावसकीरू ॥ ॥ तिरुलहिसुषसिषअसिषट्ठिरू ॥
 ॥ लधिसियसहितसनलदोउनाई ॥ कुटिलनानिपधिताइअघाई ॥
 ॥ असनिजमहिजाचतकैकेई ॥ ॥ मोहिनमीचुमीचुविधिदेई ॥
 ॥ लोकहुंवेदविदितकविकहहीं ॥ नामविमुषथलननकहिलहहीं ॥
 ॥ यहसंसयसवकेमनमाहीं ॥ ॥ नामगवनविधिअवधकिनाहीं ॥
 ॥ दोहा ॥ निसिननांदनहिचूषदिनननतविकलसुठिसोच ॥
 ॥ नीचकीचविचमगनजसमीनहिंसलिलसकोच ॥ ॥ २५३ ॥
 ॥ चौकीरुमातुमिसकालकुचाली ॥ ईतिनीतिजसपाकतसाली ॥
 ॥ केहिविधिहाइनामअनिषेकू ॥ ॥ मोहिअवकनतउपायनऐकू ॥
 ॥ अवसिफिरहिगुनुआयसुमानी ॥ मुनिपुनिकहवनामनुचिजानी ॥
 ॥ मातुकहेवहुनहिनघुनाउ ॥ ॥ नामजननिहठकनेहिनकाउ ॥
 ॥ मोहिअनुचनकैकेतिकवाता ॥ ॥ तेहिमहकुसमयवामविधाता ॥
 ॥ जोहठकनौतनिपटकुकरनू ॥ ॥ हरगिनितैगनुसेवकधननू ॥
 ॥ ऐकउजुगुतिनमनठहनानी ॥ ॥ सोचतननतहिनयनिसिनानी ॥
 ॥ प्रातनहाइप्रनुहिसिउनाई ॥ ॥ वैततपठऐउनिषयबुलाई ॥
 ॥ ॥ दोहा ॥ गुनपटकमलप्रनामकनिवैठेउआयसुपाई ॥

अथोपा०

॥४८॥

॥ विप्रमहाजनसचिवसवजुनेसभासदश्चाइ ॥२५४॥
 ॥ चोबोलेमुनिवनसमयसमाना ॥ सुनहुसभासदनरतसुजाना ॥
 ॥ धनमधुनीनभानुकुलभानू ॥ राजानामस्ववसनगवानू ॥
 ॥ सत्यसंधपालकश्रुतिसेत्तगा ॥ नामजनमजगमंगलहेतू ॥
 ॥ गुनुपितुमातुवचनअनुसारी ॥ बलदलदलनदेवहितकारी ॥
 ॥ नीतिप्रीतिपनमानयस्वानय ॥ कोउननामसमजानजथानय ॥
 ॥ विधिहनिहननविससिद्धिसिपाल ॥ मायाजीवकरमकुलिकाला ॥
 ॥ अहिपमहिपजहलगिप्रभुताई ॥ जोगसिद्धिनिगमागमगाई ॥
 ॥ कनिविचानजियदेखहुनीके ॥ नामनजाइसीससबहिके ॥
 ॥ दोहा ॥ राधेनामनजाइनुषहमसबकरहितहोइ ॥
 ॥ समुहिसयानेकरहुअवसवविधिसंमतसोइ ॥२५५॥
 ॥ चोसबकहसुषदनामअनिषेकू ॥ मंगलभूलभोदमगाऐकू ॥
 ॥ केहिविधिअवधचलहिंनधुनाडु ॥ कहहुसमुहिसोइकसियडण्डु ॥
 ॥ सबसादनसुनिमुनिवनवानी ॥ नयपनमानयस्वानयसानी ॥
 ॥ उतनुनआवलोगभऐनेनेगा ॥ तवसिनुनाइभनतकरजोने ॥
 ॥ भानुवंशभऐनेनूपघनेनेगा ॥ अधिकऐकतऐकवडेनेगा ॥
 ॥ जनमहेतुसबकहपितुमाता ॥ करमसुनासुनहोइविधाता ॥
 ॥ दलिदुषसजैसकलकल्याना ॥ असअसीसनाउनिजगजाना ॥
 ॥ सोगोसाइविधिगतिजेहिछेकी ॥ सकइकोटापिटेकजोटेकी ॥
 ॥ दोहा ॥ बूहियमोहिउपायअवसोसबमोनअनागा ॥
 ॥ सुनिसनेहमयवचनगुनुउनउमगेउअनुनागा ॥२५६॥
 ॥ चोतातवातफुनिनामक्रपांहीं ॥ नामविमुखसुषसपनेहुनाहीं ॥
 ॥ सकुंचौतातकहतऐहवाता ॥ अनधतजहिंबुधसनवसुजाता ॥
 ॥ तुम्हकाननगवनहुदोउनाई ॥ फेरियहिलखनसीयनधुनाई ॥
 ॥ सुनिसुवचनहनयेदोउनाता ॥ आपमोदपनिपूननगाता ॥
 ॥ मनुप्रसन्नतनुतेजविराजा ॥ जनुजिएनाउनामभऐनाजा ॥
 ॥ बहुतलाभलोगनूलधुहनी ॥ समदुषसुषसवनोवहिंनानी ॥
 ॥ कहहिन्ननतमुनिकहासोकीने ॥ फलजगजीवनअनिमतदीने ॥
 ॥ काननकरनउजनमभनिवास ॥ ऐहितेअधिकनमोनसुपास ॥

सेवाकनउसीयनधुनाथा ॥ ॥ ॥ होइ किंकन पुन बहुवनसाथा ॥
 धन्यनिषादनागअधिकार्इ ॥ जाकहं प्रनुलिऐसंगलिवाइ ॥
 ॥ दोहा ॥ अंतनजामीनामसियतुम्हसर्वग्य सुधान ॥ ॥
 ॥ जोफुनकहहुतौनाथनिजकीजियवचनप्रमान ॥ ॥
 ॥ चौ ॥ भनतवचनसुनिदेधिसनेहू ॥ सभासहितमुनिनऐविदेहू ॥
 ॥ भनतमहामहिमाजल्पासि ॥ मुनिमतिठाठितीनअवलासि ॥
 ॥ गावहयानजतनहियहेना ॥ पावतनहिनवोहितवेना ॥
 ॥ ओनकनहिकोभनतवडाइ ॥ सनसीसीपकिसिंधुसमाइ ॥
 ॥ भनतमुनिहिमननीतनपाऐ ॥ सहितसमाजनामपहंआऐ ॥
 ॥ प्रनुप्रनामकनिदीन्हसुआसन ॥ वैठेसवसुनिमुनिअनुसासन ॥
 ॥ बोलेमुनिवनवचनविचानी ॥ देसकालअवसनअनुहानी ॥
 ॥ सुनहुनामसर्वग्यसुजाना ॥ धर्मनीतिगुनग्याननिधाना ॥
 ॥ दोहा ॥ सबकेउनअंतनवसहुजानहुनाउकुनाउ ॥ ॥
 ॥ पुनजनजननीभनतहितहोइसोकनियउपाउ ॥ ॥
 ॥ चौ ॥ भनतकहहिविचानिकौउ ॥ सहजुवनिहिआपनाइउ ॥
 ॥ सुनिमुनिवचनकहतनधुनाउ ॥ नाथतुम्हनेहिहाथउपाउ ॥
 ॥ सबकनहितसुखराउनराधी ॥ आयसुकिऐमुदितफुनभाषी ॥
 ॥ प्रथमजोआयसुमोकहुंहोई ॥ माथेमनिकनहुसिखसोई ॥
 ॥ पुनिजेहिकहंजसकहवगोसोई ॥ सोसबजांतिकनिहिसिबकाई ॥
 ॥ कहमुनिरामसत्यतुम्हभाषा ॥ भनतसनेहविचानतराषा ॥
 ॥ तेहितेकहउवहोनिवहोनी ॥ भनतभक्तिवसमैमतिओनी ॥
 ॥ मोनेंजानभनतनुषराधी ॥ जोकीजियसोसुनसिवसाधी ॥
 ॥ दोहा ॥ भनतविनयसादनसुनियकनियविचानवहेनि ॥ ॥
 ॥ कनवसाधुमतलोकमतनपनयनिगमनिचोनि ॥ ॥
 ॥ चौ ॥ गुनुअनुनागनरतपरदेधी ॥ नामहुदयआनेद्विसेधी ॥
 ॥ भनतहिधरमधुनंधनजानी ॥ निजसेवकतनमानसवानी ॥
 ॥ बोलेगुनुआयसुअनुकूला ॥ वचनमंजुमदुमंगलमूला ॥
 ॥ नाथसपथपितुवननहोहाई ॥ नऐउनभुवनभनतसमजाई ॥

अयोध्या०

॥४६॥

॥ जेगुनुपदं वज्रनुनागी ॥ ॥ तेलोकहुवेदहुवडभागी ॥ ॥
 ॥ नाउनजापनअसअनुनागू ॥ ॥ कोकहिसकेभनतकनचागू ॥ ॥
 ॥ लखिलधुवंधुबुद्धिसकुचाई ॥ ॥ करतवदनपनअनतवडाई ॥ ॥
 ॥ भनतकहहिंसोहोइचलाई ॥ ॥ असकहिरामनहेअनगाई ॥ ॥

॥ दोहा ॥ तवमुनिबोलेभनतसनसवसकेचतजितात ॥

॥ कृपासिंधुप्रियवंधुसनकहहुहुदयकीवात ॥ २६० ॥

॥ चौ मुनिमुनिवचननामनुषपाई ॥ गुनुसाहेवअनुकूलअघाई ॥ ॥
 ॥ लखिअपनेसिनसवधनुना ॥ कहिनसकहिकछुकनहिविचार ॥ ॥
 ॥ पुलकिसनीनसआभेछाछे ॥ नीनजनयननेहजलवाछे ॥ ॥
 ॥ कहवमोनमुनिनाथनिवाहा ॥ ऐहितैअधिककहवमइकाहा ॥ ॥
 ॥ मैजानउनजनाथसुनाउ ॥ अपनाधिहुपरकोहनकाउ ॥ ॥
 ॥ मोपनकृपासनेहविसेखी ॥ घेततधुनसतकबहुनदेखी ॥ ॥
 ॥ सिसुपनतैपनिहनेउनसंग ॥ कबहुनकीन्हमोनमननंग ॥ ॥
 ॥ मैप्रनुकृपापीतिजियजोहि ॥ हनेहुखेलजितावहिंसोही ॥ ॥

॥ दोहा ॥ महंसनेहसकोचवससनमुखकहेउनवैन ॥

॥ दनसनतपनआजुलगिप्रेमपियासेनैन ॥ २६१ ॥

॥ चौ विधिनसकेउसहिमोनदुलाना ॥ नीचनीचजननीमिसपाना ॥ ॥
 ॥ इहुउकहतमोहिआजुनसोना ॥ अपनीसमुहिसाधुसुचिकोआ ॥ ॥
 ॥ मातुमंदमैसाधुसुचाली ॥ उनअसआनतकोटिकुचाली ॥ ॥
 ॥ फनइकिकोहववालिमुसाली ॥ मुक्ताप्रसवकिसंबुकताली ॥ ॥
 ॥ सपनेहुदोसकलेसनकाह ॥ मोनअआगाउदधिअवगाह ॥ ॥
 ॥ विनुसमुहेनिजअघपनिपाक ॥ जनउजाडुजोबारीकहिकाक ॥ ॥
 ॥ हुदयहेनिहानेउसवओरा ॥ ऐकहिनातिभलेहिंभलमोरा ॥ ॥
 ॥ गुनुगोसाइसाहिवसियनाम ॥ लागतमोहिनीकपनिनाम ॥ ॥

॥ दोहा ॥ साधुसनाप्रनुगुनुनिकटकहउसुथलसतिआउ ॥

॥ प्रेमप्रपंचकिहूठफनजानीहिमुनिनघुनाउ ॥ २६२ ॥

॥ चौ अपतिमननप्रेमपनुराखी ॥ जननीकुमतिजगतसबसाखी ॥ ॥
 ॥ देखिनजाहिविकलमहतारी ॥ जरहिदुसहजुनपुननननानी ॥ ॥

॥ महीं सकल अननय कन मूल ॥ सो सुनि समुहिसहे उस वसला ॥
 ॥ सुनि वन गवन कीन्ह न धुनाथा ॥ कनि मुनि वेखल घन सिय साथा ॥
 ॥ विनु पनहि नै पियां देहि पाएँ ॥ संकन साधिन रहे उये हि पाएँ ॥
 ॥ बहु निनिहानि निषाद सनेह ॥ कुलिश कठिन उन नये उन वेह ॥
 ॥ अवस व अंधिन्ह देखे उ आई ॥ विजय जी वज उस वइ स हाई ॥
 ॥ जिन्हिनि न धिम गसापि निबिधि ॥ तजहि विषम विषयता मसतीधि ॥
 ॥ दोहा ते इन धुनं नदन लखन सिय अनहित लागे जाहि ॥
 ॥ ता सुत नयत जि दुसह दुखं देखे सहावइ काहि ॥ २६३ ॥
 ॥ चौ सुनि अति विकल मन तवर बानी ॥ आनत प्रीति विनय न ससानी ॥
 ॥ सो क मगन सव सन्नाय भाना ॥ मन हुं कमल वन पने उतु साना ॥
 ॥ कहि अनेक विधिकथा पुनानी ॥ मन त प्रबोध कीन्ह मुनि ग्यानी ॥
 ॥ बोले उचित वचन न धुनं दू ॥ दिन कन कुल के न व व न चंदू ॥
 ॥ तात जीय जनिकन उगलानी ॥ ईस अधीन जीव गति जानी ॥
 ॥ तीनि काल त्रिभुवन मत्त मोनै ॥ पुन्य सिलोक तात तन तोनै ॥
 ॥ उन आनत तुम्ह पन कुटिलाई ॥ जाइ लोक पन लोक न साई ॥
 ॥ दोहा मिटिहि पाप प्रपंच सव अखिल अमंगल नान ॥
 ॥ लोक सुज सुपन लोक सुख सुमिन तना मतुम्हान ॥ २६४ ॥
 ॥ चौ कह उ सुभा व सत्य सिव साधि ॥ मन त भूमि न हना उनि नाषी ॥
 ॥ तात कुत न क कन हुज निजाएँ ॥ वयन प्रीति नहि दुनइ दुनाएँ ॥
 ॥ मुनि गन निकट विहंगम गजहि ॥ बांधक वधिक विलोकि पनाहि ॥
 ॥ हित अनहित पशु पक्षि हुजाना ॥ मानुष तनु गुन ग्यान निधाना ॥
 ॥ तात तुम्हहि मै जान उनीकै ॥ कन उकाह अस मंज स जीकै ॥
 ॥ नोखे उना उस त्य मोहित्यागी ॥ तनु पनहिने उ प्रेम पन लागी ॥
 ॥ ता सुवचन मेढत मन सोचू ॥ तेहिते अधिक तुम्हान संकोचू ॥
 ॥ ता पर गुनु मोहि आय सुदीन्ह ॥ अब सिजो कहहु चहु सोइ कीन्ह ॥
 ॥ दोहा मन प्रसन्न कनिस कुचत जिकहु कन उं सोइ आजू ॥
 ॥ सत्य संधन धुवन वचन सुनि ना सुधी सम आजू ॥ २६५ ॥
 ॥ चौ सुन गन सहित सन्नय सुन राजू ॥ सोचहिं चाहत होन अकाजू ॥

अयोध्या०

॥५०॥

॥वनतउपाउकरतकधुनाहीं॥॥नामसननसवगेमनमाहीं॥
 ॥बहुनिविचानिपनसपनकहैं॥नधुपतिभक्तभक्तिवसअहैं॥
 ॥सुधिकनिअवनीकदुनवासा॥॥नेसुनसुनपतिनिपटनिनासा॥
 ॥सहेसुनरु बहुकालवियाह॥ननहनिकिऐप्रगटप्रहलाह॥
 ॥लगिलगिकानकतीहधुनिमाथा॥अवसुनकाजभनतकेहाथा॥
 ॥आनउपाइनदेधिअदेवागा॥मानतनामस्वसेवकसेवागा॥
 ॥हियसप्रेमसुभिनहुसबभनतहि॥निजगुनसालनामवसकनतीहि॥
 ॥**दोहा** सुनिसुनमतसुनगुनुकहेउनलतुम्हानवडभाग॥

॥सकलसुमंगलमूलजगभनतचननअनुनाग॥२६६॥

॥**चौ** सीतापतिसेवकसिवकाई॥कामधेनुसमसनिससुहाई॥॥
 ॥भनतभक्तिनुम्हनेमनआई॥तजहुसोचविधिवातवनाई॥॥
 ॥देखुदेवपतिभनतप्रभाउ॥सहजसुभायविवसनधुनाउ॥
 ॥मनथिनकरहुदेवउननाहीं॥भनतहिजानिनामपनिष्ठाहीं॥
 ॥सुनिसुनगुनुसुनसंमतसोचू॥अंतनजामीप्रचुहिसकोचू॥॥
 ॥निजसिनभानभनतजियजानी॥करतकोटिविधिमनअनुमानी॥
 ॥कनिविचानमनदीन्हिठिका॥नामनजायसुआपननीका॥॥
 ॥निजपनतजिनायेउपनमोना॥छेहसनेहकीन्हनहियोना॥॥

॥**दोहा** कीन्हअनुग्रहअमितअतिसवविधिसीतानाथ॥

॥कनिप्रनामबोलेभनतजोनिजलजजुगाहाथ॥२६७॥

॥**चौ** कहैंकहावहुअवकास्वामी॥कृपाअंनुनिधिअंतनजामी॥॥
 ॥गुनुप्रसन्नसाहिवअनुकूला॥मिठीमलिनमनकलपितसूला॥
 ॥अपडनडनेहुनसोचसमूले॥नविहिनदोसदेउदिसिभूले॥
 ॥मोनअभाग्यमातुकुटिलाई॥विधिगतिविषमकालकठिनाई॥
 ॥पाउनेपिमोहिसवमिलिघाला॥प्रनतपालपनआपनपाला॥॥
 ॥यहनइरीतिननाउनहोइ॥लोकहुवेदविदितनहिजोइ॥॥
 ॥जगअनभलनहएकगोसाई॥कहियहोइसुभकासुनलाई॥॥
 ॥देवदेवतनुसनिससुभाउ॥सनमुषविमुषनकाहुहिकाउ॥
 ॥**दोहा** जाइनिकटपहिवानितनुघ्राहसमनिसवसोच॥

॥ मागत अभिमत पावज गुना उन क न ल पोच ॥ २६८ ॥

॥ चौ ल पिस व विधि गुन स्वामि सने हू ॥ मिटे उछे न न हि मन सने हू ॥

॥ अब कनु ना क न की जिय सोई ॥ जन हित प्रनु चित छे न न होई ॥

॥ जे सेव क साहिब हि सको ची ॥ निज हित च हइ ता सु मति पोची ॥

॥ सेव क हित साहिब सेव कोई ॥ क न इ सकल सुख लान विहाई ॥

॥ स्वान थ नाथ फि ने सव हि का ॥ किये न जाइ कोटि विधि नी का ॥

॥ यह स्वान थ प न मान थ सा नू ॥ सकल सुकृत फल सु गति सिंगारू ॥

॥ देव ऐक विनती सुनु मोनी ॥ उचित होइ त सक न व व होनी ॥

॥ तिल क समा ज साजि सव आना ॥ कनि असु फल प्रनु जौ मन माना ॥

॥ दोहा ॥ सानु ज पठ इय मोहि व न की जिय सव हि सनाथ ॥

॥ न तनु फे निय हि वं धु दो पु नाथ च लो मै साथ ॥ २६९ ॥

॥ चौ न तनु जाहि व न ती नि उ नार् ॥ बहु निय सीय सहित न घु नार् ॥

॥ जे हि विधि प्रनु प्र सन्न मन होई ॥ कनु ना सागर की जिय सोई ॥

॥ देव दीन्ह सव मोहि अ नानू ॥ मोने नीति न धर्म विचारू ॥

॥ कह उं वचन सव स्वान थ हेतू ॥ रहत न आन त के चित चेतरू ॥

॥ उत न देइ सुनि स्वामि न जाई ॥ सो सेव क ल पिला जल जाई ॥

॥ असं मे अव गुन उ दधि अ गा धू ॥ स्वामि सने ह सनाहत साधू ॥

॥ अब कृपाल मोहि सो मत नावा ॥ सकुच स्वामि मन जाइ न पावा ॥

॥ प्रनु पट स पथ कह उ सति नाकु ॥ जग मंगल हित ऐक उपाकु ॥

॥ दोहा ॥ प्रनु प्र सन्न मन सकुच तजि जो जे हि आ य सु देव ॥

॥ सो सिन धनि कनि ह हि सव हि मिटि हि अ ट न अव नेव ॥ २७० ॥

॥ चौ भरत वचन सुनि मुनि सुन ह नये ॥ साधु सनाहि सु मन वहु वरये ॥

॥ असं मंज स सव अव धनि वासी ॥ प्रमुदित मन ताप सव न वासी ॥

॥ चुप हि न हे न घु नाथ सं को ची ॥ प्रनु गति देखि स न्ना सव सोची ॥

॥ जन क दूत ते हि अव स न आवा ॥ मुनि वसिष्ठ सुनि वे गि वोलावा ॥

॥ कनि प्रनाम ति नू नाम निहाने ॥ वेख देखि अ ऐ नि पट दुषाने ॥

॥ दूत नू मुनि वर पै छे हुवा ता गा ॥ कह हु विदे ह नू प कुशला ता ॥

॥ सुनि सकुचाइ ताइ महि माथा ॥ बोले च स न जो निजु ग हाथा ॥

अयोध्या०

॥ ५१ ॥

॥ बृहवराउनसाहनसोईगागागा ॥ ॥ कुशलहेतुसो नयेउगोसोई ॥ ॥

॥ सोह ॥ नाथतकोशलनाथकेसाथकुशललगइनाथगागा ॥

॥ ॥ मिथिलाअवधविशेषतेजगसवन्नयेउअनाथ ॥ २१ ॥

॥ चौकोशलपतिगतिमुनिजनकोना ॥ मेसवलोगसोगवसवोना ॥ ॥

॥ जेहिदेघेतेहिसमयविदेहागागा ॥ नामसत्पअसलागनकेहू ॥ ॥

॥ नानिकुचालसुनतननपालहि ॥ सहनकछुजसमनिविनुयालहि ॥ ॥

॥ मनतनाजनधुवनवनवासरगागा ॥ मेमिथिलेसहिदूदयहनासर ॥ ॥

॥ नपबृहवुधसचिवसमाजगागा ॥ कहहुविचानिउचितकहआजू ॥ ॥

॥ समुहिअवधअसमंजसहोडु ॥ बलिप्रकिनहियनकछुकहकोडु ॥ ॥

॥ नपहिधीनधनिदूदयविचारी ॥ पठऐअवधचतुनचनचारी ॥ ॥

॥ बृहिननतसतिआउकुआडु ॥ आपेहुवेगिनहेइलयाडुगागा ॥ ॥

॥ दोहागऐअवधचनननतगतिबृहिदेधिकनतरति ॥

॥ चलेचित्रकूटहिन्ननतचानचलेतिनहतिगागा ॥ २१२ ॥

॥ चौदूतनरुआइननतकइकरनी ॥ जनकसमाजजयामतिवननी ॥ ॥

॥ मुनिगुनपुनजनसचिवमहापति ॥ मेसवसोचसनेहविकलअति ॥ ॥

॥ धनिधीनजकनिन्ननतवडाईगागा ॥ लियेसुनटसाहनीबोलाईगागा ॥ ॥

॥ घनपुनदेसनाधिनधवानेगागा ॥ हयगयनथवहुजानसवाने ॥ ॥

॥ सुघरीसोधिचलेततकाला ॥ कियेविश्रामनमगमहिपाला ॥ ॥

॥ मोनहिआजुनहाइप्रयागा ॥ चलेजमुनउतननसवलागा ॥ ॥

॥ सबनिलेनहमपठऐनाथा ॥ तिन्हकहिअसमहिनाऐउमाथा ॥ ॥

॥ साथकिनातछसातकदीन्ह ॥ मुनिवनतुनितविदाचनकीन्ह ॥ ॥

॥ दोहासुनतजनकआगमनसवहनयेउअवधसमाज ॥

॥ नधुनेहनहिसकोचवडसोचविवससुननाजगागा ॥ २१३ ॥

॥ चौगनैगलानिकुटिलकैकेई ॥ काहिकहइकेहिदूधनदेईगागा ॥ ॥

॥ असमनआनिमुदितनननारी ॥ नयेउवहोनिनहनदिनचारी ॥ ॥

॥ ऐहिप्रकानगतवासनसोडु ॥ प्रातनहाइलागसवकोडुगागा ॥ ॥

॥ कनिमज्जनपूजहिन्नननारी ॥ गनपतिगोनिपुनानितमारी ॥ ॥

॥ नमानवनपदवंदिवहोनी ॥ विनबृहिअजुलिअचनजोनी ॥ ॥

॥ नाजानाम जानकी नानी गंगा ॥ ॥ अनैद अ वधि म्र वध न जयती ॥
॥ सुवसव सौ फि रिसहित समाजा ॥ भरत हि नाम कनहु जुवना जा ॥
॥ ऐहि विधि सुधा सींचि सब काहू ॥ देव देहु जग जीवन लाहू गंगा ॥
॥ दोहा गुनु समाज नाइ नू सहित नाम नाज पुन होउ ॥ ॥ ॥

॥ अर्धत नाम नाजा अ वध मनिय माग सब कोउ ॥ २७४ ॥
॥ चौ सुनिसने हम य पुन जनवानी ॥ नौ हीं जोग विरति मुनि ग्यानी ॥
॥ ऐहि विधि नित्य कनम कनि पुन जन ॥ नाम हिकनी हैं प्र नाम पुलकतन ॥
॥ कुच नीच मध्य मन न नारी गंगा ॥ लह हिं दन सनि जनि ज अनुहती ॥
॥ सावधान सच ही सन मानहि ॥ सकल सनाहत प्रपानि धानहि ॥
॥ लनिका इय ते न धुवन वानी ॥ पालत नीति प्रीति पहि चानी ॥
॥ सील सकोच सिंधु न धुना कु ॥ सुमुख सुलोचन सनल सुनाउ ॥
॥ कहत नाम गुन गन अनु नागे ॥ सब निज नाग सनाहन लागे ॥
॥ हम सम पुंन्य पुंज जग योने ॥ जिन्हि नाम जानत कनि मोने ॥
॥ दोहा प्रेम मगन तेहि समय सब सुनि आवत मिथिलेस ॥

॥ सहित सना संभ्रम उठेउ न विकल कमल दिनेस ॥ २७५ ॥
॥ चौ भाइ सचि वगुनु पुन जन साधा ॥ आगे गवन की नू न धुना था ॥ ॥
॥ गिनिव न दीष जन कन पजर्वहिं ॥ कनि प्र नाम नथ त्यागे उत्तवहिं ॥
॥ नाम दन सलाल साउ घाहू गंगा ॥ पथ भ्रम केन कले सन काहू ॥
॥ मनुत है ज है न धुवन वै देही गंगा ॥ विनु मन तन दुष सुष सुधिकेहिं ॥
॥ आवत जन क चले ऐहि भांती ॥ सहित समाज प्रेम मति माती ॥
॥ आपे निकटे दिखि अनु नागे गंगा ॥ सादन मिलन पन स्पन लागे ॥
॥ लगे जन क मुनि जन पद बंदन ॥ अधि नू प्र नाम की नू न धुन दन ॥
॥ भाइ नू सहित नाम मिलि राजहि ॥ चले लवाइ समेत समाजहि ॥
॥ दोहा आश्रम सागन शांत न स पून न पावन पाय गंगा ॥

॥ सेन मन हुकनु नासरित लिऐ जात न धुना थ ॥ २७६ ॥
॥ चौ बोलति ग्यान विनाग कनाने ॥ वचन ससोक मिलत न दनाने ॥
॥ सोचउ सास समीन तन गंगा ॥ धीन जत दत्त उवन कन नंग ॥

अयोध्या०

॥५२॥

॥ विषमविषादतोनावतिधानाणा ॥ भयभ्रमभ्रमनश्रवर्तश्रपसा ॥
 ॥ केवटवुधविद्यावडिनावा ॥ सकहिनषेइश्रकनिनहिश्रवा ॥
 ॥ वनचनकोलकिनातविचाने ॥ थकेविलोकिपथिकहियहने ॥
 ॥ आश्रमउदधिमिलीजवजाई ॥ मनहुउठेउश्रवुधश्रकुलाई ॥
 ॥ सोकविकलहोउनाजसमाजा ॥ रहानग्याननधीनजलाजा ॥
 ॥ नृपनृपगुनसीलसराहिगा ॥ नोवहिशोकसिंधुश्रवगाहि ॥
 ॥ छंद श्रवगाहसोचसमुद्रसोचहिनानिननव्याकुलमहा ॥
 ॥ दैदोषसकलसनोषबोलहिवामविधिकीन्होकहा ॥
 ॥ मुनसिद्धतापसजोगिजनमुनिदेधिदृसाविदेहकी ॥
 ॥ तुलसीनसमनथकोउजोउतनिसकेसपितसनेहकी ॥
 ॥ सोनढा ॥ किएअमितउपदेस ॥ जहंतहलोगनरुमुनिवररु ॥
 ॥ धीनजधनियननेस ॥ कहेउवसिद्धविदेहसन ॥ २७७ ॥
 ॥ चौ जासुग्याननविभवनिसिनासा ॥ वचनकिनिनिमुनिकमलविकासा ॥
 ॥ तेहिकिमोहममतानिश्रनाई ॥ यहसियरामसनेहवडाईगा ॥
 ॥ विषयासाधकसिद्धसयाने ॥ विविधजीवजगवेदवषाने ॥
 ॥ रामसनेहसनसमनजासु ॥ साधुसन्नावडश्रादनतासु ॥
 ॥ सोहनरामप्रेमविनुग्यानू ॥ कननधानविनुजिमिजलजानू ॥
 ॥ मुनिबहुविधिविदेहसमुत्तरे ॥ नामघाटसवलोगनहाएगा ॥
 ॥ सकलसोकसंकुलनननानी ॥ सोवासनवीतिउविनुवानी ॥
 ॥ पसुषगमगनरुनकीरुश्रहत् ॥ प्रियपतिजनकरकवनविचानू ॥
 ॥ दोहा ॥ होउसमाजमुनिनाजमिलिनधुराजनहानेप्रात ॥
 ॥ वैठेसववटविटपतनमनमलीनकसगातगा ॥ २७८ ॥
 ॥ चौ जेमहिसुनदशनथपुनवासी ॥ जेमिथिलापसिनगननिवासी ॥
 ॥ हंसवंसगुनजनकपुरोधगा ॥ जिन्हजगमगपनमानथसोधा ॥
 ॥ लगेकरुनउपदेशअनेका ॥ सहितधनमनप्रविनतिविवेका ॥
 ॥ कौसिककहिकहिकथापुरानि ॥ समुहईसवसन्नासुवानीगा ॥
 ॥ तवनधुनाथकौसिकहिकहेउ ॥ नाथकालिविनुजलसवनहेउ ॥
 ॥ मुनिकहुउचितकहतनधुनाई ॥ गऐउवीतिदिनपहनश्रछाई ॥

॥ निधिनुषलधिकहतिनहुतिनाजा ॥ इहं उचितनहिअसनअनाजा ॥
 ॥ कहन्नुपनलसवहिसुहाना ॥ पाइनजायसुचलेनहाना ॥
 ॥ दोहातेहिअवसनफलफूलदलमूलअनेकप्रकान ॥
 ॥ लैआएवनचनविपुलननिनिकावनिनान ॥ २९८ ॥
 ॥ चौकामदनेगिनिनामप्रसादा ॥ अवलोकतअपहनतविषादा ॥

(कलब, रान्की)

नागा ॥

पूला ॥

काह ॥

संख्या	कलब	कलब	कलब	कलब
१	२	३	४	५
६	७	८	९	१०
११	१२	१३	१४	१५
१६	१७	१८	१९	२०
२१	२२	२३	२४	२५
२६	२७	२८	२९	३०
३१	३२	३३	३४	३५
३६	३७	३८	३९	४०
४१	४२	४३	४४	४५
४६	४७	४८	४९	५०
५१	५२	५३	५४	५५
५६	५७	५८	५९	६०
६१	६२	६३	६४	६५
६६	६७	६८	६९	७०
७१	७२	७३	७४	७५
७६	७७	७८	७९	८०
८१	८२	८३	८४	८५
८६	८७	८८	८९	९०
९१	९२	९३	९४	९५
९६	९७	९८	९९	१००

B. R. No. 29, S.-H. 2. } Dept. IX. P. No. 04470-8-12-05.-P.D.-Urdu.
 D-10,000 Books of 200 leaves each and 5 loose sheets of 1905.

॥ चौ ॥
 ॥ ६ ॥
 ॥ सावकाससुनिसवसियसास्त्र ॥ आयेउजनकनाजननिवास्त्र ॥

अयोध्या०

॥५२॥

॥ विषमविषादतोनावतिधानाणां ॥ भयभ्रमभ्रमनश्रवर्तश्रपता ॥
 ॥ केवटवुधविद्यावडिनावा ॥ ॥ सकहिनषेइश्रकनिनहिश्रवा ॥

पताञ्जलकायानिधेसाहस्र
 जनावज्जगत्तवासाहस्रसिद्धिपुलितकिर
 ज्जटवहाडासुदेससदकामानाधरावनोनया
 गाव

॥ वैठेसववटविटपतनमनमलीनकसगातगा ॥ २७८ ॥
 ॥ जेमहिमुनदशानथपुनवासि ॥ जेमिथिलापसिनगननिवासि ॥
 ॥ हंसवंसगुनजनकपुरोधगाणा ॥ जिहजगमगपनमानथसोधा ॥
 ॥ लगेकरुनउपदेशअनेका ॥ सहितधनमनप्रविनतिविवेका ॥
 ॥ कौसिककहिकहिकथापुराणि ॥ समुहइसवसन्नासुवानीगाणा ॥
 ॥ तवनधुनाथकौसिकहिकहेउ ॥ नाथकालिविनुजलसवनहेउ ॥
 ॥ मुनिकहेउचितकहतनधुनाई ॥ गऐउवीतिदिनपहनअछाई ॥

॥ निखिनुषलधिकहृतिनहुतिनाजा ॥ इहं उचितनहिअसनअनाजा ॥
 ॥ कहलपनलसवहिसुहाना ॥ पाइनजायसुचलेनहाना ॥
 ॥ दोहातेहिअवसनफलफूलदलमूलअनेकप्रकान ॥
 ॥ लैआएवनचनविपुलननिनिकावनिनान ॥ २९८ ॥

॥ चौक

॥ स

॥ वे

॥ ते

॥ जा

॥ त

॥ दे

॥ द

॥ के

श्री गणेशाय नमः

संवत् १८३८ श्रावण मास
 कर्कशसि तत्र दि ३५

॥ चौ

॥ दु

॥ ह

॥ प

॥ दाहि

॥ मंदा

॥ अट

॥ सुय

॥ दे

॥ १

४॥॥॥ श्री०

१५॥॥ श्री०

२०॥॥ १॥॥ २२ मार्च १८३८ ॥ १३५०

॥ चौ ऐहिविधिसकलमनोनथकनहीं ॥ वचनसप्रेमसुनतमनुहरहैं ॥
 ॥ सीयमानुतेहिसमयपठाई ॥ दासिदेसिसुअवसनआई ॥
 ॥ सावकाससुनिसवसियसास्त्र ॥ आयेउजनकनाजननिवास्त्र ॥

विषाद

॥ ग

॥ ल

॥ ह

॥ द

॥ र

॥ ग

॥ ग

॥ न

॥ नी

॥ न

॥ ह

॥ र

॥ ह

॥ ल

॥ र

॥ ज

अयोध्या०

114211

विषमविषादतोनावतिधानाणां ॥ भयभ्रमभ्रमनश्रवर्तश्रपता ॥
केवटबुधविद्यावडिनावा ॥ सकलिनयेइश्रकनिनहिश्रवा ॥

पञ्चाङ्गजटकायानन्दसाहचर

॥ वैठे सब बट बिट पतन मन मलीन कृ सगात गा ॥ २७ ॥
 ॥ चौ जेमहि सुन दश नथ पुन वासी ॥ जेमि थिला पसिन गन निवासी ॥
 ॥ हंस वंस गुन जनक पुरोध गा ॥ जिरू जग मग परमान थ सोधा ॥
 ॥ लगे कह नउ पदेश अने का ॥ सहित धन मन य विनति विवेका ॥
 ॥ कौसिक कहि कहि कथा पुरानी ॥ समुह ई सब सचा सुवानी गा ॥
 ॥ तवन धुनाथ कौसिक कहि हेउ ॥ नाथ कालि विनु जल सब न हेउ ॥
 ॥ मुनिक हेउ चित कहत न धुनाई ॥ गऐ उवीति दिन पहर अछाई ॥

॥ निधिनुषलधिकहतिनहुतिनाजा ॥ इहं उचितनहिअसनअनाजा ॥

॥ कहलपनलसवहिसुहाना ॥ पाइनजायसुचलेनहाना ॥

॥ होहातेहिअवसनफलफूलदलमूलअनेकप्रकान ॥

॥ लेआएवनचनविपुलननिनिकावनिनान ॥ २९८ ॥

॥ चौका

॥ सनस ता: १६ मार्च

॥ वेलि ॥ १७ = चार

॥ तेहि ता: १७

॥ जाइन ॥ १७ = धासकरिया

॥ तवस ता: १७

॥ देखि ॥ १७ = धास

॥ दलय ॥ १७ = धास

॥ कोल ता: २०

॥ ॥ १७ = धास

॥ ॥ १७ = धास

॥ ॥ १७ = धास

॥ ॥ १७ = धास

॥ ॥ १७ = धास

॥ ॥ १७ = धास

॥ ॥ १७ = धास

॥ ॥ १७ = धास

॥ ॥ १७ = धास

॥ ॥ १७ = धास

॥ ॥ १७ = धास

॥ ॥ १७ = धास

॥ ॥ १७ = धास

॥ ॥ १७ = धास

॥ ॥ १७ = धास

॥ ॥ १७ = धास

॥ ॥ १७ = धास

॥ ॥ १७ = धास

॥ ॥ १७ = धास

॥ ॥ १७ = धास

॥ ॥ १७ = धास

॥ ॥ १७ = धास

॥ ॥ १७ = धास

॥ ॥ १७ = धास

॥ ॥ १७ = धास

॥ ॥ १७ = धास

॥ ॥ १७ = धास

॥ ॥ १७ = धास

॥ ॥ १७ = धास

॥ १८ ॥

॥ १९ ॥

॥ २० ॥

॥ २१ ॥

॥ २२ ॥

॥ २३ ॥

॥ २४ ॥

॥ २५ ॥

॥ २६ ॥

॥ २७ ॥

॥ २८ ॥

॥ २९ ॥

॥ ३० ॥

॥ ३१ ॥

॥ ३२ ॥

॥ ३३ ॥

॥ ३४ ॥

॥ ३५ ॥

॥ ३६ ॥

॥ ३७ ॥

॥ ३८ ॥

॥ सहजसुभायसमाजदुइनामचननअनुनाग ॥ २९९ ॥

॥ चौऐहिविधिसकलमनोनथकन्हि ॥ वचनसप्रेमसुनतमनुहरहि ॥

॥ सीयमानुतेहिसमयपठाई ॥ दासिदेधिसुअवसनआई ॥

॥ सावकाससुनिसवसियसास्त्र ॥ आऐउजनकनाजननिवास्त्र ॥

॥ चौ जमाहसुनदृशानथपुनवासा ॥ जगत्पद ॥ निनिवासी ॥
 ॥ हंसवंसगुनजनकपुरोधाय ॥ जिहजगमगपनमानथसोधा ॥
 ॥ लगेकरुनउपदेशअनेका ॥ सहितधरमनयविनतिविवेका ॥
 ॥ कौसिककहिकहिकथापुराणि ॥ समुहार्इसवसन्नासुवानीगा ॥
 ॥ तवनघुनाथकौसिकहिकहेउ ॥ नाथकालिविनुजलसवनहेउ ॥
 ॥ मुनिकरुउचितकहतनघुनाई ॥ गऐउवीतिदिनपहनआछाई ॥

॥ निधिनुषलधिकहतिनहुतिराजा ॥ इहं उचितनहि असनअनाजा ॥

॥ कहलपनलसवहिसुहाना ॥ पाइनजायसुचलेनहाना ॥

॥ दोहा तेहिअवसनफलफूलदलमूलअनेकप्रकार ॥

॥ लैआएवनचनविपुलननिनिकावनिनान ॥ २७८ ॥

॥ चौकामदनेगिनिनामप्रसादा ॥ अवलोकतअपहनतविषादा ॥

॥ सनसनितावननूमिविनागा ॥ जनुउमगातअनैदअनुनागा ॥

॥ वेतिविटपसवसफलसफूला ॥ वोततषगमगअलिअनुकूला ॥

॥ तेहिअवसनवनअधिकउष्णाह ॥ त्रिविधसमीनसुषदसवकाह ॥

॥ जाइनवननिमनोहनताईगा ॥ जनुमहिकनतिजनकपहुनाई ॥

॥ तवसवलोगनहजाइनहाईगा ॥ नामजनकमुनिआयसुपाईगा ॥

॥ देखिदेखितनुअनअनुनागे ॥ जहंतहंपुनजनउतननलागे ॥

॥ दलफलफूलकंदविधिनाना ॥ पावनसुहनसुधासमाना ॥

॥ कोलकिनातफूलफलनाना ॥ देखिविदेहविविधविधिआना ॥

॥ दोहा सादनसवकहनामगुनपठऐननिननिनान ॥

॥ पूजिपितनसुनअतिधिगुनलगेकननफलहन ॥ २७९ ॥

॥ चौऐहिविधिवासनचीतेचानी ॥ नामनिनधिनननानिसुधानी ॥

॥ दुहुसमाजअसिनुचिमनमहि ॥ विनुसियनामफिनतनलनहि ॥

॥ क्षितानामसंगवनवास् ॥ कोटिअमनपुनसनिससुपास् ॥

॥ पनिहनिलषननामवैदेही ॥ जेहिघनआववामविधितेही ॥

॥ दाहिनदेवहोइजवसवही ॥ नामसमीपवसियवनतवही ॥

॥ मंदाकिनिमज्जनतिहुकाला ॥ नामदनसमुदमंगलमाला ॥

॥ अटननामगिनिवनतापसथल ॥ असनअमियजनुकंदमूलफल ॥

॥ सुषसमेतसंवतदुइसातागा ॥ पलसमहेहिजनियनहिजाता ॥

॥ दोहा ऐहिसुषजोगनलोगसवकहहिकहोअसनाग ॥

॥ सहजसुनायसमाजदुइनामचननअनुनाग ॥ २८० ॥

॥ चौऐहिविधिसकलमनोनथकनहि ॥ वचनसप्रेमसुनतमनुहनहि ॥

॥ सीयमानुतेहिसमयपठाईगा ॥ दासिदेखिसुअवसनआई ॥

॥ सावकाससुनिसवसियसास् ॥ आपेउजनकनाजननिवास् ॥

अयोध्या०

॥५३॥

॥ कौसल्यासादनसनमानी गाना ॥ ॥ आसनद्विष्टे उसमयसमआनी ॥
 ॥ सीलसनेहसकलदुहुओना ॥ ॥ द्रवहिदेविमुनिकुलिसकठेना ॥
 ॥ पुलकिसिथिलतनवानिविलोचन ॥ ॥ महिनधलिधनलगीसवसोचन ॥
 ॥ सबसियरामप्रीतिकिसिमूनति ॥ ॥ जनुकनुनावहुवेधविसूनति ॥
 ॥ सीयमातुकहविधिवुधिवंकी ॥ ॥ जोपयफेनफेनपविटांकी ॥ ॥
 ॥ दोहा सुनियसुधादेधियगनलसवकनतरतिकराल ॥
 ॥ जहंतहंकाकउल्लकवकमानससकृतमनराल ॥ २८२ ॥
 ॥ चौ सुनिससोचकहदेविमुमित्र ॥ ॥ विधिगतिवडिविपनीतिविवित्र ॥
 ॥ जोसृजिपालइहनइवहोनी ॥ ॥ बालकेलिसमविधिर्मतित्रोनी ॥
 ॥ कौसल्याकहहोसनकाहू ॥ ॥ कनमविवसदुषसुषधितिलाहू ॥
 ॥ कठिनकनमगतिजानविधाता ॥ ॥ सोसुन्नअसुन्नसकलफलदाता ॥
 ॥ ईसनजाइसीससवहिके ॥ ॥ उतपतिथितिलयविषहुअमिके ॥
 ॥ देविमोहवससोचियवाटी ॥ ॥ विधिप्रपंचअसअचलअनदि ॥
 ॥ नूपतिजियवमनवउनआनी ॥ ॥ सोचियसधिलक्षिनिजहितहनी ॥
 ॥ सीयमातुकहसत्यसुवानी ॥ ॥ सुकृतीअवधिअवधपतिगानी ॥
 ॥ दोहा लखनरामसियजाहुवनअलपनिनामनपोच ॥ ॥
 ॥ गहवनिहियकहकौशलामोहिननतकनसोच ॥ २८३ ॥
 ॥ चौ ईसप्रसादअसिसनुम्हानी ॥ ॥ सुतसुतवधूदेवसनिवानी ॥
 ॥ रामसपथमइकीन्हिनकाउ ॥ ॥ सोकनिकहउसधिसतिनाउ ॥
 ॥ ननतशीलगुनविनयवडाई ॥ ॥ नायपन्नगतिनरोसन्नलाई ॥
 ॥ कहतसानदहुकेमतिहिचै ॥ ॥ सागरसीपकिजाहिउलीचै ॥
 ॥ जानहुसदाननतकुलदीपा ॥ ॥ वानवानमोहिकहेउमहीपा ॥
 ॥ कसैकनकमनिपानिषपाए ॥ ॥ पुनुषपनसिअहिसमयसुनिए ॥
 ॥ अनुचितआजुकहवअसमोना ॥ ॥ सोकसनेहसयानपथोना ॥
 ॥ सुनिसुनसनिसमपावनवानी ॥ ॥ नईसनेहविकलसवनानी ॥
 ॥ दोहा कौसल्याकहधीनधनिसुनहुदेविमिथिलेसि ॥
 ॥ कोविवेकनिधिवल्लन्नहितुम्हहिसकइउपदेसि ॥ २८४ ॥
 ॥ चौ नानिनायसनअवसनपाई ॥ ॥ ॥ आपुनवातकहवसमुहई ॥ ॥

॥ नखियहिलखनननतगवनहिवन ॥ जोयहमतमोनेमहापमन ॥
 ॥ तोनलजतनसोकनवविचानी ॥ मोनेसोचननतकननानी ॥
 ॥ गूखसनेहचनतमनमाहीणा ॥ रहेनीकमोहिंलागतनाही ॥
 ॥ लखिसुचाउसुनिसनिससुवानी ॥ सवनइमगनकउननसानी ॥
 ॥ ननप्रसूनहनिधन्यधन्यधुनि ॥ सिथिलसनेहसिद्धजोगामुनि ॥
 ॥ सवननिवासविथकिलखिरहेऊ ॥ तवधनिधीनसुमित्रइकहेऊ ॥
 ॥ देविदंडजुगजामिनिवीतीणा ॥ नाममातुसुनिउठीसप्रीती ॥

॥ दोहा ॥ वेगिपाउधानियथलहिकहसनेहसतिनाय ॥

॥ हमनेतौअवईशगतिकैमिथिलेससहाय ॥ २८५ ॥

॥ चौलखिसनेहसुनिवचनविनीता ॥ जनकप्रियागहेपायपुनीता ॥
 ॥ देविउचितअसविनयतुम्हारी ॥ दशनयधननिनाममहतानी ॥
 ॥ प्रभुअपनेनीचहुआइनहीणा ॥ अगिनिधूमगिनिसिनतनधनहिं ॥
 ॥ सेवकनाउकनममनवानीणा ॥ सदांसहायमहेसचनवानीणा ॥
 ॥ नवनेअंगजोगजगकोहेणा ॥ दीपसहाइकिदिनकनसोहेणा ॥
 ॥ नामजाइवनकनिसुनकाजू ॥ अचलअवधपुनिकनिहीहिनजू ॥
 ॥ अमननागनननामबाहुवल ॥ सुखवासिहहिअपनेअपनेथल ॥
 ॥ यहसवजागवलिककहिनाथा ॥ देविनहोइमुधामुनिनाथाणा ॥

॥ दोहा ॥ असकहियगपनिप्रेमअतिसियहितविनयमनाइ ॥

॥ सियसमेतसियमातुतवचलीसुआयसुपाइ ॥ २८६ ॥

॥ चौप्रियपनिजनहिमिलीवैदेहा ॥ जोजेहिजोगनानितेहितेहि ॥
 ॥ तापसवेषजानकीदेखीणाणा ॥ आसवविकलविषादविसेषी ॥
 ॥ जनकनामगुनुआयसुपाइ ॥ चलेथलहिसीयदेखीआइणा ॥
 ॥ लीकलाइउनजनकजानकी ॥ पाहुनिपावनिप्रेमप्रानकी ॥
 ॥ उनउमगेउअंबुधिअनुनाग्र ॥ भयेउन्नपमनमनहुंप्रयाग्र ॥
 ॥ सियसनेहवडुवाछतजोहा ॥ तापननामप्रेमसिसुसोहा ॥
 ॥ चिनजीवमुनिग्यानविकलजनु ॥ वूडतलहेउवालअवलवनु ॥
 ॥ मोहमगनमतिनहिविदेहकी ॥ महिमासियनघुवनसनेहकी ॥

॥ दोहा ॥ सियपितुमातुसनेहवसविकलनसकसैनानि ॥

अयोध्या ०

॥५४॥

॥ धननिमुताधीनजधनेउसमयसुधनमविचामि ॥२२७॥
 ॥ चैतापसंवेष्टजनकसियद्वेषी ॥ भयेउप्रेमपनितोषविसेषी ॥
 पुत्रीपवित्रकिऐहुकुलदोउ ॥ सुजसधवलजगकहसबकोउ ॥
 जिमिसुनसनिकीनतिसनितोनी ॥ सबकीन्हविधिअंडकनोनी ॥
 गंगअवनिथलतीनिबडेने ॥ ऐहिकिएसाधुसमाजधनेने ॥
 पितुकहसत्यसनेहसुवानी ॥ सीयसकुचग्रहमनहुंसमानी ॥
 पुनिपितुमातुलीन्हउरलाई ॥ सिषआसिषहितदीन्हसुहाई ॥
 कहतिनसीयसकुचमनमहिं ॥ इहांवसवनजनीचलनहिं ॥
 लघिनुषनानिजनाऐउनाउ ॥ हृदयसनाहतसीलसुजाउ ॥
 ॥ दोहा ॥ वानवानमिलिनेटिसियविदकीन्हिसनमानि ॥
 ॥ कहिसमयसिनजनतगतिनानिसुवानिसयानि ॥२२८॥
 ॥ चैसुनिनूपातजनतव्यवहार ॥ सोनसुगंधसुधाससिसाहू ॥
 ॥ मूंदेउनयनसजलपुलकेतन ॥ सुजससनाहनलगेमुदितमन ॥
 ॥ सावधानसुनुसुमुखिसुलोचनि ॥ जनतकथानवबंधविमोचनि ॥
 ॥ धनमनाजनयब्रह्मविचानू ॥ इहांजथामतिमोनप्रचारू ॥
 ॥ सोमतिमोनिजनतमतिमहिं ॥ कहूँकाहधितिधुवतनग्रहिं ॥
 ॥ विधिगनपतिअहिपतिसिखसानद ॥ कविकोविदबुधबुद्धिविसनद ॥
 ॥ जनतचरितकीनतिकनहती ॥ धनमसीलगुनविमलविभूती ॥
 ॥ समुहृतसुनतसुषट्सबकाहू ॥ सुचिसुनसनिनुचिनिंदिसुधाहू ॥
 ॥ दोहा ॥ निनवधिगुननिनुपमपुनुषजनतजनतसमजानि ॥
 ॥ कहियसुमेनुकिसेनुसमकविकुलमतिसकुचानि ॥२२९॥
 ॥ चैअगमसवहिवनतवनवरनी ॥ जिमिजलहीनमीनगमधननी ॥
 ॥ जनतअमितमहिमासुनुनानी ॥ जानहिंनामनसकहिंबथानी ॥
 ॥ वननिसप्रेमजनतअनुचाउ ॥ तियजियकीनुचिलधिकह्लाउ ॥
 ॥ बहुनहिलषनजनतवनजहिं ॥ सबकनचलसबकेमनमहिं ॥
 ॥ देविपनंतुजनतनघुवनकीण ॥ प्रीतिप्रतीतिजाइनहितनकी ॥
 ॥ जनतसनेहअब्रधिममताकी ॥ जद्यपिनामसीमसमताकी ॥
 ॥ पनमानयस्वानयसुषसाने ॥ जनतनसपनेहुंमनहुंनिहाने ॥
 ॥ साधनसिद्धिनामपदनेहू ॥ मोहिलषिपनतजनतमतऐहू ॥

॥ दोहा ॥ मोने हुं नन तने पेलिहि हिं मनस हुं नाम न जाइ ॥ २८० ॥

॥ कनियन सोच सने हव सकहे उरूप विलसाइ ॥ २८० ॥

॥ चौ नाम न त गुन गन त सि प्रीती ॥ ॥ निसिंद पति हि पलक सम विती ॥

॥ राज समाज प्रात जुग जागे गागा ॥ ॥ कनिन हान सुन पूजन लागे ॥

॥ गऐन हाइ गुनु पहन घुनाई गागा ॥ ॥ बंदि चरन वोले नुष पाई गागा ॥

॥ नाथ नन त पुन जन महतानी ॥ ॥ शोक विकल वन वास दुषानी ॥

॥ सहित समाज राज मिथिलेस ॥ ॥ बहुत दिवस न ऐसहत कलेस ॥

॥ उचित होइ सोइ कीजिय नाथा ॥ ॥ हित सबहि के नावने हाथा ॥

॥ अस कहि अतिस कुचे न घुनाउ ॥ मुनि पुलके लखि सील सुनाउ ॥

॥ तुम्ह बिनु नाम सकल सुष साजा ॥ नन कसनिस दुहुनाज समाजा ॥

॥ दोहा ॥ प्रान प्रान के जीव के जीव सुष के सुष नाम गागा ॥

॥ तुम्ह तजितात सुहात ग्रह जिन्ह विधाता वाम ॥ २८१ ॥

॥ चौ सो सुष कन मधन मजनि जाउ ॥ जहं न नाम पट पंकज नाउ ॥

॥ जोग कुजोग ग्यान अग्यानागा ॥ जहं न हि नाम प्रेम परिधाना ॥

॥ तुम्ह बिनु दुषी सुषी तुम तेहा ॥ तुम्ह जानहु जिय जो जेहि केहा ॥

॥ नाउन आय सुसिन सब जीके ॥ विदित कपालहि गति सबहि के ॥

॥ आपु आश्रम हिं धानिय पाउ ॥ न ऐउ सने हसि थिल मुनि नाउ ॥

॥ कनि प्रनामत वनाम सिधारे ॥ निधि धनिधीन जन कपीहि आरे ॥

॥ नाम वचन गुनु न पहि सुनाये ॥ सील सने ह सुनाय सुहाये ॥

॥ महाराज अवकीजिय सोई गा ॥ सब कन धन सहित हित होई ॥

॥ दोहा ॥ ग्यान निधान सुजान सुचि धन मधीन नन पाल ॥

॥ तुम्ह बिनु असमंजस समन को समन थऐहि काल ॥ २८२ ॥

॥ चौ मुनि मुनि वचन जन क अनुनागे ॥ लखि गति ग्यान विनाग विनागे ॥

॥ सिधिल सने ह गुन त मन माहिं ॥ आऐइ हां कीन्ह नल नहिं ॥

॥ नाम हिं नायक हेउ वन जाना ॥ कीन्ह आपु प्रिय प्रेम प्रमाना ॥

॥ हम अव वन तेवन हिं पठाई गा ॥ प्रमुदित फिरव विवेक वडाई ॥

॥ ताप समुनि महि सुन सुनि देखी ॥ न ऐ प्रेम वस विकल विसेषी ॥

॥ समउ समु हि धनिधीन जनाजा ॥ चले नन त पहं सहित समाजा ॥

अयोध्या०

॥५५॥

॥ ननत आइ आगे होइ लीने गाता ॥ ॥ अ वसन सपिस सुआसन दीने ॥
 ॥ तात ननत कहति नहुति नाउ ॥ तुम्ह विदित न घुवी न सुजाउ ॥
 ॥ दोहा नाम सत्यव्रत धन मनत सब कन सील सने हु ॥ ॥
 ॥ संकट सहत सकोच वस कहिय जो आय सुदेहु ॥ २६३ ॥
 ॥ चौ सुनित नुपुल किन यन न सिवानी ॥ बोले ननत धी न धनि जानी ॥
 ॥ प्रनुषिय पूज पिता सम आ पूजा ॥ कुलगुन सम हित मायन बापू ॥
 ॥ कौसिकादि मुनि सहित समाजू ॥ ग्यान अं बुनिधि आपुन आजू ॥
 ॥ सिसु सेवक आय सुअनुगामी ॥ जानि मोहि सिधे दै इय स्वामी ॥
 ॥ ऐहि समाज थल बूह वराउन ॥ मोन मलिन मै बोल ववाउन ॥
 ॥ छोटे बदन कहउ वडि वाता ॥ धर्म वतात लखि वाम विधाता ॥
 ॥ आगमनिगम प्रसिद्ध पुनाना ॥ सेवा धन मकठिन जग जाना ॥
 ॥ स्वामि धन मस्वानथ हिवि नो धू ॥ वै उअंध प्रेम हिन प्रबोधू ॥
 ॥ दोहा नाथि नाम नुषधन मव्रत पनाधीन मोहि जानि ॥
 ॥ सब के संमत सर्व हित कनिय प्रेम पहिंचनि ॥ २६४ ॥
 ॥ चौ ननत वचन सुनि दै विसुजाउ ॥ सहित समाज सनाहनाउ ॥
 ॥ सुगम अगम मदुमंजुक ठोरा ॥ अनथ अमित अति आधन येने ॥
 ॥ ज्यौं मुख मुकुन मुकुन निज पानी ॥ गहिन जाइ अस अदनुत वानी ॥
 ॥ नूपन नत मुनि साजु समाजू ॥ गेज है विबुध कुमुद द्विज राजू ॥
 ॥ सुनि सुधि सोच बिकल सर्व लोग ॥ मनहुं मीन गत न बजल जोग ॥
 ॥ देव प्रथम कुलगुनु गति दै धी ॥ निषि विदेह सने हवि सेधी ॥
 ॥ राम नक्ति मय ननत निहाने ॥ सुष स्वामि हहनि हिय हाने ॥
 ॥ सब को उनाम प्रेम मय पेयाणा ॥ न ऐ अलेख सोच वस लेयाणा ॥
 ॥ दोहा राम सनेह सैंकोच वस कह ससोच सुन राजु ॥
 ॥ नचहु प्रपंच हिं पंच मिलि नाहित न ऐ उअकाजु ॥ २६५ ॥
 ॥ चौ सुन नु सुमिनि सान दसनाहि ॥ दै विदे वसन नागति पाहिणा ॥
 ॥ फेनि ननत मति कनि निज माया ॥ पालु विबुध कुल कनि छल छाया ॥
 ॥ विबुध विनय सुनि दै विसयानी ॥ बोली सुन स्वानथ जड जानी ॥
 ॥ मोसन कहहु ननत मति फेर ॥ लोचन सहसन सह सुमेरू ॥

॥ विधि हनिह नमायावडि नानी ॥ ॥ सोन नन तम तिस कै निहनी ॥
॥ सोमति भोहिक हत कनु नोनी ॥ ॥ बंदनिक न किचंद कन चोनी ॥
॥ नन तह दयसिय नाम निवास् ॥ ॥ तहं किति मिन जहंत न निप्रकास् ॥
॥ अस कहि सान दग इ विधिलोका ॥ ॥ विबुध विकल नि सिमान हुकोका ॥
॥ दोहा सुन स्वान थी मलीन मन की न्हु कु मंत्र कु ठा दु ॥ ॥

॥ नचि प्रपंच माया प्रवल नय चम अनति उचा दु ॥ २६४ ॥

॥ चौक निकु चाल सोचत सुन राजू ॥ ॥ नन तह शय सब काज अकाजू ॥
॥ गये जन कन धुनाथ समीपा ॥ ॥ सनमाने सब न धुकुल दीपा ॥
॥ समय समाज धन मअ विनोधा ॥ ॥ बोले तब न धुवं स पुनोधा ॥
॥ जन कन नत संवाह सुनार्इ ॥ ॥ नन तह हाउति कहि सुहार्इ ॥
॥ तात नाम जस आये सुदेह ॥ ॥ सो सब कन इ मोन मत ऐह ॥
॥ सुनि न धुनाथ जो निजु गपानी ॥ ॥ बोले सत्य सनल मडु वानी ॥
॥ विद्यमान आपुहि मिथिलेस् ॥ ॥ मोन कहव सब नोति न देस् ॥
॥ नाउन नाय न जाय सुहोई ॥ ॥ नाउनिस पथ सहिहि सिन सोई ॥

॥ दोहा नाम सपथ सुनि मुनि जन कस कुचे सनास मेत ॥

॥ सकल विलोकत नन त मुख वन इ छत न देत ॥ २६५ ॥

॥ चौसनास कुच वस नन त निहनी ॥ ॥ नाम वंधु धनिधीन ज नानी ॥
॥ कुसमय देधि सने हुसं नानी ॥ ॥ वळत विंधु जिमि घट जनि वानी ॥
॥ सोक कन कलोचन मति छेनी ॥ ॥ हनी विमल गुन गन जग जोनी ॥
॥ नन त विवेक वनाह विसाला ॥ ॥ अनायास उधनी तेहिकाला ॥
॥ कनि प्रनाम सब कह कन जोने ॥ ॥ नाम नाउ गुन साधुनि होने ॥
॥ छमव आजु अति अनुचित मोरा ॥ ॥ कह उं वद न मडु वचन कठेना ॥
॥ हि दय सुमिनि सनहा सुहार्इ ॥ ॥ मान सते मुख पंकज आई ॥
॥ विमली विवेक धन मन याली ॥ ॥ नन त नानती मंजु मराली ॥

॥ दोहा निनक्षि विवेक विलोचन न्हिसि थिल सनेह समाज ॥

॥ कनि प्रनाम बोले नन त सुमिनि सीय न धुराज ॥ २६६ ॥

॥ चौप्रनुपितु मातु सुहृद गुन स्वामी ॥ ॥ पूज्य पन महित अत न जामी ॥
॥ सनल सुसाहि वसील निधान ॥ ॥ प्रनत पाल सर्व गु सुजान ॥
॥ समनय सन नागत हित कानी ॥ ॥ गुन गाहक अव गुन अघ हानी ॥
॥ स्वामि गोसांइ हि सनिस गोसांइ ॥ ॥ मोहि समान मइ सांइ दोहा ॥

अयोध्या०

॥५६॥

॥ प्रभुपितुवचनमोहवसपेती ॥ ॥ आयेउइहांसमाजसकेलीगा ॥
 ॥ जगन्नलपोचउचअनुनीचू ॥ ॥ अमियअमनपदमाहुनमोचू ॥
 ॥ नामनजाइमेदिमनमहिंगा ॥ ॥ देखासुनाकतहुंकोउनाहिंगा ॥
 ॥ सोमइसवविधिकीन्हिछिठाई ॥ ॥ प्रभुमानीसनेहसेवकाईगा ॥

॥ दोहा ॥ कृपानलाईआपनीनाथकीन्हनलमोन ॥

॥ दूषननेचूषनसनिससुजसुचानुचहुओन ॥ २६६ ॥

॥ चौगाउनिनीतिसुवानिवडाई ॥ ॥ जगतविदितनिगमागमगाई ॥
 ॥ कूनकुटिलखलकुमतिकलंकी ॥ ॥ नीचनिसीलनिनीसनिसंकी ॥
 ॥ तेउसुनिसननसामुहेउआये ॥ ॥ सुकृतप्रनामकिऐअपनाये ॥
 ॥ देखिदोषकवहुनउनअने ॥ ॥ सुनिगुनसाधुसमाजवधाने ॥
 ॥ कोसाहिवसेवकहिनिवाजी ॥ ॥ आपुसमानसाजुसवसाजी ॥
 ॥ निजकनत्ततिनसमुहियसपने ॥ ॥ सेवकसकुचसोचउनअपने ॥
 ॥ सोगोसांइनहिदूसनकोपी ॥ ॥ मुजाउठाइकहउपननोपी ॥
 ॥ पसुनाचतसुकपाठप्रवीना ॥ ॥ गुनगतिनटपाठकअधीना ॥

॥ दोहा ॥ जोसुधानिसनमानिजनकिऐउसाधुसिनमोन ॥

॥ कोकृपालविनुपालिहहिविनदावलिबनजोन ॥ ३०० ॥

॥ चौसोकसनेहकिवालसुजाऐ ॥ ॥ आयेउलाइनजायसुवाऐगा ॥
 ॥ तवहुंकृपालहेनिनिजओना ॥ ॥ सवहिनांतिनलमानिउमोना ॥
 ॥ देखेउपायसुमंगलमूलागा ॥ ॥ जानेउंस्वामिसहजअनुकूला ॥
 ॥ बडेसमाजविलोकेउनागू ॥ ॥ बडीचूकसाहिवअनुनागू ॥
 ॥ कृपाअनुग्रहअंबुअर्धाईगा ॥ ॥ कीन्हिकृपानिधिसवअधिकई ॥
 ॥ नायेउमोनदुलानगोसांईगा ॥ ॥ अपनेसीलसुजाइनलाईगा ॥
 ॥ नाथनिपटमैकीन्हिछिठाई ॥ ॥ स्वामिसमाजसकोचविहाई ॥
 ॥ अविनयविनयजथाउचिवानी ॥ ॥ अमियदेवअतिआनतजानी ॥

॥ दोहा ॥ सुहुदसुजानसुसाहिवहिवहुतकहववडिखेनि ॥

॥ आयसुदेइयदेवअवसवइसुधानियमोरिगा ॥ ३०१ ॥

॥ चौप्रभुपदपदुमपनागदोहाई ॥ ॥ सत्यसुकृतसुखसांवसुहाई ॥
 ॥ सोकनिकहउंहिऐअपनेकी ॥ ॥ उचिजागतसोवतसपनेकी ॥
 ॥ सहजसनेहस्वामिसेवकाई ॥ ॥ स्वानयधलफलचानिविहाई ॥

॥ अग्यासमनसुसाहिवसेवाणा ॥ ॥ सोप्रसादजनुपावइदेवाणा ॥
 ॥ असकाहिप्रेमविवसनऐनी ॥ पुलकसनीनविलोचनवानी ॥
 ॥ प्रनुपदकमलगहेअकुलाई ॥ समौसनेहनसोकहिजाईगा ॥
 ॥ कृपासिंधुसनमानिसुवानी ॥ वैठाऐसमीपगहिपानीगा ॥
 ॥ ननतविनयसुनिदेधिसुजाडु ॥ सिधिलसनेहसमानधुनाई ॥
 ॥ **पं**नधुनाउसिधिलसनेहसाधुसमाजमुनिमिथिलाधनी ॥
 ॥ मनमहुसनाहतननतनायपन्नक्रिकीमहिमाधनीगा ॥
 ॥ ननतहिप्रसंसतविवधवनयहिंसुमनमानसमलिनसे ॥
 ॥ तुलसीविकलसवलोगसुनिसकुचेनिसागमनलिनसे ॥
 ॥ **सोन**देखिदुखानीहीन ॥ दुहुसमाजनननानिसव ॥
 ॥ मधवामहामलीन ॥ मुंऐमानिमंगलचहत ॥ ३०२ ॥
 ॥ **वै**कपटकुचालिसिबसुनराजू ॥ पनअकाजप्रियआपनकाजू ॥
 ॥ काकसमानपाकनिपुनीती ॥ छलीमलीनकतहुनषीतीती ॥
 ॥ प्रथमकुमतकनिकपटसकेल ॥ सोउचाडुसवकेसिनमेला ॥
 ॥ सुनमायासवलोगविमोहेगा ॥ नामप्रेमअतिसयनविशेहे ॥
 ॥ नऐउचाटसवमनधिननाही ॥ हनवननुचिछनसहनसोहहिं ॥
 ॥ दुविधमनोगतिप्रजादुखानी ॥ सरितसिंधुसंगमजनुवानी ॥
 ॥ दुचितकतहुंपनितोषनलहहिं ॥ ऐकऐकसनमनमुनकरहिं ॥
 ॥ लखिहियहसिकहकृपानिधानू ॥ सरिसत्त्वानमधवाजनवानू ॥
 ॥ **दो**ननतजनकमुनिगनसचिवसाधुसचेतविहाइ ॥
 ॥ लागिदेवमायासवहिजथाजोगजनपाइगा ॥ ३०३ ॥
 ॥ **चौ**कृपासिंधुलखिदेखदुखाने ॥ निजसनेहसुनपतिछलनने ॥
 ॥ सनानाउगुनमहिसुनमंत्री ॥ ननतनक्रिसवकइमतिजंत्री ॥
 ॥ नामहचितवतचित्रलिखेसे ॥ सकुचतबोलतवचनसिधेसे ॥
 ॥ ननतप्रीतिनतिविनयवडाई ॥ सुनतसुषटवननतकठिनाई ॥
 ॥ जासुविलोकिनक्रिलबलेस ॥ प्रेममगनमुनिगनमिथिलेस ॥
 ॥ माहिमातासुकहइकिमितुलसी ॥ नक्रिसुजायसुमतिहियहुलसी ॥
 ॥ आपुछेतिमहिमावडिजानी ॥ कविकुलकानिमानिसकुचानी ॥
 ॥ कहिनसकतिगुनउचिअधिकई ॥ मतिगतिवालवचनकीनाई ॥
 ॥ **दो**ननतविमलजसुविमलविधुसुमतिचकोनकुमानि ॥

अयोध्या०

॥ ५७ ॥

॥ उदितविमलजन हृदयभरैकटकनहिनिहानि ॥ ३०४ ॥
 ॥ चौजनतसुजाउनसुगमनिगमहूँ ॥ लघुमतिचापलताकविधर्महूँ ॥
 ॥ कहतसुनतसीतिआउननतको ॥ सीपनामपद हेधननतको ॥
 ॥ सुभिनतननतहिप्रेमनामको ॥ जेहिनसुलभतेहिसनिसवामके ॥
 ॥ दैधिय्यालदसासवहीकीणा ॥ नामसुजानजानिजनजीकी ॥
 ॥ धनमधुनीनधीननपनागन ॥ सत्यसेनेहसालसुषसागन ॥
 ॥ देसकाललधिसमउसमाजू ॥ नीतिप्रीतिपालकरधुनाजू ॥
 ॥ बोलिवचनदानिसनवसुसे ॥ हितपनिनामसुनतससिरसुके ॥
 ॥ तातननततुम्हधनमधुनीना ॥ लोकवेदविदप्रेमप्रवीनाणा ॥
 ॥ चौहाकरमवचनमानसविमलतुम्हसमानतुम्हतात ॥ ॥
 ॥ गुनुसमाजलघुबंधुगुनकुसमयकिमिकहिजात ॥ ३०५ ॥
 ॥ चौजानहुताततननिकुलनीती ॥ सत्यसंधपितुकीनतिप्रीती ॥
 ॥ समउसमाजलाजगुनजनकी ॥ उदासिनहितअनहितमनकी ॥
 ॥ तुम्हहिविदितसवहीकरमनमू ॥ आपनमोनपरमहितधनमू ॥
 ॥ मोहिसवचातिभयोसतुम्हना ॥ तदपिकहउअवसनअनुसता ॥
 ॥ ताततातविनुवातहमानीणा ॥ केवलगुनुकुलकृपासंचानी ॥
 ॥ नतउप्रजापुनजनपनिवान ॥ हमहिसहितसवहोतदुयार ॥
 ॥ जेविनुअवसनअथवदिनेस ॥ जगकेहिकहहुनहोइकलेस ॥
 ॥ तसउतपातुतातविधिकीन्हा ॥ मुनिमिथिलेसनाधिसवलीन्हा ॥
 ॥ दोहा ॥ नाजकाजसबलाजपतिधनमधननिधनधाम ॥
 ॥ गुनुप्रचावपालिहिसवहिन्नलहोइहिपनिनाम ॥ ३०६ ॥
 ॥ चौसहितसमाजतुम्हानहमाना ॥ धनवनगुनुप्रसादनखवाना ॥
 ॥ मातुपितागुनुस्वामिनिदेस ॥ सकलधनमधननीधनसेस ॥
 ॥ सोतुम्हकरहुकराबहुमोह ॥ ताततननिकुलपालकहोह ॥
 ॥ साधकऐकसकलसिधिदेनी ॥ कीनतिसुगतिभूतिमयवेनी ॥
 ॥ सोविचानिसहिसकदुनानी ॥ करहुप्रजापनिवानसुखानी ॥
 ॥ वाटिविपत्रिसवहिमोहिनाई ॥ तुम्हनिअवधिवडीकहिनाई ॥
 ॥ जानितुम्हहिमदुकहहुकठोरा ॥ कुसमयतातनअनुचितमोरा ॥
 ॥ होहिंकुठायसुबंधुसहाऐगा ॥ ओडियहिहाथअसनिहुकेघाऐ ॥

॥ दोहा ॥ सेवक पट्ट करन यन से मुख सो साहिबु होइ ॥ ३०७ ॥

॥ तुलसी प्रीति किनीति सुनि सुक विसनाही है सोइ ॥ ३०८ ॥

॥ चौ ॥ सनासकल सुनि न धुवन बानी ॥ प्रेम प्रबोध अमिय जनु सानी ॥

॥ सिथिल समाज सने हस माधी ॥ देखि दसाचु पसान दसाधी ॥

॥ जनतहि न ऐउ पनम संतोष ॥ सन मुख स्वामि विमुख दुष दोष ॥

॥ मुख प्रसन्न मन मिटा विषाद ॥ भाजनु गंगेहि गिना प्रसाद ॥

॥ कीन्ह सप्रेम प्रनाम बहोनी ॥ बोले पानि पंकजु हजोनी ॥

॥ नाथ न ऐउ सुख साथ गऐको ॥ लहे उलाह जगजन मन्त्र ऐको ॥

॥ अव कृपाल जस आय सुहोई ॥ कनउ सीस धनिसाइन सोई ॥

॥ सो अवलंबु देव मोहि देई ॥ अधिपानुपावहु जेहि सेई ॥

॥ दोहा ॥ देव देव अनिषे कहित गुन अनुसासन पाइ ॥

॥ अने उंसवती नथ सलिल तेहि कहै काहन जाइ ॥ ३०९ ॥

॥ चौ ॥ ऐक मनो थवड मन माहीं ॥ सन्नयस को च जात कहि नहिं ॥

॥ कहहु तात प्रनु आय सुपाई ॥ बोले वानिसने हसु हाई ॥

॥ चित्रकूट मुनि थल तीन थवन ॥ षगमगसनिसरनि हैं गिनिगन ॥

॥ प्रनु पट्ट अकित अवनि विसेषी ॥ आय सुहोइ त आव उदेषी ॥

॥ अवसि अत्रि आय सुसिधन हू ॥ तात विगत नयकानन चरहू ॥

॥ मुनि प्रसाद वन मंगल दाता ॥ पावन पनम सुहावन भ्राता ॥

॥ निधि नायक जहं आय सुदेहां ॥ राखहु तीन थजल थल तेहां ॥

॥ सुनि प्रनु वचन जनत सुषपावा ॥ मुनि पट्ट कमल मुदित सिनु नावा ॥

॥ दोहा ॥ जनत नाम संवाइ सुनि सकल सुमंगल मूल ॥

॥ सुन स्त्रानथी सनाहिकुल वन यत सुनत नुपूल ॥ ३१० ॥

॥ चौ ॥ धन्य जनत जयनाम गोसांई ॥ कहत देव हर यत वनि आई ॥

॥ मुनि मिथिले ससनासवकाहू ॥ जनत वचन सुनि न ऐउ उछाहू ॥

॥ जनत नाम गुन ग्राम सने हूणा ॥ पुलकि प्रसंसत नाउ बिदे हूणा ॥

॥ सेवक स्वामि सुजाव सोहावन ॥ नेम प्रेम अति पावन पावना ॥

॥ मति अनुमान सनाहन लागे ॥ सचिव सनासद सब अनुनागे ॥

॥ सुनि सुनि नाम जनत संवाइ ॥ दुहु समाज हिय हन य विषाद ॥

अयोध्या०

॥ ५८ ॥

॥ नाममातु दुष सुष समजानी ॥ ॥ कहि गुन दोष प्रबोधी नानी ॥
 ॥ ऐक कहि न धुवी न वडाई ॥ ॥ ऐक सनाहत न न त न लाई ॥
 ॥ दोहा ॥ अत्रि कहि उत व न न त स न सै ल स मी प सु कूप ॥
 ॥ नाधि पती न थ तो य त हं पा व न अ मित अ नूप ॥ ३० ॥
 ॥ चै न न त अ त्रि अ नु सा स न पाई ॥ ॥ जल न ज न स व दि ऐ उ च लाई ॥
 ॥ सानु ज आ पु अ त्रि मु नि सा धू ॥ ॥ सहित ग ऐ ज हं कूप अ गा धू ॥
 ॥ पा व न पा थ पु न्य ज ल ना था ॥ ॥ प्र मु दित प्रे म अ त्रि अ स न्ना था ॥
 ॥ ता त अ न्ना दि सि छ थ ल ऐ हू ॥ ॥ लो पे उ का ल वि दित न हि के हू ॥
 ॥ त व से व क न स न स थ लु दे था ॥ ॥ की न सु ज ल हित कूप वि से था ॥
 ॥ वि धि व स न ऐ उ वि त्व उ प का नू ॥ ॥ सु ग म अ ग म अ ति ध न म वि चा नू ॥
 ॥ न न त कूप अ व क हि हिं लो गा ॥ ॥ अ ति पा व न ती न थ ज ल जो गा ॥
 ॥ प्रे म स ने म नि म ज्ज त प्रा नी गा ॥ ॥ हो इ ही है वि म ल क न म न वा नी ॥
 ॥ दोहा ॥ कहत कूप म हि मा स क ल ग ऐ ज हं न धु रा उ ॥
 ॥ अ त्रि सु ना ऐ उ न धु व न हि ती न थ पु न्य प्र न्ना उ ॥ ३१ ॥
 ॥ चै व हु त ध न म इ ति हा स स प्री ती ॥ ॥ न ऐ उ नो न नि सि सो सु ष वी ती ॥
 ॥ नि त्प नि वा हि न न त हो उ न्ना ई ॥ ॥ ना म अ त्रि गु न आ य सु पा ई गा ॥
 ॥ सहित स मा ज सा ज स व सा दि ॥ ॥ च ले ना म व न अ ट न प या दे गा ॥
 ॥ को म ल च न न च ल त वि नु प न है ॥ ॥ म इ म दु नू मि स कु चि म न म न है ॥
 ॥ कु स कं ट क का क नी कु ना ई गा ॥ ॥ क ड क क ठो न कु व स्तु दु ना ई ॥
 ॥ म हि मं जु ल म दु मा न ग की न्हे ॥ ॥ व ह त स मी न त्रि वि धि सु ष लो न्हे ॥
 ॥ सु म न व न धि सु न घ न क नि र्ण है ॥ ॥ वि ट प फू लि फ ल त न म दु त है ॥
 ॥ म ग वि लो कि ष ग वा लि सु वा नी ॥ ॥ से व हि स क ल ना म प्रि य ज नी ॥
 ॥ दोहा ॥ सु ल न सि धि स व प्रा कृत हु ना म क ह त ज मु हा त ॥
 ॥ ना म प्रा न प्रि य न न त क हुं य ह न हो इ व डि वा त ॥ ३२ ॥
 ॥ चै ऐ हि वि धि न न त फि न त व न म हिं ॥ ॥ ने म प्रे म ल धि मु नि स कु च हिं ॥
 ॥ पु न्य ज ला स य नू मि वि न्ना गा गा ॥ ॥ ष ग म ग त नु त न गि नि व न वा गा ॥
 ॥ चा नु वि चित्र प वि त्र वि से षी गा गा ॥ ॥ बू ह त न न त दि व्वा स व दे षी गा ॥
 ॥ सु नि म न मु दित क ह त नि धि ना डु ॥ ॥ हे तु ना म गु न पु न्य प्र न्ना डु गा ॥

॥ कतहुं निमज्जन कतहुं प्रनामा ॥ कतहुं विलोकत मन अग्निनामा ॥
॥ कतहुं वडि मुनि आण सुपाई ॥ सुमिन तसीय सहित हो उभाई ॥
॥ दृष्टि सुभा उ सनेहु सु सेवाणा ॥ देहि असीस मुदित वन देवा ॥
॥ फिन हि गोए उ दिन पहन अछाई ॥ प्रनु पटक मल विलोकी हि आई ॥
॥ दोहा ॥ देषे थल तीन थस कल भनत पांच दिन मांह ॥

॥ कहत सुनत हनि हन सुज सुगए दिवस अइ सांह ॥ ३१३ ॥
॥ चौ भोन रहाइ सब जुने उ समाजू ॥ अनत नू मिसुनति नहुति नाजू ॥
॥ भल दिन आजु जानि मन माहौ ॥ नाम कृपाल कहत सकुचहि ॥
॥ गुनु नृप भनत सना अ वलोकी ॥ सकुचि राम फिन अ वनि विलोकी ॥
॥ सीलु सनाहि सजा सब सोचीणा ॥ कहुन नाम सम स्यामि सकोची ॥
॥ भनत सुजान नाम नुष देखीणा ॥ उठि सप्रेम धनिधीन विसेषीणा ॥
॥ कनि दंड वत कहत कन जोनी ॥ राखी नाथ सकल नुचि मोनीणा ॥
॥ मोहिल गिस बहिस हे उ संतापू ॥ बहुत चाँति दुष पाए उ आपू ॥
॥ अवगो साँइ मोहि दे उ न जाईणा ॥ सेवहु अवध अवधि न निजाई ॥
॥ दोहा ॥ जोहि उपाय पुनि पाय जन देखि हीन दयाल ॥

॥ सोसिषे देइ अ वध लगी कोशल पाल कृपाल ॥ ३१४ ॥
॥ चौ पुन जनपनि जन प्रजा गो साँई ॥ सब नुचि सन स सनेह सगाई ॥
॥ नाउन वट भल भव दुष दाहू ॥ प्रनु विनु वादि पन म पटलाहू ॥
॥ स्वामि सुजान जानि सब हीकी ॥ नुचिलाल सान हनि जन जीकी ॥
॥ पुनत पाल पालिहि सब काहू ॥ देव दुहू दिसि ओन निवाहूणा ॥
॥ अस मोहि सब विधि नू निमोसो ॥ किये विचारुन सोचुष नो सो ॥
॥ आनत मोनि नाथ कन छोहूणा ॥ दुहु मिलि कीन्हो ठोहू ठोहि मोहू ॥
॥ यहव उटोषु दूनि कनि स्वामी ॥ तजि सकोच सिषइय अनुगामी ॥
॥ अनत विनय सुनि सबहि प्रसंसी ॥ धीन नीन विवन न गति हंसीणा ॥
॥ दोहा ॥ हीन वंधु सुनि वंधु के वचन हीन छल हीन ॥

॥ देस काल अवसन सनिस बोले नाम प्रवीन ॥ ३१५ ॥
॥ चौ तात नुम्हानि मोनि पनि जन की ॥ चिंता गुन हिन पति धन वन की ॥
॥ माँथे उपन मुनि मिथिले सणा ॥ हमहि तुम्हहि सपनेहु न कलेस ॥

॥५६॥

अयोध्या०

॥ मोननुम्हानपनमपुनुषानय ॥ ॥ ॥ स्वानयसुजसुधनमपनमानय ॥
 ॥ पितुआयसुपालियडुहुंनार्ड ॥ ॥ ॥ लोकवेदमलहोइमलार्डिगा ॥
 ॥ गुनपितुमानुस्वामिसिषपालें ॥ चलेहुंसुगमपगपनइनपालें ॥
 ॥ असविद्यानिसवसोचविहार्ड ॥ पालहुअवधअवधिलगिजार्ड ॥
 ॥ नूपनरेपनिजनपनिवानूगा ॥ गुनपहनजहिलागिधननानू ॥
 ॥ तुम्हमुनिमातुसचिवसिषमानी ॥ पालेहुपुहमिप्रजानजधानी ॥
 ॥ दोहा मुषिआमुषसोचाहियेधानपानकहुंऐक ॥ ॥
 ॥ पालइपोषइसकलअंगतुलसीसहितविवेक ॥ ३१६ ॥
 ॥ चौ राजधनमसनवसइतनोई ॥ ॥ जिमिमनमाहमनोनयगोईगा ॥
 ॥ बंधुप्रमोदकीन्हवहुनौतीगा ॥ विनुअधानमनतोषनसौती ॥
 ॥ मनतसीलगुनसचिवसमाजू ॥ सकुचसनेहविवसनघुनाजू ॥
 ॥ प्रनुकनिक्रपापावनीदिन्ह ॥ सादनमनतसीसधनिलीन्ह ॥
 ॥ चननपीठकनुनानिधानके ॥ ॥ जनुजुगजामकप्रजापानके ॥
 ॥ संपुटननतसनेहनतनकेगा ॥ ॥ आधनजुगजनुजीवजतनके ॥
 ॥ कुलकपाटकनकुशलकनमेके ॥ विमलनयनसेवासुधधनमेके ॥
 ॥ ननतमुदितअवलंबलहेतै ॥ ॥ अससुषजससियनामनहेतै ॥
 ॥ दोहा मांगेउविद्याप्रनामुकरिनामलिऐउउनलाइ ॥ ॥
 ॥ लोगउचाटेअमनपतिकुटिलसुअवसनयाइ ॥ ३१७ ॥
 ॥ चौ सोकुचालिसवकहचइनीकी ॥ अवधिआससमजीवनिजीकी ॥
 ॥ नतउलखनसियनामवियोगा ॥ ॥ हहनिमनतसवलोगकुनोगा ॥
 ॥ नामकपाअवनेवसुधानीगा ॥ विवधधानिनइगुनदगोहनी ॥
 ॥ नैटतनुजचनिआइमनतसो ॥ ॥ नामप्रेमनसुकहिनपनतसो ॥
 ॥ तनमनवचनउमगिअनुनागा ॥ धीनधुनंधनधीनजुत्यागा ॥
 ॥ वारिजलोचनमोचतवानीगा ॥ देखिदसासुनसत्रादुधानी ॥
 ॥ मुनिगनगुनधनधीनजनकसे ॥ ग्यानअनलमनकसेकनकसे ॥
 ॥ जेविनचिनिनलेपउपाएंगा ॥ ॥ पदुमपत्रजिमिजगजलजोए ॥
 ॥ दोहा तेउविलोकिनधुवनननतप्रीतिअनूपअपान ॥
 ॥ भऐमगनमनतनवचनसहितविनागविचान ॥ ३१८ ॥

॥ **चौ** जहं जनक गुन गति मति नेनी ॥ प्राकृत प्रीतिक हत वडि खोनी ॥
 ॥ वरन तन धुवन भरत वियोग ॥ सुनिक ठोन कवि जानि हिलो ॥
 ॥ सोस कोचुन सअक थ सुवानी ॥ सम उ सने हु सुमिनि सकुचानी ॥
 ॥ नैटि भरतन धुवन समुहा ऐगा ॥ पुनिनि पुटवन हन धिहिय लो ॥
 ॥ सेवक सचिव भरतनुष पाई ॥ निजनिज काज लगे सब जाई ॥
 ॥ सुनिटानुन दुष दुहुं समाजा ॥ लगे चलन के साजन साजा ॥
 ॥ प्रनुपट पटु मवंदि हो उजाई ॥ चले सीस धनि नाम न जाई ॥
 ॥ मुनिताप स सब देवनि होनी ॥ सब सनमानि बहो निवहोनी ॥

॥ **दोहा** लखनहि नैटि प्रनाम कनि सिन धनि सिय पटु धुनि ॥

॥ चले संप्रेम असीस मुनि सकल सुमंगल मूनिगा ॥ ३१८ ॥

॥ **चौ** सानु जनाम नृपहि सिनु नाई ॥ कीन्ह वहुत विधि विनय वडाई ॥
 ॥ देव दयाव सब ड दुष पाये उगा ॥ सहित समाज काननहि आये उ ॥
 ॥ पुन पग धानिय देइ असीसा ॥ कीन्ह धीन धनि गवनु महि सा ॥
 ॥ मुनि महि देव साधु सनमाने ॥ विटा किये हनि हन सम जाने ॥
 ॥ सासु समीप गये हो उजाई ॥ फिने वंदि पग आसिष पाई ॥
 ॥ कौसिक वाम देव जा वाली ॥ पुन जनपनिजन सचिव सुचाली ॥
 ॥ जथा जोग कनि विनय प्रनामा ॥ विटा किये सब सानु जनामा ॥
 ॥ नानि पुनुषल धुमध्य वडे नेगा ॥ सब सनमानि कृपानिधि फेने ॥

॥ **दोहा** भरत मातु पटु वंदि प्रनु सुचिसने हमिलि नेटि ॥

॥ विटा कीन्ह सजिपाल की सकुच सोच सब मेदि ॥ ३२० ॥

॥ **चौ** यनिजन मातु पितुहि मिलि सीता ॥ फिनी प्रान प्रिय प्रेम पुनीता ॥
 ॥ कनि प्रनाम नैटि सब सास ॥ प्रीतिक हत कवि हिय नहु लग ॥
 ॥ सुनि सिय अनिमित्त आसिष पाई ॥ रही सिय दुहुं प्रीति समाई ॥
 ॥ नधुपति पटु पालकी मगाई ॥ कनि प्रबोध सब मातु चलाई ॥
 ॥ वानवान हिलि मिलि हो उजाई ॥ सम सने हजन नी पहुँचाई ॥
 ॥ साजिवाजि गजवाहन नानागा ॥ भूपनरत दल कीन्ह पयाना ॥
 ॥ हृदय नाम सिय लखन समेता ॥ चले जाहिं सब लोग अचेता ॥
 ॥ वसह वाजि गज पसु हिय हने ॥ चले जाहिं पनव समन माने ॥

अयोध्या०

॥६०॥

॥**दोहा** गुनुगुनतियपद्वंदिप्रनुसीतालखनसमेत॥॥

॥**फिने**हनखविसमयसहितआएपनननिकेत॥३२१॥

॥**चौ**विहाकीन्हसनमानिनिषादू॥ चलेउहुदयवडविनहविषादू॥

॥**कोल**किरातनिह्रवनचानी॥**फेने**फिनेजोहानिजोहानीगा॥

॥**प्रनु**सियलखनवडवटछंहिं॥**प्रिय**पनिजनवियोगविलखंहिं॥

॥**नन**तसनेहसुजावसुवानी॥**प्रिया**अनुजसनकहतवधानी॥

॥**प्रीति**प्रतीतिवचनमनकननी॥**श्रीमुख**नामप्रेमवसवननी॥

॥**तेहि**अवसनखगमगजलमीना॥**चित्रकूट**चनअचनमलीना॥

॥**विबुध**विलोकिदसानधुवनकी॥**वनधि**सुमनकहिगतिघनघनकी॥

॥**प्रनु**प्रनामकनिदिन्हननोसो॥**बले**मुदितमनडनुनखनोसो॥

॥**दोहा**सानुजसीयसमेतप्रनुराजतपननकुटीन॥॥

॥**नगति**ग्यानूवैराग्यजनसोहतधनेसनीन॥३२२॥

॥**चौ**मुनिमाहिसुनगुडननतमुआलू॥**नाम**विनहसवसाजुविहालू॥

॥**प्रनु**गुनग्रामगुनतमनमाहिं॥**सव**चुपचापचलेमगजाहिं॥

॥**जमु**नाउत्तनिपानसवुनयेकु॥**सोइ**वासनविनुभोजनगयेकु॥

॥**उत**निदेवसनिहूसनवासरूणा॥**नाम**सषासवुकीन्हसुपासू॥

॥**सई**उतनिगोमतीनहायेणा॥**चौथे**दिवसअवधपुनआये॥

॥**जन**करहेपुनवासनचानीगा॥**राजकाज**सवसाजसंनानी॥

॥**सौं**पिसचिवगुनननतहिनाजू॥**तिन**हुतचलेसाजिसवसाजू॥

॥**नग**ननानिनगुनसिधमानी॥**वसे**उसुखेननामनजधानी॥

॥**दोहा**नामहनसलगिलोरासवकनतनेमउपवासगा॥॥

॥**तजित**तजिन्हननभोगसुखजिअतअवधिकीआस॥३२३॥

॥**चौ**सचिवसुसेवकननतप्रवाधे॥**निज**निजकाजपाइसिधओधे॥

॥**पुनि**सिधदिन्हिवोलिलधुनाई॥**सौं**पेउसकलमातुसेवकाई॥

॥**न्ह**सुनबोलिननतकनजोने॥**कनि**प्रनामवनविनयनिहोने॥

॥**कुच**नीचकानजमलपोचूणा॥**आय**सुदेवनकनवसकोचू॥

॥**पनि**जनपुनजनप्रजाबोलाये॥**समाधान**कनिसुवसवसाये॥

॥**सानु**जगेगुनगेहवहोनीगा॥**कनि**इडवतकहतकरजोनी॥

॥ आयसु होइ तनह उ सनेमा ॥ ॥ ॥ बोले मुनि तव पुलकिस प्रेमा ॥
 ॥ समुह वकह वक नखतु महु जोई ॥ धन मसान जग होइ हि सोई ॥ ॥
 ॥ दोहा सुनि सिष पाइ असा सव डिगन कवो लिहितु साधि ॥
 ॥ सिंहासन प्रभु पादुका वै ठाये उनि नुपाधि गा ॥ ॥ ३२४ ॥
 ॥ चौ नाम मातु गुन पट सिनु नाई ॥ प्रभु पट पीठ न जाय सु पाई ॥ ॥
 ॥ नंदि ग्राम कनि पन न कुटी ना ॥ कीन्ह निवासु धन मधु न धी ना ॥
 ॥ जटाजूट सिन मुनि पट धारी ना ॥ महिष निकुश सान थी संवारी ॥
 ॥ असन वसन वासन व्रत नेमा ॥ कनक कठिन निधि धन मस प्रेमा ॥
 ॥ नृषन वसन नोगा सुष नूरी ॥ मन क्रम वचन तेजे उत न तूरी ॥
 ॥ अवध राज सुन राजु सिहाई ॥ दशरथ धन मुनि धन दल जाई ॥
 ॥ तेहि पुन वसत नन त विनु नागा ॥ चंचरी कजि मिचं पक वागा गा ॥
 ॥ नमा विलास नाम अनु नागी ॥ तजत वचन जिमि जन वड नागी ॥
 ॥ दोहा नाम प्रेम भाजन नन त वेडे न येहि कर तूति ॥
 ॥ वात कहं सस नाहिय तटे क विवेक विनूति ॥ ॥ ३२५ ॥
 ॥ चौ देह दिन हि दिन दूवनि होई ॥ घटन तेज वल मुख धर विसोई ॥
 ॥ नित न व नाम प्रेम पनु पीना ॥ वरुत धन म दल मन न मलीना ॥
 ॥ जिमि जल निघटत सन द प्रकासि ॥ विलसत वेत सवन जविका सी ॥
 ॥ सम दम संजम नियम उपासा ॥ नखत नन त हिय विमल अकासा ॥
 ॥ ध्रुव विस्वास अ वधि नाकासी ॥ स्वामि सुनति सुन वीथि विकासी ॥
 ॥ नाम प्रेम विधु अवल अ दोषार ॥ सहित समाज सोहनि त चोषा ॥
 ॥ नन त न हनि समुह निकन तूती ॥ भक्ति विरति गुन विमल विनूती ॥
 ॥ वन न त सकल सुक विस कुचहि ॥ शेषा गणेश गिना गम नहि ॥
 ॥ दोहा नित पूजत प्रभु पावरी प्रीति न हू दय समाति ॥
 ॥ मांगि मांगि आय सुकरति नाज काज वहु नांति ॥ ॥ ३२६ ॥
 ॥ चौ पुलक गात हिय सिय न धुबीरू ॥ जीह नाम जप लोचन नीरू ॥
 ॥ लखन नाम सिय कानन वस हीर ॥ नन त न वन वसित पतनु क सीर ॥

अयोध्या०

॥६१॥

॥ होउदिसिसमुहिकहतसवलोग ॥ सर्वविधिन्नरतसराहनजेगू ॥
 ॥ सुनिव्रतनेमुसाधुसकुचाहीं ॥ ॥ देषिदसामुनिराजलजहिं ॥
 ॥ परमपुनीतन्नरतआचननू ॥ मधुरमंजुमुदमंगलकननू ॥
 ॥ हननकठिनकलिकलुषकलेस ॥ महामोहनिसिदलनदिनेस ॥
 ॥ पापपुंजकुंजरमगनाजूणा ॥ शमनसकलसंतापसमाजू ॥
 ॥ जननंजननंजननब्रनानू ॥ ॥ नामसनेहसुधाकरसाजू ॥
 ॥ ॥ दसियरामप्रेमपियूषपूरनहोतजनमनननरतको ॥ ॥
 ॥ मुनिमनआगमजमनियमसमदमविषमव्रतआचनतको ॥
 ॥ दुषदाहदानिदंनदूषनसुजसमिसअपहनतको ॥
 ॥ कलिकालतुलसीसेसठन्हिठिनामसनमुषकरतको ॥
 ॥ सोनठा ॥ अनतचरितकरिनेम ॥ तुलसीजोसादनसुनहिं ॥
 ॥ सीयनामपदप्रेम ॥ अवसिहोइचवनसविरति ॥ ३२७ ॥
 ॥ इतिश्रीरामचरितमानसेसकलकलिकलिषविध्वंसने ॥
 ॥ द्वितीयसोपानसमाप्तः ॥ ॥ अयोध्याकांडसमाप्तः शुभमस्तु ॥
 ॥ संवत् ॥ १८५१ ॥ समयआवणोमासिशुक्लपक्षेष्टष्टीशानौलि ॥
 ॥ रवितमिदंपुस्तकं पांडेसदाशिवेन ॥ श्रीमत्तगोसाईहेमगिरि ॥
 ॥ निमहंतस्यपाठार्थं शुभं नूयात् ॥ ॥ रामरामरामरामराम ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीरामानुजाय नमः ॥ श्रीजानकीवल्लभे ॥
 ॥ विजयते ॥ ॥ मूलधर्मितरेर्विवेकजलधेपूणेन्दुमानंददेवैरा ॥
 ॥ गंगावुजनास्कनं ध्येयघनं ध्यातापहंतापहं ॥ ॥ मोहं मोघं ॥
 ॥ न पूगपाटनविधौ त्वं संभवं शंकरं वंदे ब्रह्मकुलंकलंकशमनं ॥
 ॥ श्रीरामनूपप्रियम् ॥ १ ॥ सांद्रानंदपयोदसौ भगतनुपितां वनं ॥
 ॥ सुंदरं पाणौ वाणशरासनं कटिलसत्तूनीरभानां वरम् ॥ राजी ॥
 ॥ वायतलोचनं धृतजटाजूटेन संशोभितं सीतालक्ष्मणसंयु ॥
 ॥ तं पश्चिगतं रामान्निरामं न जे ॥ २ ॥ रामरामरामरामरामराम ॥
 ॥ सोनठा ॥ उमानामगुनगूळ ॥ पंडितमुनिपां बहिविरति ॥
 ॥ पावहिं मोहविमूळ ॥ जेहनि विमुषन धर्मनरति १ ॥
 ॥ चौधूननननतप्रीतिमइगाई ॥ मतिअनुरूपअनूपसुहाई ॥
 ॥ अवप्रनुचरितसुनोअतिपावन ॥ कनतजेवनसुननरमुनिनावन ॥
 ॥ ऐकवानचुनिकुसुमसुहाएणा ॥ निजकननूषननामवनाए ॥
 ॥ सीतहिपीहराएप्रनुसादन ॥ बैठेफटकसिलापननाधन ॥
 ॥ सुनपीतसुतधनिवायसवेखा ॥ सठचाहतनधुपीतिवलेदेखा ॥
 ॥ जिमिपिपीलिकासागनयाहा ॥ महामंदमतिजावनचाहा ॥
 ॥ सीताचननचोचहतिनागा ॥ मूळमंदमतिकाननकागा ॥
 ॥ चलानुधिननधुनायकजाना ॥ सीकधनुषसायकसंधाना ॥
 ॥ दोहा ॥ अतिक्रपालनधुनायकसदादीनपननेह ॥
 ॥ तासनआइकीरूछलमूनधअवगुनगेह ॥ १ ॥
 ॥ विनुअपनाधप्रनुहतेनकाह ॥ अवसनपाइग्रसैशिशिराह ॥
 ॥ जवप्रनुलीरूसीकधनुवाना ॥ कोधजानिनाअनलसमाना ॥
 ॥ प्रेरितमंत्रब्रह्मशानधावा ॥ चलानाजिवायसनयपावा ॥
 ॥ धनिनिजनूपगएउपितुपहिं ॥ नामविमुषनाशतेहिनाहिं ॥
 ॥ जानिनासउपजीमनत्रासा ॥ जथाचक्रनयनिमिडनवासा ॥
 ॥ ब्रह्मधामसिवपुनसबलोका ॥ फिराअमितव्याकुलनयसोका ॥
 ॥ काहेंबैठनकहेउनओही ॥ नायिकोसकइनामकनदोही ॥
 ॥ मातुमत्पुपितुशमनसमाना ॥ सुधाहोइविषुमुनुहनिजाना ॥

वन०

॥१॥

॥ मित्रक रहि शतनिपु कइ क न सी ॥ ता कहुं विबुध न दी वेत न नी ॥
 ॥ सब जगताहि अतलहुं तेताता ॥ जो न धुवी न विमुष सुनु आता ॥
 ॥ दोहा ॥ जिमि जिमि जात शक्र सुत व्याकुल अति दुष दीन ॥
 ॥ तिमिति मिधा वत नाम शन पाछे परम प्रवीन ॥ २ ॥
 ॥ बौ बचहि उन गवनु ग्रंसेष गेसा ॥ न धुवन शन धुटि वच व अंदेश ॥
 ॥ नान देखा विकल जयंता ॥ लागि दया को मल चित संता ॥
 ॥ दूनि हिते कहि प्रनु प्रनु ताई ॥ न जे जात बहु विधिस मुहाई ॥
 ॥ पठवा तु नित नाम पहिं ताहि ॥ कहि सिपुका निप्रत न हित पाहि ॥
 ॥ आतु न सन्नय गेहे सिप द जाई ॥ त्राहि त्राहि दयाल न धुनाई ॥
 ॥ अतुलित वल अतुलित प्रनु ताई ॥ मैमति मंद जानि नहि पाई ॥
 ॥ निज कृत कर्म जनित फल पाएउ ॥ अव प्रनु पाहि शन नत कि आरेउ ॥
 ॥ सुनि कृपाल अति आनत वानी ॥ ऐकनयन कनि तजे उन्नवानी ॥
 ॥ सोनठ ॥ कीन्ह मोहव संद्रोह ॥ जघ्र पिते हि कन वध उचित ॥
 ॥ प्रनु छं डे उक निछोह ॥ को कृपाल न धुवी न सम ॥ ३ ॥
 ॥ बौ न धुपति चित्र कूट वसिना ना ॥ वनित कि ऐ अति सुधा समाना ॥
 ॥ बहु निनाम असमन अनुमाना ॥ होइ हहि नीन सब हि मोहि जाना ॥
 ॥ सकल मुनि नृसन विहा क नाई ॥ सीता सहित चलें दो उनाई ॥
 ॥ अत्रिके आश्रम जव प्रनु गयेउ ॥ सुनत महामुनि हन धित नयेउ ॥
 ॥ पुलकित गात अत्रि उठि धाये ॥ देखि नाम आतु न चलि आये ॥
 ॥ कनत दंड वत मुनि उर लाये ॥ प्रेम वा निदो उजन अन्ह वाये ॥
 ॥ देखि नाम छवि नयन जु डाने ॥ सादन निज आश्रम तव आने ॥
 ॥ कनि पूजा कहि वचन मुहाये ॥ दिऐ मूल फल प्रमु दसन जाये ॥
 ॥ सोनठ ॥ प्रनु आसन आसीन ॥ निलोचन शेष जानि नधि ॥
 ॥ मुनि वन परम प्रवीन ॥ जो निपानि अस्तुति करत ॥ ४ ॥
 ॥ नमामि नक्त वत्सलं ॥ कृपाल शील कोमलं ॥
 ॥ नजामिते पदां बुजं ॥ अकामिनां स्वधामदं ॥
 ॥ निःकामस्याम सुदृनं ॥ नवां बुनाथ मंदनं ॥
 ॥ प्रफुल्ल कंज लोचनं ॥ मदादि दोष मोचनं ॥

॥ प्रलंबवाहुविक्रमं ॥ प्रमो प्रमेयं वेचनं ॥
 ॥ निषंगचापसायकं ॥ धनेत्रिलोकनायकं ॥
 ॥ दिनेशवंशमंडनं ॥ महेशचापघंडनं ॥
 ॥ मुनींद्रसंतनंजनं ॥ सुनात्रिवंदनंजनं ॥
 ॥ मनोजवेनिवदितं ॥ अजादिदेवसेवितं ॥
 ॥ विशुद्धबोधविग्रहं ॥ समस्तदूषणपंहं ॥
 ॥ नमामिंद्रिनापीति ॥ सुषाकरं सतांगतिं ॥
 ॥ भजेशशक्तिसानुजं ॥ सचीपतीप्रियानुजं ॥
 ॥ त्वदंघ्रिमूलजेनरा ॥ भजंतिहि नमत्सरा ॥
 ॥ पतंतिनो भवार्णवं ॥ वितर्कवीचिसंकुलं ॥
 ॥ विविक्तवासनासदा ॥ भजंतिमुक्तिजेमुद्रा ॥
 ॥ निनख्यंद्रियादिकं ॥ प्रयंति तैर्गतिं स्वकं ॥
 ॥ त्वमेकमद्भुतं प्रभुं ॥ निरीहमाश्वनंविभुं ॥
 ॥ जगद्भुतं च शाश्वतं ॥ तुरीयमेव केवलं ॥
 ॥ भजामिचाववक्ष्ये ॥ कुर्यागिनामुद्वेगं ॥
 ॥ स्वभक्तकल्पपादपं ॥ समं सुसेव्यमन्यहं ॥
 ॥ अनूपरूपनूपतिं ॥ नतो ह मुर्विजापीतिं ॥
 ॥ प्रसीद मे नमामिते ॥ पदाब्जभक्तिदेहि मे ॥
 ॥ पठंति जेस्तवं इदं ॥ नरादनेन ते पदं ॥
 ॥ ब्रजंति नात्र संशयं ॥ स्वदीयभक्तिसंयुतं ॥

॥ दोहा ॥ विनती कनिमुनिनाशसि न कहकन जो निवहेनि ॥

॥ चननसरोनुहनाथजनिकवहुतजइमतिमोनि ॥ ५ ॥

॥ वौजनमजनमतवपदसुखकंद ॥ बढोप्रेमचकोनजिमिचंद्रा ॥
 ॥ देखिनाममुनिविनयप्रनामा ॥ विविधनैतिपाएउविश्रामा ॥
 ॥ अनसूयाकेपदगहि सीता ॥ मिलीबहोनि सुसीलविनीता ॥
 ॥ जेसियसकललोकसुखदाता ॥ अखिलकोटिब्रह्मांडकिमाता ॥
 ॥ तेउपाइमुनिवनमुनिनामिनि ॥ सुषाभईकुमुदिनिजिमिजामिनि ॥
 ॥ निधिपतनीमनसुषअधिकार ॥ आसिषदेइनिकटवेठाई ॥

वन०

॥२॥

॥ दिव्यवसननखनसहिनाए ॥ जेनितनूतनअमलसुहाए ॥
 ॥ जिन्हहिनिनखिदुषदूनिपनाहि ॥ गनुडजानिजिमिपेनगजाहि ॥
 ॥ दोह ॥ ऐसेवसनविचित्रसुठिदिऐसियकहुआनि ॥
 ॥ सनमानीप्रियवचनकहिप्रीतिनजाहिवयानि ॥ ६ ॥
 ॥ चौकहनिषिवधूसनिसमृदुवानी ॥ नानिधनमकधुव्याजवयानी ॥
 ॥ मातुपिताआताहितकानीणा ॥ मितसुखप्रदसुनुनाजकुमानी ॥
 ॥ अमितदानिजनतावेदेहीणा ॥ अधमसोनानिजेसेवनतेहि ॥
 ॥ धीनजधनममित्रअनुनानी ॥ आपदकालपरधिअइचानी ॥
 ॥ बछनोगवसजडधनहीना ॥ अंधवधिनक्रोधीअतिदिना ॥
 ॥ ऐसेहुपतिकनकिऐअपमाना ॥ नानिपावजमपुनदुखनाना ॥
 ॥ ऐकइधनमऐकव्रतनेमाणा ॥ कायवचनमनयतिपदप्रेमा ॥
 ॥ जगपतिव्रताचनिविधिअहैं ॥ वेदपुनानसंतकविकहैं ॥
 ॥ दोह ॥ उत्तममध्यमनीचलघुसकलकहहुंसमुहाई ॥
 ॥ अगोसुनहिंतेभवतरहिसुनहुसियचितुलाई ॥ ७ ॥
 ॥ चौ उत्तमकेअसवसमनमाहि ॥ सपनेहुंआनपुनुयजगनाहि ॥
 ॥ मध्यमपरतिपदेसइकइसे ॥ आतापितापुत्रनिजजइसे ॥
 ॥ धनमविचानिसमुठिकुलनेहे ॥ सोनिकसृत्रियश्रुतिअसकहे ॥
 ॥ विनुअवसनभयतैरहजोई ॥ जानेहुंअधमनानिजगसोई ॥
 ॥ पतिवचकपरपतिरतिकरे ॥ नौरवनरककलपशातपेने ॥
 ॥ धनसुखलागिजन्मशतकोठी ॥ दुखनंसमुहतेहिसमकोषोटी ॥
 ॥ विनुअमनानिपरमगतिलहई ॥ पतिव्रतधर्मअडिछलगहई ॥
 ॥ पतिप्रतिकूलजनमजहंजाई ॥ विधवाहोइपाइतनुनाई ॥
 ॥ सोनठासहजअपावनिनानि ॥ पतिसेवतशुभगतिलहे ॥
 ॥ जसगावतश्रुतिचानि ॥ अजहुंतुलसिकाहनिप्रिया ॥
 ॥ सुनुसीतातवनाम ॥ सुमिनानिपतिव्रतकनहि ॥
 ॥ तुम्हहिंप्रानप्रियराम ॥ कहेउकथासंसारहितगा ॥ ८ ॥
 ॥ चौ सुनिजानकीपरमसुखपावा ॥ सादरतासुचननसिनुनावा ॥
 ॥ तवमुनिसनकहक्रोपानिधाना ॥ आयसुहोइजाहुंवनआना ॥

॥ संतत मोपन कृपा कने हूणा ॥ सेवक जानित जे हुजनिने हूणा ॥
॥ धनमधुनं धन प्रनु कइवानी ॥ सुनिस प्रेम बोले उमुनि गपानी ॥
॥ जासु कृपा अज शिवसन कादी ॥ बहत सकल पन मान थवादी ॥
॥ ते तुम्ह नाम अकाम पिपावे ॥ दीन वंधु मरुदुवचन उचारेणा ॥
॥ अवजानी महि श्रीचतुर्नाई ॥ नजिय तुम्हिस वदेव विहाई ॥
॥ जेहिस मान अतिसयन हिकेई ॥ ताक नशीलन कस असा होई ॥
॥ केहि विधि कहहुं जा उग्रवस्त्रामि ॥ कहहुनाथ तुम्ह अंतर जामि ॥
॥ अस कहि प्रनु विलोकि मुनिधीना ॥ लोचन जल वह पुलक शनीना ॥

॥ **छंद** तन पुलकनिर्भर प्रेम पूरन नयन पद पंकज दिऐ ॥

॥ मन ग्यान गुन गोतीत प्रनु मै दीष जप तप का किये ॥

॥ जप जोग धर्म समूह तेन न चक्रि अनुपम पाँवई ॥

॥ नधुवी नचनित पुनीत निसिदिन दास तुलसी गाँवई ॥

॥ **दोहा** कलि मल समेन दमन मन नाम सुजस सुध मूल ॥

॥ सादन सुनहिं जेति नृहि पन नाम नरहिं अनुकूल ॥

॥ **सोनठा** कठिन काल मल कोश ॥ धर्म न ग्यान न जोग जप ॥

॥ पनिह निसकल चरोस ॥ नामहिं न जहिं ते चतुनन ॥

॥ **दोहा** मुनि हुंकि अस्तुतिकी नृ प्रनु दीन सुभग वरदान ॥

॥ सुमन वृद्धि न च सुन कन तजय जय कृपा निधान ॥

॥ **चौ** मुनि पद कमल नाइ कइ सीसा ॥ चले वनहिं सुनन न मुनि ईशा ॥

॥ आगे नाम अनुज पुनि पाँछे ॥ मुनि वन वेष्टवत अतिकाँछे ॥

॥ उचय वीच सिय सोहति के सी ॥ ब्रह्म जीव वीच माया जे सी ॥

॥ सप्रितावन गिरि अवधट घाटा ॥ पति पीहिं चानि देहिं वन बाटा ॥

॥ जहं जहं जाहिं देवन धुरायाणा ॥ कनहिं देवत हंत हन न छाया ॥

॥ आश्रम विपुल दीषवन माहिं ॥ देव सदन तेहि पटत नहिं ॥

॥ बहु तडाग सुंदर अवनोईणा ॥ जाति जाति सब मुनि नृलगाई ॥

॥ दिव्य विटप फल चहुं दिसि सोहै ॥ देखत सकल सुन नृ मन मोहै ॥

॥ **दोहा** निजनिज आश्रम वेदिका तिहि पन तुलसी विराज ॥

॥ अनुज जानकी सहित तहं राजत न धुराज गाणा ॥

॥ दोहा अनिसुआसनमुदितमनपूजिपहुंनईकीन्ह ॥
 ॥ कंदमूलफलअमियसमआनिरामकहुंहीन्ह ॥१०॥
 ॥ चौ अनुजसीयसहजोजनकीन्ह ॥ जोजिहिनावसुभगवरहीन्ह ॥
 ॥ तेहिदिनतहंप्रभुकीन्हनिवासा ॥ सकलमुनिन्हमिलिकीन्हसुपासा ॥
 ॥ होतप्रजातमुनिन्हसिननावा ॥ आसिनवादसवरुसनपावा ॥
 ॥ प्रातकालउठिनधुकुलदेवा ॥ मज्जनकीन्हपानथीसेवा ॥
 ॥ बहुनिमुनिन्हसनआयसुपाई ॥ सीतासहितचलेदोउचाई ॥
 ॥ सुमिनिउमासिवसिष्ठगनेसा ॥ पुनिप्रभुचलेउसुनहुउनेगसा ॥
 ॥ वनअनेकसुंदरगिनिनाना ॥ नाथतचलेजाहिंनगवाना ॥
 ॥ मिलेउअसुनविराधमगजाता ॥ गनजतघोनकठोननिसाता ॥
 ॥ रूपनयेकरमानहुकालागा ॥ वेगवंतधायेउजिमिव्याला ॥
 ॥ गगनदेवमुनिकिन्नरनाना ॥ तेहिछनहुदृष्टहानिकथुमाना ॥
 ॥ गहेपानिप्रिश्रलअतिघोना ॥ केहनिबोधिलिएचहुंआना ॥
 ॥ तुनतहिंसोसीतहिलइचलेउ ॥ रामहुदृष्टकथुविसमयभयेउ ॥
 ॥ समुहिहुदृष्टकैकेईकरनी ॥ कहीअनुजसनबहुविधिवननी ॥
 ॥ बहुनिलखनरघुवरहिप्रवाधा ॥ पांचवानछडेकनिक्रोधागा ॥
 ॥ छंदनेएकुछलखनसंधानिधनुसनमानितेहिव्याकुलकियो ॥
 ॥ पुनिउठानिसिचनराधिसीतहिसललैछंडतनयो ॥
 ॥ जनुकालहुंडकनालधावाविकलसवषगामगनये ॥
 ॥ धनुतानिशीनधुवंशमनिपुनिकाटितेहिनजसमकिये ॥
 ॥ दोहा बहुनिएकसनमानेउपराधननिधुनिमाथ ॥
 ॥ उठेउप्रवलपुनिगनजेउचलेउजहोनधुनाथ ॥११॥
 ॥ चौ असेइकहत्तनिसाचरधावा ॥ अवनहिवचहुतुमहिमेधावा ॥
 ॥ आवप्रवलऐहिविधिजनभूधन ॥ होइहकहाकहहिंव्याकुलसुन ॥
 ॥ तासुतेजशतमनुतसमानागा ॥ दूटहिंतनुउडाहिंपाषानागा ॥
 ॥ जीवजंतुजहलुगिरहेजेतेगा ॥ व्याकुलजाजिचलेतहंतेतेगा ॥
 ॥ उनगसमानजोनिसनसाता ॥ आवतहोनधुवीननिपाता ॥
 ॥ तुनतहिंनुचिनरूपतेहिंपावा ॥ देखिदुखीनिजधामपठावा ॥

॥ तासु अस्थि प्रभुगाडे उषनीणा ॥ ॥ देवरु मुदित दुंदुनी हनीणा ॥
॥ सीता आइ च न न ल प रानीणा ॥ अनुज सहित त व च ले उ न व नी ॥
॥ इहां शक्र ज हं मुनि स न नं गा ॥ ॥ आऐ उस क ल दे व नि ज सं गा ॥
॥ गऐ उ क ह न प्र भु दे न सि षा व न ॥ दि सि व ल ने द व स त ज हं ना व न ॥
॥ दोहा सु न प ति सं श य त म स म न धु प ति ते ज दि ने स ॥

॥ ना व न जी व न नि सि स म वी ते छु र हि क ले स ॥ ॥ १२ ॥
॥ चौ सु ना सी न प्र भु ते हि ष न दे षा ॥ ते ज नि धा न शु भ्र अ ति वे षा ॥
॥ तु नै ग चा नि व ल म नु त स मा ना ॥ न थ न वि स म न हिं जा इ व षा ना ॥
॥ धि ति न प न स अं त र हि त न ह ई ॥ स्वे त ध र चा म न सि न छ न ई ॥
॥ ऐ हि वि धि प्र भु सु ने स क हुं दे षा ॥ ज ऐ म ग न सु ष पा य वि से षा ॥
॥ अनु ज हि प्रि य हि क हा स मु ह ई ॥ सु न प ति म हि मा गु न प्र भु ता ई ॥
॥ जे हि का न न वा स व त ह आ ऐ उ ॥ सो क धु व च न क ह इ न हि पा ऐ उ ॥
॥ बी च हि सु नि आ इ व प्र भु के ना ॥ क हि सा न धि हि तु न त न थ फे ना ॥
॥ दू रि हि ते क नि प्र भु हि प्र ना मा ॥ ह न धि सु ने स ग ऐ उ नि ज धा मा ॥
॥ पु नि आ ऐ ज ह मु नि स न नं गा ॥ सुं द न अ नु ज जा न की सं गा ॥
॥ दोहा दे धि ना म मु ष पं क ज मु नि व न लो च न नं ग ॥

॥ सा द न पा न क न त अ ति ध न्य ज न्म स न नं ग ॥ १३ ॥
॥ चौ क ह मु नि सु नु न धु वी न कृ पा ला ॥ शं क न मा न स न ज म ना ला ॥
॥ जा त न हे उ वि नं चि के धा मा गा ॥ सु ने उ अ व न व न अ इ हिं ना मा ॥
॥ चि त व त पं थ न हे उ दि न रा ती ॥ अ व प्र भु दे धि जु डा नी छ र ती ॥
॥ ना थ स क ल सा ध न मै ही ना गा ॥ की र्त्ति कृ पा जा नि ज न दी ना ॥
॥ सो क धु दे व न मो हि नि हो ना ॥ नि ज प न ना धे उ ज न भ न चो पा ॥
॥ त व ल गि न ह हु दी न हि त ला गी ॥ ज व ल गि मि ल उ तु मे त नु ल गी ॥
॥ जो ग ज ग य ज प त प ज त की न्हा ॥ प्र भु क हुं दे इ न ति व न ली न्हा ॥
॥ ऐ हि वि धि स न न चि मु नि स न नं गा ॥ बै ठे हृ द य धं डि स व सं गा गा ॥

॥ दोहा सीता अनुज समेत प्रभु नील जल दत नु स्या म ॥
॥ म म हि य व स हु नि रं त न स गु न रू प श्री ना म ॥ ॥ १४ ॥
॥ चौ अ स क हि जो ग अ गि नि त नु जा ना ॥ रा म कृ पा वै कुं ठ सि धा ना ॥

वन०

॥४॥

॥ तातें मुनिहनितीननननेकुणा ॥ प्रथमहिंनेदनक्तिवनलयेउ ॥
 ॥ विधिनि कायमुनिवनगतिदेखी ॥ सुधीननेनिजहुदयविसेषी ॥
 ॥ अस्तुतिकनहिंसकलमुनिबुंदा ॥ जयतिप्रनतहितकनुनाकंदा ॥
 ॥ पुनिनघुनाथचलेवनआगेगा ॥ मुनिवनवंदचलेसंगलागेगा ॥
 ॥ अस्थिसमूहदेखिनघुनायागा ॥ पूंछीमुनिरुलागिअतिदाया ॥
 ॥ जानतहुपूँछियकतस्वामी ॥ सवदनसीतुमहअतनजामी ॥
 ॥ निसिचरनिकनसकलमुनिषाये ॥ मुनिनघुवीननयनजलक्षोरे ॥

॥ दोहा ॥ निसिचरहीनकनउंमहिनुजउठाइपनुकीन्ह ॥

॥ सकलमुनिरुकेआश्रमहिजाइजाइसुषदीन्ह ॥ १५ ॥

॥ चौमुनिअगास्तिकनसिष्यसुजाना ॥ नामसुतीछनरतिनगवाना ॥
 ॥ मनक्रमवचननामपदसेवक ॥ सपनेहुंआनननोसनदेवक ॥
 ॥ प्रनुआगमनश्रवनसुनिपावा ॥ कनतमनोनथआतुनधावा ॥
 ॥ हेविधिदीनबंधुनघुनायागा ॥ मौसेसठपरकनिहहिंदाया ॥
 ॥ सहितअनुजमोहिंरामगोसांई ॥ मिलिहहिंनिजसेवककीनाई ॥
 ॥ मोनेमनननोसिद्रुछनाहीगा ॥ अक्तिविरतिनग्यानमनमाही ॥
 ॥ नहिसतसंगजोगजपजागा ॥ नहिद्रिछचननकमलअनुनागा ॥
 ॥ ऐकवानिकनुनानिधानकी ॥ सोप्रियजाकेगतिनआनकी ॥

॥ छंद सोउप्रीयअतिपातकीजिरुकवहुंप्रनुहिसुमिननकचो ॥

॥ तेआजुमैनिजनयनदेखिहुं पूनिपुलकितहियननयो ॥

॥ जेपदसरोजअनेकमुनिकनिधानकवहुंकपौवहीं ॥

॥ तेनामश्रीनघुवंशमनिप्रनुप्रेमतेउनआवहींगागा ॥

॥ दोहा ॥ पंनगानिसुनुप्रेमसमनजननदूसनआनगा ॥

॥ यहविचानिमुनिपुनिपुनिकनतरामगुनगान ॥ १६ ॥

॥ चौहोइहिंसुफलआजुममलोचन ॥ देखिवपदपंकजनवमोचन ॥

॥ निर्जनप्रेममगनमुनिग्यानी ॥ कहिनजाइसोइदशाचरवानी ॥

॥ दिसिअनुविदिसिपंथनहिसरु ॥ कोमइचलेउकहोनहिवृत्ता ॥

॥ कवहुंकफिनिपाछेपुनिजाई ॥ कवहुंकनत्यकनइगुनगाई ॥

॥ अविनलप्रेमनक्तिमुनिपाई ॥ प्रनुदेखहिंतनुओदलुकाई ॥

॥ अतिसय प्रीति देखि न धुवीना ॥ ॥ प्रगटे हृदय हनन न वनीना ॥
 ॥ मुनिमगमा हृदय चल होइ वैसा ॥ पुलक शरीर पन सफल जैसा ॥
 ॥ तव न धुनाथ निकट चलि आये ॥ देखि दशानि जनयन जु डाये ॥
 ॥ सो न ठा ॥ नाम मुसहज मुनाइ ॥ सेवक दुषदा निद दवन ॥
 ॥ मुनिसन प्रनु कह आइ ॥ उठु उठु द्विज मम प्रात सम ॥
 ॥ चौ मुनि हि नाम बहु भौति जगावा ॥ जागन ध्यान जनित सुषपावा ॥
 ॥ रूप रूप तव नाम दुनावा ॥ हृदय चतु ननु ज रूप दिषावा ॥
 ॥ मुनि अकुलाइ उठा तव कै ईसै ॥ विकल हीन मनि विनु फनि जैसै ॥
 ॥ आगे देखि नाम तन स्यामाणा ॥ सीता अनुज सहित सुषधामा ॥
 ॥ पने उलकुट इव चरन नूलागी ॥ प्रेम मगन मुनि वन व डारागी ॥
 ॥ जुज विसाल गहिलि ऐ उठु ठाई ॥ पन म प्रीति नाये उ उ न लाई ॥
 ॥ मुनि हि मिलत अस सो ह कृपाल ॥ कनक तनु हि जनु नै ट त मा ला ॥
 ॥ नाम वदन विलोक मुनि ठाखा ॥ मानहुं चित्र मा हृदि लिखि काखा ॥
 ॥ दोहा ॥ तव मुनि हृदय धीन धनि गहि पद वानी हं वान ॥
 ॥ निज आश्रम प्रनु आनि कनि पूजा विविध प्रकार ॥
 ॥ चौ कह मुनि प्रनु सुनु विनती मोरी ॥ अस्तुति कन उक वन विधितोरी ॥
 ॥ मीहि मा अमित मे नि मति थोरी ॥ न विसन मुख पद्योत अजोरी ॥
 ॥ स्यामता मन स दाम शरीर ॥ जटा मुकुट पनि धन मुनि चीन ॥
 ॥ पानि चाप शानक टित नीन ॥ नौमि निनंत न श्री न धुवीन ॥
 ॥ मोह विपिन धन दहन कसानुं ॥ संत सरो नु रक्ता न नानुं ॥
 ॥ निसि चन कनि वरूथ मृग नाज ॥ शत्रु सदानो न वष गवाज ॥
 ॥ अनुन नयन राजीव सुवेस ॥ सीतानयन चकोर निशेस ॥
 ॥ हन हृद मान सवान मरालं ॥ नौमि नाम उन वाहु विशालं ॥
 ॥ संशय सर्प ग्रसन उन गादं ॥ समन मुक र्क सु तर्क विषादं ॥
 ॥ भय नं जन नं जन सुन जूथं ॥ शत्रु सदानो कृपा वरूथ ॥
 ॥ निर्गुन सगुन विषम सम रूप ॥ ग्यान गिरा गोतीत मरूप ॥
 ॥ अमल अखिल मन वद्ध मपान ॥ नौमि नाम नं जन महि नान ॥
 ॥ नक्त कल्प पाद पश्या नाम ॥ तज्जन लोचन कोध मद काम ॥

वन०

॥५॥

॥ अतिनागरन्नवसागरसेतु ॥ ॥ आनुसदादिनकनकुलकेतु ॥ ॥
 ॥ अतुलितभुजप्रतापवलधामं ॥ ॥ कलिमलविपुलविभ्रंजननामं ॥ ॥
 ॥ धर्मवर्मनिर्मदगुनग्रामं ॥ ॥ संततसंतनोतुममनामं ॥ ॥
 ॥ जदपिविनजव्यापकअविनासि ॥ ॥ सर्वकेहृदयनिनंतनवासि ॥ ॥
 ॥ तदपिअनुजश्रीसहितधरानि ॥ ॥ वसतुमनसिममकाननधानि ॥ ॥
 ॥ जोजानहिंतेजानहिंस्वामी ॥ ॥ सगुनअगुनउरअंतनजामी ॥ ॥
 ॥ जोकोसलपतिनाजिवनयना ॥ ॥ केवोसोनामहृदयममअयना ॥ ॥

॥ सोनठ ॥ मायावसजगजीय ॥ ॥ रहीहंसदासंततमगन ॥ ॥

॥ नामलगहुतिमिप्रीय ॥ ॥ कनुनाकनसुंदरसुषद ॥ ॥ १९ ॥

॥ चौ ॥ असअभिमानजाइजनिभोने ॥ ॥ मैसेवकनघुपतिपतिभोने ॥ ॥
 ॥ नामभक्तिजिचहकल्पाना ॥ ॥ सोननअधमस्रगालसमाना ॥ ॥
 ॥ सुनिमुनिवचननाममनभाये ॥ ॥ वहुनिहनाधिमुनिवनउनलोए ॥ ॥
 ॥ पनमप्रसन्नजानुमुनिमोहि ॥ ॥ जोवनुमागुदेउसोतोहिगा ॥ ॥
 ॥ मुनिकहमैवनुकवहुनजाचा ॥ ॥ समुहिनपनइहंकासाचा ॥ ॥
 ॥ तुमहिनीकलागइनघुनाई ॥ ॥ सोमोहिदेहुदाससुषदाई ॥ ॥
 ॥ अदिनलभक्तिविनतिविग्यान ॥ ॥ होहुसकलगुनग्याननिधाना ॥ ॥
 ॥ प्रभुजोदिन्हसोवनुमहिपावा ॥ ॥ अबसोदेहुहमहिजोभावा ॥ ॥

॥ दोहा ॥ अनुजजानकीसहितप्रभुचापवानधननाम ॥ ॥

॥ ममोहियगगनइंदुइववसहुसदायहकाम ॥ ॥ २० ॥

॥ चौ ॥ एवमस्तुकहिनमानिवासा ॥ ॥ हनधिचलेकुंभजनिधियासा ॥ ॥
 ॥ पुनिप्रनामकनिजुगकनजोनी ॥ ॥ सुनहुनाथकधुविनतीभोनी ॥ ॥
 ॥ बहुतदिवसगुनुदनसनपाये ॥ ॥ नयेमोहिएहिआश्रमआये ॥ ॥
 ॥ अतप्रभुसंगजाउंगुनुपाहिं ॥ ॥ तुमहुकहुनाथनिहोयानहिं ॥ ॥
 ॥ चलेउजातमगतवपदकंजा ॥ ॥ देखिहैंजोविनाधमदगंजा ॥ ॥
 ॥ देखिप्रपानिधिमुनिचतुनाई ॥ ॥ लियेउसंगविहसेदोउनाई ॥ ॥
 ॥ पंधकहतनिजभक्तिअनूपा ॥ ॥ मुनिआश्रमपहुंचेसुननूपा ॥ ॥
 ॥ आश्रमदेखिमहासुचिसुंदर ॥ ॥ समितसनोवनहनधितनूधर ॥ ॥
 ॥ वनवनजलवनजीवजंहीते ॥ ॥ वैननकनीहंप्रितिसवहीते ॥ ॥

॥ दोहा तनुवहुविधि विहंगमगवोत्ततविविधिप्रकाश ॥

॥ वसहिंसिद्धमुनितपकनहिं महिमागुनआगाश ॥ २१ ॥

॥ चौगुनितसुतीधनगुनुपहंगऐउ ॥ कनिदंडवतकहतअसन्नऐउ ॥

॥ नाथकोशलाधीसकुमानागा ॥ आऐमितनजगतआधाना ॥

॥ रामअनुजसमेतवैदेहागा ॥ निसिदिनदेवजपतहुजेहि ॥

॥ सुनतअगस्तितुनतउठिधाऐ ॥ हनिविलोकितेवनजलछऐ ॥

॥ मुनिपदकमलपनेउदोउनाई ॥ निधिअतिप्रीतिलिएउनलाई ॥

॥ सादनकुशलपूछिमुनिग्याती ॥ आसनपरवैठानेउआनीगा ॥

॥ पुनिकनिवहुप्रकाशप्रभुपूजा ॥ मोहिसमभग्यवंतनहिंदूजा ॥

॥ जहंलगिनहेअपरमुनिवंदा ॥ हनयेसबविलोकिसुखकंदा ॥

॥ दोहा मुनिसमूहमहंवेठेसनमुखसबकीओन ॥

॥ सनदइंदुतनचितवतमानहुनिकनचकोन ॥ २२ ॥

॥ चौपाइसुथलजलहनचितमाना ॥ पानसपाइसुधीजिमिदिना ॥

॥ प्रभुहिनिनीधिसुखभाऐहिजांती ॥ बातकजिमिपाऐउजलखाती ॥

॥ तवनधुवीनकहेउमुनिपांहींगा ॥ तुम्हसनप्रभुदुनावकधुनंहीं ॥

॥ तुम्हजानहुंजोहिकाननआऐउ ॥ तातैतातनकहिसमुहाऐउ ॥

॥ अवसोइमंत्रदेहुप्रभुमोहिगा ॥ जोहिप्रकाशमानहुंमुनिद्रोहि ॥

॥ द्विजद्रोहिनवचिहिमुनिनाई ॥ जिमिपंकजवनहिमनितुपाई ॥

॥ मुनिमुसुकानेसुनिप्रभुवानी ॥ पूछेहुनाथमोहिकाजानीगा ॥

॥ तुम्हनेइजजनकपालधनसी ॥ जानउंमहिमाकधुकतुम्हनी ॥

॥ सोनढाभकुटीनिरघतनाथ ॥ रहतसदापदकमलतन ॥

॥ जिन्हिउनेनिजहाथ ॥ विविधविधातासिद्धहन ॥ २३ ॥

॥ चौअतिकनालसवपरजगजाना ॥ अवनौकरुंउसुनियजगवाना ॥

॥ कुमनितनुविसालतवमाया ॥ फलब्रह्मांडअनेकनिकाया ॥

॥ जीवचनावनजंतुसमानागा ॥ भीतनवसहिंनजानहिंआना ॥

॥ तेफलभक्षककठिनकनाला ॥ तवभयडनतसदासोउकाला ॥

॥ तेतुम्हसकललोकपतिसाई ॥ पूछेहुमोहिमनुजकीनाई ॥

॥ यहवनुमांगउंकृपानिकेतागा ॥ वसहुहुदयश्रीअनुजसमेता ॥

वन०

॥६॥

॥ अविनलनक्ति विनतिसतसंगा ॥ चननसरोनुहपीतिअनंगा ॥ ॥
 ॥ जद्यपिब्रह्मअसंउअनंतागा ॥ अनुभवगम्यनजहिंजेहिंसता ॥ ॥
 ॥ असतवरूपवशानहुंजानहुं ॥ फिनिफिनिसगुनब्रह्मनतिमानहुं ॥ ॥
 ॥ दोहा ॥ जाहिजीवपनतवकृपासंततनहतहुलास ॥ ॥
 ॥ तिनकीमहिमाकोकहैजेअनन्यप्रियदास ॥ २४ ॥ ॥
 ॥ चौसंततदासकृदेहुवडाईगा ॥ तातेंमोहिपूँछेहुनधुनाईगा ॥ ॥
 ॥ हैप्रनुपनममनोहनठाऊं ॥ पावनपंचवटीतेहिनाऊं ॥ ॥
 ॥ गोदावरीनदीतहंवहईगा ॥ चानिउजुगप्रसिद्धसोइअहई ॥ ॥
 ॥ दंडकवनपुनीतप्रनुकनहू ॥ उग्रसापमुनिवनकनहूगागा ॥ ॥
 ॥ वासकनहुतहंनधुकुलनाया ॥ कीजियसकलमुनिकृपनदाया ॥ ॥
 ॥ चलेनामपुनिआयसुपाई ॥ तुनितहिंपंचवटीनिअनाईगा ॥ ॥
 ॥ दिव्यलतादुमप्रनुमननाए ॥ निनधिनारामतेउन्नऐसुहाए ॥ ॥
 ॥ लखनरामसियचनननिहरी ॥ काननअधगात्रासुखकरी ॥ ॥
 ॥ दोहा ॥ गीधराजसौंनैटनैवहुविधिप्रीतिवछाई ॥ ॥
 ॥ गोदावरीनिकटप्रचुरहेपरनगृहछाई ॥ २५ ॥ ॥
 ॥ चौजवतेंनामकीनृतहंवासा ॥ सुधीनऐउमुनिवीतिउत्रासा ॥ ॥
 ॥ गिनिवननदीतालछविछापे ॥ दिनदिनप्रतिअतिहोतसुहाए ॥ ॥
 ॥ सगमगवंदअनंदितनहई ॥ मधुनमधुपगुंजतछविलहई ॥ ॥
 ॥ सोवनवरनिनसकअहिनाजा ॥ जहांपुगटनधुवीनविनाजागा ॥ ॥
 ॥ ऐकवानप्रनुसुखआसीना ॥ लछिमनवचनकहेउछलहिना ॥ ॥
 ॥ सुनननमुनिसचराचनसोई ॥ मैपूँछउनिजप्रनुकीनाईगा ॥ ॥
 ॥ मोहिसमुहाइकहुसोइदेवा ॥ सवतजिकनहुंचनननजसेवा ॥ ॥
 ॥ कहहुग्यानविरागअनुमाया ॥ कहहुसोअक्तिकनहुजेहिदाया ॥ ॥
 ॥ दोहा ॥ ईश्वरजीवहिनेदप्रनुसकलकहुसमुहाई ॥ ॥
 ॥ जातेहोइचननरतिसोकमोहनमजाइगा ॥ २६ ॥ ॥
 ॥ चौथोनेमहंसवकहुउबुहाई ॥ सुनहुंतातअतिमनचितलाई ॥ ॥
 ॥ मैअनुमोनतोरेतेंमायागा ॥ जेहिवसकीनेजीवनिकाया ॥ ॥
 ॥ गोपगोचरजहंलगिमनजाई ॥ सोसवमायाजानेहुंनआईगा ॥ ॥

॥ तेहि कन नरेद सुनहु तुम सोडु ॥ विद्या अपन अविद्या दोडु ॥
॥ ऐक दुष्ट अतिसय दुख रूपा ॥ जाव स जीव पना न बकूपा ॥
॥ ऐक न चै जग गुन वस जाके ॥ प्रनु प्रेति तनहि निज वल ताके ॥
॥ ग्यान मान जहें ऐक उनाहीं ॥ देखत ब्रह्म समान सब माहीं ॥
॥ कहिय तात सो रूप न म विनागि ॥ तन सम सिद्धि तीनि गुन त्यागि ॥

॥ दोहा ॥ माया ईशान आपु कह जान कहिय सो जीव ॥

॥ बंध मोक्ष प्रद सर्व पन माया प्रेरक सीव गा ॥ २३ ॥

॥ चौधर्म ते विनति जोग ते ग्याना ॥ ग्यान मोक्ष प्रद वेद वखाना ॥
॥ जातें वेगि द्वैत मैं न आई गा ॥ सोम म नक्ति नक्त सुख दाई ॥
॥ सो सुतंत्र अवलंबन आना ॥ तेहि आधी न ग्यान विग्याना ॥
॥ नक्ति तात अनुपम सुख मूला ॥ मिलइ जौ संत होहि अनुकूला ॥
॥ नक्तिके साधन कह उवधानी ॥ सुगम पंथ मोथ मोहि पौ वै प्रानि ॥
॥ प्रथम हिं विप्र च न न अति प्रीति ॥ निज निज कर्म कनै श्रुति नीति ॥
॥ जेहि कन फल पुनि विषय विरागा ॥ तव सम च न न कु पड अनुगा ॥
॥ श्रवनादिक न व नक्ति दुख हीं ॥ मम लीलानति अति मन माहीं ॥
॥ संत च न न पंकज अति प्रेमा ॥ मम क्रम वचन न जन दुख नेमा ॥
॥ गुनु पितु मातु बंधु पति देवा ॥ सब मोहि कहें जानइ दुख सेवा ॥
॥ मम गुन गा वत पुलक शरीरा ॥ गदगद गिना न पन बहनी नारा ॥
॥ काम आदि मद दं न न जाके ॥ तात नि नंत न वस मैं ताके ॥

॥ दोहा ॥ वचन कर्म मन मोनि गति न जन कनहि न हकाम ॥

॥ तिन्ह के हृदय कमल महुं कनहुं सदा विश्राम गा ॥ २४ ॥

॥ चौ नक्ति जोग सुनि अति सुख पावा ॥ लक्ष्मि मन प्रनु च न न न्हि सिनु नावा ॥
॥ नाथ सुनत गत मम संदेहा गा ॥ न ऐउ ग्यान उपजे उन वनेहा ॥
॥ अनुज वचन सुनि प्रभु मन न ऐ ॥ हन धिरा मनि जह दृष्ट लागे ॥
॥ ऐहि विधि गऐक छुक दिन बीती ॥ कहत विनाग ग्यान गुन नीती ॥
॥ सर्प नषा नावन कइ वहिनी ॥ दुष्ट हृदय दा नुन जसि अहिनी ॥
॥ पंचवटी सो गइ ऐक वारा गा ॥ देखि विकल नइ जु गुल कुमारा ॥
॥ आता पिता पुत्र उन गानी गा ॥ पुत्र सम नोहन निन घत नानी ॥

वन०

॥७॥

॥ होइ विकल सक मनहि नो की ॥ जिमि न विमनि दुख न विहि विलोकी ॥

॥ दोहा ॥ अधमनि साच निकुटिल अति चली कनन अपहास ॥

॥ सुनुषगे सजावी प्रवल होइ चहनि सिचन नास ॥ २६ ॥

॥ चौ ॥ उचिन रूप धनि प्रनु पहं जाई ॥ वोली वचन बहुत मुसुकाई ॥

॥ तुमह सम पुनुषन मो सम नानी ॥ अस संजोग विधि न चे उवि चारी ॥

॥ मम अनु रूप पुनुष जग मां हीं ॥ देखे उषो जिलोक तिहुं नो हीं ॥

॥ ताते अवल गिरहि उंकु मारी ॥ मन माना कुछु तुमहि निहारी ॥

॥ सीतहि चित इकहा प्रनु वाता ॥ अह इकुमान मोन लघु नाता ॥

॥ गई लक्ष्मि मन निपुन गिनि जानी ॥ प्रभु विलोकि वोलि महु वानी ॥

॥ सुंदनि सुनु मै उन कन दासा ॥ पनाधीन नहि तो न सुपासा ॥

॥ प्रनु समर्थ कोशल पुन राजा ॥ जो कछु कनहिं उरुहि सव धजा ॥

॥ दोहा ॥ केहनि समनहि कनि वन लवा कि वाज समान ॥

॥ प्रनु सेवक इमि जानहुं मानहुं वचन प्रमान ॥ ३० ॥

॥ चौ ॥ सेवक सुख चह मान निषानी ॥ ब्यासनी धन सुन गति व्यभिचारी ॥

॥ लोनी जस चहै चान गुनानी ॥ नभ दुहि दूध चहुं ते ऐइ प्रानी ॥

॥ पुनि फिनि नाम निकट सो आई ॥ प्रनु लक्ष्मि मन पहिं वहुनि पठाई ॥

॥ लक्ष्मि मन कहा तोहि सो वनई ॥ जो तन तो निलाज पनि हनई ॥

॥ तव धिसि आनि नाम पहिं गई ॥ रूप नय कन प्रगट तनई ॥

॥ विधुने के सदशन विकनाला ॥ भकुटि कुटिल कनन लुगि गाला ॥

॥ सीतहि सनय देधि न धुनाई ॥ कहा अनुज सन से न बुहाई ॥

॥ अनुज नाम मन की गति जानी ॥ उठिनि साइत वसुनहुं न वानी ॥

॥ दोहा ॥ लक्ष्मि मन अतिला ॥ घवस नहि नाक कान विनु कीन्हि ॥

॥ ताके कन नावन कहें मनहुं चुनोती दीन्हि ॥ ३१ ॥

॥ चौ ॥ नाक कान विनु भइ विकनारा ॥ जनु अवसै लगे नुक इधारा ॥

॥ स्याम घटा देखत घन केनी ॥ तहं वास वधनु मनहुं उऐनी ॥

॥ सन दूधन पहिं गई विलयाता ॥ धिग धिगत वपौ नुषवल भ्राता ॥

॥ तेहि पूंछ सव कहै सिबु हाई ॥ जानु धान सुनि सैन वनाई ॥

॥ चौदह सहस सुन रसंगली के ॥ जिन्ह सपने हुन न पीठिन दी के ॥

॥ धाएनि सिचरनिकनवरूपा ॥ जनुसपष्कजुलगिनिजूया ॥
 ॥ नानावाहननानाकानागा ॥ नानायुधधनघोरनकुठाना ॥
 ॥ सर्पनयाआगेकनिलीनी ॥ अशुन्नरूपश्रुतिनासाहिनी ॥
 ॥ दोहा निजनिजवलसवमिलिकहहिं ऐकहिऐकसुनाइ ॥
 ॥ बाजनलगेजुहाउहनधनहुदयसमाइगागा ॥ ३२ ॥
 ॥ जोअसगुनअमितहोहिंनयकानी ॥ गनहिंनमृत्युविवससबहनी ॥
 ॥ गर्जहिंनगर्जहिंनगगनउडाहिंगा ॥ देखिकटकनटअतिहनषाहिं ॥
 ॥ कोउकहैजिअतधनहुदोउनाई ॥ धनिबांधहुतियलेहुधडाई ॥
 ॥ कोउकहसुनहुंसत्यहमकहहिं ॥ काननफिरहिंवीनकोउअहिं ॥
 ॥ ऐकइकहहिंमसृन्नऐनहह ॥ धनकेआगेअसजनिकहह ॥
 ॥ बहुविधिकहतवचननधीना ॥ आऐसकलजहैनघुवीना ॥
 ॥ धूनिपूनिननमंडलनहागा ॥ रामबोलाइअनुजसनकहा ॥
 ॥ लैजानकिहिजाउगिनिकंदन ॥ आबानिसिचनकटकनयंकन ॥
 ॥ नहेहुसजगसुनिप्रभुकेवानी ॥ चलेसहितश्रीसनधनुपानी ॥
 ॥ देखिनामनिपुदलचलिआवा ॥ विहसिकठिनकोदंडचलावा ॥
 ॥ छंदकोदंडकठिनचलाइकरासिनजटाबांधतसोहक्यों ॥
 ॥ मनकतसेलपनलनतदामिनिकोठिसौंजुगनुजगज्यों ॥
 ॥ कटिकसिनिषंगविसालनुजगहिचापविसिषसुधामिके ॥
 ॥ चितवतमनहुंमगनाजप्रभुगजनाजघटानिहानिके ॥
 ॥ सोअशु ॥ आइगऐवगमेलधनहुधनहुधावतसुनट ॥
 ॥ जथाविलोकिअकेल ॥ बालनविहिघेनतदनुज ॥ ३३ ॥
 ॥ जोधेनिनहेनिसिचनसमुदाई ॥ दंडकषगमगचलेउपनाई ॥
 ॥ प्रभुविलोकिशनसकहिंनडानी ॥ थकितनऐनजनीचनधारी ॥
 ॥ सचिवबोलिवोलेउधनदूधन ॥ येकोउनपवालकननचूधन ॥
 ॥ नागअसुनसुनननमुनिजेते ॥ देखेजितेहतेहमकेतेगागा ॥
 ॥ हमननिजन्मसुनहुंसबनाई ॥ देखीनहिअसिसुंदरताई ॥
 ॥ जघपिन्नगिनीकीन्हिकरूपा ॥ वधलायकनहिपुनुषअनूपा ॥
 ॥ देहुतुनितनिजनानिडुनाईगा ॥ जीवतनवनजाहुदोउनाई ॥

वन०

॥८॥

॥ मोन कहा तुम्ह ताहि सुनावहु ॥ ता सुवचन सुनि आतुन आवहु ॥
 ॥ दोहा ॥ न ऐकाल वस मूख सब जानहिं नहिं न घुवीन ॥
 ॥ मसक फूक जिमि मेनु टन सुनहुं गनु उमति धीन ॥ ३४ ॥
 ॥ चौ दूत नू कहा नाम सनू जाई ॥ सुनत नाम बोले मुसुकाई ॥
 ॥ आजु न ऐ उवड नाग हमा ना ॥ तुम्ह ने प्रभु अस की नू विचार ॥
 ॥ हम घरी मग पावन कर हीं ॥ तुम्ह से बल मग घो जत फिर हीं ॥
 ॥ निपु बल वत दे धिन हि उर हीं ॥ ऐक वान काल हुसन लन हीं ॥
 ॥ जघ पिमनु जदनु जकुल घालक ॥ मुनि पातक बल सालक बालक ॥
 ॥ जो न हो हि बल घन फिरि जाहू ॥ समन विमुख मै हत उन काहू ॥
 ॥ नन चढि कनिय कपट चतु राई ॥ निपु पन कपापन मकै दुराई ॥
 ॥ दूत नू जाइ तुन तत वकहे उ ॥ सुनि धन दूषन उन अति दहे उ ॥
 ॥ छंद उन दहे उ कहे उ कि धन हुधा बहु विकट नटन जनी चरा ॥
 ॥ सन चाप तो मन सक्ति शूल कृपान पनि घफन सधना ॥
 ॥ प्रभु की नू धनुष टकोन प्रथम कठोर धोन नया बहा ॥
 ॥ न ऐ वधि न व्याकुल जातु धान न ग्यान तेहि अवसन ह ॥
 ॥ दोहा ॥ सावधान होइ धा ऐ उ जानि सबल आनाति ॥
 ॥ लागे वन घन नाम पन अत्र सत्र बहु नाति ॥ ३५ ॥
 ॥ तिनू के आयु धतिल सम कनिकोटे उन घुवीन ॥
 ॥ तानि सनासन अवन लगि पुनि छं डे प्रभु तीन ॥ ३५ ॥
 ॥ तव चले वान कना लणागा ॥ गागागा फूकर तजनु बहु बाल ॥
 ॥ कोपे उ समन श्री नाम ॥ चले विमिष नि सितन काम ॥
 ॥ अवलोकि घन तन तीन ॥ मुनि चले नि सचन वीन ॥
 ॥ ऐक ऐक को उन सै भान ॥ कनै तात तत्रात पुकान ॥
 ॥ को उ कहै घन कह की नू ॥ सो जु छइ नू सन लीनू ॥
 ॥ जाके वान अति हि कनाल ॥ ग्रसै आइ मान हु काल ॥
 ॥ न ऐ कुछ ती न्यो नाइ ॥ जो भागिन न तै जाइ ॥
 ॥ तेहि बध वहमनि जपानि ॥ फिरे मन न मन महुं छानि ॥
 ॥ उमा ऐक निज प्रभु हि वस ॥ पुनि उनू के बहु भाग ॥

॥ तननचहीहं प्रनुशनलगेविनाजोगजपजाग ॥ ३८ ॥
 ॥ आयुधअनेकप्रकार ॥ सनमुषतेकनहिप्रहान ॥
 ॥ निपुपनमकोपेजानि ॥ प्रनुधनुषसनसंधानि ॥
 ॥ छंडेविपुलनानाच ॥ लगेकटनविकटपिसाच ॥
 ॥ उनसीसनुजकनचनन ॥ जहंतहलगेमहिपनन ॥
 ॥ चिक्कनलागतवान ॥ ॥ धनपनतकुधनसमान ॥
 ॥ नटकटततनसतषंड ॥ पुनिउठतकसिपाषंड ॥
 ॥ नभउडतवहुनुजमुंड ॥ विनुमोतिधावतमुंड ॥
 ॥ धगकंककागशृगाल ॥ कटकटहिक्किनकाल ॥
 ॥ छंद ॥ कटकटहिजंबुकचूतप्रेतपिसाचषण्णरसाचही ॥
 ॥ वैतालवीनकपालतालवनाइजोगिनिनाचही ॥
 ॥ नघुवीनवानप्रचंडषंडहिंनटनकेमुजउनीसिना ॥
 ॥ जहंतहंपनहिंउठिलनहिंधनुधनुकनहिनयंकनगिना ॥
 ॥ अंतावनीगहिउउतगीधपिसाचकनगाहिधावही ॥
 ॥ संग्रामपुनवासीमनहुं वहुवालगुडी उडावही ॥
 ॥ मानेपछानेउदनविदानेविपुलनटकहनतपरे ॥
 ॥ अबलोकिकिनिजदलविकलनटत्रिसिनादिषनदूषनफिने ॥
 ॥ शनशक्तितोमनपनशुश्रूलकृपानऐकहिवानही ॥
 ॥ कनिकोपश्रीनघुवीनपनअगनितनिसाचनडानही ॥
 ॥ प्रनुनिमिषमहुनिपुशननिबानिप्रचानिडानिसायक ॥
 ॥ दशदशविसिषउनमांहमानेसकलनिसिचननायक ॥
 ॥ महिपनतनटउठिभिनतमनतनकनतमायाअतिधनी ॥
 ॥ सुनउनतचौदहसहसप्रतिविलोकिऐकअवधधनी ॥
 ॥ सुनमुनिसनयप्रनुदेधिमायानाथअतिकौतुककयो ॥
 ॥ देखहिंपनस्पननामकनिसंग्रामनिपुदललनिमयो ॥
 ॥ दोह ॥ नामनामकनितनुतजहिंपावहिंपदनिरानगा ॥
 ॥ कनिउपायनिपुमानेउछनमहुंकृपानिधानगा ॥
 ॥ हनधितवनधहिसुमनसुनवाजहिंगगननिसान ॥

॥ अस्तु तिकमि सवचले सुन सो नित विविध विमान ॥ ३१ ॥
 ॥ चौ जवर घुनाय समर निपु जीते ॥ सुन नर मुनि सव के नय बीते ॥
 ॥ तव लछिमन सीत हिल इ आये ॥ प्रभु पद पनत हन धि उन लोये ॥
 ॥ सीता चित वस्याम मदु गाता ॥ पन म प्रेम लोचन न अघाता ॥
 ॥ पंचवटी वसि श्री न घुनाय क ॥ ॥ करत चरित सुन मुनि सुषदाय क ॥
 ॥ धुआं देखि धन दूषन के नाणा ॥ जाइ सुपन यद्रावन प्रेराणा ॥
 ॥ बोली वचन क्रोध कनि नारी ॥ देश कोश की सुनति विसारी ॥
 ॥ कनसि पान सो वसि दिन राती ॥ सुधिन हित वसि न पन आराती ॥
 ॥ राजनीति विनु धन विनु धर्म ॥ हनि हि समर्पे उ विनु सत कर्म ॥
 ॥ विद्या विनु विवेक उ पूजाये ॥ अम फल पंके कि ए अ नुपाये ॥
 ॥ संग ते जती कुमंत्र ते राजा ॥ मान ते ग्यान पान ते लाजा ॥
 ॥ प्रीति प्रनय विनु मद ते गुनी ॥ नासहि वेगिनीति असि सुनी ॥
 ॥ सोनठा निपु नुज पाव कषाप ॥ प्रभु ऐहि गनि अनखोट कनि ॥
 ॥ अस कहि विविध विलाप ॥ फिरिता गीनोदन कनन ॥
 ॥ दोहा सनामां ह पन व्याकुल बहु प्रकान कहनोइ गणा ॥
 ॥ तोहि जिअत दशकंठ धग मोनि कि असि गति होइ ॥ ३२ ॥
 ॥ चौ सुनत सना सद उठे अकुलाई ॥ समुह द्रिगहि वां ह उठई गणा ॥
 ॥ कहलं केश कहसि निज दाता ॥ केहित वना साकान निपाता ॥
 ॥ अवधन पति दश नय के जाये ॥ पुनुष सिंघवन धेलन आये ॥
 ॥ समुहि पनी मोहि उरु कै कननी ॥ रहित निसाचर कनि हिं धरनी ॥
 ॥ जिन कननु जवल पाइ दशानन ॥ अमय भए विचरत मुनिकानन ॥
 ॥ देखत बालक काल समानाणा ॥ पन मधीन धन्वी गुन नानाणा ॥
 ॥ अतुलित बल प्रताप दो उजाता ॥ बल वधनत सुन मुनि सुषदाता ॥
 ॥ सोना धाम नाम असनामा ॥ तिरु के संग नानि ऐक स्यामा ॥
 ॥ सोनठा अति सुकुमानि पियानि ॥ पटत न जोगन आहिकोउ ॥
 ॥ मै मन दीष विचारि ॥ जहं न रहति हिंसम आननहि ॥ ३३ ॥
 ॥ चौ अजहं जाइ देखवतु मूजवहिं ॥ होइ हहु वि कलता सुवसत वहिं ॥
 ॥ जीवन मुक्त लोक वसता केणा ॥ दश मुख सुनु सुदनि असि जाके ॥

॥ रूपवासिविधिनानि सैवानीगा ॥ नतिसतकोटितासुबलिहारी ॥
 ॥ तासुअनुजकाटिश्रुतिनासागा ॥ सुनितवन्नगिनीकनिपमिहसा ॥
 ॥ विनुपनाधअसिहालहमारी ॥ अपनाधीकिमिवचहि सुनारी ॥
 ॥ धनदूधनसुनिलागपुकारा ॥ धनमहुंसकलकटकउन्मासा ॥
 ॥ धनदूधनत्रिसिनाकनधाता ॥ सुनिदशसिसजनेउसवगाता ॥
 ॥ जेणेउसोचमननहिविश्रामा ॥ वीतहिपलमानहुंसतजगमा ॥

॥ दोहा ॥ सूर्यनयाहिसमुद्रादकनिवलवोलेसिवहुनोति ॥

॥ गणेउन्नवनअतिसोचवसनींदपनेनहिराति ॥ ४० ॥

॥ चौ सुनननअसुननागजगमहिं ॥ मोनेअनुचरकहंकोउनहिं ॥
 ॥ धनदूधनमोहिसमवलवंता ॥ तिरुहिकोमानेविनुन्नगवंता ॥
 ॥ सुननंजननंजनमहिजाना ॥ जोन्नगवंतलीनूअवताना ॥
 ॥ तोमइजाइवेनुहठिकनकुगा ॥ प्रभुसुनप्रानतजेंनवतनकु ॥
 ॥ होइहिन्नजननतामसंदेहा ॥ मनक्रमवचनमंत्रद्वारेहा ॥
 ॥ जोननरूपरूपसुतकोकुगा ॥ हरिहोनानिजीतिननदेकु ॥
 ॥ चलाअकेलजानचिह्निहवा ॥ वसमानीचसिंधुतटजहवागा ॥
 ॥ नथअनूपजोनेधनचारी ॥ वेगवंतइमिजिमिउनगारी ॥

॥ छंद ॥ उन्नगानिसमअतिवेगवनतजोइनहिउपमाकही ॥

॥ सिनध्वशोभितस्यामधनुजनुचमनस्वेतविनाजही ॥

॥ ऐहिचोतिनांघतसनितसैलअनेकवापीसोहहीगा ॥

॥ वनवागउपवनवाटिकासुचिनगनमुनिमनमोहही ॥

॥ दोहा ॥ बहुतडागसुचिविहंगमृगबोलतविविधप्रकार ॥

॥ ऐहिविधिआणेउसिंधुतटसतजोजनविस्तान ॥ ४१ ॥

॥ चौ सुंदरजीवविविधविधिजाती ॥ करहिंकोलाहलदिनअनुनाती ॥

॥ कूदहिंतेइगनजहिंघननाई ॥ महावलीवलवननिनजाई ॥

॥ कनकवालुसुंदरसुषदाईगा ॥ वैठहिंसकलजंतुतहंजाईगा ॥

॥ तेहिपनदिव्यलताइमलागे ॥ जेहिदेखतमुनिमनअनुनागे ॥

॥ गुहाविविधविधिनहंवननाई ॥ वननतसानदमतिसकुचाई ॥

॥ बाहियजहानिधिनूकनवासा ॥ तहंनिसाचनकनहिनियासा ॥

॥ दशमुखदेविसकलसकुचानै ॥ जेजडजीवसजीव ॥ पनानै ॥
 ॥ इहांनामजसिजुगुतिवनाई ॥ सुनहुं उमासोइकथा सुहाई ॥
 ॥ दोहा लछिमनगएवनहिंजवलेन फूलफूलकंद ॥
 ॥ जनकसुतासनवोलेविहसिकृपासुखवंद ॥ ४२ ॥
 ॥ चौ सुनहुं प्रियावतनुचिनसुसीला ॥ मैकछुकनवललितनरलीला ॥
 ॥ तुम्हपावकमहंकरहुनिवासा ॥ जवलगिकनहुनिशाचरनासा ॥
 ॥ जवहिं नामसबकहेउवधानी ॥ प्रनुपदहियधनिअनलसमनि ॥
 ॥ निजप्रतिविंवराधितहंसीता ॥ तैसइसीलनूपसुविनीता ॥
 ॥ लछिमनहंयहमनमनजाना ॥ जोकछुचरितनचेउनगवाना ॥
 ॥ दसमुखगएउजहांमानीचा ॥ नाइमायस्वानथनतनीचा ॥
 ॥ नवनिनीचकैअतिदुखदाई ॥ जिमिअंकुसधनुउनगविलाई ॥
 ॥ भयदायकसलकैप्रियवानी ॥ जिमिअंकालकेकुसुमभवति ॥
 ॥ दोहा कनिपूजामानीचतवसादर पूंछिसिवातगा ॥
 ॥ कवनहेतुमनवग्रअतिअकसनआएउतात ॥ ४३ ॥
 ॥ चौ दशमुखसकलकथातेअंगै ॥ कहिसहितअनिमानअनांगै ॥
 ॥ होहुकनकमृगतुम्हफलकनि ॥ जेहिविधिहनिअनौनृपनमी ॥
 ॥ तेहिपुनिकहासुनहुदशसीसा ॥ तेननरूपचनाचनईसागागा ॥
 ॥ तासौनाथवयनुनहिकीजे ॥ मानेमनिअजिआएहुजीजे ॥
 ॥ मुनिमयनाथनगएउकुमारा ॥ विनुफनसननधुपतिमोहिमारा ॥
 ॥ शतजेजनआएउंछनमाही ॥ तिन्हसनवयनुकिएनलनाही ॥
 ॥ नइममकीटचंगकीनाई ॥ जहतहंमहिंदेखहुदोउनाई ॥
 ॥ जौननताततदपिअतिसूरा ॥ तिन्हहिविनोधनआइहिपूरा ॥
 ॥ दोहा जेहिताडिकासुवाहुहतिषंडेउहनकोदंडगागा ॥
 ॥ खनदूखनत्रिसिरावधेउमनुजकिअसबनिंवउ ॥ ४४ ॥
 ॥ चौ नाअसनामसुनतदसकंधर ॥ रहतप्राननहिममउनअंतर ॥
 ॥ जाहुनवनकुलकुसलविचनी ॥ सुनतजरादीनेसिवहुगानी ॥
 ॥ गुनुजिमिमूळकनसिममबोधा ॥ कहजगमोहिसमानकोजोधा ॥
 ॥ तवमानीचहुदयअनुमाना ॥ नवहिंविनोधेनहिकल्पाना ॥

॥ सस्त्रीममीप्रनुवउधनीणा ॥ वेदवंदीकविमानसुगुनीणा ॥
 ॥ उन्नयनौतिदेखानिजमनना ॥ तवताकेसिनघुनायकसनना ॥
 ॥ उत्तनुदेतमोहिवधवअत्रोगे ॥ कसनमनउन्नघुपतिसनलोगे ॥
 ॥ असजियजानिदसाननसंगा ॥ चलानामपदप्रेमअन्नगाणा ॥
 ॥ मनअतिहनषजनावनतेहि ॥ आजुदेधिहउपनमसनेही ॥
 ॥ छंदनिजपरमप्रीतमदेधिलोचनसुफलकनिसुषपाईहै ॥
 ॥ श्रीसहित ॥ अनुजसमेतकृपानिकेतपदमनलाईहै ॥
 ॥ निर्वाणधुपकक्रोधजु ॥ कनअगतिअवसहिवसकरी ॥
 ॥ निजयानिसनसंधानिसोमोहिवधिहिसुषसागनही ॥
 ॥ दोह ॥ ममपाछेहनिधावतधनेसनासनवानगाणा ॥
 ॥ फिनिफिनिप्रनुहिविलोकिहैंधन्यनमोसमआन ॥ ४५ ॥
 ॥ चौ ॥ सीतालखनसहितनघुनाई ॥ जेहिवनवसहिंमुतिरुसुषदाई ॥
 ॥ तेहिवननिकटदशाननगऐउ ॥ तवमानीचकपटमगनऐउ ॥
 ॥ अतिविचित्रकधुवननितजाई ॥ कनकदेहमनिरचितवनाई ॥
 ॥ सीतापरमनुचिनमगदेखा ॥ अंगअंगसुमनोहनवेखाणा ॥
 ॥ सुनहुंदेवनघुवीनकृपाला ॥ ऐहिमृगकनअतिसुंदरछला ॥
 ॥ सत्यसंधप्रनुवधकनिएहैं ॥ आनहुंचनमकहतवैदेहोंगा ॥
 ॥ तवनघुपतिजानतसवकानन ॥ उठेहरीधिसुनकाजसवानन ॥
 ॥ मृगविलोकि कटिपरकनबांधा ॥ कनतलचापनुचिरसनसांधा ॥
 ॥ प्रनुलक्षिमनहैंकहासमुह्राई ॥ फिनतीविपिनिसिचनवहुनाई ॥
 ॥ सीताकेनिकनेहुनखवानीगा ॥ बुधिविवेकवलसमप्रविचानी ॥
 ॥ दोह ॥ असकहिवलेतहंप्रनुजहैंकपटमगनीच ॥
 ॥ देवहनयविसमयविवसजिमिवातकवनयवीच ॥ ४६ ॥
 ॥ चौ ॥ प्रनुहिविलोकिचलामगभाजी ॥ धाऐनामसनासनसाजीगा ॥
 ॥ निगमनेतिसिवंध्याननपावा ॥ मायामृगपाछेसोधावागा ॥
 ॥ कवहुंनिकटपुनिदूनिपनाई ॥ कवहुंकप्रगटइकवहुंछपाई ॥
 ॥ प्रगटतदुनतकनतछलनूनी ॥ ऐहिविधिप्रनुहिगऐउलैदूनी ॥
 ॥ तवतकिनामकठिनसनमाना ॥ धननिपनेउकनिघोनपुकाना ॥

॥ लछिमन को प्रथम हिलेनामा ॥ पाछे सुमिने सिमन महुं नामा ॥
 ॥ शानत जति प्रगटे सिनिज देह ॥ सुमिने सिनाम समेत सनेह ॥
 ॥ अंतन प्रेमता सुपहिंचाना ॥ मुनि दुर्लभ गति दीन्हि सुजाना ॥
 ॥ दोहा ॥ विपुल सुमन सुनवन धरिं गावहि प्रभु गुन गाथ ॥
 ॥ निज पद दीन्हि सुनवन कहुं दीन बंधु न घुनाथ ॥ ४१ ॥
 ॥ चौखल वधितु रत फिने न घुवीना ॥ सोहचाप कनक टिहनीना ॥
 ॥ शानत गिना सुनी जव सीता ॥ कहल लछिमन सनपन मस सीता ॥
 ॥ जाहु वेगि संकट अति आता ॥ लछिमन विहसि कहल सुनु माता ॥
 ॥ भूकुटि विलास सखिल यही ॥ सपनें हुं संकट पन इकि सोई ॥
 ॥ सौं पिगये मोहि न घुपति थाती ॥ जोत जिजा उतोषन हिंछाती ॥
 ॥ यह जिय जानि सुनहु मम माता ॥ पूछव कहव कवन मइ वाता ॥
 ॥ मनमवचन जव सीता बोला ॥ हनि प्रेनि तल लछिमन मन डोला ॥
 ॥ चहुं दिसिनेष घचाइ अहीसा ॥ वान वान नाइ पद सीसा ॥
 ॥ वन दिसि देव सौं पिसव काहू ॥ चले जहां नावन ससिनाहू ॥
 ॥ चित बहिं लखन सियहि फिनि कैसै ॥ तजत वधनिज मातुहि जैसै ॥
 ॥ दोहा ॥ एक उत उत नाम के दू सन सीय अकेलि ॥
 ॥ लखन तेजत न हत न योजि मिड छिदव वेलि ॥ ४२ ॥
 ॥ चौखल वीच दशकंधन देखाणा ॥ आबानि कट जती के वेखाणा ॥
 ॥ जाके डन सुन अ सुन डनहिं ॥ निसिन नांद दिन अन्न नखाहिं ॥
 ॥ सो दश सीस स्वान की नाई ॥ इत उत चित इचला न डिआई ॥
 ॥ इमि कुपंथ पग देत खगेसा ॥ रहन तेजवल बुधिल बलेसा ॥
 ॥ कनि अनेक विधि छल चतुर्नाई ॥ मागे उनीष दशानन जाई ॥
 ॥ अतिथि जगनि सिय कंद मूल फूल ॥ देन लागि तेहि कीन्हु निछल ॥
 ॥ कह दश मुख सुनि सुंदनि वानी ॥ बांधी नीषन लेहु सपानी ॥
 ॥ विधि गति वाम काल कठिनाई ॥ नेषना धि सिय बाहेन आई ॥
 ॥ दोहा ॥ विश्व भननि अघ दल दलनि कननिस कल सुनकाज ॥
 ॥ जानानी हितेहि समय मह दश सिन कपट के साज ॥ ४३ ॥
 ॥ चौखल विधि कहि कथा सुहाई ॥ राजनीति नय प्रीति दिखाई ॥

॥ कहसीतासुनुजतीगोसैंद्रिणा ॥ बोलेहुवचनदुष्टकीनाईणा ॥
॥ तवरावननिजनूपदिषावा ॥ भईसन्नयजवनामसुनावा ॥
॥ कहसीताधनिधीनजुगाळा ॥ आइगएप्रभुनहुषलराळा ॥
॥ जिमिहनिवधुहिछुइससचाहा ॥ नऐसिकालवसनिसिचननाह ॥
॥ वायसकनचहषगपतिसमता ॥ सिंधुसमानहोइकिमिसनित्ता ॥
॥ धनिकिहोइसुनधेनुसमाना ॥ जाहिनवननिजसुनुग्रगणा ॥
॥ सुनतवचनदशसीसलजाना ॥ मनमहुंचननवंदिसुषमाना ॥
॥ दोहा ॥ क्रोधवंततवरावनलीनेसिनथवेठाइणा ॥

॥ चलागगनपथआतुनन्नयनथहंकिनजाइ ॥ ५० ॥

॥ दोहा ॥ जगदेववीननधुनाया ॥ केहिअपनाधविसानेहुदाया ॥
॥ आनतहननसनसुषदायक ॥ हानधुकुलसनोजदिननायक ॥
॥ हालधिमतनुम्हाननहिदोसा ॥ सोफलपाएउकीनेउनोसा ॥
॥ कैकेईमनजोकछुनहेडुगाणा ॥ सोविधिआजुमोहिदुषदयेडु ॥
॥ पंचवटीकेषगमगजातीणा ॥ दुषीनऐजलचनवहुनोती ॥
॥ विविधविलापकनतवैदेही ॥ भूनिक्रपाप्रभुदूनिसनेही ॥
॥ विपतिमोनिकोप्रभुहिसुनावा ॥ पुरोडासचहनासन्नषावाणा ॥
॥ सीताकनविलापसुनिनानी ॥ नऐचनाचनजीवदुषानीणा ॥

॥ दोहा ॥ बहुविधिकनतविलापननलिऐंजातदशसीस ॥

॥ उनतनखलवनुपाइनलजोदिनेउअजईस ॥ ५१ ॥

॥ कैगीधराजसुनिआनतवानी ॥ नधुकुलतिलकनानिपहिचनि ॥
॥ अधमनिसाचनलीनेजाई ॥ जिमिमलेष्टवसकपिलागाई ॥
॥ अहहप्रथमवलममतननहिं ॥ तदपिजाइदेखउवलताहिं ॥
॥ सीतापुत्रिकनसिजनिचासा ॥ कनिहैंजातुधानकननासा ॥
॥ धावाक्रोधावंतषगकैसैगाणा ॥ छूटेपविपनवतकहजैसै ॥
॥ नेनेदुष्टठाळकिनहोहीगाणा ॥ निर्जयचलेसिनजानसिमोहि ॥
॥ आवतंदेखिकृतांतसमाना ॥ फिनिदशकंधकनैअनुमाना ॥
॥ कीमेनाककिषगपतिहोई ॥ ममवलजानसहितपतिसोई ॥
॥ जानाज ॥ नठजरायुहैऐहा ॥ ममकनतीनथछांडिहिदेहा ॥

॥ दोहा ॥ ममनुजवलनहिजानतआवततपन्हसहाइ ॥
 ॥ समनचढेतोऐहिहतउजियतननिजथलजाइ ॥ ५२ ॥
 ॥ चौ सुनतगीधक्रोधातुनधावा ॥ कहसुनुनावनमोनसिखावा ॥
 ॥ तजिजानकिहिकुसलगहजाहू ॥ नाहितअजसहोइवहुवाहू ॥
 ॥ रामनोषपावकअतिधोनागा ॥ होइहिसकलसलनकुलतोरा ॥
 ॥ उनतनदेतदसाननजोधागा ॥ तवहिंगीधधावाकनिक्रोधा ॥
 ॥ धनिकचविनथकीन्हमहिगिना ॥ सीतहिनाधिगीधपुनिफिना ॥
 ॥ दशमुष उठिकतसनसंधाना ॥ गीधआइकोटेउधनुवाना ॥
 ॥ चोचन्हमानिविदानेसिदेहागा ॥ दंडऐकनइमुनघातेहागा ॥
 ॥ दोहा ॥ जेहिनावननिजवसकिऐमुनिगनसिधसुनेस ॥
 ॥ तेहिनावनसनसमनअतिधीनवीनगीधेस ॥ ५३ ॥
 ॥ चौ सुस्तनऐउपुनिउठिसोधावा ॥ मानिगीधसनमुषनहिआवा ॥
 ॥ कोन्हसिवहुजवजुधयगेसा ॥ थकितनऐउतबजनठगिधेसा ॥
 ॥ तवसक्रोधनिसिचनधिसिआना ॥ कोटेसिपननकनालक्रयाना ॥
 ॥ कोटेसिपंषपनेउषगधनती ॥ सुमिनिनामकनिअडुतकनती ॥
 ॥ मनमहुंगीधपनमसुषमाना ॥ रामकाजममलांगउप्राना ॥
 ॥ सीतहिजानचछाडवहोनी ॥ चलाउताइलनासनथोनी ॥
 ॥ कनतिविलापजातिननसीता ॥ व्याधविवसजनुमगीसनीता ॥
 ॥ गिनिपनवैठेकपिन्हनिहानी ॥ कहिहनिनामदीन्हपटडनी ॥
 ॥ पटनाषातिन्हजतनकनाई ॥ मनहुनाजश्रीश्रीध्वजपाई ॥
 ॥ ऐहिर्विधिसीतहिसेलेगऐउ ॥ वनअशोकमहंनघतनऐउ ॥
 ॥ दोहा ॥ हनिपनाषलवहुविधिनयअनुप्रीतिदिखाइ ॥
 ॥ तवअशोकपादपतनरायेसिजतनकनाइ ॥ ५४ ॥
 ॥ चौ उहंविधातामनअनुमाना ॥ सुनपतिबोलिमंअसठाना ॥
 ॥ तातजनकतनयापहिंजाहू ॥ सुधिनपावजिमिनिसिचननाहू ॥
 ॥ असकहिबिधिसुंदरहविआनी ॥ सोपिवहुपिवोलेउमदुवानी ॥
 ॥ यहिनोजनकनिधुधानप्यासा ॥ वनयसहसंऐहिसंशयनासा ॥
 ॥ सोप्रसादलेआपसुपाईगागा ॥ चलेउहृदयसुमिनतनघुनाई ॥

॥ कछुवासवमायानिजमोडिगाणा ॥ नछकनहेगऐतहंसोडिगाणा ॥
॥ तदपिडनतिसीतापहिंआऐउ ॥ कनिप्रनामनिजनामसुनोऐउ ॥
॥ निअयजानिसुनेससुजानाणा ॥ पिताजनकदशनथसममाना ॥
॥ कनिपनितोषदूनिनिसोका ॥ हविजुषवाइगऐउनिजलोका ॥
॥ दोहा ॥ जेहिबिधिकपटकुनंगसंगधाइचलेश्रीनाम ॥

॥ सोछविसीतानाधिउननटतिनहतिहनिनाम ॥ ५५ ॥
॥ वौनधुपतिअनुजहिआवतदेखी ॥ बाहिजचिंताकीन्हिविसेषीणा ॥
॥ जनकसुतापनिहनेहुअकेली ॥ आऐहुतातवचनममपेली ॥
॥ निसिचननिकनफिनहिंवनमहिं ॥ मममनसीताआश्रमनाहिं ॥
॥ अहहतातनलकीनेउनहिं ॥ सियाविहीनममजीवनकहिं ॥
॥ ऐहितेकवनविपतिवडिनाई ॥ सोऐउसीयकाननहिआई ॥
॥ गहिपदकमलअनुजकनजोनी ॥ कहेउनाथकछुमोहिनषोनी ॥
॥ मैवहुजनतअनेकबुहाबाणा ॥ जनकसुतामनबोधनआवा ॥
॥ अनुजसमेतगऐप्रभुतहंवा ॥ गोदावरीतटआश्रमजहंवा ॥
॥ आश्रमदीषजानकीहीना ॥ नऐविकलजसप्राकृतदिना ॥
॥ दोहा ॥ कानननहेउतडागइवचकचकईसियनाम ॥

॥ रावननिसिविछुरतअऐउसुखवीतेहुवानिहुजाम ॥ ५६ ॥
॥ वौपनदुषहननशोकदुषतहिं ॥ भाविषादतिरुकेमनमाहिंणा ॥
॥ हागुनबानिजानकीसीताणा ॥ रूपशीलवृत्तनेमपुनीताणाणा ॥
॥ लछिमनसमुहाऐउबहुभौंती ॥ रंछतचलेउलतातनुपौंती ॥
॥ हेषगमगहेमधुकनअनीणा ॥ तुम्हदेखीसीतामगनयेनीणा ॥
॥ धंजनशुककपोतमृगमीना ॥ मधुपनिकनकोकिलाप्रवीना ॥
॥ कुंदकलीदाडिमदामिनीणा ॥ कमलसरदससिअहिनामिनी ॥
॥ वनुनपासमनोजधनुहंसा ॥ गजकेहनिनिजसुनतप्रसंसा ॥
॥ श्रीफलकनककदलिहन्षाहिं ॥ नेकुनसंकसकुचमनमाहिंणा ॥
॥ सुनुजानकीतोहिविनुआजू ॥ हनषेसकलपाइजनुराजूणा ॥
॥ किमिसहिजातअनधतोहिपाहिं ॥ प्रियावेगिप्रगटसिकसनाहिं ॥

॥ दोहा ॥ फनिमनिहीनदानजिमिमीनहीनजिमिवानि ॥॥

॥ तिमिवाकुलनऐलखनतहैनधुवनदशानिहानि ॥॥

॥ चौधनिउनधीनबुहावीहनामीहैं ॥ तजहिंनशोकअधिकसुखधामीहैं ॥

॥ ऐहिविधिषोजतविलषतस्वामी ॥ मनहुमहविनहिअतिकाभी ॥

॥ पूननकामरामसुखरासीगाणा ॥ मनुजचनितकरअजअविनासी ॥

॥ सनवनअमितनदीगिरिषोहा ॥ बहुविधिरामलखनतहैजोहार ॥

॥ सोचहुदयकछुकहिनीह्यावा ॥ दूटधनुषसनअगोपावगाणा ॥

॥ कहूंकहुंसोनितदेखियकैसैं ॥ सावनजल्मनाडावनजैसैंगाणा ॥

॥ कहतनामलखिमनहिंबुहाई ॥ काहूँकीन्हजुछऐहिठारिगाणा ॥

॥ अगोपनागीधपतिदेखाणा ॥ सुमिरतनामचरनजिन्हनेखा ॥

॥ दोहा ॥ करसरोजसिरपनसेउक्रपासिंधुनधुवीनगाणा ॥

॥ निरधिरामसुखधामअविविगतभईसवपीन ॥॥

॥ चौतवकहगीधवचनधनिधीना ॥ सुनहुनामभंजनभबनीना ॥॥

॥ नाथदशाननयहगतिकीन्ही ॥ तेहिखलजनकसुताहनितीन्ही ॥

॥ लैदछिनदिशिगएउगोसाई ॥ विलपतिअतिकुननीकीनाई ॥

॥ इनसलागिप्रनुनायेउंप्राना ॥ चलनचरुतअवक्रपानिधाना ॥

॥ नामकहातनुनायहुंताताणा ॥ मुखमुमुकाइकहितेहिवाता ॥

॥ जाकननाममनतमुखआवा ॥ अधमहुंमुक्तिहोइअतिगावा ॥

॥ सोममलोचनगोचनअगो ॥ राखहुंदेहनाथकहिषागैगाणा ॥

॥ जलननिनयनकहहिंनधुनाई ॥ तातकर्मनिजतैगतिपाईगाणा ॥

॥ पनहितवसजिन्हकेमनमाहिं ॥ तिन्हकहैजगदुलैनकछुनाहिं ॥

॥ तनुतजितातजाहुममधामा ॥ देहुंकाहुतुम्हपूननकामागाणा ॥

॥ दोहा ॥ सीताहननतातजनिकहेहुतातसनजाइ ॥॥

॥ जौमैरामतोकुलसहितकहहिंदशाननअश ॥॥

॥ चौगीधदेहतजिधनिहनिरूपा ॥ नखनबहुपटपीतअनूपागाणा ॥

॥ स्यामगातविसालनुजचारी ॥ अस्तुतिकनतनयनननिवारी ॥

॥ अष्टजयनामरूपअनूपनिर्गुनसगुनगुनप्रेनकसहि ॥

॥ दशसीसबाहुप्रचंडखंडनचंडसनमंडनमहागाणा ॥

॥ पाथोदगातसंनोजमुखनाजीवआयतलोचने ॥
 ॥ नितनैमिनामकृपालबाहुविशालनवभयमोचने ॥
 ॥ बलमप्रमेयमनादिमजमव्यक्तमेकमंगोचने ॥
 ॥ गोविंदगोपनद्वंदहनविग्यानधनधननीधने ॥
 ॥ जेनाममंत्रजपंतसंतत्रनंतजनमननंजने ॥
 ॥ नितनैमिनामअकामप्रियकामादिषलदलंगजने ॥
 ॥ जेहिश्रुतिनिनंजनब्रह्मव्यापकविनजअजकहिगार्वहे ॥
 ॥ कनिग्यानध्यानविनागजोगअनेकमुनिजेहिध्यावहे ॥
 ॥ सोप्रगटकनुनाकंदशोभावंदअगजगमोहईगा ॥
 ॥ ममरुदयपंकजनेंगअंगअनेंगवहुषविमोहई ॥
 ॥ जोअगमसुगमसुभावनिर्मलअसमसमसीतलसदा ॥
 ॥ पश्यंतिजेहिजोगीजतनकनिकनतमनगोवसजदा ॥
 ॥ सोनामनमानिवाससंततदासवसत्रिभुवनधनी ॥
 ॥ ममउनवसउसोइसमनसंसतिजासुकीनतिपावनी ॥
 ॥ दोहा अविनलक्ष्मिमांगिवनगीधगोएउहनिधाम ॥
 ॥ तेहिकीक्रियाजथेचितनिजकनकीन्हिराम ॥ ६० ॥
 ॥ चोकोमलचितअतिदिनदयाला ॥ कारनविनुनघुनाथकृपाला ॥
 ॥ गीधअधमधगआमिषन्नोगी ॥ गतिदीन्हीजोजावतजोगी ॥
 ॥ सुनहुंउमातेइलोगअन्नागी ॥ हनितजिहेहिंविषयअनुरगी ॥
 ॥ पुनिसीतहिषोजनंदउन्नाई ॥ बलेविलोकतावनबहुताईगा ॥
 ॥ संकुललताविटपघनकानन ॥ बहुषगमगतहंगजपंचानन ॥
 ॥ आवतपंथकबंधनिपातागा ॥ तेहिसबकहिआपकइवाता ॥
 ॥ दुनवासामोहिदीन्हीस्त्राया ॥ प्रनुपदपेविमिटासोइपाया ॥
 ॥ सुनुगंधर्वकहउमैंतोहींगा ॥ मोहनसुहाइब्रह्मकुलदेहि ॥
 ॥ दोहा मनकमवचनकपटतजिजोकनअसुरसेव ॥
 ॥ मोहिसमेतविनंविस्ववसताकेसबदेवगा ॥ ६१ ॥
 ॥ चोआपतताउतपुनुषकहंता ॥ विप्रपूज्यअसगावहिंसंतागा ॥
 ॥ पूजियविप्रशीलगुनहिना ॥ अइनगुनगनग्यानप्रवीना ॥
 ॥ दुष्टउधेनुदुहियसुनुनाई ॥ साधुनासजीदुहियनहिजाई ॥

॥ कहिनिजधर्मताहिसमुहावा ॥ निजपद प्रीतिदेधिमननावा ॥
 ॥ नद्युपतिचरनकमलसिनुनाई ॥ गऐउगगनआपनिगतिपाईगा ॥
 ॥ ताहिदेइगतिनामउदाराणा ॥ सवनीकेआश्रमय गुधाना ॥
 ॥ सवनीदेधिरामग्रहआऐ ॥ मुनिकेवचनसमुहिजियआऐ ॥
 ॥ सनसिजलोचनवाहुविसाला ॥ जटामुकुटसिनउनवनमाला ॥
 ॥ स्यामगोनसुंदरदोउनाईगा ॥ सवनीपरीचरनलपटाईगा ॥
 ॥ प्रेममगनमुखवचननआवा ॥ पुनिपुनिपदसनोजसिनुनावा ॥
 ॥ सादनजललइचरनपषाने ॥ पुनिसुंदरआसनवैठानेगा ॥
 ॥ **दोहा** कंदमूलफलसनसअतिदिएनामकहुआनि ॥
 ॥ प्रेमसाहितप्रनुषाऐउवानहिवानवधानिगा ॥ ६२ ॥
 ॥ **चौ** पानिजोनिआगेनइठाछि ॥ प्रनुहिविलोकिप्रीतिअतिवाछि ॥
 ॥ केहिविधिअस्तुतिकनौतुम्हनी ॥ अधमजातिमैंजउमतिआनी ॥
 ॥ अधमतेअधमअधमअतिनसी ॥ तिरुमहंमैंअतिमंदअधानी ॥
 ॥ कहनद्युपतिसुनुनामिनिवाता ॥ मानहुंऐकभक्तिकननाता ॥
 ॥ जातिपातिकुलधर्मवडाईगा ॥ धनबलपनिजनगुनचतुनाई ॥
 ॥ भक्तिहीननसोहनकैसेगा ॥ विनुजलवानिददेधियजैसे ॥
 ॥ नवधानक्तिकहुउतोहिपाहिं ॥ सावधानसुनुधनिमनमाहिं ॥
 ॥ प्रथमभक्तिसंतनृकनसंगागा ॥ दूसरिनीतिममकयाप्रसंगा ॥
 ॥ **दोहा** गुनुपदपंकजसेवातीसनिभक्तिअमानगागा ॥
 ॥ **चौ** धिभक्तिममगुनगनकनइकपटतजिगान ॥ ६३ ॥
 ॥ **चौ** मंत्रजापममदृढविस्वासा ॥ पंचमनजनसोप्रेमप्रकासा ॥
 ॥ छठिदमशीलविरतिबहुकर्मा ॥ निनतसादाश्रुतिसंमतधर्मा ॥
 ॥ सातवसममोहिमयजगदेया ॥ मोतेसंतअधिककनिलेया ॥
 ॥ आठवजयालानसंतोयागागा ॥ सपनैहुनहिदेखइपनदोया ॥
 ॥ नवमसनलसवसनधूलहीना ॥ ममभनोसजिअहनधनदीना ॥
 ॥ नवमहुंजिन्हकेऐकउहोई ॥ नानिपुनुषसचनाचनकोई ॥
 ॥ सोइअतिसयप्रियभामिनिमोने ॥ सकलप्रकानभक्तिद्रिठतोने ॥
 ॥ जोगिवंददुर्लभगतिजोईगागा ॥ तोकहुंआजुसुलभभइसोई ॥
 ॥ ममदनसनफलपनमअनूपा ॥ जीवपावनिजसहजसरूपा ॥

॥ दोहा ॥ सब प्रकार सब जागवड मम चरन नरु अनुनाग ॥
 ॥ तब महिमा जिहि उन्नव सहिता सुपन मवड जाग ॥ ६४ ॥
 ॥ चौ ॥ सुनि सुभव चरन हनय कहुं पाई ॥ पुनि बोलि प्रनु गिना सुहाई ॥
 ॥ जनक सुता के सुधि नामिनी ॥ जानहि कहु कनिवन गामिनी ॥
 ॥ पं पासनहि जाहुन घुनाई गागा ॥ मुनिवन विपुल नहे जहं छाई ॥
 ॥ निधि मंत गमहि मागुन जानी ॥ जीव चराचर नहत सुखानी ॥
 ॥ वैरन कनका हसन कोई गागा ॥ जासुन वैर प्रीति कन सोई गागा ॥
 ॥ सिखन सुहावन कानन फूले ॥ षग मग जीव जंतु अनुकूले ॥
 ॥ कनहु सफल श्रम सब कन जाई ॥ तहं होइ हि सुग्रीव मिताई ॥
 ॥ सो सब कहि हि देवन घुबी गागा ॥ जानतहु पूछहु मति धीना ॥
 ॥ वानवान प्रनु पद सिनुनाई गागा ॥ प्रेम सहित सब कथा सुनाई ॥
 ॥ छंद ॥ कहि कथा सकल विलोकि हनि मुख हृदय पद पंकज धनै ॥
 ॥ तजि जोग पावक देह हरि पद लीन नै जहं नहि फिने गागा ॥
 ॥ नन विविध कर्म अधर्म बहु मत सो कपद सव त्याग हू ॥
 ॥ बिस्वास कनिक हदा सतुलसी नाम पद अनुनाग हू ॥
 ॥ दोहा ॥ जाति हीन अघ जन्म महि मुक्ति कीन्हि असिनानि ॥
 ॥ महामंद मन सुख चहहिं ऐसे प्रनु हिविसानि ॥ ६५ ॥
 ॥ चौ ॥ बले नाम त्यागे उवन सोऊ ॥ अतुलित बल नर के हनि दोऊ ॥
 ॥ विन होइ प्रनु कनत विषादा ॥ कहत कथा अनेक संवादा ॥
 ॥ लछिमन देषु विपिन के सोजा ॥ देखत केहि कन मन नहि छेजा ॥
 ॥ नानि सहित सब षग मग बंधा ॥ मानहु मोनिक नत हनि निदा ॥
 ॥ हमहिं देखि मग निकन पनाहिं ॥ मगी कहहिं तुम्ह कहन यनाहिं ॥
 ॥ तुम्ह अनंद कनहु मग जाये ॥ कंचन मग खोजन ऐइ आये ॥
 ॥ संगलाइ कनिनी कनिलेहिं ॥ मानहुं मोहि सिखावन देहिं ॥
 ॥ सास्त्र सुचिंतित पुनि पुनि देखिय ॥ नूपसु सेवित वसनहिं लेविय ॥
 ॥ नाखिय नानि जदपि उनमाहिं ॥ जुवती सास्त्र नपति वसनाहिं ॥
 ॥ देखहु तात वसंत सुहावागा ॥ प्रिया हीन मोहि नय उपजावा ॥
 ॥ दोहा ॥ विन हविकल बल हीन मोहि जाने सिनि पट अकेल ॥

॥ सहितविपिनिमधुकनखगन्धिमदनकीन्हिवगमेले ॥
 ॥ देखिगपे उच्चातासहिततासुदूतसुनिवात ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ उनादिन्हि उमनहुतिन्हि कटकननटकहिजात ॥ ६६ ॥
 ॥ चौविटपविसाललताअनुहानी ॥ विविधवितानदिऐजनुतानी ॥
 ॥ कदलीतानवनधुजापताका ॥ देखिनमोहधीनमनुजाका ॥ ॥
 ॥ विविधिजातिफूलेतनुनाना ॥ जनुवानेतवनेवहुवाना ॥ ॥
 ॥ कहूंकहुंसुंदरविटपसोहाऐ ॥ जनुनटविलगविलगहेइछारे ॥
 ॥ कूजतपिकमानहुंगजमाते ॥ टेकमहीषकुंडविसनाते ॥ ॥
 ॥ मोनचकोनकीनवनवाजीगा ॥ पानावतमनालअसुताजी ॥ ॥
 ॥ तीतरलावकपदचनजूथा ॥ वननिनजाइमनोजवनूथा ॥ ॥
 ॥ नथगिनिसिलादुंदुनीहनना ॥ बातकवंदीगुनगनवनना ॥ ॥
 ॥ मधुकनमुखनभेनिसहनाई ॥ विविधवयानिवसीठीआई ॥ ॥
 ॥ चतुनंगिनीसेनसंगलीन्हि ॥ विचनतसवहचुनोतीदिन्हि ॥
 ॥ लछिमनदेखतकामअनीका ॥ नहहिधीनतिन्हि कइजगलीका ॥
 ॥ ऐहिकेएकपनमवलनासी ॥ तेहितैउवनसुनटसोइनी ॥
 ॥ दोहा ताततीनिअतिप्रवलखलकामक्रोधअनुलोभ ॥
 ॥ मुनिविद्यानधाममनकनहिनिमिषमहुंछेनगा ॥
 ॥ लोभकेइछांदनवलकामकेकेवलनानिगागागा ॥
 ॥ क्रोधकेपुषवचनवलमुनिवनकहहिंविचानि ॥ ६७ ॥
 ॥ गुनातीतसचनाचनस्वामी ॥ नामउमासवअतनजामी ॥ ॥
 ॥ कामिन्हिकेदीनतादेखाई ॥ ॥ ॥ ॥ धीन ॥ न्हिकेमनविनतिदुकाई ॥
 ॥ क्रोधमनोजलोभमदमाया ॥ छूटहिसकलनामकेदाया ॥ ॥
 ॥ सोननइदुजालनहिन्नुला ॥ जापरहोहिसोनटअनुकूला ॥
 ॥ उमाकहोमैअनुनवअपना ॥ हनिकोभजनसत्यजगजपना ॥
 ॥ पुनिप्रजुगऐसरोवनतीना ॥ पपानामसुनगगंभीनागा ॥
 ॥ संतहुदयजसनिर्मलवानी ॥ बांधेघाटमनोहनचानीगा ॥
 ॥ जहतहैपिअहिंविविधमगनीना ॥ जनुउदानग्रहजाचकनीना ॥
 ॥ दोहा पुनइनिसघनओटजलवेगिनपाइयमरम ॥
 ॥ मायाअवनदेखियेअसेउनिनगुनब्रह्मगा ॥

॥ सुधीमीनसवयेकनसप्रतिअगाधजलमहिं ॥

॥ जथाधर्मसीलनन्हिकेदिनसुखसंयुतजाहिं ॥ ६८ ॥

॥ चौविकसेसनसिजनानानंगा ॥ मधुनमुषनगुंजतबहुचंगा ॥

॥ वोलातजलकुक्कुटकलहंसा ॥ प्रनुविलोकिजनुकरतप्रसंसा ॥

॥ चक्रवाकवकषगसमुदाई ॥ देखतवनेवननिनहिंजाई ॥ ॥ ॥

॥ सुंदनषगगनगिनासुहाई ॥ जातपथिकजनुलेतवोलाई ॥

॥ तालसमीपमुनिन्हगृह्णये ॥ बहुंदिसिकाननविटपसोहये ॥

॥ चंपकवकुलकदंबतमाला ॥ पाटलपनसपलासनसाला ॥

॥ नवपल्लवकुसुमिततनुना ॥ चंचरीकपटलीकरगाना ॥

॥ सीतलमंदसुगंधसुजाउ ॥ संततवहइमनोहनवाउ ॥

॥ कहूंकहुंकोकिलधुनितहंकरहिं ॥ सुनिनवसनसध्यानमुनिदरहिं ॥

॥ दोहाफलचननप्रविटपसवनहेचूमिनियराइ ॥

॥ पनउपकानीपुनुषजिमिनवहिंसुसंपतिपाइ ॥ ६९ ॥

॥ चौदेधिनामअतिनुचिनतलावा ॥ मज्जनकीरूपनमसुखपावा ॥

॥ देखीसुंदनतनुवनध्यायाणा ॥ बैठेअनुजसहितनघुनाया ॥

॥ तहंपुनिसकलदेवमुनिआये ॥ अस्तुतिकनिनिजधामसिधोये ॥

॥ बैठेपनमप्रसन्नक्रपालाणा ॥ कहतअनुजसनकथानसाला ॥

॥ विनहवंतभगवंतहिदेवी ॥ नानदमननासोचविशेषी ॥

॥ मोनशापकरिअंगीकाना ॥ सहतनामनानादुषजाना ॥

॥ असेहिंप्रनुहिविलोकियजाई ॥ पुनिनवनिहिअसअवसनआई ॥

॥ यहविचानिनानदकरवीना ॥ गयेजहांप्रनुसुखआसीनाणा ॥

॥ गावतनामचनितमृदुवानी ॥ प्रेमसहितबहुभौतिवषानी ॥

॥ करतदंडवतलिऐउठाई ॥ नायेउवहुतवानउनलाई ॥ ॥

॥ स्वागतपूछिनिकटवैठानेणा ॥ लछिमनसादनचननपषाने ॥

॥ दोहानानाविधिविनतीकरिप्रनुप्रसन्नजियजानि ॥

॥ नानदवोलेवचनतवजोनिसनोनुहणानि ॥ ७० ॥

॥ चौसुनहुंउदानपनमनघुनायक ॥ सुंदनअगमसुगमवनदायक ॥

॥ देहुऐकवनुमागउस्वामीणा ॥ जद्यपिजानतअतनजामी ॥

॥ जानहु मुनितुम्ह मोन सुचाउ ॥ जनसन कवहुं किकनौ दुनाउ ॥
 ॥ कवन वस्तु असि प्रिय मोहिलागी ॥ जो मुनिवन न सकहु तुम्ह मागी ॥
 ॥ जन कहै कछु अदेय नहि मोने ॥ अस विस्वासत जहु जनि मोने ॥
 ॥ तवनानद बोले हन धाई गागा ॥ असवन मांगहुं कनहुं छिठाई ॥
 ॥ जद्यपि प्रभु के नाम अनेका ॥ श्रुतिक ह अधिक ऐकै ते ऐका ॥
 ॥ नाम सकल नाम नहते अधिका ॥ होहुनाथ अधधगगन वधिका ॥
 ॥ दोहा ॥ नाकानजनी भगनित वनाम नाम सोइ सोम ॥
 ॥ अपन नाम उडगन विमल वसहु भक्त उनव्योम ॥
 ॥ एवमस्तु मुनिसन कहै उकृपा सिंधु न धुनाथ ॥
 ॥ तवनानद मनहन धरति प्रभु पद नाये उमाथ ॥११॥
 ॥ चो ॥ श्रुति प्रसन्न न धुनाथ हि जानी ॥ पुनि नानद बोले मृदु बानी ॥
 ॥ राम जवहि प्रेने हुनि जमाया ॥ मोहेहु मोहि सुनहुं न धुनाथ ॥
 ॥ तव विवाह मै चाहहुं कीन्हा ॥ प्रभु के हिकानन कनइ नदिन्हा ॥
 ॥ सुनु मुनि तोहिक हउ सहनोसा ॥ भजहि मोहित जिस कलभनेसा ॥
 ॥ कनउ सदातिरुं के नख वानी ॥ जिमि बालकहि नाथ महतानी ॥
 ॥ गहिसि सुवध अनल अहि धाई ॥ तहं नाथ हि जननी अनुगाई ॥
 ॥ प्रोळ भऐते हि सुत पनमाता ॥ प्रीतिक नहिन हि पाछिलि वाता ॥
 ॥ मोने प्रोळ तनय समग्यानी ॥ बालक सुत समदास अमानी ॥
 ॥ जनहिं मोन वलनि जवलताहैं ॥ दुहुकह काम क्रोध निपुअहिं ॥
 ॥ यह विचानि पंडित मोहि भजहिं ॥ पाऐहुं ग्यान भक्ति नहि तजहिं ॥
 ॥ दोहा ॥ काम क्रोध लोभादि मद प्रवल्त मोह कै धानि ॥
 ॥ तिरुमहं श्रुति दानु न दुषद माया रूपी नानि ॥१२॥
 ॥ चो ॥ सुनु मुनिकह पुनान श्रुति संता ॥ मोह विपिनिकहं नानि वसंता ॥
 ॥ जपत पने मजला शय हुनी ॥ होइ गीषम सोषइ सवननी ॥
 ॥ काम क्रोध मद मत्सर नेका ॥ इन्हि हन धप्रद वनखाऐका ॥
 ॥ दुर्वासना कुमुद स मुदाई गागा ॥ तिरु कहैं सनद सदा सुषदाई ॥
 ॥ धर्म सकल सनसी उह चंदा ॥ होइ हिमतिरुहि देत दुषमंदा ॥
 ॥ पुनि ममता जबास वहुताई ॥ पलुहइ नानि सिंघिनि निनु पाई ॥

॥ पाप उलूक निकर मुख कानी ॥ नानिनिविड नजनि अंधि अग्नि ॥
 ॥ बुधिवल सील सत्य सवमीना ॥ वन सील सम त्रिय कहि प्रवीना ॥
 ॥ दोहा ॥ अवगुन मूल सल प्रद प्रमदा सव दुष घानि ॥
 ॥ ताते कीन्ही निवान न मुनि मैय हजिय जानि ॥ ७३ ॥
 ॥ चौ सुनि न धुपति के वचन सुहाये ॥ मुनि तन पुलकन पन भस्त्रि ओ ॥
 ॥ कहहु कवन प्रभु के असि नीति ॥ सेवक पन ममता अति प्रीति ॥
 ॥ जे न न जहि अस प्रभु मल्य गि ॥ ग्यान न कन न मंद अत्रा गी ॥
 ॥ पुनिसादन वोले मुनि नानद ॥ सुनहु नाम विग्यान विसानद ॥
 ॥ संतन के लघन न धुवी नागा ॥ कहहु नाथ भंजन न वरी ना ॥
 ॥ सुनु मुनि संतन के गुन कहहु ॥ जिहिते मै उन के वसनहु ॥
 ॥ घटविकान जित अनघ अकाम ॥ अचल अकिंचन सुचि सुधाम ॥
 ॥ अमित बोध अनीह मित भोगी ॥ सत्य सानक विको विद जोगी ॥
 ॥ सावधान मानद मद हीना ॥ धीर धर्म गति पन म प्रवीना ॥
 ॥ दोहा ॥ गुना गान संसान दुष न हित विगत संदेह ॥ ॥ ॥
 ॥ तजिम मचन न सनो स प्रियति न कह देहन गोह ॥ ७४ ॥
 ॥ चौ निज गुन सुनत अवन सकुचहि ॥ पन गुन सुनत अधिक हन वाहि ॥
 ॥ सम सीतल न हित्या गहि नीति ॥ सनल सुभा उ सव हि सन प्रीति ॥
 ॥ जपत पवुत दम संजमने मा ॥ गुन गोविंद विप्र पन प्रेमाणा ॥
 ॥ अछाछ मा मैत्री दाया गागाणा ॥ मुदिता मम पद प्रीति अभाया ॥
 ॥ विनति विवेक विनय विग्याना ॥ बोध जयानथ वेद पुनानाणा ॥
 ॥ दंभ मान मद कन हिंन काकु ॥ भूलिन देहि कु मान गपाकु ॥
 ॥ गावहि सुनहि सदा मम लीला ॥ हेतु रहित पन हित रति सीला ॥
 ॥ मुनि सुनु साधन के गुन जे ते ॥ कहिन सकहि सानद श्रुति ते ते ॥
 ॥ छंद कहि सकन सानद सेष नानद सुनत पद पंकज गहे ॥
 ॥ अस दीन बंधु कृपाल अपनै भक्त गुन निज मुख कहे ॥
 ॥ सिनु नाइ वानहि वान चन नहि ब्रह्म पुन नानद गये ॥
 ॥ ते धन्य तुलसी दास आस विहाइ जे हनि नंग नये गा ॥
 ॥ दोहा ॥ नावना निज सुपावन गावहि सुनहि जे लोग ॥ ॥ ॥

वन०

॥१७॥

॥ दोहनामचक्रि द्रुष्टपावर्हि विनुविनागजप जोग ॥
 ॥ दीपसिंघासम जुवतिनसमनजहि होसिपतंग ॥
 ॥ नजहिनामतजिकाममदकरहि सदासतसंग ॥१५॥
 ॥ इति श्रीनामचरितमानसे सकलकलिकलुषविध्वंसने ॥
 ॥ विमलवैराग्यसंपादिनीनाम तृतीय सोपान समाप्तः ॥
 ॥ वनकांड समाप्तः ॥ शुभमस्तु ॥ संवत् ॥ १८५१ ॥ समय आश्वी ॥
 ॥ मास शुक्ल पक्ष दशम्यां नृगुवासने लिखित मिंद पुस्तकं ॥
 ॥ उदयशिवेन ॥ श्रीमत्गोशार्द्धे मगिनिमहंतस्य पाठार्थं ॥
 ॥ नचूपात् ॥ रामसीयलक्ष्मणाय नमः ॥ श्रीनरताय नमः ॥

॥ श्रीगणेशायनमः ॥ श्रीजानुकीबह्व्रजोविजयते ॥ कुंदेन्दु ॥
 ॥ वनसुंदरावतिबलोविग्यानधामावुजौसौजाख्योवनधन्वि ॥
 ॥ नौश्रुतिनुंतोगोविप्रचंदप्रियौ ॥ मायामानुषरूपिणोनघुबौ ॥
 ॥ धर्मैकनिष्ठावृत्तौसीतान्नेष्टातत्परोपधिगतौभक्तिप्रदोपा ॥
 ॥ हिनः ॥ १ ॥ ब्रह्मांनोधसमुद्भवंकलिमलप्रध्वंसनंचाव्ययंश्री ॥
 ॥ मत्त शंभुमुखेन्दुसुंदरवनंसंशोभितं सर्वदा ॥ संसानामयन्नेष्ट ॥
 ॥ जंसुमधुनंश्रीजानकीजीवनंधन्यास्तेकृतिनिधिंवतिसततंश्री ॥
 ॥ नामनामाऽमृतम् ॥ २ ॥ श्रीनामलक्ष्मणायनमस्त्वमेवशरणम् ॥
 ॥ सोनठमुक्तिजन्ममहिजानि ॥ ग्यानधानिअघहानिकर ॥
 ॥ जहंवशशंभुनवानि ॥ सोकाशीसेइयेकसन ॥ ॥ ॥
 ॥ जनतसकलसुरचंद ॥ विषमगरलजेहिपानिकिय ॥
 ॥ तेहिनभजसिमतिमंद ॥ कोकपालशंकरसनिस ॥ १ ॥
 ॥ वौ श्रीगेचलेउवहुनिनघुनाया ॥ निष्कमूकपनवतनियराया ॥
 ॥ तहंरहसबिबसहितसुग्रीवा ॥ आवतंदेधिअतुलवलसीवा ॥
 ॥ अतिसभीतकहिसुनुहुनुमाना ॥ पुनुषजुगलवलरूपनिधाना ॥
 ॥ धनिवटुरूपदेषु तुम्हजार्इण ॥ कहिसुजानजियसयनबुहाई ॥
 ॥ पठऐवालिहोइमनुमैलाणा ॥ भाजउतुनततजहुंयहसैला ॥
 ॥ विप्ररूपधनिकपितहंगऐउ ॥ मायनाइपूछतअसन्नऐउ ॥
 ॥ कोतुम्हश्यामलगोनशनीन ॥ छत्रीरूपफिरहुवनवीन ॥
 ॥ कठिनभूमिकोमलपदगामी ॥ कवनहेनुवनविचनेहुस्वामी ॥
 ॥ मृदुलमनोहरसुंदरगाता ॥ सहतदुसहुवनआतपवाता ॥
 ॥ कीतुम्हतीनिदेवमहकोउ ॥ नननारायनकीतुम्हदोउ ॥
 ॥ दोहा ॥ जगकाननताननभवनंजनधननीनारणा ॥
 ॥ कीतुम्हअधिलभुवनपतिलीन्हमनुजअवतार ॥ २ ॥
 ॥ वौवोलेविहसिनाममदुबानी ॥ सुनहुविप्रजोकरहुंवषानी ॥
 ॥ कोशलेसदशनयकेजाऐ ॥ हमपितुवचनमानिवनआऐ ॥
 ॥ नामनामलक्षिमनदोउनाई ॥ संगनानिसुकुमानिसुहाई ॥
 ॥ इहांहनीनिसिचनवैदेहिण ॥ विप्रफिरहिहमखोजततेही ॥

क्रिद्धिधा०

॥१॥

॥ आपनचरितकहाहमगाई ॥ ॥ कहहुविप्रनिजकथाबुहाई ॥
 ॥ प्रभुपहिचानिपनेउगाहिचनना ॥ सोसुषउमाजाइनाहिवनना ॥
 ॥ पुलकिततनमुखआवनवचना ॥ देखतनुचिनवेषकैरचना ॥
 ॥ पुनिधनिधीनजअस्तुतिकीन्ह ॥ हनषहृदयनिजनाथहिचोन्ह ॥
 ॥ मोनन्याउमैंपूँछहुँसाईगा ॥ तुम्हपूँछहुकसननकीनाई ॥
 ॥ तवमायावसफिनेउनुलाना ॥ तातेनहिप्रभुमैंपहिचाना ॥

॥ दोहा ॥ एकमैंमंदमोहवसकुटिलहृदयअग्यान ॥

॥ पुनिप्रभुमोहिविसानेदुद्दिनबंधुनगावान ॥ ३ ॥

॥ चौजदपिनाथवहुअबगुनमोरे ॥ सेवकप्रभुहिपरेजनिजोरे ॥
 ॥ नाथजीवतवमायामोहाणा ॥ सोनिस्तनहितुम्हनेहिछाहा ॥
 ॥ तापरमैंरघुवीनदोहाईगा ॥ जानउनहिकछुनजनउपाई ॥
 ॥ सेवकसुतपतिमातुननोसैं ॥ रहेअसोचवनेप्रभुपोंसंगा ॥
 ॥ असकहिपरेउचननअकुलाई ॥ निजतनप्रगटिप्रोतिउरछाई ॥
 ॥ तवनधुपतिउठाइउनलावा ॥ निजलोचनजलसोंचिजुडावा ॥
 ॥ मुनुकपिजियमानसिजनिउना ॥ तैममप्रियलछिमनतैदूना ॥
 ॥ समदनसीमोहिकहसवकोउ ॥ सेवकप्रियअनन्यगतिसेउ ॥

॥ दोहा ॥ सोअनन्यजाकेअसिमतिनटेनैहनुमंत ॥

॥ मैंसेवकसचराचनरूपनासिनगवंत ॥ ४ ॥

॥ चौदेखिपवनसुतपतिअनुकूल ॥ हृदयहनषवीतीसवसूला ॥
 ॥ नाथसैलपतिकपिपतिनहई ॥ सोसुग्रीवदासतवअहईगा ॥
 ॥ तासोनाथमैंरवजिकीजै ॥ दीनजगनितेहिअनयकनीजै ॥
 ॥ सोसीताकरसोधकनाइहि ॥ जहंतहंमनकटकोटिपठाईहि ॥
 ॥ ऐहिविधिसकलकथासमुहाई ॥ लिऐदोउजनपीठिचछाई ॥
 ॥ तवसुग्रीवनामकहंदेखाणा ॥ अतिसयजन्मधन्यकनितेषा ॥
 ॥ सादनभित्तिउनाइपदमाया ॥ मैंटेउअनुजसहितरघुनाथा ॥
 ॥ कपिकरमनविचारयहनीति ॥ कनिहहंविधिमोसनयेप्रीति ॥

॥ दोहा ॥ तवहनुमंतउनयदिशिकहिसवकथाबुहाई ॥

॥ पावकसाधीदेइकनिजोरीप्रीतिदिखाइगागा ॥ ५ ॥

॥ चौकीन्हप्रीतिकछुवीचननाथा ॥ लछिमननामचरितसवनाथा ॥

॥ कहसुग्रीवनयनननिवानीगा ॥ मिलिहिनाथमिथिलेसकुमानी ॥
 ॥ मंत्रिन्हसहितइहंऐकवानागा ॥ वैठनहेउमैंकनतविचानागा ॥
 ॥ गगनपंथमैंदेखीजातागागा ॥ पनवसपनीवहुतविलखाता ॥
 ॥ नामनामहानामपुकानीगा ॥ हमहिदेखिदीन्हउपटुडानी ॥
 ॥ मागानामतुनिततिन्हदीन्ह ॥ पटउनलाइसोचअतिकीन्ह ॥
 ॥ कहसुग्रीवसुनहुनधुवीना ॥ तजहुशोकआनहुउनधीना ॥
 ॥ सबप्रकानकनिहैंसिबकाई ॥ जेहिविधिमिलिहिजानकीआई ॥
 ॥ **देहा** सखावचनसुनिहरषेकृपासिंधुवलसीव ॥
 ॥ काननकवनवसहुवनमोहिकहहुसुग्रीव ॥ ६ ॥
 ॥ **चौ** नाथबालिअनुमैंदोउनाई ॥ प्रीतिनहकछुवननिनजाइ ॥
 ॥ मयसुतमायावीतेहिनाडुंगा ॥ आवासोपनुहमनेगाडुंगागागा ॥
 ॥ अनधनातिपुनधानपुकाना ॥ बालिनिपुइवलसहइनपाना ॥
 ॥ धावाबालिदेखिसोनागागा ॥ तवमैंगएउबंधुसंगलागा ॥
 ॥ गिनिवनगुहंपैठसोइजाई ॥ तवहिबालिमोहिकहेउवुहाई ॥
 ॥ पनिषेसुमोहि एकपयवाना ॥ नहिआवहुतवजानेसुमागा ॥
 ॥ मासदिवसतहंनहेउषानी ॥ निसनीउधिनधानतहंनानी ॥
 ॥ बालिहतेसिमोहिमानिहिआई ॥ सिलादेइतहंचलेउपनाईगागा ॥
 ॥ मंत्रिन्हपुनदेखाविनुसोईगा ॥ दीन्हउमोहिनाजवनिआईगागा ॥
 ॥ बालीताहिमानिग्रहआवा ॥ देखिमोहिजियनेदवठावा ॥
 ॥ निपुसममोहिमानिसिअतिनानी ॥ हनिलीन्हसिसर्वसुअनुनानी ॥
 ॥ ताकेनयनधुवीनकृपाला ॥ सकलनुवनमैंफिनेउविहाला ॥
 ॥ इहंआपवसआवतनाहीं ॥ तदपिसनीतनहुउमनमहिं ॥
 ॥ तवहंछतनऐकृपानिकेता ॥ बालिहिसापनऐउकेहिहेता ॥
 ॥ बोलेतवकपीशशिनुनाई ॥ दुंदुनिअसुनमहावलदाई ॥
 ॥ महजुछकइगतिसवजाने ॥ ओनकोवलनहिंमनअनुमाने ॥
 ॥ ऐकवानजलनिधितटआवा ॥ जाइमध्यजलनिधिहिथहावा ॥
 ॥ सबहींकटिप्रमानजलनऐउ ॥ कनिअनिमानमथनजलतऐउ ॥
 ॥ मथतसिंधुनयोव्याकुलगाता ॥ जीवजंतुसबनयेउनिपाता ॥
 ॥ तवअकुलाइसिंधुचलिआवा ॥ वचनविचानिताहिसमुहावा ॥

किष्किंधा०

॥२॥

॥ तु अवलसनि सस्रौ न नहि कोई ॥ ॥ वचन विचारि कहैं मैं सोई ॥ ॥
 ॥ हिम गिनि वल कछु वननि न जाई ॥ ताहि जीति जे कर उ उपाई ॥ ॥
 ॥ सुनिस चुपाइ त हो चलि आवा ॥ देखि हेम चल मन अति आवा ॥ ॥
 ॥ ताल ठोकि गिनिली नू उठाई ॥ तव हिमि गिनि विनती बहलु आई ॥ ॥
 ॥ तुम्हने वलसन वन को उनहिं ॥ वल अनुमान कहैं तोहि पहिं ॥ ॥
 ॥ पंपा पुनी तु रित तुम्ह जाहू ॥ बालि महा वलनिधि अच गाहू ॥ ॥
 ॥ सुनत हि वचन त हो चलि आवा ॥ बालि बालि कहि कहि गोहिनावा ॥ ॥
 ॥ दोहा विषय कियो महिषासुर गर्भ सो तो मन माहिं ॥
 ॥ आवा निकट नगन के मनहिं ने कन्य पनाहि ॥ ७ ॥
 ॥ चौ महि मर्दन कनि कुंभ निपाता ॥ गर्जघोन जनु गिनि उपधाता ॥ ॥
 ॥ डीकत भूमि वज्र जनु पनई ॥ मर्म वचन सुनिके सब डनई ॥ ॥
 ॥ पंपा पुन व्याकुल सब काहू ॥ बंड ग्रसन जनु आये उराहू ॥ ॥
 ॥ सुनत बालि धावा तत काला ॥ देखि अ सुन जु जंद डकराला ॥ ॥
 ॥ भिने उजुगल वल कनि वनि आई ॥ मल्ल गुध कछु वननि न जाई ॥ ॥
 ॥ चानि जाम भनि को तु कन ऐउ ॥ मुखि प्रहान करत कपि न ऐउ ॥ ॥
 ॥ पने उ अवनित वसेल समाना ॥ जीव जंतु दूटे तनु नाना ॥ ॥
 ॥ पुनि निज बालि गुगुल कनि डारा ॥ उत्तर दक्षिन की नूप्रहारा ॥ ॥
 ॥ ऐहि पन निषिक इ कुटी सोहई ॥ नुधिर प्रवाह नोत वआई ॥ ॥
 ॥ स्नन स्नन को उजनि वासागा ॥ नेवहिगे मंज्जन सुध नासा ॥ ॥
 ॥ मंज्जन कनि सुनंद निषि आवा ॥ देखि कुटी अति क्रोध बळावा ॥ ॥
 ॥ तवहिं विचार करत मन माहिं ॥ जघ ऐक चलि आये उताहिं ॥ ॥
 ॥ तेहि सब कहि उ सकल इतिहास ॥ सुनि सुनंद न ऐको धाने वास ॥ ॥
 ॥ दोहा दीरु आपनिषि क्रोध कै नाहि किये उ विचार ॥
 ॥ बालि नास गिनि देखतै होइ जाइत न घानागा ॥ ८ ॥
 ॥ चौ तेहि उर ते वाली नहि आवत ॥ निषिके वचन जानि भय पावत ॥ ॥
 ॥ निषि भरोस तंगिनि पन रहं ॥ बालिके उर नहि विसनत कहं ॥ ॥
 ॥ यह इरास मोहि दिन अउ नाति ॥ बितावहुत जने नित छाती ॥ ॥
 ॥ दीन दुषी प्रभु सुनि निज काना ॥ बोले विहसि नाम नगवाना ॥ ॥
 ॥ सुनि सेवक दुष दीन दयाला ॥ फरकि उठे दोउ जु जाविसाला ॥ ॥

किष्किंधा०

॥३॥

॥ तवनघुपतिसुग्रीवपठावा ॥ गजे उजाइनिकटवलपावा ॥
 ॥ सुनतवालि क्रोधातुनधावा ॥ गहिकनचनननानिसमुष्टावा ॥
 ॥ सुनुपतिजिन्हिमिलेसुग्रीवा ॥ तेदोउबंधुतेजवलसीवाणा ॥
 ॥ कौशलेससुतलधि मनरामा ॥ कालहुजीतिसकहिसंग्रामा ॥
 ॥ सोनघुवीनहुदयमहुआनहु ॥ ममताधौडिकहामममानहु ॥

॥ दोहा कहावालि सुनुनीउप्रियसमदनसीनघुनाथ ॥

॥ जोकदाविमोहिमानिहहितोपुनिहोवसनाथ ॥ ११ ॥

॥ चौ असकहिवलामहाअनिमानी ॥ तनसमानसुग्रीवहिजानी ॥
 ॥ वालिदियसुग्रीवहिठाछाणा ॥ हृदयक्रोधपुनिवहुविधिवाळा ॥
 ॥ निनेउजुगलवालीअतितर्जो ॥ मुष्टिकमानिमहाधुनिगर्जो ॥
 ॥ तवसुग्रीवविकलहोइजागा ॥ मुष्टिप्रहानवज्रसमलागा ॥
 ॥ मैजोकहानघुवीनक्रपाला ॥ बंधुनहोइमोनयहकाला ॥
 ॥ ऐकरूपतुहचातादोडुगाणा ॥ तेहिअमतेनहिमानेउसोडु ॥
 ॥ कनपनसेउसुग्रीवशरीना ॥ तनजाकुलिसगईसवपीना ॥
 ॥ मैलीकंठसुमनकइमालागा ॥ पठवापुनिवलदेइविसाला ॥
 ॥ पुनिनानाविधिअईलनाईगा ॥ विटपओटदेधहिनधुनाईगा ॥

॥ दोहा वहुधलवलसुग्रीवकनहियहाननयमानि ॥

॥ मानागामवालिकहुहुदयमोहशानतानि ॥ १२ ॥

॥ चौ पनाविकलमहिसनकेलागे ॥ पुनिउठिवैठदेधिप्रनुआगे ॥
 ॥ स्यामगातसिनजटावनाऐ ॥ अनुननयनसनचापचखऐ ॥
 ॥ पुनिपुनिचितइचननचितदिन्ह ॥ सुफलजन्ममानाप्रनुचीन्ह ॥
 ॥ हृदयप्रीतिमुखवचनकठोना ॥ बोलावालिनामकइओना ॥
 ॥ धनमहेतुअवतनेउगोसाई ॥ मानिहुमोहिव्याधकीनाई ॥
 ॥ मैवेनीसुग्रीवपियाराणा ॥ काननकवननाथमोहिमना ॥
 ॥ अनुजवधूनगनीसुतनानी ॥ सुनुसठऐइकन्यासमचानी ॥
 ॥ इन्हिकुदिष्टिविलोकइजोई ॥ ताहिवधेकधुयापनहोईगा ॥
 ॥ मूढतोहिअतिसैअभिमाना ॥ नानिसिधावनकीन्हनकाना ॥
 ॥ ममनुजवलआश्रिततेहिजानी ॥ मानाचहसिअधमअभिमानि ॥

॥ दोहा सुनहु नाम प्रिय स्वामि सन चलन चातुनी मोनि ॥

॥ प्रभु अजहूं मैं पापी अंत काल गति तो निगा ॥ १३ ॥

॥ चौ सुनत नाम अतिको मलवानी ॥ बालि सी सपन से उनि जपानी ॥

॥ अचल कन उत न नाथ उपाता ॥ बालिक हा सुनु कृपा निधाना ॥

॥ कोटि कोटि मुनि जतन कराहीं ॥ अंत नाम कहि आवत नहिं ॥

॥ जा सुनाम बल शंकन काशीगा ॥ देत सब हि सम गति अविनासी ॥

॥ मम लोचन गोचर सोइ आवा ॥ बहु नि कि प्रभु अस वनि हिवनावा ॥

॥ छंद सोनयन गोचर जा सुगुन नित नेति कहि भ्रुति गावहीं ॥

॥ जिति पवन मन गोतिन सक नि मुनि ध्यान कबहु कपावहीं ॥

॥ मोहि जानि अति अभिमान वस प्रभु कहें उना सुशरीरहि ॥

॥ अस कवन सठ हठि काटि सुनत नु सींचवानि ववूरहि ॥

॥ अवनाथ कनि कुनु ना विलोकहु देहु जोवन मांगुं गा ॥

॥ जेहि जोनि जन्म हुकन मवसत है नाम पद अनु रागुं गा ॥

॥ यहूत नय मम सम विनय बल कल्याण प्रद प्रभु लीजिए ॥

॥ गहिवाह सुनन न नाह आपन दास अंगद कीजिए गा ॥

॥ दोहा नाम चरन दिख प्रीति कनि बालिको नृतन त्याग ॥

॥ सुमन माल जिमि कंठ ते गिनत न जानइ नाग ॥ १४ ॥

॥ चौ नाम बालि निज धाम पठावा ॥ नगर लोग सब व्याकुल धावा ॥

॥ नाना विधि विलाप कनताना ॥ छूटे केसन देह सँभारा गागागा ॥

॥ पुनि पुनि पानि सीस उर धुनई ॥ बदन विलोकि हृदय महे गुनई ॥

॥ मैं पतितु मूहिव हुत समुहावा ॥ काल बिबस कछु हृदय न आवा ॥

॥ अंगद कहं कछु कहइ न पायेहु ॥ बीचहिं सुर पुन प्राण पठायेहु ॥

॥ ताना विकल देखि न घुनायागा ॥ दीन्ह ग्यान हनि लीन्ह मायागा ॥

॥ छिति जल पावक गगन समीना ॥ पंचरचित अति अधम शरीना ॥

॥ प्रगट सोत नत बआगे सोवा ॥ जीव नित्य के हिल गितु मूहोवा ॥

॥ उपजा ग्यान चरन नत बलागी ॥ लीन्ह सिपन मभक्ति वनु मागी ॥

॥ उमादानु जोषित कीनाईगा ॥ सब दिन चावत नाम गोसंईगा ॥

॥ तव सुगी वहि आय सुदीन्ह ॥ मृतक कर्म विधि बत सब कीन्ह ॥

किष्किंधा०

॥४॥

॥ नाम कहल अजु जहिस मुहार्द्रा ॥ राजु देहु सुग्रीवहि जार्द्रा ॥

॥ नधुपति चनन नाइ कनिमाथा ॥ चलै सकल प्रेनित नधुनाथा ॥

॥ दोहा लछिमन तुनित बोलाए पुन जनविप्रसमाज ॥

॥ राजु दीन्ह सुग्रीवहि अंगद कहं जु वनाज ॥ १५ ॥

॥ चौ उमानाम समहित जगमहिं ॥ गुनुपितु मातु वंधुको पुनाहिं ॥

॥ सुनन न मुनिसव कइयहीति ॥ खानथला गिक नहिं सव प्रीति ॥

॥ वालि त्रास व्याकुल दिन राती ॥ तन विवन न चिंता जन छती ॥

॥ सोइ सुग्रीव कीन्ह कपि नाउ ॥ अति कृपाल नधुवीन सुजाउ ॥

॥ जानित वहुं अस प्रभुपनि हहिं ॥ कोहन विपति जालन न पनहिं ॥

॥ पुनि सुग्रीवहि लीन्ह बोलाई ॥ बहु प्रकार न पनीति सिखाई ॥

॥ कह प्रभु सुनु सुग्रीव कपीसा ॥ पुन जाउँ दश चानिव नीसा ॥

॥ गत ग्रीषम वन घानितु आई ॥ नहिं हौं निकट शैल पन छाई ॥

॥ अंगद सहित कनहु तुम्ह जाजू ॥ संतत हृदय धनेहु मम काजू ॥

॥ तव सुग्रीव चवन फिनि आए ॥ नाम प्रवन घन गिनि पन छाए ॥

॥ दोहा प्रथम हिंदे वन्हि गिनि गुहाना धेनु चिनवनाई ॥

॥ नाम कृपानिधि कथु कदिन वास कनहिं गो आई ॥ १६ ॥

॥ चौ सुंदर वन कुसुमित अतिसो जा ॥ गुंजहिं मधुपनिकन मधुलो जा ॥

॥ कंदमूल फल पत्र सुहाए ॥ भए वहुत जवतें प्रभु आए ॥

॥ देखि मनोहन सैल अनूपा ॥ नहेत है अनुज सहित सुन नूपा ॥

॥ मधुकनषगमगत नुध निदेवा ॥ कनहिसिद्ध मुनि प्रभु कइ सेवा ॥

॥ मंगल नूपन एउवनत वतें ॥ कीन्ह निवास नमापति जवतें ॥

॥ फरि कशिला अति सुभ्र सुहाई ॥ सुख आसीनत हौं दोउ भाई ॥

॥ कहत अनुज सनकथा अनेका ॥ भगति विनति नृपनीति विवेका ॥

॥ वनघा काल मेघन न छाए ॥ गन जत लागत पनम सुहाए ॥

॥ दोहा लछिमन देखहु मोन गन नौ चतवा निदपेधि ॥

॥ ग्रहि विनति नति हन घजस विष्णु भगत कहं देखि ॥ १७ ॥

॥ चौ घनघमंडन भगन जत घोरा ॥ प्रियाहि नउन पतमन मोना ॥

॥ दामिनि दमकिन हत घनमाहिं ॥ चलै के प्रीति जथाधिन नाहिं ॥

॥ वनधरिजलधिन्नमिनिपराए ॥ जथानवहिवुधविद्यापाए ॥
 ॥ बुंदअघातसहहिगिनिकेसैं ॥ षलकेवचनसंतसहजैसैं ॥
 ॥ छुद्रनदीननिचलीतोनाई ॥ जसथोनेहिधनषलइतराई ॥
 ॥ भूमिपनतनाठावनपानी ॥ जनुजीवहिमायालपटानी ॥
 ॥ समिटिसमिटिजलन्नरहितलावा ॥ जिमिसदगुनसजुनपरहिआवा ॥
 ॥ सनिताजलजलनिधिमहुंजाई ॥ होइअचलजिमिजिवहमिपाई ॥
 ॥ **देहा** हनितन्नमितनसंकुलसमुद्रिपनतनहिपंथ ॥
 ॥ जिमिपाषंडप्रवादतैंगुपतहेहिंसदग्रंथगा ॥ १८ ॥
 ॥ **बोदा**दुनधुनिचहुंदिशासुहाई ॥ वेदपढहिंजनुवदुसमुदाई ॥
 ॥ नवपद्मवन्नऐविटपअनेका ॥ साधकमनजसमितेविवेका ॥
 ॥ अनकजवासपातविनुनऐउ ॥ जससुनाजषलउद्यमगऐउ ॥
 ॥ षोजतकतहुंमिलेनहिधूनी ॥ कनहिकोधजिमिधर्महिदूनी ॥
 ॥ ससिसंपन्नसोहमहिंकेसी ॥ उपकारीकेनिसंपत्तिजैसी ॥
 ॥ निसितमधनषदोतविनाजा ॥ जनुदंनिक्कनमिलासमाजा ॥
 ॥ महावृष्टिचलिफूटिकियानी ॥ जिमिसुतंत्रनऐविगनहिंनानी ॥
 ॥ कृषानिनावहचतुनकिसाना ॥ जिमिवुधतजहिमोहमदमाना ॥
 ॥ देधिअतचक्रवाकषगनाहिं ॥ कलिहिपाइजिमिधर्मपनाहिं ॥
 ॥ ऊसनवनधहितननहिजामा ॥ जिमिहनिजनहियउपजनकामा ॥
 ॥ विविधजंतुसंकुलमहिआजा ॥ प्रजावाढजिमिपाइसुनाजागा ॥
 ॥ जहंतहंनहेपथिकथकिनाना ॥ जिमिइंद्वागनउपजेग्यानगागा ॥
 ॥ **देहा** कवहुंप्रवलचलेमानुतजहंतहंमेघविलाहिं ॥
 ॥ जिमिकपूतकेउपजैंकुलकेधनमनसाहिं ॥ १९ ॥
 ॥ कवहुंदिवसमहंनिविउतमकवहुंकप्रगटपंतग ॥
 ॥ विनसैउपजैग्यानजिमिपाइकुसंगसुसंग ॥ २० ॥
 ॥ **बो**वनषाविगतसनदनिनुआई ॥ लघिमनदेखहुपरमसुहाई ॥
 ॥ फूलेउकांससकलमहिघाई ॥ जनुवनषाकतप्रगटवुछाई ॥
 ॥ उदितअगस्तिपंथजलसोषा ॥ जिमितोन्नहिसोषइसंतोषा ॥
 ॥ सनितासननिर्मलजलसोहा ॥ संतहुदयजसगतमदमोहा ॥

किंकिंधा०

॥५॥

॥ नसनसससससनिनसनपानी ॥ ॥ ममतात्यागकरहिंजिमिग्यानी ॥
 ॥ जानिसनदनितुषंजनआऐ ॥ पाइसमयजिमिसुकुतसोहोऐ ॥
 ॥ पंकननेनुसोहअतिधननी ॥ नीतिनिपुननपकइजसिकननी ॥
 ॥ जलसंकोचविकलनइमीना ॥ अबुधकुटुंबीजिमिधनहीना ॥
 ॥ विनुघननिर्मलसोहआकासा ॥ हनिजनइवपनिहनिसवआसा ॥
 ॥ कहंकहुंरुष्टिशानदनितुथोनी ॥ कोउऐकपावन्नक्तिजिमिमोनी ॥
 ॥ दोहा बलेहनधितजिनगननपतापसवनिकन्निषानि ॥
 ॥ जिमिहनिभगतिपाइअमतजहिंआअमीचानि ॥ २० ॥
 ॥ चौ सुषीमीनजेइनीनअगाधा ॥ जिमिहनिशानननऐकउवाधा ॥
 ॥ फूलेकमलसोहसनकेसा ॥ निगुनब्रह्मसगुननऐजैसा ॥
 ॥ गुंजतमधुकनमुषनअनूपा ॥ सुंदनधगनवनानाचूपाणा ॥
 ॥ बक्रवाकमनदुषनिसिपेयी ॥ जिमिदुनजनपनसंपतिदेयी ॥
 ॥ चातकनटततयाअतिबोही ॥ जिमिसुषलहइनसंकनद्रोही ॥
 ॥ सनदातपनिसिससिअपहनई ॥ संतदनसजिमिपातकटनई ॥
 ॥ देखिइंदुचकोनसमुदाईगाणा ॥ चितवहिंजिमिहनिजनहनिपाई ॥
 ॥ मसंकउंसीतेहिमत्रासाणा ॥ जिमिदिजद्रोहकिऐकुलनासा ॥
 ॥ दोहा भूमिजीवसंकुलनहेगऐशानदनितुपाइगाणा ॥
 ॥ सदगुनमितेजाहिंनसिसकलनरमसमुदाइ ॥ २१ ॥
 ॥ चौवनयागतनिर्मलनितुआई ॥ सुधिनतातसीताकइपाईगाणा ॥
 ॥ ऐकवानकेसेहुंसुधिजानौ ॥ कालहुजीतिनिमिषमहंआनौ ॥
 ॥ कतहुंनहइजोजीवतिहोईगाणा ॥ तातजतनकनिआनउसोई ॥
 ॥ सुग्रीबहुसुधिमोनिविसानी ॥ पाऐउनाजकोशपुननानीगाणा ॥
 ॥ जेहिसायकमानहुंमैवाली ॥ तेहिसन हतौमूखकहुंकाली ॥
 ॥ जासुकुपाष्टहिंमदमोहा ॥ ताकहुंउमाकिसपनेहुकोहा ॥
 ॥ जानहियहचनित्रमुनिग्यानी ॥ जिरुनघुबीनचननरतिमानी ॥
 ॥ लछिमनक्रोधवंतप्रनुजाना ॥ धनुषचढाइगोहेउकरवाना ॥
 ॥ दोहा तवअनुजहिसमुहावानघुपतिकनुनासीव ॥
 ॥ भयदियाइलैआबहुतातसखासुग्रीवगाणा ॥ २२ ॥

॥ **चौ** इहंपवनसुतहृदयविद्याना ॥ नामकाजसुग्रीवविसाना ॥
 ॥ निकटजाइचननन्हिसिनुनावा ॥ वापिहुविधितेहिकहिसमुहावा ॥
 ॥ सुनिसुग्रीवपनमनयमानाणा ॥ विषयमोनहमिलीनेउग्याना ॥
 ॥ अवमानुतसुतदूतसमूहाणा ॥ पठवहुजहंतह्वाननजूहा ॥
 ॥ कहेउपायमहंआवनजोईणा ॥ मोनेकनताकनवधहोईणा ॥
 ॥ तवरुनिमंतवोलाऐन्हिदूता ॥ सबकनकनिसनमानवहूता ॥
 ॥ नयअनुप्रीतिनीतिदिषनाई ॥ बलेसकलचननन्हिसिनुनाई ॥
 ॥ ऐहिस्रवसनलछिमनपुनआऐ ॥ क्रोधदेखिजहंतहंकपिधाऐ ॥
 ॥ **दोहा** धनुषचलाइकहेउतवजानिकनउपुनछन ॥

॥ वाकुलनगनदेखितवआऐउवालिकुमान ॥ २३ ॥

॥ **चौ** चनननाइसिनविनतीकीन्हि ॥ लछिमनअनयवोहतेहिदिन्हि ॥
 ॥ क्रोधवंतलछिमनसुनिकाना ॥ कहकपीसअतिनयअकुलना ॥
 ॥ सुनुहनिमंतसंगलइतानाणा ॥ कनिविनतीसमुहावकुमाना ॥
 ॥ तानासहितजाइहनुमानाणा ॥ चननवंदिप्रनुसुजसुवधाना ॥
 ॥ कनिविनतीमंदिनलइआऐ ॥ चननपषानिपलंगवैठाऐणा ॥
 ॥ तवकपीसचननन्हिसिनुनावा ॥ गहिनुजलछिमनकंठलगावा ॥
 ॥ नाथविषयसममदकछुनाहो ॥ मुनिमनमोहकनेछिनमाहो ॥
 ॥ सुनतविनीतवचनसुषपावा ॥ लछिमनतेहिवहुविधिसमुहावा ॥
 ॥ पवनतनयसबकथासुनाई ॥ जेहिविधिगऐदूतसमुदाईणा ॥

॥ **दोहा** हनखिचलेउसुग्रीवतवअंगदादिकपिसाथ ॥

॥ नामअनुजआगेकनेउआऐउजहंनधुनाथ ॥ २४ ॥

॥ **चौ** नाइचननसिनकहकरजोरी ॥ नाथमोहिकछुनाहिनयोरी ॥
 ॥ अतिसयप्रवतदेवतवमाया ॥ जेहिनमोहअसकोजगजाया ॥
 ॥ विषयवस्यसुननरमुनिस्वामी ॥ मैपावनपसुकपिअतिकामी ॥
 ॥ नानिनयनशानजाहिनलागा ॥ घोरक्रोधतमनिसिसोइजागा ॥
 ॥ लेम्नपासजेहिंगननबंधाया ॥ सोननतुम्हसमाननधुनाया ॥
 ॥ यहगुनसाधनतेनहिहोईणा ॥ तुम्हनीकृपापावपुनिकोई ॥
 ॥ तवनधुपतिवोलेमुसुकाई ॥ तुम्हपियमोहिननतजिमिनाई ॥

किष्किंधा०

॥६॥

॥ अब सोइ जतन कनहु मनलाई ॥ जेहि विधि होइ सीता सुधि पाई ॥

॥ दोहा ॥ ऐहि विधि होत वतक ही आऐवां न नजूथ ॥ ॥

॥ नाना बीन सकल दिशि देखि अत की सव रूथ ॥ २५ ॥

॥ चौ ॥ वांन न कटक उमामइ देखा ॥ सो मूनुष जो कनइ चह लेखाणा ॥

॥ आइ नाम पद नावहि मायाणा ॥ निन धिबदन सव होहि सनाथा ॥

॥ अस कपि ऐक न सै नामा हींणा ॥ नाम कुशल जेहि पूंछि न हींणा ॥

॥ यह कछु नहि प्रभु के अधिकई ॥ विस्वरूप व्यापक न धुनाईणा ॥

॥ ठांजे जहत हं आय सुपाईणा ॥ कह सुग्रीव सवहि समुहाईणा ॥

॥ नाम काज अनुमो न होना ॥ वांन न जूथ जाहु चहु ओनाणा ॥

॥ जनक सुता कह्यो जहु जाई ॥ मास दिवस मह आऐ उनाईणा ॥

॥ अवध मेटि जे विनु सुधि पाऐ ॥ आवै न हितो मोहि मनाऐणा ॥

॥ दोहा ॥ वचन सुनत सव वांन न जहत हं चले उतुनंत ॥

॥ तव सुग्रीव बोलाऐ उअंग दन लहनु में ॥ त ॥ २६ ॥

॥ चौ ॥ सुनहुं नील अंग दहनु माना ॥ जामवंत मति धीन सुजानाणा ॥

॥ सकल सुभट मिलि दखिन जाहु ॥ सीता सुधि पूंछेहु सव काहुणा ॥

॥ मन क्रम वचन सो जतन विचानेहु ॥ नाम चंद्र कन काज सवानेहुणा ॥

॥ नाम चंद्र कनहु दय विलोका ॥ मिटिहि सकल तव संशय सोका ॥

॥ देह धने कन यह फल नाईणा ॥ नजिय नाम सव काम विहाईणा ॥

॥ नानु पीठि सेइ अउन आगीणा ॥ स्वामिहि सर्व ना वध लत्यागी ॥

॥ जिमि मायात जिह निपद सेई ॥ तिमि परलोक शुद्ध कनितेई ॥

॥ सोइ गुन ग्यान सोइ वडनागी ॥ जो न धुबीन चरन अनुनागी ॥

॥ आय सुमागि चरन सिनु नाई ॥ चले हन धिसुमिन तन धुनाई ॥

॥ पाछे पवन तनय सिनु नावा ॥ जानिकाज प्रभु निकट बोलावा ॥

॥ परसा सीस सरोनु हपानीणा ॥ कन मुद्रिका दीन्ह जन जानीणा ॥

॥ बहु प्रकान सीतहि समुहाऐहु ॥ कहि बल विन हवे गितु मूआऐहु ॥

॥ हनु मत जन्म सुफल कनिमाना ॥ चले उहु दय धनि कृपानिधाना ॥

॥ जद्यपि प्रभु जानत सव वाता ॥ नाजनीति नायत सुन ताताणा ॥

॥ दोहा ॥ चले सकल वन छो जत सन सनिता गिनि ओह ॥

॥ नामका जलयलीन मन विसनातन कन छोह ॥ २७ ॥
 ॥ चौकतहु होइ निसिचन सेनेटा ॥ प्रान लेहि ऐक ऐक चपेटा गा ॥
 ॥ बहु प्रकार गिनिकान नहे नहिं ॥ कोउ मुनि मिलहिं ताहि पुनि घेनीहिं ॥
 ॥ लागि त्रिषा अतिसय अकुलाने ॥ मिलइन जलवन गहन नुलाने ॥
 ॥ मन हनु मान कीन्ह अनुमाना ॥ तजन चहत सब विनु जल प्राना ॥
 ॥ चछि गिनिसिषन चहुं दिसि देखा ॥ भूमि विवन ऐक को तु कपे घी ॥
 ॥ चक्र वाक वक हंस उडाहिं गा ॥ बहुत कषग प्रविसहिं तेहि महिं ॥
 ॥ गिनिते उत निपवन सुत आवा ॥ सब कहुं लेइ सुविवन दिखावा ॥
 ॥ आगे कनि हनु मंतहि लीला गा ॥ पैठे विवन विलंवन कीला गा ॥

॥ दोहा दीष जाइ उपवन वरसन विगसित बहु कंज ॥

॥ मंदिर ऐक नुचिन तहं वैठि नाति तप पुंज गा ॥ २८ ॥

॥ चौदू निते ताहि सब नृसिनु नावा ॥ पूंछे सिनिज विन तंतु सुनावा ॥
 ॥ तेहि तव कहें उकनहु जल पाना ॥ घाहु सनस सुंदर फल नाना गा ॥
 ॥ मज्जन कीन्ह मधुन फल पाए ॥ तासु निकट पुनि सब चलि आए ॥
 ॥ तेहि सब आपनिकथा सुनाई ॥ मै अवजाव जहान धुनाई गा ॥
 ॥ मूंदहु नयन विवन तजि जाहू ॥ पैहु सीताहि जनि पाछिताहू ॥
 ॥ नयन मूंदि पुनि देखहिं बीना गा ॥ ठाछे सकल सिंधु के तीना गा ॥
 ॥ सो पुनि गई जहान धुनाथा गा ॥ जाइ जु गुल पदनाए उनाथा ॥
 ॥ नाना भौति विनय तेहि कीन्ह ॥ अनपावनी नगति प्रनु दीन्ह ॥

॥ दोहा वदनीवन कहुं सो गई प्रनु अगपाध नि सीस ॥

॥ उनध निनाम चरन जु गजे वंदित अजईस ॥ २९ ॥

॥ चौइहां विचारहिं कपि मन माहिं ॥ बीती अवधिका नुकषु नाहिं ॥
 ॥ सब मिलि कहहिं परसपन वाता ॥ विनु सुधि लिऐ कहव का आता ॥
 ॥ कह अंगद लोचन न निवानी ग ॥ इहु प्रकार न इमत्युह मानी ॥
 ॥ इहां न सुधि सीता कह पाई गा ॥ उहां गए मानिहि कपि गई ॥
 ॥ पिता वधे परमानत मोहि गा ॥ राखाना मनि होना बोहि गा ॥
 ॥ पुनि पुनि अंगद कह सब पाहिं ॥ मन न चऐ उकषु संशय नाहिं ॥
 ॥ अंगद वचन सुनै कपि बीना गा ॥ बोलिन सकहि नयन वहनीना ॥

किंकिंधा०

॥७॥

॥छनऐकसोचमगनहोइगऐउ॥॥पुनिअसवचनकहतसवभेऐउ॥
 ॥हमसिताकैविनुसुधिलीने॥॥नहिजइहहिजुवनाजप्रवीने॥
 ॥असकहिलवनसिंधुतटजाई॥वैठेकपिसवदूवउसाईगागागा॥
 ॥जामवंतअंगदुषदेक्षीगागा॥कहिकथाउपदेशविसेषीगागा॥
 ॥तातनामकहंनरजनिमानहु॥निगुनब्रह्मअगमअजजानहु॥
 ॥हमसवसेवकअतिवउत्तागी॥संततसगुनब्रह्मअनुनागीगा॥

॥**दोहा**॥ निजइछाअवतनइपनुसुनमहिगोहिजलागी॥

॥सगुनउपासिकसंगतहनहहिंमोक्षसवत्यागीगा॥३०॥

॥**चौ**॥ ऐहिविधिकथाकहहंहुजाँती॥गिनिकंदरासुनेउसंपातीगा॥
 ॥वाहेनहोइदेखेसिवहुकीसागा॥मोहिंअहारदीन्हजगदीसा॥
 ॥आजुसवहिकहंनछनकनऊं॥दिनवहुचलेअहारविनुमनऊं॥
 ॥कवहुनमिलननिउदनअहमा॥आजुदीन्हविधिऐकहिवारा॥
 ॥उरपेगीधवचनसुनिकानागा॥अवनामननसत्यहमजाना॥
 ॥कपिसवउठेगीधकहंदेक्षीगा॥जामवंतमनसोचविशेषीगा॥
 ॥कहअंगदविचानिमनमाहिं॥धन्यजरायुसमानकोउनाहिं॥
 ॥नामकाजकाननतनुत्यागी॥॥हनिपुनगऐउपरमवउत्तागी॥
 ॥जोनघुपतिचननन्हिबुलावै॥तेहिसमआननधन्यकहावै॥
 ॥सुनिषगहनषशोकजुतवानी॥आवानिकटकपिन्हनयमानी॥
 ॥ताहिदेखिसवचलेउपनाईगा॥ठाठकीन्हतेहिसपथदिवाई॥
 ॥तिन्हहिंप्रेमसनपूँछेसिजाई॥कथासकलतिन्हताहिसुनाई॥
 ॥सुनिसंपातिबंधुकइकननी॥रघुपतिमहिमावहुविधिवरनी॥

॥**दोहा**॥ चलहुमोहिलेसिंधुतटदेउतिलांजुलिताहि॥

॥वचनसहाइकनवमैंपइहुषोजहुजाहिगा॥३१॥

॥**चौ**॥ अनुजक्रियाकनिसागरतीरा॥कहनिजकथासुनहुंकपिवीरा॥
 ॥हमदोउबंधुप्रथमतनुनाई॥॥गगनगऐनविनिकटउडाईगा॥
 ॥तेजनसहिसकसोफिनिआवा॥मइअभिमानीनविनियनावा॥
 ॥जिमिजिमिमैनविनिकटउडाउं॥तिमितिमिकछुवाकुलहोइजउं॥
 ॥जनेपंषअतितेजअपारागा॥पनेउंनूमिकनिघोचचिकाना॥

॥ मुनि ऐक नाम चंद्रमा बोहि ॥ ॥ लागी दया देखि कनि मोहि ॥
 ॥ बहु प्रकार तेहि ग्यान सुनावा ॥ देह जनित अग्निमान घडावा ॥
 ॥ त्रेता ब्रह्म मनु जतनु धरि हीं ॥ ता सुना निनि सिचन पतिहि हीं ॥
 ॥ ता सुषोज अइहि प्रभु दूता ॥ तिरुहि मिले ते होव पुनीता ॥
 ॥ जामिहि पंथ कनसि जनि चिता ॥ तिरुहि दिखाइ देसिते सीता ॥
 ॥ यह कहि मुनि आश्रमनि जगेण्डु ॥ तेहि छन हृदय ग्यान कछु भेण्डु ॥
 ॥ सदानाम कन सुमिन कन कुं ॥ ऐहि विधि मग जो वत मेने कुं ॥
 ॥ मुनि कै गिना सत्य ने आजूगा ॥ सुनि मम वचन कनहु प्रभुकाजू ॥
 ॥ गिनि त्रिकूट उपवन सलंकाणा ॥ तहं नहरावन सहज असंका ॥
 ॥ तहं शोक उपवन जहं न हर्द ॥ सीता वैठी सोचत अहं गा ॥
 ॥ **रोहा** मैं देखौं तुम्हना हीं गीधहि दिष्टि अपान ॥
 ॥ बछन ऐउ नत कन ते उंक छुक सहाय तुलान ॥ ३२ ॥
 ॥ **बौ** जो नां ध्ये शत योजन सागन ॥ कनै सो नाम काज मति आगन ॥
 ॥ जो इक छुक न इनाम कन काजू ॥ तेहि सम धन्य आननहि आजू ॥
 ॥ मोहि विलोकि धनहु मति धीरा ॥ नाम कृपा कस न ऐउ शरीरा ॥
 ॥ पापी उजा कन नाम सुमिन हीं ॥ अति अपान भव सागन तन हीं ॥
 ॥ ता सुदूत तुम्ह कस कै दना कुणा ॥ नाम हृदय धनिक न हूउ पाउ ॥
 ॥ अस कहि गनु डगीध जव गऐउ ॥ तिरु के मन अस संशय न ऐउ ॥
 ॥ निज निज बल सब कस सुसाणा ॥ पान जाइ कन संशय राधा ॥
 ॥ जन ठन ऐउ अस कहइ निछेसा ॥ नाहिन रहा प्रथम बल लेसा ॥
 ॥ जवहि त्रिविक्रम न ऐउ धरा नी ॥ तव मैं तनु न हेउ बल नानी ॥
 ॥ **रोहा** बलि बांधत प्रभुवाळे उ सोत नवन निन जाइ ॥
 ॥ **उन्नय** घनीमहिं दीन्हि उंसात प्रदहिन धाइ ॥ ३३ ॥
 ॥ **बौ** अंगद कहइ जाउ मै पाना ॥ जिय संशय कछु फिरती वाना ॥
 ॥ जामवंत कहतुम्ह बल लायक ॥ पठइय किमि सबहि कन नायक ॥
 ॥ कहइ नीछ पतिसुनु हनुमाना ॥ काचु पसाधिन हेउ बलवाना ॥
 ॥ पवन तनय बल पवन समाना ॥ बुधि विवेक विग्यान निधाना ॥
 ॥ कवन सो काज कठिन जगमहिं ॥ जो नहि तात होइ तुम्ह पाहिं गा ॥

किष्किंधा०

॥८॥

॥ नामका जल गित व अ व त्ताना ॥ सुनत न ऐ उप न व त्त आका ना ॥
 ॥ कनक व न न त न ते ज वि ना जा ॥ मान हुं अप न गि नि न्ह क न ना जा ॥
 ॥ सिंह ना द क नि वा न हि वा ना ॥ ली ल हिं नां घ उ ज ल नि धि या ना ॥
 ॥ सहित सहा इ ना व न हि मा नी ॥ आ नौं इ हा त्रि कू ट उ पा नी णा ॥
 ॥ जाम वं त म इ पूं छ हु तो हि णा ॥ उ चित सि या व न दी जे हु मो हि ॥
 ॥ इ त ना क न हु ता त तु म्हा जा ई ॥ सी त हि दे धि क ह हु सु धि आ ई ॥
 ॥ ऐ हि ते अ धि क सि या व न न हिं ॥ वे गि क न हु तु म्हा धि नि म न मा हिं ॥
 ॥ त व नि ज व ल नु ज ना जि व न य ना ॥ कौ तु क ला गि स ग क पि स य ना ॥
 ॥ धर क पि से न स ग सें घा नि नि सि च न रा म सी त हि आ नि है ॥
 ॥ त्रै लो क पा व न सु ज सु सु न मु नि ना न दा दि व या नि है ॥
 ॥ जो सु न त गा व त्त क ह त्त स मु द्त त प न म प द न न पा व ई ॥
 ॥ न धु बी न प द पा थो ज म धु क न दा स तु ल सी गा व ई ॥
 ॥ दो हा न व न्ने ष ज न धु ना थ ज स सु न हिं जे न न अ नु ना सि ॥
 ॥ ति न्ह क न स क ल म नो न था सि छ क न हिं त्रि पु न सि णा ॥
 ॥ से न ठा नी ल क म ल द ल स्या म ॥ का म को टि शो ना अ धि क ॥
 ॥ सु नि य ता सु गु न ग्राम ॥ जा सु ना म अ ध य ग व धि क ॥ ३४ ॥
 ॥ इ ति श्री ना म च नि त्र मा न से स क ल क लिक लु ष वि ध्वं स ने वि सु द्ध ॥
 ॥ सं तो ष सं पा दि नी ना म च तु र्थो सो पा न ॥ ॥ कि ष्किं धा कां ड स मा ष्टः ॥
 ॥ शु न्न म स्तु ॥ सं व त्त ॥ १८ ५१ ॥ स म य आ व णे मा सि शु क्त प द्मे च तु र्द ॥
 ॥ श्या न वि वा स ने ॥ लि खित मि दं पु त्त कं पां डे स दा सि वे न ॥ श्री म त् ॥
 ॥ गो सां ई हे म गि नि म हं त्त स्य पा ठार्थ शु न्न नू या त् ॥ रा म रा म रा म ॥

॥ श्रीगणेशायनमः ॥ श्रीरामानुजायनमः ॥ श्रीजानकीवत्सुनोवि ॥
 ॥ जयते ॥ ॥ शान्तं शाश्वतमप्रमेयमनाद्यनिर्वाणशान्तिप्रदं ब्रह्मांशं ॥
 ॥ भुवणान्द्रसेवामनिशं वेदांतवेद्यं विभुं रामाख्यं जगदीश्वरं सुरगुं ॥
 ॥ हं माया मनुष्यं हरिं वंदे हं कुरुणाकरं रघुवरं भूपालचूडामणिं ॥ १ ॥
 ॥ नान्यास्य हारधुपते हृदये स्मदीये सत्यं वदामि च न वानि विलान्नरा ॥
 ॥ त्मा ॥ भक्तिं प्रयच्छ रघुपुंगवनिर्भरामे कामादिदोषरहितं कुरु मा ॥
 ॥ न संच ॥ २ ॥ अतुलितवलधामं स्वर्णशैलभदे हं दनुजवनकृशानुं ॥
 ॥ ज्ञानिनामग्रगण्यम् ॥ सकलगुणनिधानं वानराणामधीशं रघुं ॥
 ॥ वरप्रियदूतं वातजातं नमामि ॥ ३ ॥ रामरामरामरामरामरामराम ॥
 ॥ चै ॥ जामवंतके वचनमुहायेणा ॥ सुनिहं नुमंत हृदयश्रुतिनाये ॥
 ॥ तवलगिमोहिपरिषियहुनाई ॥ सहिदुषकंदमूलफलसाई ॥
 ॥ जवलगिआवहुं सीताहिंदेयीणा ॥ हेहि काजमोहिहरषविशेषी ॥
 ॥ असकहिनाइ सवन्कहं माया ॥ बलेउहरषिहियधनिनघुनाया ॥
 ॥ सिंधुतीनऐकअधरसुंदरणा ॥ कौतुककूदिचळेउताउपनणा ॥
 ॥ वानवाननघुवीरसंभारीणा ॥ तनकेउपवनतनयवलजारी ॥
 ॥ जिहिगिनिचनदीन्हनुमंता ॥ चलिसोगाऐउपतालतुनंता ॥
 ॥ जिमिअमोघनघुपतिकनवाना ॥ ऐहियनोतिचलेउहनुमाना ॥
 ॥ जलनिधिरघुपतिदूतविचारी ॥ तुममैनाकहोहुअमहारीणा ॥
 ॥ सोनठासिंधुवचनउनआनि ॥ तुनतउंठेउमैनाकतव ॥
 ॥ कपिकहंकीन्हप्रनाम ॥ पुलकिततनकनजोनिकनि ॥
 ॥ दोहाहनुमानतेहिपनसेउकनतेकीन्हप्रनामणा ॥
 ॥ नामकाजकीन्हविनामोहिकहोविश्रामणाणा ॥ १ ॥
 ॥ चै ॥ जातपवनसुतदेवन्हदेवा ॥ जानैकहंवलबुद्धिविशेषाणा ॥
 ॥ सुनसानामअहिन्हकइमाता ॥ पठईआइकहीतेइवाता ॥
 ॥ आजुसुनन्हमोहिदीन्हअहाना ॥ सुनतवचनकरपवनकुमाना ॥
 ॥ नामकाजकनिमैफिनिआवहुं ॥ सीताकेसुधिप्रनुहिसुनावहुं ॥
 ॥ तवतुअवदनपैठिहुंआई ॥ सत्यकहहुंमोहिजानदेमाईणा ॥
 ॥ कवनहुंजतनदेइनहिजाना ॥ ग्रससिनमोहिकहेउहनुमाना ॥

सुंदर०

॥१॥

॥ जोजनननितेहिं वदनपसाना ॥ कपितनुकीन्ह दुगुनविस्ताना ॥
 ॥ सोनहजोजनमुखतेहिं ठपेऊ ॥ तुनतपवनसुतवत्तिसन्नपेउ ॥
 ॥ जसजससुनसावदनवढावा ॥ तासुदुगुनकपिरूपदिखावा ॥
 ॥ सतजोजनतेहिं आननकीन्ह ॥ अतिलघुरूपपवनसुतलीन्ह ॥
 ॥ वदनपैठिपुतिवाहिनआवा ॥ मांगीविदाताहिसिनुनावाणा ॥
 ॥ मोहिसुनन्हजेहिलागिपठावा ॥ बुधिवलमनमतोनमइपावा ॥

॥ दोहा ॥ नामकाजसवकनवतुम् बुधिवलरूपनिधान ॥

॥ आसिषदेइसुनसाचलीहनधिचलेउहनुमान ॥२॥

॥ चैनिसिचनएकसिंधुमहं नहई ॥ कनिमायाननकेषगगहई ॥
 ॥ जीवजंतुजेइगगनउडांहीगा ॥ जलविलोकितिन्हकीपनिधैहिं ॥
 ॥ गहैछौहसकसोनउडांहीगा ॥ ऐहिविधिसदागगनचनधई ॥
 ॥ सोइछलहनूमानकहकीन्ह ॥ तासुकपटकपितुनतहिचीन्ह ॥
 ॥ ताहिमानिमाउतसुतवीनाणा ॥ वासिधिपानगपेउमतिधीना ॥
 ॥ तहंजाइदेखीवनसोनाणा ॥ गुंजतचंचनीकमधुलोनाणा ॥
 ॥ नानातनुफलफूलसुहाए ॥ षगमगवंददेखिमननाएगा ॥
 ॥ शैलविसालदेखिकुषिआगे ॥ तापनधाइचढेउन्नयत्यगे ॥
 ॥ उमानकछुकपिकइअधिकई ॥ प्रनुप्रतापसोइकालहिखाई ॥
 ॥ गिनिपनचछिलंकातेहिदेखी ॥ कहिनजाइअतिदुर्गविशेखी ॥
 ॥ अतिउतंगजलनिधिचहुपासा ॥ कनककोटकनपनमप्रकासा ॥

॥ छंद ॥ कनककोटविचित्रमनिकृतसुंदरायतअतिधना ॥

॥ चौहदहाटसुन्नगवीथीचानुपुनबहुविधिवना ॥

॥ गजवाजिषिचननिकनपदचननथबनूथनिकोगनै ॥

॥ बहुरूपनिसिचनजथअतिवलसेनवननतनहिवनै ॥

॥ वनवागउपवनवाटिकासनकूपवापीसोहहींगा ॥

॥ नरनागसुनगंधर्वकन्यारूपमुनिमनमोहहींगा ॥

॥ कहूंसह्यदेहविशालशैलसमानअतिवलगजहैं ॥

॥ नानाअषानेन्हजिनहिवहुविधिऐकऐकनूतजहैं ॥

॥ कनिजतनननटकोटिन्हनिकनअतिनगनचहुदिसिनहैं ॥

॥ कहुं महिषमानुषधेनुषनअजवलनिसाचननहहिं ॥
 ॥ ऐहिलागितुलसीदासइन्कीकथासंछेपहिकही ॥
 ॥ नधुवीनसनतीनथशनीनरुत्यागिगतिपैहहिसही ॥
 ॥ दोहा पुननखवानेदेखिवहुकपिमनकीन्हविचान ॥
 ॥ अतिलघुनूपधनहुंनिसिनगनकरहुपइसा ॥ ३ ॥
 ॥ चौमसकसमानरूपकपिधनी ॥ ॥ लंकहचलेउसुमिनिननहनी ॥
 ॥ नामलंकिनीऐकनिसिचनीणा ॥ ॥ सोकहचलेसिमोहिनिंदनीणा ॥
 ॥ जानइनाहिमनमसठमोना ॥ ॥ मोनअहानलंककनचोना ॥
 ॥ मुष्टिकऐकताहिकपिहनीणा ॥ ॥ नुधिनवमतधननीठनमनी ॥
 ॥ पुनिसंचानिउठीसोइलंकाणा ॥ ॥ जोनिपानिकनविनयससंका ॥
 ॥ जवनावनहिंब्रह्मवनदीन्हा ॥ ॥ चलतविनचिकहेउमोहिचीन्हा ॥
 ॥ विकलहोसिजवकपिकेमाने ॥ ॥ तवजानेसुनिसिचनसंघाने ॥
 ॥ तातमोनअतिपुन्यबहुताणा ॥ ॥ देखेउनयनरामकनदूता ॥
 ॥ दोहा तातस्वर्गअपवर्गसुषधनियतुलाऐकअंग ॥
 ॥ तुलइनताहिसकलमिलिजोसुषलवसतसंग ॥ ४ ॥
 ॥ चौप्रविसिनगनकीजेसदकाजा ॥ ॥ हृदयनाधिकोशालपुनराजा ॥
 ॥ गनलसुधानिपुकनइमिताई ॥ ॥ गोपदसिंधुअनलसितलाई ॥
 ॥ गनुअसुमेनेनुसमताहीणा ॥ ॥ रामकृपाकनिचितवतजाहि ॥
 ॥ अतिलघुनूपधनेउहनुमाना ॥ ॥ पैठेउनगनसुमिनिनगवाना ॥
 ॥ मंदिनमंदिनप्रतिसवसोधा ॥ ॥ देखेजहंतहंअतुलितजोधा ॥
 ॥ गऐउदसाननमंदिनमाहीणा ॥ ॥ अतिविचित्रकहिजातसोनहिं ॥
 ॥ सयनकिऐदेखाकपितेहीणा ॥ ॥ मंदिनमहंनदीधिबैट्टेहीणा ॥
 ॥ भवनऐकपुनिदीषसुहावा ॥ ॥ हनिमंदिनतहंनिन्नवनावा ॥
 ॥ दोहा रामअयुधअंकितग्रहशेनावननिनजाइ ॥
 ॥ नवतुलसीकोबंदतहंदेखिहूनधिकपिनाइ ॥ ५ ॥
 ॥ चौलंकानिसिचननिकननिवासा ॥ ॥ इहांकहांसज्जनकनवासा ॥
 ॥ मनमहंतनककनेकपिलागा ॥ ॥ तासीसमयबिनीधनजागा ॥
 ॥ रामरामतेइसुमिननकीन्हा ॥ ॥ हृदयहनधिकपिसज्जनकीन्हा ॥

सुंदर०

॥२॥

॥ ऐहिसनहठिकनिहोंपहिचानी ॥ साधुतेहोइनकानजहानी ॥
 ॥ विप्ररूपधनिवचनसुनाऐ ॥ सुनतविभीषनउठितहैंआऐ ॥
 ॥ कनिप्रनामपूँछीकुशलाई ॥ विप्रकहहुनिजकथाबुझाई ॥
 ॥ कीतुमहनिदासनमहेंकोई ॥ मोनैंहृदयप्रीतिअतिहोई ॥
 ॥ कीतुमहनामदीनअनुनागी ॥ आऐहुमोहिकननवउचागी ॥

॥ दोहा तवहुनुमंतकहासवरामकथानिजनाम ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ सुनतजुगलतनपुलकमनमगनसुमिनिगुनग्राम ॥ ॥

॥ चौ सुनहुंपवनसुतनहनिहमानी ॥ जिमिदशननूमहजीमिविचानी ॥
 ॥ तातकबहुमोहिजानिअनाथा ॥ कनिहहिक्रपाभानुकुलनाथा ॥
 ॥ तामसतनकछुसाधननहीं ॥ प्रीतिनपदसरोजमनमाहीं ॥
 ॥ अवमोहिनाभनोसहुनुमंता ॥ विनुहनिप्रपामिलहिनहिंस्त ॥
 ॥ जौनघुवीनअनुग्रहकीन्हा ॥ तौतुमहमोहिदनसहठिदिन्हा ॥
 ॥ सुनहुविभीषनप्रभुकइनीती ॥ कनहिसदासेवकपनप्रीती ॥
 ॥ कहहुकवनमैपनमकुलीना ॥ कपिचंचलसवहिविधिहीना ॥
 ॥ प्राततेइजोइनामहमाणा ॥ तेहिदिनताहिनमिलेअहारा ॥

॥ दोहा असमैंअधमसखासुनुमोहूपननघुवीन ॥

॥ कीर्त्तिकापासुमिनिगुनननेविलोचननीर ॥ ॥ ॥ ॥

॥ चौ जानतहुअसह्याभावसानी ॥ फिरहिंतेकाहेनहोहिंदुखानी ॥
 ॥ ऐहिविधिकहतनामगुनग्रामा ॥ पावाअनिनवाचिविश्रामा ॥
 ॥ पुनिसवकथाविभीषनकहाणा ॥ जिहिविधिजनकसुतातहंरही ॥
 ॥ तवहुनुमंतकहासुनुआताणा ॥ देखाचहुंजानकीमाताणा ॥
 ॥ जुगुतिविभीषनसकलवताई ॥ बलेउपवनसुतविदाकराई ॥
 ॥ कनिसोइरूपगऐउपुनितहबौ ॥ वनअसोकसीतानहजहवां ॥
 ॥ देखिमनहिंमनकीन्हप्रनामाणा ॥ वैठेहिबीतिजाइनिसिजामाणा ॥
 ॥ कृशतनुसीसजटाऐकवेनीणा ॥ जपतिहृदयनघुपतिगुनअनी ॥

॥ दोहा निजपदनयनदिएमननामचननलपलीन ॥

॥ पनमदुषीअऐपवनसुतदेखिजानकीदीन ॥ ॥

॥ चौ तनुपह्रवमहनहेउलुकाई ॥ कनतविचानकनहुंकाचिआई ॥
 ॥ तेहिअवसननावनतहआवा ॥ संगनानिवहुकिऐवनावा ॥ ॥ ॥ ॥

॥ बहुविधिषलसीतहिसमुहावा ॥ दामदामन्नयनेददिषावाणा ॥
 ॥ कहनावनसुनुसुमुषिसयानी ॥ मंदोदरीआदिसवनानीणा ॥
 ॥ तवअनुचनीकनउपनुमोना ॥ ॥ ऐकवानविलोकिममओना ॥ ॥
 ॥ तनधनिओटकहतवैदेहीणा ॥ सुमिनिअवधपतिपनमस्नेही ॥
 ॥ सुनुदशमुखषद्योतउजासा ॥ कवहुंकनलिनीकनइप्रकासा ॥
 ॥ असमनसमुहृतकहतजानकी ॥ षलसुधिनहिनघुवीनवानकी ॥
 ॥ सठस्नेहिहनिआनेसिमोही ॥ अधमनिलजुलाजनहितोही ॥
 ॥ दोहा ॥ आपुहिसुनिषद्योतसमनामहिंनानुसमानणा ॥

॥ पनुषवचनसुनिकाठिअसिबोलेउअतिषिसिआन ॥ ६ ॥
 ॥ चौ सीतातैममकृतअपमाना ॥ ॥ कटिहौतवसिनकठिनक्रपाना ॥
 ॥ नाहितसपदिमानुममवानी ॥ ॥ सुमुषिहोइजनिजीवनहानी ॥
 ॥ स्यामसनोजदामसमसुंदन ॥ ॥ प्रभुनुजकनिकनसमदशकंधन ॥
 ॥ सेनुजकंटकितवअसिद्योना ॥ ॥ सुनुसठअसप्रमानमनमोना ॥
 ॥ चंडहासहनुममपनितापं ॥ ॥ नघुपतिविनहअनलसंतापं ॥
 ॥ सीतलनिसितवअसिवनधाना ॥ ॥ कहसीताहनुममदुषजानाणा ॥
 ॥ सुनतवचनपुनिमाननधावा ॥ ॥ मयतनयाकहिनीतिवुहावाणा ॥
 ॥ कहेसिसकलनिसिचनीबुलाई ॥ ॥ सीतहिवहुविधिआसहुजाईणा ॥
 ॥ मासदिवसममकहानमाना ॥ ॥ तौमैमानवकठिनक्रपाना ॥ ॥
 ॥ दोहा ॥ नवनगऐउदशकंधनइहंपिसाचिनिबंद ॥

॥ सीतहिआसदिषावहिधनहिरूपवहुमंदणा ॥ १० ॥
 ॥ चौ त्रिजटानामनाहसीऐका ॥ ॥ नामचननरतिनिपुनविवेका ॥
 ॥ सबन्हबोलाइसुनाऐसिसपना ॥ ॥ सीतहिसेइकनहुहितअपना ॥
 ॥ सपनेवांतनलकाजानीणाणा ॥ ॥ जानुधानसेनासवमानीणाणा ॥
 ॥ षनआनूछनगनदशसीसा ॥ ॥ मुंडितसिनघंडितनुजवीसा ॥ ॥
 ॥ ऐहिविधिसोदहिनदिशिजाई ॥ ॥ लंकामनहुंविनीषनयाईणाणा ॥
 ॥ नगनफिनीनघुवीनदोहाईणा ॥ ॥ तवप्रभुसीताबोलिपछाईणाणा ॥
 ॥ यहसपनामइकहउंपुकानी ॥ ॥ होइहिसत्यगऐदिनचानीणाणा ॥
 ॥ तासुवचनसुनितेइसबहुनीणा ॥ ॥ जनकसुताकेपायन्हपनीणाणा ॥

सुंदर०

॥३॥

॥**दोहा** जहंतहं गई सकल तव सीता के मन सोच ॥

॥ मास दिवस बीते मोहि मानिहि निसिच न पोच ॥१॥

॥**चौ** विजटासन बोली कन जोरी ॥ मानु विपति संधि नितु म मोरी ॥

॥ तजहुं देह कनु वेगि उपाई ॥ दुस ह्विन ह्वन वसहि अनजार्ई ॥

॥ आनिका ठुन चुचिता वनार्ई ॥ मानु अनल पुनि देहिल गार्ई ॥

॥ सत्य कनहि मम प्रीति सयानि ॥ सुनै को अव न शूल समवानी ॥

॥ सुनत वचन पद गहिस मुहो ऐसि ॥ प्रनु प्रताप वल सुज सु सुनो ऐसि ॥

॥ निसिन अनल मिल सुनु सुकुमानी ॥ अस कहि सो निजन वन सिधानी ॥

॥ कह सीता विधि भा प्रतिकूल ॥ मिलि हिन पाव क भिटि हिन सूला ॥

॥ देखियत प्रगट गगन अंगाना ॥ अवनि न आवत ऐक उतारना ॥

॥ पाव कमल शशि अवतन आगी ॥ मानहु मोहि जानि हत जागी ॥

॥ सुनहि विनय मम विट पशु शोक ॥ सत्य नाम कनु हनु मम शोक ॥

॥ नूतन किशलय अनल समाना ॥ देखि अगिनि जनिक नहु निदाना ॥

॥ देखि पनम विनहा कुल सीता गा ॥ सोधन कपि हिकल्प समवीता ॥

॥**मोनटा** कपिकनि हृदय विचानि ॥ दीन्हि मुद्रिका उनि तब ॥

॥ जनु अशोक अंगान ॥ दीन्हि हनधि उठि कर गहेउ ॥२॥

॥**चौ** तव देखी मुद्रिका मनोहन ॥ नाम नाम अंकित अति सुंदर ॥

॥ चकित चितै मुदनी पहिचानी ॥ हनध विषाद हृदय अकुलनी ॥

॥ जीति को सके अजय न धुनार्ई ॥ माया ते असिन विनोह जार्ई ॥

॥ सीता मन विचान कन नाना गा ॥ मधुन वचन बोले हनु माना ॥

॥ नाम चंद्र गुन वन न इला गा गा ॥ सुनतीहि सीता कन दुष भा गा ॥

॥ लागी सुनइ अवतन मन लार्ई ॥ आदि हिते सब कथा सुनार्ई ॥

॥ अवतन अमृत जहिकथा सुनार्ई ॥ कहहु सो प्रगट हो उकिन आर्ई ॥

॥ तव हनु मंतनिकट चलि गऐउ ॥ फिनि बैठा मन विसम पत्र ऐउ ॥

॥ नाम दूत मै मानु जानकी गा गा ॥ सत्य सपथ कनु नानिधानकी ॥

॥ यह मुद्रिका मानु मै आनी गा गा ॥ दीन्हि नाम तुम्ह कहें सहिदानी ॥

॥ नन वान नहि संग कहु कैसै ॥ कहिकथा संगति नइ जैसै ॥

॥**दोहा** कपिके वचन सप्रेम सुनि उपजा मन विस्वास ॥

॥ जाना मन क्रम वचन यह कृपा सिंधु कन दास ॥३॥

॥ चौहमिजनजानिप्रीतिअतिवढि ॥ सजलनयनपुलकावलिछाँ ॥
 ॥ वूडतिबिनहजलधिहुनुमाना ॥ नयेहुतातमोकहुँजलजाना ॥
 ॥ अबकहुकुशलजाउवलिहानी ॥ अनुजसहितसुखनवनधनानी ॥
 ॥ कोमलचितकृपालनघुनाई ॥ कपिकेहिहेतुधनीनिहुनाई ॥
 ॥ सहजवानिसेवकसुखदायक ॥ कवहुँकसुरातिकनीहिनघुनायक ॥
 ॥ कवहुँनयनममसीतलताता ॥ होइहहिनिरधिस्याममृदुगाता ॥
 ॥ बचननआवनेनननिवानी ॥ अहहनाथमोहिनिपटविसानी ॥
 ॥ देखिपनमविनहाकुलिसीता ॥ बोलेउकपिमृदुवचनविनीता ॥
 ॥ मातुकुशलप्रभुअनुजसमेता ॥ तबदुषदुषीसुकृपानिकेता ॥
 ॥ जनिजननीजियमानहुनुना ॥ तुम्हेतेप्रेमनामकोदूना ॥
 ॥ दोहा ॥ नयुपतिकनसंदेसअवसुनुजननीधनिधीन ॥
 ॥ असकहिकपिगदगदअएउमनेविलोचननीन ॥ १४ ॥
 ॥ चौकहेउनामवियोगतवसीता ॥ मोकहुँसकलनयेउविपनीता ॥
 ॥ नवतनुकिसलयमनहुँक्रसानू ॥ कालनिसासमनिसिससिचानू ॥
 ॥ कुवलयविपिनिकुंतवनसनिसा ॥ वनिदतपततेलजनुवनिसा ॥
 ॥ जेहितनुनहेकनतेतेपीनागा ॥ उनगत्वाससमत्रिविधसमीना ॥
 ॥ कहेहुतैकछुदुषघटिनहिहोई ॥ काहिकहुँउयहजाननकोई ॥
 ॥ तत्वप्रेमकनममअनुतोना ॥ जानतप्रियाएकमनमोना ॥
 ॥ सोमनसदानहततोहिपाँही ॥ जानुप्रीतिनसपेतनेहिमाही ॥
 ॥ प्रभुसंदेससुनतवेदेहिगागा ॥ मगनप्रेमतनसुधिनिहितेहि ॥
 ॥ कहकपिहृदयधीनधनुमाता ॥ सुमिनुरामसेवकसुखदाता ॥
 ॥ उनआनहुनघुपतिप्रभुताई ॥ सुनिममवचनतजहुकंदनाई ॥
 ॥ दोहा ॥ निसिचननिकनपतंगसमनघुपतिवानक्रसानु ॥
 ॥ जननीहृदयधीनधनुजनेनिसाचनजानुगागागा ॥ १५ ॥
 ॥ चौजोनघुवीनहेतसुधिपाई ॥ कनतेनहिविलंबनघुनाईगागा ॥
 ॥ नामवाननविउदितजानकीगा ॥ तमवभूथकहजातुधानकीगा ॥
 ॥ अवहिमातुमेजाउलिवाईगागा ॥ प्रभुआएसुनहिरामदोहाईगागा ॥
 ॥ कछुकदिवसजननीधनुधीना ॥ कपिन्हसहितअहहिंनघुवीगा ॥

सुंदर०

॥४॥

॥ तिसिचरमानितुम्हिले जइहहिं ॥ तिहु पुनना नदादिजसुगेहहिं ॥
 ॥ हहि सुत कपिसव तुम्हिसमाना ॥ जातुधान अति नटवलवाना ॥
 ॥ मोने हृदय पनम संदेहागा ॥ सुनिकपि प्रगटकीन्हिनिजेदेहा ॥
 ॥ कनक नूध नाकान सरीरागा ॥ समन नयं कन अति ननधीना ॥
 ॥ सीता मनन नो सत वन ऐउ ॥ पुनिलघु रूप पवन सुत लऐउ ॥
 ॥ दोहा ॥ सुनु माता साषा मगहि नहि बल बुद्धि विशाल ॥
 ॥ प्रभु प्रताप ते गनु डहि साइ पनम लघु बाल ॥ १६ ॥
 ॥ नौ मन संतोष सुनत कपि वानी ॥ ॥ भगति प्रताप ते जवल सानी ॥
 ॥ आशिष दीन्ना मप्रिय जाना ॥ होहु बुद्धि बल सील निधाना ॥
 ॥ अमन अजय गुननिधि सुत होह ॥ कनहु वहुत नयुनाय कछोह ॥
 ॥ कनहि कृपा प्रभु अस सुनिकाना ॥ निन्नै न प्रेम मगन हनु माना ॥
 ॥ वानवान नाऐ सिपद सीसागा ॥ बोला वचन जो निकन कीसा ॥
 ॥ अवकृत कृत्य न ऐउ मइमाता ॥ आसिष तव अमोघ विषाता ॥
 ॥ सुनहु मातु मइ अतिसय नूषा ॥ लागि नूष सुंदर फल नूषागा ॥
 ॥ सुनु सुत कनहि विपिन नष वानी ॥ पनम सुनट नजनी च नधानी ॥
 ॥ तिन्ह कन नय माता मोहि नहिं ॥ जोतुम्ह सुख मानहु मनमहिं ॥
 ॥ दोहा ॥ देखि बुद्धि बल निपुन कपि कहै उ जान की जाहु ॥
 ॥ नयुपति चरन हृदय धनि तात मधुन फल साहु ॥ १७ ॥
 ॥ चौ बले उ नाइ सिन पैठे उवागा ॥ ॥ फल साऐ सितनु तो नइलगा ॥
 ॥ रहेत हो बहु नट नष वानीगा ॥ कछु माने उ कछु जाइ पुकाने ॥
 ॥ नाथ ऐक आवा कपि नानी ॥ तेहि अशोक वाटिका उजानी ॥
 ॥ साऐ सिफल अनुविट पउजाने सि ॥ नछ समर्द्धि मर्द्धि महि डोने सि ॥
 ॥ सुनि नावन पठ ऐ नट नाना ॥ तिन्ह इ देखि गन जे उ हनु माना ॥
 ॥ सवन जनी चन कपि संघाने ॥ गऐ उ पुकानत कछु अधमने ॥
 ॥ पुनि पठवाते हि अछ कुमाना ॥ बला संगल इ सुनट अपाना ॥
 ॥ आवत देखि विट पल इत नजा ॥ मुष्टिक मानि महाधुनि गनजा ॥
 ॥ दोहा ॥ कछु माने सि कछु मर्द्धि सि कछु मिल ऐ सि धनि धूनि ॥
 ॥ कछु पुनि जाइ पुकाने प्रभु मन कट नट नरिणागा ॥ १८ ॥

॥ सुनिसुतवधलंकेशानिसाना ॥ ॥ पठऐसिमेघनादवलवाना ॥
 ॥ मानेसुजनिमुतवांधेसुताहि ॥ ॥ देधियकपिदहुकाकनआहि ॥
 ॥ चलाइंइजितअनुलितजोधा ॥ ॥ वंधुवधासुनिउपजेउक्रोधा ॥
 ॥ कपिदेखादानुनभटआवाणा ॥ ॥ कटकटाइगनजाअनुधावाणा ॥
 ॥ अतिविसालतनुऐकउपाना ॥ ॥ विनयकीन्हिलंकेशकुमाना ॥
 ॥ नहेमहाभटतेहिकेसंगाणा ॥ ॥ गहिगहिकपिमनदइनिजअंगा ॥
 ॥ तिन्हिनिपातिताहिसौंवाजा ॥ ॥ निनेजुगुलमानहुगजनाजा ॥
 ॥ मुठिकामानिचछातनुजाई ॥ ॥ ताहिऐकछनमुनछाआईणा ॥
 ॥ उठिवहोनिकीन्हिसिवहुमाया ॥ ॥ जीतिनजाइप्रचनजनजायाणा ॥

॥ दोहा ॥ ब्रह्मअत्रतेहिसाधेउकपिमनकीन्हविचान ॥

॥ जोनब्रह्मशानमानहुंमहिमामिटइअपान ॥ १८॥

॥ चौ ॥ ब्रह्मवानकपिकहेतेहिमाना ॥ ॥ पनतिहुंवानकटकसंधानाणा ॥
 ॥ तेहिदेखाकपिमुष्टितनऐउ ॥ ॥ नागफासवांधेसिलइगऐउ ॥
 ॥ जासुनामजपिसुनहुनवानी ॥ ॥ भवबंधनकाटहिंननगपानीणा ॥
 ॥ तासुदूतकिबंधतनआवाणा ॥ ॥ प्रभुकानजलगिकपिहिबंधावा ॥
 ॥ कपिवंधनसुनिनिसिचनधाऐ ॥ ॥ कौतुकलागिसभालइआऐणा ॥
 ॥ दशमुखसन्नादेधिकपिजाई ॥ ॥ कहिनजाइकछुअतिप्रभुताई ॥
 ॥ कनजोनेसुनदिसिपविनीता ॥ ॥ भकुटिविलोकहिसकलसत्रीता ॥
 ॥ देधिप्रतापनकपिमनसंकाह ॥ ॥ जिमिअहिगनमहगनुउअसंका ॥

॥ दोहा ॥ कपिहिविलोकिदशाननविहसाकहिदुनवाद ॥

॥ सुतवधसुनतिकीन्हितवउपजाहुदयविषाद ॥ २०॥

॥ चौ ॥ कहलंकेशकवनतैंकीसा ॥ ॥ केहिकेवलघालेहुवनघीसा ॥
 ॥ कैधौअवनसुनेहुनहिमेहि ॥ ॥ देखौअतिअसंकसठतोहीणाणा ॥
 ॥ मानेउनिसिचनकेहिअपनाधा ॥ ॥ कहसठतोहिनप्रानकेवाधाणा ॥
 ॥ सुनुनावनब्रह्मांडनिकाया ॥ ॥ पाइजासुवलविनचितमायाणा ॥
 ॥ जाकेवलविनंविहसिईशा ॥ ॥ पालतहनतस्वजतदशसिंसा ॥
 ॥ जावलसीसधनहिसहसानन ॥ ॥ अउकोशसंमेतगिनिकाननाणा ॥
 ॥ धनैजोविविधिदेवसुनजाता ॥ ॥ नुहसेअधमसिषावनदाताणा ॥

सुंदर०

॥ ५ ॥

॥ हुनको दंड कठिन जेहि नं जाणा ॥ तोहि समेत न पद लमद गंगा ॥

॥ घन दूषन त्रिसिना अनुवाली ॥ रहे सकल अतुलित वलसाली ॥

॥ दोहा जाके वल लव लेश ते जिते हुच नाच न ह्यानि ॥

॥ तासु दूत मै जाक निहनि आने हु प्रिय नानि ॥ २१ ॥

॥ चौ जानौ मै तुम्हानि प्रभु तार्इणा ॥ सहस बाहुसन पनी लनाई ॥

॥ समन वालिसन कनिज सुपावा ॥ सुनिक पि वचन बिहसि बिहनावा ॥

॥ बाए हु फल मोहिलागी नूषा ॥ कपि सुभा वते तोने उरखाणा ॥

॥ सब के देह पनम प्रिय स्वामी ॥ मानहिं मोहिकु मान गगामी ॥

॥ जिन्ह मोहि माना तेहि मै माने ॥ तेहि पन बांधे उत न पतुम्हने ॥

॥ मोहिन कछु बांधे कइ लाजा ॥ कीन्ह चहुं निज प्रभु कनकाजा ॥

॥ विनती कनौ जो नि कन नावन ॥ सुनहु मानत जिमो न सिखावन ॥

॥ देखहु तुम्हनिज कुलहि विचारी ॥ भ्रमत जिन्न जहुन गत नय हारी ॥

॥ जाके डन अतिकाल उरार्इणा ॥ जो सुन असुन चराचन धार्इणा ॥

॥ तासो वयन कवहु नहि कीजे ॥ हमने कहे जान की दीजे ॥

॥ दोहा प्रनत पालन धुनायक कनुना सिंधुषनानि ॥

॥ गणेश नन प्रभु नाधि हित वर अपनाध विसानि ॥ २२ ॥

॥ चौ नाम चरन पंकज उरधर हू ॥ लंका अचलना जु तुम्ह कन हू ॥

॥ निधि पुलस्ति जस विमल मयंका ॥ तेहि ससिम हंजनि होहु कलंका ॥

॥ नाम नाम विनु गिनान सोहा ॥ देखि विचानि त्यागि मद मोहा ॥

॥ वसन हीन नहि सोह सुनारी ॥ सब नूषन नूषित बन नारी ॥

॥ नाम विमुख संपति प्रभु तार्इणा ॥ जाइ नहि पाई विनु पाई ॥

॥ सजल मूल जिन्ह सनित नहि ॥ वरधि गणै पुनितु नित सुखहि ॥

॥ सुनु दस कंठ कहउँ पनु नौ पी ॥ विमुख नाम त्रातानहि को पी ॥

॥ संकर सहस विष्णु अज तोहि ॥ नाथिन सकहिं नाम कन दोहि ॥

॥ दोहा मोह मूल वहु मूल प्रदत्यागहु मद अन्निमान ॥

॥ भजहु नाम न धुनायक हि कृपा सिंधु नगवान ॥ २३ ॥

॥ चौ जदपि कहि कपि अति हित वानी ॥ भगति विवेक विनति नय सानी ॥

॥ बोला विहसि अधम अन्निमानी ॥ मिलाह मंहि कपि गुन वडगानी ॥

॥ मत्पुनिकटखलआइतोहीगा ॥ लागेसिअधमसिखावनमोहि ॥
 ॥ उलटाहोइकहाहनुमानागा ॥ मतिअमप्रगततोहिमइजाना ॥
 ॥ सुनिकपिबचनवहुतधिसिआना ॥ वेगिनहनहुमूढकरप्राना ॥
 ॥ सुनतनिसाचनमाननधाऐगा ॥ सचिवरूसहितविभीषनआऐ ॥
 ॥ नाइसीसकरिविनयवहुतागा ॥ नीतिविनोधनमनियदूतागा ॥
 ॥ आनंदउकधुकनिअगोसोंईगा ॥ सबहैंकहेउमंत्रनल भाई ॥
 ॥ सुनतविहसिवोलादसकंधन ॥ अंगनंगकनिपठवहुवंदन ॥
 ॥ कोउकहहाथपायगहितोनहुगा ॥ कोउकहलैसमुद्रमहुंवोनहु ॥
 ॥ दोहा कपिकेममतापूँछपनसबहिकहेउसमुद्राई ॥
 ॥ तेलेवोनिपटवांधिकनिपावकदेहुलगाई ॥ २४ ॥
 ॥ चोपूँछहेनवाँननतहंजाइहि ॥ तवसठनिजनाथहिलैआइहि ॥
 ॥ जिन्हकइकीन्हिसिवहुतवडाई ॥ देखहुमइतिन्हकनिप्रनुताई ॥
 ॥ वचनसुनतकपिमनमुसुकाना ॥ नइसहाइसानदमइजानागा ॥
 ॥ जातुधानसुनिनावनवचना ॥ लागेनचनमूढसोइनचनागा ॥
 ॥ नहाननगनवसनघृततेला ॥ बाछापूँछकिऐउकपिखेला ॥
 ॥ कौतुककहआऐपुनवासी ॥ मानहिंचननकरहिंवहुहासी ॥
 ॥ बाजहिंछोलदेहिसवतारीगा ॥ नगरफेनिपुनिपूँछप्रजानी ॥
 ॥ पावकजनतदेखिहनुमंतागा ॥ नऐउपरमलघुरूपतुरंतागा ॥
 ॥ निवुकिचछेउपुनिकनकअरुनी ॥ नईसनीतनिसाचननारीगा ॥
 ॥ दोहा हनिप्रेनिततेहिअवसनचलीं पवनआनचास ॥
 ॥ अट्टहासकनिगनजेउकपिवठिलागअकास ॥ २५ ॥
 ॥ चोदेहविसालपनमहुनुआई ॥ ॥ मंदिरतेंमंदिरवठिधार्इगा ॥
 ॥ जनइनगननालोगविहाला ॥ लपटहपटजनुकोटिकनाला ॥
 ॥ तातमातुहासुनियपुकारा ॥ ऐहिअवसनकोहूमहिंउवाना ॥
 ॥ हमजोकहायहकपिनहिहोई ॥ वाँननरूपधनेसुनकोईगागा ॥
 ॥ साधुअवग्यातुनतनवाना ॥ कनकल्यानअखिलकइहानी ॥
 ॥ साधुअवग्याकनफलऐसा ॥ जनेनगरअनाथकनजेसागा ॥
 ॥ जानानगरनिमिषऐकमाहीं ॥ ऐकविभीषनकनग्रहनाहींगा ॥

॥ ताक न भगात अनल जेहि सिनिजा ॥ जनान सो तेहि का न गिनिजा ॥

॥ उलटि पलटि लंका कपि जानी ॥ कूदि पने उत्त वसिंधु म हानी ॥

॥ दोहा ॥ रूँछ बुद्धा इषो इश्रम धनिसो इरूप बहोनि ॥

॥ जनक सुता के आगेँ ठा छ न ऐ उकर जोनि ॥ २६ ॥

॥ चौ मातु मोहि दीजिय कछु चीन्ह ॥ जइ से न धुनाय क मोहि दीन्ह ॥

॥ चूडामणि उतानित वद ऐउ ॥ हनष समेत पवन सुत लऐउ ॥

॥ कहै हुतात अस मोन प्रनामा ॥ सब प्रकार प्रभु पून न कामा ॥

॥ दीन दयाल विरद अनुसानी ॥ हन हुनाथ मम संकट नानी ॥

॥ तात शक्र सुत कथा सुना ऐहु ॥ वान प्रताप प्रभु हि स मुह ऐहु ॥

॥ मास दिवस महं नाथ न आवा ॥ तो पुनि मोहि जिअत न हि पावा ॥

॥ कहु कपिके हि विधि नाथेँ प्राना ॥ गुम है तात कहत अव जानाणा ॥

॥ तोहि देखि सीतल न द्रष्टाती ॥ पुनि मो कहें सो इ दिन सो इ नाती ॥

॥ दोहा ॥ जनक सुत हि स मुह इ क निवहु विधि धी न ज दीन्ह ॥

॥ चरन कमल सिनु नाइ क पिगवन राम पहुँकीन्ह ॥ २७ ॥

॥ चौ चलत महा धुनि गरजे सिनानी ॥ गर्ज अरु वहि न जनी चरनानी ॥

॥ नाथि सिंधु ऐहि पार हि आवाणा ॥ शब्द किल किला कपि न सुनाणा ॥

॥ हनषे सब विलेकि हनु मानाणा ॥ नूतन जन्म कपि नूत व जाना ॥

॥ मुष प्रसन्न तन तेज विना जाणा ॥ कीन्ह उनाम चंद्रकन का जाणा ॥

॥ मिले सकल अति न ऐ सुधानी ॥ तल फतमी न पाइ जनु वानी ॥

॥ चले हरि धन धुनाय क पासा ॥ रूँछत कहत नवल इति हासा ॥

॥ तव मधुवन नीत न सब आऐणा ॥ अंगद सहित मधुर फल खाऐ ॥

॥ नष वाने जव वन जन लागेणा ॥ मुष्टि प्रहान करत सब आगेणा ॥

॥ दोहा ॥ जाइ पुकाने ते सब इवन उजान जु वराज ॥

॥ सुनि सुगी व हरष कपि कनि आऐ प्रभु काज ॥ २८ ॥

॥ चौ जौ न होति सीता सुधि पाईणा ॥ मधुवन के फल सकत न खाई ॥

॥ ऐहि विधि मन विचान कनि नाज ॥ आइ गऐ कपि सहित समाजा ॥

॥ आइ सब नृना ऐ उपद सीसा ॥ मिले सब हि अति प्रेम क पीसा ॥

॥ रूँछि कुशल कुशल पद देखी ॥ राम कृपा न ऐ काज विशेषी ॥

॥ नाथकाजकीन्हें उहनुमानाणा ॥ नाथे उसकलकपिन्हकनप्राणा ॥
 ॥ सुनिसुग्रीववहुनितेहिमिलेउ ॥ कपिन्हसहितनघुपतिपहंचलेउ ॥
 ॥ नामकपिन्हकहआवतदेखी ॥ किएउकाजमनहनयविशेषी ॥
 ॥ फटिकशिलावैठे दोउनाई ॥ पनेसकलकपिचनननआई ॥

॥ दोहा प्रीतिसहितसवनेटेउनघुपतिकनुनापुंज ॥

॥ पूंछेउकुशलनाथअवकुशलदेखिपदकंज ॥ २९ ॥

॥ चौ जामवंतकहसुनुनघुनाया ॥ जापननाथकनहुतुम्हदायाणा ॥
 ॥ ताहिसदासुनसकलनिनंतन ॥ सुनननमुनिप्रसन्नतेहिउपर ॥
 ॥ सोइविजईविनईगुनसागर ॥ तासुसुजसत्रैलोकउजागर ॥
 ॥ प्रभुकीकृपानऐउसवकाजू ॥ जन्महमानसुफलनऐआजू ॥
 ॥ नाथपवनसुतकीन्हिजोकनी ॥ सहसउमुखसोजाइनवननी ॥
 ॥ पवनतनयकेचरितसोहाऐ ॥ जामवंतनघुपतिहिसुनाऐ ॥
 ॥ सुनतकृपानिधिकेमनआऐ ॥ पुनिहनुमानहनखिउनलाऐ ॥
 ॥ कहहुतातकेहिनांतिजानकी ॥ नहतिकनतिनछासुप्राणकी ॥

॥ दोहा नामपाहूदिवसनिशिध्यानतुम्हानकपाट ॥

॥ लोचननिजपदजंत्रितप्राणजाहिकेहिवाट ॥ ३० ॥

॥ चौ चलतमोहिचूडामनिदीन्ह ॥ नघुपतिहृदयलाइतवलीन्ह ॥
 ॥ नाथजुगललोचनननिवानी ॥ वचनकहेउकधुजनककुमानी ॥
 ॥ अनुजसमेतगहेहुप्रभुचनना ॥ दीनबंधुप्रनतानतहननाणा ॥
 ॥ मनक्रमवचनचननअनुनागी ॥ केहिअपनाधनाथमोहित्यागी ॥
 ॥ अवगुनऐकमोनमइजाना ॥ विष्णुनतप्राणनकीन्हपयाना ॥
 ॥ नाथसोनयनन्हकनअपनाधा ॥ निसनतप्राणकनहिहृदिवाधा ॥
 ॥ विरहअगिनितनुतूलसमीना ॥ स्वासजनैछनमाहंसरीनाणा ॥
 ॥ नयनअवहिंजलनिजहितलागी ॥ जनेनपावदेहविनहमीगाणा ॥
 ॥ सीताकइअतिविपतिविसाला ॥ विनहिकहेनलिदिनदयाला ॥
 ॥ चलतीवानकहेउमोहिटेनीणा ॥ सुधिप्रभुकनहिसकसुतकेरी ॥

॥ दोहा निमिषनिमिषकनुनानिधिजाहिकलपसमवीति ॥

CC-0. Chambal Archives Etawah.

॥ सुनिप्रभुवचन कहि कपिवंद ॥ जय जय जय कृपाल सुख कंद ॥
 ॥ तवनधुपति कपिपति हिबोलावा ॥ कहाचले कर करहु बनावागा ॥
 ॥ अर्धविलंब केहिकानन कीजेगा ॥ तुरत कपि कहं आय सुदीजे ॥
 ॥ कौतुक देखि सुमन सुनवर यहि ॥ न भते भवन चले सु ॥ न हन यहि ॥
 ॥ दोहा ॥ कपिपति वेगिबोलाये ॥ आये वानर जय ॥
 ॥ नानावन न अतुलित चले वानर नालुवर ॥ ३४ ॥
 ॥ चौ प्रभुपद पंकज नावहि सीसा ॥ गरजहि नालुम हावल कीसा ॥
 ॥ देखी नाम सकल कपि सयना ॥ चितै कृपा कनिनाजि वनयना ॥
 ॥ नाम कृपा बल पाइ कपीसा ॥ भये पक्षजनु पाइ गिरीसागा ॥
 ॥ हन धिना मतव कीरु पयाना ॥ सगुन नये सुंदर सुषनानागा ॥
 ॥ जासु सकल मंगल मय कीती ॥ तासु पयान सगुन यहि तीगा ॥
 ॥ प्रभुपयान जाने उवै देहीगा ॥ फन कि वाम अंगजनु कहि देही ॥
 ॥ जो जो सगुन जान कीहि होई ॥ असगुन नये उचावन हि सोई ॥
 ॥ चला कटक कोवन नइ पारा ॥ गरजहि वानर नालु अपानागा ॥
 ॥ नख आयुध गिनि पाद पधारी ॥ चले गगन महि इधरा चारीगा ॥
 ॥ केहनि नाद नालु कपि करहीं ॥ उगम गाहिं दिगा जचि करहीं ॥
 ॥ छंद ॥ चिक्करहि दिगा जडोल महि गिनिलोल सागन सरने ॥
 ॥ मन हन यहि दिन कर सोम सुन मुनि नाग किन्नर दुषटनेगा ॥
 ॥ कटकटहि मन कटकट बट बटु कोटि कोटि न्धावहीं ॥
 ॥ जय नाम प्रवल प्रताप कोशल नाथ गुन गन गावहींगा ॥
 ॥ सक सहि नान उदान अहि पति वान वान विमोह ही ॥
 ॥ गहिदसन पुनि पुनिक मठ पष्टिक ठोन सो किमि सोहि ॥
 ॥ नघुवीन उचिन पयान प्रस्थित जानि परम सोहावनी ॥
 ॥ जनु कमठ षण्ण सरपराज सोलिषत अविचल पावनी ॥
 ॥ दोहा ॥ ऐहि विधि जाइ कृपानिधि उत्तरे सागन तीन ॥
 ॥ जहंत हं लागे धान फल नालु विपुल कपि वीन ॥ ३५ ॥
 ॥ चौ ॥ उहानि सावन नहहि संका ॥ जव ते जानि गये उकपिलंका ॥

॥ निजनिजग्रहसवकरहिंविचारा ॥ नहिनिमिचनकुलकेनउवाचा ॥
 ॥ जासुदूतवलवननिनजाईणा ॥ तेहिआपेपुनकवनिनलाईणा ॥
 ॥ दूतनुसुनिसुनिपुनजनवानी ॥ मंदोदनीहृदयअकुलानीणा ॥
 ॥ नहसिजेनिकनपतिपदलागी ॥ बोलीवचननीतिनसपाशीणा ॥
 ॥ कंतकनुषहसिसनपनिहनहू ॥ मोनकहाअतिहितहियधनहू ॥
 ॥ समुदूतजासुदूतकइकननी ॥ अवहिगर्जनजनीचनधननी ॥
 ॥ तासुनानिनिजुसचिवबोलाई ॥ पठवहुकंतजोचहुनलाईणा ॥
 ॥ तवकुलकमलविपिनिदुषदाई ॥ सीतासीतनिसासमआईणा ॥
 ॥ सुनहुनाथसीताविनुदीने ॥ हितुनतुम्हानशंभुअजकीने ॥

॥ दोहा ॥ रामवानअहिगनसपिसनिकनीनिसाचननेक ॥

॥ जवलगिग्रसतनतवहिलगिजतनकनहुतजिटेक ॥ ३६ ॥

॥ चौअवनसुनीसठताकनिवानी ॥ विहसाजगतविदितअनिमानी ॥
 ॥ सनयसुभावनानिकनसांचा ॥ मंगलमहुंनयमनुअतिकाचा ॥
 ॥ जोआवइमनकटकटकाईणा ॥ जिअहिविचनेनिसाचनदाईणा ॥
 ॥ कंपीहिलोकपजाकनित्रासा ॥ तासुनापिसनीतवाडिहासाणा ॥
 ॥ असकहिविहसिताहिउनलाई ॥ चलेउसनाममताअधिकारीणा ॥
 ॥ मंदोदनी ॥ हृदयअतिचिंता ॥ भएउकंतपनविधिविपनीता ॥
 ॥ बैठेउसनाषवनिअसिपाई ॥ सिंधुपानसयनासवआईणा ॥
 ॥ बूहेसिसचिवउचितमतिफरहू ॥ तेसवरुसेमसुकनिनहूणा ॥
 ॥ जितेहुसुनासुनतवअमनही ॥ ननवांननकेहिलेधेमाहिणा ॥

॥ दोहा ॥ सचिववेद्यगुनतीनियेप्रियबोलहिनयआस ॥

॥ राजधर्मतनतीनिकन ॥ तुरतहोइतहनास ॥ ३७ ॥

॥ चौसोइरावनकहुंवनीसहाई ॥ अस्तुतिकनहिसुनाइसुनाई ॥
 ॥ अवसनजानिविभीषनआवा ॥ आताचननसीसतेहिनावाणा ॥
 ॥ पुनिसिनुनाइवेठनिजआसन ॥ बोलावचनपाइअनुसासनाणा ॥
 ॥ जोरुपालपूँछहुमोहिवाताणा ॥ मतिअनुरूपकहहुंहितताता ॥
 ॥ जोआपनचाहतकल्यानाणा ॥ सुजससुमतिसुनगतिमुखनाना ॥
 ॥ तोपननानिलिलानगोसाईणा ॥ तजहुचौधिचंदाकइनाईणा ॥

॥ चौदहनुवनऐकपतिहोईगाणा ॥ ॥ नामद्रोहतिष्ठइनहिकोईगाणा ॥
 ॥ गुनसागननागनननजोऊगाणा ॥ ॥ अलपलोननलकहइनकोऊ ॥
 ॥ दोहा कामक्रोधमदलोन्नसवनाथननककरपंथ ॥
 ॥ सबपरिहनिनधुवीरपदभजहुनजहिजेइसंत ॥ ३८ ॥
 ॥ चौतातनामनहिननभूपाला ॥ ॥ नुवनेश्वरकालहुकेरकाला ॥
 ॥ ब्रह्मअनामयअजगवंता ॥ ॥ व्यापकअजितअनादिअनंत ॥
 ॥ गोधिजधेनुदेवहितकारीगाणा ॥ ॥ कृपासिंधुमानुषतनुधानीगाणा ॥
 ॥ जननंजनभजनखलवाता ॥ ॥ वेदधरमनघकसुनुआतागाणा ॥
 ॥ ताहिवयनतजिनाइयमाथा ॥ ॥ प्रनतानतभजननधुनाथागाणा ॥
 ॥ देहुनाथप्रभुकहवैदेहीगाणा ॥ ॥ भजहुनामविनुहेनुसनेहीगाणा ॥
 ॥ सननगऐप्रभुताहुनत्यागा ॥ ॥ विस्वद्रोहकृतअघजेहिलागा ॥
 ॥ जासुनामत्रैतापनसावनगा ॥ ॥ सोइप्रभुप्रगटसमुद्रिजियनावन ॥
 ॥ दोहा वानवानपदलागुंविनयकनउदशसीस ॥
 ॥ परिहनिमानमोहमदनजहुकोसलाधीस ॥ ३९ ॥
 ॥ मुनिपुल्लिनिजसिख्यसनकहिपठईऐकवात्त ॥ ॥
 ॥ तुरतहिंमैंप्रभुसनकहीपाइसोअवसरतात्त ॥ ३९ ॥
 ॥ चौमालवंतअतिसचिवसयाना ॥ ॥ तासुवचनसुनिअतिसुखमाना ॥
 ॥ तातअनुजतवनीतिविभूषन ॥ ॥ सोउनधरहुजोकहइविनीषन ॥
 ॥ निपुउतकनखकहतसठदोऊ ॥ ॥ दूनिकनहुजोइहासनकोऊगाणा ॥
 ॥ मालवंतग्रहगऐउवहोनी ॥ ॥ कहहिबिनीषनपुनिकनजोनी ॥
 ॥ सुमतिकुमतिसवकेउननहई ॥ ॥ नाथपुनाननिगमअसकहई ॥
 ॥ जहांसुमतिहंसंपत्तिनाना ॥ ॥ जहांकुमतितहंविपत्तिनिदाना ॥
 ॥ तवउनकुमतिवसीविपरीती ॥ ॥ हितअनहुजानहुनिपुप्रीतीगाणा ॥
 ॥ कालनातिनिसिचनकुलकेनी ॥ ॥ तेहिसीतापनप्रीतिघनेनीगाणा ॥
 ॥ दोहा तातचननगहिमांगुंनखहुमोनदुलान ॥
 ॥ सीतादेहुनामकहंअतिहितहोइतुम्हान ॥ ४० ॥
 ॥ चौबुधिपुनानश्रुतिसंमतवानी ॥ ॥ कहिविनीषननीतिवधानी ॥
 ॥ सुनतदसाननउठेउनिसाई ॥ ॥ खलतोहिमृत्युनिकटचलिआई ॥

सुंदर०

॥टी॥

॥ जिअसिसदासठमोनजिआवा ॥ निपुकरपधूमूखतोहिआवा ॥
 ॥ कहसिनधलअसकोजगमाहिं ॥ भुजवलजाहिजीतामैंनाहिं ॥
 ॥ ममपुनवसितपसिरूपनप्रीति ॥ सठमिलुजाइतिनहिकहुनीति ॥
 ॥ असकहिकीनेसिचननप्रहारा ॥ अनुजगहेपदवानहिवागगा ॥
 ॥ उमासंतकश्यहइवडाईगागा ॥ मंदकरतहूकरइमलाईगागा ॥
 ॥ तुम्हपितुसनिसनलेमोहिमाना ॥ नामभजेहितनाथतुम्हाना ॥
 ॥ सचिवसंगलेननपथगऐउ ॥ सर्वाहिसुनाइकहतअसन्नऐउ ॥
 ॥ दोहा ॥ नामसत्यसंकल्पप्रभुसन्नाकालवसतोनि ॥

॥ मैंनघुकीनसननअवजाहुदेहुजनिषोनि ॥ ४१ ॥

॥ चौअसकहिचलाविनीषनजवहिं ॥ आयुहीननेनिसिचनतवहिं ॥
 ॥ साधुअकयातुनितभवानीगागा ॥ करुकल्यानअधिलकैहानी ॥
 ॥ नावनजवहिविनीषनत्यागा ॥ भऐउविन्नवविनुतवाहिअभागा ॥
 ॥ चलेउहनीधिनघुनायकपांही ॥ करतमनोनथवहुमनमाहिं ॥
 ॥ देखिहोंजाइचननजलजाता ॥ अनुनमदुलसेवकसुषदाता ॥
 ॥ जेपदपरसितनीनिषिनानी ॥ दंडककाननपावनकानीगागा ॥
 ॥ जेपदजनकसुताउनलाऐगा ॥ कपटकुनंगसंगधनिधाऐगा ॥
 ॥ हनउनसनसरोजपदजेईगागा ॥ अहोभाग्यममदेखिहुउसोई ॥

॥ दोहा ॥ जिरूपायनूकइपादुकनिरुचनतनहेमनुलाइ ॥

॥ तेपदआजुविलोकिहुइन्हनयनअवजाइ ॥ ४२ ॥

॥ चौऐहिविधिकनतसप्रेमविचारा ॥ आऐउसपदिसिंधुकेपाना ॥
 ॥ कपिन्हविनीषनआवतदेखा ॥ जानेउयहनिपुदूतविसेषा ॥
 ॥ ताहिनाथिकपिपतिपांहीआऐ ॥ समाचारसवताहिसुनाऐगा ॥
 ॥ कहसुग्रीवसुनहुनघुराईगागा ॥ आवाभिलनदसाननभाई ॥
 ॥ कहप्रभुसयावृहियेकाहागागा ॥ कहैकपीससुनहुनरनाहा ॥
 ॥ जानिनजाइनिसाचनमायागागा ॥ कामरूपकेहिकाननआया ॥
 ॥ भेदहमारलेनसठआवागागागा ॥ राधियवांधिमोहिअसन्नावा ॥
 ॥ सखानीतितुम्हनीकिविचारी ॥ ममपनसननागतभयहानी ॥
 ॥ सुनिप्रभुवचनहनखहनुमाना ॥ सननागतवत्सलभगवाना ॥

॥ वनुन्नलवासननककनताताणा ॥ दुष्टसंगजनिदेइविधाताणा ॥
 ॥ अवपदेदेधिकुशलनघुनाया ॥ जोतुम्हकीन्हिजानिजनुदाया ॥
 ॥ दोहा ॥ तवलगिकुशनजीवकहसपनेहुमनविश्रामणा ॥
 ॥ जवलगिभजतननामकहसोकधामतजिकाम ॥ ४६ ॥
 ॥ चौ ॥ तवलगिवसतहृदयधलनाना ॥ लोचनमोहमत्स्रनमदमाना ॥
 ॥ जवलगिउननवसतनघुनाया ॥ धनेचापसायककटिनाया ॥
 ॥ ममतातनुनतिमिनअंधिआनी ॥ नागद्वेषउल्लेखनयकानी ॥
 ॥ तवलगिवसतजीवमनमाहीं ॥ जवलगिप्रभुप्रतापरविनहीं ॥
 ॥ अवैमैकुसलमिटेनयनानेणा ॥ देखिनामपदकमलतुम्हने ॥
 ॥ तुम्हकपालजापनअनुकूला ॥ ताहिनव्यापत्रिविधनवसला ॥
 ॥ मैनिसिचनअतिअधमसुजाऊ ॥ सुनआचनकीन्हनहिकाऊ ॥
 ॥ जोसरूपमुनिध्याननआवाणा ॥ तेइप्रभुहृदयमोहिलावा ॥
 ॥ दोहा ॥ अहोनागममअमितअतिनामकृपासुखपुंज ॥
 ॥ देखेउनयनविनंचिसिवसेव्यजुगुलपदकंज ॥ ४७ ॥
 ॥ चौ ॥ सुनहुसखानिजकहउसुजाऊ ॥ जाननुसुंदिसंभुगिनिजाऊ ॥
 ॥ जोननहोइचनाचनदेहिणा ॥ आवैसन्नयसननतकिमोहि ॥
 ॥ तजिमदमोहकपटधलनाना ॥ कनौंसद्यतेहिसाधुसमाना ॥
 ॥ जननीजनकबंधुसुतदारणा ॥ तनधननवनसुहृदपनिवार ॥
 ॥ सबकैममतातागवटोनीणा ॥ ममपदमनहिवांधिवटिडोनी ॥
 ॥ समदनसीइछाकघुनाहीं ॥ ॥ हनयसोकनयनहिमनमाहीं ॥
 ॥ अससज्जनममउनवसकैसैं ॥ लोचिहृदयवसतधनजैसैंणा ॥
 ॥ तुम्हसनिधेसंततप्रियमोने ॥ धनउंदेहनहिआननिहोने ॥
 ॥ दोहा ॥ सगुनउपासकपनमहितनितिनीतिदिखनेम ॥
 ॥ तेनरप्रानसमानममजिन्हकेहिजपदप्रेमाणा ॥ ४८ ॥
 ॥ चौ ॥ सुनुलंकेससकलगुनतोने ॥ तातैतुम्हअतिसयप्रियमोने ॥
 ॥ नामवचनसुनिवोननजूया ॥ सकलकहहिजयकृपावनूया ॥
 ॥ सुनतविजीवनप्रभुकइवनि ॥ नहिआघातश्रवनामत्तसानीणा ॥
 ॥ पदअवुजगाहिवानहिवाना ॥ हृदयसमातनप्रेमअपानाणा ॥
 ॥ सुनहुदेवसचनाचनस्वामी ॥ प्रनतपालउनअतनजामीणा ॥

॥ उरकछु प्रथमवासनानहिगागा ॥ प्रनुपदप्रितिसनितसोवठि ॥ ॥
 ॥ अवकृपालनिजन्नगतिपावनी ॥ देहुसदाशिवजोमनननावनी ॥
 ॥ एवमस्तुप्रनुकहननधीनागागा ॥ मांगातुनतसिंधुकननीनागागा ॥
 ॥ जदपिसषातवइधनाहिंगागागा ॥ मोनदनसअमोघजगमाहि ॥ ॥
 ॥ असकहिनामतिलकतेहिसाना ॥ सुमनवधिनननऐउअपाना ॥

॥ दोहा ॥ नावनक्रोधअनलसमस्त्राससमीरप्रचंड ॥

॥ जनतविनीषननाषेउदीनेउनाजअखंड ॥ ॥

॥ जोसंपतिसिवनावनहिदीन्हिदेदशमाथ ॥

॥ सोसंपदाविनीषनहिसकुचिदीन्हिनधुनाथ ॥ ४६ ॥

॥ चौ ॥ असप्रनुधंशडिन्नजाहिजेइआना ॥ तेननपशुविनुपूछवधाना ॥ ॥

॥ निजजनजानितहिअपनावा ॥ प्रनुसुनावकपिकुलमननाव ॥

॥ सुनिसर्वग्यसर्वउनवासीगागागा ॥ सर्वरूपसवनहितउदासीगागा ॥

॥ बोलिवचननीतिप्रतिपालकगागा ॥ काननमनुजदनुजकुलधालक ॥

॥ सुनुकपीसलंकापतिवीनागागागा ॥ केहिविधिउत्तनियजलधिगंजीरा ॥

॥ संकुलमकनउनगकुलजातीगागा ॥ अतिअगाधदुस्तनसवजाती ॥ ॥

॥ कहलंकेशसुनहुनधुनाऐकगागा ॥ केटिसिंधुसोषेतवसायकागागा ॥

॥ जघूपितदपिनेतिअसिगाई ॥ विनयकनियसागनपहंजाई ॥

॥ दोहा ॥ प्रनुतुम्हानकुलगुनजलधिकहहिउपायविधानि ॥

॥ विनुप्रयाससागनतनहिसकलजालुकपिधानि ॥ ४७ ॥

॥ चौ ॥ सखाकहेउनुम्हनीकउपाईगागा ॥ कनियदेवजोहोइसहाईगागा ॥

॥ मंत्रनयहलधिमनमननाव ॥ नामवचनसुनिअतिदुषपावा ॥

॥ नाथदेवकनकवनननोसागागा ॥ सोषियसिंधुकनियमननोसा ॥

॥ कौदनमनकनऐकअधानागागागा ॥ देवदेवअलसीपुकानागागागा ॥

॥ सुनतविहसिवोलेनधुवीनागागा ॥ ऐसेइकनवधनहुमनधीनागागा ॥

॥ असकहिप्रनुअनुजहिसमुहई ॥ सिंधुसमीपगऐनधुनाईगागागा ॥

॥ प्रथमप्रनामकीन्हिसिनुनाईगागागा ॥ बैठेतटसुनिडाभउसाईगागागागा ॥

॥ जवहिविनीषनप्रनुपहिआऐ ॥ पाछेनावनदूतपठाऐगागागागा ॥

॥ दोहा ॥ सकलचनिततिन्हदेवाधनेकपटकपिदेह ॥

सुंदर०

॥११॥

॥ प्रभुगुन हृदयसनाहर्हि शरनागत पवननेह ॥५१॥

॥ चौ प्रगट वधानहि नाम सुजातुगा ॥ अतिस प्रेमगानि सनिदुरातुगा ॥

॥ निपुके दूत कपिन्ह जव जानेगा ॥ सकल बांधिक पीस पहं आने ॥

॥ कह सुग्रीव सुनहु सव बांनन ॥ अंगनंग कनि पठ वनिसाचन ॥

॥ सुनिसुशीव वचन तव धाऐगा ॥ बांधिक टक चहु पांस फिनाऐगा ॥

॥ बहु प्रकार मानन कपिल गीगा ॥ दीन पुकारत तदपि न त्यागेगा ॥

॥ जोह मान है न साका नागा ॥ तेहि को सलाही सक इशाना ॥

॥ सुनिल छिमन ते इनि कटवो लोए ॥ दयालागि हसितु न तछ डोए ॥

॥ नावन कन दीने उग्रह पातीगा ॥ लछिमन वचन बांचु कुल धाती ॥

॥ दोहा कहहु मुधागन मूढ सनम संदेस उदारगा ॥

॥ सीता दे इमिल उनतु आवा काल तुम्हान ॥५२॥

॥ चौ तुनतना इल छिमन पद माथा ॥ चले उदूत वनन तगुन गाथा ॥

॥ कहत नाम जसलंका आऐगा ॥ नावन चनन सीस तिन्ह नाऐ ॥

॥ विहसि दसानन पूछी उवाता ॥ कहसिन सुक आपनि कुसलाता ॥

॥ पुनिकहु कुशल विनीषन केनी ॥ जोहि मत्यु आई अति नेनी गा ॥

॥ कनत नाजुलंका सठ त्यागीगा ॥ होइ हि जव कन कीट आगीगा ॥

॥ पुनिकहु नालु की सकट काई ॥ कठिन काल प्रेनि तचलि आई ॥

॥ तिन्ह के जीवन कन रष वारा ॥ नये उम दुलचित सिंधु विचारा ॥

॥ कहत पासिन्ह कइ वात वहेनी ॥ जिन्ह के हृदय त्रास वडि मोनी ॥

॥ दोहा कीनै नेट कि फिनि गऐ अवन सुजस सुनि मोन ॥

॥ कहसिन निपुदल ते जवल बहुत चकित चित तोन ॥५३॥

॥ चौ नाथ कृपा कनि पूछहु जैसे ॥ मानहु वचन क्रोधत जितै सैं ॥

॥ मिला जाइ जव अनुज तुम्हारा ॥ जातहि नाम तिलक तेहिसारा ॥

॥ नावन दूत जव हि सुनिकानागा ॥ कपिन्ह बांधि दीने दुख नाना ॥

॥ अवन नासिका काटन लागेगा ॥ नाम सपथ दीने हम त्यागेगा ॥

॥ पूछे उनाथ नाम कट काईगा ॥ वदन कोटि सत वननि न जाई ॥

॥ नाना वनन नालु कपि धानी ॥ विकटानन विसाल नय कानी ॥

॥ जोहि पुन देहे उवधे उ सुत तोना ॥ सकल कपिन्ह महं तेहि वलयेना ॥

॥ अमितनाम नयकठिनकराला ॥ अमितनागवल्गुविपुलविशाला ॥
 ॥ दोहा ॥ दुविदमयं दनीलनल अंगदादिविकटासि ॥
 ॥ दधिमुखकेसनि कुमुदगवजामवंतवलनासि ॥ ५४ ॥
 ॥ चौ ॥ येकपिसवसुग्रीवसमानाणा ॥ ऐरुवलकोटिगनैकोनाना ॥
 ॥ नामकृपा अनुलितवलतिरुहिं ॥ तनसमानत्रैलोकहिगनहिं ॥
 ॥ असमैश्रवनसुनादशकंधन ॥ पदुमअठानहजुथ्यपवंदन ॥
 ॥ नाथकटकमहसोकपिनाहिं ॥ जेहितुमृजीतिसकहुननसहिं ॥
 ॥ पनमक्रोधमीजहिसवहाथा ॥ आयसुं पैनदेहिनधुनाथाणा ॥
 ॥ सोधहिं सिंधुसहितदृषयाला ॥ पूरीहिनतुधनिकुधनविसाला ॥
 ॥ मनदिगनदिमिलवहिदससीसा ॥ ऐसेवचनकहहिंसवकीसाणा ॥
 ॥ गर्जहितनजहिसहजअसंका ॥ मानहुंगसनचहतश्रवत्संका ॥
 ॥ दोहा ॥ सहजसहनकपिनालुसवपुनिसिनपनप्रनुनाम ॥
 ॥ नावनकालकोटिकहुं जीतिसकहिंसंग्रामाणा ॥ ५५ ॥
 ॥ चौ ॥ नामतेजवलबुधिविपुलाई ॥ सेससहससतसकहिनगाई ॥
 ॥ सकसनएकसोधिसतसागन ॥ तुवचातहिपूछेउनयनागन ॥
 ॥ तासुवचनसुनिसागनपाहिं ॥ मागतपंथकृपामनमाहिं ॥
 ॥ सुनतवचनविहसादससीसा ॥ जोअसिमतिसहाइकृतकीसा ॥
 ॥ सहजमीनुकनवचनडिछाई ॥ सागनसनठानीमचलाईगाणा ॥
 ॥ मूढमृषाकहकनसिवछाई ॥ निपुवलबुद्धिथाहमैपाईगाणा ॥
 ॥ सचिवसनीतविनीषनजाकै ॥ विजयविभूतिकहालगितोकै ॥
 ॥ सुनिषलवचनदूतनिसवाछि ॥ समयविचानिपत्रिकाकाछि ॥
 ॥ नामअनुजदीन्हीयहपातीणा ॥ नाथवंचाइजुडावहुछूतीणा ॥
 ॥ विहसिवामकनलीन्हिसिनावन ॥ सचिवबोलिसठलागवंचावन ॥
 ॥ दोहा ॥ वातरुमनइनिहाइसठजनिघालसिकुलषीस ॥
 ॥ नामविनोधनउवनसिसननगऐउअजईसग ॥ ५६ ॥
 ॥ कीतजिमानअनुजइवप्रनुपदपंकजनंगगाणा ॥
 ॥ होहिकिनामसनलखलकुलसहितपतंग ॥ ५६ ॥
 ॥ चौ ॥ सुनतवचनमनमहमुसुकाई ॥ कहतदसाननसवहिसुनाई ॥

सुंदर०

॥१२॥

॥ नमिपनासोइगहइअकासा ॥ लघुतामसकनवागविलासा ॥
 ॥ कहसुकनाथसत्यसववानी ॥ समुहहुधैडिसकलअभिमानि ॥
 ॥ सुनहुवचनममपनिहसिकोधा ॥ नाथनामसनतजहुविनोधा ॥
 ॥ अतिकोमलनघुवीनसुनाउ ॥ जद्यपिअधिललोककननाउ ॥
 ॥ मिलतक्रपानुमूपनप्रभुकमिहैं ॥ उनअपनाधन ऐकउधमिहैं ॥
 ॥ जनकसुतानघुनाथहिदीजे ॥ एतनाकहामोनप्रभुकीजेगा ॥
 ॥ जवतेहिदेनकहेउवैदेहीगा ॥ चरनप्रहानकीन्हसठतेहीगा ॥
 ॥ चरननाइसिनचलासोतहवां ॥ कृपासिंधुनघुनाऐकजहवां ॥
 ॥ करिप्रनामनिजकथासुनाई ॥ नामकृपाआपनिगतिपाई ॥
 ॥ अविअगस्तिकनआपनवानी ॥ नाथसन्नऐउनहेउमुनिग्यानी ॥
 ॥ बंदिनामपदवानहिवागगा ॥ पुनिनिजआश्रमकहैपगुधाना ॥
 ॥ दोहा ॥ बिल जमानतजलधिजडुगऐतीनिदिनवाति ॥

॥ बोलैनामसकोपतवन्नयविनुहोइनप्रीतिगा ॥ ५३ ॥

॥ चौलधिमनवानसनासनआन ॥ सोषहिवानिधिविसिषकसानू ॥
 ॥ सठसनविनयकुटिलसनप्रीति ॥ सहजकृपिनसनसुंदरनीती ॥
 ॥ ममतानतसनग्यानकहानी ॥ अतिलोनीसनविनतिवषानी ॥
 ॥ जेधिहिशमकामिहिहिनिकथा ॥ उसनबीजबोऐफलजथागा ॥
 ॥ असकहिनघुपतिचापचछावा ॥ यहमतलधिमनकेमनभावा ॥
 ॥ संधानेउप्रभुविसिषकनाला ॥ उठाउदधिउनअंतनज्वाला ॥
 ॥ मकनउनगहधगनअकुलाने ॥ जनतजंतुजलनिधिजवजाने ॥
 ॥ कनकथानननिमनिगननाना ॥ विप्ररूपआऐउत्तजिमानागा ॥

॥ दोहा ॥ कोटेहिपनकदलीफनैकोटिजतनकोउसीच ॥

॥ विनयनमानिसगोससुनुडाटेहिमानइनीच ॥ ५४ ॥

॥ चौसन्नयसिंधुपदगहिप्रभुकेने ॥ छमहुंनाथसवअवगुनमोने ॥
 ॥ गगनसमीनअनलजलधननी ॥ इन्हकैनाथसहजजडकननी ॥
 ॥ तवप्रेनितमायाउपजाऐगा ॥ सुधिहेनुसवग्रंथनगाऐगा ॥
 ॥ प्रभुआयसुजेहिकहजसअहहि ॥ सोतेहिजातिनहेसुषलहहि ॥
 ॥ प्रभुनलिमोहिसियावनिदीन्ह ॥ मनजादापुनितुमनियकीन्ह ॥

सुन्दर०

112311

॥ ठाल

श्रीगणेशायनमः

न उक्ताकेतीननामकुः दयागिरिविदगिरिवाग्दयागिरि
दयागिरिनामद्वयगिरिविदगिरिवाग्दयागिरि

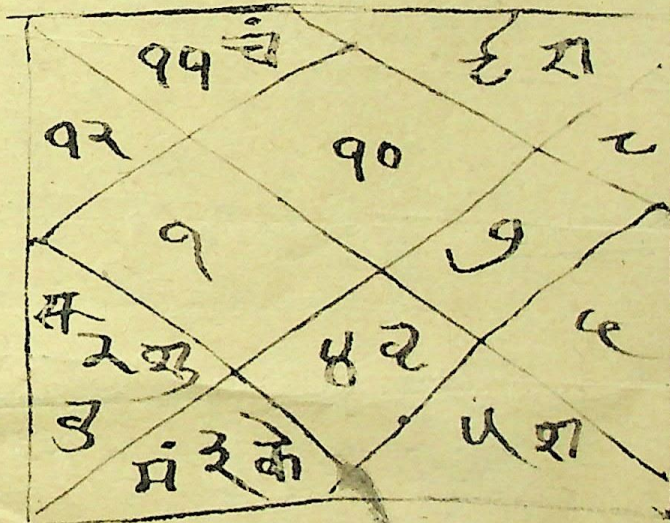
संवत् १८२४ श्रीमुखनामसंवत्सर

श्रीसूर्यदेवताय नमः

ज्येष्ठ मासे शुभे कृष्ण पक्षे तिथी ७

८७ का सरे शतभिषजां मनक्षत्रे

जन्मः तत्र ईश्वर ४८



अधिकारी ॥॥

गोविन्दार्ई॥

हृदिसुहार्द॥

काइ ॥॥

पाइ ॥ ५८ ॥

सिद्धपादिका॥

तापनुम्हने॥

मानसहार्द ॥

कतिहुंगाई॥

नञ्प्रघनासी ॥

तन्धीना ॥॥॥

नयेउसधनि॥

असिधावा॥॥

मन्त्राण्ड

गणेश

विष्णुसहस्रनाम

पुनः पुनः

३५५

1150

॥

सगुणः ॥
अथ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ पंचन्यास ॥
॥ श्रीगणेशाय ॥

अभिहित ॥

सुंदर०

॥१२॥

॥ नमिपनासोइगहइअकासा ॥ लघतामसकनवागविलासा ॥
 सकलअनिमानी ॥

हुविनोधा ॥

गोककननाकु ॥

ऐकउधमिहैं ॥

प्रभुकीजेगा ॥

हसठतेहिगा ॥

ऐकजहवाँ ॥

गतिपाई ॥

उमुनिग्यानी ॥

कहैपगुधाना ॥

देनवाति ॥

गा ॥ ५७ ॥

विसिषकसानू ॥

सुंदरनीती ॥

नतिवधानी ॥

हलजथागा ॥

केमनभावा ॥

प्रतनज्वाला ॥

निधिजवजाने ॥

तजिमानागा ॥

सिच ॥

॥ ५८ ॥

प्रवगुनमोने ॥

जडकननी ॥

अथरुगाऐगा ॥

॥ प्रभुआयसुजेहिकहजसअहहि ॥ सोतेहिचाँतिनहेसुषलहहि ॥
 ॥ प्रभुनलिमोहिसियावनिदीन्हि ॥ मनजादापुनितुम्हियकीन्हि ॥

لف اعلیٰ سے لے کر اس کے انتہائی درجہ تک

نام سے لے کر اس کے

مکمل ہونے تک اس کے

باضر کو لے کر اس کے انتہائی درجہ تک

مکمل ہونے تک اس کے

انتہائی درجہ تک

کچھ

کچھ

सुन्दर०

॥१२॥

॥ चूमि पनायो डगह डगकासा ॥ लघुतामस कनवागविलासा ॥

॥ कहमन

लघुभिमानि ॥

हुविनोधा ॥

ककननाडु ॥

ऐकउधमिहैं ॥

प्रभुकीजेगा ॥

सठतेहिगा ॥

ऐकजहवाँ ॥

गतिपाई ॥

उमुनिगयनी ॥

कहैपगुधाना ॥

हनवाति ॥

गा ॥५७॥

वैसिषकसानू ॥

सुन्दरनीती ॥

नतिवधानी ॥

लजधागा ॥

केमनभावा ॥

तनज्वाला ॥

धिजवजाने ॥

तजिमानागा ॥

सिच ॥

॥५८॥

वगुनमोने ॥

तडकननी ॥

प्रहगाऐगा ॥

॥ प्रभुनानुसुगहवाएजतश्रहह ॥ ताताहभातनहसुषलहहैं ॥

॥ प्रभुनलिमोहिसियावनिदीही ॥ मनजादापुनितुमहिनियकीही ॥

सुदन०

॥१३॥

॥ ढोलगवानुनीचुअनुनानीगा ॥ सकलताउनाकेअधिकानी ॥
 ॥ प्रभुप्रतापमैंजावसुधार्इगा ॥ उत्तनिहिकटकनमोनिवडाई ॥
 ॥ प्रभुअग्याअपेलप्रुतिगार्इगा ॥ कनोसोवेगिजोतुम्हिसुहार्इ ॥
 ॥ दोहा सुनतविनीतवचनअतिकहकृपालमुमुकाइ ॥
 ॥ जेहिविधिउतनइकपिकटकतातसोकनहुउपाइ ॥ ५० ॥
 ॥ चौनाथनीलनलकपिदोउभाई ॥ लनिकाईनिधिआसिषपाईगा ॥
 ॥ तिन्हकनपनसकिऐगिनिभाने ॥ तनिहहैंजलधिप्रतापतुम्हसे ॥
 ॥ मैंपुनिउनधनिप्रभुप्रभुताई ॥ कनिहउवलअनुमानसहार्इ ॥
 ॥ ऐहिविधिनाथपयोधिबंधार्इ ॥ ऐहिजससुजसलोकतिहुंगार्इ ॥
 ॥ ऐहिसनममन्नउतनदिसिवासी ॥ हतहुनाथवलननअधनासी ॥
 ॥ सुनिकृपालसागनमनपीना ॥ तुनतहिहनीनामननधीना ॥
 ॥ देखिनामवलअतुलितनानी ॥ हनधिपयोनिधिचनेउसुधनि ॥
 ॥ सकलचनितकहिप्रभुहिसुनावा ॥ चननवंदिपाथोधिधिधावा ॥
 ॥ छंदनिजभवनगवनेउसिंधुश्रीनधुपतिहियहमननोऐउ ॥
 ॥ यहचनितकलिमलहनजथामतिदासतुलसीगाऐउ ॥
 ॥ सुषभवनसंशयशमनदमनविषादनधुपतिगुनगना ॥
 ॥ तजिआससकलन्नोसगावहिसुनहिसंततसुचिमना ॥
 ॥ दोहा सकलसुमंगलदायकनधुनायकगुनगान ॥
 ॥ सादनसुनहितेतनहिनवसिंधुविनाजलजान ॥ ६० ॥
 ॥ इतिश्रीनामचनित्रमानसेसकलकलिकलुषविध्वंसनेग्यान ॥
 ॥ संपादिनीपंचमोसोपान ॥ सुंदनकांडसमाप्तः शुभमस्तु ॥
 ॥ संवत् १८५१ ॥ समयचाइपेदमासिकृष्णपक्षेतिथोपंचम्यान्न ॥
 ॥ गुवासने ॥ लिखितमिदंपुस्तकंपांडेसदाशिवेन ॥ श्रीमत्तगो ॥
 ॥ सांईहेमगिनिमहंतस्यपाठार्थंशुनंभूयात् ॥ श्रीरामायनमः ॥

विशेष विज्ञान आनंद पुरेदा ॥ कंदुक इव नल नील तेलेही ॥

॥ देखिसेतुअति सुंदर न चना ॥ विहसि कृपानिधि वोलै वचना ॥
 ॥ परम नम्य उत्तम यह धरनी ॥ महिमा अमित जाइ नहि वरनी ॥
 ॥ कनिह उंइहा संभु अस्प पना ॥ मोने हृदय परम कल्पना ॥
 ॥ सुनिकपी सबहु दूत पठाये ॥ मुनि वन सकल वोलि लै आये ॥
 ॥ लिंगायापि विधि वत कनि पूजा ॥ शिव समान प्रिय मोहि न दूजा ॥
 ॥ शिव द्रोहि मम न गत कहावा ॥ सोन न सपनेहुं मोहि न पावा ॥
 ॥ शंकन विमुख भक्ति चह मोनी ॥ सोन न मूछ अधम मति थोनी ॥
 ॥ दोहा शंकन प्रिय मम द्रोहि शिव द्रोहि मम दास ॥

॥ तेन न कनिह कल्पनिघो न नर्क महवास ॥ २ ॥

॥ चौजेनामेश्वर दनशन कनिहहिं ॥ तेतनु तजिमम लोक सिधमिहिं ॥
 ॥ जोरांग जलु ॥ आनि चलाइहि ॥ सोसा जुज्य मुक्ति नर पाइहि ॥
 ॥ होइ अकाम जो धरु तजिसेइहि ॥ भक्ति मोनि तेहि शंकन देइहि ॥
 ॥ मम कृत सेतु जो दनसन कनिहिं ॥ सोविनु भ्रम न वसागर तनिहिं ॥
 ॥ नाम वचन सब के मन भाएगा ॥ मुनि वन निज निज आश्रम आये ॥
 ॥ गिनि जान धुपति कइयहीती ॥ संतत करहिं प्रनत पर प्रीती ॥
 ॥ बांधे उं सेतु नील नल नागनागा ॥ राम कृपा जस न ऐउ उजागर ॥
 ॥ बूडहिं आनीहिं वीरहिं जेइगा ॥ भये उपलवोहित सम तेइगा ॥
 ॥ महिमा यह न जलधिके वरनी ॥ पाहन गुन न कपि न के करनी ॥
 ॥ दोहा श्रीरघुवंश प्रताप ते सिंधु तने उपाधानगा ॥

॥ तेमति मंदजेनाम तजि न जहि जाइ प्रभु आन ॥ ३ ॥

॥ चौवाधि सेतु अति सुदिखनावा ॥ देखि कृपानिधिके मन भावा ॥
 ॥ बली सेन कछु वरनि न जाइगा ॥ गर्जहि मर्कट नट समुदाइगा ॥
 ॥ सेतु वंध छिग च छि न धुनाइगा ॥ चित व कृपाल सिंधु बहु ताइगा ॥
 ॥ देखन कहें प्रभु कुनु ना कंदागा ॥ प्रगट न ऐस वजल वन बंदागा ॥
 ॥ नाना मकन न क हष ब्याला ॥ सत जो जनतनु परम विसाला ॥
 ॥ ऐसे उ एक ति नहिं जेखाही ॥ एक न के उर ऐक पनाही ॥
 ॥ प्रभु हि विलोकहिं नहिं नटाने ॥ मन हरषित सब न ऐसुषावे ॥
 ॥ ति न की ओट न देखियवानी ॥ मगन न ऐह निरूपनिहानी ॥

॥ चलाकटककषुवननिनजाईगा ॥ कोकहिसककपिदलविपुलाई ॥

॥ दोहा सेतबंधुनइनीनश्रितिकपिननपंथउडाहि ॥

॥ अपनजलचनन्हउपनचछिचछिपानहिजाहि ॥ ४ ॥

॥ चौ असकौतुकविलोकिदोऊनाई ॥ विहसिचलेकपालनधुनाईगा ॥

॥ सेनसहितउत्तरेनधुवीनागा ॥ कहिनजाइकपिजूथपनीनागा ॥

॥ सिंधुपानप्रभुडेनाकीनागा ॥ सकलकपिन्हकहंआयसुदीन्ह ॥

॥ बाहुजाइफलमूलसुहाए ॥ सुनतभालुकपिजहंतहंहाए ॥

॥ सबतनुफलेनामहितलागी ॥ नितुअननितुहिकालगतित्यगी ॥

॥ बाहिमधुनफलविटपहलावीहं ॥ लंकासनमुखसिधनचलावहि ॥

॥ जहंतहंफिनतनिसाचनपावीहं ॥ धेनिसकलवहुनौचनैचावहि ॥

॥ दसनन्हकाटिनासिकाकाना ॥ कहिप्रभुसुजसदेहंतवजाना ॥

॥ जिन्हकननासाकाननिपाता ॥ तिन्हनावनहिंकहिसववाता ॥

॥ सुनतश्रवनवनिधिवंधाना ॥ दसमुखबोलिउठाअकुलाना ॥

॥ दोहा वाँथ्यौवननिधिनीननिधिजलधिसिंधुवानीस ॥

॥ सत्यतोइनिधिकंपनिधिउदधिपयोधिनदीस ॥ ५ ॥

॥ चौ व्याकुलतानिजसमुहिवहोरी ॥ विहसिचलाग्रहकनिभयनेरी ॥

॥ मंदोदरीसुनाप्रभुआएउगा ॥ कौतुकहींपाथोधिवंधाएउ ॥

॥ कनगाहिपतिहिन्नवननिजअनि ॥ बोलीपरममनोहनवानी ॥

॥ चनननाइसिनअचलनोपागा ॥ सुनहुंवचनपियपनिह्निकोपा ॥

॥ नाथवयनकीजेताहिसौगा ॥ बुधिवलसकियजीतिजहिसौ ॥

॥ तुमहिनधुपतिहिअंतरकैसा ॥ खलषद्योतहिदिनकरजेसा ॥

॥ अतिबलमधुकैटनजेहिमाने ॥ महावीनदितिसुतसंधाने ॥

॥ जेहिवलिवंधिसहसभुजमाना ॥ सोइअवतनेउहननमहिमाना ॥

॥ तासुविनाधनकीजियनाथागा ॥ कालकर्मजिवजाकेहाथा ॥

॥ दोहा नामहिंसौपहुजानकिहिनाइकमलपदमाथ ॥

॥ सुतकहुंराजसमर्पिवनजाइन्नजियनधुनाथ ॥ ६ ॥

॥ चौ नाथदिनदयालनधुनाईगा ॥ बाघहुसनमुखगएनखाईगा ॥

॥ गहियकननसोसबकनिवीते ॥ तुमसुनअसुनचनचनजीते ॥

॥ संत कहि हैं असिनीति दशानन ॥ बौधेपनहिं जाहि नृपकानन ॥
 ॥ ता सुन जनकी जियत हैं नरता ॥ जो कनता पालन संहनता गागा ॥
 ॥ सो इन धुवीन प्रनत अनुगामी ॥ भजहु नाथ ममता सब त्यागी ॥
 ॥ मुनि वन जनत कनहिं जे हिलगि ॥ नृपना जु तजि होहि विनागी ॥
 ॥ सो इको शालाधी शान धुनायागा ॥ आए उ कनन तोहि पन दाया ॥
 ॥ जो पिय मानहुं मोन सिखावन ॥ होइ सुजसतिहुं पुन अति पावन ॥
 ॥ दोहा ॥ अस कहि लोचन वनि निगहि पद कं पित गात ॥

॥ नाथ जजहु न धुवीन पद मम अहि वात न जात ॥ ७ ॥

॥ चोत वनावन मय सुता उठाईगा ॥ कहै लाग बल निज प्रभुताई ॥
 ॥ सुनु तैं त्रिया वथा नय माना ॥ जग जोधा को मोहि समाना ॥
 ॥ वउन कुवेन पवन जम काला ॥ मुज बल जिते उस कल दिगपाला ॥
 ॥ देव दनु जन वस सब मोने ॥ कवन हेत उपजा नय तोने ॥
 ॥ नाना विधिते हिं कहि सिबु हई ॥ सत्ताव होनि वैठ सोइ जाईगा ॥
 ॥ मंदोदरी हृदय अस जानागा ॥ काल विवस उपजा अनिमाना ॥
 ॥ सत्ता जाइ मंत्रि नृतेहि बूहा ॥ कनव कवन विधिनि पुसन जूहा ॥
 ॥ कहि हैं सचिव सुनु निमिचन नाहा ॥ वानवान प्रभु पूंछहु काहागा ॥
 ॥ कहहु कवन नय कनिय विचसा ॥ नर कपि आलु अह नह मारा ॥
 ॥ दोहा ॥ वचन सब नृके अवन सुनिकह प्रहस्तिकन जोनि ॥

॥ नीति विनोद न कनिय प्रभु मंत्रि नृमति अति योनि ॥ ८ ॥

॥ चो कहि हैं सचिव सब ठकुन सोहाती ॥ नाथ न भल होइ हिऐ हिलोती ॥
 ॥ वानिधि नोधि ऐक कपि आवा ॥ ता सुचनित मन महुं सब गावा ॥
 ॥ छुधान रहितु महुं हि सब काहागा ॥ जानत नगन कसन धनिवाहा ॥
 ॥ सुनत नीक आगे दुष पावागा ॥ सचिव न असमत प्रभु हि सुनवा ॥
 ॥ जेहि वारी सबंधा ऐउहेलागागा ॥ उत्तनेउ सैन समेत सुवेला ॥
 ॥ सोनि नुमनु जषावह मनाईगा ॥ वचन कहि हैं सब गाल फुलाई ॥
 ॥ सुनि मम वचन तात अति आदर ॥ जनि मन गनहुं मोहि कनिकादर ॥
 ॥ प्रिय वानी जे कहि हैं जे सुनहीं ॥ ऐसे ननिकाय जग अहंहीं ॥

लंका०

॥३॥

॥ वचनपनमहितसुनतकठोरा ॥ ॥ सुनहिंजेकहीहिंतेननजगथेसा ॥
 ॥ प्रथमवसीठपठवसुनुनीती ॥ ॥ सीतहिदेइकरहुपुनिप्रीती ॥ ॥
 ॥ दोहा ॥ नापिपाइफिनिजाहिंजेतो नबळाइयनानि ॥ ॥
 ॥ नाहितसनमुखसमनमहिंतातकनियहहिमाभि ॥ ॥
 ॥ चौ ॥ यहमतजोप्रनुमानहुमोरा ॥ ॥ उन्नयप्रकारसुजसुजगतोरा ॥
 ॥ सुतसनकहदशकंधनिसाई ॥ ॥ असमतिसठतेहिंकेहिसियाई ॥
 ॥ अवहिंतेउनसंशयहोईगा ॥ ॥ वेनुमूलसुतनयेउधमोईगा ॥
 ॥ सुनिपितुगिनापनुषअतिघोरा ॥ ॥ चलानवनकहिंवचनकठोरा ॥
 ॥ हितमततोहिनलागतकेसैं ॥ ॥ कालविवसकहंनेषजजैसैं ॥
 ॥ संध्यासमयजानिदशसीसा ॥ ॥ नवनचलेउनिरषतनुजवीसा ॥
 ॥ लंकासिखरउपरआगाना ॥ ॥ अतिविचित्रतहंहोइआषाना ॥
 ॥ बैठजाइतेहिमंदिरनावनगा ॥ ॥ लागेकिंनरगंधर्वगावनगा ॥
 ॥ वाजहिंतांलपषावजवीनागा ॥ ॥ नृत्यकरहिंअपछनाप्रवीना ॥
 ॥ दोहा ॥ सुनासीनशतसनिससोइसंततकरइविलास ॥ ॥
 ॥ परमप्रवलनिपुसीसपनतदपिनमनकछुत्रास ॥ ॥
 ॥ चौ ॥ इहासुबेलसैलरघुवीरा ॥ ॥ ॥ उत्तनेसैनसहितअतिभीरा ॥
 ॥ सैलभंगऐकसुंदरदेखीगा ॥ ॥ अतिउतंगसमसुन्नविसेखीगा ॥
 ॥ तेहितनुकिसलयसुमनसुहोए ॥ ॥ लछिमनरचिनिजहाथइसाए ॥
 ॥ तेहिपरनुचैनमदुलमृगछाला ॥ ॥ तेहिआसनआसीनकृपाला ॥
 ॥ प्रभुकृतसीसकपीसउछंगा ॥ ॥ वामदहिनदिसिचापनिषंगा ॥
 ॥ दुहुकनकमलसुधानतवाना ॥ ॥ कहलंकेशमंत्रलगिकाना ॥
 ॥ वउन्नागीअंगदहनुमानागा ॥ ॥ वननकमलचौपतविधिनाना ॥
 ॥ प्रभुपाछेलछिमनवीनासन ॥ ॥ कठिनिषंगकरवानसनासन ॥
 ॥ दोहा ॥ ऐहिर्विधिकउनासीलगुनधामनामआसीन ॥
 ॥ तेननधन्यजेध्यानयेहिंनहतसदालयलीन ॥ ॥
 ॥ पूनवदिसाविलोकिप्रभुदेखेउउदितमयंकणा ॥
 ॥ कहतसबहिंदेखहुससिहिमृगपतिसनिसअंसक ॥ ॥

॥ पूनवदिसि गिनिगुहानिवासी ॥ पनमप्रतापतेजवलनासीणा ॥
 ॥ मत्तनागतमकुंनविदानी ॥ ससिकेशनीगगनवनचानीणा ॥
 ॥ विथुनेनभमुकुताहलताना ॥ निहिसुंदरीकेनसिंगानाणा ॥
 ॥ कहप्रनुशशिमहंमेचकर्ताई ॥ कहहुकहानिजनिजमतिताई ॥
 ॥ कहसुशीवसुनउरघुनाईणा ॥ ससिमहुंप्रगटभूमिकैछाईणा ॥
 ॥ मानेहुनाहुससिहिकहकोई ॥ उनमहंपनीस्यामतासोईणा ॥
 ॥ कोउकहजवविधिरतिमुषकीरु ॥ साननागससिकनहनिलीरु ॥
 ॥ छिइसोप्रगटइंदुउनमाहिणा ॥ तेहिमगदेधियननपरिछहि ॥
 ॥ प्रनुकहगनलवंधुससिकेना ॥ अतिप्रियनिजउरदेरुवसेना ॥
 ॥ विषसंजुतकरनिकनपसानी ॥ जानतविनहवंतनननानीणा ॥
 ॥ दोहा कहमानुतसुतसुनहुप्रनुशमितुम्हानप्रियदास ॥
 ॥ तवभूरतिविधुउनवसीसोईस्यामतानासणा ॥
 ॥ पवनतनयकेवचनमुनिविहसेनामसुजानणा ॥
 ॥ दक्षिणादिशाविलोकिप्रनुबोलेउक्रपानिधान ॥ १२ ॥
 ॥ चौदेखुविनीषनदक्षिनआसा ॥ घनघमंडदामिनीविलासा ॥
 ॥ मधुनमधुनगर्जहिघनघोना ॥ होइविद्धिजनिउपलकठेसा ॥
 ॥ कहहिंविनीषनसुनहुक्रपाला ॥ होइनतडितनवानिदमाला ॥
 ॥ लंकासिषननुचिनआगाना ॥ तहांदशकंधनकेनअधाना ॥
 ॥ छत्रमेघउंवनसिनधानीणा ॥ सोइजनुजलदघटाअतिकनी ॥
 ॥ मंदोदरीश्रवनताटंकाणा ॥ सोइप्रनुजनुदामिनीदमंका ॥
 ॥ वाजहिंतालमदंगअनूपाणा ॥ सोइनवसरससुनहुसुननूपा ॥
 ॥ प्रनुमुसुकानसमुहिअभिमाना ॥ चापचकाइवानसंधानाणा ॥
 ॥ दोहा छत्रमुकुटताटंकतवहतेउऐकहिवान ॥
 ॥ देखतसबकेपरेमहिमनमुनकोउजानाणा ॥
 ॥ असकोतुककनिनामसनप्रविसेउआइनिधंग ॥
 ॥ रावनसनाससंकसवदेधिमहानसचंग ॥ १३ ॥
 ॥ चौकंपनभूमिनमनुतविशेषा ॥ असससुनकधुनयननदेखाणा ॥
 ॥ सोचहिंसवनिजहृदयविचानी ॥ असगुननयेउनयंकनभा ॥

लंका०

॥४॥

॥ दशमुखदीपसन्नाभयपाईणा ॥ विहसिवचनकरुजुगुतिवर्नाई ॥
 ॥ सिरउगिनैसंततसुन्नजाहि ॥ मुकुटधेसंकसअसगुनताहि ॥
 ॥ सयनकरहुनिजनिजग्रहजाई ॥ गवनेनवनसकलसिनुनाई ॥
 ॥ मंदोदरीसोचउनवसेडुणा ॥ जवतैश्रवनपूरमहिषसेडु ॥
 ॥ सजलनयनकरुजुगकनजोरी ॥ सुनहुंप्रानपतिविनतीमोरी ॥
 ॥ कंतनामविरोधपरिहरहूणा ॥ मनुजजानिहठमनजनिकरहू ॥

॥ दोहा ॥ विश्वरूपनधुवंशमनिकरहुवचनविस्वासु ॥

॥ लोककल्पनावेदकरुअंगअंगप्रतिजासुणा ॥ १४ ॥

॥ चौपदपातालसीसअजधामार ॥ अपनलोकअंगअंगविश्रामार ॥
 ॥ अकुटिविशालनयंकनकाला ॥ नयनदिवाकरकचघनमाला ॥
 ॥ जासुधानअस्वनीकुमारणा ॥ निसिअनुदिवसनिमेषअपना ॥
 ॥ अवनदिशादसवेदवधानी ॥ मानुतस्वासनिगमनिजवानी ॥
 ॥ अधनलोभजमदशानकराला ॥ मायाहासबाहुदिगपालाणा ॥
 ॥ अननअनलअवुपतिजीहा ॥ उत्पतिपालनप्रलयसमीहा ॥
 ॥ रोमराजीअष्टादशानाराणा ॥ अस्थिसेलसनितानसजाना ॥
 ॥ उदनउदधिअधगोजातना ॥ जगमयप्रभुकीबहुतकल्पना ॥

॥ दोहा ॥ अहंकारशिवबुद्धिअजमनससिचित्रमहान ॥

॥ मनुजवासचनअचनमयरूपनामभगवानणा ॥

॥ असविचानिसुनुप्रानपतिप्रभुसनवयनुविहाइ ॥

॥ प्रीतिकरहुनधुवीनपदममअहिवातनजाइ ॥ १५ ॥

॥ चौविहसानानिवचनसुनिकाना ॥ अहोमोहिमहिमावलवानाणा ॥
 ॥ नानिसुनाउसत्यकविकहहो ॥ अवगुनआठसदाउनरहहो ॥
 ॥ साहसअनतचपलतामाया ॥ नयअविवेकअसोचअदाया ॥
 ॥ निपुकरूपसकलतोहिगावा ॥ अतिविसालनयमोहिसुनाव ॥
 ॥ सोसवप्रियासकलवसमोने ॥ समुहिपनाप्रतापअवतोने ॥
 ॥ जानिउंप्रियातोनिचतुनाई ॥ ऐहिमिसकहेहुमोनिप्रभुताई ॥
 ॥ तववतकहीगुरुमगलोचनि ॥ समुहतसुषदसुनतनयमोचनि ॥
 ॥ मंदोदनिमनमहंअसठऐडुणा ॥ पियहिकालवसभतिअमनऐडु ॥
 ॥ दोहा ॥ बहुविधिजलपतसकलनिसिप्रातनऐदसकंध ॥

॥ सहज असंकीलंकपतिसजागये मतिअंधणा ॥
 ॥ मंत्रिन्हसहितलंकपतिचढे उधवनहनजाइ ॥
 ॥ तबसाननकहनाजसनदेखहुदलसमुदाइ ॥ १६ ॥
 ॥ चौयहजोसिंहनादकिलकाई ॥ तनुवनसप्तसमानउचाईगा ॥
 ॥ सहसकोटिशतसंकुसमाना ॥ ऐहिसंगवाननपनिमाना ॥
 ॥ ननअजीतअनुअतिनिहसंका ॥ नादसुनेकांपतिहइलंकागा ॥
 ॥ लागअकासकेचूरलंगरागागा ॥ जनुमहिपावसधनुषअंकूरा ॥
 ॥ विश्वकरमाकेसुतअभिमाना ॥ जिन्हसागरबांधाअनुमाना ॥
 ॥ वसहिंतीवृगिनिकंदनमाहिंगा ॥ गोदावरीविमलजलपहिं ॥
 ॥ अतिवलआगेंधावहिंवीरागा ॥ यइदोउसेनापतिनलनीला ॥
 ॥ दोहा पदुमअठानहकपिदलवलइन्हकेनुजधौह ॥
 ॥ अपनेहाथपुष्पलइनधुपतिपूजीवाहु ॥ १७ ॥
 ॥ चौयहजोआवतअचलसमाना ॥ चउदहतानकुंचपरमानागा ॥
 ॥ वासपुलिंदाकेतटकनईगा ॥ अंबुदकुपनयहसंचनईगागा ॥
 ॥ तातकमलकेसनिअसिदेहा ॥ जनुअकाससंध्याकरमेहागागा ॥
 ॥ मेदिनिहतिलंगूननवाइगा ॥ लंकासौंहचितइजनुयाइगागा ॥
 ॥ तानासुवनवालिकोजायोगा ॥ अतिजुहाननधुपतिमनअपि ॥
 ॥ मनमहुंजपइनामकरनौकुं ॥ निसिदिनुयहिकनयहइसुभाकु ॥
 ॥ कनइवजुवासवकरनंगा ॥ उदयाचलजेहिलेइउधंगगागा ॥
 ॥ सेनापतिअहसवकेआगे ॥ नधुपतिक्रपाकरनतवडनागे ॥
 ॥ दोहा पाँउन्नमिजोचापईपन्नगहोइअकाज ॥
 ॥ पाँचपदुमवोननसंगयहअंगदजुवनाज ॥ १८ ॥
 ॥ चौयहजोखेतलसइतनुनेया ॥ जनुरूपकरअंगविशेषागागा ॥
 ॥ दीर्घकेशदानुननुजंदडागागा ॥ पायचपलपलवंगप्रचंडागा ॥
 ॥ वासकरहिजलनिधिकेतीना ॥ पानकरइगोमतिकननीना ॥
 ॥ नपसुग्रीवकेनअधिकानी ॥ सबलबूहयहनचइसंवानी ॥
 ॥ वलअनुबुधिनहिऐहिसमाना ॥ ऐहिकनपुनुषानथजगजाला ॥
 ॥ जेहिदिनजन्मेउवलअधिकई ॥ चढेउचूनगोमतिकेधाईगा ॥

लंका०

॥५॥

॥ चंद्रहिधनइगगन उछनेकुणा ॥ सत्तत्रिजोजनतैफिनिपनेकु ॥

॥ दोहा वैननपंचासकोटिसंगसवदिनयाकेसाथ ॥

॥ कालहुसैननजूहईकुमुदआहिकपिनाथ ॥ १८ ॥

॥ चौयहदेखहुजोइघटासुहाई ॥ जसन्नननादउंकनबहुताई ॥

॥ नीलवननसुवेलहोइगऐकु ॥ अवनिअकासऐकनसन्नऐकु ॥

॥ आगोंपाछेदशदिशधावहिं ॥ सिलाभंगतनुतोनिचलावहिं ॥

॥ सहसनागवलशंकुसमाना ॥ सप्तपदुमइरुकरपनिमाना ॥

॥ यइनिघवतकासीकेवासी ॥ अजनअजीतअचलअविनासी ॥

॥ तीछनदंतनयायुधधानी ॥ मन्निहंगजधनिदंतउपानी ॥

॥ इरुनिघरुकरजूथअपाना ॥ धूमकेतुयइपालन्हिहानागा ॥

॥ इरुकरज्येष्ठबंधुजामवंता ॥ जिनुकेवलकरनाहिनअंत ॥

॥ तीनिलोकसनजूहइपानइ ॥ संकटपनइसुवेलउपानइगा ॥

॥ वासकरइनर्मदाकेतीरा ॥ वज्रसमानअनेदशानीनागा ॥

॥ दोहा राजाकरयहमंत्रीनघुपतिकननिजदास ॥

॥ कालहुसनननजूहईनेकुनलेइउसास ॥ २० ॥

॥ चौअवदेखहुयहजूथअपाना ॥ पीतवननहोइगऐउपहाना ॥

॥ वालअनुननविकिनिसिफूटी ॥ कुंकुममाटदिशाजनुघूटीगा ॥

॥ चउविसअवुदइरुकरजूहा ॥ सहसबंदसइकोटिसमूहा ॥

॥ सिलाभंगजेइआगोंपरइगा ॥ पायरुमीजिकिनकिटाकरई ॥

॥ कंचनगिनिकंदनकेवासीगा ॥ इरुकरजूथनाथअविनासी ॥

॥ अतिवलवासकरहितकानी ॥ सुशीवसषासमनअटनानी ॥

॥ पानकरहिगंगाकरनीनागा ॥ पर्वतभंगसमानअनीनागा ॥

॥ छजसिंसिंसादजोहोई ॥ यहगजतआवतहइसोईगा ॥

॥ दोहा जसतिहुंगंडगलितगजवलकरनाहिनअंत ॥

॥ यहकपिनाजकेसनीजेहिकनसुतहुनुमंत ॥ २१ ॥

॥ चौघटाऐकआवतहइजूटी ॥ जनुमधुसिंधुचलेउत्तिमिफूटी ॥

॥ नूमिअकासअवलअवसाने ॥ उन्नतैजनुसलनउडनैगा ॥

॥ रोहिमहंजूथपनाथजोअहहि ॥ अतिवलनाजाकेसंगनहहि ॥

॥ कपिके रूप अचल अविनासी ॥ ऐदु इषान पत्र के वासी ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ अति सुंदन ॥ सुसमन विपण ॥ महावीन य इग वाग वध ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ पीवहितुंग न डकन नीना ॥ ॥ मई न गंध माद दो उ बीना ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ हस्ती सा ठि सह सवल जाहि ॥ ॥ इन्ह म हं ऐकु कह उ म इत हि ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ जेनी नाद सिंह कनिठाना ॥ ॥ विक्रम शाईल अनुमाना ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ दोहा देव न्ह म हं ज स सुन पतिते ज न्ह म हं नानु ॥ ॥

॥ पन सनाम य हवां न न अति बल नीति निधानु ॥ २२ ॥

॥ चौय ह जो कमल पत्र असि देहा ॥ जनु के लास मंग क इने हा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ लोचन मधु पिंगल अतिले नै ॥ काम चानिचित बहिच हुके नै ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ लंका सो हलंग न भंवाई ॥ गर्जुत आव वज्र की नाई ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ सुन पतिके संग जु छ कों ग ऐउ ॥ तव तैं काम नूप य ह न ऐउ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ ऐहि सो वास व सो जु मिताई ॥ तेहि तैं य ह देव न्ह क न न आई ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ सहस कोटि कपि इन्ह के संग ॥ नात पीत सेत व हुनं गा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ दोहा गिनि वन छौ पत आवै उ डती आव इने नु ॥

॥ तन निते ज य ह हं धे ताना तन य सुषे नु ॥ २३ ॥

॥ चौ ऐहि कपि क न देष हुत नु फेना ॥ जनु स पछ हो इचले उ सु मेना ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ ऐक वान लंका इन्ह जानी ॥ पुनि गर्जित आवत ऐहि पानी ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ जेहि दिन गर्ज अंजनी जा ऐउ ॥ बाल अनु नली लहि कहें धा ऐउ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ तीनि सहस जो जन उ छ ने उगा ॥ उदया चल उप न नै ग ऐउ गा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ मुह की चौ ह जे वज्र समाना ॥ मानुत नाम धने उ हनु माना ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ काम नूप कोटि न्ह वल ऐहा ॥ काल दंड कुलिसा स भेदे हा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ वेग वंत ज सगनु ड उ डी हा ॥ बुद्धि वंत दू सन असना हा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ विद्या पछ इदिवा क न पा हीं ॥ उलटा गति न विसंग उ डी हा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ नाक नाग न न पुन गतिकारी ॥ महा आव धित पते ज पुनारी ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ वनिधि नां धे उ गो पद ज इ सैं ॥ ऐहि कपी सन जू ह व क इ सैं ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ दोहा तेजत नु न इ व पा व क प व न तैं वेग अपार ॥

॥ कंध लि ऐ प्रभु श्री पति हि श्री न घु वंश कुमान ॥ २४ ॥

॥ चौ अत सी कु सुम व न न त नु नेषा ॥ पुनुष पुनान धने न न वेषा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

लंका०

॥६॥

॥ मङ्गल गंध सुं डनु जंद उगाणा ॥ धनुषवान असिधनन प्रचंडा ॥
 ॥ उन विशाल अति उन्नत कंधन ॥ कंबुकंठ नेषा प्रसन्न तन ॥
 ॥ मुख धविकी उपमा कविजो हइ ॥ ससि सरोज सम कहइ न सो हइ ॥
 ॥ दशन पांति की कांति कहइ को ॥ ललकत मन पटत न हिल हइ को ॥
 ॥ देखत अधन रुकी अनु नाई ॥ विंवा फल वंधू कल जाई गणा ॥
 ॥ शुक्र तुंड हिना सिकाल जावहि ॥ थके सुकवि नहि पटत निषावहि ॥
 ॥ सीस जटके मुकुट वना ऐणा ॥ चाल विशाल तिलक अति भोए ॥
 ॥ दक्षिण दिशाल दमन वलवीना ॥ नाम बाह ओषान समीराणा ॥
 ॥ दोहा वामे भाग विनीयन सिर अनिषेकाना ॥
 ॥ बीज मंत्र सब जानै अवकन इअका जणा ॥ २५ ॥
 ॥ चौ अब देखहु सेनाय हआई ॥ जस जन नौ दौं कन मेघ बाई ॥
 ॥ नात पीत अनुस्वित सिआह ॥ सिला अंगत नवन कइ छाह ॥
 ॥ कन्या ऐक ब्रह्म उपजाई गणा ॥ नयन नूनि अनु रूप लो नाई ॥
 ॥ बाल नाय दिन कन वल दीन्ह ॥ सितु जानै वास वन ति कीन्ह ॥
 ॥ जात कजवन वीन दुइ जाऐणा ॥ देव अंस वान न होइ आऐणा ॥
 ॥ किंकिंधा इरु कन अस्थाना ॥ देव सनिसम धुवन उद्याना ॥
 ॥ विष्णु मक इरु कन विश्रामा ॥ बातु नभास वसेत है नामाणा ॥
 ॥ वाली ज्येष्ठ नाम नन मानाणा ॥ ऐहि सिर सौं पेउ नाज कभाणा ॥
 ॥ ताना तासु पाटक इरानीणा ॥ जेहि कन सुत अंगद अति माना ॥
 ॥ सवालाय कपिकोटि कुनाना ॥ सहस कोटि कन संकुसमाना ॥
 ॥ सहस शंकुकन अर्बुद ऐका ॥ अर्बुद सहस कबंद विसेकाणा ॥
 ॥ सहस बंद जो होइ अमानाणा ॥ महा पय तेहि कन पनिमाना ॥
 ॥ ऐसे पय अठान हसा जाणा ॥ विग्रह वळे उराम के काजा ॥
 ॥ वीन वनन अनु नयन विसाला ॥ कंबुकंठ के है मोक्षिक माला ॥
 ॥ दोहा हस्ती साठि सहस्र वल सदा धर्म कइ सीव ॥
 ॥ स्वेत धर सिन शोभित ग्रह नाजा सुग्रीव ॥
 ॥ ऐहि विधि सकल दिषा ऐतवसानन कपि जूरु ॥
 ॥ गाने नरा वन काल वस महागर्न समूह गणा ॥

॥ मूनय हृदय न चेत ॥ जोगु न मिल हि विनं चिसत ॥ २६ ॥

॥ चौइहाविचानकीन्हनघुनाई॥ पूंछामतसबसचिवबोलाऐ॥
 ॥ कहहुवेगिकाकनियउपाई॥ जामवंतकहपदसिनुनाई॥
 ॥ सुनुसर्वशसकलगुननासी॥ सत्यसंधप्रनुसबउनवासी॥
 ॥ मंत्रकहउनिजमतिअनुसा॥ दूतपठाइअवालिकुमाना॥
 ॥ नीकमंत्रसबकेमतमाना॥ अंगदसनकहक्रपानिधाना॥
 ॥ वालितनयबुधिवलगुनधामा॥ लंकाजाहुतातममकामा॥
 ॥ बहुतबुद्धाइतुमहिकाकहुँ॥ पनमचतुनमैजानतअहुँ॥
 ॥ काजुहमानतासुहितहोई॥ निपुसनकनेहुवतकहसोई॥

॥ सोनडा प्रभु अग्याधनि सीस ॥ चरन वंदि अंगद उठे उ ॥

॥ सोऽगुनसागर ईश ॥ नाम कृपा जापन करहु ॥ २७ ॥

॥ स्वयं सिद्ध तव काज ॥ नाथ मोहि आद न दिष्टे ॥ ॥

॥ असंविद्यानिजुवराज ॥ तनपुत्रकि तहर्षित नरे ॥ ३७ ॥

॥ चौबंदिचननउनधनिप्रनुताई ॥ मंगदचलेउसवहिसिनुनाई ॥

॥ प्रजुप्रतापउत्तमहजअसंका ॥ ननवांकुनावालिमुत्तवंका ॥ ॥

॥ पुनपैठत्तगावनकनवेटाणा ॥ वेलतनहासोहोइगइनेटा ॥

॥ वातहिंवातकनुषवळिश्राई ॥ जुगुलश्चतुलवलश्चतुतनुनाई ॥

॥ तेहिअंगद कहै लात उठाई ॥ ॥ गहि पद पटके उभरि भवाई ॥

निमिषनिव
नहैचलेनसकहिंपुकाणी

Amount of Order Rs. _____
Name of remitter _____

एक एक सन
हिता सुवध चुप कमि नही

॥ नये उकुलाह ॥ ०१ ॥ कपिलं काजे हि जा नीगाणा ॥

॥ अवधौं काह ॥ सनील सचकरहि विचाना ॥

॥ विनु प्रेमे मगुं ॥ विलोकि सोइ जाइ सुखाई ॥

॥ दोहा गये ॥ मेनिनामपदकंज ॥

॥ सिंहवदः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीनवलपुंज ॥ २८ ॥

॥ दो तुनतनिसावनएकपठावा ॥ समाचाननावनहिजनावा ॥

॥ सुनतविहसिबोलादससीसा ॥ आनहुबोलिकहोकनकीसा ॥

Before obtaining Payment of this Money Order, the Payee must first send the acknowledgment and return the same to the Remitter, after payment of this coupon which should be retained by him. The coupon of this coupon Order is not responsible for the payment of a Money Order unless it is signed by the Remitter of the Money Order. It is not responsible for the payment of a Money Order unless it is signed by the Remitter of the Money Order. It is not responsible for the payment of a Money Order unless it is signed by the Remitter of the Money Order.

	Amount.
On one pound note exceeding	Rs. 10
On one pound note exceeding	Rs. 10
On one pound note exceeding	Rs. 10
On one pound note exceeding	Rs. 10

For each complete sum of Rs. 10 and a number for the remainder, amounting to that of the remainder, no more than Rs. 10 (the charge for it is only a paise).

॥ सोनठा फूलहि फूलै नवेत ॥ जदपिसुधावनधहि जलद ॥
 ॥ मूनधहुदयनचेत ॥ जोगुनमिलहि विनंचिसत ॥ २६ ॥
 ॥ चौइहाविचानकीन्हनधुनाईगा ॥ रंछामतसवसचिववोलाऐ ॥
 ॥ कहहुवेगिकाकनियउपाईगा ॥ जामवंतकहपदसिनुनाई ॥
 ॥ सुनुसर्वज्ञसकलगुननासी ॥ सत्यसंधप्रनुसवउनवासी ॥
 ॥ मंत्रकहउनिजमतिअनुसा ॥ दूतपठाइअवातिकुमाना ॥
 ॥ नीकमंत्रसवकेमनमानागा ॥ अंगदसनकहक्रपानिधाना ॥
 ॥ वालितनयवुधिवलगुनधामा ॥ लंकाजाहुतातममकामा ॥
 ॥ बहुतबुद्धाइतुमहंकाकहुं ॥ पनमचतुनमै जानतअहुं ॥
 ॥ काजुहमानतासुहितहोई ॥ निपुसनकनेहुवतकहिसोई ॥
 ॥ सोनठा प्रनुअग्याधनिसीस ॥ चननवंदिअंगदउठेउ ॥
 ॥ सोइगुनसागनईश ॥ नामकृपाजापनकरहु ॥ २७ ॥
 ॥ स्वयंसिद्धतवकाज ॥ नाथमोहिआदनदिखेउ ॥
 ॥ असविचानिजुवनाज ॥ तनपुलकितहर्षितनऐउ ॥ २८ ॥
 ॥ चौवंदिचननउनधनिप्रनुताई ॥ अंगदचलेउसवहिसिनुनाई ॥
 ॥ प्रनुप्रतापउनसहजअसंका ॥ ननवांकुनावालिसुतवंका ॥
 ॥ पुनपेठतनावनकनवेटागा ॥ बेलतनहासोहोइगइनेटा ॥
 ॥ वातहिवातकनुषवळिआई ॥ जुगुलअतुलवलअनुतउनाई ॥
 ॥ तेहिअंगदकहंलातउठाई ॥ गहिपदपटकेउंअमिअवाई ॥
 ॥ निसिचननिकटदेखिनटानी ॥ जहतहंचलेनसकाहिंपुकानी ॥
 ॥ ऐकऐकसनमनमुनकहहीं ॥ समुहितासुवधचुपकमिनहि ॥
 ॥ नऐउकुलाहलनगनमहानी ॥ आवाकपिलंकाजेहिजानीगा ॥
 ॥ अवधौंकाहकनिहिकनताना ॥ अतिसनीतसचकरहिंविचाना ॥
 ॥ विनुंछेमगुदेहिदिखाईगा ॥ जेहिदिलोकि सोइजाइसुधाई ॥
 ॥ होहागऐउसनादनवाननिपुसुमिनिनामपदकंज ॥
 ॥ सिंहठवनिइतउतचितइधीनवीनवलपुंज ॥ २९ ॥
 ॥ चौतुनतनिसाचनऐकपठावा ॥ समाचाननावनहिंजनावा ॥
 ॥ सुनतविहसिवोलादससीसा ॥ आनहुंवलिकहंकरकीसा ॥

लंका०

॥७॥

॥ आये सुपाइ दूत वहु धारै गाना ॥ कपिकुंजर हिवो लिल द्रुआये ॥
 ॥ अंगद देखि दसान न वैसा गाना ॥ सहित प्रानक जल गिरिजेसा ॥
 ॥ नुजा विटप शिर अंग समाना ॥ रोमावली लता जनु नाना गाना ॥
 ॥ मुख नासिकान पन अनुकाना ॥ गिरिकंदरायो हनु अनुमाना ॥
 ॥ गये उस नाम न नैकु न मुना ॥ बालित नय अति बल बां कुना ॥
 ॥ उठि सना सब कपिक हं देखी ॥ नावन उन ना क्रोध विशेषी ॥

॥ दोहा ॥ जगाम त्रगज जूथम हुं पंचानन बलि जाई ॥

॥ नाम प्रताप सना नि उन वैठि सना सिनु नाई ॥ २८ ॥

॥ चौक दश कंध कवन कन वंदन ॥ मेनघुवीन दूत दश कंध न गाना ॥
 ॥ मम जनक हितो हिन हिमि ताई ॥ तव हित कानन आये उभाई ॥
 ॥ उत्तिम कुल पुलस्तिक न नांती ॥ शिव विनं चि पूजे उवहु नांती ॥
 ॥ वन पाये हुकी नेहु सब काजा ॥ जीते हु लोकपाल सुन राजा ॥
 ॥ नृप अति मान मोहव सकिंवा ॥ हनि आनि हु सीता जगदंवा ॥
 ॥ अव सुन कह सुन हु तुम्ह मोना ॥ सब अपराध छमिहि प्रभु तोना ॥
 ॥ दशान गह हु तन कंठ कुठारी ॥ पति जन सहित संग निज नारी ॥
 ॥ सादन जनक सुता कनि आगे ॥ ऐहिविधि चलहु सकल नय लागे ॥

॥ दोहा ॥ प्रनत पालन धुवंश मानि त्राहि त्राहि अव मोहि ॥

॥ सुनत हिं आनत वचन प्रभु अन्नय कर हिं गे तोहि ॥ ३० ॥

॥ चौने कपियो चवो लिल सनारी ॥ मूढ न जानि हिं मोनि सुनारी गाना ॥
 ॥ कहु निज नाम जनक कन नाई ॥ केहि नांते मानिये मिताई गाना ॥
 ॥ अंगद नाम बालिक न वेटा गाना ॥ तासै कवहुं नई तुम्ह नेटा गाना ॥
 ॥ अंगद वचन सुनत सकुचाना ॥ नह बालि वानर मइ जाना ॥
 ॥ अंगद तुहि बालिक न बालक ॥ उपजे हुवंश अनल कुल घालक ॥
 ॥ गर्जन गये हु वथा तुम्ह जो ऐहु ॥ निज मुख ताप स दूत कहा ऐहु ॥
 ॥ अव कहु कुशल बालिक हं अहं ॥ बिहसि वचन अंगद तव कहं ॥
 ॥ दिन दश गये बालि पहं जाई ॥ बूहे हु कुशल सखा उन लाई ॥
 ॥ नाम विनोद कुशल जसि होई ॥ तव सब कुसल सुनाई हिसाई ॥
 ॥ सुनु सठने दहोइ उन जाके गाना ॥ श्रीनघुवीन हृदय न हितो के ॥

॥ दोहा ॥ हमकुलधालकसत्यतुम्हकुलपालकदशसिंह ॥
 ॥ अंधहुवहिननअसकहइनयनकानतववीस ॥ ३१ ॥
 ॥ चौसिवविरंचिसुनमुनिसमुदाई ॥ चाहतजासुचनशिवकाई ॥
 ॥ तासुइतहोइहमकुलवोना ॥ ॥ असिहुमतिउनविहननतोना ॥
 ॥ सुनिकठोनवानीकपिकेनीगा ॥ कहतदशानननयनतनेनी ॥
 ॥ धलतवकठिनवचनमैंसहेउं ॥ नीतिधनमसवजानतअहेउं ॥
 ॥ कहकपिधर्मसीलतातोनीगा ॥ हमहुंसुनीकृतपनत्रियचेनी ॥
 ॥ देखेउनयनइतनखवानीगा ॥ वूडिनमनेहुधर्मवृत्तधानी ॥
 ॥ काननौकविनुभगिनिनिहानी ॥ धर्माकीन्हतुम्हधर्मविचानी ॥
 ॥ धर्मसीलतातवजगजागीगा ॥ पावादनसहमहुंवडनगी ॥
 ॥ दोहा ॥ जनिजलपसिजइजंतुकपिसठविलोकुममवाहु ॥
 ॥ लोकपालवलविपुलससिग्रसनचहतजनुनाहुगा ॥
 ॥ पुनिनभसनममकननिकनकमलनूपनकनिवास ॥
 ॥ सोभितनयेउमनालइवशंनुसहितकेलास ॥ ३२ ॥
 ॥ चौतुम्हनेकटकमाहसुनुअंगद ॥ मोसननिनहिकवनजोधावद ॥
 ॥ तवप्रभुनानिविरहवलहीना ॥ अनुजतासुदुषदुषितमलीना ॥
 ॥ तुम्हसुग्रीवकूलदुमदोउगा ॥ बंधुहमाननीनुअतिसोउगा ॥
 ॥ जामवंतमंत्रीअतिवूछागा ॥ सोनहोइअवसमनअनूछागा ॥
 ॥ सिलिंकर्मजानहिनलनीला ॥ हैकपिएकमहावलसीलागा ॥
 ॥ आवाप्रथमनगनजेहिजाना ॥ सुनिहसिवोलेउवालिकुमाना ॥
 ॥ सत्यवचनकहुनिसिचननाहा ॥ सोचेहुकीसकीन्हपुनदाहागा ॥
 ॥ नावननगनअल्पकपिदहई ॥ कोअसमूखसुनइकोकहईगा ॥
 ॥ सुनटसनाहेउतुमजोनावन ॥ सोसुग्रीवकेनलधुधावनगा ॥
 ॥ चलइवहुतसोइवीननहोई ॥ पठवाखवनिलेनतेहिसोईगागा ॥
 ॥ दोहा ॥ अवजानेउंकपिदहेउपुनविनुप्रभुआयसुपाई ॥
 ॥ गऐउनफिनिनिजनाथपहितेहिन्नयनहेउलुकाई ॥
 ॥ सत्यकहहिंदसकंठसवमोहिनसुनिकछुकोहगा ॥
 ॥ कोउनहमनेकटकअसतोसनलनतजुसोहगागा ॥

लंका०

॥८॥

॥ दोहा श्रीतिविनोदसमानसनकनिअनीतिअसिअहि ॥
 ॥ जौमृगपतिवधमैंडुकन्हिनलकिकहेकोउताहि ॥
 ॥ जद्यपिलघुतानामकहुंतोहिवधेवउदोषगागा ॥
 ॥ तदपिकठिनदशकंठसुनुध्रविजातिकननोष ॥
 ॥ हसिवोलेउदशमौलितवकपिकनवउगुनऐक ॥
 ॥ जौप्रतिपालइतासुहितकनइउपायअनेक ॥ ३३ ॥
 ॥ चौधन्यकीसजोनिजप्रनुकाजा ॥ जहंतहंनौचहिपनिहनिताजा ॥
 ॥ नौचिकूदिकनिलोकनिहार्इ ॥ प्रनुहितकनइधर्मनिपुनार्इ ॥
 ॥ अंगदस्वामिभक्ततवजाती ॥ प्रनुगुनकसनकहसिएहिजैति ॥
 ॥ मैगुनगाहकपनमसुजाना ॥ तवकदुवचनकरहुंनहिंकांन ॥
 ॥ कहकपितवगुनगाहकतार्इ ॥ सत्यपवनसुतमोहिसुनार्इ ॥
 ॥ वनविध्वंसिसुतवधिपुनजाना ॥ तदपिनतैंहिंकधुकृतअपकता ॥
 ॥ सोइविचानितवप्रकृतिसुहार्इ ॥ दशकंधनमइकीन्हिठिठार्इ ॥
 ॥ देखेउंआइजोकधुकपिआया ॥ तुम्हनेलाजननोषनमायागा ॥
 ॥ जौअसिमतिपितुयाऐइकीसा ॥ कहिअसवचनविहसिदससा ॥
 ॥ पितहियाइयातेउंपुनितोहि ॥ अवहंसमुहिपनाकधुमोहि ॥
 ॥ दोहा वक्रउक्तिधनुवचनशानहृदयदहेउनिपुकीस ॥
 ॥ प्रतिउत्तनसनसिन्हुमनहुंकाटतनटदससा ॥ ३४ ॥
 ॥ चौवालिविमलजसुनाजनजानी ॥ हुतउंनतोहिअधमअभिमानि ॥
 ॥ कहुनावननावनजगकेतेगा ॥ मैनिजअवनसुनैसुनुतेतेगा ॥
 ॥ नावनऐकमहावलगवागा ॥ जीतनचलेउसुनासुनसर्वा ॥
 ॥ सागरउत्तनिपानसोगऐकु ॥ नानिवंदसोदेखतनऐकु ॥
 ॥ तिन्हसनकहेसिपतिरूपहिंजाह ॥ कहहुकिआवानिसिचननाह ॥
 ॥ तवमैंतिन्हहिजीतिसंगामागा ॥ लैजइहुंहुंतुम्हकहुंनिजधामा ॥
 ॥ सुनतवचनऐकजनठनिसानी ॥ धाइचननगहिगगनउडानी ॥
 ॥ गईइनिधनिधनिहकहोना ॥ उनेसिसिंधुमध्यअतिजोना ॥
 ॥ दोहा गहेउंगाधअचेतहोइमनेनविप्रप्रसाद ॥

॥ सावधान उठि चले उपनिहिये नह नख विषाद ॥ ३५ ॥

॥ चौयक नावन कइ कहै कहानी ॥ जीतइ चले उ ससिहि अग्निमानी ॥
 ॥ गऐ उ निकट अति सीतल नये उ ॥ कंपित गात विकल नय फिने उ ॥
 ॥ बलिहि जितन ऐक गऐ उपताला ॥ राखा वौ धिसि सुन हय साला ॥
 ॥ धेलहि बालक मानहि जाई ॥ दयालागि बलि दीन्ह छुड़ाई ॥
 ॥ ऐक बहो निसह सनु जदेखा ॥ धाइ धना जिमि जंतु विसेषाणा ॥
 ॥ कौतुक लागि नवन लइ आवा ॥ सोपलसि मुनि जाइ छडावा ॥
 ॥ बहु प्रकार मुनि ताहि सिखावा ॥ गऐ उसो पुन फिनि लाजन आवा ॥

॥ दोहा ऐक कहति मोहि सकुच अति नह बालिकी काष ॥

॥ तिन्ह महे नावन तैक वन सत्य वदति जिमाष ॥ ३६ ॥

॥ चौ सुनु सठ सोइ नावन बल सीला ॥ हन गिनि जा सुजान नुजलीला ॥
 ॥ जान उमापति जा सु सुनारीणा ॥ पूजेहुं जेहि सिन सु मन उतानी ॥
 ॥ सिन सनो जनि जकन न्ह उतानी ॥ अमित वान पूजे उं त्रिपुरानी ॥
 ॥ भुज विक्रम जानहिं दिगपाला ॥ सठ अजहं जिन्ह के उन साला ॥
 ॥ जानहिं दिगज उन कठि नाई ॥ जव जव निन उं जाइ वनि आई ॥
 ॥ जिन्ह के दशन कनाल न फूटे ॥ उन लागत मुल काइ बट्टे ॥
 ॥ जा सु चलत डोलत इमि धरनी ॥ चळत मत्त गज जिमिल धुतनी ॥
 ॥ सोइ नावन जग विदित प्रतापी ॥ सुनै हिन अवन अलीक प्रतापी ॥

॥ दोहा तेहि नावन कहै लघुक हसिन रकन कर सिवधान ॥

॥ नेक पिबव नखर्व सलत वन जान अब जान ॥ ३७ ॥

॥ चौ सुनि अंगद सको पकहवानी ॥ बोलु सै नानि अधम अग्निमानी ॥
 ॥ सह सवाहु भुजग हन अपारा ॥ दहन अनल सम जा सु कुठारा ॥
 ॥ जा सु पर सुसाग नखर धानाणा ॥ बूडे नप अगनित बहु वानाणा ॥
 ॥ ता सु गर्व जेहि देखत आगा ॥ सो ननक सदश सी स अनागा ॥
 ॥ राम मनुज कसे न सठ वंगाणा ॥ धन्वी काम नदी पुनि गंगाणा ॥
 ॥ पशु सुन धेनु कल्पत उरखा ॥ अनदान अतुन सकि पियूषा ॥
 ॥ वै न ते यषग अहि सहसानन ॥ चिंता मनि पुनि उपल दसानन ॥
 ॥ सुनु मति मंद लोक वैकुंठा ॥ लाज कि न घुपति न कि अंक ॥

लेका०

॥८॥

॥ दोहा ॥ सेन सहित तव मान मथि वन उजा निपुन जानि ॥

॥ कसेने सठ हनुमान कपि गये उजोत वसुत मानि ॥ ३१ ॥

॥ चौ सुनु नावन परिहनि चतुनाई ॥ नजसिन कृपा सिंधु न घुनाई ॥

॥ जो बल न ऐसि नाम कन दोहि ॥ ब्रह्म नु द्रस कना धिन तोहि ॥

॥ मूळ वथा जनि मान सि गाला ॥ नाम वय न होइ हि अस हाला ॥

॥ तव सिन निकन कपि न के आगे ॥ परिह हिं धन नि नाम शान लागे ॥

॥ ते तव सिन कंदुक इव ना नागा ॥ बेलि हिं हिरालु की सच उगा ना ॥

॥ जब हिं समन को पिहि न घुनायक ॥ छुटि हिं अतिक नाल वहु सायक ॥

॥ तव कि बलि हि अस गाल तु मना ॥ अस विचा नि न जु नाम उदा ना ॥

॥ सुनत वचन नावन पन जनागा ॥ वन ते अनल मन हु धृत पना ॥

॥ सठ साखा मृग जो नि सुहाई गा ॥ नौ घा सिंधु यहु प्रभु ताई गा ॥

॥ नौ घा हि मृग अने कवानी सागा ॥ स्सन होहि ते सुनु जड की सा ॥

॥ दोहा ॥ कुंन कन न अस वंधु मम सुत प्रसिद्ध सक्रानि ॥

॥ मोन पना क्रम न हि सुने हिं जिते उच नाच न हानि ॥ ३२ ॥

॥ चौ मम भुज सागर वल जल पूना ॥ जहं बूडे वहु सुन न न स्सना गा ॥

॥ बीस पयोधि अगाध अपाना ॥ को अस बीन जो पाइ हि पाना ॥

॥ दिगपाल न्म इती न न नावा ॥ नूप सुजस ध ल मो हि सुनावा ॥

॥ जो पै समन सुनत वना था ॥ पुनि पुनिक हसि जा सु गुन गाथा ॥

॥ तो वसीठ पठव त के हिका जा ॥ निपुसन पीतिक न तन हिला जा ॥

॥ हन गिनि मथन निरयु मम वाह ॥ पुनि सठ कपि निज प्रभु हि सनाह ॥

॥ दोहा ॥ स्सन कवन नावन सरिस स्वकन काटे जे हि सीस ॥

॥ हुते अनल महुं वान वहु हन धित साधि गिनीस ॥ ३३ ॥

॥ चौ जनत विलोके उजव हि कपाला ॥ विधिके लिखे अंक निज नाला ॥

॥ नन के कन आपन वध वौ ची गा ॥ हसे उजानि विधि गिना असं दी ॥

॥ सो मन समुहि रासन हि मोने ॥ लिखा विन चि जठन मति मोने ॥

॥ आन बीन को सठ मम आगे गा ॥ पुनि पुनिक हसिला जप तिल्यागे ॥

॥ कल अंगद सलजु जग माहि ॥ नावन ते हि समान को उनहि ॥

॥ लाज पत तव सहज सुनाउ ॥ निज मुख निज गुन कह सिन काउ ॥

॥ सिरअनुसेलकथाचितनही ॥ ॥ तातैं वानवीसतैं कहिगाणा ॥
 ॥ सोनुजवलनायेहुउनघाली ॥ जीतेहुसहसबाहुबलिवाली ॥
 ॥ सुनुमतिमंददेहिअवपूनाणा ॥ कोटैसीसकिहोइअसूनाणा ॥
 ॥ बाजीगनकहैं कहिअनवीनार ॥ कोटैनिजकरसकलशरीनार ॥
 ॥ दोहा जनहिंपतंगमोहवसन्नानवहहिंवनवंद ॥
 ॥ तिन्हहिनसरसनाहियेसमुहिदेधुमतिमंद ॥ ४० ॥
 ॥ चौअवजनिवतवळावधलकरई ॥ सुनुममवचनमानपनिहुरई ॥
 ॥ दशमुखमैतवसीठीआऐउ ॥ असविचानिनधुविनपठाऐउ ॥
 ॥ वानवानइमिकहेक्रपालाणा ॥ नहिंगजानिजसवधेश्रगाला ॥
 ॥ मनमहुंसमुहिवचनप्रभुकेने ॥ सहेउंकठोनवचनसठतेने ॥
 ॥ नाहिंतमुखनंजनकरितोना ॥ लेजातेउसीताहिवनजोना ॥
 ॥ जानेउंतववलअधमसुनारी ॥ सनैहनिअनिहुपननारीणा ॥
 ॥ तैंनिसिचनपतिगर्ववहूता ॥ मैरघुपतिसेवककरदूताणा ॥
 ॥ जोननामअपमानहिंडनऊं ॥ तोहिदेवतअसकौतुककरऊं ॥
 ॥ दोहा तोहिपटकिमहिसेनहतिचौपटकनितवगाउँ ॥
 ॥ मंदोदरीसमेतसठजनकसुतहिलइजाउँ ॥ ४१ ॥
 ॥ चौजोअसकरऊंतदपिनवडाई ॥ मुऐहिवधैंकछुनहिंमनुसाई ॥
 ॥ कौलकामवसकृपिनविमूढा ॥ अतिदनिइअजसीअतिबूढा ॥
 ॥ सदानागवससंततक्रोधीणा ॥ नामविमुखश्रुतिसंतविनोधी ॥
 ॥ तनपोषकनिंदकअघयानी ॥ जीवतसवसमचौदहप्रानी ॥
 ॥ असविचानिबलवधउंनतोहि ॥ अवजनिनिसउपजावसिजोहि ॥
 ॥ सुनिसकोपकहनिंसिचननाथा ॥ अधनदसनधनिमौजतहाथा ॥
 ॥ नेकपिपोचमननअवचहसी ॥ छोटेवदनवातवडिकहसीणा ॥
 ॥ कडुजल्पसिजडुकपिवलजकैं ॥ बुधिवलतेजप्रतापनताकैं ॥
 ॥ दोहा अगुनअमानविचानितेहिदीनूपितावनवास ॥
 ॥ सोदुखअनुजुबतीविनहपुनिअनुदिनममत्रास ॥
 ॥ जिन्हकेवलकरगर्वतोहि ॥ अंसमनुजअनेकाणा ॥
 ॥ धाहिंसदाममनजनिचनमूढसमुहितजिटेका ॥ ४२ ॥

लंका०

॥१०॥

॥ जवतेहिकीन्हिरामकइनिंदा ॥ ॥ क्रोधवंतअतिभएउकपिंदा ॥
 ॥ हनिहन्ननिंदासुनइजोकाना ॥ ॥ होइपापगोघातसमाना ॥
 ॥ कटकटाइकपिकुंजनभानी ॥ ॥ दुहुनुजदंडतमकिमहिमानी ॥
 ॥ डोलतधननिसन्नासदसु ॥ ॥ चलेनाजिचयमानुतग्रसेडु ॥
 ॥ गिनतदसाननउठेउसंनानी ॥ ॥ भूतलपनेमुकुटषट्चानी ॥
 ॥ कछुकवहुनिनिजकनहिंसवने ॥ ॥ कछुअंगदप्रनुपासपवने ॥
 ॥ आवतमुकुटदेधिकपिनागे ॥ ॥ दिनहैंलूकपननविधिलागे ॥
 ॥ कीनावनकनिकोपचलाये ॥ ॥ कुलिसचानिआवतअतिधारे ॥
 ॥ प्रनुकहहंसिजनिदेधिडनाह ॥ ॥ लकनअसुनिकेतुनहिंनहू ॥
 ॥ ऐकिनीटदशकंधनकेने ॥ ॥ आवतवालितनयकेप्रेने ॥

॥ दोहा ॥ कूदिगहेउकनपवनसुतआनिधनेउप्रनुपास ॥

॥ कौतुकदेखहिंभालुकपिदिनकनसनिसप्रकास ॥ ४३ ॥

॥ चौउहैंकहतदशकंधनिसाई ॥ ॥ धनिमानहुकपिनाजिनजाई ॥
 ॥ ऐहिवधिवेगिसुनरसवधावहु ॥ ॥ बाहुभालुकपिजहैंतहेंपावहु ॥
 ॥ माहिअकीसकनिफेनिदोहाई ॥ ॥ जिअतधनहुतपसीदेउनाई ॥
 ॥ पुनिसकोपबोलेउजुवनाजा ॥ ॥ गालवजावततोहिनलाजा ॥
 ॥ मनुगनकाटिनिलजकुलधाती ॥ ॥ बलविलोकिविहनीनहिंघाती ॥
 ॥ नेत्रियचोनकुमानगगामी ॥ ॥ धलमलनासिमंदमतिकामी ॥
 ॥ संन्यपातजलपसिदुनवादा ॥ ॥ भऐसिकालवसधलमनुजादा ॥
 ॥ याकोफलपावहुगेआगैं ॥ ॥ वौननभालुचपेटनूलगैं ॥
 ॥ नाममनुजबोलतअसवानी ॥ ॥ गिनहैंनतवनसनाअनिमानी ॥
 ॥ गिनहिहिनसनासंशयनाहैं ॥ ॥ सिनहूसमेतसमनमहिमाहैं ॥

॥ सोनठा ॥ सोननक्योदशकंध ॥ ॥ वालिवधेउजेहैंऐकसन ॥

॥ बीसहुलोचनअंध ॥ ॥ धिगतवजन्मकुर्मतिजगुणाणा ॥

॥ तवशेषितकीप्रास ॥ ॥ त्रिषितनामसायकनिकनणा ॥

॥ तजहुंतोहितोहिआस ॥ ॥ कहुजलपसिनिचनअधम ॥ ४४ ॥

॥ चौमैंतददशनतोनिबेलायक ॥ ॥ आयसुमोहिनदीनघुनायक ॥

॥ असिनि सहेत दस उमुषतो न उँ ॥ लंका गहिस मुद्रम हँवो न उँ ॥
 ॥ गूलनि फल समान यह लंका ॥ वसहु मध्य तुम्ह जीव असंका ॥
 ॥ मैवाँ नन फल खात न वाना ॥ आय सुदी नून नाम उदना ॥
 ॥ जुगुति सुनत नावन मुसुकाई ॥ मूढ सिधि हिक हँव हुत हुई ॥
 ॥ वालिन कवहु गाल असमाना ॥ मिलित पसिन्है तँ न ऐसिलवाना ॥
 ॥ साँचे हु मैलवान नुज वीहा ॥ जो न उपा ने उत वदस जीहा ॥
 ॥ नाम प्रताप सुमिनि कपिकोपा ॥ सनामा हक निपन पद नोपा ॥
 ॥ जो मम चनन सकसि सठ टानी ॥ फिरहिँ नाम सिता मइ हानी ॥
 ॥ सुनहुँ सुनत सब कह दश सीसा ॥ पद गहि धन निपछान हुकीसा ॥
 ॥ इंद्र जीत आदिक बलवाना ॥ हनधि उठे जहँ तहँ न टनाना ॥
 ॥ हपटहिँ कनि बल विपुल उपाई ॥ पदन टनै वइ ठहिँ सिनु नाई ॥
 ॥ पुनि उठि हपटहिँ सुन आनाती ॥ टनहिँ की सचन न ऐहिँ नौती ॥
 ॥ पुनुष कुजोगी जिमि उन गानी ॥ मोह विटप नहिँ सकहिँ उपा नी ॥
 ॥ दोह नू मिन घँ उत कपि चनन देखत निपुम दनाग ॥
 ॥ कोटि विघन तँ संतक न मन जिमि नीति न त्याग ॥ ४५ ॥
 ॥ चौक पिब लु देषि सकल हिय हने ॥ उठा आ पुजु वनाज प्रचने ॥
 ॥ गहत्त चनन कह वालिकु माना ॥ मम पग गहिँ उन तो न उवा ना ॥
 ॥ गहसिन नाम चनन सठ जई ॥ सुनत फिरा मन अतिस कुचाई ॥
 ॥ न ऐ उते जहत्त श्री सब गई ॥ मध्य दिवस जिमि सिसो हई ॥
 ॥ सिंहासन वैठे उ सिनु नाई ॥ मानहुँ संपत्ति सकल गवाई ॥
 ॥ जगदात्मा प्रानपति नामा ॥ ता सुविमुष किमिल हनि आमा ॥
 ॥ उमाना मकी न कुटि विलासा ॥ होइ बिस्व पुनि पावइ नासा ॥
 ॥ चनतँ कुलिश कुलिश तन करई ॥ ता सुद्रुत पन कह किमि टनई ॥
 ॥ पुनिक पिक हनीति विधिनाना ॥ मानन ताहि काल निया नाना ॥
 ॥ निपुम दम थि प्रनु सुज सु सुनायो ॥ यह कहि चले उवा लिन पजायो ॥
 ॥ हतौ न घे त घे लाइ घे लाई ॥ तोहिँ आगे कह कन उँ जडाई ॥
 ॥ प्रथमहिँ ता सुत नय कपि माना ॥ सो सुनि नावन न ऐ उदुषा ना ॥
 ॥ जातु धान अंगद पनु देखी ॥ न पया कुल सब सना विसे मी ॥

लेका०

॥११॥

॥**शोह** निपुवलधनधिहन्धिकनिवालितनयवलपुंज॥
 ॥सजलसुलोचनपुलकितनगहेनामपदकंजगागा॥
 ॥सोहजानिदशमौलितवन्नवनगऐउविलखाई॥
 ॥मंदोदनीनिसाचनहिवहुनिकहेउसमुहाइ॥४६॥
 ॥**चौ**कंतसमुहिमनतजहुकुमतिहि॥ सोहनसमनतुम्हिनधुपतिहि॥
 ॥रामअनुजधनुनेषषचाईगा॥ सोउननौघेउअसिमनुसाई॥
 ॥पियतुम्हताहिजितवसंग्रामा॥ जाकेदूतनूकरअसकामा॥
 ॥कौतुकसिंधुनौधितवलंका॥ ॥आऐउकपिकेसनीअसंका॥
 ॥नखवानेहतिविपिनउजाना॥ देखततोहिअछजेहिमाना॥
 ॥जानिनगनसबकीनेसिछाना॥ कहोनहावलगरवतुम्हाना॥
 ॥अवपतिभयागालजनिमानहु॥ मोनकहाकछुहृदयविचारहु॥
 ॥पतिनधुपतिहिनपतिजनिमानहु॥ अगजगनाथअतुलवलजानहु॥
 ॥वानप्रतापजानमानीचागागा॥ तासुकहोनाहिमानेउनीचा॥
 ॥जनकसनाअगनितमाहिपाला॥ रहेउअतुलवलविपुलीविसाला॥
 ॥भंजिधनुषजानकीविवाहिणा॥ तवसंग्रामजितहुकिनताहि॥
 ॥सुनपतिमुतजानहिवलथोरा॥ राखाजिअतआसिगहिफोरा॥
 ॥सुपनेषाकइगगितुम्हदेशी॥ तदपिहृदयनहिंलाजविसेषी॥
 ॥**शोह** बधिविराधषनदूषनीहंलीलाहतेउकमंधा॥
 ॥वाल्लिएकसनमानेउतेहिजानहुंदशकंध॥४७॥
 ॥**चौ**जेहिजलनाथबंधाऐउहेला॥ उतनेउप्रनुदलसहितसुबेला॥
 ॥कानुनीकदिनकरकुलकेतर॥ दूतपठाऐउतवहितहेतरा॥
 ॥सन्नामाहतेहितवमदमाथा॥ कनिवतूथमहुंमगपतिजथा॥
 ॥अगदहनुमतअनुचनजाके॥ रनवांकुनेवीनअतिवांकेगा॥
 ॥तेहिकहंपियपुनिपुनिननकहू॥ मुधामानममतामदवहू॥
 ॥अहहकंतकृतनमविरोधा॥ कालविवसमनउपजनवोधा॥
 ॥कालदंडगहिकाहुनमानागा॥ हनैधर्मवलबुद्धिविवानागा॥
 ॥निकटकालजेहिआवइसाई॥ तेहिअमहोइतुम्हानीनाईगा॥
 ॥**शोह** दुइसुतमानेदेहेउपुनअजहुंपूनपियदेहु॥

॥ कृपासिंधुनद्युपतिहिन्नाजिनाथविमलजसुलेह ॥ ४८ ॥
 ॥ चौ नानिवचनसुनिविमिषसमान ॥ सत्रागरेउडिहोतविहाना ॥
 ॥ बइठजाइसिंहासनफूलीगाणा ॥ अतिअभिमानत्राससबभूली ॥
 ॥ इहांनामअंगदहिबुलावागाणा ॥ आइचननपंकजसिनुनावा ॥
 ॥ अतिआदनसमीपबइठानीगा ॥ बोलेविहसिकृपालधनारी ॥
 ॥ वालितनयअतिकोतुकमोही ॥ तातसत्यकहुपूँछउंतोही ॥
 ॥ नावनजातुधानकुलटीकागा ॥ नुजवलअतुलजासुजगलिका ॥
 ॥ तासुमुकुटनुमूचानिचलाऐ ॥ कहहुतातकवनीविधिपाऐ ॥
 ॥ सुनुसर्वज्ञप्रनतसुषकानी ॥ मुकुटनहोहिन्नुपगुनचानी ॥
 ॥ सामदामअनुदंडविनेदागा ॥ नपउनवसहिंनाथकहवेदा ॥
 ॥ नीतिधर्मकेचननसुहाऐगा ॥ असजियजानिनाथपहिंआऐ ॥
 ॥ दोह ॥ धर्महीनप्रनुपदविमषकालविवसदससीस ॥
 ॥ आऐगुनतजिनावनीहिंसुनहुकोशलाधीसगाणा ॥
 ॥ पनमचतुनताअवनसुनिविहसेनामउदानगाणा ॥
 ॥ समाचानपुनिसवकहेउगाछकेवालिकुमान ॥ ४९ ॥
 ॥ चौ निपुकेसमाचानजवपाऐ ॥ नामसचिवसवनिकटबोलाऐ ॥
 ॥ लंकावाँकेचानिदुआनागाणा ॥ केहिविधिलागिअकनहुविचारा ॥
 ॥ तवकपीसनिछेसविनीषन ॥ सुमिनिहृदयदिनकरकुलअरुषन ॥
 ॥ कनिविचानतिरुमंत्रदिखावा ॥ चानिअनीकपिकटकवनावा ॥
 ॥ जथाजोगसेनापतिकीन्हेगा ॥ जूथपसकलबोलितवलीन्हे ॥
 ॥ प्रनुप्रतापकहिसवसमुहाऐ ॥ सुनिकपिसिंहनादकरिधाऐ ॥
 ॥ हनधितनामचननसिनुनावाहिं ॥ गहिगिनिसिखनवीनसबधावाहिं ॥
 ॥ गर्जहिंतर्जहिंनलुकपीसा ॥ जयनद्युवीनकोशलाधीसागा ॥
 ॥ जानतपनमदुर्गअतिवंका ॥ प्रनुप्रतापकपिचलेअसंका ॥
 ॥ घटाटोपकनिचहुंदिशिघेरी ॥ मुखहिनिसानवजावतनेरी ॥
 ॥ दोह ॥ जयतिनामआतासहितजयकपीससुग्रीव ॥
 ॥ गर्जहिंकेहनिनादकपिनालुमहावलसीव ॥ ५० ॥
 ॥ चौ लंकाचरेउकुलाहलजानी ॥ सुनेउंदसाननअतिअहंकारी ॥

लंका०

॥१२॥

॥ देखहुवैननरुकेविठिठाईणा ॥ विहसिदसाननसैनबुलईणा ॥
 ॥ आयेकीसकालकेप्रेनेणा ॥ छुधावंतरजनीचनमेनेणा ॥
 ॥ असकहिअदृहाससठकीन्हा ॥ ग्रहवैठेअहानविधिदीन्हा ॥
 ॥ सुनटसकलुचानिउदिसजाहू ॥ धनिधनिभालुकीससबधाहू ॥
 ॥ उमागवनहिअसअनिमाना ॥ जिमिटटीनषगसोतउताना ॥
 ॥ चलेनिसाचनआयसुमांगी ॥ गहिकनभिंडिपालवनसांगी ॥
 ॥ तोमनमुदगनपनिधप्रचंडा ॥ सलकपानपनसुगिरिषंडाणा ॥
 ॥ जिमिअनुनोपलनिकननिहसी ॥ धावीहंसठषगमासअहानी ॥
 ॥ वोचनंगदुषतिरुहिनसह ॥ तिमिधाऐमनुजादअबूहाणा ॥

॥ दोहा नानादुधशनचापधनिजातुधानवलवीन ॥

॥ कोटिकंगूनरुचछिगऐकोटिकोटिननधीन ॥ ५१ ॥

॥ चौकोटकंगूननसोहहिंकेसेणा ॥ मेनुकेभंगरुजनधनवैसेणा ॥
 ॥ वाजहिछोलनिसानजुहाउ ॥ सुनिधुनिहोइसुनटनमनचाउ ॥
 ॥ बज्रहिंनफीनीचेनिअपाना ॥ सुनिकौदनउनजाइदनाना ॥
 ॥ देखिनजाइकपिन्हेकेठहा ॥ अतिविशालकपिभालुसुनट ॥
 ॥ धावीहिंगनीहिनअवघटघाट ॥ पर्वतफेनिकनहिंगहिवाटा ॥
 ॥ कटकटाहिंकोटिरुकापिगर्जहिं ॥ दशननओठकाटिअतितजुहिं ॥
 ॥ उतनावनइतनामदोहाईणा ॥ जयतिजयतिजयपनीलनाई ॥
 ॥ निसिचनसिषनसमरुहहवीहं ॥ कूदिधनहिंकपिफेनिचलावीहं ॥

॥ छंदधमिकुधनखंडप्रचंडमर्कटभालुगळपनडानहीणा ॥

॥ हूपटहिंवरनगहिपटकिमहिन्नजिचलतवहुनिप्रचानहिं ॥

॥ अतितनुनतनलप्रतापगर्जहितमकिगळपनचछिगऐ ॥

॥ कपिभालुचछिचछिमंदिरहितहंरामजसुगावतनऐ ॥

॥ दोहा ऐकऐकगहिनजनिचनपुनिकपिचलेपनाई ॥

॥ उपनआपुन्हैठनटगिनहिंधननिपनआइ ॥ ५२ ॥

॥ चौरामप्रतापप्रवलकपिजूया ॥ मदीहिंनिसिचननिकनवरूया ॥

॥ चछेदुर्गपुनिजहतहंवोनन ॥ जयनधुवीनप्रतापदिवाकन ॥

॥ चलेतमीचरनिकनपनाई ॥ प्रवलपवनजिमिधनसमुदाई ॥

॥ हाहाकान भये उपन भानीगा ॥ नो वहिं आनत बालक नानीगा ॥
 ॥ सब मिलि देहिं नावनीहिं गानी ॥ राजुकन तजेहिं मत्सुहं कानी ॥
 ॥ निजदल विचल सुनी जव काना ॥ फेनि सुन टलं केश निसानागा ॥
 ॥ जो नन विमुष फिना मइ जाना ॥ तेहि मानि हो कना लक्रपानागा ॥
 ॥ सर्व सुषाइ भोग कनि नानागा ॥ समन नूमि नये दुर्धन प्रानागा ॥
 ॥ उग्र वचन सुनिस कल उताने ॥ फिने क्रोध कनि वीन लजानेगा ॥
 ॥ सन मुष मने वीन कइ सोचा ॥ तवति नूत जे प्रान के लोभागा ॥
 ॥ दोहा बहु आयुध धनि सुन टल सब भिनहिं प्रचानि प्रचानि ॥
 ॥ कीन्ह व्याकुल भालुक पिपनिघ प्रचंड निहमानि ॥ ५३ ॥
 ॥ चौ भय व्याकुल कपि भाग न लागे ॥ जदपि उमाजिति हिं ते आगेगा ॥
 ॥ कोउ कहै कहै अंगद हनुमंता ॥ कहै न लनी लखि विदल वंता ॥
 ॥ निजदल विचल सुनी हनुमाना ॥ पश्चिम द्वार न हावलवानागा ॥
 ॥ मेघनाद तहं कनइ लनाईगा ॥ दूटन द्वार पनम कठिनाईगा ॥
 ॥ पवन तनय मन भ्रात्राति क्रोधा ॥ गर्ज उप्रलय काल सम जोधा ॥
 ॥ कूदिलं कगळ उपन आवगागा ॥ गहि गिरि मेघनाद कहुं धावा ॥
 ॥ भंजे उग्र सानधी निपातागा ॥ ताहि हृदय ममने सिलासागा ॥
 ॥ दुसने सत विकल तेहि जाना ॥ स्पंदन घालि तुनि तग्रह आनागा ॥
 ॥ दोहा अंगद सुने उकि पवन सुत गळ पन गये उअकेल ॥
 ॥ समन वौ कुना वालि सुत तन किचळे उकपि खेल ॥ ५४ ॥
 ॥ चौ जुद्ध विजुद्ध कुद्ध दोउ वंदन ॥ नाम प्रताप सुमिनि उन अंतन ॥
 ॥ नावन नवन चळे तव धाई ॥ कनहिं कोशलाधीश दोहाई ॥
 ॥ कलस सहित सब नवन छहवा ॥ देखि निसाचन पति नय पावा ॥
 ॥ नानि वंद सब पीटहिं छातीगा ॥ अब दुइ कपि आये उत पाती ॥
 ॥ कपिलीला कनि नहिं नो आवीहिं ॥ नाम चंद कन सुज सुसुनावहिं ॥
 ॥ पुनिकन गहि कंचन केय भागागा ॥ कनइ लाग उत पात अनंता ॥
 ॥ कूदिये कपि कटक महानीगा ॥ लागे मई ननु जवल नानी ॥
 ॥ काहूलात चपेठ नूकेहू गागा ॥ भजे हुन नाम हिं सोफल लेहू ॥
 ॥ दोहा ऐक ऐक सन मई कनि तोनि चलावहिं मुंड ॥

लंका०

॥१३॥

॥ नावन आगे परहिं ते इजनु फूटहिं दधिकुंड ॥५५॥
 ॥ चौमहामहामहामुषिआजे पावहिं ॥ ते पदगहि प्रभु पास चल आवहिं ॥
 ॥ कहहिं विनीषन तिरु के न नामा ॥ देहिं नाम तिरु कहनि जधामा ॥
 ॥ चलमनु जादहि जामिष नोगी ॥ पावहिं गति जोजा चहिं जोगी ॥
 ॥ उमानाम मदुचित कनु ना कनगा ॥ वेन नाव सुमिन तमोहि निमिष ॥
 ॥ देहिं पनम गति असजि अजानी ॥ अस कृपाल को कहहु नवानी ॥
 ॥ सुनि अस प्रभु नन जहिं नमस्यगी ॥ नन मति मंद ते पनम अजगी ॥
 ॥ अंगद अहनु मंत प्रवेसा गागा ॥ कीरु दुर्ग अस कहहु अवधेसा ॥
 ॥ लंका दो उकपि सोहिं कैसा ॥ मथहिं सिंधु दुइ मंदन जैसा ॥
 ॥ दोहा भुजवल निपुदल दल मले उदेधि दिवस कन अंत ॥
 ॥ कूदे जुगल प्रयास विनु आये उजहं नगवंत ॥५६॥
 ॥ चौ प्रभु पद कमल सीस तिरु नोए ॥ देधि सुनट नघु पति मन नोए ॥
 ॥ नाम कृपा कनि जुगल निहने ॥ भये विगत अम पनम सुधाने ॥
 ॥ गऐ जानि अंगद हनु माना गागा ॥ फिने भालु मकं टनट नाना ॥
 ॥ जातु धान प्रदोष वल पाई गागा ॥ धाइ कनी दश सीस दाहाई गागा ॥
 ॥ निमिचन अनी देधि कपि फिने ॥ जहंत हं कट कटाइ नटनिने ॥
 ॥ दो उदल निनहिं प्रचानि प्रचनि ॥ लरहिं सुनट नहिं मानहिं हनि ॥
 ॥ वीनत मीचन सव अतिकाने ॥ नाना वन नवली मुष नाने ॥
 ॥ सवल जुगल दल समवल जोधा ॥ विविध प्रकार निरहिं कनिकेधा ॥
 ॥ प्रविट सरद पयोद घने रे गागा ॥ लनतम नहु मानुत के प्रेने गागा ॥
 ॥ अनिप अकंपन अनु अतिकाया ॥ विचलत सेन कनी तिरु माया ॥
 ॥ नये उनिमिष महं अति अधिआरा ॥ काहन सरह इहा थप सारा ॥
 ॥ मानुषाहु सव कनहि पुकारा गागा ॥ वृद्धि होइ नुधि नोपल घाना ॥
 ॥ दोहा देधि निविडत मदराहुं दिश कपि दल भये उषमान ॥
 ॥ ऐकहि ऐक न देखत वजहं तहं कनहिं पुकारा गागा ॥५७॥
 ॥ चौ यह सव मनमत वहि प्रभु जाना ॥ लिपे वेलि अंगद हनु माना ॥
 ॥ समाचान सव कहिस मुहाये ॥ सुनत कोपि कपि कुंजन धाये ॥
 ॥ इनि कृपाल हंसि चाप चलावा ॥ पावक सायक सपदि चलावा ॥

॥ नये उपकासकत उतमनाहीं ॥ ग्यान उदय जिमिदुष सब जाहीं ॥
 ॥ भालुवली मुख पाइ प्रकासाणा ॥ धाये कोपि विगत सब त्रासा ॥
 ॥ हनू मान अंगद न नगाजेणा ॥ हाँक सुनत न जनी चर चाजे ॥
 ॥ भगत भट पट कहि धनि धरनी ॥ करहि लालुक पिअ दनुत करनी ॥
 ॥ गहि पद डारहि सागन महिणा ॥ मकर उरग हृष धनि धनि धरि ॥

॥ दोहा कछु घाएल कछु न पने कछु गळ चले पनाइ ॥

॥ गर्जेहि मर्कट भालु भट निपु वल दल विचलाइ ॥ ५८ ॥

॥ चौ निसा जानिक पिचा निउ अनी ॥ अऐ जहाँ कोशला धनी गाणा ॥
 ॥ राम कृपा कनिचित ऐउ जवहीं ॥ नऐ विगत अमवाँनर सब हीं ॥
 ॥ उहाँ दशानन सुभट है कोनेणा ॥ सब सनक है सि सुभट जे इमाने ॥
 ॥ आधा कटक कपिरू संहारा ॥ कहहु वेगिका कनिय विचारा ॥
 ॥ माल्य वंत अति जन ठनिसा चर ॥ रावन मात पिता मंत्री वराणा ॥
 ॥ बोलाव चन नीति अति पावन ॥ तात सुनहु कछु मोन सिखावन ॥
 ॥ जव तैं तुम्ह सीता हनि आनीणा ॥ अस गुन होहि न जाइ वषानी ॥
 ॥ वेद पुनान जा सुजस गावाणा ॥ तासु विमुख काहुन मुख पावा ॥

॥ दोहा हिन न्याघ आता सहित मधु कैटभ बलवान गाणा ॥

॥ जेहि माने अवतने उसोइ कृपा सिंधु भगवान गाणा ॥

॥ काल रूप लवन दहन गुन अगान घन बोध गाणा ॥

॥ जेहि सेवहिं सिव कमल नव तेहि सनक वन विरोध ॥ ५९ ॥

॥ चौ पनिह निवय उदेहु वै देही ॥ भजहु कृपा निधि पनम सेनेही ॥
 ॥ तेहि केवचन वान सम लागे ॥ कनिया मुख कनिजहि अनागे ॥
 ॥ वृछ न ऐसिन तमने उतेही ॥ अब जनि वदन देखा वसि मोही ॥
 ॥ तेहि अपने मन अस अनुमाना ॥ वधो चहत ऐहि श्री नगवाना ॥
 ॥ सो उठि गए उ कहत दुनवादा ॥ तव सकोप बोले उ घन नादा ॥
 ॥ कवतु कप्रात देषिय हु मोना ॥ कनिहु वहुत कहत हो उथोरा ॥
 ॥ मुनि सुत वचन नरो सा आवा ॥ प्रीति समेत अक वडा वाणा ॥
 ॥ कनत विचान न ऐउ निनुसाना ॥ लागे कपि पुनि चानि उछाना ॥
 ॥ कोपि कपिरू दुर्घट गळ घेना ॥ नगर कोला हल न ऐउ घनेना ॥

लंका०

॥१४॥

॥विविधायुधधनिनिमिचनधाए॥गळेतैपर्वतसिधनळहोए॥॥

॥धंदळहेमहाधनसिधनकोटिन्विविधविधिगोलाचले॥

॥घहनातजिमिपविपातगनजतजनुप्रयलकेवादले॥॥

॥मर्कटविकटनळजुटतकटतलनततनजनजननर्णे॥

॥गहिसैलतेइगळपनचलावतजहंसोतहैनिमिचनहोए॥

॥दोहामेघनादसुनिश्रवनअसगळपुनिछेकेउआई॥॥

॥उत्तनिदुर्गतेवीनवनसनमुखचलेउवजाइणा॥६०॥

॥चौकहंकोशलाधीशदोउआता॥धन्वीकुशाललोकविष्याता॥

॥कहंनलनीलदुविदसुग्रीवा॥कहंअंगदहनुमतवलसिवा॥

॥कहंविभीषनआताइहिणा॥आजुसठहिहठिमानहुंअहि॥

॥असकहिकठिनवानसंधाने॥अतिसयकोपश्रवनलगिताने॥

॥सनसमूहसोइछांडनलागा॥जनुसपछधावहिवहुनागा॥

॥जहंतहंपनतदेधिअहिवांनन॥सनमुखहोइनसकहितेहिअसन॥

॥नागेनपव्याकुलकपिनिछा॥विसनीसवहिनुचकईछा॥

॥कोउकपिभातुनननमहंदेखा॥कीरुसिजेहिनपानअवसेखा॥॥

॥दोहामानेदसदसविसिधसवपनेनमिकपिवीन॥

॥सिंहनादगर्जतभएउमेघनादननधीन॥६१॥

॥चौदेधिपवनसुतकटकविहाला॥क्रोधवंतधाएउजनुकालाणा॥

॥महामहाधनतमकिउपानाणा॥अतिसमेघनादपनडाना॥॥

॥आवतदेधिगएउननसोईणा॥रथसानथातुरंतसवयोईणा॥

॥वानवानप्रचारहनुमानाणा॥निकटनआवमनमुसोइजाना॥

॥नामसमीपगएउधननादा॥नाननोतिकहेसिदुनवादा॥

॥अत्रसत्रआयुधसवउरेणा॥कौतुकहींप्रनुकाटिनिवांनेणा॥

॥देधिप्रभावमूळधिसिआना॥कनइलागमायाविधिनाना॥॥

॥जिमिकोउकनइगनुउसनयला॥उरणावहिगहिसुलपसंपेला॥

॥दोहाजासुप्रवलमायाविवससिबविनचिवउछोट॥

॥ताहिदिवावतनजनिचननिजमायामतिघोट॥६२॥

॥चौननचळिवनसेसिविपुलअंगान॥महितेप्रगटहोहिंजलधाना॥

उत्तन

॥ नानात्रांतिपिसाचपिसाचीगाणा ॥ मानुकादुधुनिबोलहिं नाची ॥
 ॥ विश्वापीवनुधिनकचहाडाणा ॥ वरयेकवहुं उपलवहुछाडा ॥
 ॥ वरधिधूनि कीनेसिअंधिआसा ॥ सहनआपनहाथपसानाणा ॥
 ॥ अकुलानेंकपिमायादेयेंगाणा ॥ सबकरमनननऐउऐहिलेयें ॥
 ॥ कौतुकदेखिनाममुसुकानेंगा ॥ नऐसनीतसकलकपिजानें ॥
 ॥ ऐकवानकाटीसवमायागाणा ॥ जिमिदिनकरहरतिमिननिकाया ॥
 ॥ कृपादिदिकपिनालुविलोके ॥ नऐप्रवलनननहतननोके ॥
 ॥ दोहा ॥ आयसुमोंगेउनामपहिंअंगदादिकपिसाथ ॥
 ॥ लछिमनचलेसकोपअतिवानसनासनहाथ ॥ ६३ ॥

॥ चौ जलजनयनउनवाहुविसाला ॥ हिमगिनितननिनकअएकलाला ॥
 ॥ उहांदशाननसुनटपढाऐणा ॥ नानाअस्त्रशस्त्रगहिधारेणा ॥
 ॥ मूधननसविटपायुधधानी ॥ धाऐकपिजयनामपुकानीगाणा ॥
 ॥ त्रिनेउसकलजेनिरुसनजोनी ॥ इतउतजयइशानहियोनीगाणा ॥
 ॥ मुठिकनहलातनहदांतनकांटीहिं ॥ कीपलयासिलामानिपुनिडाटहिं ॥
 ॥ मानुमानुधनुधनुधनुमात्राणा ॥ सीसतोनिगहिनुजाउपारणाणा ॥
 ॥ असिनवपूनिनहीनवखंडाणा ॥ धावहिजहंतहंतुंउप्रचंडाणाणा ॥
 ॥ देखहिं कौतुकननसुनवंदा ॥ कवहुंकविसमयकवहुंअनंदा ॥
 ॥ दोहा ॥ जमेउंगाउन्ननिननिनुधिनउपनधूनिउडाइ ॥
 ॥ जिमिअंगानरासिरूपनमतकधूमनहिछाइ ॥ ६४ ॥

॥ चौ घायलवीनविनाजहिंकैसैं ॥ कुसमितकेसुककेतनुजैसैंगाणा ॥
 ॥ लछिमनमेघनाददोउजोधा ॥ निनहिंपनसपनकनिअतिजोधा ॥
 ॥ ऐकहिऐकसकहिनहिजीती ॥ निसिचरछलवलकरईअनिती ॥
 ॥ क्रोधवंततवन्नऐउअनंताणा ॥ भंजेउनथसानथीनुनंताणाणा ॥
 ॥ नानाविधिप्रहानकरशेखाणा ॥ नाछसन्नऐउप्रानअवसेयाणा ॥
 ॥ नावनसुतनिजमनअनुमाना ॥ संकटनऐउहनिहिममप्राना ॥
 ॥ वीनघातिनीछांउेसिसौगीगा ॥ तेजपुंजलछिमनउनलागी ॥
 ॥ मुनछाचईसकतीकेलागैगा ॥ तवचलिगऐउनिकटनयत्योगै ॥

लंका०

॥१५॥

॥ दोहा मेघनाद समकोटि सत जो धार हे उ उठाइ ॥

॥ जगत अधार अनंत किमि उठे चले धिसि आई ॥६५॥

॥ चौ सुनु गिनि जाको धान ल जास ॥ जानहि नुवन चा निदश आस ॥

॥ सक संग्राम जीति को ताहि ॥ सेवहि अग जग सुन न न जाहि ॥

॥ यह लीला जानहि कोइ कोइ ॥ जेहि पन कृपा नाम कहोइ ॥

॥ संध्या नई फिरी दो उवह नीला ॥ लगे संचार न निज निज अनीय ॥

॥ व्यापक ब्रह्म अजित नुवने श्वर ॥ लछिमन कहें वृद्धे उक नुनाकर ॥

॥ तब लगिल आये उह नुमाना ॥ अनुज देषि प्रभु अति दुख माना ॥

॥ जामवंत कहै वैद सुखे नागाणा ॥ लंका नरुको उ पठइ यले नागाणा ॥

॥ धनिल धुरूप गये उह नुमंता ॥ आने उ नवन समेत नुनंता ॥

॥ दोहा नघु पति चरन सरोज सिनु नाये उ आनि सुखेन ॥

॥ कल नाम गिनि ओषधी जाहु पवन सुत लेन ॥६६॥

॥ चौ नाम चरन सरोज सिज उ नारी ॥ चले उपमंजन सुत बल नारी ॥

॥ उहां दूत ऐक मन मुज नावा ॥ रावन काल नेमि ग्रह आवा ॥

॥ दश मुख कहाम न मुते हि सुना ॥ पुनि पुनि काल नेम सिनु धुना ॥

॥ देखत तुम्हिन गन जेहि जाना ॥ ता सुपंथ को नौ कनहाना ॥

॥ नजु नघु पति सुनहित कउ अपना ॥ छांडहु नाथ वथा जलपना ॥

॥ नीलकंज तनु सुंदर स्यामाणा ॥ हृदय नाथु लोचन अनिनामा ॥

॥ अहंकार ममता मद त्यागूणा ॥ महामोह निमि सोवत जागू ॥

॥ काल बाल कर नय कजोई ॥ सपनै हूं समर कि जीति य सोई ॥

॥ दोहा सुनिदश कंधारि सान अतिते हि मन कीन्ह विचार ॥

॥ नाम दूत कर मन उं वनु य हवल न तु मोहि मान ॥६७॥

॥ चौ अस कहि जाइ न चिसि मगमाया ॥ सन समीप वन वागवनाया ॥

॥ माउत सुत देये उ सुन आश्रम ॥ मुनि हि बूहि जल पिअहुं जाइ श्रम ॥

॥ नाथ सक पट वेधत हैं सोहाणा ॥ माया पति दूत हि चह मोहाणा ॥

॥ जाइ पवन सुत नाये उ मायाणा ॥ लागे सो कहइ नाम गुन गाथा ॥

॥ होत महान न रावन नामहि ॥ जीति हैं नाम न संशय यामहि ॥

॥ इहां नये मइ देखहु नई ॥ ग्यान दिष्टि बल मोहि अधिकई ॥

॥ माँगाजलतेहिदीनूकमंडल ॥ कहकपिनीहँअघाउँथोनेजल ॥
 ॥ सनमज्जनकनिनुनितैआवहु ॥ दीक्षादेहुग्यानजेहिंपावहुगाणा ॥
 ॥ दोहा सनपेठतकपिपदगहेउमकनीतवअकुलान ॥
 ॥ मानीतेहिंधनिदिव्यतनुचलीगगनचकिजान ॥ ६८ ॥
 ॥ चौकपितवदनसनइउनिहपापा ॥ मिटेउतातमुनिवनकनशापा ॥
 ॥ मुनिनहोइयहनिसिचनघोना ॥ मानेहुँसत्यवचनकपिमोना ॥
 ॥ असकहिगईअपछनाजवहीं ॥ निसिचननिकटगयेउकपितवहीं ॥
 ॥ कहकपिमुनिगुनदहिनालेहू ॥ फिछेरुमहिंसंभ्रतुम्हदेहूगाणा ॥
 ॥ शिनलंगूरलपेठिपछाणाणा ॥ निजतनुप्रगटेसिमनतीवाना ॥
 ॥ नामनामकहिछाँडेसिप्रानाणा ॥ सुनिमनहनविचलेउहुनुमाना ॥
 ॥ देखेउसैलनओषधिचीन्हाणा ॥ सहसाकपिउठाइगिनिलीन्हा ॥
 ॥ गहिगिनिसितनधायतभोएउ ॥ अवधपुनीउपनकपिगोएउ ॥
 ॥ दोहा देषाभनतविशालअतिनिसिचनममअनुमानि ॥
 ॥ विनुफनशनतकिमानेउचापअवनलगितानि ॥ ६९ ॥
 ॥ चौपनेउमुनधिमहिलागतसायक ॥ सुमिनतनामनामनधुनायक ॥
 ॥ मुनिप्रियवचनननतउठिधाए ॥ कपिसमीपअतिआतुनआए ॥
 ॥ विकलविलोकिकीशउनलावाणा ॥ जागतनहिंवहुनोतिजगावा ॥
 ॥ मुखमलीनमनभएउदुखानीणा ॥ कहतवचनलोचनभनिवानी ॥
 ॥ जोहिंविधिनामविमुखमोहिकीन्हा ॥ तेहिंपुनियहदुखनदुखदीन्हा ॥
 ॥ जोमोनेमनवचअनुकायाणाणा ॥ प्रीतिनामपदकमलअसाया ॥
 ॥ तौकपिहोइविगतअमश्रूलाणा ॥ जोमोपननधुपतिअनुकूला ॥
 ॥ सुनतवचनउठिवइठकपीसाणा ॥ कहिजयजयतिकोशलाधीसा ॥
 ॥ सोनठा लीनूकपिहिउनलाइ ॥ पुलकिततनलोचनसजल ॥
 ॥ प्रीतिनहृदयसमाइ ॥ सुमिनिनामनधुकुलतिलक ॥ ७० ॥
 ॥ चौतातकुशलकहुसुखनिधानकी ॥ सहितअनुजअउमातुजानकी ॥
 ॥ कपिसवचनितसँछेपवखानेणा ॥ भएउदुखीमनमहुँपछिताने ॥
 ॥ अहहदेवमइकतजगजाएउंणा ॥ प्रनुकेऐकउकाजनआएउ ॥
 ॥ जानिकुअवसनमनधनिधीना ॥ पुनिकपिसनबोलेउवलवीना ॥

लंका०

॥१६॥

॥ तातगहउहोइहितोहिजाताणा ॥ काजुनसाइहितोतप्रभाताणाणा ॥
 ॥ बहुममसायकशेलसमेता ॥ पठवहुतोहिजहं कृपानिकेता ॥
 ॥ सुनिकपिमनउपजाअभिमाना ॥ मेनिभानचलिहिकिमिवानाणा ॥
 ॥ कनेउवानआसनहनुमाना ॥ नधुवनकृपाभनतपनजाना ॥
 ॥ नामप्रभावविचानिवहोरीणा ॥ वंदिचननकपिकहकरजोनी ॥
 ॥ तवप्रतापउनराधिगोसाई ॥ जइहउं नामवानकीनाई ॥
 ॥ भनतहरधितवआयसुदयेउ ॥ पदसिननाइचलतकपिभयेउ ॥
 ॥ दोहा प्रभुप्रतापउनराधिप्रभुजइहउं नाथतुनंत ॥
 ॥ असकहिआयसुपाइपदवंदिचलेउहनुमंत ॥ ७१ ॥
 ॥ चौउहांनामलधिमनहिंनिहारी ॥ बोलेवचनमनुजअनुसारीणा ॥
 ॥ अरुनातिगइकपिनहिआवा ॥ अनुजउठाइनामउनलावाणा ॥
 ॥ सकहुनदुधितदेधिमोहिकाउ ॥ बंधुसदातवमडलसुभाकुणा ॥
 ॥ ममहितलागितजेहुपितुमाता ॥ सेहउविपिनिहिमआतपवाता ॥
 ॥ सोअनुरागकहाअवचाईणा ॥ उठहुनसुनिममवचविकलाई ॥
 ॥ जोजनतेउंवनबंधुविघोहूणा ॥ पितावचनमनतेउंनहिंओहू ॥
 ॥ सुतवितनानिचवनपनिवाना ॥ होहिंजोहिंजगवानहिंवानाणा ॥
 ॥ असविचानिजियजागहुताता ॥ मिलइनजगतसहोदनन्नाता ॥
 ॥ जथापंखविनुषगअतिदीना ॥ मनिविनुफनिकरिवनकरहिना ॥
 ॥ असममजिवनुबंधुविनुतोही ॥ तौजउं देवजिआवहिमोहीणा ॥
 ॥ जइहउंअवधकवनमुखलाई ॥ नानिहेतुप्रियबंधुगवाईणा ॥
 ॥ वनुअपजसहोतेउजगमाहीं ॥ नानिहानिविशेषिधितिनाहीं ॥
 ॥ अवअपलोकशोकसुततोना ॥ सहिहिनिहुनकठोनउनमोना ॥
 ॥ निजजननीकेऐकुकुमानाणा ॥ ताततासुनुम्रपानअधानाणा ॥
 ॥ सौपिसिमोहितुमहिगहिपनि ॥ सबविधिसुधदपनमहितजानी ॥
 ॥ उतनुकहादेहउंतेहिजाईणा ॥ उठिकिनमोहिसिधावहुलाई ॥
 ॥ बहुविधिसोचतसोकविमोचन ॥ अवतसलिलराजीवविलोचन ॥
 ॥ उमाऐकअखंडनधुराईणा ॥ ननगतिनगतिकृपालदिखाई ॥
 ॥ सोनठा प्रभुविलापसुनिकान ॥ विकलभयेउवोनरसिकल ॥

॥ २०४ ॥ भट्टतवावलसी ॥ ७१ ॥ प्रभुपदश्रीनिश्वार ॥ ७१ ॥
 ॥ ७१ ॥ भट्टतवावलसी ॥ ७१ ॥ प्रभुपदश्रीनिश्वार ॥ ७१ ॥

॥ अऐउतवहनुमान ॥ जिमिकनुनामहंवीननस ॥ ७२ ॥

॥ चौहन्निषिगामनेंटे उहनुमानाणा ॥ अतिकृतग्यपुत्रुपनमसुजानाणा ॥
 ॥ तुनतवेदतवकीन्ह उपाईगाणा ॥ उठिवेठे उलधिमनहनखाईगाणा ॥
 ॥ हृदयलाइनेंटे उप्रनुआता ॥ ॥ हनषेसकलभालुकपिब्राता ॥ ॥
 ॥ पुनिकपिवेदतहांधनिआवा ॥ जेहिविधितवहिंताहिलइआवा ॥
 ॥ ननदुंदुनीवजावहिं हनषाहिं ॥ कहिजयजयप्रसन्नसुनवनधीहं ॥
 ॥ यहवत्तातदसाननसुनेउगा ॥ अतिविषादपुनिपुनिस्तिनधुनेउ ॥
 ॥ व्याकुलकुंनकननपहिंगऐउ ॥ कनिवहुजतनजगावतनेऐउ ॥
 ॥ जागानिसिचनदेखियकेसा ॥ मानहुकालदेहधनिवैसाणा ॥
 ॥ कुंनकननवूहासुनुनाईगाणा ॥ कोहेतवमुखनहेसुषाईगाणा ॥
 ॥ कथाकहीतेहिसवअनिमानी ॥ जेहिप्रकानसीताहनिआनीणा ॥
 ॥ तातकपिन्हनिसिचनसवमाने ॥ महामहामुषिआसंहनेगाणा ॥
 ॥ दुनमुखसुननिपुमनुजअहनी ॥ नटअतिकायअकंपननानी ॥
 ॥ अपनमहोदनआदिकवीनाणा ॥ पनेसमानमहिसवननधीना ॥

॥ दोहा दशकंधनकेवचनसुनिकुंनकननविलखान ॥

॥ जगदंबाहनिआनिसठअवचाहसिकल्पान ॥ ७३ ॥

॥ चौनलनकीन्हतैनिनिसिचननाह ॥ अवमोहिआनिजगाऐउकाह ॥
 ॥ अजहुतातत्यागहुअनिमाना ॥ भजहुनामहोइहिकल्पाना ॥
 ॥ हेदशसीसमनुजनधुनायक ॥ जकेहनूमानअसपायक ॥
 ॥ अहहबंधुतइकीन्हिषोटाईगा ॥ प्रथमहिमोहिनसुनऐहुआई ॥
 ॥ कीन्हेउप्रनुविनोधजेहिदेवक ॥ सुनविनंचिशिवजाकेसेवक ॥
 ॥ नानदमुनिमोहिग्यानजोकहेउ ॥ कहतेउंतोहिसमयनिर्वहेउ ॥
 ॥ अवन्ननिनयननेंदुमोहिनाई ॥ लोचनसुफलकनहुनिजजाई ॥
 ॥ स्यामलगातसरसिनुहलोचन ॥ देखहुजाइतापत्रयमोचन ॥

॥ दोहा नामरूपगुनसुमिनिमनमगननऐउछिनऐक ॥

॥ नावनमौगेकोटिघरमदअउमहिषअनेकाणा ॥ ७४ ॥

॥ चौमहिषषाडकनिमदिरापाना ॥ गर्जेउवजुधातकेसमानागाणा ॥
 ॥ कुंनकननदुनमदननंगाणा ॥ चलेउदुर्गतजिसेननसंगाणा ॥

लंका०

॥१७॥

॥ देखि विनीषन आगे गये उगा ॥ पदगहिनाम कहत निज नये उगा ॥
 ॥ अनुज उठाइ हृदय तेहिलावा ॥ नघुपतिन गत जानि मन नचावा ॥
 ॥ तातला तनावन मोहि माना ॥ कहत पन महित मंत्र विचाना ॥
 ॥ तेहि गलानि नघुपति पहिं आये उं ॥ दीन जानि प्रभु के मन नचाये उं ॥
 ॥ सुनु सुत नये उकाल वसनावन ॥ सोकि मान आवतो न सिखावन ॥
 ॥ धन्य धन्य ते धन्य विनीषन ॥ नये उतात नि सिचन कुल चूषन ॥
 ॥ बंधु वंस तुम्ह कीन्ह उजागरा ॥ भजे हुनाम सोना सुषसागर ॥
 ॥ दोहा वचन कर्म मन कपट तजि न जे हुनाम न नधीन ॥

॥ जाहुन निज पन सह मोहि नये उं काल वसवीन ॥१५॥

॥ चौ बंधु वचन सुनि फिने उ विनीषन ॥ आये उ जहं त्रय लोक विनूषन ॥
 ॥ नाथ नूधना कान शरीना गागागा ॥ कुंन कनन आवत न नधीना ॥
 ॥ इतना कपिन्ह सुना जव कानागा ॥ किल किला इधा ऐवलवाना ॥
 ॥ लिऐ उ पानि विट पत्र अनु नूधन ॥ कटकटा इडाने न्हितेहि डुपन ॥
 ॥ कोटि कोटि गिनि सिधन प्रहाना ॥ कनहिं भालुक पिऐ कहिं वाना ॥
 ॥ मुने उन मन तन टन इन टाना ॥ जिमि गज अर्क फल न्हकन माना ॥
 ॥ तव मानुत सुत मुठिका हने उ ॥ पने उधन निपुनि पुनि सिन धुने उ ॥
 ॥ पुनि उठितेहि माने उ हनि मता ॥ घुर्मत नूतल पने उ तुनंतागा ॥
 ॥ पुनि नल नीलहि आवनि पछरिसि ॥ जहं तहं पट किपट किनट डमेसि ॥
 ॥ चलेवली मुख समन पनाईगा ॥ अति नय त्रसित नको उस मुहई ॥
 ॥ दोहा अंगदादि कपि धायल कनिस मेत सुग्रीव गागा ॥

॥ कांषदा विकपि राज कहं चल अमित वल सीव ॥१६॥

॥ चौ उमा कनत नघुपतिन नलीला ॥ खेलगनु उ जिमि अहि गन मीला ॥
 ॥ अकुटि नंग जो काल हियाईगा ॥ तेहि किमि सोहे अइ सिल नाई ॥
 ॥ जग पावन की नति विस्त नही ॥ गाइगा इ नन नव निधित नही ॥
 ॥ मुन छग इ मानुत सुत जागा ॥ सुग्रीव हिं तव खोजन लागा ॥
 ॥ कपि राज हुक इ मुन छावीती ॥ निबुकि गये उ तेहि मृत क प्रतीती ॥
 ॥ कांटे सिद्धान नासिका काना ॥ गर्जि अकास चले उ तेहि जाना ॥
 ॥ गहे सिचन नय निधन निपछना ॥ अतिलाघ व उठि पुनि तेहि माना ॥

॥ पुनि आऐहु प्रनुपीहैं बलवाना ॥ जय जय कानुनी कन गवाना ॥ ॥

॥ नाँक कौन काटे सो जानीगा ॥ फिना क्रोध कनि न ऐ उगलानी ॥

॥ सह जन यान क पुनि विनुनासा ॥ देखत कपि दल उपजीत्रासा ॥

॥ दोहा जय जय जय न धुवं समनिधा ऐक पिक निहूह ॥

॥ ऐक हि वान जोता सुपन घाँडे गिनित नुजूह ॥ ७७ ॥

॥ चौ कुंन कन नन ननंग विनुछा ॥ सन मुख चला काल जनु कुछा ॥

॥ कोटि कोटि कपि धनि धनि साहि ॥ जिमिटी डोगिनि गुहा समाहि ॥

॥ कोटि न्ह गहि सनीन स नमई ॥ कोटि न्ह मि जिमिता वहि गई ॥

॥ मुख नासिका श्रवन की वाटागा ॥ निसनि पनहिं नालुक पिठाटा ॥

॥ ननमद मत्त निसाच न दर्पा ॥ विस्व ग्रसिहि जनु ऐहि विधि श्रर्पा ॥

॥ मुने सुन्नट नन फि नहिं न फेने ॥ सहन नयन सुनहिं नहिं टेने ॥

॥ कुंन कन कपि फे जो ज विडानी ॥ सुनिधा ऐन जनी चन धानीगा ॥

॥ देखी नाम विकल कट काईगा ॥ निपुअनी कनाना विधि आईगा ॥

॥ दोहा मुनु सो भित्रिक पीस तुम्ह सकल सैनान हुसेन ॥

॥ मैं देख उँयल दल बलहि वोलेना जिवनैन ॥ ७८ ॥

॥ चौ कन सानंग विमिष करि नाथा ॥ मगपति ठवनि चले न धुनाथा ॥

॥ प्रथम कीन्ह प्रनुधनुषट कोना ॥ निपुदल वधि नन ऐ उ सुनिसोना ॥

॥ सत्य संध घाँडे उसन लहागा ॥ काल सर्प जनु चले उसरहा ॥

॥ अतिज वचले निसित नानाचा ॥ लगे कट ननट विकट पिसाचा ॥

॥ कटहिं चन नउन सिननु जइं ॥ बहुत ककटित होत सत घंडा ॥

॥ घुमनि घुमनि घायल महि पनहैं ॥ उठहिं सैनानि सुनट पुनित नहैं ॥

॥ लागत वान जल दजिमि गाजहिं ॥ बहुत कदेखि कठिन सन गाजहिं ॥

॥ उंड प्रचंड मुंड विनुधा वहिं गा ॥ धनुधनु मानु मानु धुनि गा वहिं ॥

॥ दोहा छनमहं प्रनु केसाय करु काटे सकल पिसाच ॥

॥ पुनि नधुपति केत्रो नमहं प्रविसे सवनानाच ॥ ७९ ॥

॥ कुंन कन नमन दीष विचानी ॥ हते निमिष महं निसि चनहानी ॥

॥ नन ऐ उक्रोध दानुन बल बीना ॥ कनि मगनाय कनारु जीना ॥

॥ कोपि महि धन लिए सिउपानी ॥ उने सिजहं मन कट नट जानी ॥

लंका०

॥१८॥

॥ आवतदेविसैलप्रनुजाने ॥ सनरुकाटिनजसमकविडाने ॥
 ॥ पुनिधनुतानिकोपिनघुनायक ॥ घाँडे अतिकनालवहुसायक ॥
 ॥ तनमहप्रविसिनिसनिहजहिं ॥ जनुदामिनिधनमाहंसमाहिं ॥
 ॥ सोनितस्रवतसोहतनुकाने ॥ जनुकज्जलगिनिगोनुपनने ॥
 ॥ विकलविलोकिनालुकपिधाए ॥ विहसातवहिंनिकटजटआए ॥
 ॥ दोहगर्जतधाएउवेगअतिकोटिकोटिगहिंकीस ॥

॥ महिपटकेगजनाजइवसपथकनहुदशसिस ॥२०॥

॥ चौभोगनालुवलीमुखजूथा ॥
 ॥ चलेनागिकपिनालुनवानी ॥ विकलपुकानतआनतवानी ॥
 ॥ ग्रहनिचिचनदुकालसमअहई ॥ कपिकुलदेसपननअवचहई ॥
 ॥ कृपावाविधननामधनानी ॥ पाहिपाहिप्रनतानतहनी ॥
 ॥ कनुनावचनसुनतनगवान ॥ चलेसुधानिसनासनवाना ॥
 ॥ नामसैननिजपाछेघाली ॥ चलेसकोपमहावलसाली ॥
 ॥ धैविधनुषसतसनसंधाने ॥ छूटेतीनसनीनसमाने ॥
 ॥ लागतसनधाएउनिसनना ॥ कुधनडगमगेडोलतिधना ॥
 ॥ लीरुएकतेहिसैलउपाटी ॥ नधुकुलतिलकनुजासोकाटी ॥
 ॥ धावावामवाहुगिनिधानी ॥ प्रनुसोउनुजाकाटिमहिपनी ॥
 ॥ काटेनुजासोहसलुकैसाणा ॥ पछहीनमंदनगिनिजैसाणा ॥
 ॥ उग्रविलोकनिप्रनुहिविलोका ॥ ग्रसनचहतमानहुत्रैलोका ॥

॥ दोहकनिचिकानअतिघोनतवधावावदनपसानि ॥

॥ गगनसिद्धसुनत्रसितसवहाहोतपुकानि ॥२१॥

॥ चौसनपदेवकनुनानिधिजानेउं ॥ अवनप्रमानसनासनतानेउं ॥
 ॥ विसिधनिकननिसिचनमुखनेउ ॥ तदपिमहावलनूमिनपेउ ॥
 ॥ सनरुचननामुखसनमुखधावा ॥ कालत्रैनसजीवजनुआवा ॥
 ॥ तवप्रनुकोपितीवुसनलीरु ॥ धनतेनिनूनासुसिनकीरु ॥
 ॥ सोसिनपनेउदसाननआगै ॥ विकलनयेउजिमिफनिमनित्यागै ॥
 ॥ धननिधसैधनधावप्रचंडाणा ॥ तवप्रनुकाटिकीरुदुइधंडा ॥
 ॥ पनेउनूमिजिमितनतैचधन ॥ हेठदाविकपिनालुनिसाचन ॥
 ॥ तासुतेजप्रनुवदनसमानाणा ॥ सुनमुनिसकलअचंभवमाना ॥

॥ नमदुंदुनीवजावहिंहरषहिं ॥ जयजयकनिप्रसूनसुनवरषहिं ॥
 ॥ कनिविनतीसुनसकलसिधौ ॥ तेहियसमयदेवनिधिआऐगा ॥
 ॥ गगनोपनहनिगुनगनगाऐ ॥ नुचिनवीनरसप्रचुमननाऐगा ॥
 ॥ वेगिहत्तहुषलमुनिवनकहेउ ॥ नामसमनमहिसोनितनऐउ ॥
 ॥ छंदसंग्रामभूमिविनाजनधुपतिअतुलवलकोसलधनी ॥
 ॥ अमविंदुमुषनाजीवलोचननुचिनतनशोनितकनी ॥
 ॥ नुजजुगुलफेनतसनसनासननालुकपिचहुंदिसिवने ॥
 ॥ कहदासतुलसीकहनसकषविशेषजेहिआननधने ॥
 ॥ दोहा ॥ निसिचनअधममलायतनताहिदीन्हनिजधाम ॥
 ॥ गिसिजातेमतिमंदनरजेननजहिश्रीनामगागा ॥ २२ ॥
 ॥ चौदिनकेअंतफिनीदोउअनी ॥ समननईसुनटन्हअमघनी ॥
 ॥ नामकृपाकपिदलवलवाछा ॥ जिभिन्नपाइलागअतिडाछा ॥
 ॥ छाजहिंनिसिचनदिनअनुगती ॥ निजमुषकहंधर्मजेहिनांती ॥
 ॥ बहुविलापदशकंधनकनई ॥ वंधुसीसपुनिपुनिउनधनई ॥
 ॥ नोवहिंनानिहुदयहतिपानी ॥ तासुतेजवलविपुलवधानी ॥
 ॥ मेघनादतेहिअवसनआवा ॥ कहिवहुवचनपितासमुहावा ॥
 ॥ देखेहुकार्हिमोनिमनुसाई ॥ अवहिवहुतकाकनहुंवडाई ॥
 ॥ इष्टदेवसेवतवलपाऐउंगा ॥ सोवलतातनतोहिसुनाऐउं ॥
 ॥ ऐहिविधिजलपतनऐउविहना ॥ चहुंछानलगोकपिनाना ॥
 ॥ इतकपिनालुकालसमवीना ॥ उत्तनजनीचनअतिनधीना ॥
 ॥ लनहिंसुनटनिजनिजजयेहू ॥ वननिनजाइसमनषगकेतू ॥
 ॥ दोहा ॥ मेघनादमायानचितनथचळिगऐउअकासगा ॥
 ॥ गर्जेउपलपयोदजिमिन्नइकपिकटकजोत्रास ॥ २३ ॥
 ॥ चौसक्तिसलतनवानिक्रपाना ॥ अस्त्रसस्त्रकुलिसायुधनासा ॥
 ॥ डानइपनसुपनिघपाधानागा ॥ लागेउदक्षिकनइवहुवाना ॥
 ॥ नहेदशहुदिशिसायकछाई ॥ मानहुंमघामेघहनिलाई ॥
 ॥ धनुधनुमानुसुनहिंसबकाना ॥ जोमानइतेहिकोउनजाना ॥
 ॥ गहिगिनितनुअकासकपिधावहिं ॥ देवहितेहिनदुषितफिनिआव

लंका०

॥१८॥

॥ अब घट घाट वाट गिरिकंदरा ॥ मायावलकीनेहिसिसनपंजन ॥
 ॥ जाहिंकहा नय व्याकुल वंदन ॥ सुनपतिवंदिपनेउजनुमंदन ॥
 ॥ मानुतसुतअंगदनलनीला ॥ कीनेहिसिविकलसकलवलसिल ॥
 ॥ पुनिलछिमनसुगीवविनीषन ॥ सनहूमानिकीनेहिसिजनजनतन ॥
 ॥ पुनिनघुपतिसनजूहनलागा ॥ सनछोडेहोइलागीहनागाणा ॥
 ॥ ब्यालपासबसभएउधनानी ॥ सुवसअनेतऐकअविकानी ॥
 ॥ नटइवकपटचनितकननाना ॥ सदासुतंत्रनामनगवानाणा ॥
 ॥ ननसोनालगिप्रभुहिवंधावा ॥ देखिदसोदेवनूनयपाबाणा ॥

॥ दोहा ॥ यगपतिजाकननामजपिमुनिकाटहिंनवपास ॥

॥ सोप्रभुआवकिबंधतनव्यापकविस्वनिवासगाणा ॥ ८४ ॥

॥ चौचनितनामकेसगुनभवानी ॥ तर्किनजाहिंबुद्धिमनवानीगाणा ॥
 ॥ असविचारिजेत्यागविनागी ॥ नामहिंनजहितर्कसवत्यागी ॥
 ॥ व्याकुलकटकुकीरुधननादा ॥ पुनिनाप्रगटकहहिडुनवादा ॥
 ॥ जामवंतकहखलनहुठाळाणा ॥ सुनिकनितहिंकोधअतिवाळा ॥
 ॥ बूछजानिसठछोडेउंतोहिणा ॥ लागेसिपतितप्रचाननमोहि ॥
 ॥ असकहितीव्रत्रिस्तलचलावा ॥ जामवंतकनगाहिसोइधावा ॥
 ॥ मानेसिमेघनादकीछातीगाणा ॥ पसेधननिघुनमितसुनधाती ॥
 ॥ पुनिनिसानगाहिचननफिरावा ॥ महिपछानिनिजवलहिदियावा ॥
 ॥ वनप्रसादसोइमनहिनमाना ॥ तवपदगहिलंकापनडाना ॥
 ॥ इहादेवनिधिगनुडपठावाणा ॥ नामसमीपसपदिचलिआवा ॥

॥ दोहा ॥ पन्नगानिषाऐसकलछनमहुंब्यालवनूथ ॥

॥ नऐविगतमायातुनतहनयेबाननजूथगाणा ॥

॥ गहिगिनिपादपडपलनयधाऐकीसनिसाई ॥

॥ चलेतमीचनविकलअतिगळपनचछेपनाई ॥ ८५ ॥

॥ चौमेघनादकइमुरछाजागी ॥ पितहिविलोकिलाजअतिलागी ॥

॥ तुनतगऐउगिनिवनकंदना ॥ कनौअजयमयअसमनधाना ॥

॥ सोसुधिपाइविनीषनकहई ॥ सुनुप्रभुसमाचानअसअहई ॥

॥ मेघनादमयकनइअपावन ॥ चलमायाविदेवसतावनगाणा ॥

॥ जो प्रभु सिद्ध होई सो इपाइहि ॥ नाथ वेगिनि पुजीति न जाइहि ॥
 ॥ सुनिन घुपति अति सै सुषमाना ॥ बेलि अंग ददिक पिना नागाणा ॥
 ॥ लक्ष्मिन संग जाहु सब नाई ॥ कनेहु विध्वंस जग्य कन जाई ॥
 ॥ तुम्ह लक्ष्मिन माने हुन न ओहि ॥ देखि सन्नय सुन दुष अति मोहि ॥
 ॥ जामवंत कपिना ज विनीषन ॥ सैन समेत न हेउ तीनि उजन ॥
 ॥ जवन घुवीन दीन्ह अनुसासन ॥ कटिनि घंग कसिसाजिसरासन ॥
 ॥ प्रभु प्रताप उन धनि न धीन ॥ बेलि घन इव गिरा गंजी नागाणा ॥
 ॥ जो तेहि आजु वधे विनु आवउँ ॥ तौ न घुपति सेवक न कहावउँ ॥
 ॥ जो सत शोक न कन इ सहई ॥ तदपि हत उन घुवीन दोहाई ॥

॥ दोहा ॥ बंदिनाम पद कमल जुग चले उतुनंत अनंत ॥

॥ अंगद नील मयंद नल संग सुन रहनु मंत ॥ ८६ ॥

॥ चौ जाइ कपिन्ह देखा सोइ वैसा ॥ आहुति देइ नुधिन अनुनैसा ॥
 ॥ तव कीस न कृत जग्य विध्वंस ॥ जवन उठै तव कनहिं प्रसंसा ॥
 ॥ तदपि न उठै उधन हि कच जाई ॥ लात न रहति हति चले उपसाई ॥
 ॥ लै त्रि सुलधावा कपि नागाणा ॥ आए जहाना मनुज आगेगाणा ॥
 ॥ आवापन मक्रोध कन माना ॥ गर्जघोन न ववान हि वानाणा ॥
 ॥ कोपि मनुत सुत अंग दधाए ॥ हति त्रि सुल उन धन निगिनाए ॥
 ॥ प्रभु कहैं छं डे सि सुल प्रचंडार ॥ सन हति कृत अनंत जुग खंडार ॥
 ॥ उठि वहे निमानुति जु वनाजा ॥ हत हिं कोपिते हि घा उन वाजा ॥
 ॥ फिने वीन निपुमन इत माना ॥ तव धावा कनिघोन चिकाना ॥
 ॥ आवत देखि क्रोध जनु काला ॥ लक्ष्मिन छं डे विसिष कनाला ॥
 ॥ देखि सि आवत पविस मवाना ॥ तुनत न ऐउष ल अंत न धाना ॥
 ॥ विविधि वेष धनिक न इल नाई ॥ कवहुं क प्रगट कवहुं दुनि जाई ॥
 ॥ तव त्रि सुल डाने सि लक्ष्मिन पन ॥ काटि कीन्ह शत सं ड धन निधन ॥
 ॥ सिखन ऐक पुनि सोल इ धाएउ ॥ नाम अनुज सोइ काटि सि साएउ ॥

॥ दोहा ॥ आयुध छं डे सि विविध तेहिं न जसम कने फनीस ॥

॥ हुन विसम कपि निघ्न सब विबुध सहित सुनईस ॥ ८७ ॥

॥ विविध आयुध सोइ छण्ड इलागा ॥ नन कानन धूटहिं जिमि नागा ॥

॥ राम अनुज सन सिंह समानाणा ॥ उमाग्र सत घूट हि अग्निमाना ॥
 ॥ देधि अजय निपु उ न पे की साणा ॥ पन म को धत वन पे उ अ हि सा ॥
 ॥ लधि म न मन अ स मंत्र दि ला वाणा ॥ ऐ हिं पा पि मै व हु त धे ला वाणा ॥
 ॥ सु मि नि को श ला धी श प्र ता पा ॥ स न संधान की नू क नि दा पा ॥
 ॥ दे धि य जि मि न वि ते ज स मा ना ॥ फुं क न त म न हुं व्या ल अ नु मा ना ॥
 ॥ छं डे उ वा न ता सु उ न ला गा ॥ सी स भु जा का टे सि न्द प ना गा ॥
 ॥ सी स प ने उ ध न नी ज व ह ई ॥ भु जा दा हि नी न न सो ग ई गा गा ॥
 ॥ घ न स मा न सो इ ग न जि अ न्ना गा ॥ म न ती वा न क प ट स व त्या गा ॥
 ॥ दो हा ना म अ नु ज क हि ना म क हि अ स क हि छं डे सि प्रा न ॥
 ॥ ध न्य श क्रा जि त ज न नि त व क ह अं ग द ह नु मा न ॥ ८८ ॥
 ॥ चौ जो ज ग क हं दं ड क ज म दं डा ॥ ह रि डो हि सु त स म न प्र चं डा गा ॥
 ॥ म हि मा अ नु ल म हा व ल सी वा ॥ जा सु प्र ता प अ न य द स ग्री वा ॥
 ॥ नु ज व ल सु न ना य क व स की नू ॥ चौ द ह नु व न जी ति ज सु ली नू ॥
 ॥ नि पु त नु ल ष न मू ल ष नि गं जे उ ॥ जि मि ग ज क म ल ना ल ग हि न्ने जे उ ॥
 ॥ जि मि वा स व ग हि कु लि स क ना ल ॥ की नू वि क ट गि नि प ध वि हा ल ॥
 ॥ न न सा ग न म ह प ने उ स नी ना ॥ त नै दा नु जि मि नु धि न सु नी ना ॥
 ॥ दं ती वि क ट मु ष प न म न्न या व न गा गा ॥ चि कु न स घ न च ष अ सु न्न अ पा व न ॥
 ॥ न स ना लाल नं ग ज नु जा व क गा गा ॥ द व की सि षा सो ह ज नु पा व क गा ॥
 ॥ पा इ सु आ य सु नि ष न क पी सा ॥ क न ग हि ली नू दु ष्ट क न सी सा ॥
 ॥ दो हा क नि अ म मो ने उ म ह नि पु ना म अ नु ज न न धी न गा ॥
 ॥ नि ड न सु म न व न ष हिं वि बु ध क हि ज य गि ना गं नी न ॥ ८९ ॥
 ॥ चौ ता सु म न न सु नि सु न गं ध र्वा ॥ च ठि वि मा न आ ऐ न न स र्वा गा गा ॥
 ॥ व न धि सु म न दुं दु नी व जा व हिं ॥ श्री न घु ना र्थ वि म ल ज सु गा व हिं ॥
 ॥ ज य अ नं त ज य ज ग त अ धा ना ॥ तु म्ह स व दे व नू प्र भु नि स्ता ना गा गा ॥
 ॥ अ स्तु ति क नि सु न सि धि सि धा ऐ ॥ ल धि म न कृ पा सिं धु प हिं आ ऐ गा ॥
 ॥ प्र भु हि वि लो कि सी स प द नो ऐ उ ॥ उ णि प्र भु ह न धि अ नु ज उ न ला ऐ उ ॥
 ॥ कृ णा दि धि प्र भु अ नु ज हि हे ने ॥ वि ग त घा य की नू क न पे ने गा गा ॥
 ॥ वा न न वि धा दे धि त नै कै सा गा ॥ क न का त न स न पू रि त जै सा गा गा ॥

॥ मुखप्रसन्नतादेधिलषेसवाणा ॥ निपुवधकहेउवित्रीधनहैंतव ॥
 ॥ धन्योतेहिसीसआनिप्रभुआगे ॥ वैननचालुविलोकनलगोणा ॥
 ॥ प्रभुकोतुकीविलोकेउसीसा ॥ नाधनकहेउकोसलाधीसाणा ॥

॥ दोहा प्रभुआऐसुसुनिकीसपतिनाधेउजतनकनाइ ॥

॥ कटकुसहितनधुवंशमनिसोनितदेनउंनइ ॥ ८० ॥

॥ चौकपादिदिसवकटकुनिहाने ॥ ॥ नऐश्रमनहितनामवइठाने ॥ ॥

॥ सुनहुंउमायेहिविधिनिपुमाना ॥ सुनननमुनिसवन्नऐउसुषाना ॥

॥ अवसोसुनहुंवाहुतेहिकेरीणा ॥ षगज्यौलंकागइसनपेरीणा ॥

॥ मेघनादआगनमहंपरीणा ॥ वाननविधसोसोनितनरीणा ॥

॥ सोहततहंसुलोचनावइसीणा ॥ नतितैनुचिनरूपगुनैसीणा ॥

॥ नागसुतादशकंधपतोहूणा ॥ वासवनिपुतियधविमयजोहू ॥

॥ हेमसिंहासनसोहतवालाणा ॥ सेवहिविद्याधनतियमाला ॥

॥ पूजहिंविबुधविनयकनितहि ॥ मुखप्रमोदकोसकहिसनाहि ॥

॥ पतिभुजपरीआनिऐहिजांती ॥ मनहुंसकलसुषतनुकीकांती ॥

॥ दोहा जहंतहंदासीदेधिकनिशोनितअवभुजइंडणा ॥

॥ नऐउसमयआचनजमयमनहुअंउलखंड ॥ ८१ ॥

॥ चौसुनिकनिसकलसषीमुखवेना ॥ तजिसिंहासनउठासुनैनाणा ॥

॥ सहजसुभायधकधकीधनकी ॥ सूचकअसुनइहिनिभुजफनकी ॥

॥ होतमहानननावननामहिंणा ॥ वीनधुनीनमोनपियतामहिं ॥

॥ सकलसुनासुनसकहिंनजूही ॥ विधिकीमतिकछुपरइनबूही ॥

॥ इतनाकहतगईचलिआपूणा ॥ पतिभुजलधिकनिकोटिविला ॥

॥ कंकनमनिगनअखनसोईणा ॥ महाविटपसमआननहोईणा ॥

॥ देखतमनहिंनआवततेहीणा ॥ तासुप्रभावसुनापहिलेहीणा ॥

॥ नौंदनानिभोजनपरिहरईणा ॥ वारहवनषतासुकरमनईणा ॥

॥ दोहा कनिबिचानमनठीकदैमैपतिदेवतनानि ॥

॥ भुजलिषिमेरुहुदुचितईसुनिकनदीरूपसानि ॥ ८२ ॥

॥ चौलखिनुषतासुसषीउठिधाई ॥ तुनतहिंयोजिषनीलइआई ॥

॥ दीन्हृथपरमनिअंगनईणा ॥ लिखतलखनकीनतिउचिनाई ॥

॥ नींदनाभिजो जनशतकोटिकणा ॥ तेजैतासुमहिमायहृष्टोदिक ॥॥

॥ अघयअघयअजअविनासी ॥ अतुलअमितघटघटकेवासी ॥॥

॥ प्रगटहिं पालहिं पुनिजगुहहिं ॥ त्रिगुनरूपत्रयभूततिकनहिं ॥॥

॥ जोकालहुकनकालनयंकनणा ॥ वननतासुजसुसानदसंकनणा ॥॥

॥ लीलातनुसुनसेवकहेतूणाणा ॥ जासुनामनवसागनसेतूणाणा ॥॥

॥ मुनिमनपुंडरीकजाकेधन ॥ वचनविवेकविचानबुद्धिपन ॥॥

॥ दोहा कोटिकल्पवननतनिगमअगमजासुगुनगाथ ॥

॥ तमशनीनजडजीहविनुकिमिवननहिलिषिहाथ ॥ ८३ ॥

॥ चौममसिनगएउदनसनधुनाई ॥ तववचननिलगिनुजापठाई ॥॥

॥ ऐहिविधिलिखेउसकलनुजवाता ॥ पनीअमितलअतिविकलाता ॥॥

॥ चौचिसकलनुजलिखवजथानथ ॥ लछिमननामजानिपनमानथ ॥॥

॥ तीयसुनायतदपिवहुनांतीणा ॥ विलपहिंमिलिसवसधिन्हकीपंती ॥॥

॥ गुनगनसाहससीलनोहकोणा ॥ कनिनोवहिवलविजयबांहुको ॥॥

॥ जिरुनुजवलसुननाथविगोए ॥ सोप्रनुआजुसमनमाहिसोए ॥॥

॥ मनिगनभूषनवसनविसानहि ॥ महिलोटहिकनतलसिनमानहि ॥॥

॥ अतिसयदुषितदेहसुधिनाही ॥ दानुनविपतिकहहिकेहिपाही ॥॥

॥ छनकप्रबोधसषीकोउकरई ॥ वहुनिसोकदावानलजनईणा ॥॥

॥ छनछनउठतपनतधननीतल ॥ पुनिपुनिसुमिनिसनाहिपतिकिवल ॥॥

॥ दोहा तिन्हमहसषीसयानिऐकसमुहार्इकहिवेन ॥

॥ सोकधंउपीतिदेवतासुमतिकनियमनवेन ॥ ८४ ॥

॥ चौसुनिकहसहसाननतनजाता ॥ सत्यकहातुमसधिसववाता ॥॥

॥ विधिनिनमितदुषमोहिनिवाह ॥ सुषपनिपूनिनुवनसवकाह ॥॥

॥ विजयनामलछिमनकनआएउ ॥ सुजससकलमर्कटकुलपाएउ ॥॥

॥ कुलकलंकवडलहेउविनीयन ॥ कुलकुठानअससुनेउनदीयन ॥॥

॥ छूटिवंदिअवसुनगनकेनीणा ॥ निजनिजपुनन्हदोहार्इफेनी ॥॥

॥ मुनिपुलस्तिकननाकुलनासा ॥ अवनविससिसुषकनहुप्रकासा ॥॥

॥ तेजवंतपावकपनिहनिदुष ॥ बहिसिसमीनआजुअपनेसुष ॥॥

॥ मलिलगगनसवनिर्मलआजू ॥ सुवसवसिहिसुननायकनाजू ॥॥

॥ दोहा ॥ जमकुवेनदिसिपालसवप्रमुदितसुननननाग ॥

॥ षाउअघाउविहाइदुषलहिसवजगयविनाग ॥ ८५ ॥

॥ चौ इतनाकहिमेंदिनमहंआइगा ॥ देखिसिमनिगनधनबहुताई ॥

॥ सुनपतिभवननपटतनताही ॥ निद्धिसिद्धितहंसकलकमाहि ॥

॥ देखतभवननमनअनुनागेउ ॥ पतिपदनेहनिपुनमनलागेउ ॥

॥ दीन्हैउमनिगनअखनचीना ॥ धेनुधननिगजहाटकहीना ॥

॥ मनिमयसिविकानचेउबनाई ॥ भुजचछाईपरिहावबनाईगा ॥

॥ आपुनचछतनईपुनिआइगा ॥ सुनदुलैभसुषसदनविहाई ॥

॥ चीतनागजिमितजेउविषयगन ॥ सहस्रमोतिपतिपदलागेउमन ॥

॥ सुकसानिकासुलोचनाज्याऐगा ॥ कनकपींजनहिनाधिपछाऐ ॥

॥ व्याकुलकहहिंकाहंसुननपना ॥ सुनिधीनजुपनिहनइसुवयना ॥

॥ अऐविकलषगगनऐहिनांति ॥ अपनदशाकइसैंकहिजाती ॥

॥ प्रजालोगतवसवसंगलागे ॥ प्रेमउमगिलोचनजलपागे ॥

॥ दोहा ॥ वाजनतलगेनिसानगनछोलदुंदुनीनेनिगा ॥

॥ पुनजनपनिजनसंगसवचलेपालकीधेनि ॥ ८६ ॥

॥ चौ देखिमीनदसकंधनधाने ॥ सजगहोहसववीनपुकाने ॥

॥ जानहिंकटकुनिपुनकनआई ॥ आससस्रकनधनहुवनाई ॥

॥ धनुचछाइतनकसकटिवौधहिं ॥ गहिअसिचर्मसमनवनकांधहिं ॥

॥ तोमनपनशुप्रचेडगदागहिगा ॥ तीछनचोषेसलशक्तिलहिगा ॥

॥ मानुमानुधनुधनुकहिधावहिं ॥ प्रगटदसाननविजयसुनावहिं ॥

॥ गर्जहिंतर्जहिं गिनागंभीनागा ॥ समननयंकननिसिचनवीना ॥

॥ निपटहिंनिकटपालकीआइगा ॥ चीन्हिसकलभटनहेलजाई ॥

॥ देखिजुहानिनागपतिकन्यागा ॥ सतीसिनोमनित्रिनुवनधन्या ॥

॥ दोहा ॥ दानपालदशकंधकहंषवनिमुनाइक्तिजाई ॥

॥ नईनजायसुवेगहिंलेहसोताहिवोलाइगा ॥ ८७ ॥

॥ तेहिअवसरसुभलोचनागहेचननसिमुनाई ॥

॥ नाधिनुजाघननादकीकनुनावचनसुनाइ ॥ ८८ ॥

लंका०

॥२२॥

॥ तुम्हें अथ तत्र सहा लहमानी ॥ सुख तजि न ऐउ सो कश्चि कानी ॥
 ॥ न न मगनु जा सो मम ग्रहणी ॥ संशय देखि दीन्हि कनखनी गा ॥
 ॥ लिखि नाम लछिमन महि माइ ॥ कम हीं सौं सब कथा कहि गति न ॥
 ॥ ठगि सिनहि उँ वौं चि गुण गाथा ॥ जन उँ संग जोगा वहुँ माथा गा ॥
 ॥ न न क मंघ जु मम ग्रह आई ॥ सिन त हँ ज हँ न ने स देउ च आई ॥
 ॥ कनिय सो जतन मिलि मोहि सीसा ॥ तुम्ह सम नथ्य च न च न ईसा गा ॥
 ॥ सुनत कुलिस सम गिनाव धूकी ॥ जीवन आस दसान न हूकी गा ॥
 ॥ तदपि धीन धनिक न त प्रबोधा ॥ वहुँ कहुँ मोहि समान जग जोधा ॥
 ॥ दोहा ॥ राम लखन सुग्रीव न लनी ल दुविद हनुमंत ॥

॥ माय विभीषन निषन्न को आन उँ मानितु नंत ॥ २८ ॥

॥ चौ अवल गिरहे उन्न नो सा नानी ॥ कुंन कनन धन नाद सुनानी ॥
 ॥ महँ आ जु लगी कीन्ह न जूहा ॥ इन्ह सब कन पुनुषान य बूहा ॥
 ॥ मरे ते न न वौं न न के माने गा ॥ वात सुनत वडिला जह माने ॥
 ॥ गनती कवन बीन महँ तिन्ह की ॥ अति दुन दसा कीन्हि कपि जिन्ह की ॥
 ॥ छँडु सोच कुल वधू पतो हूगा ॥ जानहि इन्ह समान जनि मोह ॥
 ॥ पुत्रि विलंब कनहु धनि चानी ॥ देखहु मोनि नयं कन मानी गा ॥
 ॥ आनहुँ सिन सब सत्रु न्ह के रा ॥ विनु प्रयास न हिल गिहि वेरा ॥
 ॥ भोग वहि जंतु पुन कित भोगा ॥ नत कत निसि च न वन च न जोगा ॥
 ॥ दोहा ॥ मेनु उषान न हान जे धना धन हिं कन बीच गा ॥

॥ तेन दया ऐउ मसकसि सुकाल कुटिल तानी च ॥ २९ ॥

॥ चौ क्रोधा वेश प्रगटवल बोले ॥ हृदय सो कतनु अचल न डोले ॥
 ॥ समाधान नहिँ मानति सोई ॥ सुनि प्रलाप पनितोष न होई ॥
 ॥ न न वौं न न पुनुषान य देखत ॥ वड पन पंच छैटक निलेखत ॥
 ॥ कूदिसिंधु लंका कपि जानी गा ॥ लघुक निमानत ताहि सुनानी ॥
 ॥ कुंन कनन अतिकाय महोदन ॥ मम पति गिने उ स सय न सहोदन ॥
 ॥ ते इनि पुचहुँ दसान न जीती ॥ देखहु महा मोहक इनी ती गा ॥
 ॥ उत न दे उँ त उपात कहोई गा ॥ कनि विवाद अवसन बसुषोई ॥
 ॥ फिने उना जुत उ मोहिन काजू ॥ विनु पिय सकल न न क कन साजू ॥

॥ दोहा ॥ तुनतहिं उठी सुलोचना गर्द मय सुता पास ॥

॥ पद गहि नो बत सब कहि प्रगट शोक उपहास ॥ १०० ॥

॥ चौ आदि हितै सब कथा वधानी ॥ सुनि सुनि नो बहिनावन नानी ॥
 ॥ कहै सिपति जु जालिष वव होनी ॥ नाम लखन महि मान हियोनी ॥
 ॥ कहै उबहु निदश कंधन क्रोधा ॥ मनेहु विडंवन कीन्ह सिजोधा ॥
 ॥ सुनिसोइ पुत्र बधू कइवानी ॥ बोली बहनि मदोदनि नानी ॥
 ॥ कहै उं जो मानव सत्य सपानी ॥ सुनी जो नानद मुख कीवानी ॥
 ॥ पाछि लिवात नई सब सौची ॥ अनुन व कीन्हि न ऐक उवांची ॥
 ॥ देवि न होइ मयानिधि नाथित ॥ अथ नै महामोह मन मांथित ॥
 ॥ आगिलि कथा समास समेता ॥ सुनु पुत्री निषिवन ले उजेता ॥
 ॥ वीन जावदश कंधन जूहिहि ॥ प्रानहुं गऐनीति नहि बूहिहि ॥
 ॥ सीय शोक संकट तै छूटिहि ॥ वान न जालु राज ग्रह लूटिहि ॥
 ॥ धन मनि नूषन वसन विमाना ॥ भोग कनहिं वन चन कुल नाना ॥

॥ दोहा ॥ राज विनीषन पाइ हे अमन कल्प निर्वाहिणा ॥

॥ भावी वस सुख दुख जगत उपदेसिय कहुकाहि ॥ १०१ ॥

॥ चौ मुनि वचन नूकी मोहि प्रतीति ॥ अनुन व सदाह निअनुजिती ॥
 ॥ सुनहुं पुत्रि पनिहनि अइ सोका ॥ पतिसंग तुनत साधु पनलोका ॥
 ॥ जाहिनाम पहं पतिसिन लागी ॥ तजिस कोच आनहि सिनु मांगी ॥
 ॥ होइन लाज आजुक न नूषन ॥ समय हीन गुन गानियन दूषन ॥
 ॥ ऐक नानि व्रत न धुपतिके ना ॥ लखन सुज सुतुम सुने उघने ना ॥
 ॥ है पुनिस सुन विनीषन तो ना ॥ वालिसु अनहइ वाल कु मोना ॥
 ॥ जामवंत मंत्री सुग्रीवां ॥ दुविद मयंद मलवल सीवां ॥
 ॥ जानिय ब्रह्म चर्ज हनु माना ॥ सिव सनू पनय हन नगवाना ॥
 ॥ सदानिती नत नाम नने सा ॥ तहौ जात कहुक वन कलेसा ॥

॥ दोहा ॥ विदित तोहि पति जु जालिष तलाधि मन नाम प्रजाउ ॥

॥ महुं निषिवचन कहै उं सब अव विलं वन हिलाउ ॥ १०२ ॥

॥ चौ सुनत सा सुमुख कीहित बानी ॥ जाउँ नाम पहिं यह मन मानी ॥
 ॥ वान वान चन न नूषिनु नाई ॥ गवनी जहै लछिमन न धुनाई ॥

॥ देखी कटकनालुकपिके नीगा ॥ सिंधुसुवेतमहिधनघे नीगा ॥
 ॥ उमगे उमनहुं महोदधिदूसन ॥ हनितपिंगकपिधूमिलधूसन ॥
 ॥ लूमिलालमासकी नहे नीगा ॥ मनहुं लपटवडवानलके नीगा ॥
 ॥ गिनितनुधननुजसहजन्नयंकन ॥ जहंतहंप्रगटहोतजनुजलधन ॥
 ॥ लछिमनशेससुअंकसीसधनि ॥ कटकजलधिसेवतनाघवहनि ॥
 ॥ अघयवटतहंवैठविभीषन ॥ अससुक्रतीनहिसुनेउनदीषन ॥

॥ दोहा ॥ देयतिहनसिसुलोचनाधीनजधनतिवहनि ॥

॥ महानाजनघुवीनकहंकोविनयसुनाइहिमोनि ॥ १०३ ॥

॥ बौबौननसकलउठेअसबोली ॥ अनिपुनतैआवतऐकडोली ॥
 ॥ जानिपनतनावनअवबूहा ॥ नइमतिमेघनादजवजूहा ॥
 ॥ हठतजिसीतहिदीनूपठाई ॥ तजहुसोचअवमिटीलनाई ॥
 ॥ जेहिलगिप्रगटकीन्हिपुनअगि ॥ बांधेउसेतुहेतुजेहिलागि ॥
 ॥ सोसीताजोविनुअमपाईगा ॥ जानवविधिअनुकूलअघाई ॥
 ॥ विजयनामसुग्रीवहिआऐउ ॥ सुजसुसकलबौननकुलपाऐउ ॥
 ॥ विनहनामलछिमनकनघूटेउ ॥ विनुकलेसलंकागाछूटेउ ॥
 ॥ जुगजुगकीनतिरहिहिहमनी ॥ कतननकतहमलघुवनचनी ॥

॥ दोहा ॥ ऐहिविधिसवनविद्यानकनिदईठीकमनमोहिं ॥

॥ नऐउकाजनघुनाजकनवातदूसनीनोहिं ॥ १०४ ॥

॥ पैठतदलअतिसयसकुचाई ॥ अनचिन्हनजिमिपनधनजाई ॥
 ॥ आगेजाइदेखिनघुवीनहिगा ॥ अविमयस्यामलगोनसनीहि ॥
 ॥ मनकतकनकअविहिजनुनिंदत ॥ धन्यसुजनमहिमाजोहिवंदित ॥
 ॥ मत्तगयंदशुंडनुजदंडागागा ॥ धनुषवानअसिधनेप्रचंडा ॥
 ॥ उनविशालअतिउन्नतकंधन ॥ केबुकेंठनेषाप्रसन्नतनगागा ॥
 ॥ मुखअविकीउपमाअविजोहइ ॥ ससिसनोजसमकहेनसोहइ ॥
 ॥ दसनपौतिकीकौतिकहेकोगा ॥ ललकतमनपटतनिहिलहेको ॥
 ॥ देयतअधननकीअनुनाईगा ॥ विंवाफलबंधूकलजाईगागा ॥
 ॥ सुकतुंडहिनासिकालजावहिं ॥ थकेसुकविनहिपटतनिपावहिं ॥
 ॥ दोहा ॥ अविमयगुनमयतेजमयनामउदधिअवगाह ॥

॥ जहैन पावहिं पान सुन कोवन नै कनिथाह ॥ १०५ ॥
 ॥ चौ नकुटी विकट कपोल सुहाये ॥ सीस जटन कन मुकुट बनाये ॥
 ॥ भाल विशाल तिलक जुत सो है ॥ ध्यान समय लखि मुनि मन मोहै ॥
 ॥ बलकल वसन तैन कटि बांधै ॥ कनसन सुन गसनासन कांधै ॥
 ॥ बीनासन आसन मग घालागा ॥ नवपद्म वप्रसून कइ माला ॥
 ॥ चनन सनो जवननि नहिं जाहौ ॥ जहं मुनि मधु कन सदा लोभाहौ ॥
 ॥ प्रगट नई जे हि यल तै गंगागा ॥ श्रुति पुनान कह कथा प्रसंगा ॥
 ॥ नवहिं महै सविनं चि जाहिकहुं ॥ लोचन गोचन होहिं काहिकहुं ॥
 ॥ जन आनत भंजन कहै जोहित ॥ नवसागन तानन कहै वोहित ॥
 ॥ दोहा प्रनत पाल विन दावली जिन्ह चनन नरु कीवानि ॥
 ॥ शोकहनन संशय दहन कनन सुमंगल धानि ॥ १०६ ॥
 ॥ चौ कन जोने अंगद हनु मानागा ॥ दुविदम पंदकु मुद बलवाना ॥
 ॥ जामवंत कपि पति बल सीला ॥ निषन्न मुखेन सहित नलनीला ॥
 ॥ महवीन वौनन सव राजहिं ॥ लखन विनीषन दुहुं दिसि आजहिं ॥
 ॥ मिति भाषित सर्व ग्य सुसेवक ॥ चितवहिं नुषन घुनंदन देवकणा ॥
 ॥ सनाम ध्या सो नित न घुनंदन ॥ कीन्है सि सुफल निरधि निज अंजन ॥
 ॥ कनत दंडुवत सिन धनिधननी ॥ सो सब कथा विनीषन वननीगा ॥
 ॥ पुत्र वधू दशकंधन कीहेगागा ॥ पति देवत सुलोचना तीहेगागा ॥
 ॥ मेघनाद कइना नि सुसीलागा ॥ यह गति तव विरोध कीलीला ॥
 ॥ दोहा मुएँ ग्यान पति भुजलिष वस मुहाइ सि ऐहि ओहि ॥
 ॥ महाना जन घुवं सम निजा चनन आई तोहिगागा ॥ १०७ ॥
 ॥ चौ कनि प्रनाम आदन नहिं योने ॥ कनुना वचन कहत कन जोने ॥
 ॥ छंद मै न नि अपावन प्रनु जग पावन नावन नि पुजन सुषई ॥
 ॥ नाजी व विलोचन नव नय मोचन पाहि पाहि शन नहि आई ॥
 ॥ भुज मोहिलि विदि न्हा अति भल की न्हा पन मग अनुग्रह मै माना ॥
 ॥ देखे उन्न निलोचन न नि नय मोचन यहै लाज शंकर जाना ॥
 ॥ विनती प्रनु मोरी मै मति मोरी नाथन मागौ वन आनागा ॥
 ॥ पदक मल पनागान स अनुनागा मम मन मधुपक नै पाना ॥

॥ ऐहि जाति सुनेना अस्तुति वेना वा न वा न ह म च न न प नीणा ॥

॥ जो अति मन भावा सो व न पा वा च न न ना इ इ मि सि स ध नी ॥

॥ दोहा ॥ अस प्रभु दीन बंधु ह निकान न न हित दया लागा ॥

॥ तुलसीदास सठ ताहि न जुघाँडिक पट जंजाल ॥ १०८ ॥

॥ चौ तुम्ह अत न जामी न गवाना ॥ ॥ प्रभु ता आदि मध्य अ वसाना ॥ ॥

॥ कनु ना वचन सुनत न धुवी ना ॥ पुलक नो म न ऐ सि थिल श निरा ॥

॥ दे उँ जि आ इ तो न पी ति आ जू ॥ भुँ ज हु लं क क ल्य स त ना जू गा ॥

॥ छँ डु सो च अ व म न ह न था हि ॥ तु न त न व न अ प ने फि नि जा हि ॥

॥ सु नि अ सि स त्य संध की वा नी ॥ मन म ह व न न च भू ड ना नी गा ॥

॥ कहि न सक हि क धु प्र भु नु ष दे षी ॥ कहा क न हि क न ता न अ ले षी ॥

॥ सी य सो च क न फल न हि हो इ हि ॥ जो क नि कृ पा ना म ऐ हि जो इ हि ॥

॥ दोहा ॥ राज विभीष न लं क क न क नि ह हिं के हि वि धि न्ना ई ॥

॥ समु हि व य न ध न ना द ज व ग हि हि स ना स न जा इ ॥ १०९ ॥

॥ चौ मुख नु ष ल धि क पि के स व जा ना ॥ प्र न त पा ल न ग वा न स भा ना ॥

॥ देखि व हु त न धु वी न कि छे हू गा ॥ वि न य क न त द श कं ध प तो हू ॥

॥ तु म उ द न दे व स व ला य क गा ॥ क नु ना म य दे षे उँ न धु ना य क ॥

॥ म ह वि वा न की न्ही म न मा हिं गा ॥ जी व न तै य ह म न न स न हिं गा ॥

॥ भु ज व ल लो क पा ल व स की न्हे ॥ चौ द ह नु व न नो ग क नि ली न्हे ॥

॥ न न ती न थ जा च क न ल ची न्हे सि ॥ प्रा न सो ध न ल धि म न क न दी न्हे सि ॥

॥ अ व न उ चि त वि तु दे अ प हा ना गा ॥ ते हि प न अ धि क सो द न स तु म्हा ॥

॥ जा नि अ म ह म न व स तु सा धी गा ॥ मि ल व तु म्हा हि जि मि मि ली हिं स मा धी ॥

॥ दोहा ॥ नि न म ल ग ति अ व स न न ऐ उ सु नि य स त्य न धु वी न ॥

॥ तु म्हा हिं मि ले न हि हो इ न व ज था सिं धु ग त नी न गा ॥ ११० ॥

॥ चौ मन की जान न ह न सु दे वा गा ॥ अ व सा ग न नां ध हिं ऐ हि षे वा ॥

॥ ली न्हे सि नि ष न क पी स वो ला ई ॥ मे ध ना द सि न दी न्हे म गा ई गा ॥

॥ पा इ कृ ता न थ मा ने सि आ पू गा ॥ मि टा वि न ह स न व प नि ता पू ॥

॥ अ च ल पों छ ति मुख की धू री गा ॥ कहि म म प्रा न स जी व न मू री गा ॥

॥ देखि क न त सें दे ह सु ग्री वा गा ॥ भु ज म हि लि षे उ सो मो हि न सी वा ॥

॥ प्रभु असकहे उहँ सिहियह सीसा ॥ १॥ करिकुतर्कनहि उचितकपीसा ॥ ३॥
 ॥ हसइवदनतउतिययहसाँची ॥ नातरनिसिचनमायानाँचीणा ॥
 ॥ कहँयहज्ञानमृतकचुजगावै ॥ जोमुनिवनसाधनतैपावैणा ॥
 ॥ **सोहा**सिनसौकहतसुलोचनाहसहुवेगिममनाथ ॥
 ॥ नतनुप्रतीतिनमानिहैलिख्यो जोतुम्हनेहाथ ॥ ११॥
 ॥ **चौ** धनकुविलंबुकीकिनहिवोलै ॥ मृतकसोमुखमूँदितनहिवोलै ॥
 ॥ पुनिपुनिकहतिहेनागकुमानी ॥ अमितनयेउवनमहुँकनिमानी ॥
 ॥ लगेउलखनशानछेनवछावीह ॥ प्रभुसमीपकतमोहिलजावहि ॥
 ॥ जोमनवचनकरमयहदेहीणा ॥ पतिदेवतानआनसेनेहीणा ॥
 ॥ तोप्रभुसन्नावीचसिनबोलइणा ॥ नहिजाइहिजगसुजसअमोलइ ॥
 ॥ जोजनतिउँतवयहगतिसाँइणा ॥ बोलिपठवतिहुँपितहिसहाँइ ॥
 ॥ सुनितियवचनहँसेउतवसीसा ॥ चउँकिउठेसबन्नालुकपीसा ॥
 ॥ हसेउठठाइवदनसबंदेखत ॥ विसमयनयेउसकलजनपेखत ॥
 ॥ कोटिमेघसमसुनिनहिजाँइ ॥ नहेउसोवदनबहुनिअनगाँइ ॥
 ॥ सकुचकपीसहितोखेउनानिहि ॥ बडआचनजनयेउवनचानिहि ॥
 ॥ कहेउकपीसचननसिनुनाँइणा ॥ काननकवनहसेउसिनसौइणा ॥
 ॥ तवसुनिविहसिकहानघुनाँइ ॥ सुनुसुग्रीवकुतर्कविहँइणा ॥
 ॥ पतिवृत्तनानिजासुधनमाँही ॥ यहवडिवाततिरुहिकधुनाँही ॥
 ॥ पुनितवसंशयनयेउकपीसा ॥ तोहिकाननइहसेउयसीसा ॥
 ॥ **सोहा**सीसपाइप्रभुचननगाहिवहुविधिविनयसुनाइ ॥
 ॥ आजुकोदिनननपनिहनियममहितकोसलनाइ ॥ १२॥
 ॥ **चौ** बहुनिविनीषनपदहिनमतिसो ॥ नधुवनगुनगनहृदयभनतिसो ॥
 ॥ तुम्हपितुसमदसकंधननाँइणा ॥ यहिकुलकीतोहिलाजवडाँइणा ॥
 ॥ मुनिपुलस्तिपनिवानकेदीपक ॥ पायेउफलनधुवीनसमीपका ॥
 ॥ तवहिँमोहवसअनहितमानेउँ ॥ ग्याननयेतवगुनपँहिचानेउ ॥
 ॥ जुगजुगकनहुअकंटकनाजूणा ॥ सहितकीर्तिअनुसुकृतसमाजू ॥
 ॥ सुमिमत्ततुमहिन्नगतजसुपइहँ ॥ नधुपतिचनितसंगकनिगाइहँ ॥
 ॥ सुनतविनीषनवडिकुनान्ननि ॥ प्रगटनकनतसमयअटकनिकनि ॥
 ॥ कालकनमगतिकहिसमुहाँयेउ ॥ बलीतुनतगुनआयसुपायेउ ॥

॥ दोहा ॥ बाहिन कनिक पिकट कतै फिने उवि नीधन आपु ॥

॥ विसरे उदश कंधन वयनु नरे उदे धिसंतापु ॥ ११३ ॥

॥ चौ सिन चढा इपाल की चढा सोणा ॥ नधु पति कृपा प्रवाह बढा सो ॥

॥ हृदय नाधि मून तिघन स्यामहिं ॥ नसना नटत निनं तननामहिं ॥

॥ सनित सिंधु संगम जहं पावन ॥ यह सुधि पाइ गये उत है नावन ॥

॥ संगम दोद नि सवन नि बाहणा ॥ मन हुं सो कन वि की नू प्रकास ॥

॥ पाइन जाय सु सेव क धाये ॥ बंदनु अगनु भानु बहु लो ॥

॥ नची दानु तव चिता वनाई ॥ जनु सुन लोक नि से नीलाई ॥

॥ कनि प्रणाम सव जन पनितोषे ॥ धीन जध नि सुमिन तस तचोषे ॥

॥ सिननु जध नि वैठी कनि आसन ॥ नइ जनु जोग सिद्धि कन वासन ॥

॥ दोहा ॥ दीन्ह अग्नि ज्वाला बढा लपट गगन लगि जाई ॥

॥ लषियन का हूजा तिते हिं सुन पुन पहुंची जाई ॥ ११४ ॥

॥ चौ सुत वधु देधि दशानन जवहो ॥ मुन धित नरे उपने उमहित बहो ॥

॥ दुधित हृदय नयन रुजल आवा ॥ जनु सिन मनि अहिना जगं वावा ॥

॥ हा सुत संतत आग्या कानी ॥ कनि विलाप दशकंध पुकानी ॥

॥ सक्र आदि जीते हुसव देवा ॥ सुन मुनि नाग कनहिं सब सेवा ॥

॥ दूसन रहे उननु जवल दापा ॥ स्वर्ग भूमि तल तपे उपता पापा ॥

॥ ऐहि विधिक नि विलाप लं केश ॥ नरे उते जहत सुन हुं धगे सापा ॥

॥ मंदोदनी उदन कनि नानी ॥ उनता उन बहु नोति पुकानी ॥

॥ नवान लोग व्याकुल सब सोचा ॥ सकल कहहिं दशकंधन पोचा ॥

॥ दोहा ॥ तवलं केश अनेक विधिस मुहार्द्र सवनानि ॥

॥ नखन रूप प्रपंच सब देखु मनहिं विचारि ॥ ११५ ॥

॥ चौ तिन्हि ग्यान उपदेशे उनावन ॥ आपनि मंद कथा शुन गावन ॥

॥ पन उपदेश कुसल बहु तेने ॥ जे आचरहिं तेन न धनेने ॥

॥ देवि चनित पुनीत सुन गावहिं ॥ वनधिसु मन दुंदुनी वजावहिं ॥

॥ ता सुक्रिया कनि नि सिचन नाह ॥ नरे उ सोचव स अति उन दाहा ॥

॥ सचि व आइ सब लाग बुहावन ॥ वादि विषाद कनिय जिय नावन ॥

॥ सुत विन नानि विविध सुष केसैं ॥ उपजहिं घरा जाहिं उडि जैसैं ॥

॥ तडित्तदमकदेधियधनमहिं ॥ रहहिं नथिनते इवहुनिधिपहिं ॥
 ॥ असजियजानिसमुहुदशभाला ॥ वचहिनको उजगआऐं काला ॥
 ॥ अवप्रनुजतनविचानहुसोई ॥ निपुकननासजवनविधिहोई ॥
 ॥ वचनमुनततवतेहिसुषमाना ॥ कालविवसजिमिति नथगयाना ॥
 ॥ दोहा लागेउकननविचानपुनिवहुप्रकानदशसीस ॥
 ॥ सुमिनिहृदयअहिनावनहिंआऐउजहंमृदुईस ॥ ११६ ॥
 ॥ चौदेउचानिपुनिनिसितहंवीती ॥ संध्यावंदनकीन्हिसप्रीती ॥ ॥ ॥
 ॥ लागेउकननध्यानदससीसा ॥ वहुनिहनधिजेनेउकनवीसा ॥ ॥
 ॥ शिवसेवकसोइअतिअनुनागी ॥ सुनिषगसतातेंवउनागी ॥ ॥
 ॥ आकर्षनमंत्रजपेउदशभाला ॥ अहिनावनचितडोलपताला ॥ ॥
 ॥ लागेउकननसोइमनअनुमाना ॥ केहिकाननदशमुखअकुलाना ॥
 ॥ निसिचननाहनुवनवसजाके ॥ जीतनकहंनवीनकोउताके ॥
 ॥ मनक्रमवचनआननहिसेवी ॥ धनेउध्यानउनकामदेदेवी ॥ ॥
 ॥ चलेउवहुनिआऐउसोतहंवां ॥ शिवमंडफदसमुखनहजहंवां ॥ ॥
 ॥ निसिचनपतिकहंतेहिंसुनावा ॥ कनगहिनुजआसनवेठावा ॥ ॥
 ॥ दोहा अहिनावनतवनावनहिंपूछेउकुसलसप्रीति ॥ ॥
 ॥ प्रथमहिंकहितेहिंसवकथानगनीकीन्हिअनीति ॥ ११७ ॥
 ॥ चौवधषनदूषनजिमिसुधिपाई ॥ मानीचकपटभगकथासुनाई ॥
 ॥ कहेसिवहुनिसिताकनहनना ॥ पवनतनयवललंकादहना ॥
 ॥ सेतुवांधिजिमिप्रनुचलिआऐउ ॥ वालितनयसंवादसुनाऐउ ॥
 ॥ अनिपअकंपनअनुअतिकाया ॥ पेनउसमनमहिसुनुअहिनाया ॥
 ॥ तातकुशलअवआइसिनानी ॥ कटकनिसाचरसकलघुटानी ॥
 ॥ कुंजकननधननादउमाने ॥ नामलखनतेमनुजप्रचाने ॥
 ॥ अनेउबोलितोहिनिजपासा ॥ कउसोइजतनहोइनिपुनासा ॥
 ॥ सुनतवचनकहकेतिकवाता ॥ हनिलइजइहहुदोनउचाता ॥
 ॥ लेपतालदेविहिवलिदेउं ॥ जसुपूरननिसिचनकुललेउं ॥
 ॥ लइनभजाउंसोजानेहुंतवहं ॥ नविसमतेजहोइनिसिजवहं ॥
 ॥ दोहा कहिअसवचनप्रबोधकनिसीसनाइवलआधि ॥

लंका०

॥ आयेउनधुपतिनिकटतवनिजेदेवीउननाधि ॥ ११८ ॥

॥ चौ सहनकरनिमिसिअतिअंधियनि ॥ मर्कटभटजागहिंतहैनानी ॥

॥ कहहिंजयतिजयजयतिक्रपाल ॥ अतिहिअगमगमनोहिनकाला ॥

॥ तहामनुतसुतकीन्हउपाईगाणा ॥ निजलंगूरकिकोटवनाईगा ॥

॥ सोइसोआकधुवननिनजाईगा ॥ जनुनुअंगपतिनहत्तहैअई ॥

॥ अनुजिमिदेधियसेलसमाना ॥ ॥ दनवाजेमुखकृतहनुमाना ॥ ॥

॥ देधिहृदयअहिनावनहानाणा ॥ जिमिनविउदयनतमपइसाना ॥

॥ एकउजुगुतिनमनठहानानी ॥ ॥ कपटवेधतेहिकीन्हनवानी ॥ ॥

॥ वेधविनीषनसवअनुहानी ॥ ॥ पवनसुवनपहिंगाधलकानी ॥ ॥

॥ दोहा सहजप्रतापीपवनसुतपुनिसुनपतिपतिदास ॥

॥ तिन्हहिंनिंदमिचलोनामपहंमूळहृदयनहित्रास ॥ ११९ ॥

॥ चौ मनमुनजानेउंकधुसुतपवना ॥ रूपविनीषनकरितवगवना ॥

॥ नहिठाठाबोलेउमुनुआताणा ॥ बोलेउंजहोनधुपतिजनआता ॥

॥ मैंनधुपतिसनआयसुपाईगा ॥ संध्याकरनगएउंसुनुभाईगा ॥

॥ तेहिंतेतुनितचलेउंप्रनुपाहिं ॥ नयविलंबजनिनामनिसाहिं ॥

॥ सत्यवचनकपिनिजअनुमाना ॥ सुनुषगेसचावीवलवानाणा ॥

॥ कपटचतुनगतिजानिनजाई ॥ पनमनुहनइहनइधनुभाईगा ॥

॥ आयसुपाइगएउसोइतहैवां ॥ फनिपतिप्रनुदेनउंनहजहैवां ॥

॥ कपिपतिजामवंतनलनीला ॥ बालितनयसुधेनवलसीला ॥

॥ दोहा दुविदमयंदकपीसगनगवगवाधकपिवीन ॥

॥ सहितविनीषनअपरभटसोऐसवननधीन ॥ १२० ॥

॥ चौ तिन्हहिमधपनावनससिनाह ॥ एकसैगसोवतफनिमनिनाह ॥

॥ इहिनीदिसिसोवतनधुनाथा ॥ अनुजवामदिसितेहिपनहाथा ॥

॥ प्रनुकरकरपरनाजतकैसैं ॥ जातरूपपरफनिपतिजेसैंगा ॥

॥ कपिसवनऐजिमिसागनधीना ॥ तहंसोवतमानहुंनधुवीनाणा ॥

॥ सुनगवामधनुधनेउवनाई ॥ लसनसहितसमीपनधुनाई ॥

॥ अहिनावनमनकीन्हप्रनामा ॥ देधिरामसुंदनघनस्यामाणा ॥

॥ ॥ ब्रह्मादिकजेहिध्याननपावहिं ॥ मुनिमहेसपूजामनलावहिं ॥

॥ कनहिं विविधविधिजोगविरागि ॥ नटहिं निरंतरनिसिदिनुजागि ॥
 ॥ सो प्रभुतेहिं देखा निलोचना ॥ कृपासिंधुसेवकनवमोचन ॥
 ॥ बहुनिहृदयतेहिकीन्हविचाना ॥ रावनकाजकननअनुसाना ॥
 ॥ कछुनिजमायाकृतगुनआईगा ॥ कवनीनोतिजोहिंदोउन्नाई ॥
 ॥ दोहा मोहनिंतेमोहेउसवहिमंत्रनूतेमुषमूँदिगा ॥
 ॥ भयेउअदिष्टिउठाइकनिप्रभुहिचलेउलैकूदि ॥ १२१ ॥
 ॥ चो ऐहिविधिप्रभुहिगएउलैसोई ॥ ननमानगप्रकासअतिहोई ॥
 ॥ सोप्रकासजवरावनदेखागागा ॥ वचनप्रमानतासुकनिलेखा ॥
 ॥ मनमहुं हनषकरइअतिनानी ॥ अहिनावनलइगाअसुनानी ॥
 ॥ लइनिजलोकगएउछनताहिं ॥ सोनुनएउतवकपिदलमाहिं ॥
 ॥ जागेवाँननश्रीहत्तहानीगागा ॥ देखियजिमिसनिताविनुवानी ॥
 ॥ असदेखियजसनिसिविनुइंदू ॥ तेजहीनवासनजिमिचंदूगागा ॥
 ॥ नविविनुदिवसजीवविनुदेह ॥ जिमिदीपकविनुदेखियगेह ॥
 ॥ ऐकहिऐकलगेतवपूँछनागा ॥ कहंगएत्रइलोकविनूषनगा ॥
 ॥ दोहा सोधासवहिनकटकुसवनहिंपाएउदोउवीनगागा ॥
 ॥ नयब्याकुलसवभालुकपिजिमिजलचनविनुनीन ॥ १२२ ॥
 ॥ चो सकलकहहिं विधिकापहकीन्ह ॥ नघुपतिविनाप्राप्तचहलीन्ह ॥
 ॥ सोकग्रसेउधनिसकहिंनधीना ॥ कनहिं नामलधिमननघुवीना ॥
 ॥ कनुनाकनइकपीसअपानागागा ॥ बनीवातविधिकाहविगाना ॥
 ॥ कटकनिसाचनसकलसंघानी ॥ नहाऐकनिपुनावननानीगा ॥
 ॥ सोउननहत्तप्रभुशानकेलागे ॥ नाइहुहमसमकोउनअनागे ॥
 ॥ कवहुंकजोदशसिनअनिजातहि ॥ उतनुकवनदेवहमसीतहि ॥
 ॥ यहकहिमुनछिविकलमहिपनेउ ॥ लगेवज्रसैलजनुगिनेउगागा ॥
 ॥ विनीषनकीगतिकहीनजाईगा ॥ फिकनवधजिमिधेनुतवाई ॥
 ॥ दोहा सहितपवनसुतगीछपतिदुषमनचावहुनोति ॥
 ॥ धगपतिसूहनकतहुकछुतमअपानतेहिनाति ॥ १२३ ॥
 ॥ चो पवनतनयपुनिकहसवपाहिं ॥ विसमयऐकहोइमनमाहिं ॥
 ॥ कोउऐकआवाँविनीषनवेखागागा ॥ प्रभुकेनिकटजातमइदेखाय ॥

लंका०

॥२७॥

॥ रूँछतवचनकहेसिअतिनीके ॥ कपटनजानउनिचिचनजीके ॥
 ॥ वचनसुनतबोलैउलंकेसाणा ॥ अहिनावनलइगाअवधेसाणा ॥
 ॥ पन्नगलोकवसतहइसोईगा ॥ ममतनुवेधअवननहिकोई ॥
 ॥ महावलीजानहिवहुमायागा ॥ निहचैवहिदससीसपठाय ॥
 ॥ जेहिवलहोइउहोसोइजाई ॥ ताहिजीतिआनहिदोउन्नाई ॥
 ॥ कहइचालुपतिसुनुहनुमाना ॥ तववलतातसकलजगजाना ॥
 ॥ वेगिसोजतनविचानहुताता ॥ कृपासिंधुआनहुदोउन्नाता ॥

॥ दोहा ॥ विलधिकहेउकपिपतिवहुनिमानुतसुतसुनुतात ॥

॥ विनुनघुपतिधिगधिगजनमजुगसमानपलजात ॥२४॥

॥ चौत्रिधितहोइविनुवानिदुषानी ॥ तैसेइहमसवविनायनानीगा ॥
 ॥ नविविनुपंकजहोइमलाना ॥ तैसेइहमसवहइहनुमानागा ॥
 ॥ सीतासुधिजिमिओषधआनी ॥ तेहिप्रकानआनहुंगुनयानी ॥
 ॥ यहसुनितवहिंपवनसुतबोला ॥ चितधिनकनहुसैननहिडोला ॥
 ॥ नुवनचानिदशतीनिउलोका ॥ आनहुंप्रनुहितजहुतुमहसोका ॥
 ॥ तवतैसजगनहेहुसवन्नाईगा ॥ लेनेहुकालसंगजोचछिआई ॥
 ॥ यहकाहिगनजिचलेउहनुमाना ॥ प्रलयकालकेमेघसमाना ॥
 ॥ चलेजातऐकतनुतनगऐकुणा ॥ गीधिनिगीधकहतअसन्नऐडु ॥

॥ दोहा ॥ गीधिनिनहइगुर्विनीबोलीपियसौवयनगा ॥

॥ आनहुंआमिषमनुजकनयाउहोइचितचयन ॥२५॥

॥ चौतासुवचनसुनिषगअसकहेडु ॥ अहिनावननाघवलैगऐडु ॥
 ॥ देइहवलिदेवीहिसोइजाईगा ॥ वडेभागआमिषजोपाईगा ॥
 ॥ कवनेउंजतनदेवहमआनी ॥ असकहिगीधनानिसनमानी ॥
 ॥ जवहिंपवनसुतयहसुधिपाई ॥ चलेउहदयसुमिनतनघुनाई ॥
 ॥ नुनतपतालहितेहिधिनगऐडु ॥ अहिनावनपुनप्रविसतन्नऐडु ॥
 ॥ हानपालमकनध्वजकीसागा ॥ कपिसनडाटिकहतवहुनीसा ॥
 ॥ निदनिचलेसिमोहितोहिडननहि ॥ जिमिदीपहिनपतंगडनहि ॥
 ॥ मैमानुतसुतकनहुउंवालकगा ॥ स्वामिअगतन्नजनमुखकालक ॥
 ॥ सोनठ ॥ सुनतवचनहनुमान ॥ विस्मयवसबोलतन्नऐडु ॥

॥ अने मूळ अग्यान ॥ हमने सुत सपने हुनहि ॥ १२६ ॥

॥ चौ कहत वचन सठ तोहिन धोनी ॥ काम विवस मतिक वन इमोनी ॥

॥ मम सुत हो सि मूळ केहि काजा ॥ इतना कहत तोहिन हिलागा ॥

॥ केहि प्रकार तै मम सुत अहसी ॥ निज उत पति मोसन किन कहसी ॥

॥ सुनत कह इम कन ध्वज वचना ॥ किये हुता तज वलंका दहनागा ॥

॥ जव आये उचलि जल धिसमीपा ॥ नये उपसे दतु मूहि कपि दीपा ॥

॥ छुटे उपसे दसागन महे गये ॥ सो दृषपिये उत हम इन्नये ॥

॥ येहि प्रकार तव सुत मइताता ॥ गोवहुन हिनि जपितान माता ॥

॥ अहिनावन सेवाम इकन ॥ प्रनु आय सुये हि दान इनहु ॥

॥ दोहा सत्य वचन हनुमान कहि पूछी पुनि सो इवात ॥

॥ आने उनाम लखन कह कहा कनत हुइतात ॥ १२७ ॥

॥ चौ कह हुता तते हि अस्थलना ॥ जान चहुं मै निज प्रनु ठा ॥

॥ यह वतात न जान उताता ॥ अस मै अवन सुने उं कछु वाता ॥

॥ सीता पति अनु फनि पतियाथा ॥ सोल इ आये उनि सिचन नाथा ॥

॥ करत सो अह इ होम धो आजू ॥ देवि हिवलि दे इहि न पनाजू ॥

॥ जो कछु निज अवन निरुनिया ॥ तात तु मूहि मइ सकल सुनाये ॥

॥ निज प्रनु काजला गि दुष सह ॥ तु मूसन सत्य वचन मेइ कह ॥

॥ जान कह हुपे जानन दे ॥ प्रनु अग्यात जि अपज सले ॥

॥ सुनि अस पेलि चले उहनु माना ॥ नये उ क्रोध मकन ध्वज जाना ॥

॥ दोहा कपिकहे हने सि मुष्टिका कपि पुनि माने उताहि ॥

॥ ऐकहि ऐकहन इत ववल जुग सम घटि नाहि ॥ १२८ ॥

॥ चौ ऐकहि ऐक सकहि नहि पानी ॥ मानुत सुत सुत दो उन्नत नानी ॥

॥ सुत कि पूछ सुत बांधि नवानी ॥ चले उवहुनि विलंब वडि जानी ॥

॥ धनिल धुनूप होम ग्रह देषागा ॥ जीवस जीव पन इन हिले पागा ॥

॥ देवी कनत हमें उप अह इगागा ॥ शोनित घट वहु को कहि सकई ॥

॥ विविधि नोति मेवापक वाना ॥ धने आनि देवी अस्थानागा ॥

॥ मालि नित हा सुमन लइ आई ॥ सुमन मध्य प्रविसे कपि नाई ॥

॥ सुमन हुंते अति कृत हलुकाई ॥ सोल इ सुमन मंडप हि आईगा ॥

॥ सुमनसकलदेवीपनचढेकुणा ॥ विकटरूपतहंतवकपिन्नऐउ

॥ दोहा ध्रुवतचननदेवीतवहिंधननीगईसमाइगाणा ॥

॥ वदनपसानिठाछनऐकपिछविवननिनजाइ ॥२२८॥

॥ चौ रूपदेखिनाआनदनानी ॥ कनहिंविचारनिसाचनहनी ॥

॥ कहहिंकिदेविप्रगटनइआज ॥ वडनागीनानिसिचनराज ॥

॥ कनिप्रनामपुनिपूजाकरहीं ॥ जोकधुआवसोकपिमुषपरहीं ॥

॥ नहीजोसकलवस्तुसमुदाई ॥ वचीनऐकउसवकपिषाईगा ॥

॥ कपिधिलानतहंअनुचनवाना ॥ नाचहनिमिचनकुलसंधाना ॥

॥ अहिनावनउननासुषकेसैं ॥ चढेकांधसुषवलिपशुजैसैं ॥

॥ जबहींहोमसिद्धितवजाना ॥ लधिमननामनुनततहंआना ॥

॥ ठाछकीरुतवप्रनुकहंआनी ॥ निसिचनगहिवहुआयुधपानी ॥

॥ धनेगदाकोउअनुधनुवाना ॥ शक्तिशूलतनवानिक्रपानाणा ॥

॥ दोहा तोमनमुदगनपनशुअसिपासफासिअनुवेत ॥

॥ ओइनषडगाधनुषशनदेखतनहइनचेतणा ॥२३०॥

॥ चौ मायाबलतेइसकलविचधन ॥ अतिविकनालसोइजनुलधन ॥

॥ ऐहिविधिसकलवीनतहंनहई ॥ अहिनावनअग्याअनुसनईगा ॥

॥ आयसुपाइषडगतिरुकाठे ॥ माननकहुंप्रनुपननऐठाठे ॥

॥ कोउकहनाजनीतिअनुसनहू ॥ तीनिदंडविलंवअवकनहूणा ॥

॥ सुनिअसमूखलेगइमिकहई ॥ सुमिनहुजोकोउतुम्हनेअहई ॥

॥ नहितकालअवपहुंचेउआई ॥ निसिचनपनसमहहुदोउआई ॥

॥ कहहिंमूखप्रनुकहंकडुवानी ॥ कहतसकुचमोहिहोतभवानी ॥

॥ दोहा फनिपतिचित्तवहिरामकहंनामनिनधिअहिनाज ॥

॥ प्रनुकरकोतुककहियकिमिसुनहुंगनुडषगराज ॥२३१॥

॥ चौ पुनिदोउबंधुमनकीरुविचाना ॥ जपइसकलजगनामहमाना ॥

॥ ऐहिअवसनकहंनहनुमाना ॥ निकटइअहइवीनवलवाना ॥

॥ यहविचानिकनिचुपकनिनहहीं ॥ सोपिहोइजोविधिमनधनहीं ॥

॥ उठेसकलतवमाननलेऐउगा ॥ धनसमानकपिगर्जतनऐउ ॥

॥ निसिचनसकलत्रिसितभयभानी ॥ कहहिंहृदयनिजवचनविचानी ॥

॥ अहिनावननलकीन्हनचाईगा ॥ ॥ आनेउं इहामनुजसुनचाई ॥ ॥
 ॥ तेहितैदेविकोधनइआजूगा ॥ ॥ अवनासवकनपनमअकाजू ॥
 ॥ नयेउतेजहतनिसिचनहानी ॥ ॥ दुसनेकपिगनजेउअतिचानी ॥
 ॥ दोहाप्रगटरूपतवपवनसुतकनिअदृहासगंभीर ॥
 ॥ अतिचयत्रसितनिसाचनसुनहुंउमामतिधीर ॥ ३२ ॥
 ॥ चौडगमगनयसवइमिअनिमानी ॥ ॥ मानुतवहजिमिसागनपानी ॥
 ॥ तेहिछनकपिलीन्हउदोउचाई ॥ ॥ हतनलगेउनिसिचनसमुदाई ॥
 ॥ धडुधंडाइलीन्हनुमानागागा ॥ ॥ कटनलगेउनसिननुजजाना ॥
 ॥ काहुहिनांकअवनविनुकीन्ह ॥ ॥ गहिपदगानिअनलमहुंदीन्ह ॥
 ॥ निजलंगूनकोकोटवनाईगागा ॥ ॥ जेहितैकोउचाजिनहिजाई ॥ ॥
 ॥ ऐहिविधिसवनिसिचनसंधाने ॥ ॥ अहिनावनतववचनउचाने ॥
 ॥ नेकपिछाठआसनहितोहीगागा ॥ ॥ अहिनावनमइजाननमेहि ॥ ॥
 ॥ जंवुमालिकहंजिमितुम्हमाना ॥ ॥ अनुवावनसुतहतेउविचाना ॥
 ॥ दोहाकालनेमिसममैतहंसुनहुंवचनहनुमान ॥
 ॥ असकहियडुप्रहाकनिकपितनुवजुसमान ॥ ३३ ॥
 ॥ चौलैअसिताहिपवनसुतमाना ॥ ॥ काटेउसीसअनलमहुंडाना ॥
 ॥ पूननआहुतिकनिसोइसीसागा ॥ ॥ तवप्रनुकहंलइचलेउकपीसा ॥
 ॥ मकनध्वजतवविनतीकीन्ह ॥ ॥ बंधनछेनिनाजुतेहिदीन्ह ॥
 ॥ इहांकननाजुकनहुतुम्हताता ॥ ॥ सुमिनेहुममप्रनुदेनउचाता ॥
 ॥ असकहिकपिनिजदलमहंआवा ॥ ॥ हनयेउकटकपनमसुषपावा ॥
 ॥ मृतकशरीनप्राणफिनिआवै ॥ ॥ गइमनिफनिकमनहुंफिनिपावै ॥
 ॥ विष्णुनामिलइवहुनिजिमिआई ॥ ॥ इमिसवनयेउनिनधिदोउचाई ॥
 ॥ मिलेउकपीसचननधनिमाथा ॥ ॥ पुनिपदगहेउनिसाचननाथा ॥
 ॥ दोहाजामवंतअंगदसहितमिलेजालुअनुकीस ॥
 ॥ सनमानैप्रियवचनकहिलयनकोसलाधीस ॥ ३४ ॥
 ॥ चौवहुनिसवननेटेउहनुमाना ॥ ॥ कहहिंताततुम्हनायेहुप्राणा ॥
 ॥ देवन्हसुमनबहितवकीन्ह ॥ ॥ प्रमुदितहृदयहुंदुनीदीन्ह ॥
 ॥ अनुजसहितहनयेनघुवीना ॥ ॥ बोलेवचनसुनुतनयसमीना ॥

॥ तोहि समान नहिं को उहित कानी ॥ सुन मुनि सिद्ध जो को उत्तनु धानी ॥
 ॥ जसु तुम्हानि चनुवन महं नयेडु ॥ सुनि अस वचन चन न कपि नयेडु ॥
 ॥ नाथ कनहु तुम महिं केहिले ये ॥ तन नीच लइ अगम जल देये ॥
 ॥ ते सइ सव प्रताप तव नाथाणा ॥ सुनि अस कहि हि मिले उन धुनाथा ॥
 ॥ कटक सहित हनये दो उन्नाई ॥ तेहि अवसन सुष कहि किमि जाई ॥
 ॥ उहां दसानन सव सुधि पाईणा ॥ दूत न्ह कहि खवनि सव जाईणा ॥
 ॥ अहि नावन कन वध सुनिकाना ॥ मये उते जहत अति अकुलाना ॥
 ॥ वचन वानस मलागे उताही ॥ संनम मुन धिपने उमहि माहि ॥
 ॥ मुष सुधान लोचन जल वहई ॥ वचन न आव पुनि पुनि सिन धुनई ॥
 ॥ दोहा मयतन पातव आइ कनि वहु प्रकार समुहाव ॥
 ॥ मानन मूढ काल वसपन म क्रोध कह पाव ॥ १३५ ॥
 ॥ चौ नावन उन अवन इक थुठे ॥ मेटि को सइ जो विधि निन मयेडु ॥
 ॥ प्रनु विनोद कनि चह कल्याना ॥ मूढ मोह वस अति अग्याना ॥
 ॥ कृपा सिंधु सेवक नय हानीणा ॥ तेहि विनोद सुष चहइ सुनानी ॥
 ॥ निसासिना निनये उनिनु सारा ॥ लगे नालुक पिचनि उछानाणा ॥
 ॥ सुनट बोलाइ दसानन बोलाणा ॥ ननसन मुष जाकन मन डोलाणा ॥
 ॥ सो अवहौ वनु जाहु पनाईणा ॥ संजुग विमुष भएन न लाईणा ॥
 ॥ निजनु जवल मइ वयनु वछावा ॥ देह उं उतनु जो निपु चछि आवा ॥
 ॥ अस कहि मनु ते वेग नय साजा ॥ वाजे सकल जुहाउत वाजाणा ॥
 ॥ चले वीन सव अतुलित वली ॥ जनु कज्जल कइ आधी चलीणा ॥
 ॥ अस गुन अमित होहिं तेहिकाल ॥ गनेन नु जवल गर्व विसाला ॥
 ॥ छंद अति गर्व गनेन सगुन असगुन अवहिं आयुध हाथे ॥
 ॥ नट गिनहिं नथे वाजि गज चिक्क नहिं नाजहिं साथे ॥
 ॥ जनु काल दूत उल्लूक बोलेहिं वचन पन मन यावने ॥
 ॥ गोमायु गीध कना लखन वस्वान नो वहिं अति धने ॥
 ॥ दोहा ताहि कि संपत्ति सगुन शुन सपने हुं मन विश्राम ॥
 ॥ भूत डोहन तमोह वसना मवि मुष वस कामा ॥ १३६ ॥
 ॥ चले उनि साचन कटक अपाना ॥ चतुर्गिनी अनी वहु धानाणा ॥

॥ विविधिजातिवाहननयजानागा ॥ विपुलवननपत्ताकधुजनाना ॥
 ॥ चले उमत्तगजजूथधनेनेगा ॥ प्राविटजलदमनुतकेप्रेनेगा ॥
 ॥ वननवननसवदेत्यनिकाया ॥ समनस्त्रजानहिं बहुमाया ॥
 ॥ अतिविचित्रवाहनीविनाजीगा ॥ वीनवसंतसेनजनुसाजीगा ॥
 ॥ चलत्तकटकुदिगकुंजनडुगहिं ॥ छुन्नितपयोधिकुधनडुगमगहिं ॥
 ॥ उठनेनुनविगाएउधपाईगा ॥ पवनथकितवसुधाअकुलाई ॥
 ॥ पनवनिसानघोननववाजहिं ॥ महाप्रलयकेधनजनुगाजहिं ॥
 ॥ नेनिनफेनीवाजिसहनाईगा ॥ मानूनागसुनटन्हसुषदाईगा ॥
 ॥ केहनिनादवीनसवकरहोंगा ॥ निजनिजवलपौनुषउच्चरहिं ॥
 ॥ कहेउदसाननसुनहुंसुनदृष्ट ॥ मनदहुन्नालुकपिन्कनठदृष्ट ॥
 ॥ होंमानिहउंचूपदोउनाईगा ॥ असकहिसनमुषफेजचलाई ॥
 ॥ यहसुधिसकलकपिन्कनवर्पाई ॥ धाएकनिनघुवीनदोहाईगा ॥
 ॥ छंदधाएविसालकनालमनकटभालुकालसमानते ॥
 ॥ मानहुंसपधउडाहिंचूधनवंदनानावननतेगागागा ॥
 ॥ नखदशनसैलमहादुमायुधसकलशंकनमानहिं ॥
 ॥ जयनामनावनमत्तगजमगानाजसुजसुवधानहिं ॥
 ॥ दोहा ॥ दोउदिसिजयजयकानकनिनिजनिजजोनीजनि ॥
 ॥ निनेवीनइतनामकरहउतरावांनहिंवधानि ॥ १३७ ॥
 ॥ चोरावननथीविनथनघुवीना ॥ देखिविनीषनभएउअधीनागा ॥
 ॥ अधिकप्रीतिमनभासंदेहा ॥ बंदिचननकरहसहितसनेहा ॥
 ॥ नाथननथनाहिनपदत्राना ॥ केहिविधिजितववीनवलवाना ॥
 ॥ सुनहुंसयाकरहक्रपानिधाना ॥ जेहिजयहोइसोस्यंदनआना ॥
 ॥ सोनजधीनजतेनथचाकागा ॥ सत्यशीलद्रिखधुजापत्ताकागा ॥
 ॥ बलविवेकदमपनहितघोने ॥ घमाक्रपासमतानजुजोनेगा ॥
 ॥ ईशानजनुसानथीसुजानागा ॥ विनतिचर्मसंतोषक्रपानागा ॥
 ॥ दानपनशुबुधिशक्तिप्रचंडा ॥ वनविग्यानकठिनकोदंडागा ॥
 ॥ अमलअचलमनत्रोनसमाना ॥ संजमनियमसिलीमुषनाना ॥
 ॥ कवचअनेदविप्रगुनपूजागा ॥ ऐहिसमविजयउपायनदूजा ॥

लंका०

॥३०॥

॥ सषाधर्ममयस्रसनथजाकैणा ॥ जीतनकहैनकतहुंनिपुताकैणा ॥
 ॥ दोह ॥ महाअजयसंसारनिपुजीतिसकैसोवीनगाणा ॥
 ॥ जाकैअसनथहोइद्रिखसुनहुंसयामतिधीनगाणा ॥
 ॥ सुनतविनीषनप्रनुवचनहनधिगंहेपदकंजगाणा ॥
 ॥ ऐहिमिसमोहिउपदेसदियनामकृपासुषपुंजगाणा ॥
 ॥ उत्तप्रचानदशकंठनटइतअंगदहनुमानगाणा ॥
 ॥ लनतनिसाचननालुकपिकनिनिजनिजप्रनुआन ॥ ३८ ॥
 ॥ चौ सुनब्रह्मादिसिद्धमुनिनानागा ॥ देवतननननचछेविमाना ॥
 ॥ हमहुंउमानेहेतेहिसंगाणा ॥ देवतनामचनितनननंगाणा ॥
 ॥ सुनतसमननसदोउदिसिमंते ॥ कपिजयशीलनामवलताते ॥
 ॥ ऐकऐकसननिनहिंप्रचानहिं ॥ ऐकनृऐकमनदिमहिडानहिं ॥
 ॥ मानहिंकाटीहंधनहिंप्रधानहिं ॥ सीसतोनिसीसनरुसनमानहिं ॥
 ॥ उदनविदानहिंनुजाउपानहिं ॥ गहिपदअवनिपटकिमटडानहिं ॥
 ॥ निसिचननटमहिगाउहिंनाल ॥ उपनडानिदेहिवहुवालूगाणा ॥
 ॥ वीनवलीमुखजुछविनुछेगाणा ॥ देखियतविपुलकालजनुकुछे ॥
 ॥ छंदकुछेकतांतसमानकपितनश्रवतशोनितनाजहिं ॥
 ॥ मईहिंनिसाचनकटकुनटवलवंतधनजिमिगाजहिं ॥
 ॥ मानहिंचपेटनृकाटिदातनृडाटिलातनमीजहिंगाणा ॥
 ॥ चिक्कनहिंमनकटनालुषलवलकनहिंजेहिषलक्षिजहिं ॥
 ॥ धनिगातफानहिंउनविदानहिंगनेअंतावनिमेलहिं ॥
 ॥ प्रह्लादपतिजनुविविधतनुधनिसमनअंगनखेलहिं ॥
 ॥ धनुसानुकाटुपधनुघोनगिनागगनमहिन्ननिनहिं ॥
 ॥ जयनामजोतनतैकुलिसकरकुलिसतैतनकनसहिं ॥
 ॥ दोह ॥ निजदलविचलीविलोकितेहिवीसनुजादशचाप ॥
 ॥ बलेउदशाननकोपितवफिनहुफिनहुकनिदाप ॥ ३९ ॥
 ॥ चौ धाएउपनमक्रोधदशकंधन ॥ सनमुखचलेहूहदइवंदनगा ॥
 ॥ गहिकनपादपउपलपहाना ॥ डानहिंतेहिपनऐकहिंवानागा ॥
 ॥ लागहिंसेलवजुतनतासगा ॥ घंडघंडहोइफूटहिआसगा ॥

॥ चलान अ चलन हान थनो पीणा ॥ ॥ नन दुर्मद नावन अतिकोपी ॥
 ॥ इत उत ह पटि द पटि कपि जोधा ॥ ॥ मर्द पलाग न पे उ अतिकोधा ॥
 ॥ चले उप ना इ चालुक पि नाना ॥ ॥ त्राहि त्राहि अंग द हनु माना ॥
 ॥ पाहि पाहि न घुबीन गो सोंईगा ॥ ॥ यह लघा इ काल की नाईगा ॥
 ॥ तेहि देखे उ कपि सकल पनानै ॥ ॥ दश हं चाप सायक संधानैगा ॥
 ॥ छंद संधानि धनु शननि ॥ ॥ कन छौं डे सि उन गजि मि उ डिला गहिं ॥
 ॥ नहे पूनिस न धन नी गगन दिसि विदिसि कहं कपि नाजहिं ॥
 ॥ मयो अतिकुला हल विकल दल कपि नालु बोलहिं आतुने ॥
 ॥ न घुबीन कनु ना सिंधु आनत बंधु जन न धर कहने ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ दोहा ॥ विचलत देषि अनी कनिज कटिनि धंग धनु हाथ ॥
 ॥ लछिमन चले उस नोषत वना इ नाम पद माया ॥ ॥ १४० ॥
 ॥ चो नेषल कामानसिक पि नाल ॥ ॥ मोहि विलोकितो न मै कालूगा ॥
 ॥ योजत नहे उं तो हि सुत घाती ॥ ॥ आजु निपाति जु डाव हुं धरती ॥
 ॥ अस कहि छौं डे सिवान प्रचंडा ॥ ॥ लछिमन काटि कि ऐ सत धंडा ॥
 ॥ कोटि न्हू आयु धरावन डोनेगा ॥ ॥ तिल प्रमान कनि काटि निवाने ॥
 ॥ पुनि निजवान न कीन्ह प्रहाना ॥ ॥ स्यंदन नंजि सान थी मानागा ॥
 ॥ सत सत सन माने उ दश भाला ॥ ॥ गिनि अंग न्हू जनु प्रविशहिं बाला ॥
 ॥ शत शन पुनि माने उ उन माहिं ॥ ॥ पने उ अवनित लसु धिक धुनहिं ॥
 ॥ उठा प्रवल पुनि मुन घाजागी ॥ ॥ छौं डे सि ब्रह्म दीन्हि सोझीगी ॥
 ॥ छंद जो ब्रह्म दत्त प्रचंड शक्ति अनंत उन लागी सहोंगा ॥
 ॥ पनो बीन विकल उठा वदश मुख अतुल बल महिमानहि ॥
 ॥ ब्रह्मांड नुवन विराज जो के ऐक सन जिमि न जकनीगा ॥
 ॥ तेहि चह उठावन मूछा वन जान नहिं त्रि नुवन धनी ॥
 ॥ दोहा ॥ देखत धा ऐ उपवन सुत बोलत वचन कठोर ॥
 ॥ आवत तेहिं उन महं हते उ मुखि प्रहान प्रघोर ॥ १४१ ॥
 ॥ चो जानु टेकि कपि न्मिन पना ॥ ॥ उठा सैनानि बहुत निसन्ननागा ॥
 ॥ मुठिका ऐक ताहि कपि माना ॥ ॥ पने उ सेल जनु वज्र प्रहारागा ॥
 ॥ मुन घागई बहुमि सोजागा ॥ ॥ कपि बल विपुल सनाहन लाग ॥

॥धिगधिगममपोनुषधिगमोहि॥जोतैजिअतउठेसिसुनद्रोहि॥
 ॥असकहिकपिलषनहिंलैगऐउ॥देखिदसाननविसमयभरेऊ॥
 ॥कहनधुवीनसमुद्धिजियन्नाता॥तुम्हकतांतनहकसुनराता॥
 ॥सुनतवचनउठिवैठकपालाणा॥गगनगईसोसत्तिकनाला॥
 ॥धनिशानचापचलतपुनिनऐउ॥निपुसमीपअतिआतुनगऐउ॥
 ॥छंदआतुनवहोनिविभंजिस्यंदनमूढहतिव्याकुलकियो॥
 ॥गिनोधननिदशकंधनविकलतनवानसतवेधेउहियो॥
 ॥सानथोदूसनघालिनथतेहितुनतलंकहिलइगयो॥
 ॥नधुवीनबंधुप्रतापपुंजवहोनिप्रभुचननननयोणा॥
 ॥दोहा॥उहंदशाननजागिकैकनइलागकछुजग्यणा॥
 ॥जयचाहतनधुपतिपविमुषसठहठवसअतिअग्य॥१४२॥
 ॥चौइहंविभीषनसवसुधिपाईणा॥सपदिजाइनधुपतिहिसुनाई॥
 ॥नाथकरइनावनऐकजागाणा॥सिद्धिनऐनहिमनिहिअन्नागा॥
 ॥पठवहुदेववेगिनटवंदनागाणा॥कनहिंविध्वंसआवदसकंधन॥
 ॥प्रातहोतप्रभुसुनटपठाऐणा॥हनुमदादिअंगदसवधाऐणा॥
 ॥कौतुककूदिचळेकपिलंकाणा॥पैठेनावननवनअसंकाणा॥
 ॥जवहींजग्यकनतसोइदेखा॥सकलकपिरुन्नाक्रोधविसेखा॥
 ॥ननतैनिलजन्माजिग्रह्यावा॥इहंआइवगध्यानलगावा॥
 ॥असकहिअंगदमानेउलाता॥चितवनसठह्वानथमननाता॥
 ॥छंदनहिंचितवजवकपिकोपितवगहिदशानलातनुमानहिं॥
 ॥धनिकेशनानिनिकानिवाहिनतेअतिदिनपुक्कानहिं॥
 ॥तवउठेउकोपिक्रतांतसमगहिचननवांननडांनई॥
 ॥ऐहिविधिकपिरुंविध्वंसकृतमयदेखिमनमहुंहर्नई॥
 ॥दोहा॥मयविध्वंसिकपिकुशलसवअऐनधुपतिपास॥
 ॥बलेउलंकपतिक्रोधहोइत्यागिजीवकीआस॥१४३॥
 ॥चौचलतहोहिअतिअसुननयंकन॥वैठइगीधउदुइसिनरूपन॥
 ॥॥नऐउकालवसकहानमानाणा॥कहेसिवजावहुजुद्धनिसाना॥
 ॥॥चलतनिसाचनअनीअपाना॥वहुगजनथपदातिअसवाना॥

॥ प्रभुसनमुखधारेखलेकैसै ॥ सलजसमूहअनलकहैजैसै ॥
 ॥ इहाँदेवतनूविनतीकीनी ॥ दानुनविपतिहमहिऐहिंदीनी ॥
 ॥ अवजनिनामधिलाबहुऐही ॥ अतिसयदुषितहोतवेदेही ॥
 ॥ देववचनसुनिप्रभुमुसुकाना ॥ उठिनघुवीनसुधानेउवाना ॥
 ॥ जटाजूटद्रिछवांधेउमाथैगा ॥ सोहहिंसुमनवीचविचगौथै ॥
 ॥ अनुननयनवानिदतनुस्यामा ॥ अधिललोकलोचनअभिनामा ॥
 ॥ कटिद्रुपनिकनकसेउनिषंग ॥ कनकोदंडकठिनसानंगा ॥
 ॥ छंदसानंगकनसुंदननिषंगसिलीमुखाकनकरिकस्यो ॥
 ॥ भुजदंडपीनमनोहनायतउरधनासुनपदलस्यो ॥
 ॥ कहदासतुलसीजवहिंप्रभुसनचापकनफेननलगे ॥
 ॥ ब्रह्मांडदिग्गजकमठअहिमहिसिंधुनूधनउगमगे ॥
 ॥ दोहा ॥ हनखेदेवविलोकिछविवनयहिंसुमनअपान ॥
 ॥ जयजयप्रभुगुनग्यानवलधामहननमहिमान ॥ १४४ ॥
 ॥ चो ॥ ऐहीवीचनिसाचनअनी ॥ कसमसातआईअतिघनी ॥
 ॥ देखिचलेसनमुखकपिनट्टा ॥ प्रलयकालकेजनुघनटाट्टा ॥
 ॥ बहुक्रपानतनवानिचमंकहिं ॥ जनुचहुंदिशिदामिनीदमंकहिं ॥
 ॥ गजनयतुनंगचिकानकठोरा ॥ गर्जतमनहुंवलाहकघोरा ॥
 ॥ कपिलंगूनविपुलननछाये ॥ मनहुंइंद्रधनुउऐसुहाये ॥
 ॥ उठाधूमिमानहुंजलधाना ॥ वानबुंदनइविष्टिअपाना ॥
 ॥ दुहुंदिसिपर्वतकनहिंप्रहारा ॥ वज्रपातजनुवानिहवाराना ॥
 ॥ नयुपतिकोपिवानहनिलाई ॥ घाऐलनऐनिसिचनसमुदाई ॥
 ॥ लागतवानवीनचिकनहीं ॥ भुनमिधुनमिजहंतहमहिपरहीं ॥
 ॥ अवहिंसेलजनुनिनहनवारी ॥ सोनितसपिकौदननयकानी ॥
 ॥ छंद ॥ कौदननयंकननुधिनसनिताबढापनमअपावनी ॥
 ॥ होउकूलदलनथरितचकनआवर्तवहतिनयावनी ॥
 ॥ जलजंतुगजपदचनतुनंगघनविविधिवाहनकोगनै ॥
 ॥ शनसक्तिमनपनशुचापतनंगचनमकमठघनै ॥
 ॥ दोहा ॥ वीनपनहिंजनुतीनतनुमज्जावहबहुफेना ॥

लंका०

॥३२॥

॥ कौंदरदेवतउनपहँसुन्नटनकेमनचैन ॥१४५॥

॥ चौमज्जहिन्नतपिसाचवेताला ॥ प्रमथमहादेविकाकराला ॥
 ॥ काककंकलइनुजाउडाहिंणा ॥ ऐकतैछीनिऐकलइषाहिंणा ॥
 ॥ ऐककहहिंऐककसोधाईणा ॥ सठहुतुम्हानदनिडनजाई ॥
 ॥ कहनतनटघायलतटगिनेणा ॥ जहंतहमनहुंअरधजलपने ॥
 ॥ सैचहिंआतगीधतटनऐणा ॥ जनुवंसीषेलहिंचितदयेणा ॥
 ॥ बहुन्नटवहहिंचखेधगजाहिं ॥ जनुनेवापषेलहिंसनिमाहिं ॥
 ॥ जोगिनिधनिन्ननिषण्नसंचीहिं ॥ भूतपिसाचवधूनननचहिं ॥
 ॥ भटकपालकनतालवजावहिं ॥ चामुंडानानाविधिगावहिंणा ॥
 ॥ जंबुकनिकनभटकाटहिंकट्टहिं ॥ षाहिंहुआहिंअधाहिंदपट्टहिं ॥
 ॥ कोटिनुंडमुंडविनुडोलहिं ॥ सीसपनेमहिजयजयबोलहिं ॥
 ॥ छंदबोलहिंसुजयजयमुंडमुंडप्रचंडसिनविनुधावहिं ॥
 ॥ षण्णनिरुषगगनअनुहिजूहृहिसुन्नटसुनपुनणावहिं ॥
 ॥ निसिचनवरुथविमर्दिनाजहिंनालुकपिदपितन्नऐ ॥
 ॥ संग्रामआगनसुन्नसोवहिंनमशरनिकननहयेणा ॥
 ॥ दोहा हृदयविचारेउदशवदननऐनिसिचनसंहारणा ॥
 ॥ मैअकेलकपिनालुवहुमायाकरहुंअपानणा ॥१४६॥
 ॥ चौदेवरुप्रनुहिपियादेहिदेवा ॥ उनउपजाअतिछोन्नविसेवा ॥
 ॥ सुनपतिनिजनथतुनितपप्रवा ॥ हनषसहितमातुलिलेआवा ॥
 ॥ तेजपुंजनथदिव्यअनूपाणा ॥ विहसिचैछेकोशलपुनरूपा ॥
 ॥ चंचलतुरंगमनोहनचानीणा ॥ अजनअमनमनसमगितिकनी ॥
 ॥ नथअरुखनधुनाथहिदेवा ॥ धाऐकपिवलपांडविशेछीणा ॥
 ॥ सहिनजाइकपिन्कीमानी ॥ तवरावनमायाविस्तानीणा ॥
 ॥ सोइमायानधुवीनहिवांछीणा ॥ सबकाहंमानीकनिसौंछीणा ॥
 ॥ देवाकपिन्निसाचनअनी ॥ बहुअंगदलछिमनकपिधनी ॥
 ॥ छंदबहुवालिसुतलछिमनकपीसविलोकिमर्कटअपडने ॥
 ॥ जनुचित्रलिखितसमेतलछिमनजहंसोतहंचितवहिंषने ॥
 ॥ निजसेनचक्रितविलोकिहसिसजिचापसनकोशलधनी ॥
 ॥ मायाहनीप्रनुनिमिषमहंहनषेउसकलवांननअनी ॥

॥ दोहा बहुनिनामसवतनचित्तइवोलेउवचनगौचीन ॥
 ॥ दंडजुद्धदेखहुसकलश्रमिन्नयेउश्रितिवीन ॥ १७७ ॥
 ॥ चौ अस कहिनथनघुनाथचलावा ॥ विप्रचननपंकजसिनुनावा ॥
 ॥ तवलंकेशक्रोधउनछावागागा ॥ गर्जततर्जतसनमुखआवा ॥
 ॥ जितेहुजेनटनुम्हसंजुगमाहिं ॥ सुनुतापसमइतिरुसमनाहिं ॥
 ॥ नावननामजगतजसुजानागा ॥ लोकपजाकेवंदीषानागागा ॥
 ॥ धनदूषनकमंधुनुम्हमानागा ॥ वधेहुव्याधइववालिबिचाना ॥
 ॥ निसिचननिकनसुन्नरसंधानेहु ॥ कुंनकरनघननादहिमनेहु ॥
 ॥ वयनुआजुसवलेहुंनिवाही ॥ जोननचूमिभाजिनहिंजाही ॥
 ॥ आजुकनहुंतोहिकालहेवालें ॥ पनेहुकठिननावनकेपालें ॥
 ॥ सुनिदुनवचनकालवसजाना ॥ कहेउविहसितवक्रपानिधाना ॥
 ॥ सत्यसत्यसवतवप्रनुताई ॥ जलपसिजनिदेखवमनुसाई ॥
 ॥ छंद जनिजलपनाकनिसुजसुनासहिनीतिमुनहिकनैधमा ॥
 ॥ संसानमहंपूनुषत्रिविधपाउननसालपनससमागागा ॥
 ॥ ऐकसुमनप्रदऐकसुमनफलएकफलेकेवललागहिं ॥
 ॥ ऐककहहिंकहहिंकनहिंअपनऐककनहिंकहतनवागहिं ॥
 ॥ दोहा नामवचनसुनिविहसिकहमोहिसिषावतग्यान ॥
 ॥ वयनकनतनीहितवडनेउअवलागेउप्रियप्रान ॥ १७८ ॥
 ॥ चौ कहिदुर्वचनक्रोधदशकंधन ॥ कुलिससमानलागछैंडैशन ॥
 ॥ नानाकानसिलीमुखधाऐगागा ॥ दिसिअनुविदिसिगगनमहिछारे ॥
 ॥ अनलवानछैंडेउनघुवीनागा ॥ छनमहुंजनेनिसाचनतीना ॥
 ॥ छैंडेसितीबुसकतिधिसिआई ॥ वानसंगप्रनुफेनिपठाईगा ॥
 ॥ कोटिचक्रत्रिसलपवानइ ॥ विनुप्रयासप्रनुकाटिनिवानइ ॥
 ॥ निफलहोहिंनावनसनकैसे ॥ बलकेसकलमनोनथजैसे ॥
 ॥ तवसतवानसानधीमानेसिगा ॥ पनेउचूमिजयनामपुकानेसि ॥
 ॥ नामकृपाकनिसुतउठावागागा ॥ तवप्रनुपनमक्रोधकहपावा ॥
 ॥ छंदभऐक्रुद्धजुद्धविनुद्धनघुपतित्रोनसायककसमसे ॥
 ॥ कोइडधुनिअतिचंडसुनिमनुजादसवमानुतग्रसे ॥

लंका०

॥३३॥

॥ मंदोदरी उनकं पकं पतिक मठ नूधन इमि च सेणाणा ॥
 ॥ चिक्क नहिं दिगाज दसन गहि महि दे धिके सुव सुन हसे ॥
 ॥ दोह ॥ तानि सनासन श्रवन लगि घां डे विसिष कनाल ॥
 ॥ नाम मान गन गन चले लहलहात जनु व्याल ॥ १४८ ॥
 ॥ चौ चलेवान सपछ जनु उनगा ॥ ॥ प्रथम हिं हते उसा नथी तु नंगा ॥
 ॥ नथ विचं जिहति के तु पताका ॥ ॥ गन जा अति अंत न व लुथाका ॥
 ॥ तु नत आन नथ च छि सि सि आना ॥ ॥ घां डे सि आ सत्र सत्र विधि नाना ॥
 ॥ ब्रथा हो हिं सव उद्यम ता के ॥ ॥ जि मि पन दोह नि नत मन साके ॥
 ॥ तव नावन दश सूल चला ऐणा ॥ ॥ वाजि चानि महि मा नि गि ना ऐ ॥
 ॥ तु नंगा उठा इको पिन घु नायक ॥ ॥ वै चि सनासन घां डे न्हि सायक ॥
 ॥ नावन सिन सनो जनु ज चानी ॥ ॥ चली नघु वीन सिली मुख धानी ॥
 ॥ दस दसवान नाल दश माने ॥ ॥ नि सनि गा ऐ चले उधि न पनाने ॥
 ॥ श्रवत नु धिन धा ऐ उवलवाना ॥ ॥ प्रनु पुनिकृत धनुशन संधाना ॥
 ॥ तीस तीन नघु वीन पवाने ॥ ॥ नुजन समेत सीस महि डाने ॥
 ॥ काटत ही पुनि न ऐ उन वीने ॥ ॥ नाम वहे नि भुजा सिन धराने ॥
 ॥ कटित हटित पुनि नूतन न ऐ उ ॥ ॥ प्रनु वहुवान बाहु सिन ह ऐ उ ॥
 ॥ पुनि पुनि प्रनु काटत नुज सीसा ॥ ॥ कौतुक कीन्ह कौशला धीसा ॥
 ॥ नहे घाइन न सिन अनुवाह ॥ ॥ मानहुं अमित के तु अनुनाह ॥
 ॥ छंद जनु नाहु के तु अनेक न न पथ श्रवत शो नित धाव ही ॥
 ॥ नघु वीन तीन प्रचंड लागात नू मि गिन न न पाव ही ॥
 ॥ ऐक ऐक सन सिन निक न छे दे उन न उडत इमि सोह ही ॥
 ॥ जनु को पि दिन कन नि कन जहंत हं विविध विधुं तु दोह ही ॥
 ॥ दोह ॥ जि मि जि मि प्रनु हत ता सु सिन ति मि ति हो हिं ॥
 ॥ सेवत विषय विवर्द्ध जि मि नित नित नूतन मान ॥ १५० ॥
 ॥ चौ दश मुख दे धि सिन नू क इव छि ॥ ॥ विस नाम न न न ई नि सगा छि ॥
 ॥ गज उमूळ महा अति मानि ॥ ॥ धा ऐ उ दश हु सनासन तानी ॥
 ॥ समन नू मि दश कंधन को पे उ ॥ ॥ वन धि वान नघु पति नथ तो पे उ ॥
 ॥ ऐक नथ दे धिन पने उ ॥ ॥ जनु निहा न मह दिन कन दुने उ ॥

॥ हाहाकानसुनन्ह जवकीन्ह ॥ तवप्रभुकोपिकामुकलीन्ह ॥
 ॥ शरनिब्रानिनिपुकेशिनकाटे ॥ तेदिसिविदिसिगगनमहिपाटे ॥
 ॥ काटेसिनननमानगधावहिं ॥ जयजयधुनिकनिनयउपजावहिं ॥
 ॥ कहंलधिमनहनुमानकपीसा ॥ कहंनधुवीनकौशलाधीसा ॥
 ॥ छंद कहं नाम कहिसिननिकनधाऐदेधिमर्कटभजिचले ॥
 ॥ संधानिधनुनधुवंशमणिहसिसनन्हसिनवेधेनले ॥
 ॥ सिनमालिकागहिकासिकाकनवंदवंदन्हवहुमिली ॥
 ॥ कनिनुधिनसनिमजुनमनहुंसंग्रामवटपूजनचली ॥
 ॥ दोहा पुनिनावनश्रितिकोपकनिछोडेसिशक्तिप्रचंड ॥
 ॥ सनमुखचलीविनीषनहिंमनहुंकालकनदंड ॥ १५१ ॥
 ॥ चौआवतदेधिशक्तिषनधाना ॥ प्रनतानतहनिविनदसंभाना ॥
 ॥ तुनितविनीषनपाछेमेला ॥ सनमुखनामसहसोइसेला ॥
 ॥ लागिसक्तिमुनधनकछुनईगा ॥ प्रभुक्रतवेलसुनन्हविकलई ॥
 ॥ देधिविनीषनप्रभुश्रमपाऐउ ॥ गहिकनगदाक्रोधकनिधाऐउ ॥
 ॥ नेकुचाग्यसठमंदकुबुद्धीगा ॥ तैसुनननमुनिनागविनुद्धीगा ॥
 ॥ सादनशिवकहंसीसचछाऐउ ॥ ऐकऐककेकोटिरूपाऐउगागा ॥
 ॥ तेहिकाननखलश्रवल्गिवांचा ॥ श्रवतवकालसीसपननांचा ॥
 ॥ नामविमुखसठचहेसंपदागा ॥ असकहिहनेसिमाहउनगदा ॥
 ॥ छंद उनमाहगदाप्रहानघोनकठोनलागतमहिगियो ॥
 ॥ दशवदनशोनितश्रवतपुनिसंभानिधायोमिसन्नयो ॥
 ॥ दोउनिनेश्रतिवलमखजुछविनुछयकऐकहिहने ॥
 ॥ रघुवीनवलगर्जतविनीषनघालिनहिंलाकहुगने ॥
 ॥ दोहा उमाविनीषनरावनहिंसन्मुखचितवकिकाउ ॥
 ॥ निनतसोकालसमानश्रवशीनधुवीनप्रभाउ ॥ १५२ ॥
 ॥ चौदेखाश्रमितविनीषननानी ॥ धाऐउहनूमानगिनिधानी ॥
 ॥ नथतुनंगसानधीनिपातागा ॥ हृदयमाहतेहिमानेसिलाता ॥
 ॥ ठाछनहाश्रतिकंपितगाता ॥ गऐउविनीषनजहंजनत्राता ॥
 ॥ पुनिनावनतेहिहतेउप्रचानी ॥ चलागगनकपिपूछपसानी ॥

लंका०

॥३४॥

॥ गहिसिपूँछकपिसहित उडाना ॥ पुनिफिनिभिनेउप्रवलहनुमाना ॥
 ॥ लनतअकासजुगुलसमजोधा ॥ हनतएकएकहिकनि क्रोधा ॥
 ॥ सोहतननछलवलवहुकनहीं ॥ कजुलगिनिमुमेनजनुलनहीं ॥
 ॥ बुधिवलनिसिचनपनइनपाना ॥ तवमानुतसुतप्रनुहिसैनाना ॥
 ॥ छंदसंभानिशीनधुवीनधीनप्रचानिकपिनावनहन्यो ॥
 ॥ महिपनतपुनिउठिलनतदेवनरुजुगुलकहैजयैजैनयो ॥
 ॥ हनुमंतसंकटदेधिमर्कटचालुअतिआतुनचलेगा ॥
 ॥ ननमत्तनावनसकलसुनटप्रचंडनुजवलदलमले ॥
 ॥ दोहा नामप्रचानेवीनतवधाऐकीसप्रचंडगागागा ॥
 ॥ कपिदलप्रवलविलोकितेहि कीन्हप्रगटपाघंड ॥ १५३ ॥
 ॥ चौअंतनध्यानभऐउछनऐका ॥ पुनिप्रगटेउधलनूपअनेका ॥
 ॥ नधुपतिकटकचालुकपिजिते ॥ जहंतहंप्रगटदशाननतेते ॥
 ॥ देखेकपिन्हअमितदशसीसा ॥ भागेचालुविकलभटकीसा ॥
 ॥ चलेवलीमुखधनहिनधीना ॥ चाहिनाहिलधिमननधुवीना ॥
 ॥ दशदिशकोटिन्हधावैहैनावन ॥ गर्जहिघोनकठोननयावन ॥
 ॥ डनेसकलसुनचलेपनाईगा ॥ जयकीआसतजहुअवननाई ॥
 ॥ सबसुनजितेऐकदशकंधन ॥ अवनऐबहुततकाहुगिरिकंदर ॥
 ॥ नहेविचंचिशंनुमुनिग्यानी ॥ जिन्हजिन्हप्रनुमहिमाकषुजति ॥
 ॥ छंदजानाप्रतापतेनहेनिर्नयकपिन्हनिपुमानेफुने ॥
 ॥ चलेविचलिमर्कटचालुसकलक्रपालपाहिनयातुने ॥
 ॥ हनुमंतअंगदनीलनलअतिवललनतननवांकुने ॥
 ॥ मर्दहिदशाननकोटिकोटिन्हकपटनूनटअंकुनेगा ॥
 ॥ दोहा सुनवांननदेखेविकलहसेकोशलाधीसगा ॥
 ॥ वैचिसनासनअवनलगिहतेसकलदशसीस ॥ १५४ ॥
 ॥ चौप्रनुछनमहंमायासबकाटि ॥ जिमिनविउदयजहितमफटि ॥
 ॥ नावनऐकदेधिसुनहनयेगा ॥ फिनेसुमनबहुप्रनुपनवनये ॥
 ॥ नुजउठाइनधुपतिकपिफेने ॥ फिनेऐकऐकनूतबटेनेगा ॥
 ॥ प्रनुवलपाइचालुकपिधाऐ ॥ तुनतहैतवसंजुगममहआऐ ॥

॥ कनत प्रसंसा सुनते हि देखेगा ॥ न ऐ उं ऐ कुमैं इन्ह के लेखेगा ॥
 ॥ सठहु सदा तुम्ह मोन मनायल ॥ अस कहि कोपि गगन पथ धायल ॥
 ॥ हाहा कान कनत सुन आगेगा ॥ बलहु जाहु कहैं मोने आगेगा ॥
 ॥ विकल देखि सुन अंग दधावा ॥ कूदि चरन गहि नर्मि गिनावा ॥
 ॥ छंद गहि नर्मि पायो लात मायो वालि सुत प्रनु पहगयो ॥
 ॥ संजानि उठि दशकंठ धोन कठोन नवगर्जत नयोगा ॥
 ॥ कनिदाप चाप चढाइ दशसंधानि शनवहुवन धई ॥
 ॥ किऐ सकल नट धायल नया कुल देखि निज बलहन धई ॥
 ॥ दोहा तवन धुपतिलं केश के सीस भुजासन चाप ॥
 ॥ काटेन ऐव होनि जिमि कनम मूख के पास ॥ १५५ ॥
 ॥ चौसिन भुजवाछि देखि निपुकेनी ॥ भालुक पिन्ह निस नई धनेनी ॥
 ॥ मनत न मूख कटे भुज सीसा ॥ धाऐ कोपि भालु नट कीसागा ॥
 ॥ बालित नय मानुति न लनीला ॥ दुविद कपी सपन सब लसीला ॥
 ॥ बिटप मही धन कनहि प्रहाना ॥ सोइ गिनित नुगहि कपिन्ह सोमाना ॥
 ॥ ऐकन यन्ह निपुव पुष विदनी ॥ नागि चलहि ऐकलातरु मानीगा ॥
 ॥ तवन लनील सिन नूच छिगऐ ॥ नयन्हिलि लान विदानत नऐ ॥
 ॥ भुधिन विलोकिस कोप सुनानी ॥ तिन्हहिं धनत कहैं भुजापसानी ॥
 ॥ गहेन जाहि नुज रूप नहिं ॥ जनु जुगम धुपक मलवन चनहिं ॥
 ॥ कोपि कूदि दोउ धने सिव होनी ॥ महिपटकत चले भुजामनीनी ॥
 ॥ पुनिस कोपि दशधनु कनलीने ॥ सनन्ह मानि घाऐल कपिकीने ॥
 ॥ हनुमदादि मुनछित कनि वंदन ॥ पाइ प्रदोष हन धदशकंधन ॥
 ॥ मुनछित देखि सकल कपिवीर ॥ जामवंत धाऐ उबल धीनागा ॥
 ॥ संग भालु नूधनतनु धानीगा ॥ मानन लोप्रचानि प्रचानीगा ॥
 ॥ नऐ उक्रोधनावन बलवानागा ॥ गहिपद महिपटक इनटनाना ॥
 ॥ देखि भालु पतिनिज दल घाता ॥ कोपि माह उन माने सिलातागा ॥
 ॥ छंद उनलात घात प्रचंडलागत विकल नयतै महिपना ॥
 ॥ गहि भालु वीसहु नुज मनहुं कमल नूवसे निमिमधुकन ॥
 ॥ मुनछित विलोकिव होनि पद हति भालु पति प्रनु पहिं गये ॥

लंका०

॥३५॥

॥ निसिजानिस्यंदनघालितेहितवसतलंकहिलैगयो ॥
 ॥ दोहा गइमुनघातवनालुकपिसवआपेप्रनुपास ॥
 ॥ सकलनिसाचननावनहिंघेनिनेहेउअतित्रास ॥१५६॥
 ॥ चौ तेहिनिहिसोसीतापहिंजाई ॥ त्रिजटा कहिसवकथासुनाई ॥
 ॥ सिननुजवाछिसुनतनिपुकेनी ॥ सीताउननईत्रासघनेनीगा ॥
 ॥ मुखमलीनउपजीमनचिंता ॥ त्रिजटासनबोलीतवसीता ॥
 ॥ होइहिकाहकहसिकिनमाता ॥ केहिविधिमनिहिविस्वदुखदाता ॥
 ॥ नघुपतिसनसिकटेहुंनमनहि ॥ विधिविपनीतिचनितसवकरहि ॥
 ॥ मोनअनागयजिआवतओहि ॥ जेहिहैंहनिपदकमलविछोहि ॥
 ॥ जिहिं कृतकपटकनकभृगहूँ ॥ अजहुंसोदेवमोहिपनरूठोगा ॥
 ॥ जेहिविधिमोहिदुखदुसहसहऐ ॥ लछिमनकहंकदुवचनकहोए ॥
 ॥ नघुपतिविनहविषमशननानी ॥ तकितकिवानवानवहुमानी ॥
 ॥ अैसेहुंदुखजोनाखममप्राना ॥ सोइविधिताहिजिआवनअना ॥
 ॥ बहुविधिकनतविलापजानकी ॥ कनिकनिसुनतिक्रपानिधानकी ॥
 ॥ कहित्रिजटासुनुनाजकुमानी ॥ उनसनलागेमनिहिसुनानी ॥
 ॥ तातैप्रनुउनहतइनतेहीगा ॥ ऐहिकेहृदयवसतवैदेहीगा ॥
 ॥ छंद ऐहिकेहृदयवसजानकीजानकीममउनवासैहै ॥
 ॥ ममउदननवनअनेकलागतवानसवकननासैहै ॥
 ॥ पुनिवचनहर्षविषादमनअतिदेधिपुनित्रिजटाकहा ॥
 ॥ अवमनिहिनपुऐहिविधिसुनहुंसुंदनितजहुविस्मैमहा ॥
 ॥ दोहा काटतसिनहोइहिविकलछूटिजाहितवध्यान ॥
 ॥ तवनावनकेहृदयमहंमानिहिक्रपानिधानगा ॥१५७॥
 ॥ चौ असकहिवहुतनोतिसमुहई ॥ पुनित्रिजटानिजनवनसिर्धाई ॥
 ॥ नामसुनावसुमिनिवैदेहीगा ॥ उपजीविनहविषाअतितेहि ॥
 ॥ निसिहिससिहितिंदतिवहुनैति ॥ जुगसमनईविहाइननाती ॥
 ॥ कनतिविलापमनहिमननानी ॥ नामविनहजानकीदुखानी ॥
 ॥ जवअतिनयेउविनहउनदाह ॥ फनकेउवामनयनअनुवाह ॥
 ॥ सगुनविचानिधनीमनधीगा ॥ अवमिलिहहिंक्रपालनघुवीना ॥

॥ उहँ अर्द्धनिहिनावनजागागा ॥ निजसानथीसनधीहनलागा ॥
 ॥ सहनननमिधडाऐउमोही ॥ धिगधिगअधममंदमतितोही ॥
 ॥ तेहिंपदगहिवहुविधिसमुहावा ॥ भेननऐनथचठिपुनिधावा ॥
 ॥ सुनिआगमनदशाननकेराणा ॥ कपिदलसनननऐउघनेना ॥
 ॥ जहँतहँनूधरविटपउपानी ॥ धाऐकटकटाइनटनानीणा ॥

॥ छंद धाऐजोमर्कटविकटभालुकनालकनगहिमहिधरा ॥
 ॥ अतिकोपिकनहिंप्रहानमानतनजिचलेनजनीचरा ॥
 ॥ विचलाइदलवलवंतकीसन्ह्येनिपुनिरावनुलियो ॥
 ॥ चहुँदिसिचपेटनमानिनसन्ह्येविदनिननुयाकुलकियो ॥
 ॥ दोहा देधिमहामर्कटप्रवलनावनकीन्हविचारगागा ॥
 ॥ अंतनहितहोइनिमिषमहुँकृतमायाविस्तान ॥ १५८ ॥

॥ अबकीन्हतेहिपाषंड ॥ नऐप्रगटजंतुप्रचंड ॥
 ॥ वेतालनूतपिसाच ॥ कनधनेधनुनानाच ॥
 ॥ जोगिनिगहकनवाल ॥ ऐकहायमनुजकपाल ॥
 ॥ कनिसद्यसोनितपान ॥ नौचहिकनहिंबहुगान ॥
 ॥ धनुमानुबोलहिंघोर ॥ रहिपूनिधुनिचहुओर ॥
 ॥ मुखवाइधावहिंघान ॥ तवलगेकीसपनान ॥
 ॥ जहँजाहिंमर्कटभागि ॥ तहँवनतदेसहिंआगि ॥
 ॥ नऐविकलवाँननभालु ॥ पुनिलगेउवर्षहिवालु ॥
 ॥ जहँतहँयकितकनिकैस ॥ गजैउवहुनिदशसिस ॥
 ॥ लछिमनकपीससमेत ॥ कनिसकलवीनअचेत ॥
 ॥ हानामहानधुनाथ ॥ कहिसुनटमौजैहाथ ॥
 ॥ ऐहिविधिसकलबलेतोनि ॥ तेहिंकीन्हकपटवहेनि ॥
 ॥ प्रगटेविपुलहनुमान ॥ धाऐगहेपाषानगा ॥
 ॥ तिन्हनामघेनेजाइगा ॥ चहुँदिशवनूथवनाइ ॥
 ॥ मानहुधनहुजनिजाई ॥ कटकटहिंऐधिउठाइ ॥
 ॥ दहुँदिशलैगूनविनाज ॥ तेहिमध्यकोशलराज ॥
 ॥ छंदतेहिमध्यकोशलराजसुंदनश्यामतनशोभालही ॥

लंका०

॥३६॥

॥ जनुं इधनुष अनेक कीन ववापितुंगतमाल हीणा ॥
 ॥ प्रनु देखि हनष विषाद उन सुन वदत जय जय जय कनी ॥
 ॥ नधुवीन ऐकहि तीन कोपि निमेष महुं माया हनीणा ॥
 ॥ माया विगत कपि भालु हनषे विटप गिनि गहि सव फिने ॥
 ॥ शाननिक नछां डे नाम नावन वाहु सिन पुनि महि पनेणा ॥
 ॥ श्री नाम नावन समन चनित अनेक कल्प जोगा बहौ ॥
 ॥ शतशेष सानद निगम कविते उत्तद पिपान नपा बहौ ॥
 ॥ दोहा कहे उता सुगुन गन कछुक जड मति तुल सिदास ॥
 ॥ निज पौनुष अनुसार जिमि मसक उडाहि अकास ॥
 ॥ काटे सिन भुजवान बहु मन तन नटलं केशाणा ॥
 ॥ प्रनु क्रीडत मुनि सिद्ध सुन व्याकुल देखि कलेश ॥
 ॥ चौ काटत वछाहिं सीस समुदाई ॥ जिमि प्रतिला न लोन अधिकाई ॥
 ॥ मने ननि पुअम नये उविशेषा ॥ नाम विभीषन तन तव देखाणा ॥
 ॥ उमा काल मन जाकी दूछाणा ॥ सोइ प्रनु कनि जन प्रीति पनिछा ॥
 ॥ सुनु सर्व गप चनाचन नायक ॥ प्रनत पाल सुन मुनि सुषदायक ॥
 ॥ नाभी कुंड सुधा वसया कैणा ॥ नाथ जिअत नावन वलत कै ॥
 ॥ सुनत विभीषन वचन कृपाल ॥ हनषि गहिक नवान कनाला ॥
 ॥ अस गुन होन लागत वनाना ॥ नोवहिं बहु भूकाल धन स्वाना ॥
 ॥ वोलीहिं गजग आनत हेतूणा ॥ प्रगट नये उन नज हैत है कोल ॥
 ॥ दहुं दिसि दाह होनत वलागा ॥ नये उपन वविनु न विहि पनागा ॥
 ॥ मंदोदनी उन कंपित नानीणा ॥ प्रतिमा अबहिं नयन मगवारी ॥
 ॥ छंद ॥ प्रतिमा अबहिं पविपात न न अति वात वह डोलत महि ॥
 ॥ वनषहिं वलाहक उधिन कवन जअ सुन अति सक को कहि ॥
 ॥ उत्पत अमित विलोकि सुन मुनि विकल वोलीहिं जय जये ॥
 ॥ सुन सनय जाति कृपाल नधुप नति चाप शन जोरत नये ॥
 ॥ दोहा आक नये उधनु कान लगि छां डे उशन ऐक तीस ॥
 ॥ नधु नायक सायक चले मानहुं काल फनी साणा ॥ १६० ॥
 ॥ चौ सायक ऐक नानि सन शोषा ॥ अपन लगे उसिन भुज कनि नोषा ॥

॥ लइशिनवाहुचलेउनानाचा ॥ सिननुजहीननुउमहिनाचा ॥ ॥
 ॥ धननिधसैधनधावप्रचंडा ॥ तवप्रनुसनहतिकृतजुगंधडा ॥
 ॥ गर्जेउमनतघोननवन्नानी ॥ कहंनमननहतउप्रचानी ॥
 ॥ डोलीनूमिगिनतदशकंधन ॥ धुनितसिंधुसमिदिगजनुचन ॥
 ॥ पनेउवीनदोउषंडवळाईगा ॥ चापिभालुमनकटसमुदाईगा ॥
 ॥ मंदोदरीआगेनुजसीसाणा ॥ धनिसनचलेउजहंजगदीसा ॥
 ॥ प्रविसेशननिषंगमहंआई ॥ देखिसुनरुंदुदुनीवजाईगा ॥
 ॥ तासुतेजसमानप्रनुआनन ॥ हनखेदेधिशंनुचतुनानन ॥
 ॥ जयजयधुनिपूनीब्रह्मडागा ॥ जयनघुवीनप्रवलनुजदंडा ॥
 ॥ वनसहिंसुमनदेवमुनिवंद ॥ जयकृपालजयजयतिमुकुंदा ॥
 ॥ **छंद** जयकृपाकंदमुकुंददंडहननशननसुषप्रदप्रज्ञो ॥
 ॥ बलदलविदाननपनमकारनकानुनीकसदविज्ञो ॥
 ॥ सुनसिद्धमुनिगंधर्वहनखेवाजिदुंदुनिगहगहंगा ॥
 ॥ संग्रामअंगननामअंगअनंगवहुसोभालहंगा ॥
 ॥ शिनजटामुकुटप्रसरनविचविचअतिमनोहननाजहं ॥
 ॥ जनुनीलगिरिपनतडितपटलसमेतउउगनआजहं ॥
 ॥ मुजदंडफेनतशनसनासननुधिनकनसोहितघनेगा ॥
 ॥ जनुनायमुनीतमालपनवयठींविपुलसुषआपने ॥
 ॥ **दोहा** कृपादिष्टिकनिदष्टिप्रनुअनयकिऐसुनवंद ॥
 ॥ हनखेवांतरभालुसवजयसुषधाममुकुंद ॥ १६१ ॥
 ॥ **चौ** पतिकेसिनदेखतमंदोदरी ॥ मुनधितविकलधननिषसिपनी ॥
 ॥ जुवतिवंदनोवतउठिधाई ॥ तेहिउठाइनावनपहिंआईगा ॥
 ॥ पतिगतिलषिअतिकनहिपुकारा ॥ धुटेचिकुननशानीनसंभारा ॥
 ॥ उनताडनाकनहिविधिनानागा ॥ नोवतकरीहिप्रतापवधाना ॥
 ॥ तववलनाथडोलनितधननी ॥ तेजहीनपावकशशितननी ॥
 ॥ शोसकमठसहिसकहिननारा ॥ सोइतनुनूमिपनेउननिष्णना ॥
 ॥ वनुनकुवेनसुनेससमीरागा ॥ रनसनमुखधनिकाहुनधीन ॥
 ॥ मुजवलजितहुकालजमसाई ॥ आजुपनेहुअनाथकीनाईगा ॥

लंका०

॥३१॥

॥ जगतविदिततुम्हानिप्रभुताई ॥ सुतपनिजनवलवननिनजाई ॥
 ॥ नामविमुषअसहालतुम्हाना ॥ रहानकुलकोउरोवनहारा ॥
 ॥ तववसविधिप्रघंचसवनाथा ॥ तवभयदिसिपतिनावहिमाथा ॥
 ॥ अबतवशिननुजजंबुकषाहैं ॥ नामविमुषयहअनुचितनाहैं ॥
 ॥ कालविवसपतिकहानमाना ॥ अगजगनाथमनुजकविजाना ॥
 ॥ छंद जानेउंमनुजकमिदनुजकाननदहनपावकहनिस्वयं ॥
 ॥ जेहिनमतशिवब्रह्मादिसुनपियभजेहुनहिकनुनामयं ॥
 ॥ आजन्मतेंपरडोहनतपापोधमयतवतनुअयं ॥
 ॥ तुमहैंदियोनिजधामनामनमामिब्रह्मनिनामयं ॥
 ॥ दोहा अहहनाथनघुनाथसमकृपासिंधुकोआन ॥
 ॥ मुनिदुर्लभजोपनमगतितोहिदीन्हिनगवान ॥ १६२ ॥
 ॥ चौमंदोदनीवचनसुनिकाना ॥ सुनमुनिसिद्धसवहैंसुषमाना ॥
 ॥ अजमहेशानानदसनकादी ॥ जेमुनिवनपनमानयवादी ॥
 ॥ निलोचननघुपतिहिनिहनी ॥ प्रेममगनसवभऐसुषानी ॥
 ॥ उदनकनतविलोकिसवनारी ॥ गऐउविनीषनमनदुषभनी ॥
 ॥ बंधुदशादेखतदुषकीन्हागा ॥ नामअनुजकहैंआयसुदीन्हा ॥
 ॥ लक्षिमनजाइताहिसमुहायो ॥ वहुनिविनीषनप्रभुपहिआयो ॥
 ॥ कृपादृष्टिप्रभुताहिविलोका ॥ कनहुक्रियापनिहिसवसोका ॥
 ॥ कीन्हिक्रियाप्रभुआयसुमानी ॥ विधिबतदेशकालजिमिजानी ॥
 ॥ दोहा मयतनयादिकननिसवदेशतिलांजुलित्ताहि ॥
 ॥ नवनगईनघुबीरगुनगनवननतिमनमाहि ॥ १६३ ॥
 ॥ चौआइविनीषनपुनिसिनुनाऐउ ॥ कृपासिंधुतवअनुजबुलाऐउ ॥
 ॥ तुमकपीसअंगदनलनीला ॥ जामवंतमाउतिनयसीला ॥
 ॥ सबमिलिजाहुविनीषनसाया ॥ सानेहुतिलककहेउनघुनाथा ॥
 ॥ पितावचनमैनगननजावौ ॥ आपुसरिसकपिअनुजपठावौ ॥
 ॥ तुनितगऐउसवसुनिप्रभुवचना ॥ कीन्हीजाइतिलककेनिचन ॥
 ॥ सादरसिंहासनबैठानिगाणा ॥ तिलककीन्हअस्तुतिअनुसानी ॥
 ॥ जोनिपानिसवहैंसिननाऐगा ॥ सहितविनीषनप्रभुपहिआऐ ॥

॥ तवनधुवीनबोलिकपिलीन्हे ॥ कहिप्रियवचनसुधीसबकीन्हे ॥
 ॥ छंद किऐसुधीकहिवानीसुधासमबलतुम्हनेनिपुहये ॥
 ॥ पायोविनीषनराजुतिहुपुनजसतुम्हनेनितनयो ॥
 ॥ मोहिसहितसुनकीनतिनुम्हनिपनमप्रतिजेगाइहैं ॥
 ॥ संसानसिंधुअपानवापिप्रयासविनुतनिजाइहैं ॥
 ॥ दोहा सुनतनामकेवचनमृदुनहिअघाहिकपिपुंज ॥
 ॥ वानहिंवानविलोकिमुषगहहिंसकलपदकंज ॥ १६४ ॥
 ॥ चौ पुनिप्रभुबोलिलिएउहनुमान ॥ लंकहिजाउकहेउभगवाना ॥
 ॥ समाचानजानकिहिसुनाऐहु ॥ तासुकुशललैतुम्हचलिअऐहु ॥
 ॥ तवहनुमंतनगनमहुंआऐणा ॥ सुनिनिसिचनीनिसाचनधाऐ ॥
 ॥ पूजावहुप्रकानतिरुकीन्हे ॥ जनकसुतादियाइतिरुदीन्हे ॥
 ॥ दूनिहितेप्रनामकपिकीन्हाणा ॥ नधुपतिदूतजानकीचीन्हा ॥
 ॥ कहहुतातप्रभुकृपानिकेता ॥ कुशलअनुजकपिसेनसमेता ॥
 ॥ सबविधिकुशलकोशलाधीसा ॥ मातुसमनजीतेउदशसिासा ॥
 ॥ अविचलनाजुविनीषनपावा ॥ सुनिकपिवचनहनघउनघावा ॥
 ॥ छंद अतिहनघमनतनपुलकलोचनसजलकहपुनिपुनिरमा ॥
 ॥ कादेहुंतोहिल्लोकमहुंकपिकिमपिनहिवानीसमा ॥
 ॥ सुनुमातुमैपायोअधिलजगनाजुआजुनसंशयंणा ॥
 ॥ ननजीतिनिपुदलबंधुजुतपश्यामिनाममनामयं ॥
 ॥ दोहा सुनुसुतसदगुनसकलतवहुदयवसहुहनुमंत ॥
 ॥ सानुकूलनधुवंशमणिनरहुसमेतअनंत ॥ १६५ ॥
 ॥ चौ अवसोइजतनकनहुनुम्हताता ॥ देखउंनयनश्याममृदुगाता ॥
 ॥ तवहनुमाननामपहिंजाइणा ॥ जनकसुताकइकुशलसुनाई ॥
 ॥ सुनिवानीपतंगकुलनूषनणा ॥ बोलिलिएजुवनाजविनीषन ॥
 ॥ मातुतसुतकेसंगसिधावहुणा ॥ सादनजनकसुतालैआवहु ॥
 ॥ तुनतहिंसकलगऐजहंसीता ॥ सेवहिंसवनिसिचनीविनीत ॥
 ॥ वेगिविनीषनतिरुहिसिधावा ॥ सादनतिरुसीतहिअरुवावा ॥
 ॥ दिव्यवसननूषनपहिराऐणा ॥ सिविकानुचिनसाजिपुनिलो ॥

लंका०

॥३८॥

॥ तापनहनधिचछिवेदेहीगाणा ॥ सुमिनिनामसुखधामसनेही ॥
 ॥ वेतपानिनधकचहुं पासाणा ॥ चलेसकलमनपनमहुलासा ॥
 ॥ देखनभालुकीससवआपे ॥ नधककोपिनिवाननधापे ॥
 ॥ कहनघुवीनकहामममानहुं ॥ सीतहिसधापयादेहिंआनहुं ॥
 ॥ देखहिंकपिजननीकीनाईगा ॥ विहसिकहेउनघुवीनगोसाई ॥
 ॥ सुनिप्रभुवचनभालुकपिहनेषे ॥ ननतैसुनरुसुमनवहुवनषे ॥
 ॥ सीताप्रथमअनलमहुं नाथी ॥ प्रगटकीन्हचहुंअंतनसाथी ॥
 ॥ देखतेहिकाननकनुनायतनकहेउकछुकडुवाइ ॥
 ॥ सुनतजातुधानीसकललागीकनइविषाद ॥ १६६ ॥
 ॥ चौप्रभुकेवचनसीसधनिसीता ॥ बोलीमनक्रमवचनविनीता ॥
 ॥ लछिमनहोहुधर्मकननेगी ॥ पावकप्रगटकनहुतुमवेगी ॥
 ॥ सुनिलछिमनसीताकइवानी ॥ विनहविवेकधर्मजुतसानी ॥
 ॥ लोचनसजलजोपिकनदोडु ॥ प्रभुसनमुखकछुकहतनओडु ॥
 ॥ देखिनाममुखलछिमनधापे ॥ प्रगटकशानुकाष्टबहुल्यापे ॥
 ॥ प्रवलअनलविलोकिवेदेही ॥ हृदयहनधकछुनयनहितेही ॥
 ॥ मनक्रमवचनजोममउनमहिं ॥ तजिनघुवीनआनगतिनहिं ॥
 ॥ तौकशानुसवकइगतिजाना ॥ मोकहुंहोहुश्रीखंडसमाना ॥
 ॥ छंदश्रीखंडसमपावक ॥ प्रवेशकियोसुमिनिप्रभुमेथिली ॥
 ॥ जयकोशलेशमहेशवंदितचननरतिअतिनिनरमली ॥
 ॥ प्रतिविंवअनुलौकिककलंकप्रचंडपावकमहुंजनेणा ॥
 ॥ प्रभुचनितकाहुनलखेउननसुनसिद्धमुनिदेखहिषने ॥
 ॥ तवअनलभूसुनरूपकनगहिसत्यश्रीश्रुतिविदितजो ॥
 ॥ जिमिछिनसागनइदिनानामहिसमनपीआनिसो ॥
 ॥ सोइनामवामविनागनाजतिनुचिनअतिशोभानली ॥
 ॥ नवनीलनीनजनिकटमानहुंकनकपंकजकीकली ॥
 ॥ दोह ॥ हनधसुमनवनधहिंविबुधवाजहिंगगननिसान ॥
 ॥ गावहिंकिन्नअपधनानांचहिंचढींविमानागाणा ॥
 ॥ श्रीजानकीसमेतप्रभुसोनाअमितअपानगागाणा ॥

॥ देवतहनयेनालुकपिजयनघुपतिसुखसान ॥ १६७ ॥
 ॥ चौतवनघुपतिअनुसासनपाई ॥ मातुलिचलेउचननसिनुनाई ॥
 ॥ आपेदेवसदास्वानधीणाणा ॥ वचनकहहिंजनुपनमानधी ॥
 ॥ दीनबंधुदयालनघुनायाणा ॥ देवकीन्हिदेवन्हपनदायाणा ॥
 ॥ विस्वद्रोहनतयहयलकामी ॥ निजअघगएउकुमनगगामी ॥
 ॥ तुम्हसमरूपबलअविनासी ॥ सदाऐकनससहजउदासी ॥
 ॥ अकलअगुनअजअनघअनामय ॥ अजितअमोघशक्तिकनुनामय ॥
 ॥ मीनकमठसूकनननहनिकनि ॥ वामनपनशुनामवपुषेधनि ॥
 ॥ जवजवनाथसुनन्हदुषपावा ॥ नानातनुधनितुम्हहिंनसावा ॥
 ॥ नावनपापमूलसुनद्रोहिणा ॥ कामलोनमदनतअतिकोहि ॥
 ॥ सोउकपालतवधामसिधावा ॥ यहहमनेमनविसमयपावा ॥
 ॥ हमदेवतापनमअधिकानीणा ॥ स्नानथनततवभक्तिविसानी ॥
 ॥ भवप्रवाहसंततहमपनेणा ॥ अवप्रनुषाहिशरणअनुसने ॥
 ॥ दोहकनिविनतीसुनसिद्धसवनहेजहेतहेकनजेनि ॥
 ॥ अतिसयप्रेमसनोजनवस्तुतिकनतवहेनि ॥ १६८ ॥
 ॥ चौजयनामसदासुखधामहने ॥ नघुनायकसायकचापधने ॥
 ॥ भववाननदाननसिंहपुनोणा ॥ गुनसागरनागननाथविनो ॥
 ॥ तनकामअनेकअनूपधवी ॥ गुनगावतसिद्धमुनिंद्रकवी ॥
 ॥ जसपावननावननागमहा ॥ षगनाथजथाकनिकोपगहा ॥
 ॥ जननेजनभजनशोकनयं ॥ गतक्रोधसदाप्रनुबोधमयं ॥
 ॥ अवतानअपानउदानगुनेणा ॥ महिन्नानविनेजनज्ञानघनं ॥
 ॥ अजव्यापकऐकअनादिसदा ॥ कनुनाकननामनमामिमुदा ॥
 ॥ नघुवंशविभूषनदूषनहा ॥ कृतनूपविनीषनदीनरहा ॥
 ॥ गुनज्ञाननिधानअमानअजं ॥ नितनामनमामिविजुंविनजं ॥
 ॥ भुजदंडप्रचंडप्रतापवलंगा ॥ सलवंदनिकंदसदाकुशलंगा ॥
 ॥ विनुकाननदीनदयालहितं ॥ छविधामनमामिनमासहितं ॥
 ॥ नवताननकाननकाजपरं ॥ मनसंनवदानुनदोषहं ॥
 ॥ सनचापमनोहनत्रोनधनं ॥ जलजानुनलोचननूपवरं ॥

लंका०

॥३८॥

॥ सुखमंदिन सुंदर श्रीनमनंणा ॥ मदमानमुधाममताशमनं ॥
 ॥ अनवध्र अखंडलंगोचनगो ॥ सवरूपसदासवहोइनसोणा ॥
 ॥ इतिवेदवदंतिनदंतकथाणा ॥ नविआतपनिन्नननिन्नजथा ॥
 ॥ कृतकृत्यप्रभोसववांननऐ ॥ निरखंततवाननसादनजेणा ॥
 ॥ धिगजीवनदेवशरीरहने ॥ तवभक्तिविनाभ्रवकूपपने ॥
 ॥ अवदीनदयालदयाकरिये ॥ मतिमोनिविनेदकरीहनिये ॥
 ॥ ऐहितैविपनीतिकृपाचरिऐ ॥ दुषसोसुखमानिसुधीकरिये ॥
 ॥ बलदंडनमंडननम्यधमा ॥ पदपंकजसेवतशत्रुउमाणा ॥
 ॥ नृपनायकदेवनदानमिदं ॥ चरनांवुजप्रेमसदाशुभदंणा ॥
 ॥ दोहा विनयकीर्तुविधिभ्रातिवहुप्रेमपुलकिअतिगात ॥
 ॥ वदनविलोकतनामकरलोचननहिनअघात ॥६८॥
 ॥ चौतेहिअवसनदशनथतहंआऐ ॥ तनयविलोकिनयनजलक्षो ॥
 ॥ सहितअनुजप्रणामप्रभुकीर्तु ॥ आसिनवादपितातवदीर्तु ॥
 ॥ तातसकलतवपुन्यप्रभाडुणा ॥ जीतेउंअजयनिसाचननाडु ॥
 ॥ सुनिसुतवचनप्रीतिउनवाढी ॥ सजलनयननोमावलिछाढी ॥
 ॥ नधुपतिप्रथमप्रेमअनुमाना ॥ चितइपितहिदीर्तुद्रिगयाना ॥
 ॥ तातेउमामोहनहिपावाणा ॥ दशनथनेदनक्तिमनुलावा ॥
 ॥ सगुनउपासकमोहनलेही ॥ तिरुक्कुंनमभक्तिनिजदेही ॥
 ॥ दानवानकरिप्रभुहिप्रनामा ॥ दशनथहनधिगऐउसुनधामा ॥
 ॥ दोहा अनुजजानकीसहितप्रभुकुशलकौशलाधीश ॥
 ॥ छविविलोकिमनहनयअतिअस्तुतिकनसुनईश ॥७०॥
 ॥ जयनामशोभाधाम ॥ दायकप्रनतविश्राम ॥
 ॥ धतत्रोणावनशम्भाप ॥ भुजदंडप्रवलप्रताप ॥
 ॥ जयदूषनानिनधुनाथ ॥ जयबालिमथनसुभगाथ ॥
 ॥ इहदुष्टमानेउनाथ ॥ भऐदेवसकलसनाथ ॥
 ॥ जयहननधननीभान ॥ महिमाउदानअपान ॥
 ॥ जयनाउनानिक्रिपाल ॥ किएजातुधानविहाल ॥
 ॥ लंकेशवलअतिगव ॥ किएवश्यसुनगंधर्व ॥

॥ मुनिसिद्धवगनननाग ॥ हठिपंथसर्वकेलाग ॥
 ॥ परद्रोहृततश्रुतिदुष्ट ॥ पायेउसोफलश्रुतिष्ठ ॥
 ॥ अवसुनहुदीनदयाल ॥ राजीवनयनविशाल ॥
 ॥ मोहिनहाश्रुतिश्रुतिमान ॥ नहिकोउमोहिसमान ॥
 ॥ अवदेधिप्रनुपदकंज ॥ गतमानप्रददुष्टपुंज ॥
 ॥ कोउब्रह्मनिर्गुनधाव ॥ अवक्तजेहिश्रुतिगाव ॥
 ॥ मोहिनावकोशलचूप ॥ श्रीनामसगुनसचूप ॥
 ॥ वैदेहिअनुजसमेत ॥ ममहृदयकरहुनिक्केत ॥
 ॥ मोहिजानिएनिजदास ॥ देनगतिनमानिवास ॥
 ॥ छंद ॥ देनगतिनमानिवासत्रासहननसननसुषदायकं ॥
 ॥ सुषधामनामनमामिकामअनेकध्वनिघुनायकं ॥
 ॥ सुनवंदनंजनद्वंदनंजनमनुजतनुअतुलितवलं ॥
 ॥ ब्रह्मादिशंकरसेविनामनमामिकनुनाकोमलंगा ॥
 ॥ दोहा ॥ अवकनिक्रपाविलोकिमोहिआयसुदेहुकपाल ॥
 ॥ कहाकरौसुनिप्रियवचनबोलेउदीनदयाल ॥ १७१ ॥
 ॥ चौ ॥ सुनुसुनपतिकपिआलुहमाने ॥ पनेभूमिनिसिचरन्हकेमाने ॥
 ॥ ममहितलागितजेइन्हपानागा ॥ सकलजिआउसुनेससुजाना ॥
 ॥ सुनुषगपतिप्रभुकेयरुवानी ॥ अतिअगाधजानहिमुनिग्यानी ॥
 ॥ प्रभुसकप्रिनुवनमानिजिआईगा ॥ केवलशक्रहिदीन्हिवडाईगा ॥
 ॥ सुधावनधिकपिआलुजिआये ॥ हनधिउठेसवप्रभुपहिआये ॥
 ॥ सुधाबुद्धिअइदुहुदलउपर ॥ जिएआलुकपिनहिनजनीवन ॥
 ॥ नामअकाननऐतिन्हकेमन ॥ गऐब्रह्मपदतजेउशनीवन ॥
 ॥ सुनअंसिकसवकपिअनुनिष्ठा ॥ जिएसकलनघुपतिकइइछा ॥
 ॥ नामसनिसकोदीनहितकानी ॥ कीन्हउमुक्तिनिसाचनहानी ॥
 ॥ मलमलधामकामनतनावन ॥ गतिपाईजोइमुनिवनपावन ॥
 ॥ दोहा ॥ सुमनवरधिसवसुनचलेचछिचछिउचिरविमान ॥
 ॥ देधिसुअवसरनामपहेंआयेउशंनुसुजानगा ॥ १७२ ॥
 ॥ चौ ॥ नंदचछेमहागनसंगागा ॥ शोभितमानगवनिअनधंगा ॥
 ॥ हलकगंगासिनचंद्रलिलारा ॥ नीलकंठध्वनिगनलदिहारा ॥

लंका०

॥४०॥

॥ कनखप्पनगनननसिनमाल ॥ ॥ अहिकुलपतिश्रुतिगनेविशाल ॥
 ॥ तीनिनयनपिंगलसिनजटा ॥ ॥ स्वेतविभूतिदेहअतिधृष्ट ॥ ॥
 ॥ डिमिडिमिडिमिडमनूकनवोजे ॥ ॥ शृंगीगनेमृगधालविनाजे ॥ ॥
 ॥ तनुनअनुनअवुजसमचनना ॥ ॥ नखदुतिनगातदुदयतमहनना ॥
 ॥ मणिमयभूतिभूषनत्रिपुनारी ॥ ॥ आननशानदचंदधविहारी ॥ ॥
 ॥ ऐहिविधिसोहकामनिपुकेसै ॥ ॥ धनेशनीनशानतिनसजैसैगा ॥ ॥

॥ दोहनासिलंकपतिसयनसववैठकौशालाधीस ॥ ॥

॥ संगचानिगंधर्वगनगऐउतहंगौनीसगागागा ॥ ॥

॥ पनमप्रीतिकनजोनिजुगकमलनयननसिबानि ॥ ॥

॥ पुलकगातगदगदगिनाविनयकनतत्रिपुनारी ॥ १७३ ॥

॥ चौमामनिनक्षयनधुकुलनायक ॥ ॥ धृतवनचापनुचिनकनसायक ॥

॥ मोहमहाधनपटलप्रभंजन ॥ ॥ संशयविपिनअनलसुननंजन ॥

॥ सगुनअगुनगुनमंदिनसुंदन ॥ ॥ अमतमप्रवल्प्रतापदिवाकर ॥

॥ कामक्रोधमदगजपंचानन ॥ ॥ वसहुनिनंतनजनमनकानन ॥

॥ विषयमनोनथपुंजकंजवन ॥ ॥ प्रवल्तुषानउदानपानमनगा ॥

॥ नवबानिधिमंदनपनमंदिन ॥ ॥ वोनयतानयसंसृतिदुस्तनगा ॥

॥ स्यामगातनाजीवविलोचन ॥ ॥ दीनबंधुप्रनतानतमोचनगा ॥

॥ अनुजजानकीसहिततिनंतन ॥ ॥ वसहुनामनपममडनअंतन ॥

॥ मुनिनंजनमहिमंडलमंडन ॥ ॥ तुलसिदासप्रभुत्रासविधंडन ॥

॥ दोहनाथजवहिकौशालपुनीहोइहितिलकतुम्हान ॥

॥ तवमैआउवसुनहुप्रभुदेखनचनितउदान ॥ १७४ ॥

॥ चौकनिविनतीजवशंभुसिधाऐ ॥ ॥ तवप्रभुनिकटविनीषनआऐ ॥

॥ नाइचननसिनकहिमुदुवानी ॥ ॥ विनयसुनहुंप्रभुसागरपानी ॥

॥ सकुलसदलप्रभुनावनमाना ॥ ॥ पावनजसुत्रिभुवनविस्ताना ॥

॥ दीनमहीनहीनमतिजातीगा ॥ ॥ मोपनक्रपाकीन्हिवहुनौती ॥

॥ अवजनग्रहपुनीतप्रभुकीजे ॥ ॥ मजुनकनियसमनअमछिजे ॥

॥ ॥ देविकोश ॥ ॥ देहुकृपालकपिन्हकहंमुदा ॥ ॥

॥ ॥ सवनिधि ॥ ॥ पुनिमोहिसहितअवधपुनजई ॥ ॥

॥ सुनत वचन मृदु दीन दयाला ॥ ॥ सजल नैरे दो उ नैन विशाला ॥
 ॥ दोहा तोन कोश ग्रह मोन सव सत्य वचन सुनु आता ॥
 ॥ दश नन तकी सुमिनि मोहिनि मिष कल्प समजात ॥
 ॥ ताप सवेष शरीर कृश जप इनि न तन मोहि गाणा ॥
 ॥ देख उं वेगि सो जतन कनु सखानि हो न उं तोहि गा ॥
 ॥ जो जइ हौं वीतैं अवधि जिअ तन पावहुं वीन गाणा ॥
 ॥ प्रीति नन तकी समुहि प्रनु पुनि पुनि पुलक शरीर ॥
 ॥ कनेहु कल्प ननि नाजु तुम्ह मोहि सुमिने उमन मोहि ॥
 ॥ पुनि मम धाम सिधाइ हहु जहां संत सव जाहि ॥ १७५ ॥
 ॥ चौ सुनत विनीषन वचन नाम के ॥ हनधि गहे उपद कृपा धाम के ॥
 ॥ बौन न भालु सकल हन धानै ॥ गहि प्रनु पद गुन विमल वखानै ॥
 ॥ बहुनि विनीषन नवन सिधावा ॥ मनिगन वसन विमान ननावा ॥
 ॥ लै पुष्पक प्रनु आगै नाया गा ॥ हसिकनि कृपा सिंधु तव नाया ॥
 ॥ चछि विमान सुनु सखा विनीषन ॥ गगन जाइवन बहु मनि नूषन ॥
 ॥ नन पन जाइ विनीषन जवहौं ॥ वरधि दिऐ मनि अवनत बहौं ॥
 ॥ जो इमन नावाहि सोइ कपिले हौं ॥ मनि मुख मेलि डानि सव देहौं ॥
 ॥ हंसे नाम श्री अनुज समेता गा ॥ पन मको तुकी कृपा निकेता ॥
 ॥ दोहा ध्यान न पावहिं जाहि मुनिनेतिनेतिक हवेद ॥
 ॥ कृपा सिंधु सोइ कपिन्ह सन कन त अनेक विनोद ॥
 ॥ उमा जोग जप दान तप नाना मय व्रतने मगाणा ॥
 ॥ नाम कृपा नहिं करहिं तसिज सिनिह केवल प्रेम ॥ १७६ ॥
 ॥ चौ भालु कपिन्ह पट नूषन पाऐ ॥ पहिनि पहिनि न धुपति पीहिं आऐ ॥
 ॥ नाना जिन सिंदेधि प्रनु कीसा ॥ पुनि पुनि हसत कोश लाधीसा ॥
 ॥ बितइ सवन रूप कीन्ह उदाया ॥ बोलै मृदुल वचन न धुनाया गा ॥
 ॥ तुम्हने वल मैं नावनु माना गा ॥ तिलकु विनीषन कह पुनि सारा ॥
 ॥ निजनि जग्रह अवतुम सव जाहू ॥ सुमिनेहु मोहि उनेहुं जनिकाहू ॥
 ॥ वचन सुनत प्रेमा कुल बौन न ॥ पानि जो निबोले सव सादन गा ॥
 ॥ प्रनु जो कहहु तुमहिं सोइ सोह ॥ हमने होत वचन सुनि मोहा गा ॥

॥ दीनजानिकपिकीन्हसनाथाणा ॥ तुम्हैलोकईशरघुनाथाणा ॥
 ॥ सुनिप्रभुवचनलाजहममर्हि ॥ मसककबहुंषगपतिहितकरहि ॥
 ॥ देखिरामनुषवाँनरनिष्ठाणा ॥ प्रेममगननहिं ग्रहकनिइछा ॥
 ॥ दोहा प्रभुप्रेनितकपिनालुसवनामरूपउनराधि ॥
 ॥ हनषविषादसमेततवचलेउविनयबहुनाधि ॥
 ॥ जामवंतकपिनाजनलअंगदादिहनुमानाणा ॥
 ॥ सहितविनीषनजेअपरजूथपकपिवलवान ॥
 ॥ कहिनसकतकधुप्रेमवसन्ननिन्निलोचनवानि ॥
 ॥ सनमुषचितवहिंनामतननयननिमेषनिवारि ॥१७॥
 ॥ चौअतिसयप्रीतिदेखिरघुनाई ॥ लीन्हसकलविमानचलाई ॥
 ॥ मनमहुंविप्रचरनसिनुनावा ॥ उत्तरदिशिहिविमानचलावा ॥
 ॥ चलतविमानकुलाहलहोई ॥ जयनघुवीनकहहिसबकोई ॥
 ॥ सिंहासनअतिउंचमनोहन ॥ सियसमेतप्रभुवैठेउतापन ॥
 ॥ राजतनामसहितनामिनी ॥ मेनुअंगजनुघनदामिनी ॥
 ॥ उचिनविमानचलेउअतिश्रानु ॥ कीन्हसुमनबहिहनषेसुन ॥
 ॥ परमसुखदचलिविविधवयानी ॥ सागरसनिसरनिर्मलवानी ॥
 ॥ सगुनहोहिंसुंदरचहुंपासाणा ॥ मनप्रशन्ननिर्मलननआसा ॥
 ॥ कहनघुवीनदेखुनसीताणा ॥ लछिमनइहांहतेउइंद्रजीता ॥
 ॥ हनुमानअंगदकेमानेआणा ॥ ननमहुंपनेनिसाचननाने ॥
 ॥ कुंनकरननावनदोउन्नाई ॥ इहांहतेसुनमुनिदुषदाई ॥
 ॥ दोहायहुदेखहुसुंदरसेतुजहंथापेउंशिवसुषधाम ॥
 ॥ सीतासहितकृपायतनशंभुहिकीन्हप्रनाम ॥
 ॥ जहंतहंकुनासिंधुवनकीन्हवासविश्राम ॥
 ॥ सकलदिखाप्रेजानकिहिकहेसकलकेनाम ॥१७८॥
 ॥ चौसपदिविमानतहंचलियावा ॥ दंडकवनजहंपरमसोहावा ॥
 ॥ कुंनजादिमुनिनायकनाना ॥ गऐउनामसबकेअस्थाना ॥
 ॥ सकलनिधिन्हसनपाइअसीसा ॥ चित्रकूटआऐउजगदीसा ॥
 ॥ तहंकनिमुनिन्हकेनसंतोखाणा ॥ चलेउविमानतहंतैचोषा ॥

॥ बहुनिनामजानकिहिदिखाई ॥ जमुनाकलिमलहननिसोहराई ॥
 ॥ पुनिदेखीसुनसनीपुनीता ॥ नामकहेउप्रनामुकनुसीता ॥
 ॥ तीनथपतिपुनिदीषप्रयाग ॥ देखतजन्मकोटिअधनाग ॥
 ॥ देखुपनमपावनिपुनिवेनी ॥ हननिशोकसुनलोकनिसेनी ॥
 ॥ देखहुअवधपुनीअतिपावनि ॥ विविधितापनवनोगनसावनि ॥
 ॥ दोहातवनधुनायकश्रीसहितअवधहिकीन्हप्रनाम ॥
 ॥ सजलविलोचनपुलकतनपुनिपुनिहनखेउनाम ॥
 ॥ बहुनित्रिवेनीआइप्रभुहनधितमज्जनकीन्हगागा ॥
 ॥ कपिन्हसमेतमहिसुनन्हकहंदानविविधविधिदिन्ह ॥
 ॥ चौप्रभुहनुमंतहिकहेउबुहाई ॥ धनिवटुनूपअवधपुनजाई ॥
 ॥ मनतहिकुशलहमापिसुनोएहु ॥ समाचानलेतुमचलिआयेहु ॥
 ॥ तुनितपवनसुततवचलिभयेउ ॥ तवप्रभुभनदाजपीहिंगऐउ ॥
 ॥ नानाविधिमुनिपूजाकीन्हगागा ॥ अस्तुतिकनिमुनिअसिषदिन्ह ॥
 ॥ पुनिपदवंदिजुगुलकनजोनी ॥ बछिविमानप्रभुचलेवहोनी ॥
 ॥ इहोनिषादसुनेउंहनिआये ॥ नावनावकहिलोगवोलाये ॥
 ॥ सुनसनिनाधिजानजवआवा ॥ उतनेउतटप्रभुआयसुपावा ॥
 ॥ तवसीतापूजीसुनसनीगागा ॥ बहुप्रकानपुनिचननरूपनी ॥
 ॥ दोन्हिअसीसहनधिमनगंगा ॥ सुंदरितवअहिवातअनंगगा ॥
 ॥ सुनिगुहचलेउसपदिप्रेमाकुल ॥ आऐउनिकटपनमसुषसंकुल ॥
 ॥ प्रभुहिविलोकिसहितवेदेही ॥ पनेउअवनितलसुधिनहितेही ॥
 ॥ प्रीतिपनमविलोकिनधुनाईगा ॥ हनखिउठाइलियेउउनलाई ॥
 ॥ छंदलियोहृदयलायकपानिधानसुजाननायनमापती ॥
 ॥ वैठापिपनमसमीपबूहीकुशलसोकनिवीनतीगा ॥
 ॥ अवकुशपदपंकजविलोकिविनंचिशंकनसेविजे ॥
 ॥ सुषधामपूननकामनामनमामिनामनमामितेगा ॥
 ॥ सवन्नोतिअधमनिषादसोहनभनतज्योउनलाईयो ॥
 ॥ मतिमंदतुलसीदाससोप्रभुमोहवसविसनाइयोगा ॥

लंका०

॥४२॥

॥ यद्वावनानिचित्रपावननामपदनतिप्रदसदागणा ॥
 ॥ कामादिहृन्विज्ञानकनसुनसिद्धमुनिगावहिंमुदागणा ॥
 ॥ दोहा समनविजयनघुपतिचरितसुनहिंजेसदासुजान ॥
 ॥ विजयविवेकविभूतिनतितितिरुहिदेहिन्नगवान ॥ १८० ॥
 ॥ यद्कलिकालमलायतनमनकनिदेशुविचारगणा ॥
 ॥ श्रीनघुनायकनामतजिनहिकधुश्रानश्रधान ॥ १८० ॥
 ॥ इतिश्रीनामचनितमानसेसकलकलिकलुषविध्वंसनेविमल ॥
 ॥ विज्ञानसंपादिनीनामषष्ठोसोपान ॥ समाप्तः ॥ लंकाकांडसमा ॥
 ॥ प्रः शुभमस्तु ॥ संवत् ॥ १८५१ ॥ समयन्नाइपदेमासेशुक्लपक्षेद्विती ॥
 ॥ यायावुधौ ॥ लिखितमिदं पुस्तकं पांडेसदाशिवेन ॥ श्रीमत्तंगोसाई ॥
 ॥ हेमगिनिमहंतस्य पठनार्थं शुभं भूयात् ॥ रामरामरामरामराम ॥

॥ श्रीगणेशायनमः ॥ श्रीमत्तन्नामानुजायनमः ॥ श्रीजानकीवल्लभो ॥
 ॥ विजयते ॥ ॥ केकीकंठाननीलसुनवरविलसद्विप्रपादाब्जचिन्हं सो ॥
 ॥ नाख्यपीतवस्त्रसरसिजनयनं सर्वदा सुप्रसन्नं ॥ पाणौ नाराचचापं ॥
 ॥ कपिनिकनपुतं वंधुना सेव्यमानं नौमीड्यं जानकीशं नयुवनमनिशं ॥
 ॥ पुष्पाकाररुचिरं ॥ १ ॥ कौशलेन्द्रपदकंजमंजुलोकमलजो निमहेशवं ॥
 ॥ दितौ ॥ जानकीकरसरोजलालितोचितकस्यमनभंगसंगिनौ ॥ २ ॥
 ॥ कुंदइंदुवनगौरसुंदरं श्रविकापतिमभीष्टसिद्धिदं ॥ कारुणिककल ॥
 ॥ कंजलोचनं नौमिशं करमनंगमोचनम् ॥ ३ ॥ रामरामरामरामराम ॥

॥ दोहा ॥ नहो एकदिन अवधिक न अति आनु न पुन लोग ॥
 ॥ जहंत हं सो चाहिं नापिन न कृशत नु नाम वियोग ॥ ॥
 ॥ सगुन होहिं सुंदर सकल मन प्रसन्न सब के ॥ ॥
 ॥ प्रभु आगमन जनाव जनु न गल न मरु न के ॥
 ॥ कौशल पादिक मातु सब मन अनंद अस होइ ॥ ॥
 ॥ आऐउ प्रभु सिय अनुज गुत कहन चहत अव कोइ ॥
 ॥ मन तनय ननु जदहि न फन कत वानहि वान ॥ ॥
 ॥ जानि सगुन मन न हन्य अतिलगे कन विचान ॥ ॥
 ॥ चौ नहेउ एकदिन अवधि अधारा ॥ समुह तम न दुष न ऐउ अपारा ॥
 ॥ कानन कवन नायनहि आऐउ ॥ जानि कुटिल किधौ मेहि विस न ऐउ ॥
 ॥ अहो धन्य लछिमन वड जागी ॥ नाम पद न विंद अनु रागी ॥ ॥
 ॥ कपटी कुटिल मोहि प्रभु चीन्हा ॥ तातें नाथ संग न हिली न्हा ॥ ॥
 ॥ जो कननी समुहहि प्रभु मोनी ॥ नहि निस्तान कल पशत कोनी ॥
 ॥ जन अवगुन प्रभु मानन काउ ॥ दीन वंधु अति मृदुल सुजाउ ॥ ॥
 ॥ मेने जिय नरो सह सौइ ॥ मिलि हहिं नाम सगुन शुन होइ ॥
 ॥ दीतें अवधि न हइ जौ प्राना ॥ अधम कवन जग मोहि समाना ॥
 ॥ दोहा ॥ नाम विन हसागर महुं न नत मगन मन होत ॥
 ॥ विप्र रूप धनि पवन सुत आइ गऐउ जनु पोत ॥ ॥
 ॥ बैठे देखि कुशासन जटामुकुट कृशागात ॥ ॥
 ॥ नाम नाम नयुपति जपत अवत नयन जल जात ॥ ॥

उत्तर०

॥१॥

॥ देखत हनुमान अति हनये उगा ॥ पुलक गात लोचन जल वनये उगा ॥
 ॥ मनमहं बहु त भौति सुख मानी ॥ बोले उग्रवन सुधा समवानी ॥
 ॥ जासु विनह सोचहु दिन नाती गागा ॥ नटहु निनंत न गुन गन पाती ॥
 ॥ नधु कुलति कल सुजन सुख दाता ॥ आये उकुशल देव मुनि ज्ञाता ॥
 ॥ निपुन न जीति सुज सुमुन गावत ॥ सीता अनुज सहित प्रभु आवत ॥
 ॥ सुनत वचन विसने सब दूषा गागा ॥ तया वंत जनु पाइ पियूषा गागा ॥
 ॥ कोतु मृतात कहैं ते आये उगा ॥ मोहि पनम प्रिय वचन सुनाये उगा ॥
 ॥ मानुत सुत मै कपि हनुमाना ॥ नाम मोन सुनु कृपा निधाना ॥
 ॥ दीनबंधु नधु पतिक न किंकन गागा ॥ सुनत मन तनै उठै सादन ॥
 ॥ मिलत प्रेम नहि हृदय समाता ॥ नयन अवत जल पुलकित गाता ॥
 ॥ कपित वदन शसक लदुष वीते ॥ मिले उआजु मोहिना भस प्रीते ॥
 ॥ वानवान वृष्टि कुशलाता गागा ॥ तो कहैं देउं काहु सुनु ज्ञाता गागा ॥
 ॥ ऐह संदेश सनि सजग माहि ॥ कनि विचार देखे उंक धुनाहि ॥
 ॥ नाहिन तात उनि न मै तोहि गागा ॥ अव प्रनु चरित सुनावहु मोहि ॥
 ॥ तव हनुमंत नाइ पद माथा गागा ॥ कहे उस कल नधुवन गुन गाथा ॥
 ॥ कहुक पिकवहुं कृपाल गोसांई ॥ सुमि नहिं मोहि दास की नाई गागा ॥
 ॥ छंद निज दास ज्यौं नधुवंश भूषन कवहुं मम सुमिन न कथ्यो ॥
 ॥ सुनिन नत वचन विनीत अतिकपि पुलकित न वन रूप्यो ॥
 ॥ नधुवी न निज मुख जासु गुन गन कहत अगज गनाथ जो ॥
 ॥ काहे न होइ विनीत पनम पुनीत सद्गुन सिंधु सो गागा ॥
 ॥ दोहा राम प्रान प्रिय नाथ तुम्ह सत्य वचन मम तात ॥
 ॥ पुनि पुनि मिलत मानत सुनि हृदय मरुद स समात ॥
 ॥ सो नरा मन तव न शिनु नाइ ॥ तुनत गऐ उकपि नाम पीहि ॥
 ॥ कही कुशल सब जाइ ॥ हनधि चले उ प्रभु जान बलि ॥
 ॥ जौ हनधि न त कोशल पुन आये ॥ समाधान सब गुन हि सुनाये गागा ॥
 ॥ पुनि मंदिन महं वात जनाई गागा ॥ आवत नगन कुशल नधुनाई गागा ॥
 ॥ सुनत सकल जननी उठि धाई ॥ कहि प्रनु कुशल ननत समुहंई ॥
 ॥ यमाना न पुन बसि नृपाये गागा ॥ नन अनुना निहनधि सब धाये ॥

॥ दधिदुर्वीरोवनफलफूलाणां ॥ नवतुलसीदलमंगलमूला ॥ ॥
 ॥ ननिमनिहेमथानवननामिनि ॥ गावतचलीसिंधुनगतिगामिनि ॥
 ॥ जोजेसैंतैसैंहिं उठिधावहिंणा ॥ बालवृद्धकहंसंगनलावहिंणा ॥
 ॥ ऐकऐकनृकहूवृहहिंनार्द्र ॥ तुम्हदेखेदयालनधुनार्द्र ॥
 ॥ अवधपुनीप्रनुआवतजानी ॥ नईसकलशोनाकइषानी ॥
 ॥ वहइसुहावनित्रिविधसमीना ॥ नईसनजूअतिनिर्मलनीना ॥

॥ दोहा ॥ हनखितगुनपमिजनअनुजचूसुनबंदसमेत ॥

॥ चलेननतमनप्रेमअतिसनमुखकृपानिकेत ॥

॥ वहुतकचछिअटपिन्हनिनयहिंगगनविमान ॥

॥ देखिमधुनसुनहनखितकरहिंसुमंगलगानाणा ॥

॥ माकाशाशिनधुपतिपुनीसिंधुदेखिहनषानाणाणा ॥

॥ वढेउकुलाहलकरतजननानितनंगसमान ॥ ३ ॥

॥ चौइहांआनुकुलकमलदिवाकर ॥ कपिन्हदेखावतनगनसुधाकर ॥

॥ सुनुकपीसअंगदलंकेशाणाणा ॥ पावनपुनीनुचिनयहदेशाणा ॥

॥ जद्यपिसबवैकुंठवषानाणा ॥ वेदपुरानविदितजगजानाणा ॥

॥ अवधपुनीसमप्रियनहिलेऊ ॥ यहप्रसंगजानइकोउकोउ ॥

॥ जन्मभूमिममपुनीसुहावनि ॥ उत्तरदिशिबहसनजूपावनि ॥

॥ जेहिमज्जनतैविनहिंप्रयासा ॥ ममसमीपनरपावहिंवासा ॥

॥ अतिप्रियमोहिइहांकरवासी ॥ ममधामदापुनीसुषनासी ॥

॥ हनखेसबकपिसुनिप्रनुवानी ॥ धन्यअवधजेहिनामवषानी ॥

॥ दोहा ॥ आवतदेखेलोगसबकृपासिंधुनगवान ॥

॥ नगरनिकटप्रनुप्रेनेउउतनेउनूमिविमान ॥

॥ उतनिकहेउप्रनुपुष्यकहितुम्हकुवेनपहिंजाहु ॥

॥ प्रेतिनामचलेउसोइहनखविनहअतिताहु ॥

॥ सधनचोरमगमुदितमनधनीगहीज्योफैट ॥

॥ ल्योसुग्रीवविनीषनहिंनईनरतसोनेट ॥ ४ ॥

॥ चौआयेनरतसंगसबलोणा ॥ कशतनश्रीनधुवीनवियोगाणा ॥

॥ वामदेववसिष्ठमुनिनायक ॥ देखेप्रनुमहिधनिधनुसायकणा ॥

॥ धाइधनेगुनचरनसरोनुह ॥ अनुजसहितअतिपुलकतनोनुह ॥
 ॥ भैंटिकुशलबूहीमुनिनायाणा ॥ हमनेकुशलनुम्हारीदायाणाणा ॥
 ॥ सकलद्विजनकहंनोएउमाथा ॥ धरमधुनंधनरघुकुलनायाणा ॥
 ॥ गहेननतपुनिप्रनुपदपंकज ॥ नमतजिन्हिंसुनमुनिशंकनअज ॥
 ॥ पेनेभूमिनहिउठतउठायेणा ॥ वनकनिकृपासिंधुउनलायेणा ॥
 ॥ स्पामलगातनोमनयेठाछे ॥ नवनाजीवनपनजलवाछेणा ॥
 ॥ छंदराजीवलोचनअवतजलतनललितपुलकावलिवनी ॥
 ॥ अतिप्रेमहृदयलगाइअनुजहिमिलेप्रनुप्रिनुवनधनी ॥
 ॥ प्रनुमिलतअनुजीहिसोहमोपहिंजातनहिउपमाकहिथ ॥
 ॥ जनुप्रेमअनुसिंगानतनुधरिमिलेवनसुषमालहिणाणा ॥
 ॥ बूहतकृपानिधिकुशलन्नतहि वचनवेगिनआवई ॥
 ॥ सुनुशिवासोसुखवचनमनेतेंनिन्नजानसोपावईणा ॥
 ॥ अवकुशलकौशलनाथआनतजानिजनदनसनदियो ॥
 ॥ बूडतविनहवारीसकृपानिधानमोहिकनगाहिलियो ॥
 ॥ दोह ॥ पुनिप्रनुहनीधिशत्रुहनेतेउहृदयलगाइणा ॥
 ॥ लछिमनननतमिलेतवपरमप्रेमदोउनाइणा ॥ ५ ॥
 ॥ चौभनतअनुजलछिमनपुनिनेटे ॥ दुसहविनहसंनवदुषमेटे ॥
 ॥ सीताचननननतशिनुनावाणा ॥ अनुजसमेतपनमसुषपावा ॥
 ॥ प्रनुविलोकिहनेषेपुनवासीणा ॥ जनितवियोगविपीतसवनसी ॥
 ॥ प्रेमातुनसवलोगनिहनीणा ॥ कौतुककीन्हकृपालखनानी ॥
 ॥ अमितरूपप्रगटेउतेहिकाला ॥ जथाजोगामिलेसबहिकृपाला ॥
 ॥ कृपाइष्टिनघुवीनविलोकी ॥ किऐउसकलनननानिविसोकी ॥
 ॥ छनमहिंसवहामिलेनगवाना ॥ उमामनमुयहकाहूनजाना ॥
 ॥ ऐहिविधिसवहिसुधीकनिनामा ॥ आगैचलेउशीलगुनधामा ॥
 ॥ कौशल्यादिभातुसवधांईणा ॥ निनधिवधजनुधेनुलवांई ॥
 ॥ छंद ॥ जनुधेनुवालकवधतजिगहचरनवनपनवसगई ॥
 ॥ दिनअंतपुननुषअवतथनहुंकानकनिधावतनई ॥
 ॥ अतिप्रेमप्रनुसवमातुनैटीवचनमदुबहुविधिकहे ॥

॥ गइविषमविपतिवियोगनवतिरुहयसुषत्रगनितलोहे ॥
 ॥ दोहा चेटेउतनयसुमित्रानामचननरतिजानि ॥
 ॥ नामहिमिलतकैकेई हृदयवहुतसकुचानि ॥
 ॥ लछिमनसवमानुमिलिहयेश्रासिषपाइ ॥
 ॥ कैकेईकहंपुनिमिलेमनकनछेनुनजाइ ॥ ६ ॥
 ॥ जोसासुनसवनिमिलीवेदेही ॥ चननरुलागिहयश्रुतितेही ॥
 ॥ देहिअसिसवूहिकुशलाता ॥ होउअचलतुम्हानअहिवाता ॥
 ॥ सवनधुपतिमुखकमलविलोकै ॥ मंगलजानिनयनजलनैकै ॥
 ॥ कनकथानअनतीउतानहि ॥ वानवानप्रभुगातनिहानहि ॥
 ॥ नानाभौतिनिष्ठावनिकनहि ॥ पनमअनंदहयउनननहि ॥
 ॥ कौशल्यापुनिपुनिनधुवीनहि ॥ चितवतिकृपासिंधुनधीनहि ॥
 ॥ हृदयविचारतिवानहिवाता ॥ कवनभौतिलंकापतिमाता ॥
 ॥ अतिसुकुमानजुगलमेनेवाने ॥ निसिचरसुनटमहावलनाने ॥
 ॥ दोहा लछिमनअनुसीतासहिप्रभुहिविलोकतमात ॥
 ॥ पनमअनंदमगनमनपुनिपुनिपुलकितगात ॥ ७ ॥
 ॥ चौलंकापतिकपीशनलनीला ॥ जामवंतअंगदशुनशीलागा ॥
 ॥ हनुमदादिसववाँननवीनागा ॥ धनैमनोहनमनुजशनीनागा ॥
 ॥ जनतसनेहशीलव्रतनेमा ॥ सादनसववननहिअतिप्रेमा ॥
 ॥ देखिनगनवासिरुकेनीती ॥ सकलसनाहीहंप्रनुपदप्रीती ॥
 ॥ पुनिनधुपतिसवसखाबुलाए ॥ मुनिपदलागहुसकलसिखाए ॥
 ॥ गुनवसिषकुलपूजिहमाने ॥ इरुकीकृपादनुजननमाने ॥
 ॥ ऐसवसखासुनहुमुनिमेने ॥ नऐसमनसागनकहंवेनेगा ॥
 ॥ ममहितलागिजन्मइरुहाने ॥ ननतहुतैमोहिअधिकपियाने ॥
 ॥ सुनिप्रभुवचनमगनसवनऐ ॥ निमिषनिमिषउपजतसुषनऐ ॥
 ॥ दोहा कौशल्याकेचननरुपुनितिरुनाऐउमाअगा ॥
 ॥ आसिषदीन्हैउहनधितुम्हप्रियममजिमिनधुनाथ ॥
 ॥ सुमनवद्विननसंकुलनवनचलेउसुखकंदगा ॥

॥ चढे अटारि नरुदेखी हैं नगन नानि नर वंद ॥ ८ ॥
 ॥ चौकंचन कलश विचित्र सेंवाने ॥ ॥ सवहिं धने सजि निज निज द्रवने ॥
 ॥ वंदनि वानपत्ता काकेतू गाणा ॥ ॥ सवनि वनापे उमंगल हेतू ॥ ॥
 ॥ वीथि नरु सकल सुगंध सिचाई ॥ ॥ गजमनि नचि वहुचौक पुनई ॥
 ॥ नाना नौति सुमंगल साजेणा ॥ ॥ हनधि नगर निसान वहुवाजे ॥
 ॥ जहंत हं नानि निष्ठा वनिकहिं ॥ ॥ देहिं असीस हनध उर भरहिं ॥
 ॥ कंचन थान आनती नाना गाणा ॥ ॥ जुवति नरु सजे करहिं शुभ गाना ॥
 ॥ करहिं आनती आनत हनकी ॥ ॥ नयु कुलक मल विपि नदिन ककि ॥
 ॥ पुनशोभा संपतिक ल्यानाणा ॥ ॥ निगम शेष सा नदा वधानाणा ॥
 ॥ तेउ यहच नित देखि ठगिन रहैं ॥ ॥ उमाता सुगुन नर किमि कहैं ॥
 ॥ दोहा नानि कुमुदिनी अवध सन नयु पति विन हदिनेश ॥
 ॥ अस्त नरै विकसत नई निनधि नाम नर केश गाणा ॥
 ॥ होहिं सगुन सुभ विविध विधि वाजहिं गगन निसान ॥
 ॥ पुनन नानि सनाथ कसि नवन चले नगवान ॥ ॥ ९ ॥
 ॥ चौ प्रभु जानी के केई लजानी ॥ ॥ प्रथम ता सुग्रह गऐ उन्नवानी ॥
 ॥ ताहि प्रवोधि वहुत सुख दीनरु ॥ ॥ पुनि निज नवन गवन हनिकी नरु ॥
 ॥ कृपा सिंधु तव मंदिन गऐणा ॥ ॥ पुनन नानि सुधी सव नयेणा ॥
 ॥ गुन वसिष्ठ दिजलिए बोलाई ॥ ॥ आजु सुघरी सुदिन सुख दई ॥ ॥
 ॥ सव दिज देहु हनधि अनुसासन ॥ ॥ नाम चंद्र वइठहिं सिंहासन ॥ ॥
 ॥ मुनि वसिष्ठ के वचन सुहाये ॥ ॥ सुनत सकल विप्र नरु अति नये ॥
 ॥ कहहिं वचन मृदु विप्र अनेका ॥ ॥ जग अति नाम नाम अति येका ॥
 ॥ अब मुनि वन विलंबन हिकी जे ॥ ॥ महानाज कहैं तिलक कनी जे ॥
 ॥ दोहा तव मुनि कहै उमुमंत सन सुनत चले उहनषाई ॥
 ॥ नय अनेक वहुवाजि गज तुनत सेंवाने नरु जाइ ॥ ॥
 ॥ जहंत हं धावन पठइ पुनि मंगल दरि विमगाइ ॥ ॥
 ॥ हनध समेत वसिष्ठ पद पुनि सिनुनाये उआइ ॥ ॥ १० ॥
 ॥ चौ अवध पुरी अति उचिर वनाई ॥ ॥ देव नरु सुभन वसिष्ठ हनिलाई ॥
 ॥ नाम कहै उसेवक नरु बोलाई ॥ ॥ प्रथम सख नरु अरु वा वहु जाई ॥

॥ मुनतवचनजहंतहंजनधाये ॥ सुग्रीवादितुनितअरुवाये ॥
 ॥ पुनिकउनानिधिजनतहंकाये ॥ निजकननामजटानिनंवाये ॥
 ॥ अरुवायेप्रभुतीनिउंनार्इ ॥ भक्तवधलकृपालनधुनार्इ ॥
 ॥ भनतभाग्यप्रभुकोमलतार्इ ॥ सेषकोटिशतसर्काहंनगार्इ ॥
 ॥ पुनिनिजुजटानामनिनवाये ॥ गुनअनुसासनमोगिअरुवाये ॥
 ॥ कनिमज्जनप्रभुभूषनसाजे ॥ अंगअनंगदेधिशतलाजे ॥
 ॥ दोहा सासुनसादनजानकिहिमज्जनतुनितकनाइ ॥
 ॥ दिव्यवसनवनभूषनअंगअंगसजेवनाइ ॥
 ॥ नामवामदिशिशेनितनमानूपगुनधानि ॥
 ॥ देखिमातुसबहनषहंजनमसुफलनिजजानि ॥
 ॥ सुनुषगेसतेहिअवसनब्रह्माशिवमुनिबंद ॥
 ॥ चछिविमानआऐसवसुनदेखनसुषकंद ॥ ११ ॥
 ॥ चौप्रभुविलोकिमुनिमनअनुगा ॥ तुनितदिव्यसिंहासनमागा ॥
 ॥ रविसमतेजसावननिनजार्इ ॥ वैठेनामद्विजनसिनुनार्इ ॥
 ॥ जनकसुतासमेतनधुनार्इ ॥ पेधिप्रहरषमुनिसमुदार्इ ॥
 ॥ वेदमंत्रतवद्विजन् उचोने ॥ नभसुनमुनिजयजैतिपुकारे ॥
 ॥ प्रथमतिलकवसिष्टमुनिकीन्हा ॥ पुनिसबविप्रन्हायसुदीन्हा ॥
 ॥ सुतविलोकिहन्धामहेतानी ॥ वानीहंवानआरतीउतानी ॥
 ॥ विप्रन्हादनविधिदिधिदीन्हे ॥ जाचकसकलअजाचककीन्हे ॥
 ॥ सिंहासनपनत्रिनुवनसार्इ ॥ देखिसुनन्हुडुनीवजार्इ ॥
 ॥ छंदनभंडुनीवाजहिंविपुलगंधर्वकिन्नरगावहीं ॥
 ॥ नौचहिंअपछराबंदपनमानंदसुनमुनिपावहीं ॥
 ॥ भनतादिअनुजविनीषनांगदहनुमदादिसमेतजे ॥
 ॥ गेहछत्रचामनव्यजनधनुअसिचनमशक्तिविनाजते ॥
 ॥ श्रीसहितदिनकनवंशभूषनकामबहुषविसोहई ॥
 ॥ नवअंबुधनवरगातअंबनपीतसुनमनमोहई ॥
 ॥ मुकुटांगदादिविचित्रभूषनअंगअंगरूपतिसजे ॥
 ॥ अंभोजनयनविशालउनभुजधन्यनरनिनयंतजे ॥
 ॥ दोहा ब्रह्मशोभासमाजसुषकहतनवनदृषगेस ॥

उत्तर०

॥ ४ ॥

॥ वननइसानदशेषश्रुतिसोनसजानमहेस ॥
 ॥ भिन्नभिन्नश्रुतुकरीगऐसुननिजतिजधाम ॥
 ॥ वंदीवेषवेदतवश्रुऐजहेश्रीरामाणाणा ॥
 ॥ प्रभुसर्वग्यकीन्हश्रुतिश्रादनकृपानिधान ॥
 ॥ लखेउनकाहूमनमयहलगेकननगुनगान ॥
 ॥ छंद जयसगुननिगुनरूपरूपश्रुनूपनूपशिनोमने ॥
 ॥ दशकंधरादिप्रचंडनिशिचनप्रवलषलभुजवलहने ॥
 ॥ श्रवतारननसंसारनानविभंजिदानुनदुषदहे ॥
 ॥ जयप्रनतपालदयालप्रभुसंजुक्तशक्तिनमामहे ॥
 ॥ तवविषमभायावससुनासुननागननश्रगजगहने ॥
 ॥ नवपंथश्रमतश्रमितिदिवसनिशिकालकर्मगुननिर्जने ॥
 ॥ जेनाथकनिकनुनाविलोकेत्रिविधदुषतेइनिर्वहे ॥
 ॥ नवषेदछेदनदछहमकहुंरक्षनामनमामहे ॥
 ॥ जेग्यानमानविमत्ततवभयहननिभक्तिनश्रादनी ॥
 ॥ तेयाइसुनदुर्लेनपदादपिपनतहमदेष्टतहनी ॥
 ॥ विस्वासकनिसवश्रासपनिहुनिदासतवजेइहोइनेहे ॥
 ॥ जपिनामतवविनुश्रमतनीहिनवनाथसोहमनामहे ॥
 ॥ जेचननशिवश्रजपूज्यनजसुभपनसिमुनिपतनीतनी ॥
 ॥ नखनिर्गतामुनिवंदितात्रैलोक्यपावनसुनसुनीणा ॥
 ॥ ध्वजकुलिशश्रकुशकंजजुतवनफिनतकंठककिनलेह ॥
 ॥ पदकंजदंढमुकुंदनामनमिसनित्यभजामहे ॥
 ॥ श्रव्यक्तमूलमनादितनुत्वचचापिनिगमागमभने ॥
 ॥ षटकंधसाषापंचवीसश्रनेकपननसुमनघनेणाणा ॥
 ॥ फलजुगुलविधिकटुमधुनर्वलिश्रकेलिजेहिश्रितनेह ॥
 ॥ पद्मवतफूलतनवलनितसंसारविटपनमामहे ॥
 ॥ जेब्रह्मश्रजमदैतमनुभवगम्यमनपनध्यावहींणा ॥
 ॥ तेकहहुजानहुनाथहमतवसगुनजसनितगावहीं ॥
 ॥ कनुनायतनप्रभुसदगुणकनदेवप्रह्वनमोंगहींणा ॥

॥ मनवचनकर्मविकानतजितवचननहमअनुनागहिं ॥
 ॥ दोहासवकेदेवतवेदहंविनतीकीन्हिउदानगा ॥
 ॥ अंतनध्याननयेपुनिगएउब्रह्मआगानगा ॥
 ॥ वैततेयसुनुशंनुतवआऐजहंनघुवीनगा ॥
 ॥ विनयकनतगदगदगिनाशूनिपुलकशरीन ॥ १३ ॥
 ॥ चौजयनामनमानमनंशमनं ॥ नवतापनयाकुलपाहिजनं ॥
 ॥ अबधेशसुनेशनमेशविनो ॥ शननागतमागतपाहिप्रनो ॥
 ॥ दशसीसविनाशनवीसनुजा ॥ कृतदूनिमहामहिन्नूनिनुजा ॥
 ॥ नजनीचनवंदपतंगनहेगा ॥ शनपावकतेजप्रचंडहेगा ॥
 ॥ महिमंडलमंडनचानुतनंगा ॥ धतसायकचापनिधंगवनं ॥
 ॥ मदमोहमहाममतानजनी ॥ तमपुंजदिवाकरतेजअनी ॥
 ॥ मनुजातकिनातनिपातकिऐ ॥ मगलोगकुचोगसनेनहिऐ ॥
 ॥ हतिनाथअनाथरिपाहिहने ॥ विषयावनपावननूलिपने ॥
 ॥ बहुनोगविपोगन्हिलोगहऐ ॥ नवदंधिनिनादनकेफलऐ ॥
 ॥ नवसिंधुअगाधपनेनने ॥ पदपंकजप्रेमनजेकनतेगा ॥
 ॥ अतिदीनमलीनदुखीनितहिं ॥ जिन्हकेपदपंकजप्रीतिनहिं ॥
 ॥ अबलंवन्नवंतकथाजिन्हके ॥ प्रियसंतअनंतसदातिन्हके ॥
 ॥ नहिनागनलोचनमानमानमदा ॥ तिन्हकेसमवैनववाविपदा ॥
 ॥ ऐहितैतवसेवकहोतमुदागा ॥ मुनित्यागतजोगननोससदा ॥
 ॥ कनिप्रेमनिनंतननेमलिए ॥ पदपंकजसेवतशुद्धहिऐ ॥
 ॥ सममाननिनादनआदरहीगा ॥ सबसंतसुधीविचनंतमहीगा ॥
 ॥ मुनिमानसपंकजनंगनजे ॥ नघुवीनमहाननधीनअजे ॥
 ॥ तवनामजपामिनमामिहनी ॥ नवनोगमहागदमानअनी ॥
 ॥ गुनशीलकृपापरमायतनंगा ॥ प्रनमामिनिनंतनश्रीनमनं ॥
 ॥ नघुनंदनिकंदयदंदधनंगा ॥ महिपालविलोकयदानजनं ॥
 ॥ दोहावानवानवरमांगडुं ॥ हनखिदेहुश्रीनंग ॥
 ॥ पदसरोजअनपायनीनक्तिसदासतसंग ॥
 ॥ वरनिउमापतिनामगुनहतीविगएउकेलास ॥

॥ तव प्रभु कपि नृदिवा एउस वविधि सुष प्रस्वास ॥१४॥
 ॥ चौ सुनुष गपति यह कथा पावनी ॥ त्रिविधिताप न वचन यदा वनी गा ॥
 ॥ महानाज कन शुभ अन्विषेका ॥ सुनत लहहि नन विनति विवेका ॥
 ॥ जे सकाम नन सुनी है जे गावहि ॥ सुष संपत्ति नाना विधि पावहि ॥
 ॥ सुन दुर्लेख सुष कनिज गमाहि ॥ अंतकाल न घुपति पुर जाहि गा ॥
 ॥ सुन सि विमुक्त विनक्त अविषई ॥ लहहि नक्ति गति संपत्ति नित नई ॥
 ॥ षगपति नाम कथा मै वननी ॥ स्वमति विलास त्रास दुष हरनी ॥
 ॥ विनति विवेक नक्ति दिख कननी ॥ मोहन दीक है सुंदर तननी गा ॥
 ॥ नित नव मंगल कोशल पुनी ॥ हन धित न हहि लोग सब कुनी ॥
 ॥ नित नई प्रीति नाम पद पंकज ॥ सब के जिन्ह है नमत सिव मुनि अज ॥
 ॥ मंगल बहु प्रकार पहिनाये गा ॥ दिजन दान नाना विधि पाये गा ॥
 ॥ दोहा ब्रह्मानंद मगन कपि सब के प्रभु पद प्रीति ॥
 ॥ जात न जाने दिवस ति नृग एमा सषट् बीति ॥१५॥
 ॥ चौ बिसने ग्रह सपने हुं सुधिनहि ॥ जिमि पन द्रोह संत मन माहि गा ॥
 ॥ तव न घुपति सब सखा बोलाये ॥ आइ सब नृसादन सिन नाये ॥
 ॥ पन म प्रीति समीप वै ठाने गा ॥ भगत सुष दम दुवचन उचाने ॥
 ॥ तुम्ह अतिकीहि मोनि सिव काई ॥ मुख पन केहि विधिकन उंवडाई ॥
 ॥ ताते मोहि तुम्ह अति प्रिय लागे ॥ मम हित लागि नवन सुष त्यागे ॥
 ॥ अनुज नाज संपत्ति वै देहा गा ॥ देह गेह पनि वान सनेही गा ॥
 ॥ सब मम प्रिय नहि तुम्ही है समाना ॥ मृषान कहहुं मोन यह बाना ॥
 ॥ सब के प्रिय सब कय हनीती गा ॥ मोनैं अधिक दास पन प्रीति ॥
 ॥ दोहा अवगृह जाहु सखा सब भजेहु मोहि दिखनै म ॥
 ॥ सदा सर्वगत सर्व हित जानिकनेहु अति प्रेम ॥१६॥
 ॥ चौ सुनि प्रभु वचन मगन सब भये ॥ कोहम कहं विस नित न गये गा ॥
 ॥ ऐकटक रहे जो निकन आगे गा ॥ सकहि न कछु कहि अति अनुगो ॥
 ॥ पन म प्रेम ति नृकन प्रभु देखा गा ॥ कह विविध विधि ग्यान विशेषा ॥
 ॥ प्रभु सन मुकषु कहि न पानहि ॥ पुनि पुनि चरन सरोजनि हारहि ॥
 ॥ तव प्रभु नृसख नव सन मंगाये गा ॥ नाना नंग अनूप सुहाये गा ॥

॥ सुग्रीवहिं प्रथमहिं पहिनाये ॥ वसनननतनिजहायवनायेगा ॥
 ॥ प्रभुप्रेनितलछिमनपहिनाये ॥ लंकापतिनघुपतिमननायेगा ॥
 ॥ अंगदवैठिनहेउनहिं डोला ॥ ॥ प्रीतिदेखिप्रभुताहिनबोलागा ॥
 ॥ दोहा जामवंतनीलादिसवपहिनायेउनघुनाथ ॥
 ॥ हियधनिनामसरूपसवचलेनाइपदमाथगा ॥
 ॥ तवअंगदउठिनाइशिनसजलनयनकनजोनि ॥
 ॥ अतिविनीतबोलेउवचनमनहुंप्रेमनसबोसि ॥ ७ ॥
 ॥ चौ सुनुसर्वग्यकृपासुखसिंधो ॥ दीनदयाकरअनतबंधो ॥ ॥ ॥
 ॥ मनतीवेननाथमोहिवालीगा ॥ गयेउतुम्हनेकोंछेद्यालीगा ॥
 ॥ असननसननविनदसंभारी ॥ मोहिजनितजहुनक्तहितकत्ती ॥
 ॥ मोनेतुम्हप्रभुगुनुपितुमाता ॥ जाउँकहैंतजिपदजलजाता ॥ ॥
 ॥ तुम्हहिंविचानिकहुहुनननाह ॥ प्रभुतजिन्नवनकाजममकाह ॥
 ॥ बालकग्यानबुधिवलहीना ॥ नाथहुशनननाथजनदीनागा ॥
 ॥ नीचटहलगहैकैसवकनिहउँ ॥ पदपंकजविलोकिन्नवतमिहउँ ॥
 ॥ असकहिचरनपनेउप्रभुपाहि ॥ अवजनिनाथकहुगुहजाहि ॥
 ॥ दोहा अंगदवचनविनीतमुनिनघुपतिकनुनासौब ॥
 ॥ प्रभुउठाइउनलाऐउसजलनयननाजीवागा ॥
 ॥ निजउनमालवसनमनिवालितनयपहिनाई ॥
 ॥ विदाकीन्हिनगवानतवबहुप्रकानसमुहार्इ ॥ १२ ॥
 ॥ चौ मनतअनुजसौमित्रिसमेता ॥ पठवनचलेनगतकृतचेता ॥ ॥
 ॥ अंगदहृदयप्रेमनहियोनागा ॥ फिनिफिनिचितवनामकीआसा ॥
 ॥ बानवानकनदंडप्रनामागागा ॥ मनअसनहनकहहिंमोहिनामा ॥
 ॥ नामविलोकनिबोलनिचलनी ॥ सुमिसुमिसोचतहंसिमिलनी ॥
 ॥ प्रभुउषदेखिविनयवहुनाथी ॥ चलेउहृदयपदपंकजनाथी ॥
 ॥ अतिआदनसवकपिपहुंचाये ॥ भाइरूसहितननतपुनिआये ॥
 ॥ तवसुग्रीवचननगहिनाना ॥ नक्तिविनयकीन्हिहनुमाना ॥ ॥
 ॥ दिनदशकनिनघुपतिपदसेवा ॥ पुनितवचननदेखिहउँदेवा ॥ ॥
 ॥ पुन्यपुंजनुम्हपवनकुमारगागा ॥ सेवहुजाइकृपाआगानागागा ॥

॥ अस कहि कहि सव चले तुनंता ॥ अंगद कहै उ सुनहुं हनुमंताणा ॥

॥ दोहा ॥ कहै इंदवत प्रभु हिसन तुम्हैं कहै उ कन जोनि ॥

॥ वानवान न घुनाय कहि सुनति कन एहु मोनिगाणा ॥

॥ अस कहि चले उवालि सुत फिरि आये उ हनुमंता ॥

॥ ता सुप्रीति प्रभु सन कहि मगन नये नगवंताणा ॥

॥ कुलिसहुं चाहि कहै ठो न अति कोमल कुसुमहुं चाहि ॥

॥ वित्त धरगे ससनाम कन समुहि पनै कहु काहि ॥ १८ ॥

॥ चौ पुनि कृपालिय बोलि निषादा ॥ दीन्है उ चूषन वसन प्रसादा ॥

॥ जाहु नवनम मसुमिन कने हू ॥ मन कर्म वचन धर्म अनुसने हू ॥

॥ तुम्ह मम सखा ननत मम भ्राता ॥ सदा रहेहु पुन आवत जाताणा ॥

॥ वचन सुनत उपजा सुख नारी ॥ पने उचन नन निलोचन वारी ॥

॥ चरन नलिन उर धनि ग्रह आवा ॥ प्रभु सुभा वपनि जन न सुनावा ॥

॥ न धुपति चनित सुनत पुन वारी ॥ पुनि पुनि कहैं धन्य सुख नारी ॥

॥ नाम राज वैठे त्रय लोकाणा ॥ हनयित नये गये सव शोकाणा ॥

॥ वय नुन कन काहू सन कोई ॥ नाम प्रताप विषमता सोई गा ॥

॥ दोहा ॥ वर्णाश्रम निज निज धन मनित वेद पथ लोग ॥

॥ चलहिं सदा पावहिं सुगति नहिं नय शोक न रोग ॥ १९ ॥

॥ चौ देहि को देविक नौतिकता पा ॥ नाम राज नहि काहु इव्या पा ॥

॥ सवन न करहिं पन सपर प्रीति ॥ चलहिं स्वधर्म निरत श्रुति नीति ॥

॥ चानि उचन न धर्म जग माहिं ॥ पूनि हास पनै हू अघ नाहिं गा ॥

॥ नाम नक्ति नत नन अनु नारी ॥ सकल पन मगति के अधिकारी ॥

॥ अल्प मृत्यु नहि कवनी डीपा ॥ सब सुंदर सब विन जशानी ॥

॥ नहि दिद्र को उदुषी न दीना ॥ नहि को उ अवुध न लक्ष न हीना ॥

॥ सवन न दंन धन मन त धुनी ॥ नन अनु नमि चतुन सब गुनी ॥

॥ सब गुण ज्ञ पंडित सब ज्ञानी ॥ सब कृतज्ञ नहिं कपट सयानी ॥

॥ दोहा ॥ नाम राज धरगे ससुनु सचराचर जग माहिं गा ॥

॥ काल कन मसुजा वगुन कृत दुष काहु हिना हिं ॥ २० ॥

॥ चौ नमि सप्त साग न मेघ लागा ॥ एक चूप न धुपति कोश लागा ॥

॥ भुवन अनेक नोम प्रतिजासूणा ॥ यह प्रनुता कछु बहुत नतासूणा ॥
 ॥ सोमहि मास मुहृत प्रनुकेनी ॥ यह वन नत हीन ता घनेनी ॥
 ॥ सोमहि मास गेस जिन्ह जानी ॥ पुनिय हचरित तित्तिन्ह नतिमानी ॥
 ॥ सो उजाने कन फल यह लीला ॥ कहहिं महामुनि वन दमशीला ॥
 ॥ नामना जकन सुष संपदाणा ॥ वननिन सके फनी ससानदाणा ॥
 ॥ सव उदान सव पन उपकानी ॥ विप्रचन नसे वकन नतानी ॥
 ॥ ऐकन निवत नत सव हनी ॥ ते मन वचक्रम पतिहित कानी ॥
 ॥ दोहा दंड जतिन्ह कन नेद जहं निरत कन त्यसमाज ॥
 ॥ जीतेहु मनहिं सुनिय अस नाम चंद्र केनाज ॥ २२ ॥
 ॥ चौ फूलहिं फूलहिं सदातनु कानन ॥ नहिं ऐक संग गज पंचानन ॥
 ॥ घगमग सहज वयनु विसनाई ॥ सव निपन सपन प्रीति वखाई ॥
 ॥ कूजहिं घगमग नाना वंदाणा ॥ अचरहिं वन कनीहिं अनंदा ॥
 ॥ सीतल सुननि पवन वह मंदा ॥ गुंजत अलिले चलि मकनंदा ॥
 ॥ लत विटप लागे मधु वह हीं ॥ मन नौ वतो धेनु पय अरु वहीं ॥
 ॥ ससि संपन्न सदान हृदय नी ॥ त्रेता न इकत जुग कइ कानी ॥
 ॥ प्रगटी गिनिन्ह विविध मनिषानी ॥ जगदात्मा नूप जग जानी ॥
 ॥ सनिता सकल वहहिं वन बानी ॥ सीतल अंबुखाद सुष कानी ॥
 ॥ सागन निज मन जादान हहीं ॥ डानहि नत तट निन नल हहीं ॥
 ॥ सनसिज संकुल सकल तडागा ॥ अति प्रसन्न दशदिशा विनागा ॥
 ॥ दोहा विधुमहि पून मयूष निरवित पजत न इकाज ॥
 ॥ मांगे वानिद देहिं जल नाम चंद्र केनाज ॥ २३ ॥
 ॥ चौ कोटिन्ह वाजिमेध प्रनुकीने ॥ दान अनेक द्विज न्हं दीने ॥
 ॥ अति पथपाल कधर्म धुनं धन ॥ गुनातीत अनुजोग पुनंदन ॥
 ॥ पति अनुकूल सदान हसीता ॥ शोभाषानि सुशील विनीता ॥
 ॥ जानति कृपासिंधु प्रनुताई ॥ सेवति चनन कमल मनुलाई ॥
 ॥ जद्यपि ग्रह सेवक सेव किनी ॥ विपुल सकल सेवाविधि गुनी ॥
 ॥ निजकन ग्रह पनिचन जाकन ई ॥ नाम चंद्र आय सुअनुसर ई ॥
 ॥ जेहि विधि कृपासिंधु सुष मानई ॥ सोइ कनसि य सेवाविधि जानई ॥

॥ कौशल्यादिसासुग्रहमाहिंणाना ॥ सेवइसर्वकृमानमदनहिंणा ॥
॥ उमानमाब्रह्मणिवंदिताना ॥ जगदंवासंतततमनिंदिताना ॥

॥ उमानमाब्रह्माणां वंदितगणा ॥ जगदंवासं तत्ततमनिंदितगणा ॥

॥ दोहा ॥ जासु कृपा कटाक्ष सुन चाहत चितवन सोइ ॥

॥ गमपदानविन्दनतिक्रान्तिसुभावाहियोऽ ॥ २४ ॥

॥ श्रीसेवहिं सानुकूलसबभाई ॥ नामचननरतिश्रुतिश्रुधिकारि ॥

॥ प्रभुमुषकमलविलोकत रहैं ॥ कवहुं कृपालु हमहि कंधु कहैं ॥

॥ नामक नहिं भ्रातान् रूप न प्रीति ॥ नाना भौतिसिखा वहिं नीतीणा ॥

॥ हन धित न हहि न गन के लोग ॥ क न हि स क ल सु न दु ल न भोग ॥

॥ अहनिमिविधिहिमनावतनहैं ॥ श्रीनयुवीनचनननतिचहैं ॥

॥ दुइसुतसंदनसीताजायेगा॥ लवकुशवेदपुराणनहगाये॥

॥ दोउ बिजई विनई गुन मंदिना ॥ हनि प्रति विं व मनहुं अति सुंदर ॥

॥ इइइइसुतसबभ्रातनकेनेगा ॥ भयेरूपगुनशीलघनेनेगा ॥

॥ अंगदचित्रकेतुल्यधिमनसुत ॥ तद्यकपुष्कलभरततनयभुत ॥

॥ सुबाहुशुश्रूतसेनकहाये ॥॥ ऐदोउनिपुस्तदनसुतगाएगा ॥॥

॥ शेषः ॥ ग्यानगिनागेति तत्तज्जमायाभनगुनपान ॥

॥ सोऽसच्चिदानंदधनकननचनितउदान ॥ २५ ॥

॥ चौ प्रत काल सन ज कनि मज्जन ॥ वैठ हिं सभा संग द्विज सज्जन ॥

॥ वेद पुनान वसिष्ठ वधानहिं गा ॥ सुनहिं नाम जद्यपि सब जानीहं ॥

॥ अनुजन्मसंजुत भोजन कनहीं ॥ देखि सकल जननी सुख भनहीं ॥

॥ मनत सत्रुह न दोन उं नार्इणा ॥ सहित पवन सुत उ पवन जाई ॥

॥ बृहद्देवतामगुनगाहाणा ॥ कहहनुमानसुमतिअवगाह ॥

॥ सुनत विमल गुन अति सुषणैव ॥ बहु निबहु नि कनि विनय कहैव ॥

॥ सर्वकेग्रहग्रहहोइपुनानागाणा ॥ रामचरितपावनविधिनाना ॥

॥ ननु अनुनामिनामगुणगानिहं ॥ कतहिं दिवसनिमिजातनजानिहं ॥

॥ दोहा ॥ अविधपुनीवासिन्हकनसुषसंपदासमाज ॥ ॥

॥ सहस्रशेस नहि कहि सकहि जहं नृप नाम बिनाज ॥ २६ ॥

॥ तौ नानदादिशनकादिमुनीसा ॥ दनसनलागिकौसिलाधीसा ॥

दिनप्रतिसकलम्रजोध्याग्रावीहं॥ देधिनगनुविनागुविसनावहिं॥

॥ जातरूपमनिनचित्तअटाणीगा ॥ नानांगनुचिनगचछाणीगा ॥
 ॥ पुनचहुं पासकोटअतिसुंदर ॥ नचेकगूनांगनंगवनगागा ॥
 ॥ नवग्रहनिनकनअनीकवनाई ॥ जनुधेनीअमनावतिअईगागा ॥
 ॥ महिवहुनंगनुचिनगचकाचा ॥ जोविलोकिमुनिवनमनवाचा ॥
 ॥ धवलधामकुपनननचुंवत ॥ कलशमनहुंरविशशिदुत्तिनिंदत ॥
 ॥ बहुमनिनचित्तहोषात्राजीहं ॥ ग्रहग्रहप्रतिमनिदीपविनाजहिं ॥
 ॥ छंदमनिदीपराजहिंनवनत्राजहिंदेहनीविदुमनची ॥ ॥
 ॥ मनिधंनभीतिविनचिविनीकनकमनिमनकतयची ॥
 ॥ सुंदरमनोहरमंदिनायतअतिनुचिनफटीकननचे ॥
 ॥ प्रतिदानदानकपाटपुनटवनाइवहुवजुनयचेगागा ॥
 ॥ दोहा बाउचित्रशाखाग्रहग्रहप्रतिलिखेवनाइगा ॥
 ॥ नामचनितजेनिनधिमुनितेमनलेहिंचोनाइ ॥ २७ ॥
 ॥ चौ सुमनवाटिकासवीहंलगार्डे ॥ विविधिजातिकनिजतनवनाई ॥
 ॥ लताललितवहुजातिमुहार्डे ॥ फूलहिंसदावसंतकीनाईगा ॥
 ॥ गुंजतमधुकनमुखनमनोहर ॥ मानुतत्रिविधसदावहसुंदर ॥
 ॥ नावायगवालकन्हिजिआये ॥ बोलतमधुनउडातसुहायेगा ॥
 ॥ मोनहंससानसपानावतगा ॥ नवनरूपनशोभाअतिपावत ॥
 ॥ जहंतहंदेखहिंनिजपनछंहिं ॥ बहुविधिकूजहिंनृत्यकनहिं ॥
 ॥ सुकसानिकापछावहिंवालक ॥ कहहुनामनघुपतिजनपालक ॥
 ॥ राजदुआनसकलविधिचारू ॥ बीथींचौहटनुचिनवजारूगा ॥
 ॥ छंदबाजाननुचिननवनैवनतवस्तुविनुग्रथपाइये ॥
 ॥ जहंरूपनमानिवासतहंकीसंयदाकिमिगाइयेगा ॥
 ॥ बैठेवजाजसराफवनिकअनेकमनहुंकुवेरतेगा ॥
 ॥ सबसुधीसबसंचनितसुंदरनानिनरशिसुजनठजे ॥
 ॥ दोहा उत्तरदिशिसनजूवहंनिर्मलजलगंजीन ॥
 ॥ बांधेघाटमनोहरखलपंकनहितीनागा ॥ २८ ॥
 ॥ चौ इनिफनाकनुचिनसोघाटा ॥ जहंजलपियहिंवाजिगजछाटा ॥
 ॥ पनिघटपनममनोहरनाना ॥ तहंनपुनुसकनहिंअस्ताना ॥

उत्तर०

॥ ८ ॥

॥ राजघाटसर्वविधि सुंदरवनगा ॥ मज्जहिंत होवन न चानिउ नन ॥
 ॥ तीनतीनदेवनरुके मेंदिनागागा ॥ बहुंदिशतिरुके उपवन सुंदर ॥
 ॥ कहें कहें सनितातीन उदासीगा ॥ बसहिं ग्यान न त मुनि संन्यासी ॥
 ॥ तीनतीन तुलसिका सुहाईगा ॥ बंद बंद बहु मुनिरुलगाईगा ॥
 ॥ पुन शोभा कछुवन निन जाई ॥ बाहिन न गन पन मनुचि नाईगा ॥
 ॥ देखत पुनी अखिल अघ नागा ॥ वन उपवन वापिका तडागागा ॥

॥ **धर** वापितडाग अनेक कूप मनोहरा यत सोहैं ॥

॥ सोपान सुंदर तीन निर्मल देखि सुन मुनि मोहैं ॥

॥ बहु रंग कंज अनेक घग कूजहिं मधुप गुंजार हैं ॥

॥ आनाम नम्य पिकादिषग न वजनु पथी कहैं कान हैं ॥

॥ **दोहा** नमानाय जहना जई सो पुन वरनिकि जाईगा ॥

॥ अनिमादिक सुष संपदान ही अवध सब छाई ॥ २८ ॥

॥ **चौ** जहैं तहें न न धुपति गुन गावहिं ॥ बैठि पन सपन इह इह सिखावहिं ॥

॥ न जहु प्रनत प्रतिपालक नामहिं ॥ सोनाशील रूप गुन धामहिं ॥

॥ जलज विलोचन स्यामलगातहि ॥ पलकन यन इव सेवक जातहि ॥

॥ धत शाननुचिन चापत्नी नहि ॥ संत कंज वन न विन नधी नहि ॥

॥ कालकनाल ब्याल घग नाजहिं ॥ नमत नाम अकाम ममता जहि ॥

॥ लोभ मोह मग जरथ किनातहि ॥ मनसि जकनिहि निजन सुषदातहि ॥

॥ संशय शोक निविउ तम जानुहि ॥ दनुज गहन घन दहन कृशानुहि ॥

॥ जनक सुता समेत न धुवी नहि ॥ कसन न जहु न जन न वनी नहि ॥

॥ बहु वासना मस कहि मनासिहि ॥ सदा ऐकन स अज अविनासिहि ॥

॥ मुनि न जन न जन महि मानहि ॥ तुलसि दास के प्रभुहि उदा नहि ॥

॥ **दोहा** ऐहिविधिन गन नानि न करहिं नाम गुन गान ॥

॥ सानु कूल सवपन रहिं संतत कृपा निधानगा ॥ ३० ॥

॥ **चौ** जव तै नाम प्रताप घगोसा ॥ उदित न ऐउ अति प्रवल दिनेशा ॥

॥ पूनि प्रकास रहे उतिहु लोका ॥ बहु तरु सुष बहु तन मन शोका ॥

॥ जिन्ह शोक ते कहैं वषानी ॥ प्रथम अविद्या निशान सानीगा ॥

॥ लक जहैं तहें लुकानें ॥ काम क्रोध के न वस कुचानें ॥

॥ विविधिकर्मगुनकालसुजाडु ॥ ऐचकोनसुखलहहिंनकाडु ॥
 ॥ मत्सनमानमोहमदचोनागा ॥ इन्हकनिवाहनकवनिहुंओना ॥
 ॥ धनमतडागग्यानविग्याना ॥ ऐपंकजविकसेविधिनानागा ॥
 ॥ सुषसंतोषविनागविवेकागा ॥ विगतशोकयद्रकोकअनेका ॥
 ॥ दोहा यहप्रतापनविजाकेंउरप्रभुकनइप्रकाश ॥
 ॥ पछिलेवाछहिंप्रथमजेकहेतेपावहिंनाश ॥ ३१ ॥
 ॥ चौआतन्हसहितनामऐकवाना ॥ संगपनमप्रियपवनकुमाना ॥
 ॥ सुंदरउपवनदेखनगऐगागा ॥ सवतनुकुसुमितपद्मवनऐ ॥
 ॥ जानिसमयसनकादिकआऐ ॥ तेजपुंजगुनशीलसुहाऐगागा ॥
 ॥ ब्रह्मानंदसदालयलीनागागा ॥ देखतवालकबहुकालीनागा ॥
 ॥ रूपधनेजनुचानिउवेदागागा ॥ समदनसीमुनिविगतविजेदा ॥
 ॥ आसावसनव्यसनयहतिरुं ॥ नधुपतिचरितहेहिंतहंसुनहिं ॥
 ॥ तहांनहेसनकादिनवानीगा ॥ जहंघटसंनवमुनिवनग्यानी ॥
 ॥ नामकथामुनिवनवहुवननी ॥ ग्यानजोनिपावकजिमिअननी ॥
 ॥ दोहा देखियाममुनिआवतहनधिदंडवतकीन्ह ॥
 ॥ स्वागतपूछिपीतपटप्रभुवैठनकहंदीन्ह ॥ ३२ ॥
 ॥ चौकीन्हदंडवततीनिउचाई ॥ सहितपवनसुतसुषअधिकाई ॥
 ॥ मुनिनधुपतिछविअतुलविलेकी ॥ नऐउमगनमनसकेनोकी ॥
 ॥ स्यामलगातसरोनुहलोचनगागा ॥ सुंदरतामंदिननवमोचनगागा ॥
 ॥ एकटकनहेनिमेषनलावहिं ॥ प्रभुकनजोरेसीसनवावहिं ॥
 ॥ तिन्हकइदशादेखिनधुवीनागागा ॥ अवतनयनजलपुलकशनीना ॥
 ॥ कनगहिप्रभुमुनिवनवयठानेगा ॥ पनममनोहनवचनउचाउचाने ॥
 ॥ आजुधन्यमइसुनहुंमुनीसागा ॥ तुम्हनेदनशजहिअघषीसा ॥
 ॥ वडेचागपाइयसतसगागागागा ॥ विनहिंप्रयासहोहिंनवजंगा ॥
 ॥ दोहा संतसंगअपवर्गकनकामीनवकनपंथ ॥
 ॥ कहहिंसंतकविकोविदश्रुतिपुरानसदग्रंथ ॥ ३३ ॥
 ॥ चौसुनिप्रभुवचनहनधिमुनिचानी ॥ पुलकिततनअस्तुतिअनुसानी ॥
 ॥ जयजगवंतअनंतअनामयगा ॥ अनघअनेकऐककनुनामयगा ॥

॥ ८॥

उत्तर०

॥ जयनिर्गुनजयजयगुनसागन ॥ सुषमंदिनसुंदरश्रुतिनागन ॥
 ॥ जयइंदिरानमनजयनूधन ॥ श्रुतिअनूपअनादिशेनाकन ॥
 ॥ रपाननिधानअमानमानप्रद ॥ पावनसुजसपुरानवेदवद ॥
 ॥ तत्तत्कृतश्रुतांजनजन ॥ नामअनेकअनामनिनंजन ॥
 ॥ सर्वसर्वगतसवउनशालय ॥ वसहुसदाहमकहुं पतिपालय ॥
 ॥ दंदविपतिनवफंदविभंजय ॥ हियवसिनामकाममदगंजय ॥
 ॥ **हेहा** पनमानंदरूपायतनमनपनि पूजनकाम ॥

॥ प्रेमभक्तिअनपायनीदेहुहमहिं श्रीनाम ॥ ३४ ॥

॥ **चौ** देहुभक्तिनघुपतिश्रुतिपावनि ॥ त्रिविधतापनवदापनसावनि ॥
 ॥ प्रनतपालसुनधेनुकलपतनु ॥ होइप्रसन्नदीजेप्रभुयहवनु ॥
 ॥ नववारिधिकुंनजनघुनायक ॥ सेवतसुलनसकलसुषदायक ॥
 ॥ मनसंनवदानुनदुषदानय ॥ दीनबंधुसमताविस्तानय ॥
 ॥ आसत्रासइनयादिनिवानक ॥ विनयविवेकविनीतिविस्तानक ॥
 ॥ नूपमोहिमनिमंडनधननी ॥ देहिभक्तिसंस्तिसनितननी ॥
 ॥ मुनिमनमानसहंसनिनंतन ॥ चननकमलवंदितअजशंकन ॥
 ॥ नघुकलकेतुसेतुश्रुतिनष्टक ॥ कालकर्मसुभावगुनभक्षक ॥
 ॥ तावनतननहननसवदूषन ॥ तुलसीदासप्रभुत्रिभुवनभूषन ॥
 ॥ **हेहा** वानवानश्रुतिकनिप्रेमसहितसिननाइ ॥

॥ ब्रह्मनवनसनकादिगैश्रुतिअनीष्टवनपाइ ॥ ३५ ॥

॥ **चौ** सनकादिकविधिलोकसिधारे ॥ ज्ञातनूनामचननसिननाए ॥
 ॥ श्रेष्ठतप्रभुहिसकलसकुचाहैं ॥ चितवहिसवमाउतसुतपाहैं ॥
 ॥ सुनैचहैं प्रभुमुखकइवानी ॥ जोसुनिहोइसकलभ्रमहानी ॥
 ॥ अतनजामीप्रभुसवजानाणा ॥ ब्रह्मतकहहुकाहनुमानाणा ॥
 ॥ जोनिपानिकहतवहनुमंता ॥ सुनहुं दीनदयालभगवंता ॥
 ॥ नाथजनतकछुंछनचहैं ॥ प्रभुकरतमनसकुचतअहैं ॥
 ॥ नुम्हजानहुकपिमोनसुभाउ ॥ मनतहिमोहिकछुअतनकाउ ॥
 ॥ सुनिप्रभुवचनजनतगहचरना ॥ सुनहुं नाथप्रनतानतहनना ॥

॥ दोहा ॥ नाथनमोहिसंदेहकछुसपनेहुसोकनमोह ॥
 ॥ केवलकृपातुम्हानिहियकृपानंदसंदोहणा ॥ ३६ ॥
 ॥ चौकनहुंकृपानिधिऐकछिडाई ॥ मैसेवकतुम्हजनसुखदाईगाणा ॥
 ॥ संतनूकेमहिमानधुनाईगाणा ॥ बहुविधिवेदपुनाननूगाईगाणा ॥
 ॥ श्रीमुखतुम्हपुनिकीन्हिवडाई ॥ तिरूपनप्रभुहिप्रीतिअधिकदाई ॥
 ॥ सुनाचहुउंप्रभुतिनूकनलखन ॥ कृपासिंधुगुनग्यानविचछनाणा ॥
 ॥ संतअसंतनेदविलगाईगाणा ॥ प्रनतपालमोहिकहहुबुहाईगाणा ॥
 ॥ संतनूकेलखनसुनुनाता ॥ अगनितश्रुतिपुनानविष्ठाता ॥
 ॥ संतअसंतनूकेअसिकननी ॥ जिमिकुठानचंदनआचननीगाणा ॥
 ॥ काटेहुपरसुमलयसुनुनाई ॥ निजगुनदेइसुगंधवसाईगाणा ॥
 ॥ दोहा ॥ तातेसुनसीसन्चळतजगवल्लभश्रीखंड ॥
 ॥ अनलदाहिपीटतधनरूपनशुवदनपरहंदड ॥ ३७ ॥
 ॥ चौविषयअलंपटशीलगुनाकन ॥ पनदुषदुषसुषसुषदेखेपनगाणा ॥
 ॥ समअभूतनिपुविषयविनागी ॥ लोभाभनधहनधनयत्यागीगाणा ॥
 ॥ कोमलचितदीनरूपनदाया ॥ मनवचक्रमममभक्तिअमायागाणा ॥
 ॥ सवहिमानप्रदआपुअमानी ॥ भनतप्रानसमममतेइप्रानीगाणा ॥
 ॥ विगतकामममनामपनायन ॥ शांतिविनतिविनतीमुदितायन ॥
 ॥ सीतलतासनलतामयत्री ॥ द्विजपदप्रीतिधनमजनयत्रीगाणा ॥
 ॥ येसवलखनवसहिंजासुउन ॥ जानेहुतातसंतसंततफुनगाणा ॥
 ॥ शमदमनियमनीतिनहिडोलीहिं ॥ पनुषवचनकवहंनहिवोलीहिं ॥
 ॥ दोहा ॥ निंदअस्तुतिउभयसमममताममपदकंज ॥
 ॥ तेसज्जनममप्रानप्रागुनमंदिनसुषपुंज ॥ ३८ ॥
 ॥ चौसुनहुंअसंतनूकेनसुनाउ ॥ नूलेहुंसंगतिकनहिंनकाउ ॥
 ॥ तिरूकनसंगसदादुषदाई ॥ जिमिकपिलइघालइहनिहाई ॥
 ॥ चलनहुदयअतितापविशेकी ॥ जनहिंसदापनसंपतिदेखाणा ॥
 ॥ जहंकहुंनिंदासुनहिंपनाईगाणा ॥ हनधहिंमनहुंपरीनिधिपाई ॥
 ॥ कामक्रोधभदलोन्नपनायन ॥ निर्दयकपटीकुटिलमलायन ॥
 ॥ बयनुअकाननसवकाहूसौ ॥ जोकनहितअनहितताहूसौ ॥

॥ हँ हँ इलेना हँ हँ देना ॥ ॥ हँ हँ नो जन हँ हँ च वे ना ॥ ॥

॥ वो लहिं मधुन वचन जिमि मोना ॥ ॥ यहिं महा अहि हृदय कठो ना ॥ ॥

॥ दोहा ॥ पन दोहा पन दान न त पन धन पन अपवाद ॥

॥ तेन न पावन पाप मय देह धने मनु जाद ॥ ॥ ३८ ॥

॥ चौ लो न इओ छन लो नै डासन ॥ ॥ सिस्त्रो दन पन जम पुन चासन ॥ ॥

॥ का हू क इ जो सुन हिं बडाई ॥ ॥ स्वास ले हिं जनु जूडी आई ॥ ॥

॥ जव का हू क इ देष हिं विपती ॥ ॥ सुधी न ऐ मान हुं जग न पती ॥ ॥

॥ खान थन त पनि वान विनोधी ॥ ॥ लंपट काम लो न अति क्रोधी ॥ ॥

॥ मानु पिता गुन विप्र न मान हिं ॥ ॥ आपु गऐ अव न हुं अनुया लहिं ॥ ॥

॥ कन हिं मोह वस दोह पनावा ॥ ॥ संत संग हनिक थान भावा ॥ ॥

॥ अव गुन सिंधु मंद मति कामी ॥ ॥ वेद विदूषक पन धन स्वामी ॥ ॥

॥ विप्र दोह पन दोह विशेषा ॥ ॥ दन कपट जिय धने सुवेसा ॥ ॥

॥ दोहा ॥ ऐसे अधम मनुज खल कृत जुग त्रेताना हिं ॥

॥ आपन कथुक वंदव हु होइ हिं कलि जुग माहिं ॥ ॥ ४० ॥

॥ चौ पन हित सनि सधर्म नहिं आई ॥ ॥ पन पीडा समन हिं अधमाई ॥ ॥

॥ निन नय सकल पुनान वेद कन ॥ ॥ केहे उं तात जान हिं को विद नन ॥ ॥

॥ नन शनीन धनि जे पन पीना ॥ ॥ कन हिं ते सह हिं महा नव नीसा ॥ ॥

॥ कन हिं मोह वसन न अधनाना ॥ ॥ खान थन त पन लोक न साना ॥ ॥

॥ काल रूपति कहे मइ आता ॥ ॥ शुच अ नु अ शुच कर्म फल दाता ॥ ॥

॥ अस्स विचानि जेइ पन मसयाने ॥ ॥ नज हिं मोहि संसृति दुष जने ॥ ॥

॥ त्याग हिं कन मशुना शुभ दायक ॥ ॥ नज हिं मोहि मुन न मुनि नायक ॥ ॥

॥ संत अ संत न के गुन नोषे ॥ ॥ तेन पन हिं न वजि नु लोषि नोषे ॥ ॥

॥ दोहा ॥ सुन हुं तात माया कृत गुन अ नु दोष अनेक ॥

॥ गुन यहु उ न य देषिय हिं देषिय सो अ विवेक ॥ ॥ ४१ ॥

॥ चौ श्री मुख वचन सुनत सक माई ॥ ॥ हन ये प्रेम न हृदय समाई ॥ ॥

॥ कन हिं विनय अति वान हिं वाग ॥ ॥ हनू मान हिं य हन अ अपा ना ॥ ॥

॥ पुनि न घुपति निज मंदिर गऐ ॥ ॥ ऐहि विधि चरित कन त नित न ऐ ॥ ॥

॥ जान वान नान द मुनि आ वहिं ॥ ॥ वनित पुनीत नाम गुन गा वहिं ॥ ॥

॥ नितनवचनितदेधिमुनिजहिं ॥ ब्रह्मलोकसवकथाकहहिं ॥
 ॥ सुनिविनचिअतिसयसुषमानीहिं ॥ पुनिपुनितातकरहुगुनगानीहिं ॥
 ॥ सनकादिकनानदहिसनाहहिं ॥ जघपिव्रह्मनिनतमुनिआहहिं ॥
 ॥ सुनिगुनगानसमाधिविसारी ॥ सादनसुनीहिं पनमअधिकानी ॥

॥ दोहा जीवनमुक्तब्रह्मपनचनितसुनहिं तजिध्यान ॥

॥ जेहनि कथानकरहिं नतितिन्हैकेहियपाषान ॥ ४२ ॥

॥ चौऐकवाननधुनाथबुलोएगा ॥ गुनद्विजपुनवासीसवअएगा ॥
 ॥ बैठेगुनमुनिअनुद्विजसज्जन ॥ दोलेवचननगतभवभंजन ॥
 ॥ सुनहुंसकलपुनजनममवानी ॥ कहौंनकछुममताउनआनी ॥
 ॥ नहिंअनीतिनहिंकछुप्रनुताई ॥ सुनहुंकनहुजोतुम्हिसोहाई ॥
 ॥ सोइसेवकप्रीतमममसोईगा ॥ ममअनुसासनमानइजोईगा ॥
 ॥ जोअनीतिकछुचाषउंनई ॥ तौमोहिवनजेहुनयविसनाई ॥
 ॥ वडेभागमानुषतनुपावाणा ॥ सुनदुनलनसवग्रंथहिगावा ॥
 ॥ साधनधाममोछकनद्वाना ॥ पाइनजेहिंपनलोकसंवाना ॥

॥ दोहा सोपनत्रदुषपावईसिनधुनिधुनिपछिताइ ॥

॥ कालहिकर्महिईअनहिमिथादोसलगाइ ॥ ४३ ॥

॥ चौऐहितनकरफलविषयनचाई ॥ स्वर्गउत्पत्यअंतदुषदाई ॥
 ॥ ननतनुपाइविषयमनदेहीगा ॥ पलटिसुधातेइसठविषलेहिं ॥
 ॥ ताहिकवहुंनलकहइनकोई ॥ गुंजाग्रहइपनसमनिषोईगा ॥
 ॥ आकनचानिलहचौनासीगागागा ॥ जोनित्रमतयहजिवअविनासी ॥
 ॥ फिनतसदामायाकरप्रेनागागागा ॥ कालकर्मसुनावगुनधेनागागा ॥
 ॥ कवहिककनिकनुनाननदेही ॥ देइईशविनुहेतसनेहीगागागा ॥
 ॥ ननतनुनववानिधिकहुंवेनो ॥ सनमुषमनुतअनुग्रहमेनो ॥
 ॥ कननधानसदगुनदिखनावा ॥ दुर्लभसाजसुलनकनिपावा ॥

॥ दोहा जोनतनेनवसागरहिननसमाजअसपाइ ॥

॥ सोइनिंदुकमंदमतिआतमहनगतिजाइ ॥ ४४ ॥

॥ चौजोपनलोकइहसुषचहहू ॥ सुनिममवचनहुदयादिखगहहू ॥
 ॥ वनसुषदमानगयहनाई ॥ नक्तिमोनिपुनानश्रुतिगाईगा ॥

॥ ग्यानअगमप्रत्यहअनेकाणा ॥ साधनकठिननमनकहुंटेकाणा ॥
 ॥ कनककषवहुपावइकोडुणा ॥ भक्तिहीनमोहिप्रियनहिंसोडु ॥
 ॥ भक्तिसुतंत्रसकलसुखानी ॥ विनुसतसंगनपावहिंप्रानी ॥
 ॥ पुंन्यपुंजविनुमिलहिंसंता ॥ सतसंगतिसंस्तिकनअंता ॥
 ॥ पुंन्यऐकजगमहुंनहिदूजा ॥ मनक्रमवचनविप्रपदपूजा ॥
 ॥ सानुकूलतेहिपनमुनिदेवा ॥ जोतजिकपटकनइद्विजसेवा ॥

॥ दोहा ॥ ओनउऐकगुपतमतसवहिकहुंकरजोनि ॥

॥ शंकरभजनविनाननभक्तिनपावइमोनि ॥ ४५ ॥

॥ चौकहुभक्तिपथकवनप्रयासा ॥ जोगनमषजपतपउपवासा ॥
 ॥ सनलसुभावनमनकुटिलाई ॥ जथालानसंतोषसदाई ॥
 ॥ मोनदासकहायननआसाणा ॥ कनइतो कहहुकाहविस्वासा ॥
 ॥ बहुतकहुंकाकथावछाईणा ॥ ऐहिआचननवस्पमइचाई ॥
 ॥ वयनुनविग्रहआसनत्रासा ॥ सुखमयताहिसदासवआसा ॥
 ॥ अनानंभअनिकेतअमानिणाणा ॥ अनघअनोषदधविग्यानीणा ॥
 ॥ प्रीतिसदासज्जनसंसनगाणा ॥ त्रिनसमविषयस्वर्गअपवना ॥
 ॥ भक्तिपक्षहठनहिंसठताईणा ॥ दुष्टतर्कसवदूनिवहाईणा ॥

॥ दोहा ॥ ममगुनग्रामनामनतगतममतामदमोह ॥

॥ ताकनसुखसोइजानईपनानंदसंदोहणाणा ॥ ४६ ॥

॥ चौसुनतसुधासमवचननामके ॥ गहेसवनिपदकृपाधामके ॥
 ॥ जननीजनकगुनुबंधुहमाने ॥ कृपानिधानप्रानतेप्पानेणाणा ॥
 ॥ तनुधनुधामनामहितकानी ॥ सवविधितुम्हप्रनतानतहानी ॥
 ॥ असिशिवतुम्हविनुदेइनकोडु ॥ मातपितास्वानथनतसोडु ॥
 ॥ हेतुनहितजगजुगउपकानी ॥ तुम्हतुम्हानसेवकअसुनानी ॥
 ॥ स्वानथमीतसकलजगमाहिं ॥ सपनेहुंप्रनुपनमानथनाहिं ॥
 ॥ सर्वकेवचनप्रेमनससाने ॥ सुनिनघुनाथहृदयहनधाने ॥
 ॥ निजनिजग्रहगऐआयसुपाई ॥ वननतप्रनुवतकद्विमुहाईणा ॥

॥ दोहा ॥ उमाअवधवासीनननानिकृतानथ ॥

॥ ब्रह्मसच्चिदानंदघननघुनायकजहंनूप ॥ ४७ ॥

॥ ऐकवानवसिष्ट मुनि आयेगा ॥ जहाँ नाम सुषधाम सुहायेगा ॥
 ॥ अति आदर न घुनाय ककीन्हा ॥ पद पथानि पादोदक लोन्हा ॥
 ॥ नाम सुनहुं मुनि कहकन जोनी ॥ कृपा सिंधु विनती कछु मोनी ॥
 ॥ देखि देखि आचरन तुम्हना ॥ होत मोहमम हृदय अपाना ॥
 ॥ महिमा अमित वेदनहि जाना ॥ मै कहि नोतिकहुं भगवाना ॥
 ॥ उपरोहिती कर्म अति मंदा ॥ वेद पुनान सुमतिकर निंदा ॥
 ॥ जवन लेउ मै तव विधि मोहि ॥ कहलान् अगै सुत तोहि ॥
 ॥ परमात्मा ब्रह्म नरुपाणा ॥ होइ हहिं न घुकुल भूषन भूषा ॥

॥ दोहा ॥ तव मै हृदय विचारे उँ जोग जग्य व्रत दाना ॥

॥ जा कहहुं कनि असो पै हौं धर्म न ऐहि सम आन ॥ ४७ ॥

॥ चौ ॥ जपत पनियम जोगनि जधर्म ॥ श्रुति संभव नाना शुक्ल कर्म ॥
 ॥ ग्यान दया दमती नथ मज्जन ॥ जहं लंगि धर्म कहत श्रुति सज्जन ॥
 ॥ आगम निगम पुनान अनेका ॥ पछे सुनें कन फल प्रनु ऐका ॥
 ॥ तव पद पंकज प्रीति निनत न ॥ सब साधन कन यह फल सुंदर ॥
 ॥ छूटि हैं मल किम लहि के धोएँ ॥ घट कि पाव कोइ वानि विलोएँ ॥
 ॥ प्रेम न कि जल विनु न घुनाई ॥ अति अंत न मल कवहुं न जाई ॥
 ॥ सोइ सर्व ग्यत ग्य सोइ पंडित ॥ सोइ गुन ग्रह विग्यान अंधित ॥
 ॥ दृष्ट सकल लक्षन जु त सोइ ॥ जाके पद सनो जनति होइ ॥

॥ दोहा ॥ नाथ ऐक वर माँग उँ नाम कृपा कनि देहु ॥

॥ जन्म जन्म प्रनु पद कमल कवहुं घटे जति नेहु ॥ ४८ ॥

॥ चौ ॥ अस कहि मुनि वसिष्ठ ग्रह आये ॥ कृपा सिंधु के मन अति नायेगा ॥
 ॥ हनुमान नन तादिक न्राता ॥ संग लिऐ सेवक सुषदा तागा ॥
 ॥ पुनि कृपाल पुन वाहि न गयेउ ॥ गजनय तुनं गम गावत नयेउ ॥
 ॥ देखि कृपा कनि सकल सनाहेगा ॥ दिऐ उचित जिन जिन तेइ चाहे ॥
 ॥ हनन सकल श्रम प्रनु श्रम पाई ॥ गयेउ जहाँ सीतल श्रम नाई ॥
 ॥ मन तदी नु निज वसन डसाई ॥ बैठे प्रनु सेवहिं सब नाई ॥
 ॥ मानुत सु ॥ त सुकन ई ॥ पुलकव पुषलोचन जल नई ॥
 ॥ हनुमान ल ॥ हं वड नागी ॥ नहिं कोउ नाम चरन अनु नागी ॥
 ॥ निजा जा सु प्रीति सिव काई ॥ वानवान प्रनु निज मुष गाई ॥

उत्तर०

॥१२॥

॥ दोहा तेहि अवसन मुनिना नद आऐक नत्त लवीन ॥
 ॥ गावन लगे नाम कल की नति सदान वीन ॥ ५० ॥
 ॥ चौ मा मवलोक यंपंकज लोचन ॥ कृपा विलोकनि सोच विमोचन ॥
 ॥ नीलतामन सस्याम काम अग्नि ॥ हृदय कंज मकरंद मधु पहनि ॥
 ॥ जातु धान वरूथ बल नंजन ॥ मुनि सज्जन नंजन अध गंजन ॥
 ॥ नृसुन ससिन वंद वलाहक ॥ असन नसन नदीन जन गाहक ॥
 ॥ नुज बल विपुल नान महि ह्यंति ॥ धन दूषन विनाध वध पंडित ॥
 ॥ नावनानि सुषरूप नूपवन ॥ जय दशनथ कुल कुमुद सुधाकर ॥
 ॥ सुज सुपुनान विदित निगमागम ॥ गावत सुन मुनि संत समागम ॥
 ॥ कानुनी कवालिक मद संडन ॥ सर्वाधिक कुशल कोशला मंडन ॥
 ॥ कलि मल मथन नाम ममताहन ॥ तुलसिदास प्रभु पाहि प्रनत जन ॥
 ॥ दोहा प्रेम सहित मुनिना नद वन निनाम गुन ग्राम ॥
 ॥ सोना सिंधु हृदय धनि गऐ जहं विधि धाम ॥ ५१ ॥
 ॥ चौ गिनि जा सुनेहुं बिसदय हकथा ॥ मै सब कहि मोनि मति जथा ॥
 ॥ नाम चरित शत कोटि अपारा ॥ श्रुति सानदान वन नहिं पारा ॥
 ॥ नाम अनंत अनंत गुनानी गा ॥ जन्म कर्म अनंत नामानी ॥
 ॥ जल सीकन महि जगनि जहिं ॥ नधु पति चरित नवर निस्मिहिं ॥
 ॥ विमल कथा हरि पद दायनी ॥ नगाति होइ सुनि अनपायनी ॥
 ॥ उमा कहें सब कथा सुहाई ॥ जो नु सुं डिषग पति हि सुनाई ॥
 ॥ कछु कनाम गुन कहें वषानी ॥ अवका कहें सो कहें उचवानी ॥
 ॥ सुनि शुन कथा उमाहनषानी ॥ बेलि अति विनीत भद्रवानी ॥
 ॥ धन्य धन्य मद्र धन्य पुनारी ॥ सुने उं नाम गुन नवनय हारी ॥
 ॥ दोहा तुम्हनी कृपा कृपायतन अव कृत कृत्य नमोह ॥
 ॥ जानें उं नाम प्रताप प्रभु विदानंद संदोह ॥ ॥ ॥
 ॥ नाथ तवानन शशि अवत कथा सुधान धुवीन ॥
 ॥ अवन पुट किमन पान कनि नहिं अघात मवि ॥ ॥ ॥
 ॥ चौ नाम चरित जे सुनत अघाहिं गा ॥ नस विशेषि न कहें नहिं ॥
 ॥ जीवन मुक्त महामुनि जे उगा ॥ हनि गुन सुनहिं निनंत नहिं ॥

॥ नवसागनचरुपावजोपावा ॥ नामकथाताकहंदिखनावागा ॥
 ॥ विषइन्हकहंपुनिहनिगुनगामा ॥ अवनसुषदअनुमनअभिनामा ॥
 ॥ अवनवंतअसकोजगमाहिं ॥ जाहिननघुपतिचनित्तसोहहिं ॥
 ॥ तेजडजीवनिजातमघाती ॥ जिन्हहिंननघुपतिकथासोहति ॥
 ॥ हनिचनित्रमानसनुम्हगावाणा ॥ सुनिमैनाथअमित्तसुषपावाणा ॥
 ॥ तुम्हजोकहीयहकथासुहाई ॥ कागनुसुडिगनुडप्रतिगाई ॥

॥ दोहा विनक्तिग्यानविग्यानदिखनामचननअतिनेहु ॥

॥ वायसतनुनघुपतिभगतिमोहिपनमसंदेहु ॥ ५३ ॥

॥ चौननसहस्रमहुंसुनहुंपुनानी ॥ कोउऐकहोइधर्मव्रतधानी ॥
 ॥ धर्मशीलकोटिकमहुंकोई ॥ विषयविमुषविनागनतहोई ॥
 ॥ कोटिविनक्तमध्यश्रुतिकहहैं ॥ सम्यग्ग्यानसकृत्कोउलहई ॥
 ॥ ग्यानवंतकोटिकमहुंकोई ॥ जीवनमुक्तसकृत्जगसोडु ॥
 ॥ तिन्हसहसनमहुंसवसुषधानी ॥ दुर्लभव्रह्मलीनविग्यानीणा ॥
 ॥ धनमशीलविनक्तअनुजानी ॥ जीवनमुक्तव्रह्मपनप्रानीणा ॥
 ॥ सर्वतैसोदुर्लभसुननायाणा ॥ नामभक्तिनतगतमदमाया ॥
 ॥ सोहनिभक्तिकागकिमिपाई ॥ विश्वनाथमोहिकहहुबुहई ॥

॥ दोहा नामपनायनग्यानरतगुनागानमतिधीन ॥

॥ नाथकहहुकेहिकारनपायेउकागशनीन ॥ ५४ ॥

॥ चौयहप्रभुचनितपवित्रसुहावा ॥ कहहुकपालकागकहंपावा ॥
 ॥ तुम्हकेहिनांतिसुनामदनानी ॥ कहहुमोहिअतिकोतुकमानी ॥
 ॥ गनुडमहाग्यानीगुननासीणा ॥ हनिसेवकअतिनिकटनिवासी ॥
 ॥ तेहिकेहिहेतुकागसनजाईगा ॥ सुनीकथामुनिनिकनविहाई ॥
 ॥ कहहुकवनविधिनासंवाद ॥ दोउहनिभक्तकागउरगाद ॥
 ॥ गोनिगिनासुनिसनलसुहाई ॥ बोलैसिबसादनसुषपाईगा ॥
 ॥ धन्यसति ॥ तमतितानी ॥ नघुपतिचननप्रीतिनिहियेनी ॥
 ॥ मनहुंपन ॥ इतिहासा ॥ जोसुनिसकलशोकभ्रमनासा ॥
 ॥ तेनामचननविस्वासाणा ॥ नवनिधितननविनीहंप्रयास ॥

उत्तर०

॥ दोहा ॥ ऐसिय प्रश्न विहंग पतिकी न्हिकागसन जाइ ॥

॥ सोइ सब सादन कहिहुँ सुनहुँ उमाचित लाइ ॥ ५५ ॥

॥ चौ ॥ मैजिमिकथा सुनी भव मोचनि ॥ सो प्रसंग सुनु सुमुखि सुलोचनि ॥

॥ प्रथम दधग्रह तव अवतार ॥ सती नाम तवन हातु मूहना ॥

॥ दध जग्यत वना अपमानागा ॥ तुम्ह अति क्रोधत जेत वप्राना ॥

॥ मम अनुचन नृकी नृमय भंगा ॥ जानहुँ तुम्ह सोइ सकल प्रसंगा ॥

॥ तव अतिसोचन ऐउ मन मोने ॥ दुखी न ऐउ वियोग प्रिय तोने ॥

॥ सुंदर वन गिनिसनित तडागा ॥ कोतुक देखत फिरि उँ विनागा ॥

॥ गिनिसु मेन उत्तर दिशि दूरीगा ॥ नील सैल ऐक सुंदर भूरीगा ॥

॥ तासुकन कमय सिधन सुहाऐ ॥ चानुचनि मोने मन नचाऐगा ॥

॥ तिरूपन इक इक विटप विसाल ॥ बट पीपन पाकरी न सालागा ॥

॥ सैल उपनसन सुंदर सोहागा ॥ मनिसोपान देखि मन मोहागा ॥

॥ दोहा ॥ सीतल अमल मधुन जल जल जविपुलवहुँ ग ॥

॥ कूजत कलन वहुँ सगन गुंजत मंजुल भंगागा ॥ ५६ ॥

॥ चौ ॥ तेहि गिनिनु चिनव सैषग सोई ॥ तासुनाशक ल्यात न होइगागा ॥

॥ भाया कृत गुन दोष अनेकागा ॥ मोह मनो ज आदि अ विवेका ॥

॥ नहे व्यापिस मस्त जगमहिागा ॥ तेहि गिनि निकटक वहुँ नहिजहि ॥

॥ तहँ वसिहनिहि न जेजिमिकागा ॥ सो सुनु उमा सहित अनुनागा ॥

॥ पीपन तनु तन ध्यान सोधन ई ॥ जाय जग्य पाकनित न कनई ॥

॥ औ वध शाहकन मान स पूजागा ॥ तजिहनि न जनका जनिहि दूजा ॥

॥ वनतन कहहनि कथा प्रसंगागा ॥ आवीहँ सुनहिँ अनेक विहंगा ॥

॥ नाम चरित विचित्र विधि नाना ॥ प्रेम सहित कन सादन गागा ॥

॥ सुनहिँ सकल मति विमल मनाला ॥ वसहिँ निनतन जे तेहिकाला ॥

॥ जब मै जाइ सो कोतुक देखागा ॥ उपजाउन आनंद विशेषागा ॥

॥ दोहा ॥ तव कछु काल मनाल तनु धनित हँ की नु निवास ॥

॥ सादन सुनिन घुपति गुन पुनि आऐ ॥ उते व ॥ ५७ ॥

॥ गिनि जा कहै उँ सो सब इतिहासा ॥ मै जेहि सम ॥ उषग ॥

॥ सब सोइ कथा सुनहुँ जेहि हेत ॥ गए उकाग पहिँ धग कुल ॥

॥ जवनधुनाथकीन्हिननक्रीडा ॥ समुहत्तवनिहोतमोहिब्रीडा ॥
 ॥ इंद्रजीतकनआपुवंधावा ॥ तवनानदमुनिगनुउपठावा ॥
 ॥ वंधनकाटिगएउउनगादा ॥ उपजाहृदयप्रचंडविषादाणा ॥
 ॥ प्रभुबंधनसमुहत्तवहुनैती ॥ कनतविचानउनगआनाती ॥
 ॥ व्यापकब्रह्मविनजवागीसा ॥ मायामोहपानपरमीसाणा ॥
 ॥ सोअवतानसुनेउंजगमाहीं ॥ देखेउंसोप्रभावकधुनाहीं ॥
 ॥ दोहा ॥ नवबंधनतैष्टूटहैननजपिजाकननाम ॥
 ॥ सर्वनिसाचनवांधेउनागपाससोइनाम ॥ ५८ ॥

॥ चौनानाचौतिमनहिसमुहावा ॥ प्रगतनग्यानहृदयभ्रमधवा ॥
 ॥ खेदधिन्नमनतर्कवछाईगा ॥ नयेउमोहवसतुमूनिहिनाई ॥
 ॥ व्याकुलगएउदेवनिधिपहिं ॥ कहिसिजोसंशयनिजमनमाहीं ॥
 ॥ सुनिनानंदहिलागिअतिदाया ॥ सुनुषगप्रवलनामकैमाया ॥
 ॥ जोग्यानिकरुकरचितअपहनई ॥ वमिआईविमोहमनकरई ॥
 ॥ जेहिवहुवाननचावामोहीगा ॥ सोइव्यापीविहंगपतितोहीगा ॥
 ॥ महामोहउपजाउनतोने ॥ मिटिहिनवेगिकहेषगमोने ॥
 ॥ चतुनाननपहिंजाउषगोसा ॥ सोईकनहुजोहोइनिदेशागा ॥

॥ दोहा ॥ असकहिचलेदेवनिधिकनतरामगुनगान ॥

॥ हनिमायावलवरनतपुनिपुनिपरमसुजान ॥ ५९ ॥

॥ चौतवषगपतिविचंचिपहिंगएउ ॥ निजसंदेहसुनावतनयेउ ॥
 ॥ सुनिविचंचिरामहिंसिनुनावा ॥ समुहिप्रतापमिमअतिधवा ॥
 ॥ मनमहुंकरइविचानविधाता ॥ मायावसकविकोविदग्याता ॥
 ॥ हनिमायावनअमितप्रभावागा ॥ विपुलवानजेहिमेहिनचावा ॥
 ॥ अगजगमयजगममउपनाजा ॥ नहिआचनजमोहिषगनाज ॥
 ॥ तवबोलेविधिगिनासुहाईगा ॥ जानमहेसनामप्रभुताईगा ॥
 ॥ वेनतेयशंनपहिंजाहूगा ॥ तातअनतपूँछहुजनिकाहू ॥
 ॥ तहंहोइ ॥ यहाहो ॥ चलेउविहंगसुनतविधिवानी ॥

॥ दोहा ॥ पननापुनविहंगपतिआएउतवमोहिपास ॥

जातनहेउकुवेनग्रहरहेहुउमोकैलासगा ॥ ६० ॥

॥१४॥

उत्तर०

॥ तेहिं मम पद सादन सिनु नावा ॥ पुनि आपन संदेह सुनावा ॥
 ॥ सुनिता कवि विनती महु वानी ॥ प्रेम सहित मै कहै उन्नवानी ॥
 ॥ मिलेहु गनु उमान गम है मोहि ॥ कवन नोति समुहावहु तोहि ॥
 ॥ तव हि होइ तव संशय नंगा ॥ जव वहु काल कपिय सत संग ॥
 ॥ सुनियत होहि कथा सुहाई ॥ नाना नोति मुनि नृजोगाई ॥
 ॥ जेहि मंह आदि मध्य अवसाना ॥ पुनु प्रतिपाद्य नाम नगवाना ॥
 ॥ नित हनिकथा होति जहं नाई ॥ पठवहु तहां सुनहुं तुम्ह जाई ॥
 ॥ जाइहि सुनत सकल संदेह ॥ नाम चनन होइ हि अति नेह ॥
 ॥ दोहा विनु सत संग न हनिकथा तिहि विनु मोहन भाग ॥
 ॥ मोह गये विनु नाम पद होइ न दिख अनु राग ॥ ६१ ॥
 ॥ चौ मिलि हिन न घुपति विनु अनु राग ॥ किए जोगात पर्याप्त विराग ॥
 ॥ उत्तर दिशि सुंदर गिनि नीलागा ॥ तहं नृकाग नुशुं डि सुसीला ॥
 ॥ नाम नृकि पथ पनम प्रवीना ॥ ग्यानी गुन ग्रह वहु कालीना ॥
 ॥ नाम कथा सोइ कहइ निरंतन ॥ सादन सुनहिं विविध विहंगवन ॥
 ॥ जाइ सुनहुं तहं हनि गुन नूनी ॥ होइ हि मोह जनित दुष दूनी ॥
 ॥ मै जव सब तेहि कहै उं वुहाई ॥ चले उहन धिमम पद सिनु नाई ॥
 ॥ तोतैं उमान मै समुहावा ॥ न घुपति कृपा पनम मै पावा ॥
 ॥ होइ हि की नृक वहु अभिमाना ॥ सोइ सो वैचह कृपा निधाना ॥
 ॥ कथु तेहि ते पुनि मै नहि नाया ॥ समुहै यग घगहि के नाया ॥
 ॥ पुनु माया वल वंत न वानी ॥ जाहिन मोह कवन अस ग्यानी ॥
 ॥ दोहा ग्यानी नृक्षि नोम नित्रि नुवन पतिक न जान ॥
 ॥ तहि मोह माया न पावन कनहिं गुमान गा ॥
 ॥ शिव विनंति कहै मोहै कोह इव पुरा आन गा ॥
 ॥ अस जिय जानि न जहिं मुनि माया पति न गवान ॥ ६२ ॥
 ॥ जोगे उगनु उजहं वसइ नु सुडा ॥ मति अकुंठहि कि अखंडा ॥
 ॥ देखि शैल प्रसन्न मन नये ॥ माया मोह नृक नृगये उगा ॥
 ॥ कले तडाग मज्जन जल पाना ॥ वट तन गये उह दयहरा ॥
 ॥ नृक विहंग तहं आये ॥ सुनइ नाम के चरित सुहा ॥

॥ कथा अनंनकन इसोचाहाणा ॥ तेहि समय गऐ उषगनाहाणा ॥
 ॥ आवत देखि सकल घगनाजा ॥ हनखे उवायस सहित समाजा ॥
 ॥ अति आदन घगपतिकर कीरु ॥ स्वागत पूंछि सुआसन दीहाणा ॥
 ॥ कनि पूजा समेत अनुनागाणा ॥ मधुन वचन तव बोले उत्तवकाणा ॥

॥ दोहा ॥ नाथ कृता नथ नये उमै तव दनसन घगनाजा ॥

॥ आय सुदेहु सो कन उं अव प्रनुआऐ हुके हिकाजाणा ॥

॥ सदा कृता नथ रूप तुम्ह कह महु वचन घगेस ॥

॥ जोहि कै अस्तुति सादन निज मुख कीरि महेस ॥ ६३ ॥

॥ चौ सुनहु तात जोहिका नन आऐ उं ॥ सो सब नये उदन सत वपाऐ उणा ॥

॥ देखि पनम पावन तव आश्रम ॥ गऐ उमोह संशय नाना भ्रम ॥

॥ अव श्री नाम कथा अति पावनि ॥ सदा सुषद दुष पुंजन सावनि ॥

॥ सादन तात सुनावहु मोहाणा ॥ बानवान विन वहुं प्रनु तोहिणा ॥

॥ सुनत गनु उकै गिनाविनीता ॥ सनल सप्रेम सुषद सुपुनीता ॥

॥ नये उता सुमन पनम उछाह ॥ लाग कह इन धुपति गुन गाह ॥

॥ प्रथम हिं अति अनुनाग नवानी ॥ नाम चनित सन कहे सिवधानी ॥

॥ पुनि नानद कन मोह अपानाणा ॥ कहे सिवहु निनावन अवताना ॥

॥ प्रनु अवतान कथा पुनि गाई ॥ तव सि सुचनित कहे सिमनुलाई ॥

॥ दोहा ॥ बाल चनित कहि विविध विधि मनमहु पनम उछाह ॥

॥ निधि आगमन कहि सि पुनि श्री नधुवीन विवाह ॥ ६४ ॥

॥ चौ वहु निराम अन्धेक प्रसंगा ॥ पुनि नपवचन राजन सभंगाणा ॥

॥ पुन वासिन्ह कन विन हविषादा ॥ कहे सि नाम लछिमन संवादाणा ॥

॥ विपिनि गवन के वट अनुनागा ॥ सुन सनि उत्तनि निवास प्रयाणा ॥

॥ बालमीक प्रनु मिलन वषाना ॥ चित्रकूट जिमि वसे नगवानाणा ॥

॥ सचिवागमन नगन नपमनता ॥ नरतागमन प्रेम वहु वरनाणा ॥

॥ कनि नपनि ॥ पुन वासी ॥ ननत गऐ जह प्रनु सुषनासीणा ॥

॥ पुनि नधु ॥ धिस मुहारे ॥ लै पादुका अवध पुन आऐ गाणा ॥

॥ नन हनि सुन पति सुत कानी ॥ प्रनु अत्रे यनै पुनि वननीणा ॥

उत्तर०

॥२५॥

॥ दोहा कहि विनाय वध जेहि विधि देह तजीसन नंग ॥॥

॥ वननि सुती घन प्रीति पुनि प्रनु अगास्ति सत संग ॥५॥

॥ चौ कहि दंडक वन पावन ताई गा ॥ गीधम यत्री पुनि तेहिं गाई गा ॥

॥ पुनि प्रनु पंचवटी कृत वासा गा ॥ नंजी सकल मुनि नृक इत्रा सा ॥

॥ पुनि लक्ष्मिन उपदेश अनूपा ॥ सूर्यन धाजिमिकी नृकु नूपा ॥

॥ धन दूषन वध बहु निवषा नागा ॥ जिमिस वमन मदशान न जाना ॥

॥ दशकंधन मानी चवत्त कहि गा ॥ जेहि विधि नई सो सव तेहिं कहि ॥

॥ पुनि माया सीता कनहन नागा ॥ श्रीनघु वीन विनह कधु वन ना ॥

॥ पुनि प्रनु गीध कृपा जिमिकी नृ ॥ वधिक बंध सव निहि गति दि नृ ॥

॥ बहु निविन हवन नतन घु वीना ॥ जेहि विधि गए सवो वन तीना ॥

॥ दोहा प्रनु नानद संवाद कहि मानुति मिलन प्रसंग ॥

॥ पुनि सुग्रीव मितार्द्र बालि प्रानकन नंग गागा गागा ॥

॥ कपि हितिल ककनि प्रनु कृत शैल प्रवन धन वास ॥

॥ वनने उँव नषा सनद नितु नाम नोष कपि त्रास ॥६६॥

॥ चौ जेहि विधि कपि पतिका सपठे ॥ सीता घोज सकल दिसि धाये ॥

॥ विवन प्रवेश की नृ जेहि नोती ॥ कपि नृवहे निमिले उँस पाती ॥

॥ सुनिसव कथा समीन कुमाना ॥ नाघत नये उपयोधि अपाना ॥

॥ लंका कपि प्रवेश जिमिकी नृ ॥ पुनि सीतहि धीन जु जिमि दि नृ ॥

॥ वन उँजानि नावन हिं प्रवोधी ॥ पुनदहि नोँघे उँवहुनि पयोधी ॥

॥ आपे कपि सव जहँ नघु नाई गा ॥ वैदेही की कुशल सुनाई गा ॥

॥ सेन समेति जथान घु वीना गा ॥ उत्तने जाइवानि निधि तीना ॥

॥ मिला विनोषन जेहि विधि आई ॥ सागन निग्रह कथा सुनाई गा ॥

॥ दोहा सेतुवाँधिक पिसैन जिमि उत्तनी सागन पान ॥

॥ गये उँव सीठी वीन वन जेहि विधि बालि कुमान ॥

॥ निसिचन की सल नाई वनने सिविविध प्रह्वान ॥

॥ कुंभकन नघन नादकन वल पौनुष सं ॥

॥ चौ निसिचन निकर मनन विधि नाना ॥ नघु पतिन ॥

॥ वन वध मंदोदरी सो कागा गा ॥ राजविनीषन देव अंगे ॥

॥ सीतानघुपतिमिलनवहोनीगा ॥ सुनरुकीन्हिअस्तुतिकनजोनी ॥
 ॥ पुनिपुष्पकचछिकपिन्हसमेता ॥ अवधचलेपुनिकृपानिकेता ॥
 ॥ जेहिविधिनामनगननिजआऐ ॥ वायसविसदचनितसवगाऐगा ॥
 ॥ कहेसिवहोनिनामअनिषेका ॥ पुनवननतनपनीतिअनेका ॥
 ॥ कथासमस्तनुशुंडिवसानी ॥ जोमैतुम्हसनकहेउवसानीगा ॥
 ॥ सुनिसवनामकथाषगनाहा ॥ कहतवचनमनपनमउछाहा ॥
 ॥ सोनठागऐउमोनसंदेह ॥ सुनेउंसकलनघुपतिचमित ॥
 ॥ नऐउनामपदनेह ॥ तवप्रसादवायसतिलकागा ॥
 ॥ मोहिनेऐउअतिमोह ॥ प्रनुबंधनननमहुंनिनधि ॥
 ॥ चिदानंदसंदेह ॥ नामविकलकाननकवनागा ॥ ६८ ॥
 ॥ दो ॥ देखिचनितअतिननअनुसानी ॥ नऐउहृदयममसंशयजानी ॥
 ॥ सोइअमअवहितकनिमइमाना ॥ कीन्हअनुग्रहकृपानिधानागा ॥
 ॥ जोअतिआतपव्याकुलहोई ॥ तनुछायासुखजानइसोईगा ॥
 ॥ जोनहिहोतमोहअतिमोही ॥ मिलतेउंतातकवनविधितोही ॥
 ॥ सुनतेउंकिमिहनि कथासुहई ॥ अतिविचित्रबहुविधितुम्हगाई ॥
 ॥ निगमागमपुनानमतऐहागा ॥ कहहिंसिद्धमुनिनहिसंदेह ॥
 ॥ संतविशुद्धमिलहिंपनितेही ॥ चितवहिंनामकृपाकनिजेही ॥
 ॥ नामकृपातबदनसननऐउ ॥ तवप्रसादसवसंशयगऐउ ॥
 ॥ दोहा ॥ सुनिविहंगपतिकीगिनासहितविनयअनुनाग ॥
 ॥ पुलकागातलोचनसजलमनहनयेउअतिकाग ॥
 ॥ श्रोतासुमतिमुशीलमुचिकथानसिकहनिदासगा ॥
 ॥ पाइउमाअतिगोप्यमपिसज्जनकनहिंप्रकास ॥ ६९ ॥
 ॥ दो ॥ बोलेउकागनुसुंडिवहोनी ॥ ननगनाथपनप्रीतिनथोनीगागा ॥
 ॥ सवविधिनाथपूज्यतुम्हमेने ॥ कृपापात्रनघुनायककेनेगागा ॥
 ॥ तुम्हहिंसंशयमोहनमाया ॥ मोपननाथकीन्हितुम्हदायागागा ॥
 ॥ पठइमो ॥ नघुपतिदीन्हिवडाईमोहीगागा ॥
 ॥ ननिजम ॥ हाषगसोई ॥ सोनहिंकछुआचनजुगोसोईगा ॥
 ॥ नवविनंचिसनकादी ॥ जेमुनिनाथकआतमवादीगा ॥

उत्तर०

॥१६॥

॥ मोहन अंध कीन्ह केहि केहीणा ॥ को जग का मन चावन जेही ॥ ॥
 ॥ त्रिभुकेहि न कीन्ह बोनाहाणा ॥ केहि क न हृदय को धनहि दाहा ॥
 ॥ देहा ग्यानी ताप ससन कविको विदगुन आगान ॥
 ॥ केहि क इलो न विंडवना कीन्ह न ऐहि संसान ॥ ॥
 ॥ श्रीमदवक्रन कीन्ह केहि प्रभुता वधिन न काहि ॥
 ॥ मगलोचनिके नयन सन को असलागन जाहि ॥ ७० ॥
 ॥ चै गुन कृत संनिपात नहि केही ॥ को उन मान मद तजे उनि वेही ॥
 ॥ जोवन ज्वन केहि नहि वल कावा ॥ ममता केहि क न जसन न सावा ॥
 ॥ मत्स न काहिक लंकन लावा ॥ केहि नहि शोक समीन डोलावा ॥
 ॥ चिंता सोपि निकाहि नयाया ॥ को जग जाहि न व्यापि मायाणा ॥
 ॥ कीट मत्तोन थदानुशनी नाणा ॥ जेहि नलाग धुन को असधी ना ॥
 ॥ सुत वितलोक ईषना तीनीणा ॥ केहि के मति इन्ह कृत न मलीनी ॥
 ॥ यह सब माया कन पनिवाना ॥ प्रवल अमित कोवन न इषाना ॥
 ॥ शिव चतुनानन जाहि डराहीं ॥ अपन जीव केहिले ये माहीं ॥
 ॥ दोहा व्यापिन हेउ संसान महुं माया कटक प्रचंड ॥
 ॥ सेनापति कामादि नट दंभ क पट पाखंडाणा ॥
 ॥ सोदासीन धुवीन के समुह इमिथ्या सोपिणा ॥
 ॥ छूटै नहि प्रभु कृपा विनु नाथ कहैं पद नोपि ॥ ७१ ॥
 ॥ चै जो माया सब जगहि नचावा ॥ जा सुच पितल धिकाहुन पावा ॥
 ॥ सोइ प्रभु चूविला सषगनाजा ॥ नाचन टीइ वसहित समाजा ॥
 ॥ सोइ सच्चिदानंद धन नामाणा ॥ अज विग्यान रूप वल धामा ॥
 ॥ व्यापक व्यापि अखंड अनंता ॥ अखिल अमोघ शक्ति नगवंता ॥
 ॥ अगुन अदर्प गिना गोतीता ॥ सम दरसी अनवध अजीता ॥
 ॥ निनम मनिमाकान निन मोहा ॥ नित्य निनंजन सुख संदोहाणा ॥
 ॥ प्रकृति पान प्रभु सब उन वासी ॥ ब्रह्म निनीह विह्वल विनासी ॥
 ॥ इहं मोह कन कानन नाहीं ॥ न विसन मुनि कन न किजहीं ॥
 ॥ दोहा नक्त हेतु नगवान प्रभु नाम धनेउत नुभूप ॥

॥ किएचमितपावनपरमप्राकृतनरअनुरूप ॥
 ॥ जथाअनेकवेषधनिनृत्यकनैतठकोइ ॥
 ॥ सोइसोइनावदिसावैआपुनहोइनसोइ ॥०२॥
 ॥ चौअसिनधुपतिलीलाउरगानी ॥ दनुजविमोहनिजनसुषकारी ॥
 ॥ जेमतिमलिनविषयवसकामी ॥ प्रनुपरमोहधरहिंइमिखामी ॥
 ॥ नयनदोषजाकहुंजबहोई ॥ पीतवननससिकहुंकरहोई ॥
 ॥ जवजेहिदिसिचमहोइषगेसा ॥ सोकरहपछिमउऐउदिनेसा ॥
 ॥ नौकानरूचलतजगदेखाणा ॥ अचलमोहवसआपुहिलेखा ॥
 ॥ बालकअमहिंनचमहिंग्रहादी ॥ कहहिंपरसपरमियावादी ॥
 ॥ हनिविषइकअसमोहविहंगा ॥ सपनेहुंनहिनग्यानप्रसंगा ॥
 ॥ मायावसमतिमंदअनगीणा ॥ हृदयजमनिकावहुविधिलगि ॥
 ॥ तेसठहठवससंशयकरहोणा ॥ निजअग्याननामपरधरहो ॥
 ॥ दोहाकामक्रोधमदलोन्नतग्रहासक्तदुषरूप ॥
 ॥ तेकिमिजानहिंनधुपतिहिभूछपनेतमकूप ॥
 ॥ निर्गुनरूपसुलभअतिसगुनजाननीहोइ ॥
 ॥ सुगमअगमनानाचनितसुनिमुनिमनअमहोइ ॥०३॥
 ॥ चौसुनुषगेसनधुपतिप्रनुताई ॥ कहहुंजथामतिकथासुहाई ॥
 ॥ जेहिविधिमोहनऐउप्रनुमोहि ॥ सोउसवकथासुनावहुंतोहि ॥
 ॥ नामकृपाजाजननुम्हताताणा ॥ हनिगुनपीतिमोहिसुषदाता ॥
 ॥ तातैनहिंकथुनुमहिंदुनावहुं ॥ परमनहस्यमनोहनगावहुं ॥
 ॥ सुनहुंनामकरसहजसुजाउ ॥ जनअनिमानननायहिंकाउ ॥
 ॥ संसतिमूलसूलप्रदनानाणा ॥ सकलसोकदायकअनिमाना ॥
 ॥ तातैनहिंकृपानिधिदूनीणा ॥ सेवकपरममताअतिनूनी ॥
 ॥ जिमिसिमुनववनहोइगोसाई ॥ मातुचिनावकठिनकीनाई ॥
 ॥ दोहाअथमदुषपावईनोवहिवालअधीन ॥
 ॥ ब... हतजननीगनइनसोसिसुपीन ॥
 ॥ तिमिनधुपतिनिजदासकरहनिंमानहितलगि ॥
 ॥ तमीदासऐसेप्रनुहिकसननजहुअमत्यागि ॥०४॥

उत्तर०

॥२७॥

॥ चौनामकृपाआपनिजडताइ ॥ कहउं षगेस सुनहुं मन लाई ॥
 ॥ जवजवनाममनुजतनुधनहिं ॥ नक्तहेतलीलावहुकरहिं ॥
 ॥ तवतवअवधपुनीमइजाउं ॥ बालचनित्तविलोकिहरषाउं ॥
 ॥ जन्ममहोत्सवदेखहुं जाई ॥ वनषपांचतहैनहुं लोनाई ॥
 ॥ इष्टदेवममबालकनामाणा ॥ सोनावपुषकोटिशतकामाणा ॥
 ॥ निजप्रभुवदननिहानिनिहनी ॥ लोचनसुफलकरहुं उरगानी ॥
 ॥ लघुवायसवपुधनिहसंगा ॥ देखहुं बालचनित्तवहुनंगाणा ॥
 ॥ दोहा लनिकाईजहंजहंफिरहिं तहंतहंसंगउडाउं ॥
 ॥ जूठनिपनइअजिनमहंसोइउठाइकरिषाउं ॥
 ॥ ऐकवानअतिसयसवचनित्तकिऐनघुवीनाणा ॥
 ॥ सुमिरतप्रभुलीलासोईपुलकितनपेउशनीन ॥१५॥
 ॥ चौकैहनुसुंडिसुनहुं षगनायक ॥ नामचनित्तसुनभुनिसुषदायक ॥
 ॥ नृपमंदिरसुंदरसवन्नौती ॥ षचित्तकनकमनिनानाजाती ॥
 ॥ वननिनजाइनुचिनअंगनाई ॥ जहंखेलहिंनित्तचानिउनाई ॥
 ॥ बालविनोदकरतनघुनाई ॥ विचनतअजिनजननिसुषदाई ॥
 ॥ मनकतमदुलकलेवनस्यामा ॥ अंगअंगप्रतिष्ठाविवहुकामा ॥
 ॥ नवराजीवअनुनमदुचनना ॥ पदजनुचिननषशसिदुतिहनना ॥
 ॥ ललितअंककुलिसादिकचनी ॥ नूपनचानुमधुननवकानी ॥
 ॥ चानुपुनटमनिनचित्तवनाई ॥ किटिकिनिनिकलमुखनसुहाई ॥
 ॥ दोहा नेषात्रयसुंदरउदननानिनुचिनगंजीनणा ॥
 ॥ उनराजतभ्राजतविविधबालविभूषनचीन ॥१६॥
 ॥ चौअनुनपानिनषकनजमनोहन ॥ बाहुविसालविभूषनसुंदर ॥
 ॥ कंधबालकेहनिदनग्रीवां ॥ चानुचिबुकआननघविस्वां ॥
 ॥ कलवलवचनअधनअनुनाने ॥ दुइदुइदशानविसदवनवाने ॥
 ॥ ललितकपोलमनोहननासा ॥ सकलसुखसुखकनसमहासा ॥
 ॥ नीलकंजलोचननवमोचनणा ॥ भ्राजतनवविभूषनगोचन ॥
 ॥ विकटभकुटिसमअवनसुहाये ॥ कुंचितकचनकषवि ॥
 ॥ नैतहीनहगुलीतनसोहीणा ॥ किलकनिचित्तव ॥

उत्तर०

॥१८॥

॥ जुगअंगुलकनवीचसवनामनुजहिमोहितातणा ॥
 ॥ सप्तआवनननेदकनिजहंलगिगतिनहिमोनिणा ॥
 ॥ गऐउं तहां प्रभुनुजनिनधियाकुलभऐउबहेनि ॥ १८ ॥
 ॥ चौमैदेउं नयनत्रसितजवभऐउं ॥ पुनिचितवतकोशालपुनगऐउं ॥
 ॥ मोहिविलोकिनाममुसुकाहो ॥ विहसततुवितगऐउं मुखमहिं ॥
 ॥ उदनमोहसुनुअंडजनायाणा ॥ देखेउं बहुवृहंडनिकायाणा ॥
 ॥ अतिविचित्रतहंलोकअनेका ॥ नचनाअधिकऐकतें ऐकाणा ॥
 ॥ कोटिहचतुनाननगोरीसा ॥ अगनितउडगननविनजनीसा ॥
 ॥ अगनितलोकपालजमकाला ॥ अगनितनूधननूभिबिसाला ॥
 ॥ सागनसपिसनविपिनिअपाना ॥ नानाअतिस्त्रिष्टिविस्ताराणा ॥
 ॥ सुनमुनिसिद्धनागननकिन्नर ॥ चानिप्रकानजीवसचराचर ॥
 ॥ दोहा जेनहिदेखानहिसुनाजोमनमहंनसमाइ ॥
 ॥ सोसवअद्भुतदेखेउंवननिकवनिविधिजाइ ॥
 ॥ ऐकऐकवृहंडमहंनहेउंवनसतऐकाणा ॥
 ॥ ऐहिविधिदेखतफिरहुंमैंअंडकराहअनेक ॥ १९ ॥
 ॥ चौलोकलोकप्रतिभिन्नविधाता ॥ भिन्नविष्णुशिवमनुदिशिजाता ॥
 ॥ ननगंधर्वचूतवेतालाणा ॥ किन्नरनिसिचनपशुषगव्याला ॥
 ॥ देवदनुजगननानाजातीणा ॥ सकलजीवतहंआनहिंजाती ॥
 ॥ महिसनिसागनसनगिनिनाना ॥ सवप्रपंचतहंआनहिंआनाणा ॥
 ॥ अंडकोशप्रतिप्रतिनिजरूपा ॥ देखेउंजिनसिअनेकअनूपाणा ॥
 ॥ अवधपुनीप्रतिभुवननिहनि ॥ सनजूभिन्नभिन्नननानीणा ॥
 ॥ दशनथकोशल्यासुनुताता ॥ विविधरूपनरतादिकजाता ॥
 ॥ प्रतिवृहंडनामअवताना ॥ देखेउंवालविनोदअपानाणा ॥
 ॥ दोहा भिन्नभिन्नमैंदीषसवअतिविचित्रहृदिजान ॥
 ॥ अगनितभुवनफिरेउंप्रभुनामनदेखेउं ॥
 ॥ सोइशिशुपनसोइशेजासोइकपा ॥ ॥
 ॥ भुवनभुवनदेखतफिरहुंप्रेरितमोह ॥ ॥
 ॥ गमतमोहिवृहंडअनेका ॥ ॥ वीतेमनचितव ॥

॥ फिनतफिनतनिजआश्रमआऐउं ॥ तहंपुनिनहिकथुकालगवाऐउं ॥
 ॥ निजप्रभुजन्मअवधसुनिपाऐउं ॥ निर्मनप्रेमहनधिउठिधाऐउं ॥
 ॥ देखउंजन्ममहोत्सवजाईगाणा ॥ जेहिविधिप्रथमकहेउंमइगाई ॥
 ॥ नामउदनदेखेउंजगनानागाणा ॥ देखतवनइनजाइवयानागाणा ॥
 ॥ तहंपुनिदेखेउंनामसुजानागाणा ॥ मायापतिकृपालभगवानागाणा ॥
 ॥ कनउंविचारवहोनिवहोनीणा ॥ मोहकलिलव्यापितमतिमोनी ॥
 ॥ उन्नयधनीमहुंमैइसबुदेखाणा ॥ नऐउंअमितमनमोहविशेषा ॥
 ॥ दोहा देखिकृपालविकलमोहिविहसेतवनधुवीन ॥
 ॥ विहसतहोमुषवाहिनआऐउंसुनुमतिधीनणा ॥
 ॥ सोइलनिकाईमोहिसनकननलगोपुनिनामणा ॥
 ॥ कोटिजातिसमुहावउंमननलहइविश्राम ॥ २ ॥
 ॥ चौदेखिचरितयहसोप्रनुताई ॥ समुहत्तदेहदसाविसनोईणा ॥
 ॥ धननिपनेउंमुषआवनवाता ॥ चाहिआहिआनतजनत्राता ॥
 ॥ प्रेमाकुलप्रनुमोहिविलोकी ॥ निजमायाप्रनुतातवनोकीणा ॥
 ॥ कनसनोजममसिनप्रनुधनेउ ॥ दीनदयालसकलदुषहनेउ ॥
 ॥ कीन्हनाममोहिविगतविमोह ॥ सेवकसुषदकृपासंदोहाणा ॥
 ॥ प्रनुताप्रथमविचारिविचारी ॥ मनमहं होइहनयअतिजानी ॥
 ॥ भक्तवधलताप्रनुकइदेखी ॥ उपजीममउनप्रीतिविशेषी ॥
 ॥ सजलनयनपुलकितकनजेनी ॥ कीन्हेंउं बहुविधिविनयवहोनी ॥
 ॥ दोहा सुनिसप्रेमममवानीदेखिदीननिजदासगाणा ॥
 ॥ वचनसुषदगंजीनमृदुबोलेनमानिवासगाणा ॥
 ॥ काकनुसुंदिमांगुवनअतिप्रसन्नमोहिजानिगाणा ॥
 ॥ अनिमादिकसिधिअपनीधिमोहासकलगुनधानि ॥ ३ ॥
 ॥ चौग्यानविवेकविरतिविग्याना ॥ मुनिदुर्लभगुनजेजगनानागाणा ॥
 ॥ आजुदेउं सवनाहोनाहोणा ॥ मांगुजोतोहिजावमनमाहोणा ॥
 ॥ सुनिप्रभु ॥ मनअनुमानकननतवलागेउं ॥
 ॥ ॥ कहे ॥ भक्तिआपनीदेननहिंकहिगाणा ॥
 ॥ ॥ ॥ लवनविनावहुव्यंजनजेसागाणा ॥

॥ भजनहीनमुषकवनेकाजा ॥ ॥ असविचानिवोलेउषगनाजा ॥
 ॥ जोप्रसन्नहोइप्रभुवरदेहणा ॥ मोपनकनहुकृपाअनुनेहणा ॥
 ॥ मनभावतवनमोगउस्वामी ॥ तुम्हउदानउनअतनजामी ॥
 ॥ दोहा ॥ अविनलभक्तिविसुद्धितवश्रुतिपुनानजोइगाव ॥
 ॥ जेहियोजतजोगीशमुनिप्रभुप्रसादकोउपावणा ॥
 ॥ भक्तकल्पतनुप्रनतहितकृपासिंधुसुषधामणा ॥
 ॥ सोइनिजभक्तिदेहुप्रभुमोहिदयाकनिनाम ॥ ॥ ८४ ॥
 ॥ चौऐवमस्तुकहिनधुकुलनायक ॥ वोलेवचनपनमसुषदायक ॥
 ॥ सुनुवायसतैपनमसयानाणा ॥ कोहेनमोगसिअसवनदाना ॥
 ॥ सबसुषधानिभक्तितैमागी ॥ नहिंजगकोउतोहिसमवडभगी ॥
 ॥ जोमुनिकोटिजतननहिलहहं ॥ जेजपजोगअनलतनदहहं ॥
 ॥ नीहेउंदेखितोनिचतुनाईगाण ॥ मोगेउभक्तिमोहिअतिनाई ॥
 ॥ सुनुविहंगप्रसादअवमोनेगाणा ॥ सबशुभगुनवसिहहंउतोनै ॥
 ॥ भक्तिग्यानविग्यानविनागाणा ॥ जोगचनित्रनहस्यविनागाणा ॥
 ॥ जानवतैसबहोकननेदाणा ॥ ममप्रसादनहिसाधनयेदा ॥
 ॥ दोहा ॥ मायासंभवअमसवअवनव्यापिहहंतोहि ॥
 ॥ जानेसुब्रह्मअनादिअजअगुनगुनाकरमोहि ॥
 ॥ मोहिभक्तिप्रियसंततअसविचानिसुनुकाग ॥ ॥
 ॥ कायवचनमनममपदकनेसुअचलअनुनाग ॥ ॥ ८५ ॥
 ॥ चौअवसुनुपनमविमलममवानी ॥ सत्यसगुननिगमादिवधानी ॥
 ॥ निजसिद्धांतसुनावहुंतोहीगा ॥ सुनिमनधनुसवतजिभजुमोहि ॥
 ॥ मममायासंभवसंसाणागाणा ॥ जीवचनावनविविधप्रकाना ॥
 ॥ सबममप्रियसवममउपजाऐ ॥ सवतैअधिकमनुजमोहिनाऐ ॥
 ॥ तिरुमहंदिजद्विजमहंश्रुतिधनी ॥ तिरुमहंनिगमधर्मअनुसारी ॥
 ॥ तिरुमहंप्रियविनक्तपुनिग्यानी ॥ ग्यानिहुंते ॥ प्रियविग्यानी ॥
 ॥ तिरुतैसुनिमोहिनिजप्रियरासा ॥ जेहिग ॥ विद्व ॥ मनिआसा ॥
 ॥ पुनिपुनिसत्यकहहुंतोहिपाहीं ॥ मोहिसे ॥ नक ॥ यको ॥
 ॥ भक्तिहीनविनचिकिनहोइगाणा ॥ सबजीव ॥ चितव ॥

॥ नक्तिवंत अतिनीचहु प्रानीणा ॥ मोहिप्रानप्रिय असिममवानी ॥
 ॥ दोहा सुचिसुसिलसेवकसुमतिप्रियबहुकाहिनलाग ॥
 ॥ श्रुतिपुनानकहनीतिअसिसावधानसुनुकाग ॥ ८६ ॥
 ॥ चौ ऐकपिताकेविपुलकुमाना ॥ होहिप्रथमगुनसीलअचाना ॥
 ॥ कोउपंडितकोउतापसग्याता ॥ कोउधनवंतस्सकोउदाता ॥
 ॥ कोउसर्वज्ञधनमनतकोईणा ॥ सवपनप्रीतिपितहिसमहोई ॥
 ॥ कोइपितुभगतवचनमनकर्मा ॥ सपनैहुजाननदूसनधर्माणा ॥
 ॥ सोसुतप्रियपितुप्रानसमाना ॥ जघापिसोसवजोतिअयाना ॥
 ॥ ऐहिविधिजीवचनाचनजेते ॥ त्रिजगदेवनअसुनसमेते ॥
 ॥ अमिलविस्वयहमोनउपाया ॥ सवपनमोनिवनावनिदाया ॥
 ॥ तिन्हमहंजोपनिहनिमदमाया ॥ नजहिंमोहिमनवचअनुकाया ॥
 ॥ दोहा पुनुषनिपुंसकनानिजगजीवचनाचनकोइणा ॥
 ॥ रविनावन्नजिकपटतजिमोहिपनमप्रियसोइणा ॥
 ॥ सोमठा सत्यकहौषगतोहि ॥ सुचिसेवकममप्रानप्रिय ॥
 ॥ असविचानिन्नजुमोहि ॥ पनिहनिआसन्नोससव ॥ ८७ ॥
 ॥ चौकवहूंकालनव्यापिहितोही ॥ सुभिनेसुन्नजेसुनिनंतनमोहि ॥
 ॥ प्रनुवचनामृतसुनिनअधाउं ॥ तनपुलकितमनअतिहृषाउं ॥
 ॥ सोसुषजानइमनअनुकाना ॥ नहिंसनाप्रतिजाइवयाना ॥
 ॥ प्रनुशोभासुषजानहिंनयना ॥ कहिकिसिर्कैतिन्हैनहिंवयना ॥
 ॥ बहुविधिमोहिप्रबोधिमुषदेई ॥ लगेकरनशिशुकौतुकतेई ॥
 ॥ सजलनयनकछुमुषकनिरूषा ॥ चितैमातुलगीअतिभूषाणा ॥
 ॥ देखिमातुआतुनउठिधाईणा ॥ कहिमदुवचनलिऐउउनलाई ॥
 ॥ गोदनाधिकनायपयपानाणा ॥ नधुपतिचनितललितकसिगाना ॥
 ॥ सोमठा जेअसुलगीपुनानि ॥ अशुन्नवेषकृतीसिवसुषर ॥
 ॥ अवन ॥ तेहिसुषमहुंसंततमगनणा ॥
 ॥ सो ॥ जिन्हवानकसपनेहुंलहेउणा ॥
 ॥ सो ॥ ब्रह्मसु ॥ हेहनिजनसुमति ॥ ८८ ॥
 ॥ ॥ कछुकाल ॥ हेउंवाल्किनोदनसाल ॥

॥ नाम प्रसाद भक्ति वर पाये उँगा ॥ प्रभु पद वेदि निजा श्रम आये उँगा ॥
 ॥ तब ते मोहि न व्यापी माया गा ॥ जव ते न धुनाय क अप नाया ॥
 ॥ यह सब गुप्त चरित मइ गावा ॥ हनि माया जिमि मोहि न चावा ॥
 ॥ निज अनुभव अव कह उँगे सा ॥ विनु हनि न जनन जहिँ कलेश ॥
 ॥ नाम कृपा विनु सुनुष गनार्इ गा ॥ जानि न जाइ नाम प्रभु तार्इ गा ॥
 ॥ जानै विनु न होइ पन तीती गा ॥ विनु पन तीति होइ नहिँ प्रीती ॥
 ॥ प्रीति विना नहिँ न गति दिछार्इ ॥ जिमि धग पति जल कीचि कनार्इ ॥
 ॥ सोनठा विनु गुन होइ कि ग्यान ॥ ग्यान कि होइ विना गी विनु ॥
 ॥ गावहिँ वेद पुरान ॥ सुष कि लहहिँ हनि भक्ति विनु ॥
 ॥ कोउ विश्राम कि पाव ॥ तात्त सहज संतोष विनु गा ॥
 ॥ चले कि जल विनु नाव ॥ कोटि जतन पचि पचि मसिय ॥
 ॥ चौ विनु संतोष काम न न साहिँ ॥ काम अथ त सुष सपने हुँ नहिँ ॥
 ॥ नाम न जन विनु मिटहिँ किकामा ॥ यल विहान तनु कवहुँ कि जामा ॥
 ॥ विनु विग्यान कि समता आवे गा ॥ कोउ अवकास कि न न विनु पावे ॥
 ॥ अछा विना धन मन हि होइ गा ॥ विनु महि गंध कि पावहिँ कोइ ॥
 ॥ विनु तप तेज कि क न विस्ताना ॥ जल विनु न सकि होइ संसाना ॥
 ॥ सील कि मिल विनु बुध सेव कोइ ॥ जिमि विनु ते जन रूप गो सार्इ ॥
 ॥ निज सुष विनु मन होइ किथीना ॥ पन सकि होइ विहान समीना ॥
 ॥ कवने उँसि छि कि विनु विस्वासा ॥ विनु हनि न जनन न भव न यनासा ॥
 ॥ दोहा विनु विस्वासा भक्ति नहिँ तेहि विनु द्रवहिँ न नाम ॥
 ॥ नाम कृपा विनु सपने हुँ जीवन लह विश्राम गा गा ॥
 ॥ सोनठा अस विचानि मति धीन ॥ तजि कुतर्क संशय सकल ॥
 ॥ नजहिँ नाम न धुवीन ॥ कनुना कन सुदन सुषद ॥
 ॥ चौ निज मति सनिस नाथ मै गाई ॥ प्रभु प्रत ॥ माष गनार्इ ॥
 ॥ कहे उँन कछु कनि जु गति विसेषी ॥ यह सब ॥
 ॥ महिमाना मरूप गुन गाथा गा ॥ सकल ॥
 ॥ निज मति मुनि हनि गुन गा ॥ निग ॥

॥ तुम्हें हिंसादिषगमसकप्रजंता ॥ नभउडाहिंनहिपावहिंअंता ॥
 ॥ तिमिनधुपतिमहिमाअवगाह ॥ तातकवहुंकोइपावकिथाहा ॥
 ॥ नामकामसतकोटिसुभगतन ॥ दुर्गकोटिअमितअनिमर्दना ॥
 ॥ शक्रकोटिसतसतितविलास ॥ नभसतकोटिअमितअवकास ॥
 ॥ दोहा मानुतकोटिसतविपुलवलनविसतकोटिप्रकास ॥
 ॥ ससिसतकोटिसुसोतलसमनसकलनवत्रास ॥
 ॥ कालकोटिसतसतिसअतिदुस्तनदुर्गदुनंता ॥
 ॥ धूमकेतुसतकोटिसमदुगाधधनगवंता ॥ ८१ ॥
 ॥ चौप्रभुअगाधसतकोटिपताला ॥ समनकोटिसतसतिसकनाला ॥
 ॥ तीनयअमितकोटिसतपावन ॥ नामअधिलअघपुजनसावन ॥
 ॥ हिमगिनिकोटिअचलनधुवीना ॥ सिंधुकोटिसतसमगंजीना ॥
 ॥ कामधेनुसतकोटिसमाना ॥ सकलकामदायकनगवाना ॥
 ॥ सानदकोटिअमितचतुर्नाई ॥ विधिशातकोटिसकिनिपुर्नाई ॥
 ॥ विष्णुकोटिसमपालनकर्ता ॥ नुदकोटिसतसमसंहर्ता ॥
 ॥ धनदकोटिससमधनवाना ॥ मायाकोटिप्रपंचनिधाना ॥
 ॥ धराधननशातकोटिअहंसा ॥ निरवधिनिनुपमप्रभुजगदिसा ॥
 ॥ छंदनिनुपमनउपमाआननामसमाननामनिगमकहे ॥
 ॥ जिमिकोटिशतषट्कोतसमनविकहतअतिलघुतालेहे ॥
 ॥ ऐहिचौतिनिजनिजमतिविलासमुनीशहनिहिवधानहे ॥
 ॥ प्रभुआवगाहकअतिकृपालसेप्रेमसुनिमुखमानहे ॥
 ॥ दोहा नामअमितगुनसागरथाहकिपावइकोइ ॥
 ॥ सतनरुसनजसकधुसुनेउंतुम्हेंसुनाऐहुंसोई ॥
 ॥ सोनठा आववस्यनगवान ॥ सुषनिधानकउनाभवन ॥
 ॥ तजिममतामदमान ॥ नजियसदासीतानवन ॥ ८२ ॥
 ॥ चौसुनिनुसुंकिबनसुहाऐ ॥ वनधितषगपतिपंषफुलाऐ ॥
 ॥ जयवरी ॥ श्रीनधुपतिप्रतापउनआना ॥
 ॥ ॥ धिताना ॥ बलअनादिमनुजकनिमाना ॥
 ॥ ॥ नुनावा ॥ जानिनामसमप्रेमवखावा ॥
 ॥ ॥ तकोई ॥ जौविनंशिशकनसमहोई ॥

उत्तर०

॥२१॥

॥ संशयसमपग्रसेउ मोहि तातागा ॥ दुषदलह निकुतर्क बहुवाता ॥
 ॥ तवसरूपगाउडि नधुनायक ॥ मोहि जिआये उजन सुषदायक ॥
 ॥ तवपसादमममोहनसाना ॥ नामनरहस्य अनूपमजानागा ॥
 ॥ दोहा ताहि प्रससि विविधिविधि सि सनाइ कनजोनि ॥
 ॥ वचनविनीत सुप्रेम मूडवोले उगनु डवहोनिगा ॥
 ॥ प्रभुअपने अविवेक ते वूह उं स्वामी तोहिगागा ॥
 ॥ कृपासिंधु सादन कहहु जानि दासनि जमोहि ॥ ६३ ॥
 ॥ चौ तुम्ह सर्वगत गतमपाना ॥ सुमति सुसील सनल आचाना ॥
 ॥ ग्यानविनति विग्याननिवासा ॥ नधुनायक के तुम्ह प्रियदासा ॥
 ॥ काननकवन देहयह पाईगा ॥ तात सकल मोहिक कहहु बुहाई ॥
 ॥ नामचरित सन सुंदर स्वामी ॥ पाये उकहै कहहु ननगामी ॥
 ॥ नाथ सुनामैं अस शिव पाहीं ॥ महाप्रलय हुनाशत वनाहीं ॥
 ॥ मया वचन नहि ईश्वर कहई ॥ सोउ मोने मन संशय अहई ॥
 ॥ अगजग जीवनागन न देवा ॥ नाथ सकल जग काल कलैवा ॥
 ॥ अंडकटाह अमित लयकारी ॥ काल सदा दुनति क्रम जानीगा ॥
 ॥ सोनठा तुमहिन व्यापत काल ॥ अतिकाल काननकवन ॥
 ॥ मोहिसो कहहु कृपाल ॥ ग्यान प्रभाव कि जोग बल ॥
 ॥ दोहा प्रभु तव आश्रम आये उं मोन मोह अमनागागा ॥
 ॥ काननकवन सोनाथ सब कहहु सहित अनुनागा ॥ ६४ ॥
 ॥ चौ गनुडि गिना सुनिह नये उकागा ॥ वोलि उ उमापनम अनुनागागागा ॥
 ॥ धन्य धन्य तव मति उ नगानी ॥ प्रभु तुम्ह निमोहि अति प्यारी ॥
 ॥ सुनितव प्रभु प्रेम सुहाईगागा ॥ बहुत जन्म कइ सुधि मोहि आई ॥
 ॥ अवनिज कथा कह उं मइगाई ॥ तात सुनहु सादन मनु लाइगा ॥
 ॥ जपतपमय समदम व्रत नाना ॥ विनति विवेक जोग विग्याना ॥
 ॥ सब कर फल नधुपति पद प्रेमा ॥ तेहि विनु के दुखाव सुख छेमा ॥
 ॥ ऐहितन राम न कि मै पाईगागा ॥ तातैं मोहि के प्रिय ॥
 ॥ जेहितैं कछु निज खानथ होई ॥ तेहि पन ॥
 ॥ सोनठा पन्नगामि असनीति ॥ श्रुति सु ॥

॥ अतिनीचहुसनप्रीति ॥ कनियजानिनिजपनमहित ॥
 ॥ पाटकीटतैंहोइ ॥ तेहितैंपटअवननुचिरगागा ॥
 ॥ कुमिपोलैसबकोइ ॥ पनमअपावनपानसम ॥ १५ ॥
 ॥ चोखानथसकलजीवकहुऐह ॥ मनक्रमवचननामपदनेह ॥
 ॥ सोइपावनसोइसुनगासनीना ॥ जोतनुपाइनजइनधुवीना ॥
 ॥ नामविमुषलहिविधिसमदेह ॥ कविकोविदनप्रशंसहितेह ॥
 ॥ नामनक्तिऐहितनउनजामी ॥ तातैंमोहिपनमप्रियस्वामी ॥
 ॥ तजउनतननिजइधामनना ॥ तनविनुवेदनजननीहबरना ॥
 ॥ प्रथममोहमोहिवहुतविगोवा ॥ नामविमुषसुषकवहुनसोवा ॥
 ॥ नानाजन्मकरमपुनिनानागा ॥ किएजोगजपतपमधदाना ॥
 ॥ कवनजोनिजनमेउंजहंनहीं ॥ मैद्योगसन्निमिजगमाहीं ॥
 ॥ देखेउंकनिसवकरमगोसाई ॥ सुधीननऐउंअवहिकीनाई ॥
 ॥ सुधिमोहिनाथजन्मवहुकेरी ॥ शिवप्रसादमतिमोहनघेरी ॥
 ॥ दोहा प्रथमजन्मकेचरितअवकहैंसुनहुंविहंगेश ॥
 ॥ सुनिप्रभुपदनतिउपजइजातैंमिटहैंकलेश ॥
 ॥ पूनवकल्पऐकप्रभुकलिजुगमलकरमूल ॥
 ॥ ननअनुनानिअधर्मनतसकलनिगमप्रतिकूल ॥ १६ ॥
 ॥ चोतेहिकलिजुगकोशलपुनजाई ॥ जनमतनऐउंसइतनुपाई ॥
 ॥ शिवसेवामनक्रमअनुवानीगा ॥ आनदेवनिंदकअभिमानी ॥
 ॥ धनमदमत्तपनमवाचालागा ॥ उग्रबुद्धिउनदंनविसाला ॥
 ॥ जदपिनहेउंनघुपतिनजधानी ॥ तदपिनकछुमहिमातवजानी ॥
 ॥ अवजानामैंअवधप्रजावागागा ॥ निगमागमपुनानअसगावा ॥
 ॥ कवनेउंजन्मअवधवसजोई ॥ नामपनायनसोपनिहोई ॥
 ॥ अवधप्रजावजानतवशामी ॥ जबउनवसहिंनामधनुपानी ॥
 ॥ सोकलिका ॥ नगानी ॥ पापपरायनसवनननानी ॥
 ॥ धर्मसवलुप्रनऐउंसदग्रंथ ॥
 ॥ कल्पिकनिप्रगाटकिऐवहुपंथ ॥
 ॥ वसलोन्नग्रसेउंशुनकर्म ॥

उत्तर०

॥२२॥

॥ सुनुहनिजानग्याननिधिकहैंकषुककलिधर्म॥६७॥
 ॥ चौवननधर्मनहिआश्रमचानी॥ श्रुतिविनोधनतसवनननानी॥
 ॥ द्विजश्रुतिवैचहिंनूपप्रजासन॥ कोउनहिंमाननिगमश्रुनुसासन॥
 ॥ मानगसोइजाकहुंजोइभावा॥ पंडितसोइजोइगालवजावा॥
 ॥ मिथ्यानंनदंननतजोइगाणा॥ ताकहुंसंतकहइसबकोइगाणा॥
 ॥ सोइशयानजोइपनधनहानी॥ जोइकनदंनसोवडअचानीगाणा॥
 ॥ जोकहकूटमसधनीजानागा॥ कलिजुगसोइगुनवंतवधाना॥
 ॥ निनाचानजोश्रुतिपथत्यागी॥ कलिजुगसोइग्यानीसोविरागी॥
 ॥ जाकेनधअनुजराविशाला॥ सोइतापसप्रसिद्धकलिकाला॥
 ॥ दोहा॥ असुन्नवेधनूषनधनेनधनधजोधाहिंणा॥
 ॥ तेइजोगीतेइसिद्धननपूजितकलिजुगमाहिं॥
 ॥ सोनहा॥ जेअपकानीचान॥ तिरुहं गोनवमान्यते॥
 ॥ मनक्रमवचनलवान॥ तेइवकताकलिकालमहुं॥६८॥
 ॥ चौननिविवसननसकलंगोसोइ॥ नाचहिंनटमनकटकइनाई॥
 ॥ सइद्विजनउपदेशहिंग्याना॥ मेलिजनेउलेहिंकुदानागाणा॥
 ॥ सवननकामलोचनतक्रोधी॥ देवविप्रश्रुतिसंतविनोधीगाणा॥
 ॥ गुनमंदिनसुंदनपतित्यागीगाणा॥ भजहिंनानिपनपुनधअन्नागी॥
 ॥ सोनागिनीविनूषनहीनागा॥ विधवन्करीसिंगाननवीना॥
 ॥ गुनसिधिविधिनअंधकनलेषा॥ ऐकनसुनैऐकनहिंदेखागाणा॥
 ॥ हनैसिधधनशोकनहनईगा॥ सोगुनघोननरकमहुंपनई॥
 ॥ मातपितावालकनरुबुलावहिं॥ उदनननइसोइधर्मसिधावहिं॥
 ॥ दोहा॥ ब्रह्मज्ञानविनुनानिननकनहिंनदूसनिवात॥
 ॥ कोडिलागितेलोचनवसकनहिंविप्रगुनघातणा॥
 ॥ वादहिंसइद्विजनरुसनहमतुम्हनेकषुघाटि॥
 ॥ जानइब्रह्मसोविप्रवरआधिदिया॥
 ॥ चौपरत्रियलंपटकपटसयानै॥ मोह॥
 ॥ तेइअनेदवादीग्यानीवनगाता॥ देखा॥
 ॥ गुनगएउअनुतिरुहंघालहिं॥ जेक॥

॥ कल्पकल्पभनिएकऐकनकी ॥ परहिंजेदूषहिंश्रुतिकनितर्काणा ॥
 ॥ जेवननाधमतेलीकुंलाना ॥ सुपचकिनातकोलकलवाना ॥
 ॥ नानिमुईग्रहसंपत्तिनासी ॥ मूडमुडाइनपेउसंन्यासीणाणा ॥
 ॥ तेइविप्रनरसनआपुपुजावहिं ॥ उन्नयलोकनिजहायनसावहिं ॥
 ॥ विप्रनिनधनलोपकामी ॥ तिनाचानसठविषलीस्वामीणा ॥
 ॥ स्रद्धकरहिंजपतपव्रतनाना ॥ वैठिवनासनकहहिंपुनानाणा ॥
 ॥ सवननकल्पितकरहिंअचाना ॥ जाइनवननिअनीतिअपाना ॥
 ॥ दोहा ॥ नयेवननसंकनकलिनिनसेतुसवलोगाणा ॥
 ॥ कनीहिंपापपावहिंदूषहिंनयनुजसोकवियोगाणा ॥
 ॥ श्रुतिसंमतहनिनक्तिपथसंजुतविनतिविवेक ॥
 ॥ तेनचलीहिंननमोहवसकलपहिंपंथअनेक ॥ १०० ॥
 ॥ चौबहुदामसमानहिंधामजती ॥ विषयाहनिलीननहोविनतीणा ॥
 ॥ तपसीधनवंतदनिइग्रही ॥ कलिकौतुकतातनजातकही ॥
 ॥ कुलवंतितिकानीहिंननिसती ॥ ग्रहआनहिंचेनिनिवेनिगती ॥
 ॥ सुतमोनहिंमातपितातवलो ॥ अवलाननदीखनहिंजवलोगाणा ॥
 ॥ ससुनानिपिअनिलगीजवतें ॥ निपुनूपकुडुंवनयोतवतेंगाणा ॥
 ॥ नृपपापपनायनधर्मनहिं ॥ कनिदंडविउंवप्रजातिनहिंगाणा ॥
 ॥ धनवंतकुलीनमलीनअपी ॥ द्विजबीन्हजनेउउद्यानतपी ॥
 ॥ नहिंमानपुनाननवेदहिजो ॥ हनिसेवकसंतसहीकलिसो ॥
 ॥ कविवंदउदानदुनीनसुनी ॥ गुनदूषकवातनकोपिगुनी ॥
 ॥ कलिवानहिंवानदुकालपने ॥ विनुअन्नदूषीसवलोगमनेगाणा ॥
 ॥ दोहा ॥ सुनुषगेसकलिकपटहठदंनदेषपायंड ॥
 ॥ मानमोहमानादिमदव्यापिनहेउब्रह्मंडगाणा ॥
 ॥ तामसकर्मकरहिंननजपतपमधव्रतदान ॥
 ॥ देवन ॥ निपनबोएनजामहिंधान ॥ १०१ ॥
 ॥ बुधा ॥ धनहीनदूषीममताबहुधागाणा ॥
 ॥ तगाणा ॥ मतिथोनिकठेनिनकोमलतागाणा ॥
 ॥ हीं ॥ ॥ अनिमानविनोधअकानन ॥

॥ लघुजीवनसंवत्तपंचदशाणां ॥ कल्यांतननासगुमानुश्रयाणां ॥
 ॥ कलिकालविहालकिपेमनुजा ॥ नहिमानतकोउअनुजातनुजा ॥
 ॥ नहितोषविचाननसितलता ॥ ॥ सबजातिकुजातिनऐमंगता ॥
 ॥ इन्धापनघाघ्नलोलुपता ॥ ॥ ननिपूनिनहि समताविगता ॥
 ॥ सबलोगवियोगविसोकहृष्ट ॥ वननाश्रमधर्मश्रचानगऐणा ॥
 ॥ दमदानदयानहिजानपनीणा ॥ जडतापरपंचकतातिघनी ॥
 ॥ तनपोषकनानिननासगने ॥ ॥ पननिंदकजेजगमैंवगनेणा ॥

॥ दोहा ॥ मुनु व्यालानि काल कलि मल अत्र गुन आगान ॥

॥ गुणैव ह त कलिजुगकन विनु प्रयास निस्तान गा ॥

॥ कृतजुगत्रेताद्यापनहुँ पूजामयः अनुजोग गगनात् ॥

॥ जोगति होइ सो कलि हनि नाम ते पावहि लो ग ॥ १०२ ॥

॥ चौकृतजुगसबजोगीविग्यानी ॥ कनिहनिध्यानतनहिंनबप्रानी ॥

॥ त्रेताविविधजग्यननकरहीं ॥ प्रभुहिसमर्पिकर्मनवतनहीं ॥

॥ द्वापनकनिनघुपतिपदपूजा ॥ नननवतनहिउपायनपूजा ॥

॥ कलिजुगकेवलहनिगुनगाह ॥ गावतननपावहिन्नबथाह ॥ ॥

॥ कलिजगजोगनजग्यनग्याना ॥ ऐक्यधामनामगुनगाना ॥

॥ सवन्नो सत्तजिजोन्नजिहामहिं ॥ प्रेमसमेतगावगुनग्रामहिं ॥ ॥

॥ सो भवत नैक धु संशय नहिं ॥ नाम प्रताप प्रगट कलि माहिं ॥

॥ कलिकन ऐक पुनीत प्रतापाणा ॥ मानस पुन्य होहि नहि पापा ॥

॥ दोहा कलि जुग सम जुग आन नहि जौ नन कन विस्वास ॥

॥ गाङ्गा नाम गुणगान विमल च वत्त न विनहिं प्रयास ॥ ॥

॥ प्रगटचानिपदधर्मके कलिमहुं ऐक प्रधानाणा ॥

॥जेनकेनविधिदिनेदानकरहिकल्यान॥॥१०३॥

॥ चै नित्तजुगधर्महोहिं सबकेने ॥ हृदयनाममायाके प्रेनेणाता ॥

॥ शुद्धसत्त्वममताविग्यानागा ॥ कृतप्रज्ञ ॥ मनजाना ॥ ॥

॥ सत्त्वं बहुत न ज क धु न तिकर्म ॥ सर्वाणि

बहुनजस्वल्पसत्त्वकथुतामस॥ द्वापयुग

ममसबहुतनजोगुनथोना॥॥॥

निचितव

॥ बुधजुगधर्मजानिमनमहिं ॥ तजिअधर्मनतिधर्मकरहिं ॥
 ॥ कालधर्मनहिं व्यापहिं ताहिं ॥ नयुपतिचननप्रीतिअतिजाहिं ॥
 ॥ नटकृतविकटकपटधगनाया ॥ नटसेवकहिनव्यापइमायाणा ॥
 ॥ दोहा ॥ हनिमायाकृतदोषगुनविनुहनिभजननजाहिं ॥
 ॥ नजियनामतजिकामसवअसविचानिमनमहिं ॥
 ॥ तेहिकलिकालवनधवहुवसेउंअवधविहंगेस ॥
 ॥ पनेउदुकालविपतिवसतवमैगएउंविदेस ॥ १०४ ॥
 ॥ चौगएउउज्जेनिसुनहुउनगानी ॥ दीनमलीनदनिद्रदुषानीणा ॥
 ॥ गएकालकछुसंपतिपाईणा ॥ तहंपुनिकनउंशंनुसेवकाई ॥
 ॥ विप्रएकवैदिकशिवपूजाणा ॥ कनइसदातेहिकाजनदूजा ॥
 ॥ पनमसाधुपनमानथविंदक ॥ संनुउपासकनहिं हनिनिंदक ॥
 ॥ तेहिसेवहुमइकपटसमेता ॥ द्विजदयालअतिनीतितिकेता ॥
 ॥ बाहिजनमृदेधिमोहिंसाई ॥ विप्रपछावपुत्रकीनाई ॥
 ॥ शंनुमंत्रमोहिद्विजवनदीन्हा ॥ सुन्नउपदेशविविधविधिकीन्हा ॥
 ॥ दोहा ॥ मैघलमलसंकुलमतिनीचजातिवसमोह ॥
 ॥ हनिजनद्विजदेधेजनैकनउंविश्रुकनद्रोहणा ॥
 ॥ सोरठा ॥ गुननितमोहिप्रबोध ॥ दुषितदेधिआचननमम ॥
 ॥ मोहिउपजेअतिक्रोध ॥ दंनिहिनीतिकिभावई ॥ १०५ ॥
 ॥ चौ ॥ ऐकवानगुनलीन्होलाईणा ॥ मोहिनीतिवहुभौतिसिखाईणा ॥
 ॥ शिवसेवककनफलसुतसोई ॥ अविनलभक्तिनामपदहोईणा ॥
 ॥ नामहिंनजहिंतातशिवधाता ॥ ननपावनकइकेतिकवाताणा ॥
 ॥ जासुचननअजशिवअनुनागी ॥ तासुद्रोहसुषचहसिअनागी ॥
 ॥ हनकहुहनिसेवकगुनकहेउ ॥ सुनिषगनाथहुदयममदहेउ ॥
 ॥ अधमजातिमइविद्यापाए ॥ नयेउंजथाअहिंधुपिआए ॥
 ॥ मानीकुटिल ॥ कजाती ॥ गुनकनद्रोहकनउंदिनुनाती ॥
 ॥ अ ॥ क्रोधा ॥ पुनिपुनिमोहिसिखावसुबोधा ॥
 ॥ ॥ सोप्रथमहिं हठिताहिनसावा ॥
 ॥ ॥ तेहिबुहावधनपदवीपाईणा ॥

॥ नजमगपनीनिनादननहईगा ॥ सवकनपदप्रहाननितसहई ॥
 ॥ मनुतउडावप्रथमतेहिन्नई ॥ पुनिनपनयनकिनीटनहपनई ॥
 ॥ सुनुषगपतिअससमुद्विप्रसंगा ॥ बुधनहिंकनहिंअधमकनसंगा ॥
 ॥ कविकोविदगावहिंअसिनीती ॥ बलसनकलहननलनहिप्रिती ॥
 ॥ उदासीननितनहिअगोसाई ॥ बलपनिहृनिपस्वानकीनाई ॥
 ॥ मैबलकपटहृदयकुटिलाई ॥ गुनहितकहइनमोहिसोहाई ॥
 ॥ दोहा एकवानहनमंदिनजपतनहेउं शिवनाम ॥
 ॥ गुनआएउअनिमानतैउठिनहिंकीनूपनाम ॥
 ॥ सोदयालनहिंकहेउकछुउननरोषलवलेस ॥
 ॥ अतिअधगुनअपमानतैसहिनहिसकेउमहस ॥१०६॥
 ॥ चौमंदिनमाहैनईननवानी ॥ नेहतनाग्यअग्यअनिमानी ॥
 ॥ जघपितवगुनकेनहिक्रोधा ॥ अतिकपालचितसम्यकवोधा ॥
 ॥ तदपिशापंदेहुं सठतोही ॥ नीतिविनोधसोहावनमोही ॥
 ॥ जोनहिंदंडकनौषलतोनागा ॥ अष्टहोइश्रुतिमानगमोनागा ॥
 ॥ जेसठगुनसनइनयाकनहां ॥ नौनवननककोटिजुगपनहां ॥
 ॥ त्रिजगजोनिपुनिधनहिंशरीना ॥ अयुतजन्मननिपावहिंपीना ॥
 ॥ वैठिनहेउअजगनइवपापी ॥ सपेहोहिंषलमलमतिव्यापी ॥
 ॥ महाविटपकोटनमहुंजाईगा ॥ नहुअधमाधमअधगतिपाई ॥
 ॥ दोहा हाहाकारकीनृगुनदानुनसुनिशिवशाप ॥
 ॥ कंपितमोहिविलोकिअतिउनउपजापनिताप ॥
 ॥ कनिदंडवतसप्रेमदिजशिवसनमुखकनजोनि ॥
 ॥ विनयकरतगदगदस्वनिसमुद्विघोनगतिमोनि ॥१०७॥
 ॥ अहो कनमामीशमीशाननिर्वाणरूप ॥ विनुंब्यापकंब्रह्मवेदस्वरूप ॥
 ॥ निजनिगुणनिर्विकल्पनिनीहं ॥ चिदाकाशमाकाशवासंभजहं ॥
 ॥ निनाकानमोकानमूलंतुनीयं ॥ गिनपुनहं नमीशंमिनीशं ॥
 ॥ कनालंमहाकालकालंकनालं ॥ गुणहं विविध ॥
 ॥ तुयानादिसंकाशगोनं गंभीरं ॥ मने ॥
 ॥ कनमोलिकल्लोलिनिवानुगंगा ॥ गिनचितव ॥

॥ चलत्कुंडलं भू सुनेत्रं विशालं ॥ प्रसन्नाननं नीलकण्ठं दयालं ॥
 ॥ मृगाधीशचर्मो वनं मुंडमालं ॥ प्रियंशंकरं सर्वनाथं नमामि ॥ ४ ॥
 ॥ प्रचंडं प्रकृष्टं प्रगल्भं पनेशं ॥ अखंडं अजं भानुकोटिप्रकाशं ॥
 ॥ त्रयं शूलनिर्मूलं शूलपाणिं ॥ भजे हं न वानी पतेनावगम्यं ॥ ५ ॥
 ॥ कलातीतकल्याणकल्यांतकरी ॥ सदासज्जनानंददाता पुनानी ॥
 ॥ विदानंदसंदोहमोहापहनी ॥ प्रसीद प्रसीद प्रभो मन्मथानी ॥ ६ ॥
 ॥ नयावद्दुमानाथपादानविंदं ॥ भजंती हलोलोके पनेवाननाय ॥
 ॥ नतावत्सुखं शांतिसंतापनाशं ॥ प्रसीद प्रभो सर्वभूतधिवासं ॥ ७ ॥
 ॥ नजानामियोगं जपं नैव पूजा ॥ नतो हं सदा सर्वदा शंभुतुल्यं ॥
 ॥ जनाजन्मदुःखौघतातप्यमानं ॥ प्रभो पाहि आपन्नमामि शशंभो ॥ ८ ॥

॥ नुद्रः सुकमिदं प्रोक्तं विप्रेण हनतोषयेत् ॥

॥ ये पठंति नरा भक्त्या तेषां शंभु प्रसीदति ॥ ९ ॥

॥ दोह ॥ सुनिविनती सर्वग्यशिवदेविविप्रअनुराग ॥

॥ पुनिमं दिन न भवानी न इदं जवनवनमागुणा ॥

॥ जो प्रसन्न प्रभुमोपननाथदीनपननेहु ॥ १० ॥

॥ निजपदभक्तिदेइ प्रभु पुनिदूसनवनदेहु ॥ ११ ॥

॥ तव मायावसजीवजडसंततफिरइनुलान ॥

॥ तेहि पनक्रोधनकनिय प्रभुकृपासिंधुनगवान ॥

॥ शंकरदीनदयाल अवेहि पनहोहु कृपाला ॥

॥ शापअनुग्रहहोइ जेहि नाथ सोथोनेहिकाल ॥ १०८ ॥

॥ चो ऐहिकनहोइ पनमकल्याण ॥ सोई कनहु अवकृपानिधाना ॥

॥ विप्रगिना सुनिपनहितसानी ॥ एवमस्तु तव नमन भवानी ॥ ११ ॥

॥ जदपि कीन्ह ऐहिं दानुनपापा ॥ मै पुनिदिन्ह क्रोधकनिशाया ॥

॥ तदपि तुम्हानि साधुतादेखी ॥ कनिहो ऐहि पनकृपाविशेषी ॥

॥ छमाशीलने ॥ १२ ॥ तेहि जमोहिं प्रियजथाधरानी ॥

॥ १३ ॥ जन्मसहस्र अवस्ययह पाई ॥

॥ १४ ॥ ऐहि स्त्रलपडनहि व्यापिहि सोई ॥

॥ १५ ॥ हुनहि स्त्रममवचनप्रमाना ॥

उत्तर०

॥२५॥

॥ नद्युपतिपुत्रीजन्मतवन्नयेउगा ॥ पुनितैममसेवामनदेउगा ॥
 ॥ पुत्रीप्रभावअनुग्रहमेनेगागागा ॥ नामभक्तिउपजिहिउन्नतोने ॥
 ॥ सुनुममवचनसत्प्रअवनाई ॥ हरितोषनव्रतद्विजसेवकाई ॥
 ॥ अवजनिकनेहिविप्रअपमाना ॥ जानेसुसंतअनंतसमानागागा ॥
 ॥ इंदुकुलिशममसलविशाला ॥ कालदंडहनिचक्रकनालागागा ॥
 ॥ जोइरुकनमानानहिमनईगागा ॥ विप्रद्रोहपावकसोइजनई ॥
 ॥ असविवेकनायेहुमनमाहिंगागा ॥ तुम्हकहंजगदुल्लेखकधुनाहिं ॥
 ॥ अउनउऐकआशिषामोनीगागा ॥ अप्रतिहतगतिहोइहइतोनी ॥

॥ दोहा मुनिशिववचनहराधिगुनएवमस्तुइतिआधि ॥

॥ मोहिप्रबोधिगएउग्रहशंभुचननउननाधिगागा ॥

॥ प्रेनितकालविंध्यागिनिजाइन्नयेउंमइव्यालगागा ॥

॥ पुनिप्रयासविनुसोतनुतजेउंगऐकछुकाल ॥

॥ जोइतनुधनउंतजहुंपुनिअनायासहनिजान ॥

॥ जिमिनूतनपटपहिनहिंननपमिहूनइपुनानागागा ॥

॥ शिवराधाश्रुतिनीतिअनुमइनीहिंपावकलेश ॥

॥ ऐहिविधिधनेउविविधतनुग्याननगएउषगेस ॥ १०६ ॥

॥ चौविजगदेवननजोइतनुधनेउं ॥ तहंतहंनमभजनअनुसनेउं ॥

॥ ऐकशरलमोहिविसननकाउ ॥ गुनकरकोमलशीलसुभाउ ॥

॥ चनमदेहमैद्विजकइपाई ॥ सुनदुनलभपुनानश्रुतिगाई ॥

॥ खेलउंतहंवाल्कनहमीला ॥ कनउंसकलनघुनायकलीला ॥

॥ प्रोछन्नयेउंमोहिपितापछावा ॥ समुहउंसुनउंगुनउंनहिंभावा ॥

॥ मनतैसकलवासनाभगी ॥ केवलनामचननलयलागी ॥

॥ कहुषगेसअसकवनअभगी ॥ धनिसेवहिसुनधेनुहित्यागी ॥

॥ प्रेममगनमोहिकधुनसुहाई ॥ हानेउपितापछाइपछाई ॥

॥ नयेउकालवसजवपितुमाता ॥ मइवदुनलभजनजनत्राता ॥

॥ जहंतहंविपिनिमुनीस्वनपावै ॥ आमुनिहंविपिनिमुनीस्वनपावै ॥

॥ बूहउंतिन्हहिंनमगुनगाहा ॥ कहेपुनिहंविपिनिमुनीस्वनपावै ॥

॥ सुनतपिहोहनिगुनअनुवाह ॥ नयेउकालवसजवपितुमाता ॥

॥ गीतवतव ॥

॥ धूटी त्रिविधि ईशनागाढाणा ॥ ॥ ऐक लालसा उन अतिवाढी ॥
 ॥ नामचननवानिजजवदेयौ ॥ ॥ तवनिजजन्मसुफलकनिलेयौ ॥
 ॥ जोहि पूँछ उँसो इ मुनिअसकहई ॥ ईश्वर सर्वभूतमय अहई ॥
 ॥ निर्गुनमतनहि मोहिसोहई ॥ ॥ सगुनब्रह्मरति उन अधिकाई ॥
 ॥ दोहा गुनके वचन सुनतिकनि नामचननमनुलाग ॥
 ॥ नघुपतिजसगावतफिरौँ छनछननवअनुनाग ॥
 ॥ मेनुसिषनिवटघाया मुनिलोमसआसीन ॥
 ॥ देखिचननशिशुनाऐउँ वचनकहे उँ अतिदीन ॥
 ॥ सुनिममवचनविनीतमृदु मुनिकृपालसगनाज ॥
 ॥ मोहिसादन पूँछतनये उँ दिजआऐ उँ केहिकाज ॥
 ॥ तवमैं कह कृपानिधितुम्ह सर्वग्यमुजानाग ॥
 ॥ सगुनब्रह्मअवनाधनमोहिकहहुनगवान ॥ १० ॥
 ॥ चौ तवमुनीसनघुपतिगुनगाथा ॥ कहे उँ कथुकसादनधमनाथा ॥
 ॥ ब्रह्मग्याननतमुनिविग्यानी ॥ ॥ मोहिपरमअधिकारीजानी ॥
 ॥ लागेकननब्रह्मउपदेशागा ॥ ॥ अजअद्वैतअगुनदुरयेसा ॥
 ॥ अकलअनीहअनामअरूपा ॥ अनुभवगम्यअघउअनूपा ॥
 ॥ मनगोतीतअमलअविनासी ॥ निर्विकारनिबधिसुषासी ॥
 ॥ सोतैताहि तोहिनहि ॥ ॥ नेद ॥ वानिबीचइवगावहिवेदा ॥
 ॥ विविधभौतिमोहिमुनिसमुहवा ॥ निर्गुनमतममदुदयनआवा ॥
 ॥ पुनिमैंकहेउनाइपदसीसागा ॥ ॥ सगुनउपासनकहहुमुनीसा ॥
 ॥ रामभक्तिजलमममनमीना ॥ ॥ किमिविलागाइमुनीशप्रवीना ॥
 ॥ सोइउपदेशकहहुकनिदाया ॥ ॥ निजनयनहिदेखउनघुनाया ॥
 ॥ मनिलोचनविलोकिअवधेसा ॥ ॥ तवमुनिहौं निर्गुनउपदेशा ॥
 ॥ मुनिपुनिकहिहनिकथाअनूपा ॥ ॥ घंडिसगुनसतअगुननिरूपा ॥
 ॥ तवमैं निर्गुनमतममिदूनीगा ॥ ॥ सगुननिरूपौं कनिहठनूनी ॥
 ॥ ॥ ॥ मुनितनभये उँ क्रोधकेचीन्हा ॥
 ॥ ॥ ॥ उपजाक्रोधग्यानीकेहिऐगा ॥
 ॥ ॥ ॥ अनलप्रगटचंदनतैहोइगा ॥
 ॥ ॥ ॥ यमुनिकनैनिरूपनग्यान ॥

उत्तर०

॥ मैं अपने मन वैठित वक्तौ विविध अनुमान ॥
 ॥ क्रोध कि द्वैत बुद्धि विनु द्वैत कि विनु अग्यान ॥
 ॥ माया वसपनि धिन्न जड जीव कि ईश समान ॥१॥
 ॥ चौक बहूँ कि दुषस वक्त न हित ताके ॥ तेहि कि दनि डपन सम निजाके ॥
 ॥ पन डोहि कि होहि निहि संका ॥ कामी पुनि कि नहि निह कलंक ॥
 ॥ वंश कि नहि द्विज अन हित कीने ॥ कर्म कि होहि स्वरूपहि चीने ॥
 ॥ काहु सुमति कि सल संग जामी ॥ सुभगति पाव कि पन त्रिय गामी ॥
 ॥ नव कि पनहि पन मातम बिंदक ॥ सुधी कि होहि कवहुँ पन निंदक ॥
 ॥ नाज कि नहि नीति विनु जानै ॥ अर्थ कि नहि हिनि चरित वधनै ॥
 ॥ पावन जस कि पुन्य विनु होई ॥ विनु अर्थ अजस कि पाव कोई ॥
 ॥ लाभ कि कछु हनि भक्ति समान ॥ जेहि गावहि श्रुति संत पुनाना ॥
 ॥ हति कि जग ऐहि सम कछु भाई ॥ भजिय न नामहि ननत गुपाई ॥
 ॥ अर्थ कि विना तामस कछु आना ॥ धर्म कि दया सनि सह निजाना ॥
 ॥ ऐहि विधि अमित जुगति मै गुन उँ ॥ मुनि उपदेशन सादन सुन उँ ॥
 ॥ पुनि पुनि सगुन पछ मै नोया ॥ तव मुनि बोले उवचन सकोपा ॥
 ॥ मूढ पन मसिष दे उँ न मानसि ॥ उत्तर प्रति उत्तर बहूँ आनसि ॥
 ॥ सत्य वचन बिस्वासन कनहि ॥ वायस इव सब होतें डरहि ॥
 ॥ सठ स्वपछ तव हृदय विशाला ॥ सपदि होहि पछि चंडाला ॥
 ॥ लीन आप मै सीस चढाई ॥ नहि कछु नयन दीनता आई ॥
 ॥ दोहा तुनत न ऐ उँ मै कागत व पुनि मुनि पद सिनु नाई ॥
 ॥ सुमति नाम न घुवं सम निह न धित चले उँ उडाई ॥
 ॥ उमाजे नाम चनन त विगत काम मद क्रोध ॥
 ॥ निज प्रभु मय देखि जगत केहि सन कनहि विनोद ॥२॥
 ॥ चौ सुनुषगे सनहि कछु निषिदूषन ॥ उन कछु वंश विभूषन ॥
 ॥ कृपा सिंधु मुनि मति कनि नोरी ॥ लीन ॥ शमोनी गा ॥
 ॥ मन वचन ममोहि निज जन जाना ॥ मुनि ॥ विद्वान ॥
 ॥ निधि मम सहज सील ता देखी ॥ ना ॥ न क ॥
 ॥ तति विस्मय पुनि पुनि पछिताई ॥ स ॥ चितव ॥

॥ ममपनि तोषविविधविधिकीन् ॥ हनधितनाममंत्रतवदीन् ॥
 ॥ बालकरूपनामकनध्याना ॥ कहेउमोहिमुनिकृपातिथाना ॥
 ॥ सुंदनसुषदमोहिअतिजावा ॥ सोइप्रथमहिंमैनुमूहिसुनावा ॥
 ॥ मुनिमोहिकथुककालतहनावा ॥ नामचनितमानसतवनावा ॥
 ॥ सादनमोहियहकथासुनाई ॥ पुनिबोलेमुनिगिमासोहई ॥
 ॥ नामचनितसनगुप्तसुहावा ॥ शंनुप्रसादतातमैपावा ॥
 ॥ तोहिनिजजगतनामकनजानी ॥ तातैमइसवकथावधानी ॥
 ॥ नामचक्तिजिन्हकेउननाहौं ॥ कवहुंनतातकहियतिरूपहिं ॥
 ॥ मुनिमोहिविविधनौतिसमुष्ट ॥ मैसप्रेममुनिपदसिनुनावा ॥
 ॥ निजकनकमल्पनसिममसीसा ॥ हनधितआसिषदीन्हमुनीसा ॥
 ॥ नामचक्तिअविनलउनतोनें ॥ वसिहिसदाप्रसादअवमोनें ॥

॥ दोह सदानामप्रियहोवतुमूसुनगुनचवनअमान ॥

॥ कामरूपइछामननग्यानविनागनिधान ॥

॥ जेहिआश्रमनुमूवसवपुनिसुभिनतश्रीभगवंत ॥

॥ व्यापिहितहैन ॥ अविद्याजोजनऐकप्रजंत ॥ १३ ॥

॥ चौ कालकर्मगुनदोषसुभाउ ॥ कथुदुषतुमूहिनव्यापिहिकाउ ॥
 ॥ नामनहस्यललितविधिना ॥ गुप्तप्रगटइतिहासपुनाना ॥
 ॥ विनुअमनुमूजानवसवसोउ ॥ नितनवनेहनामपदहोउ ॥
 ॥ जोइछाकनिहूमनमोहौं ॥ हनिप्रसादकथुदुलैननाहौं ॥
 ॥ सुनिमुनिआसिषसुनुमतिथीना ॥ ब्रह्मगिनाभइगगनगंजीना ॥
 ॥ एवमस्तुतवचमुनिग्यानी ॥ हयमभनगतकर्ममनवानी ॥
 ॥ सुनिनजगिनाहनधमननऐउ ॥ प्रेममगनसवसंशयगऐउ ॥
 ॥ कनिविनतीमुनिआद ॥ पाई ॥ पदसरोजपुनिपुनिसिनुनाई ॥
 ॥ हनगसहित ॥ पाई ॥ प्रनुप्रसादउनलनवनपाऐउं ॥
 ॥ ॥ वीतेकल्पसातअनुवीसा ॥
 ॥ ॥ सादनसुनहिंविहंगसुजाना ॥
 ॥ ॥ धनहिंनगतहितमनुजशनीना ॥
 ॥ ॥ सिसुलीलाविलोकि सुखलह ॥

॥ पुनिउननाधिनामसिसु नूषा ॥ निजआममआवहुंषगन्त्रपा ॥
 ॥ कथासकलमैतुम्हहि सुनाई ॥ कागदेहेजेहिकाननपाई ॥
 ॥ कहेउतातसबप्रश्नतुम्हनी ॥ नामनगतिमहिमाअतिजानी ॥
 ॥ दोहा तातेयहतनमोहिप्रियभयेउनामपदनेह ॥
 ॥ निजप्रनुदनसनपाऐउंगयेउसकलसंदेह ॥
 ॥ नक्तिपछहठकनिनहेउंदीरुमहानिधिआप ॥
 ॥ मुनिदुनलभवनपाऐउंदेखहुभजनप्रताप ॥ ११४ ॥
 ॥ दोजेअसिभगतिजानिपसिहहिं ॥ केवलग्यानहेतुअमकनहिं ॥
 ॥ तेजडकामधेनुग्रहत्यागीगाणा ॥ खोजतअजाफिनहिंपयलागी ॥
 ॥ सुनुषगेशहनिभगतिविहाई ॥ जेसुषचाहहिंआनउपाईगा ॥
 ॥ तेसठमहासिंधुविनुतननीगा ॥ पैनिपानचाहहिंजडकननी ॥
 ॥ सुनिनुसुडिकेवचननवानी ॥ बोलिउगनुडहनधिमुदुवानी ॥
 ॥ तवप्रसादप्रनुममउनमाहिं ॥ संशयसोकमोहअमनाहिं ॥
 ॥ सुनेउपुनीतनामगुनगामा ॥ तुम्हनीकपालहेउविश्रामा ॥
 ॥ ऐकवातप्रनुऐछउतोहीगाणा ॥ कहहुबुहाइकृपानिधिमोहा ॥
 ॥ कहहिंसंतमुनिवेदपुनानाणा ॥ नहिकछुदुलभग्यानसमाना ॥
 ॥ सोइमुनितुम्हसनकहेउगोसाई ॥ नहिआदनेहुनगतिकीनाई ॥
 ॥ ग्यानहिंनगतिहिअंतरकेता ॥ सकलकहहुप्रनुकृपासमेता ॥
 ॥ सुनिउनगाविचनसुषमाना ॥ सादनबोलिउकागसुजाना ॥
 ॥ नक्तिहिग्यानहिंनहिकछुनेदा ॥ उनयहनहिंनवसंनवषेदा ॥
 ॥ नाथमुनीशकहहिकछुअंतर ॥ सावधानसोउसुनुविहंगवन ॥
 ॥ ज्ञानविनागजोगविज्ञानाणा ॥ ऐसवपुनुषसुनहुहनिजाना ॥
 ॥ पुनुषप्रतापप्रवलसबजांती ॥ अवलाअवलसहजजडजाती ॥
 ॥ दोहा पुनुषत्यागिसकनानिहि ॥ निभक्तमतिधीन ॥
 ॥ ननुकामीविषयाविवसविम ॥ उतपवीन ॥
 ॥ सोनठा सुनिमुनिग्याननिधान ॥ विविध ॥
 ॥ विवसहोइहनिजान ॥ नानिवि ॥
 ॥ दोइहानपछपातकछुनायौ ॥ ॥
 ॥ गमचितव ॥

॥ मोहननानिनातिकेरूपाणां ॥ पन्नगानियह नीतिअनूपा ॥
 ॥ मायानक्ति सुनहुं तुम्ह दोउ ॥ नानिवर्गजानहिं सब कोउणा ॥
 ॥ पुनिनघुवीनहि नक्ति पियावी ॥ मायाबलुनिर्तकी विचानीणा ॥
 ॥ नक्ति हिसानुकूलनघुनाया ॥ ताते तेहि डनपति अतिमाया ॥
 ॥ नामनक्ति निनुपमनिनुपाधी ॥ वसै जासु उन सदा अवाधीणा ॥
 ॥ तेहि विलोकि माया सकुचाई ॥ कनिनसकै कछु निज प्रनुताई ॥
 ॥ अस विचानि जे इ मुनि विग्यानी ॥ गावहि नगति सकल गुनषानी ॥
 ॥ दोहा यहन हस्यनघुनाथ करवे गिन जानहिं कोइ ॥
 ॥ जो जानै नघुपति कृपा सपनेहुं मोहन होइ ॥
 ॥ ओ नवग्यान भक्तिकर नेद सुनहुं सुप्रवीन ॥
 ॥ जो सुनि होइ नाम पद प्रीति सदा अविछीन ॥ १६ ॥

॥ चौ सुनहुं तात यह अकथ कहानी ॥ समुह तवनहिं न जाइ वषानी ॥
 ॥ ईश्वर अंस जीव अविनासीणा ॥ चेतन अमल सहज सुषणासी ॥
 ॥ सो माया वस न ऐउ गोसांईणा ॥ बंधो की नमर्कट की नाई ॥
 ॥ जउ चेतनहिं ग्रंथि पनिगईणा ॥ जदपि मृषा धूटत कठिनईणा ॥
 ॥ तव तै जीव न ऐउ संसारीणा ॥ धूटन ग्रंथिन होइ सुषानीणा ॥
 ॥ श्रुति पुनानवहु कहे उउपाई ॥ धूटन अधिक अधिक उनहई ॥
 ॥ जीव हृदय तम मोह विशेषी ॥ ग्रंथि धूटकि मिपन इन देखी ॥
 ॥ अस संजोग ईश जव कनईणा ॥ तवहुं कदाचित सो निनु अनई ॥
 ॥ सात्विक अद्धाधेनु सुहईणा ॥ जोहनि कृपा हृदय वस अई ॥
 ॥ जपत पवत जम नियम अणान ॥ जो श्रुतिक हशु न धर्म अचाना ॥
 ॥ तेइ तन हनित चरइ जवगाई ॥ भाववध सि सुपाइ पनहईणा ॥
 ॥ नोइ निवृत्ति पात्र विस्वासाणा ॥ निर्मल मन अहीन निज दासा ॥
 ॥ पनम धर्म मय पर ॥ आवटै अनल अकाम वनाई ॥
 ॥ ते ॥ धृति सम जावन देइ जमावैणा ॥
 ॥ ॥ दम आधान न जु सत्य सुवानी ॥
 ॥ ॥ विमल विनाग सुभग सुपुनीता ॥
 ॥ ॥ तव कर्म शुभा शुभलाइ ॥

॥ बुद्धिसिनावेग्यानद्यतममतामलजनिजाइ ॥
 ॥ तवविग्याननिरूपनबुद्धिविसदद्यत्तपाइगा ॥
 ॥ चित्तदियाभनिधनइडिछसमतादिअटिवनाइ ॥
 ॥ तीनिअवस्थातीनिगुनतेहिकपासतैकाछि ॥
 ॥ तलतुनीयसैवानिपुनिवातीकनइसुगाछि ॥
 ॥ सोनठाऐहिविधिलेसैदीप ॥ तेजनसिविग्यानमय ॥
 ॥ जातहितासुसमीप ॥ जनहिमदादिकसलनसव ॥१७॥
 ॥ चोसोहमसिइतिवत्तिआखंडाणा ॥ दीपसियासोइपनमप्रचंडा ॥१८॥
 ॥ आतमअनुभवसुखसुप्रकासा ॥ तवभवमूलनेदअमनासा ॥१९॥
 ॥ प्रवलअविद्याकनपनिषानाणा ॥ मोहआदितममिटइअपाना ॥२०॥
 ॥ तवसोइबुद्धियाइउजिआना ॥ उनग्रहवैठिग्रंथिनिनवाना ॥२१॥
 ॥ छोननग्रंथियावजोसोइगाणा ॥ तौयहजीवकृतानथहोइगा ॥२२॥
 ॥ छोनतग्रंथिजानिषगनाया ॥ विघ्नअनेककनइतवमाया ॥२३॥
 ॥ निधिसिद्धिप्रेनइवहुनाइगाणा ॥ बुद्धिहिलोन्नदियावइआइ ॥२४॥
 ॥ कलवलछलकनिजाहिसमीप ॥ अंचलवातवुहावहिंदीयाणा ॥२५॥
 ॥ होइबुद्धिजोपनमसयानीणा ॥ तिन्हतनचितवनअनहितजनी ॥२६॥
 ॥ जोतेहिविघ्नबुद्धिनिहिंवाधीणा ॥ तौवहेपिसुनकनहिंउपाधीणा ॥२७॥
 ॥ इंद्रीकानह्नोषानानागाणा ॥ तहंतहंसुनवइठइकनिथाना ॥२८॥
 ॥ आवतदेखहिंविषयवियानीणा ॥ तेहठिदेहिकपाटउघानीगाणा ॥२९॥
 ॥ जवसोपनंजनउनग्रहजई ॥ तवहिंदीयविग्यानबुहइगाणा ॥३०॥
 ॥ ग्रंथिनछटिमिटसुप्रकासा ॥ बुद्धिविकलअविषयवतासा ॥३१॥
 ॥ इंदिरुसुनरुनज्ञानसुहाइ ॥ विषयनोगयनप्रीतिसदाइ ॥३२॥
 ॥ विषयसमीनबुद्धिकृतनोनी ॥ तेहिनिदीपकोवानवहेनी ॥३३॥
 ॥ दोहातवफिनिजीव ॥ विविधविनिमंससतिहेश ॥
 ॥ हनिमायाअतिदुस्तनतनिन ॥ ॥३४॥
 ॥ कहतकठिनसमुहत्तकठिन ॥ ॥३५॥
 ॥ होइधुनाछनन्याम ॥ पुनिप्र ॥३६॥
 ॥ ॥३७॥
 ॥ ॥३८॥
 ॥ ॥३९॥
 ॥ ॥४०॥

॥ जोनिर्विघ्नपंथनिनवहईगागा ॥ सोकैवल्यपरमपदलहईगागा ॥
 ॥ अतिदुर्लभकैवल्यपरमपद ॥ संतपुनाननिगमआगमवद ॥
 ॥ नामन्नजनसोंमुक्तिगोसाई ॥ अनइष्टतआवेवनिआईगागा ॥
 ॥ जिमिथलविनुजलनहिनसकाई ॥ कोटिनौतिकोउकनइउपाई ॥
 ॥ तथा मोहसुषसुनुषगनाईगागा ॥ नहिनसकइहनिन्नक्तिविहाई ॥
 ॥ असविचानिहनिन्नक्तसयानै ॥ मुक्तिनिनादनन्नक्तिलोचनै ॥
 ॥ नक्तिकनतविनुजतनअनयासा ॥ संसतिमूलअविद्यानासा ॥
 ॥ भोजनकनियतपित्तहित्तलगी ॥ जिमिसोअसनपचइजठनागी ॥
 ॥ असिहनिन्नक्तिसुगमसुषदाई ॥ कोअसमूखनजाहिसुहाही ॥

॥ दोहा सेवकसेबिभाविनुभवतनियउनगानि ॥

॥ भजहुनामपदपंकजहिअससिद्धांतविचानि ॥

॥ जोचेतनकहैजडकनैजडहिकनइचेतन्य ॥

॥ अससमनयनधुनायकहिन्नजहिंजीवतेधन्य ॥ १२६ ॥

॥ चौकहेउंग्यानसिद्धांतबुहाई ॥ ॥ सुनहुंनक्तिमनिकेप्रभुताई ॥
 ॥ नामन्नगतिचिंतामनिसुंदर ॥ ॥ वसइगनुडजाकेउनअतन ॥
 ॥ परमप्रकाशनूपदिनराती ॥ ॥ नहिकछुचहियदीपद्यतवाती ॥
 ॥ मोहदनिइनिकटनहिआवा ॥ ॥ लोभवातनहिंताहिवुहावा ॥
 ॥ प्रवलअविद्यातममिटिजाई ॥ ॥ हानहिंसकलसलन्नसमुदाई ॥
 ॥ धलकामादिनिकटनहिंजहिं ॥ ॥ वसइनक्तिजाकेउनमाहीगागा ॥
 ॥ गनलसुधासमअनिहितहोई ॥ ॥ तेहिमनिविनुसुषपावनकोई ॥
 ॥ व्यापहिंमानेनागननानी ॥ ॥ जिन्हकेवससबजीवदुषारी ॥
 ॥ नामन्नक्तिमनिउनकाजाके ॥ ॥ दुषलवलेसनसपनैहुंताके ॥
 ॥ चतुनशिरोमनिते ॥ ॥ जेमनिलगिसुजतनकनहिं ॥
 ॥ सोमतिप्रगजड ॥ ॥ नामकृपाविनुनहिंकोउलहई ॥
 ॥ ॥ नरहत्तनाग्यदेहिंनटनेरेगा ॥
 ॥ ॥ नामकथानुचिराकरनाना ॥
 ॥ ॥ ग्यानविनागनयनउनगानी ॥
 ॥ ॥ पावनगतिमनिसवसुषधारी ॥

॥ मोनेमनप्रनुअसविस्वासाणा ॥ नामतेअधिकनामकरदासा ॥
 ॥ नामसिंधुधनसज्जनधीना ॥ चंदनतनुहनिसेतसमिनाणा ॥
 ॥ सबकनफूलहनिनक्तिसुहाई ॥ सेविनुसेतनकाहूँपाईणाणा ॥
 ॥ असविचानिजोकरसतसंगा ॥ नामनक्तितेहिसुलूनविहंगा ॥

॥ दोहा ब्रह्मण्योनिधि मंदन ग्यान संत सुन आहि ॥

॥ कथा सुधामयिका छहि नक्ति मधुन ता जाहि ॥॥

॥ विनतिचर्मसिग्यानमदलोचनमोहनिपुमानि ॥

॥ जयपादयसोहनिभगतिदेषुषगेसविचानि ॥ १२० ॥

॥ चोपनि सप्रेम बोले उषगनाउ ॥ ॥ जौ कृपाल मोहिउ पुन नाउ ॥ ॥

॥ नाथ मोहि निज सेवक जानी ॥ ॥ ॥ सप्त प्रश्न मम कहहु वधानी ॥

॥ प्रथमहि कहुनाथ मतिधीन ॥ सर्वतै दुनल न कवन शानीन ॥

॥ वडदुषकवनकवनसुषजानी ॥ सोउसंघेपहिकहुहुविचानी ॥

॥ संत असंत मर मनु म्ह जानहुं ॥ तिन्ह कर सहज सुनाव वधानहुं ॥

॥ कवनपुन्यश्रुतिविदितविसाला ॥ कहहु कवनग्रथपनमकनाला ॥

॥मानसयोगकहहुसमहार्द्रिणा॥ तमहसर्वज्ञकृपाअधिकार्द्रिणा॥

॥ तात्तसनहसादनप्रतिप्रीती ॥ मइसंछेपकहहुंयुहनीतीगा ॥

॥ ननतनुसमनहि कवने उदेही ॥ जीवचनाचनजाचततेही ॥

॥ नयकस्वर्गश्च पवर्गनिसेनी ॥ ग्यानविनागन्गतिस्त्रयेनी ॥

॥ सोतनुधनिहनिभजहिँनजेनन ॥ होहिँविषयनतमंदमंदतनणा ॥

॥ काचकिनचवदलेजेइलेहौं ॥ कनतैंडानिपनसमनिदेहौं ॥

॥ नहिं दनि दुसम दष जगमाहिं ॥ संत मिल नस दुसम जगनाहिं ॥

॥ पन उपकार वचन मन काया ॥ संत स ह ज्ञ सचा व स ग राया ॥

॥ संतसहहिंदयपनहितलागी ॥ पत्र ॥ संतसहहिंदयपनहितलागी ॥

॥ समसुनतनुसन्नसंतक्रपाला ॥ पञ्चविंशसहस्रविपतिविमाला ॥

॥सनइव्यल्पनबंधनकरई॥

॥ घलविनखानथपनअपकानी ॥

॥ पनसं पदाविनसिनसाहिंणा ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

... ॥ ... चित्तवृत्ति ...

॥ संत उदय संत त सुख कानी ॥ विस्व सुख दजि मि इंदु त मनि ॥
 ॥ पन मधर्म श्रुति विदित अहीसा ॥ पन निंदा सम अघन गनीसा ॥
 ॥ हनि गुन निंदक दा दु न होई ॥ जन म सहस्र पावत नु सोई ॥
 ॥ द्विज निंदक वहुन न क नोग कनि ॥ जग जन्म हिं वाय स शनि न धनि ॥
 ॥ सुन श्रुति निंदक जे अ नि मानी ॥ नौ न व न क पन हिते इ प्रा नी ॥
 ॥ होहिं उलूक संत निंदा न ता ॥ मोह नि सा प्रिय ग्यान नानुगत ॥
 ॥ सब कनि निंदा जे ज ड क न हीं ॥ ते इ च म गा दु न हो इ अवत न हीं ॥
 ॥ सुन उता त अव मान स नोगा ॥ जिन्ह तें दुष पाव हिं सब लोगा ॥
 ॥ मोह सकल व्याधि न क न मूल ॥ तेहि तें पुनि उपज हिं वहु सल ॥
 ॥ काम वात क फल न अ पाना ॥ क्रोध पित्त नित घाती जाना ॥
 ॥ प्रीति क न हिं ज व ती नि उ नार्ई ॥ उपज इ संन्य पात दुष दाई ॥
 ॥ विषय मनो न थ दुर्ग म नाना ॥ ते इ सब सल नाम को जाना ॥
 ॥ ममता दा दु कं डु इ न धाई ॥ हन य विषाद ग न ह व हु ताई ॥
 ॥ पन सुख देखि जन नि सोई ॥ कुष्ठ दुष्ट ता म सकुटिल ई ॥
 ॥ अहं कान अति दुष वड गुनु आ ॥ दंन क पट म द मान न ह नु आ ॥
 ॥ तस्मा उदन वृद्धि अति नानी ॥ त्रिविध ईष ना त नु न ति जानी ॥
 ॥ जुग विधि ज्वर म त्स न अ विवेका ॥ कहं ल गिक ह उं कु नोग अ नैका ॥

॥ दोहा ऐक व्याधि वसन न मन हिं ऐसा धि वहु व्याधि ॥
 ॥ पी उहिं संत त जीव क हुं सो कि मिल ह इ स मा धि ॥
 ॥ नेम अचा न त प ग्यान ज ग्य ज प दान ॥
 ॥ नेष ज पु न को मि ल न हीं नोग जा हि ह नि ज्ञान ॥ १२१ ॥
 ॥ चौ ऐहि विधि सकल ॥ सो क ह न य भय प्रीति वियोगी ॥
 ॥ मान म नोग क ॥ ह हिं सब कें ल वि वि न ले नु पो ऐ ॥
 ॥ ना स न पा व हिं ज न प नि ता पी ॥
 ॥ मुनि हुं हृदय कान न वा पूने ॥
 ॥ जो ऐहि नोति वन इ सं जोगा ॥
 ॥ संज म य ह न विषय के आस ॥

उत्तर०

॥३०॥

॥ नद्युपतिभक्ति सजीवनमूनीणा ॥ अनूपानश्रद्धामतिपूनीणाणाणा ॥
 ॥ ऐहिविधि नलेहि नोगनसहि ॥ नाहितजतनकोटि नहिं जाहि ॥
 ॥ जानियतवमनविनुजगोसाई ॥ जवउनवलविनागअधिकई ॥
 ॥ सुमतिछुधावाछइ नितनई ॥ विषयआसदुर्वलतागईणा ॥
 ॥ विमलग्यानजलजवसोन्हाई ॥ तवनहनामभक्तिउनछाईणा ॥
 ॥ शिवअजशुकसनकादिकनामद ॥ जेमुनिब्रह्मविचारविसानद ॥
 ॥ सवकनमतधगनायकऐहा ॥ कनियनामपदपंकजनेहाणा ॥
 ॥ श्रुतिपुनानसवग्रंथकहाहि ॥ नद्युपतिभगतिविनासुखनाहि ॥
 ॥ कमठपीठिजामहिं वनुवाना ॥ वंध्यासुतवनुकाहुहिमानाणा ॥
 ॥ फूलहिं नभवनुवहुविधिफूल ॥ जीवनलहसुखहनिप्रतिकूल ॥
 ॥ तयाजाइवनुमगजलपाना ॥ वनुजामहिशशिसिखिविषाना ॥
 ॥ अंधकानवनुनविहिनसावे ॥ नामविमुखनजीवसुखपावे ॥
 ॥ हिमतेअनलप्रगटवनुहोई ॥ विमुखनामसुखपावनकोई ॥

॥ दोहा ॥ वाणिमथें घृतहोइवनुसिकतातेवनुतेल ॥

॥ विनुहनिनजननभवतनिययहसिद्धांतअपेल ॥

॥ मसकहिकनैविनचिप्रनुअजहिमसकतेहीन ॥

॥ असविचानितजिसंशयनामहिंनजहिंप्रवीन ॥

॥ विनिश्चितवदामिते ॥ नअन्यथावचांसिमे ॥

॥ हसिंनमानजंतिजे ॥ सुदुस्तनंतनेतिते ॥ ३३ ॥

॥ चौ ॥ कहेउनाथहनिचमितअनूपा ॥ व्याससमासइअनन्यनुरूपा ॥

॥ श्रुतिसिद्धांतयहैउनगानीणा ॥ नामनलिआसवकीजविसानीणा ॥

॥ प्रनुनद्युपतितजिसेइयकाही ॥ मोतिमिहंतुनममताजाही ॥

॥ तुम्हविग्यानरूपनहिमोहाणा ॥ नामविमोहयतिमोहाणा ॥

॥ पूछेहुनामकथाअतिपावनि ॥ नामविमोहयतिमोहाणा ॥

॥ सतसंगतिदुलैनसंसाणाणा ॥ नामविमोहयतिमोहाणा ॥

॥ देखुगनुडनिजहुदयविचारी ॥ नामविमोहयतिमोहाणा ॥

॥ कुनाधमसवनातिअपावन ॥ नामविमोहयतिमोहाणा ॥

॥ नामचितव ॥

॥ **देह** ॥ आनुधन्यमैधन्यश्रुतिजद्यपिसर्वविधिहीन ॥
 ॥ निजजनजानिनाममोहिसंतसमागमदीन ॥
 ॥ नाथजथामतिभाषेउनाषेउनहिंकछुगोइ ॥
 ॥ चनितसिंधुनघुनाथकनथाहकिपावैकोइ ॥ १२३ ॥
 ॥ **चौ** सुमिनिनामकनगुनगननाना ॥ पुनिपुनिहृनयनुसुंडिसुजाना ॥
 ॥ महिमानिगमनेतिकनिगाई ॥ ॥ अतुलितवलप्रतापप्रनुताई ॥
 ॥ शिवअजपूज्यचनननघुनाई ॥ ॥ मोपनकृपापनममदुलाई ॥
 ॥ अससुजावकहुंसुनेउंनदेखौं ॥ केहिषगेसनघुपतिसमलेषौं ॥
 ॥ साधकसिद्धविमुक्तउदासी ॥ ॥ कविकोविदकृतग्यसंन्यासी ॥
 ॥ जोगीस्त्रसुतापसग्यानी ॥ ॥ धर्मनिनतपंडितविग्यानी ॥
 ॥ तनहिंनविनुसेऐममस्वामी ॥ ॥ नामनमामिनमामिनमामी ॥
 ॥ सननगऐमोहिसेअघनासी ॥ ॥ हेहिंशुद्धनमामिअविनासी ॥
 ॥ **देह** ॥ जासुनामनवनेयजहननघोरत्रयशूल ॥
 ॥ सोकपालमोहितोहिपरसदानहुअनुकूल ॥
 ॥ सुनिनुशुंडिकेवचनशुनदेखिरामपदनेह ॥
 ॥ बोलेउप्रेमसहितमिनागनुडविगतसंदेह ॥ १२४ ॥
 ॥ **चौ** मैंकृतकृत्यनऐउंतबवानी ॥ सुनिनघुवीननगतिनससानी ॥
 ॥ नघुपतिपदपंकजनतिनऐउ ॥ मोहविषयममताअघगऐउ ॥
 ॥ नामचननननननतिनई ॥ ॥ मायाजनितविपतिसवगई ॥
 ॥ मोह ॥ ततुमहने ॥ मोकहुंनाथविविधसुखदऐ ॥
 ॥ मोपहिहोइ ॥ ॥ तना ॥ वंदौंतवपदवानहिंवाना ॥
 ॥ पूननकामनामअ ॥ ॥ तुमहसमतातनकोउवडजागी ॥
 ॥ ॥ ॥ पुनहितहेतुसवरुकाइकननी ॥
 ॥ ॥ ॥ कविकल्पनिकहेनजाना ॥
 ॥ ॥ ॥ नदुषद्वहिंसंतसुपुनीता ॥
 ॥ ॥ ॥ नवप्रसादसंशयसवगऐउ ॥
 ॥ ॥ ॥ पुनिपुनिउमाकहइविहंगव

॥ दोहा ॥ तासुचननशिनुनाइकनिप्रेमसहितमतिधीन ॥
 ॥ गणेशगुडवैकुण्ठतवहृदयनाधिनधुवीन ॥ ॥ ॥
 ॥ गिनिजासंतसमागमसमनलानकधुआन ॥
 ॥ विनुहनि कृपानहोइसोगावहिंवेदपुनान ॥ १२५ ॥
 ॥ चौ कहेंउपनमपुनीतइतिहासा ॥ सुनतश्रवनधूटहिंनवपासा ॥
 ॥ पुनतकलपतनुकनुनापुंजा ॥ उपजइप्रीतिनामपदकंजा ॥ ॥
 ॥ मनक्रमवचनजनितअधजहिं ॥ सुनहिंजेकथाश्रवनमनमहिं ॥
 ॥ तीनथनटनसाधनसमुदाई ॥ जोगविनागग्याननिपुनाई ॥
 ॥ नानाकनमधनमव्रतदाना ॥ संजमदमजपतपमषनाना ॥
 ॥ भूतदयादिजगुनसिबकाई ॥ विद्याविनयविवेकवडाई ॥
 ॥ जहलगिसाधनवेदवधानी ॥ सबकनफलहनिभक्तिभवानी ॥
 ॥ सोनधुनाथनगतिश्रुतिगाई ॥ नामकृपाकाहूंयकपाईगा ॥
 ॥ दोहा ॥ मुनिदुर्लभहनिभक्तिननपावहिंविनहिंप्रयास ॥
 ॥ जेयहकथानिनंतनसुनहिंमानिविस्वास ॥ १२६ ॥
 ॥ चौ सोइसर्वग्यगुनीसोइग्याता ॥ सोइमहिमंडनपंडितदाता ॥
 ॥ धनमपनायनसोइकुलजाता ॥ नामचननजाकनमननाता ॥
 ॥ नीतिनिपुनसोइपनमसयाना ॥ श्रुतिसिद्धांतनीकतेहिंजाना ॥
 ॥ सोइकविकोविदसोइननधीन ॥ जोधूलछांदिनजेरधुवीन ॥
 ॥ धन्यदेशसोइजहंसुनसनी ॥ धन्यनानिपतित्वतअनुसनी ॥
 ॥ धन्यसोभूपनीतिजोकहई ॥ धन्यसोधिइसमअनुइई ॥
 ॥ सोधनधन्यप्रथमगतिजाकी ॥ धन्यनानिपतित्वतअनुसनी ॥
 ॥ धन्यधनीसोइजवसतसंगा ॥ धन्यनानिपतित्वतअनुसनी ॥
 ॥ दोहा ॥ सोकुलधन्यउगासननविभक्तिसुख ॥
 ॥ श्रीरधुवीनपनायतन ॥
 ॥ चौ मतिअनुरूपकथामैनाथा ॥
 ॥ तबमनप्रीतिदेखिअधिकई ॥
 ॥ हनकहियमतिसठहठसिली ॥
 ॥ गिचितवनि ॥

॥ कहियन लेनिहि कोधीहि कामिहिं ॥ जो न भजहि सच नाचन स्वामिहिं ॥
 ॥ दिज द्रोहिहि न सुनाइ यक वहूं ॥ सनपति सनिस होइ न पज वहूं ॥
 ॥ नाम कथा के ते इ अधिकानी ॥ जिन्ह के सत संगति अति प्यारी ॥
 ॥ गुन पद प्रीति नीति न त जे ई ॥ दिज सेवक अधिकानी ते ई ॥
 ॥ ता कहें यह विशेष सुषदाई ॥ जाहि प्रान प्रिय श्री न घुनाई ॥
 ॥ दोहा नाम च न नति जो चहहि अथवा पद निर्वान ॥

॥ जाव सहित सो यह कथा कनौ अव न पुट पान ॥ १२८ ॥

॥ नाम कथा गिनि जा मै व न नी ॥ कलि मल समनि मनो मल हनी ॥
 ॥ संसृति नोग सजीवन मूनी ॥ नाम कथा गावहिं श्रुति नूनी ॥
 ॥ ऐहि महं उचिन सप्त सो पाना ॥ न घुपति न गतिके न पंथाना ॥
 ॥ अति हनि कृपा जाहि पन होई ॥ पाँउं देइ ऐहि मान ग सोई ॥
 ॥ मन काम ना सिद्धि न पावा ॥ जे यह कथा कपट तजि गावा ॥
 ॥ कहहिं सुनहिं अनु मो दन कहें ॥ ते गोप दइ व न निधित नहिं ॥
 ॥ सुनि सव कथा हृदय अति नाई ॥ गिनि जा बोली गिना सुहाई ॥
 ॥ नाथ कृपा मम गत संदेहाणा ॥ नाम च न न उपजे उन व न हा ॥

॥ दोहा ॥ मै कृत कृत्य न इ उं अवत व प्रसाद विश्वेश ॥

॥ चौ उपजी नाम भक्ति दिखी ते सकल कलेश ॥ १२९ ॥

॥ यह सुन शंभु उमा संवादा ॥ सुष संपादन शमन विषादा ॥
 ॥ भव न जनमं जन संदेहाणा ॥ जन न जन सजुना दिय ऐह ॥
 ॥ नाम ॥ तमा माहिं ॥ ऐहि सम प्रियति न के कथुनाहिं ॥
 ॥ न घु ॥ गावा ॥ मै यह पावन चरित सुहावा ॥
 ॥ ऐति ॥ जा ॥ जाग जग्य जप तप व्रत पूजा ॥
 ॥ नाम ॥ नहिं ॥ तत सुनि य नाम गुन ग्रामीहिं ॥
 ॥ ॥ ब्रहिं श्रुति क विसंत पुना ॥
 ॥ ॥ म भजे गतिके हि नहिं पाई ॥

॥ पावन नाम भजि सुनु सह मना ॥

॥ मोक्ष गजादि बल तनि यना ॥

॥ लप नादि अति अमन ॥

उत्तर०

[illegible]



पुमायया
तु लक्षिका
सातो काडि

[illegible]



तन्ने
गमचितव





Fragment of handwritten text in Devanagari script, likely from a manuscript. The text is heavily damaged and partially obscured by ink smudges and paper tears. Visible fragments include:

...मयैनु...
...सिद्धिजन्तित्व...
...विभक्त...
...तन्ने...
...विचितव...



Handwritten text in Devanagari script, likely a fragment of a manuscript, showing signs of damage and wear. The text is written in black ink on aged, yellowed paper. Some characters are highlighted in red ink. The fragment is torn and irregularly shaped, with visible fibers and discoloration. The text is arranged in several lines, though some are obscured by the damage. Legible portions include:

॥ ॐ नमो भगवते ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥



[illegible]



[illegible]

...सिद्धिजन्मति...
 ...विशेष...
 ...विष्णु...
 ...चित्तव...



[illegible]

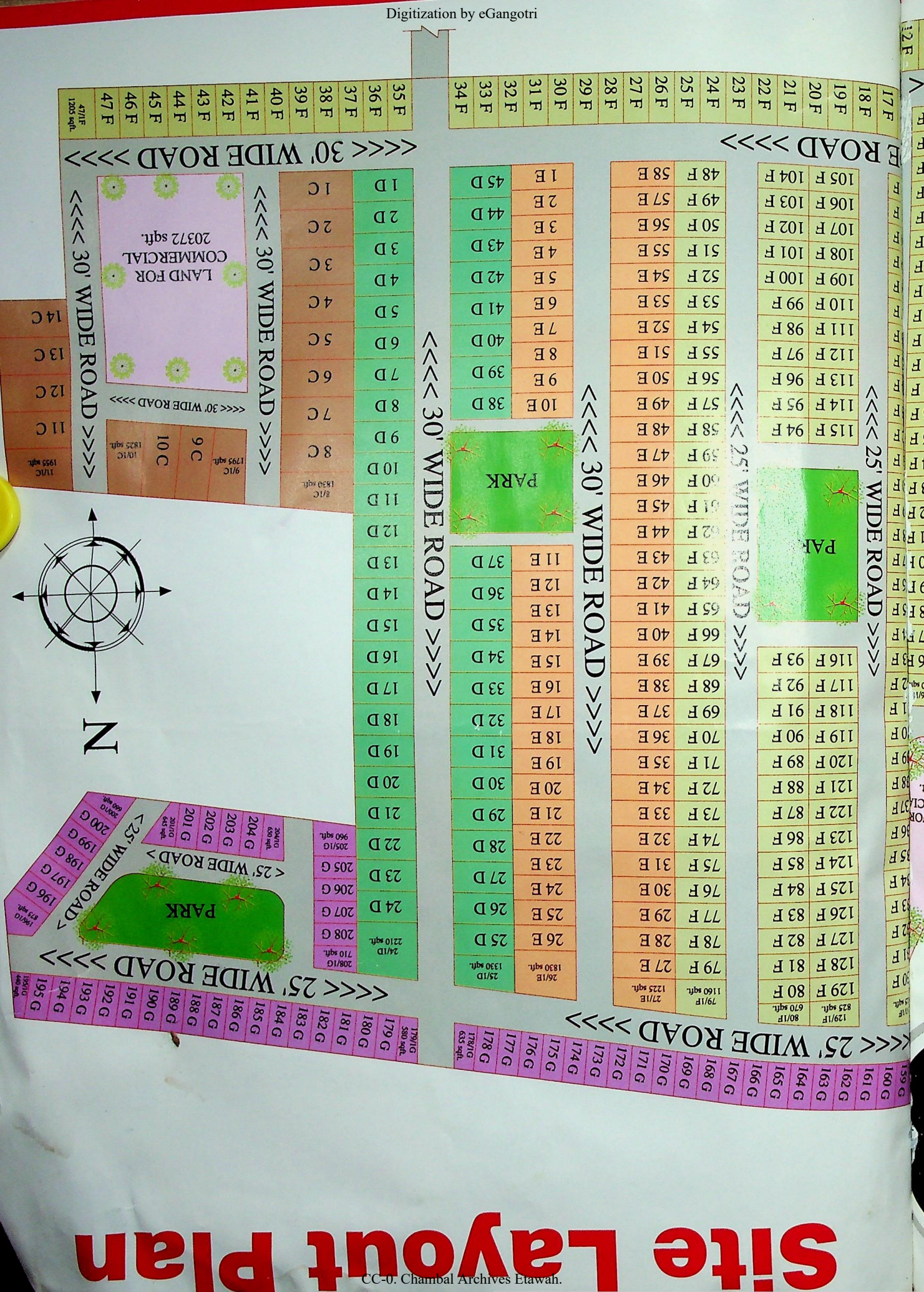


१२५ सठ
 १२५ पोपर
 १२५ मिरख
 १२५ अज मोरा
 १२५ सेंधव नून
 १२५ सांवर
 १२५ जीरा सफेद
 १२५ जीरा स्याह
 १६ होंग
 १२५ सोहागा कच्चा
 १२५ औरा
 १५ हर बड़ी
 १२५ बहर
 २५ धव बिरंग
 २५ सनाह
 १२५ अमिल बेरंडी
 २५ कलैंजी
 १२५ पोटिना सूखा
 २५ सों क
 २५ सांभर
 २५ सब दवा कूट धान कर
 २५ कागदी नीच के रस में
 २५ जली धनावा

[illegible]



Site Layout Plan

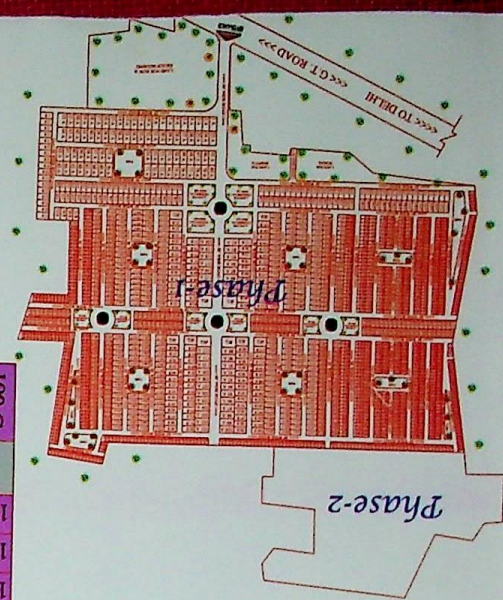


SHINE CITY
 Member of **CREDAI** U.P.
 an ISO 9001:2008 certified company

NEW DEFINITION OF HOMES

Marketed By:
 Shine City Infra Project Pvt. Ltd

TYPE	PLOT SIZE	NO.	TOTAL PLOTTED AREA (SQFT.)	SHOW
C	30'X60'	14	1800	25200
D	25'X50'	45	1250	56250
E	20'X50'	58	1000	58000
F	20'X40'	218	800	174400
G	18'X36'	648	208	134784
OTHERS AREA PLOTS			41	42450
TOTAL LAND AREA = 807497 sqft.			TOTAL PLOTTED AREA = 491084 sqft.	
TOTAL ROAD AREA = 248545 sqft.			TOTAL PARK AREA = 38249 sqft.	
TOTAL COMMERCIAL AREA = 29619 sqft.				



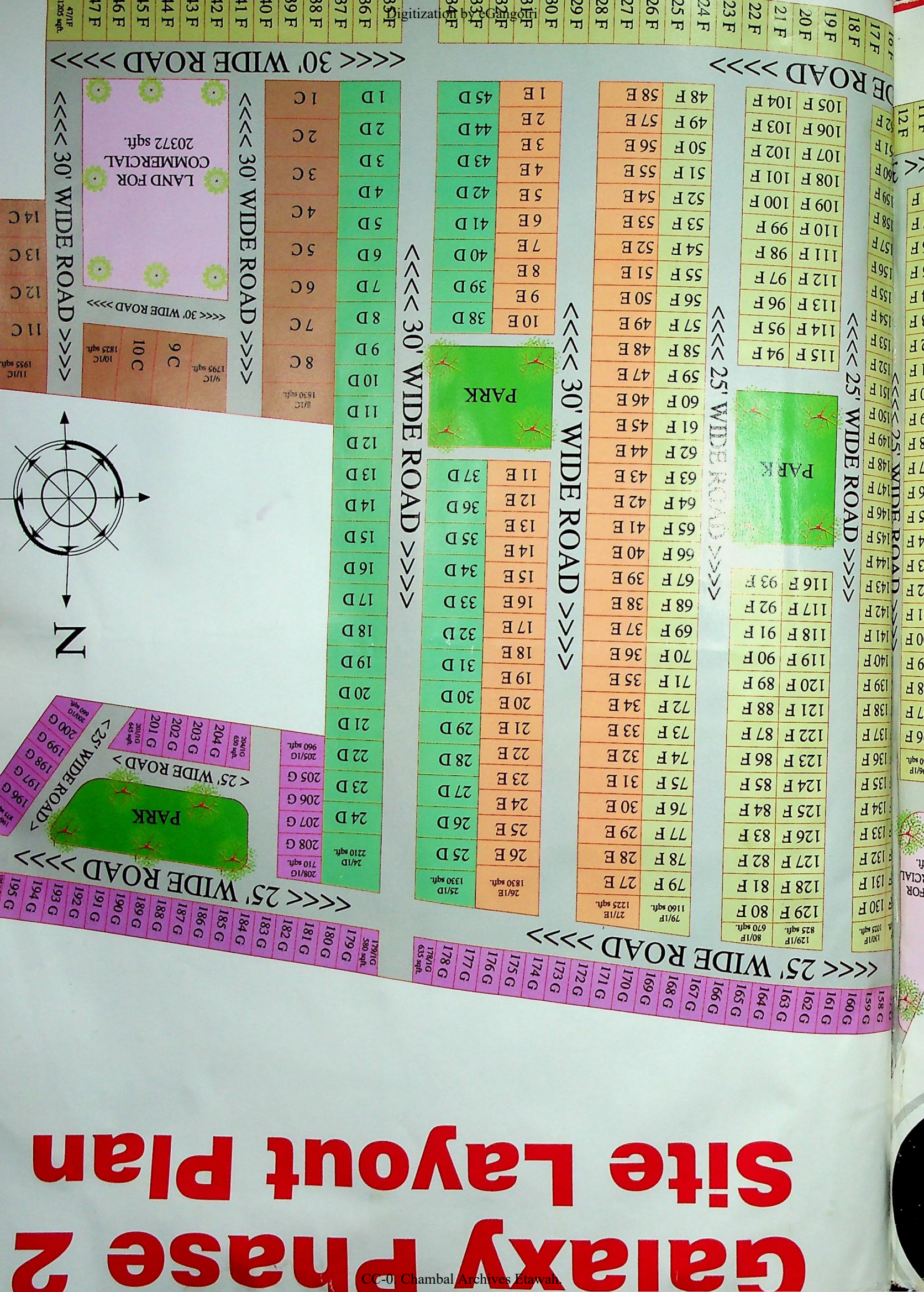
KANPUR

Table with 4 columns and 10 rows (faint bleed-through from the reverse side)

1	2	3	4
5	6	7	8
9	10	11	12
13	14	15	16
17	18	19	20
21	22	23	24
25	26	27	28
29	30	31	32
33	34	35	36
37	38	39	40



CC-0. Chambal Archives Etawah.



SHINE CITY
Member of **CREDAI** U.P.
an ISO 9001:2008 certified company

NEW DEFINITION OF HOMES

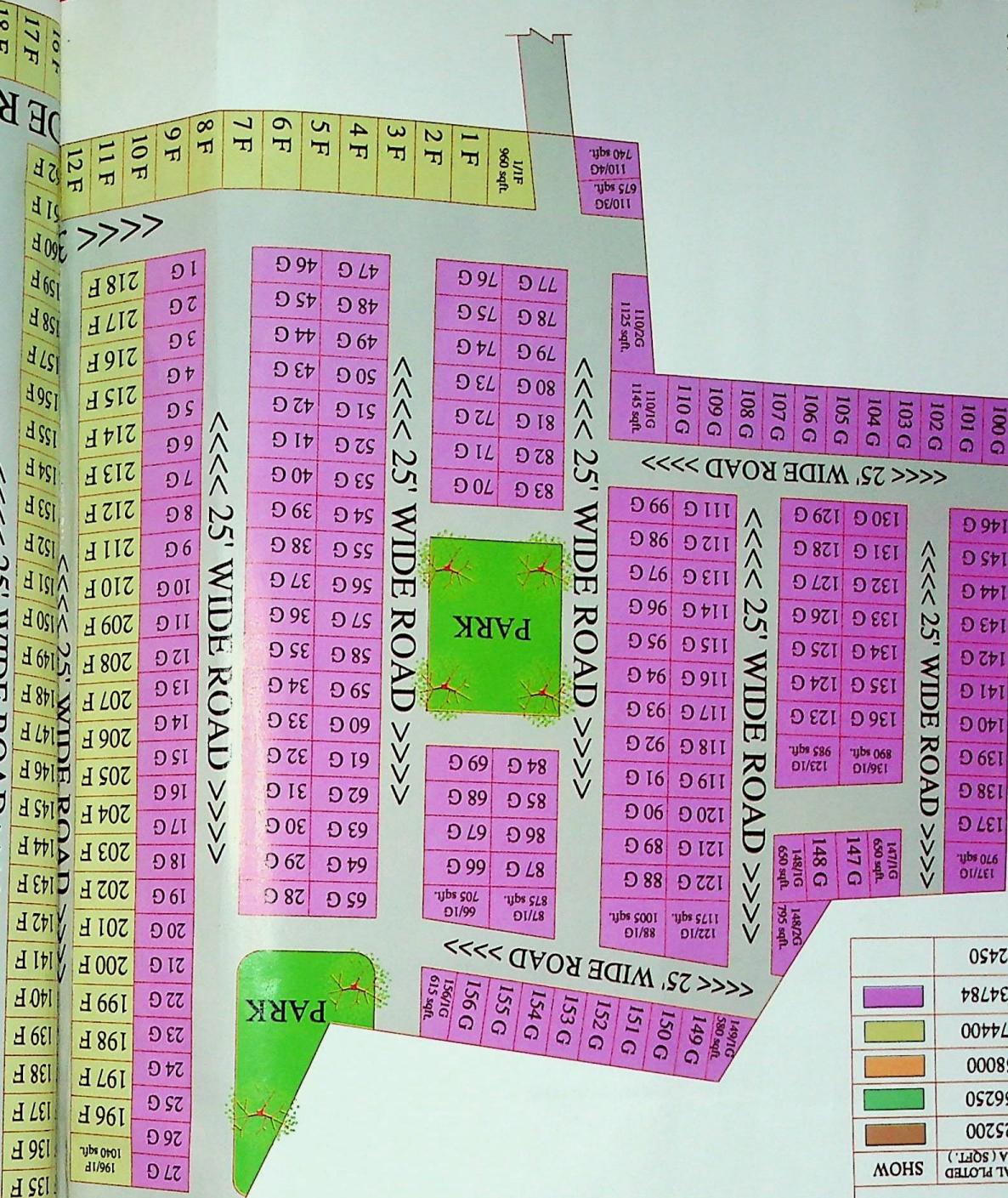
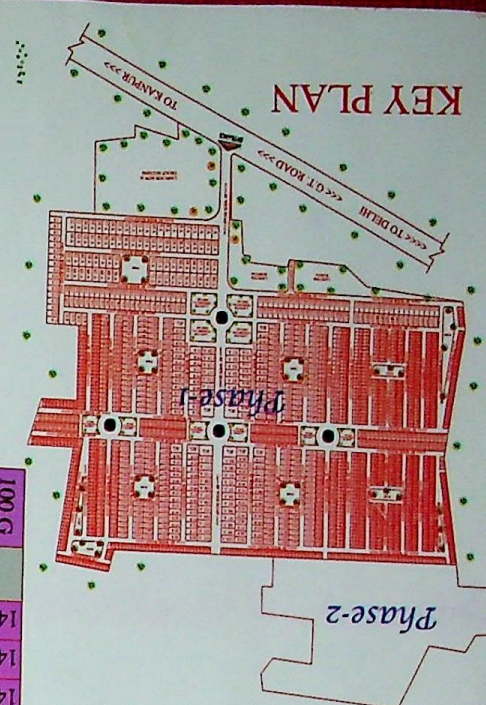
Etawah.

KANPUR

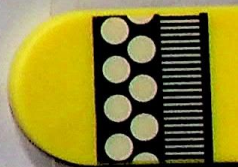


Marketed By:
Shine City Infra Project Pvt. Ltd

PHASE - 2			
TOTAL LAND AREA = 807497 sqft.			
TOTAL PLOTTED AREA = 491084 sqft.			
TOTAL ROAD AREA = 248545 sqft.			
TOTAL PARK AREA = 38249 sqft.			
TOTAL COMMERCIAL AREA = 29619 sqft.			
TYPE	PLOT SIZE	NO.	TOTAL PLOTTED AREA (SQFT.)
G	18'X36'	648	134784
F	20'X40'	800	174400
E	20'X50'	1000	58000
D	25'X50'	1250	56250
C	30'X60'	14	25200
SHOW			







RC
1/7/2020





This PDF you are browsing is in a series of several scanned documents from the Chambal Archives Collection in Etawah, UP

The Archive was collected over a lifetime through the efforts of Shri Krishna Porwal ji, Hindi Poet and Knowledge Aficianado :

The Archives contains around 80,000 books including old newspapers and pre-Independence Journals in Hindi and Urdu.

Sanskrit and English books are there as well.

Several Books are from the 17th Century. Atleast two manuscripts are also in the Archives - Copy of Rama Charit Manas and another Bengali Manuscript. Also included are antique painitings, antique maps, coins

Chambal Archives also has old cameras, typewriters, TVs, VCR/VCPs Video Cassettes, Lanterns and several other Cultural and Technological Paraphernelia

Collectors and Art/Literature Lovers can contact him if they wish through his facebook page

Scanning and uploading by eGangotri Digital Preservation Trust.